

اظهاران كاأر وترجمه اورشرح وتحقيق

مِهِ الْمُعَالِمُ الْمُعِلَّمُ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلِي الْمُعِلِّمُ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلِي الْمُعِلِّمِي الْمُعِلِّمِي اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلْمُ الْمُعِلِمُ عِلَّا عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلْمُ الْمِعِلَّمِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عِلْمِلْعِلِمِلْعِلِمِلْعِلْمِلِي عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَّا عِلَيْهِ عَلَيْهِ عِلَيْهِ عِلَيْهِ عِلَيْهِ عِلَّا عِلْمِلْعِلَامِ عِلَيْعِلِمِلْعِلِمِلْعِلْمِلْع

قُلْ تَيَا اَهِلَ إِنْكُتُ نِعَالِوْ إِلَى كِلِيمَ فِي سَوَاءً بَيْنَا وَبَيْنَاكُمُ

بالناح سيقران كك

حَفَرْتُ مُولَانارِ مِنْ الدُّصَاحِ بِي الْوَيِّ بانِ دارالعُ لُومِ حَرْمِ مَدْرِسَةُ مِنَولِتَ مِكَةً معظمَّهُ كَنْ شِهْرَةُ آفاق البف كَنْ شِهْرَةُ آفاق البف أَنْهُم الْراحِق "

> کااردُ وترجمها درشرُح وتحقیق ہما **درم**

جلر**روم** مشرح بخفة

شرح دمحین محسسر تفی عثمانی امتاذمدیث دارالعلوم کراچی

مولانا اکبرعلی صاحر جمتیان طلبه سابن استاز حدیث دارا تعلوم کراچی

خاشِر مكتبه دارالعها مكتبه دارالعها

باهتمام: محمد قاسم كلكتي

طبع جديد: شعبان المعظم اسماه جولا كَي 2010،

فون : 5049455 : وفون

mdukhi@cyber.net.pk : اى ميل

mdukhi@gmail.com " "



مكتبه دارالعلوم احاطه جامعه دارالعلوم كراجي ﴿ ناشر ﴾

@ ادارة المعارف احاطه جامعه دارالعلوم كراچي

ه مکتبه معارف القرآن احاطه جامعه دارالعلوم کراچی

@ اداره اسلامیات ۱۹۰ انارکلی لا ہور

و دارالاشاعت اردوبازار کراچی

پیت الکتب گلش ا قبال نز داشرف المدارس کراچی

فهرست مضامين الظهارالحق عبدروم

| صفح | مضمون | صفح | مصنمون |
|-----|--|-----|-------------------------------|
| ۲۳ | الترائيل يا بهوداه ؛ شاهدر |)) | م د دوسراباب |
| " | پوتس كےخطيس تخريف، شاه فر | 11 | بائبل ميں تخرکفينے دَلائل |
| 40 | ز ټورمين تحريف ، شاهنار | " | تخ لفي كي قسميس |
| 77 | مردم شاری میں اخت اور | 10 | يهلامقصر |
| " | آدهم کلارک اعرّان تحراف شاهار بارسلے کا کھلاا عرّات ، شاهار | , | الفاظ كى تبديلي |
| 74 | ارآم يا ادروم؟ شاهطار | 10 | حصرت آدم سے طوفان نوح ع تک |
| " | عبار یاجالسن ^م ؟ شاهسار | | کی مترت ، شاهار ، |
| " | كتى كاط كاعتران، شاه فار | ١٦ | طوفانِ نوح ي حصرت ابراميمً |
| 71 | شاطلهاورآدم كلاركا عران | | تک، شاهند |
| 19 | اس اعترات كے عظیم تناسج ، شاہرًا | 4. | كوه جريزتم ياكوه عيبال؛ شاهسد |
| 44 | البياه اوريزيعام كاكثر، شاهشار | 71 | ريوريا چرواهي شاهير |
| 44 | يتهوياكين كي عمر، شاهوا ر | 44 | سُات سال ياتين سال إشاه في |
| ~. | دوسرامقصىر | 42 | بهن یا بیوی ۶ شاهد |
| " | الفاظئ تيادن | " | بينابات دوسال برائحقا، شاهك |

| | | 18/ | |
|-------|--|-----|-------------------------------------|
| فسفحه | مضمون | صفح | ممضمون |
| 97 | انجيلَمِنَيْ الْمَتَى كَيْهِينِهِي، شاهـُـار | 74 | يا بَركى بستيان ، شاھىكەر |
| 1-1 | مُغالطا وُران كاجوابُ | 1 | خدارند کابہار ، شاهشد |
| | | 4 | خداوندکا جنگ نامه ، شاهنگ |
| " | بہملامغالطہ؛غیرمسلوں کی شہادیں | ۵٠ | حَرَون اوردآن ، شاهك |
| 1-4 | , | ar. | استناكى ببلى بالح آيتي الحافى بين، |
| 1.2 | ان كتابول كي فهرست جوحسزت ج | | شاهس |
| | یا حواربوں کی طرف منسوب ہیں ، | " | استثناكاباس الحاقي بوشاهسار |
| 1.4 | د وسری ہدائیت؛ مختلف عیسائی فرتو | 26 | کیا حصرت دآؤ ڈ خداوند کی جماعت |
| | کی شہادت ، | | يس سے بين ؟ شاهلا |
| 1.9 | تيسرّی ہدايت؛ عيسانی علمار و | 71 | بهيرودياس كاشوهر، شاهكر |
| | مورّخین کی شہا رتبی، | 44 | كتاب برمياه كاغلط حواله، شاهو ير |
| " | پوتس کا قول | | د ناکس کااعترا ب مخرلین) |
| 11. | المجيلت | 44 | يوتحنا كي خطيس كمكى تحريف جست عقيدة |
| 111 | يوتحناكا قول | | تثلیث پرزد برای تا ماهستد |
| 111 | موشيم مؤرخ كااعتران | 41 | لو تحری ترجم میں مخرلف |
| " | بوشى ببين اور والمستن | 49 | تىسرامقصىر |
| 141 | ایک نومسلم میودی عالم کی شهارت | | 1:1:11 |
| 144 | ہور کی نظرمیں سخر لیٹ سے اسباب | N | حذوف الفاظ |
| 141 | دوسرامغالطه ؛ حصرت يرج نے ان | ۸٠ | مَصَرِينِ قَيْم كَي مِرْت، شاهك |
| | کتب کی سجی گواہی دی ہے، | 10 | بالایے عہما سے دگر |
| 146 | گمشد کتا بول کی تفصیل ، | , | البيل فاتبيل كاواتعه، شاهسر |
| " | كتأبِ ايوتب كي اصليت ، | 19 | ز بورىين كھى تحريف، شاھىل |
| 1 | | | |

| | | 43 | |
|------|--|------|--|
| اسخه | مضمون | اصفح | معنمون |
| 124 | حیوانات کی حلّت ، مثال منب ب | 100 | تيسرامغالط؛ إلى كتاب يانتدار يحفي، |
| 141 | ايك ا در محرلين | 15-4 | جَوْتِ تَحْدَامغالطم؛ يهكتابين تهرت باجكي تحسي |
| 4 | د وبہنوں سے شادی، مثال منسسر | 184 | ایک عجیب دافعه، |
| 149 | مچوتھی سے نکاح ، مثال تنسبکے | 154 | بائبل میں مکان تحرفیت کے ناریخی دلائل ، |
| 14. | طلاق کی حلّت ، مثال منبسر | - | تورات بوسیاہ کے در رحکومت کک ، |
| IAT | عيدادرسبت كے احكا، مثال نمثر | 101 | بوسیاه کے درس توریب کی دریافت، |
| | رمیدیوں کے ہواد) | 101 | يوتسياه سے تجنت نصر تک ، |
| IAT | ختنهٔ کاهم، مثال منبار | 11 | |
| 144 | ذبیحه کے احکام ، مثال تنبیلر | 11 | انتيوكس كاحادثه دمكابيونكي كتاب كي شآد، |
| " | سردارکاہن کے احکام، مثال منسبلر | 11 | |
| " | ذرتبت كے سباحكام منسوخ، مثال تمبرا | 1 | عراني نسخ کي حيثيت ، |
| IAA | ورتيت سے مخات، مثال منطلر | 11 | خود يهود بون في نسخ نا بيدكة |
| 119 | ورسية برغمل كرنيوالالعنتي، مثال منسفيل | ١٥٦ | عيساتيون براوطنخ والحمصائب |
| 19. | رستایمان کے آنے تا عی، منال سالے | ١۵٩ | د ليکليشين کاحاد نه |
| 4 | لربعة كابدلنا سروري يؤمثال منبشر | ١٧٢ | باليخوال مغالطه؛ عهدنبوني سيقبل كي نسخ |
| 191 | رات باننس ادر فرسد به عقی ، مثال نمن بسر | آتو | تبشراباب. |
| 195 | تا <u>چ</u> | ١٦٥ | رسخ كاثبوث |
| 190 | | - | 7.00 |
| 190 | مانت الدعده منسوت مثال نبار | ٠ | السخ کے معنی |
| 197 | بن کی رویے خدا بیکتاماہ | - 11 | |
| 191 | مان کی نجاست و دن پھانے کا حکم، | ١٤ | نسَّخ کی پھلی قبِسُم |
| | مثال مسير | " | بهن بهائی میں شادی ، مثال منبار |
| | | | |

| ى كاواقعه؛ مثال منب (٢٠١ عَقَلَى محالات واقعى نامكن بين، الم | خیمهٔ اجتماع کے اجتماعی خطا کا |
|--|-----------------------------------|
| عضرام کی تعداد؛ مثال نمب رسی اس اجهال کی وجہ سے کئی جیسے نہیں اس اجهال کی وجہ سے کئی جیسے نہیں کا کھارہ؛ مثال منسب سے کہا ہے۔ کہا کہ مثال منسب سے کہا واقعہ؛ مثال منسب سے متعلق محالات واقعی ناممکن ہیں، اسم | خیمهٔ اجتماع کے اجتماعی خطا کا |
| كفاره؛ مثال منبسر به مشتبه ره گئين، كاواقعه؛ مثال منبسر ۲۰۱ عقبل محالات واقعى نامكن بين، ۲۳۹ | اجتماعی خطاکا |
| ى كاواقعه؛ مثال منبر المعتقل محالات واقعى نامكن بين، المهم | |
| | / |
| | |
| ع كاحكم؛ مثال منبور ، اليون من تعارض موتوكيا كرناجا سنة ؟ ٢٢٠ | حواريون كوتبل |
| المسكم؛ مثال منبار ٢٠٢ ميتن كمبي ايك نهيس بموسكة، | توربيت برعمل |
| ول سے استرلال غلط ہے، ۲۰۳ عیشائیوں کے نزدیک توحید تھی حقیقی ہر ا۲۲ | حصرت یم کے |
| جو تقابا عب اورتشلیث بھی ، | • 1 |
| ند بندر، العقیدة تثلیث کی تشریح میں عیسائیوں اور الماختلان اللہ الماختلان اللہ الماختلان اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ ا | 10 |
| 1 1 1 1 | |
| ر المحتلق مَن مَن مَاتُ المحِجْبِي أَمْنُون بيس كُونَى تثليث كاقاتل مُعَمّا المُمْمُونَ اللَّهِ عَلَا المُمْمُ | 1 |
| ؟ ٢٠٠ ركتاب بيدائس اوراس كاجواب | خراکون ہے |
| | مغبور دسی ۔ |
| مرائے کے اعسارکاذکر ۲۰۸ عجة و تذاریجها کرکست رطر ۱۸۷ | غهر عتبق میں خ |
| الفاظ کے مجازی مصنی السال عبیر سکیت ک ک صوفی پر انتہا | بعضاوقات |
| ن اینهای دسیال | مرادہوتے ہیں |
| | بائنبل میں غیرا س |
| | خداکے ساتھ |
| | تمام انسانوں |
| استعمال، البخوس دلسيل | لفظ "خداً كا |
| اورمبالغه كااستعمال المحتمل دلسيل اورفرقه يعقوبيه كامذبهب المهم | |
| مے محال ہونے کے دلائل ۲۲۹ شاتویں دلیل | عشار رتباني |

| صفحته] | مرصموان | سنح | مضمون |
|---------|------------------------------------|-----|--|
| 741 | رسوال ارشاد، تحقارابا پالکسی سے. | 404 | تین عیساتی ہونیوالوں کاعجیبے اقعہ |
| " | سیار موا ارشاد ساے میرے باب " | | عقلی دلائل کی بنار پریاتبل کی تاویل صروری |
| 149 | باریموان ارستاد" ابن آدم" | | مستشرق تشيل كااغران ووصيت |
| | تیسری نصف ل | | دوسرىفصىل |
| ۲۸۰ | نصّارى ك دَلان برايك نظر؛ | 747 | عقةُ رَيْثاليث أقوالِ مسيح كَ وشني مين |
| YAI | بيلى دليل، "خدا كابيثا" | " | بہلاارشاد، "خدات واحد" |
| 710 | بانبل میں انسانوں کے لتے اس لفظ کا | 1 | دوسراارشار "أيكسى خداوند" |
| | اسپتعال ، | 144 | تيسرارشاد من آسما ك فرشة نه باليا مكر باب" |
| TAA | دوسرااستدلال سيس اوبركا بون | | رعیساتیون کی تا دمل کا جواب |
| 119 | تىسرى دىسلىسىس اورباب ايك يىن | 771 | چوتھاارشاد در کسی کو بھانامیر اکام نہیں" |
| 191 | چوتھی دلیل، سی باب میں ہوں " | " | یا بخوان ارستار، نیک توایک ہی ہے " |
| 198 | بالتخوين ليل بغيربات بيدابهونا | | رجديدمترجمون كى مخرلف) |
| 190 | جھٹی دلیل، معجزات | 779 | حجيطاارشار" ايلي ايلى لما سبقتتن " |
| 494 | ام رازی ادر ایک پادری کادلجیت ظره | 74. | كتب مقدسه كى رُوسے معبود كو موت |
| | بالبخوال باب | | انهیں آسکتی، مع |
| ۳.۳ | فرآن كريم الثركا كلام بح | 741 | عیسا بیوں کے نزدیک جہنم پڑافل ہو (عقیدہ اہمانی شیس) |
| | سے بیسانصل | 740 | عقيدة كفاره عقل كےخلاف ہے، |
| ۳.۸ | اعجاز مشرآن | 744 | ساتوا ل ارشاد المناية خداا ورتمها رخوالخ |
| ۳.۵ | ا بي را سرا ن | 444 | المحوال ارشاد "باب مجمع سے بڑاہے " |
| 4.7 | بهلی خصوصیت ، بلاغت | 741 | نواں ارشاد "میرانہیں بلکہ باپ کا ہے " |

| صفحر | مضمون | صفح | معتمون |
|------|---|------|--|
| ۳٣. | مسجدِحراميس داخله ، بهلى بيشگون | ٣٠٦ | بلاغت كى بېلى دلىل |
| " | خلافت في الارض دوسري بيشكون | ٣. ٧ | د وسری دلسیل |
| 444 | تیسری پیشگوئی، مسیکه کا دا تعه | | ر نساحت اور بلاغت کافرق) |
| 4 | جو تقى بېشگوتى ، دىن كاغلبه د ظهور | ٣٠٨ | تيسرى دلىل |
| " | بایخوس مبیشگونی، فتح خیبر | " | يوتهي دسيل |
| ٣٣٣ | حَصِيْ بِيشِيُكُونَى ، فَتِحْ مَدّ | " | يا پخوس دليل |
| 446 | سانوس بیشگوتی، سلام کی اشاعت | 7.9 | حصيطي دلسيل |
| 4 | أتحصُّوسِ بيشكوني، كَفَّارِكامغلوب، ونا | " | قرآن کریم کی بلاغت کے منونے |
| 4 | نوس پیشگونی ، غزرهٔ برَر | ٣11 | ساتوس دليل |
| 400 | دسوس بیشگوئی، کفارمے سے حفاظت | 717 | آ بھویں دلیل |
| 4 | گيار بهوي بيشگوني ، ايضًا | 717 | اعجازِ قرآني كاليك حيرت انگيز بخوبه |
| 4 | باربهوس بيشكوني ، روميون كى فتح | 717 | نوس دليل |
| ٣٣٧ | مصنّف ميزآن لحي كااعزاض | 1 1 | دسوس دلىل |
| = | اس کا بیواب | 710 | حصنرت عمرة اورلط رتتي روم كاوا تعه |
| 444 | تيرهوس بيشگوئي، كفار كي شكست | " | على بن حسين وا قدراً ورايك طبيبُ |
| 449 | جو دھوں بیٹیگوتی ، کفار برعزاب | TIA | قرآن كريم كى درسرى عربير اسلوب |
| " | يندر بوس بينگوني ، ميهو ديون مناظت | " | كوئى اديب غلطيوت خالى نهيس ربا |
| 46. | - 100111 01 | 441 | قرآن کی اٹرائگیزی کے دا تعات |
| 400 | سترمون بيشكوني، المقديح أيسلمانون اعب | TTA | اعجازِ قرآن کے بالے میں معزّ لہ کی راسے، |
| 26.4 | المفار ہوں بیشگوئی، قرآن کی حفاظت | 449 | معتزلكا نظريه غلط بؤاس كے دلائل |
| Trr | أنيسوس بيشكوني، تخرليت حفاظت | " | اعجاز قرآن برايك شبها دراس كاجواب |
| 4 | بيسوس بيشگوتى ، كمة مكرمه كودالىي | ٣٣. | قرآن رئيم كي تدييري خصوسيت، پيشگوسيان |
| | | | |

| صفح | مضمون | صفح | مضمون |
|-------|--|-----|--|
| ۳۷۰ | قرآن کریم سے مضامین | | |
| 122 | باتبل کے فخش مصابین | ٣٣٦ | بالبيسوس بيشكوئي، أقرآن كااعجاز |
| | رمیرداه اسکریوتی سے علی تاولی | 464 | قرآن کی چونھی خصوصیت ؛ ماصی کی خرس |
| ٣٧٨ | روهمن كيتهولك غيرمعقول نظرمات | 11 | ربيجرار رابه سب ملاقات كاقصنيه |
| ٣٨٠ | مغفرت نامول كى فروخت | 11 | بالنجوين خصوصيت ، دلون کے تعبيد |
| " | بربحرام كوحلال كرسكتاب، | 11 | الحجفظى خصوصيت ، جامعيتت علوم |
| ۳۸۱ | مُردد ل کی مغفرت ببیوں سے سے | | ساتوين خصوصيت، اختلاب تضار حفاظت |
| 171 | ستيزط كرسطافر | | |
| | رستنط کرسٹافر کے بائے میں عیسائی رفیات | 404 | انوس خصوصیت، برمرتبه نیاکیف |
| ٣٨٢ | صلیب کی تعظیم کیوں ؟ «. ریب به | 11 | دسوس خصوصیت، دعوی مع دلیل |
| MAC | تفسيركاح صرف بوب كوب | 11 | 1 |
| 144. | د دسراا عرّاص ، بائبل مخالفت | " | بارموين خصوصيت ،خشنت انگيزي |
| 4 | پېملاجواب بارا | ran | تحاتمته |
| * | دوسراحواب سیست سیسات به را بر | | in it is |
| 1494 | عمر چبرید کے وہ دا تعات جن کا ڈکرعہر میں میں | " | این فعیاریایین |
| | فدیم میں ہمیں ہے ، انکا سے نین سے امتیان | | اعجازِ منه رآن کی جبحمت قرآن کریم ایک م کیون مازل نه ہموا ؛ |
| 1149 | ہا میں مے سخوں نے مزر مداخت لاقات التا کی سر خد | F7. | از ان کرده این اینون ارک در اوا ا |
| ۳۰۰ ا | بالمبن اور تورمین ختان است کست وقص الم | | قران رہم مصابی میں شرار میوں ہے ؟ |
| 1 614 | عملانات مربوره می عبیس بصورت معمد عا | | دو <i>نری صدن</i> |
| 10 | عبر دن نسرااعتراض گراسی کی نسبت اداری جا | 140 | قرآن يرعبسا يتوسح اعتراصنا |
| | واب، | . " | بېلااعتران ، اعجازے انڪار |

| - | | - | |
|------|---|--------------------|--------------------------------------|
| صفحه | مضموك | صفحه | مصنمون |
| 941 | احادثث كالمحت | (14 | مسّلة تقديربر بائبل اورعيسائي علما م |
| | | 1 | سے اقوال ، |
| 11 | زبانی و ایا بھی قابلِ اعتماد ہیں، قائدہ تملیر | rrr | عفیدہ جبرکے بالیے میں ایکٹرکی رائے |
| 500 | لبص علمار برر طستنث كااعران | 1 | طامس انتکلس کی دانتے |
| 505 | تفاكس انتظس كبيتهولك كانيصله | | رطامس ایکوائنس کی دائے) |
| 500 | اہم باتیں یا درستی ہیں، فائرہ نمسلبر | 44 | جنت كى لز تيں |
| CON | تدرين حريث كى مختصرتايع، فائدة سير | 50 | جنت محباكيس عيساني نظريات |
| 4. | حديث كي تبرقسمين | | رجنت كى جمانى لنه تون برياس استعلال) |
| " | حدسي صحح اورقرآن مين فرق | 841 | جو تھا اعر اص فرآن کے مضامین پیاپیاں |
| | | 441 | اعرّانن بيسري فصل |
| | ابتدار | 6 | جلرس |
| | ت پدت اعزاها | پربا در پربا در | احًا دِيُثِ |



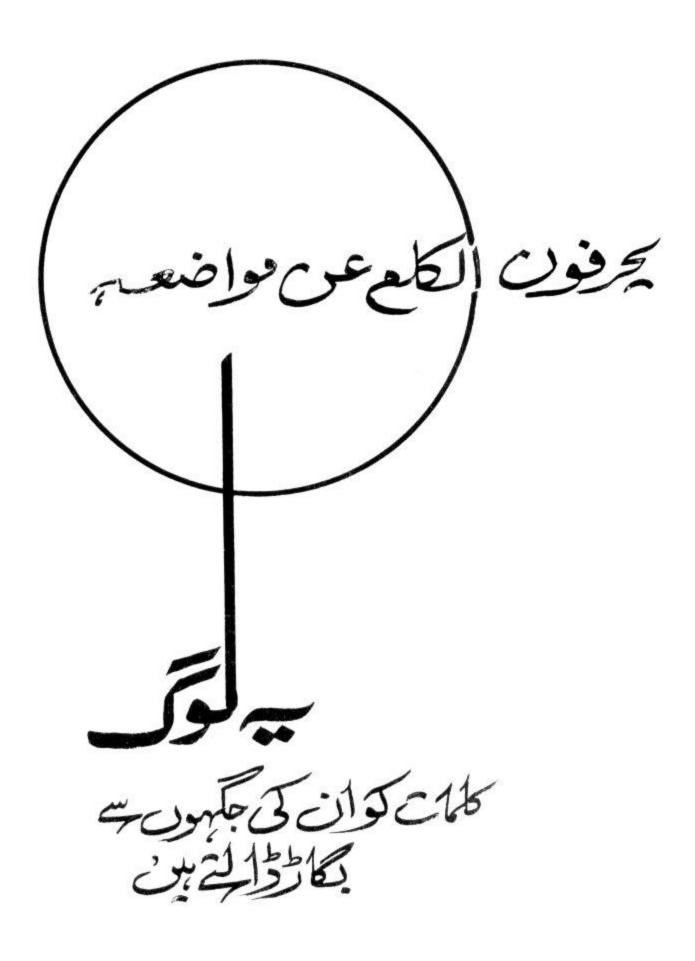
بالخيدم

بائنل كى خۇلفارق

• تنبرسال

• حزب الفاظ

واقاق



بالجياوم

بانتل مين تخريف كے دلائل .

سخرلین کی شمیل

تحریف کی دروتسیس میں الفظی اورمعتومی،

دوسری قسم کی نبست ہمارے اور عیسائیوں کے درمیان کوئی جھگڑا ہمیں ہے، کیؤ کمہ وہ تسلیم کرتے ہیں کہ جہرعتیق کی وہ آیات جن میں عیسائیوں کے خیال کے مطابق حضرت مسیح علیات اسلیم کرتے ہیں کہ جانب اسٹارہ تھا، اور وہ احکام جو یہودیوں کے نز دیک دائمی اور ابدی ہیں ان کی تفسیر میں یہودیوں کی جانب سے تحریف معنوی کا صدور ہوا ہے، اور علمار بروٹسٹنٹ یہ بھی اعتراف کرتے ہیں کہ بابا کے معتقدین کی طرف سے دونوں جمدنا موں میں اس قسم کی سے بھی اعتراف کرتے ہیں کہ بابا کے معتقدین یہی الزام بڑی شدت سے پہلے فراتی پر کے لیے ایک اس طرح بابا کے معتقدین یہی الزام بڑی شدت سے پہلے فراتی پر کے لیے ایس اس لئے ہم کو اس کے ٹابت کرنے کی چنداں صرورت ہمیں،

ک تربید بعنظی کامطلنجی پیزکد اسل انفاظ بین تبدیل کردی جائے ،خواه ایک نفظ کی تنگر دوسرار کھ کریا کسی نفظ کو حذف کریے یا کوئی لفظ بڑھا کر ادر سخر لعب بمعنوی کا مطلب ہوکہ انفاظ بین تو کوئی تبدیلی نہ کی تجا، گرعبارت کی کوئی من مانی تفسیر کی جائے ،جواصل معنی کے خلاف ہو ۱۲ اب نصور بین لفظی باقی ره جاتی ہے جس کا علم بیر دلسٹندے بطاہر علی مسلانوں کو دھوکہ بیں ڈالنے کے لئے سختی سے انکار کرتے ہیں ، اور جبو کے من گرات ولائل اپنی رسالو میں بیش کرتے ہیں ، تاکہ دیکھنے والوں کو شک میں مبتلا کرسکیں ، اس لئے اس کے ثابت کرنے کی صرورت ہے ، النٹر کی مدد کے بھروسر پر ہم یہ عوض کرتے ہیں کہ سخ لفظ اپنی تمام قسموں سی سے خواہ الفاظ کی تبدیلی ہویا کمی بیشی ، ان کتابوں میں موجو دہے ، اب ہم ان تمینوں قسموں کی ترتیب الے تین مقاصر میں بیان کرتے ہیں :۔

مقصراق

تخرليفِظى كانبوتُ، الفاظى تنصريلى كى شيكل مين،

بہلے یہ مجھے کہ اہلِ گنا کے نزدیک عہد عتیق کے مشہور نسخ تین ہیں:۔

بردٹسٹنٹ <u>عبرانی نیخ جو</u>یپوریوں کے نزدیک بھی عبرہے اورعلما، بردٹسٹنٹ کے نز دیک بھی،

اور کتاب القفناة ، اس لے کہ سامری لوگ عمر عتین کی بقیہ کتابوں کوتسلیم نہیں کرتے دوسرافرق یہ ہے کہ اس میں عبر آنی نسخ کی نسبت ہے الفاظ اور فقرے زائد یں، جوآجکل اس میں موجود نہیں ہیں، اوراکٹر محققین علما پر آد کسٹنٹ مثلاً کئی کاط، ہمیلز ا ہمیتوبی کینے وغیرہ اس کومعتبر مانتے ہیں، عبر ان نسخہ کوتسلیم نہیں کرتے، اُن کا یہ اعتقاد ہے کہ یہو دیوں نے عبرانی نسخہ میں سخر لیف کر دی تھی، اور تقریبًا سانے ہی علمار پر ٹوسٹنٹ بعض موقعوں پر اس سے ماننے پرمجبور ہوجاتے ہیں، اور عبرانی نسخہ پڑاس کو ترجیح دیتے ہیں کے تعدید کی تھی کا دیتے ہیں کا دیتے ہیں کہ ایک کے تعدید کی تع

اس سے بعد مندرجہ ذیل شواہد برغور فرملیتے جو کھلی تخریف پر دلالت کرتے ہیں :۔

حضرتِ آدم عصطوفان نوع حنك ____بهلاشا مر

آدم سے لے کرطوفان آوٹ کیکا زمانہ عبرانی تنے کے مطابق ۱۹۵۱ سال ہے ،
یو آبانی نسخ کے مطابق ۲۲ ۲۳ سال بنتا ہے ، اورسا تری نیخ کے موانق ۱۳۰۷ سال ہے ،
بمتری واسکا ہے کی تفسیر میں ایک جرول دی گئے ہے ، جس میں نوع کے سوا ہڑخص کے سامنے اس کی وہ عمر تکھی گئے ہے جواس کے لوئے کی ببیدائش کے وقت تھی ، اور حصرت نوع کے سامنے آن کی وہ عمر درج کی گئی ہے جو طوفان کے وقت تھی ،
فریح کے سامنے آن کی وہ عمر درج کی گئی ہے جو طوفان کے وقت تھی ،
نقشہ درج ذیل ہے :-

| يونانىنسخ | سامريخ | عبراني تسخه | تام |
|-----------|--------|-------------|-----------------|
| ۲٣. | 18- | ١٣. | دم علياله تسلام |
| 1.0 | 1.0 | 1.0 | يستعليهسلام |
| 19- | ۹٠ | 9. | نوش |
| 14- | ۷٠ | 4. | بستان |

المه تمام نسخول میں یہ عرداسی طرح مزکورہی، لیکن کنے والے جدول کے مطابق حصل جمع ۲۳۹۲ بنتا ہے، اس لنتے یا تواس عدد میں غلطی ہوئی ہے، یا نقشہ کے کسی درمیانی صدر میں دانداعلم ۱۲ تقی

| يونانى نسخه | سامری کسیج | عران نسخه | 75 |
|-------------|------------|-----------|------------|
| 170 | 4 6 | 40 | سلاتسيل |
| 777 | 75 | 175 | גנ |
| 170 | 40 | 70 | ئۆك |
| 114 | 74 | 114 | توسالح |
| 100 | ٥٣ | 124 | مک |
| ۲ | 4 | 4 | ح علياتلام |
| 77.47 | 14-4 | 1707 | رنگل میزان |

ان ندکور دنسخوں میں مذکورہ مترت کے بیان میں بے شارفرق موجودہے، اوراتنا شکتہ اختلاف ہے کہ اس میں تطبیق ممکن نہیں ہے، اور چونکہ تیپوں نسخوں کے مطابق نوتے علیا سلا کی عموطوفان کے وقت ۱۰ سال کی متعیق ہی، اور آدتم علیا سلام کی عمر ۱۳۰۰ سال کی ہوئی ہے ، اس لئے سامری نسخ کے مطابق لازم آتا ہے کہ آدم علیا سلام کی وفات کے وقت نوتے علیا سلام کی عمر ۱۳۱۳ سال کی تھی، اور بیبات باتفاق مؤرخین غلط ہے، اور عمرانی و تو تا بیان کے مطابق نوتے علیا سلام کی بیدائن نسخ بھی اس کی تکذیب کرتے ہیں، کیونکہ پہلے نسخہ کے بیان کے مطابق نوتے علیا سلام کی بیدائن آدتم علیا سال می وفات کے ۱۲۱ سال بعداوردو کے نسخ سے مطابق ۱۳۳ میں اس بیدائن آدتم علیا سال بعداوردو کے نسخ سے سی نسخ براعمادی مؤرخ یوسیفس نے ہو عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ عیسائیوں کے نزدیک بھی معبر ہے، ان میں سے کسی فسخ براعماد نہیں کیا، اور فیصلہ کیا کہ کہ ہو ہو گئیت ۲۵ م

طوفان نوخ سيحضرت ابرائيم كسيضرت المرائيم

طوفانِ نوت سے لے کرا برا ہم علیال الم کی پیدائش کے کازمانہ عبرانی نسخ کے مطابق کے اُن سختے کے مطابق کے اُن سختے کے مطابق کے درمیانی اعداد درست میں تو بیبان ۲۳ ہونا چاہئے کیونکہ علی محل جمع یہی محلتا ہے ۱۲ س

۱۹۳ سال ہے، یونائی نسخ کے مطابق ۱۰۱ سال ہے، اور سامری نسخ کے مطابق ۵۰۰ ۲۹۳ سال ہے، تفسیر مہزی واسکا ط میں گذشتہ نقشہ کی طرح ایک نقشہ دیا گیا ہے گراس نقشہ میں سام کے مقابل اس کے بچیر کا سال بیدائش ہے ککھا ہوا ہے، اور سام کے مقابل اس بچیر کا سال بیدائش کھا ہوا ہے جو طوفان کے بعد بیدا ہوا،

نقشه درج ذیل ہے:-

| نسخه سامريه | نسخرعبرانيه | نام |
|-------------|---------------------------------------|----------------|
| ۲ | r | سام |
| 120 | 20 | دفخشد |
| + | + | تسينان |
| 11- | ۳. | شالخ |
| 120 | ٣٣ | مسار |
| ١٣٠ | ٣٠ | فا لغ |
| 188 | ٣٢ | رعو |
| 14. | ۳- | سروغ |
| ∠9 | 49 | ناحور تاریخ |
| 4. | ۷- | تا گئ |
| 987 | F9F. | كلمسينزان |
| | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | 7 |

کے "آتے "حصرت ابراً ہیم کے دالد کانام ہے، آخراس کالقب تھا، اور لعبض مفترین و مؤرخین کا کہنا! کم آخر در حقیقت حصرت ابرا ہیم کا بچیا تھا، اور قرآن کریم میں مجازًا اس پراُب" دباہے) کے لفظ کااطلاق کر دیا گیاہے ردیجھے تفسیر کبیر) تقی

یہ اختلات بھی اس قدر ستربیدا در تھی ہے کہ ان سیخوں میں *سی طرح ت*طبیق *ممکن ہی* ہے، اور چونکہ عبرانی نسخے کے مطابق ابرا تہیم کی ہیدائش طوفان کے ۹۲ سال بعد معلوم ہوتی ہے، اور نوسے علیہ السلام طوفان کے بعد ۲۵۰ سال زندہ رہے ،جس کی تصریح کتاب پیاتش باقب آیت ۲۸ میں موجود ہے اس لئے لازم آتا ہے کہ آبر آہیم کی عمر نوتے علیہ الله می وفات سے دقت ۸۵ سال کی ہو ؛ جو با تفاق مورخین بھی غلط ہے ، اور پیرتمانی وسا مرسی نسیخ بھی^{اں} کی تکذیب کرتے ہیں، کیونکہ پہلےنسخ کے مطابق آبراہیم کی پیدائش نوشخ کی د فات کے ۲۲۷ سال بعد ہوتی ، اور دوسے نسخہ کے مطابق ۹۶۲ سال بعد ، دوسے ریو نآنی نسخہ میں ار مخنثدا درشآلخ کے درمیان ایک بشت کا اضافہ ہے جو دوستر دونوں سخوں میں موجود ہیں' نوقا النجیلی نے یونانی نسخہ براعماد کرتے ہوئے مسلے کے نسکے بیان میں قینیان کا بھی اصنافہ کیاہے، اس فحش اختلات کے نتیجہ میں عیسائیوں میں باہمی اختلات بیدا ہو گیا، يم مؤرخين نے توتينوں نسخوں كو كالعدم كلم برايا اوركهاكہ جيجے مرت ٧٥٢ سال ہے، اسى طرح مشہور میجودی مؤرخ یوسیفس نے بھی ان سخوں پراعتاد نہیں کیا، اور یہ کہا کہ صحیح برّن ۹۹۳ سال ہے، جیساکہ ہزتی واسکاٹ کی تفسیر میں موجودہے، اورآ محتائن کی دو چوتھی صدی کاسے بڑا عالم ہے اسی طرح دوسے متقدمین کی رائے ہی ہے کہ یوآن ان سخہ ہی درست ہے ، مفتر ہارسلی نے کتاب بیرانش بال آیت ۱۱ کی تفسیرے ذیل میں اس کو ترج دی ہ میکز کا نظریہ یہ ہے کہ سامری نسخ سی درست ہے، مشہور محقق ہورن کا رجحان بھی اسی حانب معلوم ہوتا ہے، ہتری واسکاط کی تفس جلدا ولي يون ككھاہے كه: -"آ مُسَطَّانَ كَهَا كُمَّا كُمَّا كُمَّا كَيْهِ ويون في ال اكابر كے حالات كے بيان ميں جوطوفان سے قبل گذرے تھے، بااس کے بعد موسی علیہ اسلام کے عبد تک ہونے ہیں عبرانی نسخ میں

ا اُورطوفان سے بعد نوعے ساط سے تین سوبرس اور جبیتارہا" رہید، ۲۸،۹)

تخ لین کردالی، اور بیحرکت اس لئے کی کہ یو آئی نسخ کا اعتبار جاتا رہی، اوراس لئے بھی کہ مزمب عیسوی سے آن کوسخت دشمنی تھی، اور معلوم ہوتا ہے کہ متقتر مین عیسائی بھی لیسا ہی کہا گہا ہے کہ متقتر مین عیسائی بھی لیسا ہی کہا کرتے ہتھے، اور اُن کا خیال یہ تھا کہ بہو دیوں نے یہ مخرلین تور تیت میں سسا یہ میں کہا ہے ہے ۔ یہ کے این سالے میں کہا ہے ۔ یہ کے این سالے میں کہا ہے ۔ یہ کہ اُسے کہ اور اُن کا خیال یہ تھا کہ بہو دیوں نے یہ مخرلین تور تیت میں سسالے میں کہا ہے ۔ یہ کھی ہے ۔ یہ کہا ہے ۔ یہ کھی ہے ۔ یہ کہا ہوں کہا ہے ۔ یہ ک

، ہورن اپنی تفسیر کی حبلدا وّل میں لکھتا ہے کہ:-

" محقق ہیں آزنے معنبوط دلائل سے ساتری نسخہ کی صحت نابت کی ہی، اس جگہ اس کے دلائل کاخلاصہ بیان کرنا مکن نہیں ، جو صاحب جا بین اس کی کتاب خجہ . یہ سے آخر کس ملاحظ در الیں ، اور کئی کا طے ہمتا ہے کہ اگر ہم توریب کی نسبت سا بریوں کے طور وطلق کو اور اُن کی عا دات کو نگاہ میں رکھیں ، اور تیج کی اُس وقت کی خاموشی کو بیش نظر رکھیں ، جبکہ اُن کی گفت گوسا مری عورت سے ہوتی تھی ، اور اگر دو مری باتو کہ بیش نظر رکھیں تو اُن سب کا تقاضایہ ہے کہ میہود یوں نے جان بوجھ کر تو ر آبیت میں کو بھی سامنے رکھیں تو اُن سب کا تقاضایہ ہے کہ میہود یوں نے جان بوجھ کر تو ر آبیت میں سے دیوں نے تصد التح لین کی ہے دینیا دہے ، اور جدید کے محققین کا یہ کہنا کہ سامر دوں نے تصد التح لین کی ہے نیا دہے ، اور جدید کے محققین کا یہ کہنا کہ سامر دوں نے تصد التح لین کی ہے نیا دہے ، اور جدید کے محققین کا یہ کہنا کہ سامر دوں نے تصد التح لین

ما مری عورت سے حصرت میں کا کہ جس گفتگو کی طرف کئی کا شانہ کیا ہے ... دہ نجیل آپو جنا کے مالک میں اس طرح ند کورہے کہ :-

"عورت نے اس سے کہا اے خدا دند! مجھ معلوم ہوتا ہے کہ تونبی ہے، ہما ہے باپ دادا

کے پر راوا تعدیہ کی کھورت میں علیا کہ اسلام جب سائر و تشریف ہے تو دہاں ایک کنوس پرایک سامری عورت آئے پانی مانگا، سائری فرقہ کے بارے میں ہم بیچھے میں ایم کے حاشیہ پر ذکر کرچے ہیں کہ وہ یر و شام کے کہا ہے کہ وہ بیٹر کر کرچے ہیں کہ وہ یر وشلم کے بیائے کہ وہ بیٹر آئے ہے ، اور سے فرقہ یہود پوں کے نزدیک انچھوت کی حیثیت رکھتا تھا، اس لئے عورت کو تعجب ہوا کہ ایک یہودی مجھ سے بانی کیوں مانگ رہا ہے ؟ اس برد و نوں میں گفت گوہوتی، اور لعجن غیر معمولی چیزیں د سکھ کرعورت کو لقین ہو گیا کہ حفر تیمین جی بی اس لئے اس نے فوراً کوہ تجزیر آم کے بارے میں سوال کیا، ۱۲ انقی

نے اس بہاڑ پر رابعن کوہ حبتریز می پر برت شکی اور ہم کہتے ہوکہ دہ حبگہ جہاں
پرسٹش کرناچاہتے ہی رہت ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہے اس بی بین توان سے اس نے اس آئم

یعی جب اس عورت کو یہ بہتہ چلا کہ علیہ انسلام نبی بین توان سے اس نے اس آئم
مسلہ کی تحقیق کی جو یہو دیوں اور سامر بوں سے در میان سہ بڑاا اختلافی مسلم تھا، اور ہر
فریق اس میں دوسے مربح بھنے کا الزام لگا تا تھا، تاکہ ابنا اہل حق ہونا ظاہر کرسے ، اب
اگراس موقع پر ساتم ہی تح لیف سے مجم ہوتے تو میتے علیہ انسلام کا فرض تھا کہ دہ اس سوال
کے جواب میں اس معاملہ کی اصل حقیقت کو واضح کرتے ، لیکن اضوں نے اس سے بجا سے
سکوت خوت یار فرما بی آئے ہی یہ خاموشی سامری مسلک سے درست ہونے کی دہل ہی ،
عور فرما بین کہ عیسائی حصرات کی معان بیانی کے ساتھ متح لیف کا اعر اف کر رہم
بیں اور سوات اقراد سے ان کو کوئی چارہ کا رنظ نہیں آتا ،

كوه جزيزم ياكوه عيبال السيسانا بد

کتاب الاستناب باب ۲۷ آیت مه نسخه عمرانی بین بول کهاگیاہے کہ :"سُومْ بِرَدُن کے بار ہوکران بچھروں کوجن کی بابت بین میم کو آج کے دن حکم دیتا
ہوں اکو ہو تعیبال پرنصب کرکے اُن برمچونے کی استرکاری کرنا "
اور بیر عبارت سا آمری نسخ میں اس طرح ہے کہ :-

"ان بچردن کوجن کی بابت بس تم کوآج کے دن تھم دیتا ہوں کوہ تجریزم پرنصب کرو" اور غیر آبال دِجز آبزم ایک دوسے کے مقابل دو بہاڑ ہیں، جیسا کہ اسی باب کی آبیت ۱۲ وسال اور اس کتاب سے بالل آبیت ۹ سے معلوم ہوتا ہے،

غرض عبرانی نسخه سے به بات سمجھ میں آتی ہے کہ موشی علیا سلام نے کوہ عَیبال پر ہمیکل یعنی سمجد کی تعمیر کاحکم دیا تھا ، اور سامری نسخہ سے معلوم ہو با ہے کہ کوہ جرّیزم پر ببلنے کا تھم دیا تھا ، یہو دیوں اور سامریوں سے در میان انگلوں میں بھی اور سمجھلوں میں بھی یہ جھکڑا مہر ہو جلا آرہا ہے ، ہر ایک فرقہ دوسے ریر توریب کی تحریف کا الزام عائد کرتا ہے ، ایسا ہی ختلا

41 سموقع برعلماء ترو السلنط كے درميان بھي موجود ہے،ان كامشہورفستر آدم كلاركا تفسيري حلداول ،ص ١٨ مين مهتاسے كه:-معمقق کنی کاط ساتری نسخه کی صحت کا مرعی ہے، اور محقق پارتی اور محقق در آسنیور دونوں عبرانی نسخ کی صحت کے دعوبدارہی، لیکن اکر لوگوں کواس بات کاعلم ہے کہ

کتی کاط کے دلائل لاجواب ہیں،اور لوگوں کولقین ہے کہ بہودیوں نے سامری^{وں}

کی عداوت میں مخربین کا ارتکاب کیاہے، اوریہ بات بھی سب کوتسلیم ہے کہ جر بڑا يس ببنيار جيشے؛ باغات اور نباتات ہیں، اور کوہ تعيبال ایک خشک بہاوہ ہجین

ایک بھی مُرکورہ خوبی موجود نہیں ہے،ایسی سکل میں میلاپہاط برکتوں کے سنانے

کے لتے اور دوسرا لعنت کے لتے مناسب ہے »

اس سے معلوم ہواکہ کئی کا ہے اور دوسے لوگوں نے اس کو ترجیح دی ہے کہ تحریف عبرانی نسخدمیں واقع ہوتی ہے، اور سے کہ کئی کاشے دلاتل بہت وزنی ہیں،

وتفاشابر ربور ماحروا ہے؟

كتاب تيرانش باب ٢٩ كي آيت بين عيد ،-

" اوراس نے دیکھاکہ رکھیٹ میں ایک گئواں ہے ، اور کنوس کے نزدیک بھیر بکریوں کے تین روط بیطے ہیں ، کیونکہ اس کنویں سے بکریاں یانی بیتی تھیل ، اور کنویں سے مگنہ پرایک برایتحرد هرا دبیتاتها "

له جنامجه استثنار ۱۱: ۲۹ میں تصریح ہے کہ "تو کوہ گریزم پرسے برکت اور کوہ عیبال پرسے لعنت سُنانا ؟ ظا ہرہے کہ معجد برکت سناتے کی جگہ پر بنائی جانی چاہتے ، لعنت کی جگہ پر نہیں ١٢ کے یہ اصل عربی سے ترجمہ ہے ، انگریزی ترجمہ کے الفاظ بھی یہی ہیں ، گرار دو ترجم میں کھیت'

کے بجائے میران کا لفظہ بے

سه به بهی و بی سے ترجم کیا گیاہے ، ار دو ترجم میں الفاظ یہ بیں "کیونکہ چرواہے اسی کنوسے ربوڈ و لویا نی بلاتے تھے، انگریزی میں جرواہے "کی بجائے (وہ سب) کے الفاظ ہیں ١٢ تقی

اورآبیت ۸ میں ہے کہ ا۔

"اُنحول نے کہاہم ایسانہیں کرسکے ، جب کک کرسب ربوڈ جمع نہ ہوجاتیں ؟ سالم

اس میں آیت ۲ کے اندر '' بکر بوں کے بین ربوط'' اور آئیت ۸ میں''سب ربوٹ' کے الفاظ غلط ہیں، اُن کی حَکَّرِ واسے' ہونا چاہتے، جیساکہ ساتری اور بینا نی نسخوں میں اور

والكن كيع بى ترجم بين موجود ہے،

مفتر ہارسلی اپنی تفسیر کی جلداول ص ۷۷ میں آیت اے ذیل میں کہتا ہے کہ:۔

"غالبًا اس جكم تين جرواب كالفظ تحفا، د تيجعة كني كاط كو "

بھرآیت مرکے ذیل میں ہتاہے کہ ،۔

" اگراس جگه یه الفاظ ہوتے کرمٹیہاں تک کہ چروا ہے اکٹھے ہوجائیں" تو بہتر ہوتا، دیجھیج

ساترى نىخدادرىوتانى نىچ ____ادرىتى كاشادر بېتوبى كنيك كاعرى ترحمه "

آدم کلارک اپنی تفسیری جلداقال میں بمتاہے کہ بہ

" بيتوني كينط كواس بات برزبردست اصرادب كنسخة سامريم حجب "

ہتورن آبن تفسیر کی جلراد ل میں کئی کاط اور ہیکو بی کینے کے قول کی تاشید

کرتے ہوئے کہتاہے کہ:۔

الله المعالم على مع الماس المعالم المع

سئات سَال يا تنين سَال ____شاھر بمنبره

كتاب تشموتين ثاني باب ٢٨ آيت ١٦ مين لفظ سُات سال يكهاهي، اوركتاب

تواین اقل باب آیم آیت الیس لفظ "تین سال" لکھا ہوا ہے، نقینی طور پر اُن بیں سے

ایک غلط ہے، آدم کلارک سموٹیل کی عبارت سے ذیل میں کہتا ہے کہ:-

«كتاب توایخ مین تین سال كالفظ آیا ہے مذكر سات سال ، اور يوتمانى نسخ میں يمي

وآیج کی طرح تین سال لکھاہے، میں عبارت بلامشبہ درست وضحے ،

ك اس اختلاف كي تفصيل سجيع صفحه ٥ يناير ملاحظ ملاحظه فرمايتي، ١٢

بهن یابیوی ا

کتاب توایخ اوّل باب ۹ آیت ۳۰ کے عرائی نسخ میں یوں لکھا ہے کہ:۔ جُس کی بیوی کا نام معکر تھا، حالا نکہ چے یہ ہے کہ لفظ" بین کی حکم بیوی تھا ؟ اُرْم کلارک کہتا ہے کہ:۔

معرانی نسخ میں لفظ بہن آباہے، اورسریانی، یونانی اور لاطینی نسخوں میں لفظ بیُوی ا ککھا ہے، مترجموں نے اپنی ترجموں کا اتباع کیاہے "

اس موقع پرتمام پردلسٹنط علمار نے عرانی نسخہ کو حجوز کرندکورہ ترحموں کی بیروی کی اہندا عرانی نسخوں مخرلین واقع ہونا اُن کے نز دیک بھی متعبین ہے ،

بيابات دوسال برانها ____شابر تنبرك

كتاب توايخ ثاني باب،۲۲، آيت ٢ تے عبرانی نسخ میں يوں لکھاہے کہ،۔

اخرتیاه بیالیس برس کا تھاجب وہ سلطنت کرنے لگا ؟

یقینی طور پر بیغلط ہے ،اس لئے کہ اس کا باب بہتورام اپنی وفات سے وقت جاس کا کا جائے ۔ کا تھا، اور وہ اپنے باپ کی وفات کے بعد ملا تاخیر شخت نشین ہوگیا تھا، اب اگراس قول کو درست مان لیا جائے تو لازم آئے گاکہ وہ اپنے باپ سے درسال بڑا ہو،

كتاب سلاطين تاتى باب آيت ٢٦ ين يون ہے كه، ر الخز آياه يائيس برس كا مقاجب ده سلطنت كرنے لگا،

ارتم کلارک ابنی تفسیری حلام میں کتا آب توایخ کی عبارت سے ذیل میں یوں کہتا ہے کہ:۔

د مریان اور پیزنانی ترجموں میں بائیس سال کالفظ ہے، ادر بعض پونانی نسخوں میں بنیس سال داقع ہواہے، غالب ہی ہے کہ عبرانی نسخہ اصل میں اسی طرح تھا، مگر وہ لوگ

ک جیساکہ ۲ - توا۔ ۲۰: ۲۰ میں ہوکہ وہ بتیس برس کا تھا، جب سلطنت کرنے لگا، اور اس نے آتھ برس آر شلم میں سلطنت کی، اوروہ الجیر مائم سے رخصت ہوا، ۱۲ تقی

48 اعداد کوحروف کی تسکل میں لکھنے کے عادی تھے،اس لئے کا تنب کی علطی سے کآ ف ك حكمتم لكهاكما» يحركهتاب كه:-سُتاب سلاطین نمانی کی عبارت صیح ہے، دونوں عبارتوں میں مطالقت ممکن ہیں ہو ظاہرہ کہ وہ عبارت کیو کرچھے ہوسکتی ہے جس سے بیٹے کا باہیے داد سال عرمیں ٹراہو ظاہر سوتا ہو ! بتورن كي تفيير حلدا ميں اور تهزي واسكا ط كي تفسير ميں بھي اس امر كااعتراف پاياجا يا ہے کہ بیرکا تبول کی غلطی ہے ، شابرتمبر۸ اسرائنيل ماسمؤداه ستات نوائخ ناتى باب ٢٨ آيت ١٩ عراني نسخريس يون كها كياب كه:-خُدا وندنے شاہ اسرائیل آخری سبب سے میتوداہ کولیت کیا " يقيني طور برلفظ أسرائيل علط بن كيونكه يشخص بيتوداه كايا د شاه محقاية كه اسرائيل كا حيا يدناني اور لاطيبي نسخوں ميں نفظ يہودا موجود ہے، اس لئے عبرانی نسخة ميں تحرلف ثنا بت ہم، بولس كخطس تخرلف شابدتنرو ز آبرر ۲ آیت ۱ میں ہے کہ:-" تونے میرے کان کھول دیے ہیں ا وآس نے عبرانبوں کے نام خط کے باب آیت ۵ میں زور کا بیجلہ نقل کیا ہے، مگر اکس میں اس کی حبکہ بوں ہے کہ:-

" بلكميرے لتے ایک بدن تنت ركيا" اس لئے یقیناً ایک عبارت غلطا درمحر قن ہے ہمسیمی علمار حیران ہیں، ہنزی وَاسکا ى تفسير كے جامعين كہتے ہيں: ـ

یہ فرق کا تب کی علطی سے ہوا، اور ایک ہی مطلب صحیح ہے " غوض الن جامعين نے سخرلف كا عرزات كرليا، ليكن دەكسى ايك عبارت كى جانب تحریف کی نسبت کرنے میں توقف کرتے ہیں، آدم کلارک آین تفسیری حبالدز آور کی عبارت کے ذیل میں ہتاہے کہ :۔ متن عبران جومرة جه وه محرست، غرض مخرلین کی نسبت زیور کی عبارت کی جانب کر ماہے، ڈی آئلی اور رحی ڈمنٹ کی تفسیر میں یوں ہے کہ :۔ " ہمایت عجیب بات ہے کہ یونانی ترحمہ میں اور عبرانیوں کے نام خط کے باب آیت ه بین اس فقره کی حگریه فقره ہے: "ببرے لئے ایک بدن تیار کیا " يه دونون فستر مخ ليت كي نسبت البخيل كي جانب كرره بي، زلورس تخرلف كي أياك مثال يشأ بدحميروا ز بور تنبره ۱۰ عبران کی آبیت ۲۸ میں یوں ہے کہ:-أنهون نے اس کی باتوں سے سرکشی نہیں گئے۔ اوریونان نسخه میں بھی یوں ہے کہ:۔ "الحقول نے اس کے قول کے خلات کسیا" يهل نسخ بين نفي ہے، اور دوسے س اثبات ہی، اس لتے بقينًا ایک غلط ہے، عیسانی علماراس مبرمتیرین، چنانچی برای واسکاط ی تفسیریں ہے کہ:-"اس فرق کی وجرسے بحث طویل ہوگئی، اورظاہریہی ہے کہ اس کاسبہ کسی حرت کی زیادتی ہے یا کمی " بہرحال اس تفسیر کے جامعین نے سخرلین کا اعتبار کرلیا، مگراس کی تعیین پر وہ قادرتہیں ہی،

له یعن عرانیوں کے نام خطک جانب ۱۲ تفی

مردم شماری میل ختلاف درآدم کلارکے عمومی اعتران ترکیف شاہر نمسالہ

كتاب موتيل ان باب ٢٨ آيت ويس يون كها كياب ك :-

"اسرائیل میں آٹھ لاکھ بہادرمرد نکلے،جوشمشیرزن تھے ادر میں کا لاکھ بہادرمرد نکلے،جوشمشیرزن تھے ادر میں کو لاکھ کے اور کتاب سلاطین اوّل باٹ ۲۱ آئیت ۵ میں یوں ہے کہ :۔

مسباسراتيلى گياره لا كمشمشيرزن مرديقي، أورسيوداه كے چارلا كوستر مزار

شمشرزن مرديخة "

یقسینگان میں سے ایک آیت سخر لین سندہ ہے ، آدم کلارک اپنی تفسیر کی جلد اسموٹیک کی عبارت سے ذیل میں کہتاہے کہ:۔

"دونوں عبارتوں کا میچے ہونا ناممکن ہے ، اغلب یہی ہے کہ بہای سیجے ہے ، نیز عہر عتیق کی تاریخی کتابوں میں دور سے مقامات کے لیحاظ سے بکٹرت سخ لیفات پائی جاتی ہے اور ان میں تطبیق کی کوششش کرنامحض ہے سود ہے ، اور بہتریہی ہے کہ اس بات کو مشروع ہی میں مان لیا جائے ، جس کے انکار کی گنجا کش نہ ہو، عمد عتیق کے مصد نفیل گرجہ صاحب اہم سے مگران سے نقل کرنے دالے لوگ ایسے نہ تھے ،،

ملاحظہ کیجے ؛ یہ مفترصا ف تح لیے کا عرّات کر رہاہے، لیکن دہ مُحرّف عبارات کی تعیین تعیین پرقاد رہبیں ہے ، اور رہ بھی اعترات کرتاہے کہ تاریخی کتابوں میں بڑی کثرت سے سخریفات بائی جاتی ہیں ، اورا نصاف پسندی سے کام لے کر کہتا ہے کہ سلامتی کی راہ یہی کہ کرشر دع ہی بیں سخر کھے تبسیلم کرلیا جاتے ،

بأريتك كاكه لااعتزان شابرتبرا

مفتر ہارسے اپنی تفسیری جلد اول صفحر ۲۹۱ پر کتائے القصناة کے ہا کا آیت سم کے

كه سنبخ ن بن كتاب سلاطين بى كاحواله مذكورې، گررچ رست نهيس، صبح كتاب توايخ بي كيونكه برعباً وبي ١٢

ذىلىس بون كمتاب كه:-اُس میں شبہ نہیں ہے کہ یہ آیت محسر ف ہے " شأ ہر تمبرسا آرام ياادوم ؟____ كتاب تسموتيل ثاني باب ١٥ آيت ٨ مين لفظ آرام استعمال بهوا بي حويقيناً غلط بي، صحے لفظ اُدوم ''ہے ، مفترا دہم کلارک نے پہلے توبہ نیصلہ کیا کہ پیقیناً غلطہ، بچرکہتا ہے ک " اغلب یہ کہ یہ کا تب کی غلطی ہے " شابدتمبرتها ځارباجالین ۹ اسی باب کی آیت 2 میں ہے کہ :۔ "اورجالين برس ع بعديون مواكما بي سلوم في باد شاه سے كما " اس ميں لفظ يُواليس' يقينًا غلط ہى، ميج لفظ يُوار ' ہے، آدم كلارك ابنى تفسيرى جلد ميں كہتا ہوك "اس بیں کوتی شک ہیں ہے کہ بیعبارت محروف ہے " مجر کہتاہے کہ ،۔ "اكر على كى رائد ميى بحك كاتب كى غلطى سے بجائے جاركے حاليس لكھا كياہے ، _شاہرتمبرہ ا كنى كاط كالعِراف آدتم کلارک ابنی نفسیری جلد میں کتاب سموسیل ثانی باب ۲۳ آیت ۸ کے ذیامی يوں كہتاہے كه:-مین کا طرحے نزدیہ متن عران کی اس آیت میں مین زیر دست تحریفات کی گئی ہیں ا له قصناة ، ١٢:١٢ يه ب سنت افتاح سب جلعاد يون كوجع كركم افراتيميون سے لط الدرجلعاديون نے افرایتبیوں کو مارلیا کیونکہ وہ کہتے تھے کہ مع جلعادی افرائیم ہی کے بھگوٹری وجوافرائیں اوٹسیو کی درمیاں ہی ہوا

كه اس كعبارت يجهي حاشيه صفح الرملاحظه فرمامين ١١٣

"ادر منبيين سے اس كابہلو كھا ما آلح بيدا ہوا ، دوسراا شبيل ، تيسراا خراج ، جو كھا أو تحم،

اوركتاب بيدائش باب ٢ سم آيت ٢١ ميس سے كه: -

" بني بنيتن بيين بآلع اور تبر، اوراشبيل اور تبرا، اورنعمآن اخي، اور روس، ادر مفيّم اور رقم اور روس، ادر مفيّم اور تفيّم اور الرد »

دی کے ان بینوں عبارتوں میں دوطرح کا اختلات ہے، اوّل ناموں میں، دوسرے تعالیہ میں، کیونکہ بہان عبارت سے یہ بات معلوم ہوتی ہے کہ بنیا مین کے تین بیٹے ہیں، اور دوسرک کہتی ہے کہ بنیا مین کے دنل ہیں، اور جو نکہ ہیں اور دوسرک ہوتا ہے کہ دنل ہیں، اور جو نکہ ہیں اور دوسری عبارت ایک ہی کتاب کی ہے توایک ہی مصنف بعنی عزار سینج برک کلام میں خاص لازم آرہا ہے، بلاست به عیساتیوں کے نز دیک اُن میں سے ایک ہی عبارت میں جو ہوگی، اور دوسری دونوں غلطا ور جھوئی، علما برا ہم کتاب اس سلسلہ میں سخت جران ہیں، اور ججوز کورکر استعمل کی نسبت کر ڈوالی، جنا بچرائی کلارک ہیں عبارت سے کہ دوسری دونوں غلطا ور جھوئی، علما برا ہم کتاب اس سلسلہ میں سخت جران ہیں، اور جھوز کورکر استعمل کی نسبت کر ڈوالی، جنا بچرائی کلارک ہیں عبارت سے کہ دوسری دونوں علما ہے کہ:۔

در اس جگراس طرح اس لئے لکھا گیا کہمنے کو بیٹے کی جگر ہے اور بیرے کی جگر بیط مراتہ یا نہ ہوسکا ہجی بات تو یہ ہے کہ اس تسم کے اختلافات بمن تطبیق دینا بریکا رمحصن ہے علما یہ یہود کہتے ہیں کہ عزرات بیخی برحواس کتاب کے کا تب ہیں گان کو یہ بتہ نہیں تھا کہ اس میں بعض بیٹے ہیں اور بعض بیٹے ہیں کہ نسستے اوراق جن سے عزرات نقل بعض بیٹے ہیں اور بیمی کہتے ہیں کہ نسستے اوراق جن سے عزرات نقل کیا ہے آن میں سے اکر ناقص تھے ، اور ہمانے لئے عزوری ہے کہ اس قسم کے معاملات کو نظرانداز کریں ؟

ملاحظ فرمات كرتمام ابل كتاب خواه بيودى بول ياعيساني كس طرح احترار ارنے برجبور ہورہے ہیں، اُن کوید کہنے کے سواکوئی جارہ نہیں کہ عزرار سغیر نے جو کھے لکھاہے دہ غلط ہے، اور استفول نے بیٹوں اور پوتوں میں تمیز مرد نے کی وجہ سے جو حیا ہالکھ الله اورمفترجب تطبيق سے نااميد موگيا تو پہلے تو كهماب كه :-"اس قسم كے اختلافات ميں تطبيق دينے كاكوني فائدہ نہيں ہے يو

يودوبايه كتابي كه: -

ممال كقرورى بكراس قسم عمعا طلت كونظرا نداز كردي "

آدم كَالركي عبرات على بونيوا ليعظ يم نتائج ؛

تمام این کتاب کا دعویٰ ہے کہ کتات تواتیج اوّل ڈمانی کوعز آرا سینمبرنے حجیج اور ذکر یا بغیرون کی اعانت سے تصنیف کیاہے، تو گویا ان دونوں کتابوں پڑھیوں نجیر تفق ہیں ، د وسری جانب تاریخی کتب اس امری شها دت دے رہی ہیں کہ عهد عتیق کی کتابول کا حال بخت نصر مح حادثہ سے پہلے برتر محقا، اور اس حادثہ سے بعد توان کا نام ہی نام رہ گیا تھا، اور اگرع آرائ دوبارہ ان کتابوں کی تدوین مذکرتے توان کے زمانہ میں بیکتابیں موجود نه ہوتیں، دوسے زمانوں کا توذکر ہی کیاہے،

ا در بیبات اہل کتاب کی اس کتاب میں تسلیم کی گئی ہے جو حصرت عزرار کی طرف نے والله ہی اگرچے فرقہ بر وٹسٹنط اس کو آسمانی کتاب نہیں مانتا، گراس اعتقاد کے باوجود اسکا رتبہ اُن کے نزدیک مؤرخین کی کتابوں سے بہر حال کم نہیں ہے، اس کے الفاظ یہ ہیں کہ: تَوربت جلادي گئي تنفي، ادر کوئي شخص بھي اس کاعلم نہيں رکھتا تھا، اور کہا گيا ہو کہ عزرار ا نے رفتے القرس کی مردسے اس کو دوبارہ جمع کیا یا

ك غالبًا اس كتابي مراد ٢ ـ أيستررلس ١١٠ . ١٩ ، ٨٨ هي كيونكم اسى مين به وا قعات ذكر كي كي ين ، واضح رسيكم يه كتاب موجوده بروستنط بأتتبل مي موجود نهيس وكيتحولك بأسل سي يا ك جاتى برود كي حايد صحارا

أور محليمتس كندريا نوس كهتاب كه:-

مینی مینی میں ہوکہ عزرار نے بابل والولی تروشلم پرغار تگری کے بعد تنام کتا ہیں کھیں " تقبیق فلیکٹ کہتا ہے کہ :

کُتُب مقدسہ بالکل نا بید ہو جی تھیں ، عزرائ نے اہم کے زریعہ اُن کو دوبارہ جم دیا » جا ن ملز کیتھولک اپنی کتاب مطبوعہ ڈر آبی سے کہ :۔ جا ن ملز کیتھولک اپنی کتاب مطبوعہ ڈر آبی سے کہ اور اسی طرح عہدعتین کی کتابوں کے مسل اُہُلِ علم اس امر مید منفق ہیں کہ اصل نور تیت کانسخہ اور اسی طرح عہدعتین کی کتابوں کے مسل

ہے ہو ہے اور ہے اور ہے ہوئے ہوگئے، ادرجب اُن کی سے نقلیں عزرار ہو ہے ہو گئے ہ نسخ بخت نصر کے فوجیوں کے ہاتھوں منائع ہو گئے، ادرجب اُن کی میچے نقلیں عزرار اُسِیم ہر کے ذرائعی شائع ہوئیں وہ بھی نتیوکس کے حادثہ میں منائع ہوگئیں "

ان اقوال کے معلوم ہوجانے کے بعداب ہم دوبارہ مفتتر منرکورکے کلام کی طرف رہوع کرتے ہیں، کراس سے ساخہ کھلے نتا ہے سامنے آتے ہیں :۔

بهملانتیجہ:۔

یہ مرقبہ تورتیت ہرگز وہ تورتیت ہمیں ہوسحتی جس کا المام اوّلاً موسی علیہ اسلام کوہوا کھا، پھراس کے ضائع ہونے کے بعد جس کو دوبارہ عزراً جنے المهام سے لکھا تھا، وریہ عزرا جا بھراس کی جانب رہوع کرتے، اوراس کی مخالفت نہ کرتے، اوراس کے مطابق اس کی نقل کرتے، اوران ناقص اوراق پر ہرگز بھروسہ نہ کرتے ہجن میں غلط اور سیجے کے درمیان وہ ممیز بھی نہ کرسے تھے، اگر عیسائی یہ ہیں کہ یہ وہی توریت ہے لیکن گان ناقص نسخوں سے منقول ہے جوان کوستیاب ہوسے تھے گر کھے وقت وہ اُن کے درمیان اس طرح امتیاز مناقب جس طرح ناقص اوراق میں اُن کوا متیاز نہ ہوسکا تو ہم کہہ سکتے ہیں کہ الیسی نہ کرسے جس طرح ناقص اوراق میں اُن کوا متیاز نہ ہوسکا تو ہم کہہ سکتے ہیں کہ الیسی

له ان حادثات کے تعارف کے لئے دیکھے صفح ۲۱ ساکا حاشیہ ۱۱ کی بعنی آرم کلارک، سے ان حادثات کا ایک حقدہے ۱۲ سے حالانکہ کتاب تیرائش کی مخالفت کی گئی ہی، جونورآت کا ایک حصدہے ۱۲ سے

سکل میں تورتیت ہرگزاعماد کے لائق نہیں رسمی ،خواہ اس کے نقل کرنے والے حصرت عزراً علیا اسلام ہی کیوں یہ ہوں ، علیا سلام ہی کیوں یہ ہوں ، مرا اعلیٰ میں اعلیٰ ہوں ،

جب عَرَاء کے اس کتاب میں دو بغیبروں کی مٹرکت ومعاد نت کے با وجود غلطی کی تو دوسری کتابوں میں بھی اُن سے غلطی واقع ہونا ممکن ہے تو بھر کوئی مضا کقہ نہ ہونا چا کہ اگر کوئی شخص ان میں سے کسی کتاب کا انکار کرنے ، بالمخصوص جبکہ وہ دلائل قطعیہ کے خلا ہوں ، یا بدا بیت سے مکراتی ہوں ، مشلا اس واقعہ کا انکار کر دیا جا سے جو کتاب ہیرائش کے بال میں مقول ہے ، کہ نوط علیہ سلام نے نعوذ باشرا بنی دوبیٹیوں کے ساتھ زنا کیا تھا اور دونوں کو اینے باپ کا حمل رہ گیا، اور اُن سے دوبیٹے بیدا ہوئے ، جو موآ بہوں اور عمانیوں کے حرا مجر موآ بہوں اور عمانیوں کے حرا محر ہیں ،

یا اُس وا تعه کا انکارکر دیاجائے جوسفر شموتیل اوّل کے باب ۲۱ میں یا یا جانا ہی، کہ داوّ دعلیہ السلام نے اوّریا کی بیوی سے زناکیا تھا، اور دہ زناسے حاملہ ہوگئی، پیمسر اس کے شوہر کوحیلہ سے قبل کر طوالا، اور اس بیں تصرّف کیا،

یا اُس دا قعہ کا انکار کرے جو گنا ب سلاطین اوّل بالب میں منقول ہے ، کہ تسلیمان علیہ اُسلام اپنی آخری عربی اپنی بیویوں کی ترغیب سے مرتد ہوگئے تھے ، اور سب سرق کرنے تھے ، اور اس کام کے لئے بہت خلنے بھی تعمیر کرائے اور خوراکی نظر سے گرکئے ' کرنے گئے تھے ، اور اس کام کے لئے بہت خلنے بھی تعمیر کرائے اور خوراکی نظر سے گرکئے کے گرئے کے اور دالد وزقصے جن سے انسانی رونگے کھڑے کھڑے ہے ، مرجاتے ہیں ، اور ایمان والوں برلرزہ طاری ہوجا آبہ اور دلائل جن کی تر دید کرتے ہیں ، مرجاتے ہیں ، اور ایمان والوں برلرزہ طاری ہوجا آبہ واور دلائل جن کی تر دید کرتے ہیں ، میں مناسم انتیج

یہ کہ جب کسی چیز میں مخرلیف واقع ہوگئ تونہ تویہ عزوری ہے کہ وہ مخرلیف بعد میں اسے واقع ہوگئ تونہ تویہ عزوری ہے کہ وہ مخرلیف بعد میں اسے والے سیخیبر کی کوشِش سے جاتی رہے، اور نہ یہ صزوری ہے کہ اللہ تعالی مخرف مقامات کی صزورہی اطلاع کرمی ، نہ عادتِ اللہ یہ اس طرح جاری ہے ،

له المذاعيسا في حفزات كويدكه في كنجاكش فهيس كديموديون في تورثيت ميس جهال تحرفين كي تعلي سي

الله تعالى نے دوسرے سینمیر ل کومطلع فرمادیا اوران کی کوششوں وہ درست ہوگئی، اس لئے کیہاں تو سخ لف ابتک عیج

جو کھا متیجہ:۔

علمار بروٹسٹنٹ کا دعویٰ ہے کہ حواری اور سینمبر اگرجہ گنا ہوں اور خطار بھول چوک، سے معصوم نہیں ہیں، لیکن ہا ہی ہمہ وہ تبلیغ و سخر بر میں معصوم ہیں، اس لئے جب دہ کسی کم کی تبلیغ کریں یا تھیں تو ایسی صورت میں وہ غلطی اور بھول چوک سے پاک ہیں، ہم کہتے ہیں کہ اس دعویٰ کی کوتی اصل و بنیا دان کی کتا ہوں میں نہیں ہے، ورینہایا

ہم ہے ہیں کہ اس دعوی کی توی اسٹ و بنیا دان کی تسابوں میں ہمیں ہے، وریذ بنایا جائے کہ پھرعز راء کی سخر رغلطی اور خطا ہسے کیوں نہ بچ سکی ؟ حالانکہ دو سبغیبران کے مرگا تھے۔ ستہ

بالخوال تنجير.

بعض ادقات بعض معاملات میں بنی کو الہام نہیں ہوتا، حالانکہ اس وقت الم کی سخت صزورت ہوتی ہے ، جنا سنجہ عزراً کو الہام نہ ہوسکا، حالانکہ اس سلسلہ میں ان کو الہام کی سخت صرورت تھی، حصر طائعیہ

جھٹا نیجہ:

مسلانوں کا یہ دعویٰ صحیح نابت ہوگیا کہ ہم تیسلیم نہیں کرتے کہ جو کچھان کتابوں میں اسے م ہے وہ سب الها می اورخدا کی طرف سے ہے کیزی عنطابا الهائ نہیں ہوسکی نوہ خلا کی ہے ہوئی ہا در سے ا چیزیں اُن کتابوں میں موجو دہیں جیسا کہ انجی انجی آب کو معلوم ہو چیکا ہے ، اور گذشتہ سٹواہد میں بھی ، اور انشارانڈ آئندہ شہاد توں سے مزید معلوم ہوگا،

ساتوان متيحرب

جب عُزُراً علیہ آُلام محرر میں غلطی کرنے سے پاک نہیں ہیں تو بھر مرفش اور لو قا صاحبِ انجیل جو حواری نہیں ہیں وہ محر بر میں غلطی کرنے سے کیسے معصوم ہوسیجے ہیں ؟ کیوکم عزراً ہا اہل کتاب کے نز دیک صاحبِ الهام سینچیر ہیں ، اور دوصاحبِ الهام سینچیر محر بر میں ان کے درگار بھی تھے ،

اس کے برعکس مرقس ولو قادونوں صاحبِ المام بیغمبر نہیں، بلکہ ہما ہے نزدیک تومتی اور او تحناکی بوزلیشن بھی ایسی ہی ہے، راگرچے فرقہ بیر ڈسٹنٹ کے نز دیک ہ رسول ہیں) اوران چاروں کا کلام اغلاط واختلاف اے سے بریز ہے،

آدم کلارک اپنی تفسیری حلد ۲ کتاب، توآیخ اوّل سے با ب آیت سنزہواں شامد کے دیل میں یوں ہتاہے کہ:-

" اس باب بین اس آبیت سے آبیت ۳۲ تک اور باب ۹ بین آبیت ۵ سے آبیت ٣٣ تك مختلف نام موجود ہيں، اور علما بربيود كابيان يہ ہے كہ عزراع كوايسي وكتاب دستیاب ہوئی تھیں جن میں بہ چینہ فقرے مع چند مختلف ماموں کے موجو دیجے اسکین عَزَرانَ اس میں پیمنسیاز نہ کرسکے کہ ان ناموں میں کونسا طبیک اور مہیزہے ، اس کئر انھوں نے دونوں فال کردیتے ،

اس معاملہ میں وہی بات کہی جاستی ہے جو گذشتہ شاہد میں عسرس کی گئی ہے،

ابیاه اورتراعا کے نشکروں کی تعداد ___ شاہر تنام کنبر ۱۸

كناب توآيخ ناني باب ١٣ آيت ٣ ميں ابتيا ه كے كروں كى تعدا د كے ذيل بين لفظ جارلا کھ اور ٹیر تبعام کے ٹکر کی تعداد میں لفظ آٹھ لاکھ واقع ہوا ہے، اور آبیت _{کا}میں برتعام کے نشکر کے مقنولین کی تعدا ریائخ لاکھ بیان کی گتی ہے،

ادر حونکہ ان بادشا ہوں کی افراج کی ہے تعداد فیاس کے خلاف ہے، اس لئے اکثر لاطبنی ترخموں میں پہلے مقام پرتعداد گھٹاکر جالیس ہزارا ور دوسری جگہ اسی ہزار ، اور تیسری جگہ بچاس ہزارکر دی گئے ہے، اورمفسرین حصزات اس تغیر پرراحنی ہوگئے ، چنائخ ہورن اپنی تفسیر کی جلداق لیں یوں کہناہے کہ:۔

> ا غلب بين كمان سخون ربعن لاطيني ترحمون مين بيان كرده تعدا د صححيه " اسی طرح آدم کلارک این تفسیری جلد میں بہتا ہے کہ:۔

> > له بينام يحيي گذر يح بس، ملاحظ صفي ١٠١٦ إ كاما سبير، الم یوری عبارت کے لئے دیکھتے صفح سے محداول،

مُتَعلوم الساہر آب کہ مجھوٹا عدر (بعنی جزلاطینی نسخوں میں با یا جاتا ہے) بہت ہی ہے جے ہے ، اورسم کوان تاریخی کتابوں کے اعداد میں بکٹرت سخرلین واقع ہونے پر زبرست فریاد کا موقع ہاتھ آگیا »

دیجھے پیمفسراس مگہ تحریف کا اقرار کرنے کے بعداءرادیں کڑت سے تحریفات واقع ہونے کی تصریح کررہاہے،

سَلطنت کے وقت بہتویاکیٹی کی عمر شاہر نمبر ۱۹

كتاب توآيخ ناتى باب ٢ ٣ آيت ٩ ميس يون كها كياب كه:-

يُهُو ياكين آ تُحديرس كالخفاجب ده سلطنت كرفي لكا»

اس میں لفظ^{در آ}تھ برس"غلط ہے، اور کتاب سلاطین تانی باب ۲ م کی آبیت ۸ کے خلا اُور پیچویا کین جب سلطنت کرنے لگا تو وہ اُٹھارہ برس کا بختا "

ن ایمزی سایمزی سایمزیر سایمزیری انتخاب ۱۹ میں پیچلہ عبرانی نسخ میں تعال ہوا ہے :۔

"ادرمیرے دونوں ہاتھ سشیری طرح ہیں "

مگر کیتھولک اور بر وٹسٹنٹ کے عیسائی اپنے نرجموں میں اس کو بوں نقل کرتے ہیں کہ:۔ دُہ میرے ہاتھ اور میرے پادّ ورمیرے پادّ سے چید تے ہیں"

اس موقع پر پھرسب لوگ عبرانی نسخ میں مخربیت واقع ہونے کا عبر ان کرتے ہیں ا

ا آدم کلارک اپنی تفسیری جلد م میں کتاب اشعبیا رہے باب مہر شا ہر الا اسے میں تعلیم کے ذیل میں قون ہمتا ہے کہ، سیا ہر مرا اللہ میں تعلیم کے ذیل میں قون ہمتا ہے کہ، "اس جگه عبرانی منن میں بے شمار بخریف کی گئی ہے ، اور سیحے یوں ہونا حاہتے "جس طرح موم آگ میں مجھل جاتا۔ ہے یہ شابرتمبر٢٢ جنت باخدا ؟ اس باب کی آبیت ہم میں ہے کہ :۔ " کیونکہ ابتدارہی سے یہ کسی نے مصنا نہ کسی سے کا ن تک پہنچا اور مذ آنکھوں نے تیرے سوالی خداکو دیکھا جوانے انتظار کرنے والے کے لئے کچھ کرد کھاتے ،، لیحن پرنس نے کرنتھیبوں کے نام پہلے خط کے بات آبت و میں اس آبت کواس طمیح نقل کیا ہی :۔ " بلکہ جیسا لکھا ہی ولیا ہی ہوا کہ جو چیزیں نہ آنکھوں نے دیکھیں اوریہ کانوں نے شنیں نہ آدمی کے دل میں آئیں وہ سب خوانے این محبت کھنے والوں کے لئے تبار کر دس ، غور کیجے کہ دونوں میں کس قدر فرق میں ؟ اس لئے بقیناً ایک میں صرور سخ لفین ہوتی ہے، ہتری دا سکا طے کی تفسیرس پوں لکھاہے کہ :۔ "بہنزین رائے بہی ہے کہ عبرانی نفتل میں مخرلف کی گئی۔ ہے " <u>آدم کلارک نے اشعباً علیہ آ</u>لام کی عمارت سے ذیل میں بہت سے اقوال نقل کتے ہیں اوران پرجرح و تردیدی ہے ، پر کہاہے کہ:۔ "بیں جران ہوں کہ ان مشکلات بیں سوائے اس کے اور کیاکروں کہ ناظرین کو دوباتوں میں۔ سے ایک کا اخست یار و ول کہ خواہ یہ مان لیں کہ اس موقع پر ہیو دیوں نے عبر انی متن ال جس طرح آگ سو کھی ہوا بیوں کو جلاتی ہوا وریانی آگ سے جوش مارتا ہو تاکہ تیرانام تیرے مخالفوں میں مشهور مواور تومين تير محصورس لرزان جون (يسعياه ، ١٢٠٢) کے مہلی عبارت میں اللہ تعالیٰ کوخطاب واوران کے حق میں یہ کہا گیا ہے کہ انھیں نہ تو کسی نے دیکھا اور نا اور دوسرى عبارت بين جنت كي نعمتون كا تذكره محكه الخيس آجنك بيم تصوّر بهي نه ديم وسكى التقي

اور یونانی ترجم میں آرادة تخرلف کی ہے، جیسے کہ عمد عِنین سے عمد جدید میں نقل کتے جائے الے دور سے مفامات میں سخرلف کا قوی احتمال ہے واقع آن کی کتاب کو فصل تنبر ہسے فصل بنبر ہوتائی ترجمہ کی نسبت ملاحظہ کیجئے ۔

یا پر مان لیا جا ہے کہ بوتس نے اس کتاب سے نقل نہیں کیا ہے ، بلکہ کسی ایک یا کئی جعلی کتابوں سے مفلاً کتاب مع آج استعیار علیا لسلام اور مشاہدات ایلیا سے بن بین یہ فقرہ موجود ہے نقل کیا ہو؛ کیونکہ کچھ لوگوں کا گمان ہے کہ حواری نے جعلی کتابو سے نقل کیا ہے ، غالبًا عام لوگ بہلے احتمال کو آسانی سے قبول کرنے کے لئے تیار نہیں ہوں گے ، اس لئے ہم ناظر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے لئے ہوست یارکرنا صروری سے جھتے ہیں کہ جمرو می افر بن کی اطلاع کے دوستے احتمال کو الحاد اور در بردینی سے زیادہ بد نز قرار دیا ہے ،)

ہورن اپنی تفسیر کی جلد ۲ میں کہتا ہے کہ :۔ "معلوم ہوتا ہے کہ عبرانی متن میں مفصلہ ذیل فقر د ں

شاہر خمبر۲۳ تا ۲۸

میں تحرلیت کی گئی ہے:-

۲۔ کتاب میکاہ کے باب ۵ آبیت ۲ ،

م- كتاب عآموص باب ٩ آيت اا د ١٢،

۲- زيور ۱۱۰ کيټ ۲۷ ،

ا۔ مُلاکی کے بات آیت ا،

۳- ز بررمنبرا ای آیت ۸ تا ۱۱،

٥ - زېورنمبرس تيت ٢ تا٨،

دیکھے عیسائی محققین ان مقامات پران آبات میں سے لیے کا اقرار کررہے ہیں ، پہلی جگہ میں استرار کی صورت یہ ہو کہ اس کو آمیانی انجیل کے باب اآبیت ۱۰ میں نقل کیا ہے، اور اس کی نقل مملاکی کے کلام کے مخالف ہے ، جو عبراتی متن میں اور دوسرے نرجبوں میں منقول ہے ، دو وجہ سے ، اول اس لئے کہ متی کی عبارت یہ ہے :۔

که موجوده اردو ترجمه میں یہ عبارت ۱:۱۷ ہے بجائے ۲:) برموجود ہو: ہم عوض کر چیجے ہیں کہ زبور وں کی ترتب میں کافی گرطبر واقع ہوئی ہے ۱۱ کے کتاب ملاکی کی عبارت یہ ہو! دیکھو میں اپنے رسول کو بھیجوں گااور وہ میرے آگے راہ درست کرے گا" (۴) اور متی میں اُسے یوں نقل کیا ہے: "د کیھ میں اپنا بیغیر تربے آگے ہوں جو تیری راہ تیرے آگے تیا دکرے گا" (۱۱: ۱۱) ،

"د سكو المي النا يغمس ترع آم محتجا مول " جیں میں لفظ^{ور} تیزے آگے" زائد ہے جو ملاکی کے کلام میں موجو دنہیں ہے ، دوسے اس لئح لہ اس کی منقولہ عبارت میں تو بیر ہے کہ'؛ جیزی داہ نیرے آگے تیار کرے گا "اس کے رعکس ملآ کی کے کلام میں " دہ میر بآ گے راہ درست کرے گا ؛ ہورن حامث پرہیں کہتا ہے کہ:۔ ساس اختلان کی دجه آسانی سے نہیں بتائی جاسحتی، سوائے اس کے پڑانے نسخوں میں کچھ سخر لین واقع ہو گئی۔ ہے <u>»</u> دوم المرمقام كومجى متى نے اپنی البخیل کے باب ١ آبیت ١ میں نقل كيا ہے، حالانك دو نول میں اختلات موحود ہے، تبسرے مقام کو تو قانے کتاب اعمآل الحواریین کے باب ۲ آبیت ۲۵ تا ۲۸ مین قل

كياب، اور دونون بي سخت اختلاف تنه ،

چوتھے مقام کولوقانے کتاب اعمال انحوار مین کے باب ۱۵ آبت ۱۱ اور ۱۷ میرنفل كيا ہے، حالانكه دونوں میں اختلام ہے،

پانچوں مقام کولوکس نے عمرانیوں کے نام آیت ۵ تا یمیں نقل کیا ہے، حالا تکہ دونوں مختلف ہیں،

اور چھے مقام کاحال ہم کر پولے طور پر داضح ہنیں ہوسکا، گرجو کہ ہوران عیسا تنول

له ان د ونوں عبارتوں اوران کے درمیان اختلاف دسچھنے کے ۔ لئے ملاحظہ فرمائیوص ۸ مم اوراس کا حاتیہ ، له يه اختلان يحي ص ٢٠٠٩ يرگذر حكام ١١ سك اس كي تفسيل ص ٢٠٠ ير د سكية ١١ الله بهمی ص ٥٠٠ ير گذر حكا ب ١١ ه به ز توردا ١٠٠ كى عبارت بوجس بين يهودا و كم ملك كو خطاب ہی بنخدا دندتے قسم کھائی برکہ توملک صدق کے طور براب مک کا بن ہی یہ عبارت عبرانیو لُ ا و٤: ١ و ٤: ١١ پرنقل کی گئی ہے ، مگر د د نول میں بظا ہر کوئی فرق نہیں ، اس لئے ہمیں ہو آن کے کہنے کی بنیاد معلوم نہیں ہوسکی ۱۲

اخلار الحق جلردوم باب ددم 2 ے نز دیک محترا ورمحقق عالم شمار ہوتا ہی، اس لتے اس کا اقتبرا رعیسا تیوں کے حسلا منہ يوليه طور رججت ہوگا، کی عیارت میں اثبات کا لفظ ہے، <u> کتاب الاحبار کے باب الآلیت ۲۱ میں اُن پرندوں سے حکم کے </u> شابدتميرس بیان میں جو کہ زمین برچلتے ہیں عبرانی متن میں نفی یائی جاتی ہے اورحاث یہ کی عبارت میں اثبات ہے، ا کتاب الاحبار کے باب ۲۵ آیت ۳۰ میں متن سے اندر مکان کے ھے میں نفی موجود ہے، اورحات یہ کی عبارت میں اثبات ہے، علمار يروستنط نے ان تينوں مقامات ميں اپنے ترجموں ميں اشبات ہى كواختياركياميے، اورحاشیہ ہی کی عبارت کو ترجیح دی ہے،اصل متن کو بالکل چھوٹر دیاہے، گویا اُن کے نز دیک صل متن میں ان مین مقامات پر سخر بین کی گئی ہے،

نیزان عبارتوں میں سخر لین واقع ہوجانے کی دجہ سے وہ تین احکام جواس میں دہج ہیں ان میں شتباہ بیدا ہوگیا، اور تقینی طور پر یہ بات معلوم نہ ہوسکی کہ وہ حکم جونفی سے حصل ہورہا ہے وہ صحیح ہویا وہ حکم درست ہوجوا ثبات سے حاصل ہوا، اور بیا مرحقی تحقق ہوگیا کہ عیسا ئیوں کا یہ دعویٰ بالکل غلط ہے کہ کننبِ سماویہ میں اگر کہیں سخر لیف ہوتی ہے توا^س

ك اگراس كا تاجس في اس سے نبست كى ہے اس سے خوش منہوتو وہ اس كافدىيد منظوركرے ، مجراتے

اختیارند ہوگاکداس کوکسی اجنبی قوم کے ہاتھ بیجے ہا

کہ گر تبریدارر پیکنے والے جانوروں میں سے جرچار باؤں کے بل جلتے ہیں تم ان جانور وں کو کھاسکتے ہوجیے زمین کے اوپر کوندنے بچاندنے کو باق ل کے اوپر انگیں ہوتی ہیں " (۱۱،۱۱)

سه" ا دراگر وه لعیی مکان پولیے ایک سال کی میعادے اندر جھڑا کیا نہ جائے تواس فسیل ارتئہر کے مکان ہے خریدار کا نسل درنسل دائمی فبصنہ ہوجائے اور وہ سال پولی میں بھی نہ جھُوٹے '' (۳۰:۲۵)

سے احکام پراٹر نہیں بڑتا، شا مرتبرام کتاب الاعمال کے باتب ۲۸ میں یوں کہا گیاہے کہ:۔ شام رتبرام " یہ . رور روز " تاكم خدا ك كليساكى كله مانى كر دجيه اس في خاص اين خون موليا" كرئياخ كتابى كەلفظ تنحدا" غلط مى صبحے لفظ رُب ہے ،لعنی اس کے نز دیک اس لفظ میں سخرلف کی گئے ہے ہمتھیس کے نام پہلے خط کے بات آبت ١٦ میں یوں کہا گیا ہے کہ:-"غداجهم میں ظاہر موا" کر تیا نے کہ افظ اللہ غلط ہے ، پیچے لفظ صبیرغا تب نیجی وہ "ہے غلط ہے، صحے لفظ انعقاب ہے، ن این مرم سا افسیون کے نام خط کے باہ آیت ۲۱ میں یوں ہے کہ:۔ سیا ہر مبر مرم سا افسار کے خود سے ایک دوسے کے تابع رہو ، کر تیباخ اور شولز... كين بن كه لفظ "الله" غلط ب السيح لفظ مسح"ب، طوالت کے اندیشہ سے مقصداق ل"کے شواہد سے بیان میں اس معتدار پر سہم اکتفارکرتے ہیں ب

که چنامچ موجوده اد دو ترجم مین ده "می کالفظ لکه دباگیاہے، قدیم انگریزی ترجم کالفظ که چنامج موجوده اد دو ترجم مین ده جو گردیگیا ہے میں اسلام مطبوع کالنظ میں مورد بین کالفظ ہے، مگر جد پر ترجم مطبوع کا اللہ میں کالفظ ہے انگریزی ترجم میں فرمشتہ کا محال کا لفظ ہی اورا دو دو ترجم نیز حبر بدا تگریزی ترجم میں اسے معتقاب " EAGLE بنادیا گیاہے ۱۲ ترجم میں اسے معتقاب " EAGLE بنادیا گیاہے ۲۵ اس جگر بھی قدیم انگریزی ترجم میں خوا ۵۵ کی کھا ہوا ہے، مگراب اردوا درجر بدا نگریزی ترجم میں اسے میں کراب اردوا درجر بدا نگریزی ترجم میں خوا ۵۵ کی کھا ہوا ہے، مگراب اردوا درجر بدا نگریزی ترجم میں اسے میں کرا کی کھا ہوا ہے، مگراب اردوا درجر بدا نگریزی ترجم میں کرا کی کی اس کا تھی۔

مقص رِوم " نخريف لفظي الفاظي زيادي ي شيكل ميس؛

اس کے بعد مخالفتاء میں دوبارہ اس قسم کا اجلاس شہر لوڈ آیٹ بیں منعقد ہوا، اس کمینٹی نے کتاب بہودیت کی نسبت گذشتہ کمیٹ کے فیصلہ کو برقرار رکھتے ہوئے اس یہ امنافہ کیا کہ ان کتا بوں میں سے کتاب آستیر بھی واجب لٹسلیم ہے، اوراپنے فیصلہ کو عام اعلان کے ذریعیہ بختہ کردیا،

بعر على لمع ميه أيا تبيري ما نفرنس كارتضيح مين منعقد موتى اس احلاس مين ابنے دقت کے بڑے ادرمشہورعلماجن کی تعداد ایک سوستائیس تھی شریک ہوتے ہو ان مثر کا رمین مشہور فاصل اورعیسائی طبقہ کا ہردلعسنر پرشخص آ گستطائن بھی تھا ، اسمحکس نے گذشتہ دونوں کمیٹیوں کے فیصلہ کوتسلیم کرتے ہوئے باقی کتابوں کو بھی تسلیم کرایا، البته ان لوگوں نے کتاب بآروک کو کتاب آرمیا کامجُزو قرار دیا، بیونکه بارکت خ ، ارمی رع ے ماتب کی حثیت رکھتے۔ تھے، اس لئے انھوں نے کتابوں کی فہرست میں کتاب باردک كانام ستقل طور برعلنيده تهيس ركها، اس کے بعد تبین کا نفرنسیں اور بھی ہوئیں، لعنی ٹرلو کا نفرنس اور ٹر تنط کا نفسنس' ا ورفلورنس کا نفرنس، ان بینوں کمیٹیوں کے مثر کارنے گذشتہ تینوں کمیٹیوں کے فیصلوں ہے جرتسدی شت کی، اس کے عرصہ درازے بعدب مردودکتا بیں ان مجانس کے فیصلوں کے تحت عيساني دنيا بين تسليم شده بن گنيس، اور تسليم كياجا تا دما، بھرایک بارانقلاب آتاہے، لعنی پروٹسٹنٹ کے ظہور کے بعدا تھوں نے اپنے اسلان اورا كابر كيفيط كتاب بأروك اوركتاب طوبها، كتاب يتوديت ، كتاب وانش ا در كتاب تيند كليساا دم كايد اي كاد نون كتابور كي به قطعي ز د كريسته، اور دعوى كياكه به كتأبس الم طور رہے قابلِ تسلیم نہیں ہیں ، بلکہ واجب الرّدین ، یہی نہیں ، بلکہ بچھلوں کے فیصلہ کو کتا سترے ایک مجز کی نسبست بھی ز دکر دیا، اور صرف ایک مجّز وکوتسلیم کیا، اس طور برکہاس کتاب۔ کے ۱۱ ابواب میں۔ سے اوّل کے 9 ابواب اور باب کی تین آیٹ ہے گئیں' اور

سے سے سے استدلال کیا، مشلاً:۔ ۱۔ پوشی ببین مؤرخ نے کتاب رابع کے باب ۲۲ بیں تصریح کی ہے کہ: ''ان کنا بوں بیں سخر لبنہ کی گئے ہے بالخصوص مکا بیوں کی دوسری کتاب میں " ۲۔ دوسے رہیودی بھی ان کتا بوں کوالہا می نہیں مانتے، اور رومی گرجاوالے جس کے

اس باب کی دنش آیات اور بافی ۱ ابواب کورد کر دیا گیا، اوراینے اس دعولے پر حیند دجوہ

ك يعنى روس كيخولك فرقه ١٢

ملنے والے فرقہ پر دلسٹنٹ کے لوگوں سے نہیں زیادہ ہیں، ان کتابوں کو آج کے آسلیم کرتے آرہے ہیں، اوران کو انہا می و دا جب لتسلیم خیال کرتے ہیں، اور یہ کتابیں اُن کے لاطینی ترجمہ میں داخل ہیں جو اُن سے بہاں بہت ہی معتبر شمار کیا جا تاہے، اور اُن کے دبین اور دیابنت کی بنیا دمانا جا تاہے،

اس بنیادی نکم کو سجھے لینے کے بعداب ہم گذار می کرتے ہیں کہ فرقہ پر وٹسٹنٹ اور یہود بوں کے نز دیک اس سے بڑھکراور کیا تحریف ہوسکتی ہے کہ جو کتابیں ۳۲ سال تک مردود رہیں اور محرف اور غیرالہامی مان جاتی رہیں، ان کو عیسائیوں کے اکابر نے ایک نہیں بلکم متعدد مجالس میں واجلت لیم مان لیا، اور الہامی کتابوں میں شامل کرلیا، اور ہزا روں عیسائی علمار نے ان کی حقانیت اور سچائی پر اتفاق بھی کرلیا، مذصرف یہ بلکہ رومی گرجا آجنگ ان کے الہامی ہونے پر اصرار کے جارہ ہے،

اس سے معلوم ہوا کہ ان کے اسلان کے اجماع کا کوئی بھی اعتبار نہیں ہے اور مخالف کے مقابلہ میں یہ اجماع کر درسی دلیل بھی نہیں ہو سختا ہجہ جائتیکہ کوئی قوی دلیل بنے ، پھر اگر ایسا زبر دست اجماع ان بخرالہامی اور محرّف کتابوں کی نسبت ہونیا ممکن ہو تو ہوسکتا ہے کہ اس قسم کا اجماع ان لوگوں نے چاروں محرّف اور بخرالہامی مرقر جرانجیلوں کی نسبت بھی کر لیا ہو،

کیا بیجیب دمخفی ہوسحق ہے کہ یہی اکا برداسلان یونانی نسخہ کی صحت پرمتفق تھے اور عبرانی نسخہ کی سخ لیف کا اعتقاد رکھتے تھے ، اور سے دعویٰ کرتے تھے کہ یہودیوں نے مسلاء میں عبرانی نسخہ میں سخ لیف کو ڈالی تھی ، جیسا کہ آپ کو مقصد بنبرایک کے شاہر بنبر ۲ میں معساوم ہو جکا کہتے ، اور یونانی اور مشرقی گرجے آج کی اس کی صحت پرمتفق ہیں، اوران کا اعتقاد بھی ایسے اس کی صحت پرمتفق ہیں، اوران کا اعتقاد بھی ایسے اس کی اس کی صحت پرمتفق ہیں، اوران کا اعتقاد بھی ایسے اس کی اس کی صحت برمتفق ہیں، اوران کا اعتقاد بھی ایسے اس کے سالون کی طرح ہے ،

تگرفرقة برونسٹنٹ کے تمام علمارنے ثابت کیاہے کہ ان کے اسلاف کا اجماع اور اُن کے ملننے والوں کا اختلاف غلط ہے اور بات کو باکل اُلٹا کردیا، اور عبرانی نسخہ کے

ك ديجية صفح ٢٢٢،

بالے میں انھوں نے وہ بات کہی جو آن کے اسلاف نے یونانی نسخ کے بالے میں کہی تھی ،
اسی طرح رومی گرجانے لاطینی ترجمہ کی صحت براتفاق کیاہے ، اوراس کے خلات
اوراس کے برعکس برد طسطت کے لوگوں نے منصرت اس کا محرّت ہونا تا بت کیاہے ،
بلکہ ان کے نزدیک کسی ترجمہ میں ایسی محرّلیت کی مثال نہیں ملتی ، بتورت ابنی تف بری
جلد ۷ نسخ مطبوعہ کا ۱۳۰۸ء ص ۲۹۳ میں کہتا ہے کہ :۔

الس ترجمه میں بایخ یں صری سے بندر ہویں صدی تک بے شار بخریفیں ادر مکبرت الحاقات کئے گئے ہیں »

بحرصفحر٢٢ ٢ يركهتاب.

یُر بات تھا این خیال ہیں عزور رہنی جاہئے کہ دنیا میں لاطینی ترجمہ کی طرح کسی ترجمہ میں بھی بخرلیف نہمیں کی گئی ہے ، اور اس کے ناقلوں نے نہایت بیبا کی کے ساتھ عہد جرید کی ایک کتاب کے ففروں کو دوسری کتاب میں داخل کر دیا ، اس طسرح حوالتی کی عبار توں کو متن میں شامل کر دیا ،،

کھرجب ان کامعاملہ اپنے مقبول اور ہردیعسز بزاور ہے انتہام دیج ترجمہ کے ساتھ استیم کاہے تو اُن سے یہ امید کیونکر کی جاسحتی ہے کہ اکھوں نے اس اصلی متن میں سخریوں نے کہ ہوگی، جو اُن کے پہاں مر درج ہنیں ہے، بلکہ ظاہریہ ہے کہ جن لوگوں نے ترجمہیں سخریف کے ہوگ ہاکہ یہ حرکت کے جو اُن کی ہوگ ہاکہ یہ حرکت کے ایک ہوگ ہاکہ یہ حرکت اُن کی ہردہ یو ش بن سے ،

اس كوعبادت خانه كے أن علمار كى جانب منسوب كيا ہے جوع زرار عليه اللهم كے زمانه سے سیمن کے عہد تک ہوئے ہیں ، فلوہیو دی نے اس کو میتویاکین کی جانب منسوب کیا کہ اورباتی سے اسپروں کی رہائی سے بعد آبا تھا، آگھ تطائن اس کوبراہ راست عزرا علیہ ا کی طرف نسوب کرتا ہے ، کھے لوگوں نے اس کی نسبات مر وکی طرف کی ہے ، اور بعض نے اس کی اور استیر کی جانب کی ہے، کیتھ لک ہمرلا جلد اصفحہ ۲ سام میں ہے کہ:۔ " فاصل ملیطونے مسلم کنابوں کے ناموں میں اس کتاب کانام نہیں لکھا، جس کی تصریح نوسیبس نے تاکیخ کلیسا کے کتاب ۸ باب۲۶ میں کی ہے ، کرتمی ہازین زن نے اپنے اشعار میں ہے کنابوں کوضبط کیا ہے جس میں اس کا نام نہیں ہے، ایم فی کیس نے لینے اشعار میں جو اس نے سلبریس کو لکھے تھے اس کتاب کا سنبہ ظاہر کیا ہے، البَّهَا في نينَ اينے خطائمبروس ميں اس كتاب كارُ دكرتا ہوا برُا في كرناہے ي اكتاب يتيدائش باب ٢٣ آيت ٢٠ يس يون كما كيا ہے كه :-"يهي ده بادشاه بين كهجو ملك ادوم بربيشير اس سے كه انترائيل كا

کوئی بارشاہ ہومسلّط تھے »

اس آیت کا موسیٰ علیالسلام کا کلام ہونا ممکن نہایں ہے، اس لئے کہ بیراس ا مریر دلالت، کرتی ہے کہ بیربات کہنے والااُس دُورکا کوئی اور شخص ہے، جب کہ بنی اسسرائیل کی سلطنت قائم ہو حکی تھی ، اوراُن کا پہلا با دشاہ سآؤل ہواہے ، جو موشیٰ علیہ اسلام سے ۳۵۲ سال بعد گذراہے، آدم کلارک اپنی تفسیر کی جلدا ڈل میں اس آبت کے ذیل میں یہ کہتاہے کہ:۔

"میراغالب گمان بن که موسکی علیه انسلام نے پیرآیت نہیں لکھی ہے، اور مذرہ آیت

لے کیونکٹیشیراس سے کہ کوئی اسرائیل کابا دشاہ ہو" کے الفاظ اس بات پر دلالت کرتے ہیں کہ لکھنے والابنی اسرائیل کے بادشاہوں کے دُ ورکاہے، کہ یہ وہی ساق ل ہے جے قرآن کریم میں طاتوت کہا گیا ہے ١٢

جواس کے بعاآبت و ٣ تک میں ، بلکہ یہ آیات در حقیقت کتاب توایخ اوّل کے بیلے باب کی ہیں، اور قوی مگان جو یقین کے نزیب ہی ہے کہ یہ آیات توربیت کے میجے نسخه کے حاشیہ پرلیمی ہوئی تھیں ، نا قل نے اس کومتن کا جُرُز وسمجھ کرمتن میں شامل کر دیا ہ غرض اس مفسترنے یہ اعرات کرلیا کہ یہ نو آیات الحاقی ہیں، اور اس کے اس اعرات کی بنا يريه بات لازم آگئے ہے کہ اُن کی کتابوں میں سخر لفین کی صلاحیت بھی، کیونکہ یہ نو آیات باوجود اسكے كة تورتيت كى من تھيں اس ميں داخل موكر تمام نسخوں مي تھيل كنيں، كتاب متشنارك باب ١٦ يت ١١ يس ٢٠٠٠ " اورمنتی حے بیٹے یا تیرنے جبور یوں اور مکا بیوں کی سرحد تک اور جوب کے سالیے ملک کو لے لیا، اور اپنے نام پربسن کے شہروں کو حو دت یا تنہیں ريعني أَنْرِياك بستيال) كانام دياجوآج تك جلاآتا ہے " يہ بھی موسیٰ علیہ السلام کاکلام نہیں ہوسختا، کیونکہ یہ بات کہنے والالازمی ہے کہ یا تیرسے کا فی پیچھے گذرا ہو، جیسا کہ اس کے بعد لفظ آج تک اس کی غازی کرتا ہے، اس لئے کہ اس م کے الفاظ عیسائی محقیقین کی تحقیق کی بنار پر زمانہ بعید ہی ساتعمال کئے جاسکتے ہیں ، مشہور فاصل ہو آن ان دونوں فقروں سے بانے میں جن کو میں نے شاہر تنہ وس میں نقل کیاہے ، اپنی تفسیر کی جلدا وّل میں کہتاہے کہ :۔ "ان د د نوں فقروں کے لئے حمکن نہیں ہو کہ یہ موسیٰ علیہ اسلام کا کلام ہو، کیونکہ بہلا فقرہ اس امریر دلالت کرتاہے کہ اس کتاب کامصنف اس دورے بعد ہوا ہے، جبکہ بنی استرائیل کی سلطنت قائم ہو حکی تھی، اسی طرح دوسرا فقرہ اس امر ہر دلالت کرتا ہے کہ اس کا مستق فلسطین میں بہود لوں کے قیام کرنے کے بعد گذراه اسی، نیکن اگرهم ان دو نول آیتول کوالحاتی تسلیم کرلیں تب بھی کتاب کی سجائی میں کوئی نفض واقع یہ ہوگا، اور چوشخص بھی گہری نظرسے دیکھے گا وہ بھیلیگا که په د د نول فقر ہے بے فائره نہیں ہیں، بلکه مثن کتاب پر و زنی ا در بھاری ہیں، بالخصوص روسرا فقره ، كيونكه خواه اس كامصنف موسى عليه اسلام بون ، ياكوني

دوسراشخص، بهرحال ده"آج مک" نهیں کمه سختا، اس لئے غالب یہ ہے کہ کتاب میں صرف یہ عبارت تھی بر منسق کے بلطے یا ٹیر نے جبور یوں اور مکاببوں کی سرحد تک اور جوب کے سایے ملک کر لے لیا، اور لیس نے نام پراسے حودت یا ٹیرکا نام پرا ہوں بعد رہا الفاظ حا سنبہ میں بڑھا دی گئے ، تاکہ لوگوں کو معلوم ہو کہ اس خطہ کا نام جواس دقت تک رکھا گیا تھا وہی آج بھی ہے، پھرآ بندہ نسخوں میں برعبارت حاسنیہ سے منتقبل ہوگئی، اگر کسی کو شک ہو تو اس کو یو نانی نسخہ دیکھنا جا ہمی اس میں یہ نبوت مل جائے گا کہ جوالحاتی عبار تیں بعجن نسخوں کے متن میں موجود ہیں، یہ درسے نسخوں کے حاسنیہ یہ یا تی جاتی ہیں یہ

بهرجال اسمحقق فاضل نے یہ اعترات کرلیا کہ یہ د ونوں فقرے موتشی علیہ انسلام کا کلام نہیں، توسیحے، اس کا بہ کہناکہ"غالب یہ بی " اس امر پردلالت کررہاہے کہ اس کے ہا سوائے اپنے زعم کے اس دعوے کی کوئی مسند نہیں ہے ، اُ دریہ کہ اس کتاب میراپنی ^{الھین}ا کے چندصدیوں بعد بخریف کرنے والوں کے لئے بخریف کی تنجاتش اورصلاحیت تھی، اس لے کہاس کے قول کے مطابق ان الفاظ کا اضافہ کتی صدیوں بعد کیا گیاہے، اس کے با دیود وہ کتاب کا جز و ہوگئے ، اورآ تندہ تنام نسخوں میں شائع ہوگئے ، باقی اس کا پہکہنا كه "أكريم ان دونوں نقروں كوالحاقي ہى مان ليں الخ "كھلے طور رتيع صتب ير د لالت كرتا ہو، ہن<mark>تئی واسکا ط</mark>ے کی تفسیر کے جامعین دوسے فقرہ کے ذیل میں یوں کہتے ہیں کہ:۔ "آخری جملہ الحاقی ہے جس کو متوسیٰ علیہ اللم کے بعدسی نے شامل کیاہے، اوراگراس كو حجوظ ديا جائے تو بھي مصنمون ميں كو تى خرابى سيدا نہيں موتى » ہم کہتے ہیں کہ آخری فقرہ کی تخصیص کی کوئی وجہ نہیں ہے، کیونکہ دوسرا فقرہ بورا نامکن ہے، کہ موشیٰعلیال آم کا کلام ہوسے ، جس کا اعترات ہورن بھی کرتا ہے، د دسرے نقرہ میں ایک اور بھی حبیز باقی ہے کہ باتیر، منسی کا بیطا ہرگزنہیں ہے، بلکہ وہ شبخوب کا بیٹا ہے،جس کی تصریح کتا ب تواین اول باب آبیت ۲۲ میں موجود ہے،

> له "ادرشجوب سے یائیر سپیرا ہوا " (۱- تواہر) -۲۸۶

کتاب کتنی باب ۳۳ آبیت ۳۰ میں ہے کہ :۔ " اورمنتی کے بیٹے یا تیرنے اس نواح کی بنیوں کوجاکر لے لیا

شا بد منبر مم ، اوران کانام حودت یا بر رکھا ،

اس آین کی پوزیش کتاب ستثنار کی آیت جبیبی بیجوشا ہدیمبرس بس آپ کومعیادم ہو جی ہے، او کشنیری ہائیل جو آمریکہ اورانگلینٹر اورانڈیا میں جبی ہے ہجس کی تالیف کا آغاز كالمنتط نے اور تكيل زابط اور شيكرنے كى ، اس ميں يوں ہے كہ : -

"بعض جلے جو موسی علیال لام کی کتاب میں پایے ہجاتے ہیں وہ صاف اس امریہ دلالت كرتے بين كه وه ان كاكلام نهبس سے ، مثلاً كتاب كنتی كے باب ٣٦ آيت ٢٠٠ اوركتاب اسكتارك باب كآبت ١١٠ اوراس طرح اس كتاب كى بعض عبارتين موسی علیہ اسلام کے کلام کے محاورات کے مطابق نہیں ہیں، اور ہم بفین کے ساتھ بيهندس كمريسكي كم يرجل اوربي عبارتين كس شخص في شامل كي بين، البته ظن عالم عج طور رہے کہہ سے بین کہ عزر اعلیہ اسلام نے ان کوشا مل کیا ہے ، جیساکہ اُن کی کتاب سے باب و آیت ۱۰ سے میتہ چلنا ہے ، اور کتاب سختیآ ہے باب سے معلوم ہوتا ہے ،

غور کیجے کہان علمار کواس بات کا بقین سے کہ بعض جلے اور عبارتیں موسی علیات لام کا کلام نہیں ہیں،البتہ یہ لوگ متعیق طور پر بینہیں بتا سکتے کہ ان کو کسنے شامل کیا ہم محصٰ گمان کے درج میں عزرارعلیاتلام کی جانب الحاق کو منسوب کرتے ہیں ، ظاہر ہم کہ بیگان محصن سریکارہے، گذمشتہ ابواب سے بیربات ظاہر نہیں ہوئی کہ عور اعلیٰ اسلام نے کو بی جسز و بھی تورکت میں شامل کیا ہے ، اس کئے کہ کتاب عزراً رسے معلوم ہوتا ہے کہ انھوں نے بنی ہے۔ انعال پرانسوس اورخطا دیں کا عرزا ن کیاہے ، اور

لتاب خمياً مسے بيتہ جلتا ہے كہ عن را عليات الم نے اُن كے سامنے توريث پر طی ہے ، كتاب بيدائش باب ٢٢ آيت ١١٧ مي يول سے كه :-

المجنائخ آج تک پہ کہاوت ہے کہ خدا و ند کے بہا اٹر برمہتا

نشأ برنمبره، كياجات كا،،

حا لا تکہا س^ک یہا ڈیر''خدا وندے یہا ڈ''کا اطلاق اس بیکل کی تعمیرے بعد ہی ہوا ہی ں کوسلیمان نے موسیٰ علیہ انسلام کی و فات ہے ۔ ۴۵ سال بعد بنایا تھا، آرتم کلارک نے کتاب عزرار کی تفسیر کے دیباہی میں فیصلہ کر دیاہے کہ بیجلالحاقی ہے ، پیرکتا ہوکہ ا اس بہاور اس نام کا اطلاق مسکل کی تعمیر سے بہلے قطعی نہیں ہوا ، كتاب تنثنار كے بات آيت ١٢ ميں كها كيا ہے كه : -ا در سلے شعر س حوری قوم کے لوگ بے ہوے تھے، لیکن بنی عیسونے ان كونكال ديا، اوران كواينے سامنے سے نبيست فنابودكر كے آپ أن كى حبكہ لبس كئے جیے اسرائیل نے اپنی میراث کے ملک میں کیا، جے خدا دندنے اُن کو دیا ! آدتم کلارک نے کتاب عزرا ہے دسیاجہ کی تقنیر میں فیصلہ کیا ہے کہ یہ آبیت الحاقی ہے'ا در اس قول کوکہ میسے بنی اسرائیل نے اپنی میراث کے ملک میں کیا" الحاق کی دلی قرار دیاہے، ا كتاب ستنار باب آيت ١١ مين اسطرح سے كه:-کے سیونکہ رقائیم کی نسل میں سے فقط لبن کا بادشاہ عوج باقی رہاتھا اس کایلنگ لوہے کا بنا ہوا تھا، اور وہ بنی عمرّن کے شہر رہبّہ میں موجو دہے،اور آدمی کے ہاتھ کے ناپ کے مطابق 9 ہاتھ لمبااور عارہا تھ حوڑا ہے " آدم کلارک کتاب عزراری تفسیرے دبیاجیس کہتا۔ ہے کہ: " یا گفنگو با لخصوس آخری عبارت اس امر برد لالت کرتی ہے کہ یہ آیت اس با دشاہ کے فات کے عرصة دراز لعد لکھی گئے ہے، موسی علیات الم نے نہیں لکھی، کیونکہ اس کی دفات یا نخ ماہ بیں ہوگئی تھی " كتاب كنتي مالك آيت بس بون سي كر:-" اورخدا دندنے اسرائیل کی نسریا دسنی، اور کنعانیوں کو ان کے حوالہ كر يا درا كفول في ان كواوران كي شرون كونيست كرميا ، جنائج اس بكركانا كمي حرَّم وط كبيا " اے یہ اس بیا و کا ذکر سی میں بربائی روایت کے مطابق حصرت ابر آہیم علیہ اللہ م اپنے صاحبزا دے تضرت استحاق علياسلام كوقربان كرفي في كے لئے بہتے ١٢ تقى

آئیم کلارک ابنی تفسیری جلدا ول صفحه ۱۹ بین کهتا ہے کہ : ر میں خوب جانتا ہوں کہ یہ آبت یوشع کی و فات کے بعدشا مل کی گئی ہے، کیونکہ تمام كنعاً في مُوسَىٰ م كے عبد ميں ہلاكنہيں ہوتے ، ملكران كى وفات كے بعد ہلاك ہوتے " كتاب خروج كے بالل آيت ٣٥ ميں يوں كہا كيا ہے كه: -" ادر سبی آسرائیل جب تک آبا د ملک میں یہ آسے ، تعنی حیالین سی بریت ک مَنْ كاتے رہے ، الغرض جب تك دہ ملك كنعان كى حدودتك مذائع من كھارہے " برآیت بھی مؤسی علیہ اٹ لام کاکلام نہیں ہوسکتی، کیونکہ خدانے بنی آبیرائیل سے مُن کو ئى عليالسلام كى زندگى مىن بندىنه ئىرىكىيا، اور وە اس عرصەمىي كىنعان كى سرزمىن مىي داخل تہیں ہورہے، آدم کلارک اپنی تفسیری حب لدص ۹۹ سامیں ہتاہے کہ ،۔ " بوگوں نے اس آیت سے یہ سمجھا کہ سفر خرد ج بنی اسرائیل کے من سے درم کردئی جانے کے بعد الکھی گئے ہے، مگریہ بات ممکن برکمان الفاظ کوع آرا جو نے آیت میں شامل کر ہے، ہم کہتے ہیں کہ لوگوں کا برگمان قطعی بچے ہے ، اور مفستر کا بداحتمال جوبے دلیل ہے اس قسم کے مواقع پر قابل قبول نہیں ہے، اور سیحے بان بہی ہے کہ وہ بانج کتا بیں جو مؤتسیٰ علیہ كى حانب منسوب بين در حقيقت أن كى نصنيف نهيس بين، حبيباكه اس دعوى كو ما ب میں دلائل سے تا بست کیا گیاہے، كَنْتَى مِالِكِ آبيت ١٨ ميں بوں لكھاہے كه: -خداونا کاجنگ باریج اس

مراسی نے خداد ند کے جنگ مام میں کہا جاتا ہی کہ حس طرح نشأ صار تمنسب روا التي بحرسوَن مين كيا تقااس طح ارنون كي داديون مي كريكا"

لكُمُن "سے مراد وہ آسمانی غذا ہے جواللہ تعالی کی جانب سے بنی اسرائیل پرا تاری گئی تھی جس کا ذکر قرآن نے بهي فرمايا بي وَمَنَّ ثُنَّا عَلَيْكُمُ الْمَنَّ وَالسَّلُويُ بِعِي مفسِّرِينِ كَاكِمنا يَهِ كَدُ بِهُ نَرْئَح كا بِحِل مِي ١٢ کے یہ عربی سے ترجمہ ہی موجو دہ ترجمة ارد و کی عبارت یہ ہی زواسی سینے خدا و ندیے جنگ نا موں میں یوں لکھا ہی '' دا ہیں جو سوقہ میں ہم اور آرنون کے نالے'' اور انگریزی ترحمہ کی عبارت ان دونوں کے خلات اور نامحمل ہم لین بچو کھے اس نے بچو آجرا درار نون کے مالوں میں کیا "اس مبتداری جرغاتب ہے ١٢

به آی<u>ت بھی</u> موشی علیه السلام کا کلام نہیں ہوسکتی، ملکه اس بات پر دلالت کرتی ہی کہ وہ کتاب گنتی کے مصنف نہیں ہیں، کیؤ کہ اس مصنف نے اس مقام برخدا و ندکے جنگ نامہ کاحوالہ دیا ہے، اور آج تک لفتین کے ساتھ بتہ نہیں حیل سکا کم اس کتاب کا مصنف کون ہے وکس زمانہ میں تھا وکس ملک کا تھا واور بیصحیفداہل کتا کھے نزدیک عنقار کی می پوزلیشن رکھتا ہے،جس کا نام توساری دنیا سے مشنا لیکن دیکھھاکسی نے بھی نہیں، اور بند وہ آن کے پاس موجودہے،

آدم کلارک نے کتاب تیراکش کی تفسیر کے دیباجیمیں فیصلہ کیا ہے کہ یہ آبت الحاقی ہے، کھرکہتاہے کہ :۔

"غالب يه كم خداكي لرائيول كاصحيفه حاسثير مين تقا، كيرمتن مين داخل موكّبا»

ديجهة إكيسااعزان بوكهماري كتابين اس قسم كي تخريفات كي صلاحيت ركھتى تھين كيونك اس کے اقرار کے مطابق حاسثیہ کی عبارت متن میں داخل ہو کرتما م نسخوں میں شائع ہوگئی،

جرون اوردان استاب بیرائش کے باب ۱۳ آیت ۱۸ اور باب ۱۹ ، آیت ۲۷

اورباب ٤٣ آيت ١٨ ميں لفظ حبرون استعمال مواہے ،جوايک

شا ہر تمسالیر بین کا نام ہے، گذرشته دور میں اس بستی کا نام قریت اربع تھا،

ا ورہنی اسرائیل نے یوشع علیہ اللامے زمانہ میں فلسطین کو فتح کرنے کے بعد اس نام کے بجائے ترون رکھ دیا تھا، جس کی تصریح کتاب تو شع بائلیں موجو دیتے ، اس لئے یہ آئیس مُوْسَىٰ عليه السلام كاكلام نهيس موسحتيں، ملكه أيك ايس شخص كالحلام ہيں جواس فتح اور نام کی تبریلی کے بعد گذراہے،

اسی طرح کتاب تیراکش باب ۱۳ آیت ۱۲ میں لفظ د آن استعمال کیا گیاہے، یہوہ ىستى ہے جو قاضيوں كے عہد ميں آبا د ہوئى تھى، كيونكہ بنى اسرائيل نے يُوشِع كى وفات ے بعد قاصیوں کے دُور میں شہرلیس کو فتح کرے وہاں کے باشندوں کو قتل کر دیا اوراس ہر

> له"اوراكلے وقت ميں حروں كانام قريت اربع تقا" (ميثوع ١٣:١٣)، كا، "قاضيول كع عمدس كيا مرادب ؟ اس كي تشريح ص ٢٠٠ ك حاشير يرمل كى ١٢

کو جلادیا تھا اوراس کی جگہ ہرایک نیا شہرآباد کیا تھا،جس کا نام دآن تھا،جس کی تصدیح کتاب القضاۃ باب ۱۸ میں موجود ہے،اس لئے یہ آبت بھی موسی مکا کلام نہیں ہوسی ہور آن اپنی تفسیریں کہتاہے کہ:۔

"مكن بركه موسى عليال الم نے رابع اورليس كى بستى لكھا ہواوركسى يا قل نے ان دونوں الفاظوں كو حرون اور د آن سے نبديل كرديا ہو "

ناظرین ملاحظہ فرمائیں کہ یہ بڑے بڑے عقل کے تیلے کیسے کیسے کمز دراور ہونے اعذار سے سہارا پکڑر ہے ہیں،اورکس صفائی سے بخریف کونسلیم کریسے ہیں،اورکس سہولت سے اُن کو یہ ما ننایڑا کہ اُن کی کتابوں میں سخریف کی صلاحیت ہے،

رفر المنبرال المنبرا

اور کتاب بیرانشن باب ۱۲ آمیت ۲ میں برجلہ یوں ہے کہ:۔ ساس وقت ملک میں کنعانی رہنے تھے ،،

یہ دونوں جلے اس امر مرد دلالت کرتے ہیں کہ یہ دونوں آیتیں متر سی علیہ السلام کا کلام نہیں ہوسکتیں ، عیسائی مفترین بھی ان کا الحاقی ہونا مانتے ہیں ، ہمنزی واسکاط کی تفسیر میں ہے کہ :۔

" یہ جلکہ اس وقت ملک میں کنعانی رہتے تھے ؛ ادراسی طرح کے دو میرے جلے ربط کی دجہ سے شامل کردیے ہیں جن کوع آرا رعلیال لام نے یاکسی دو سرے الہا می شخص نے کسی وقت میں تمام کتب مقدسہ میں شامل کردیا ہے »

دیجھتے اس میں اقرار کیا جارہاہے کہ بہت سے جملوں کا الحاق کیا گیاہے، اُن کی یہ باکیے

کہ اس شہرکانام اپنے باپ دآن کے نام پرجواسرائیل کی اولاد متھاتہ آن ہی رکھا، لیکن پہلے اس شہرکانام لیش تھا رفضاۃ ۱۰، ۲۹) اس شہرکانام لیش تھا رفضاۃ ۱۰، ۲۹) کلہ تمام نسخوں میں ایسا ہی ہے ، گر بائبل کے ترجموں میں "فرزسی "ہے ۱۲

اظهارالحق حلدووم باب دوم DY تُورار پاکسی دو سے الہامی شخص نے ان کوشا مل کیا ہے ان کے لائق نہیں ہی اس لئے کہ اس دعوے کی اُن کے پاس طن کے سواکوئی کیل نہیں ہے، استنارى بهلى يا بخ آيتى الديم كارك سفراستثنار باب كى تفسير حبله صفیہ و ۲ میں کہتا ہے کہ:۔ شاهر تسله ائس باب كى سبلى يانخ آبات باقى كتاب كے لتے معتدمہ کی حیثیت رکھتی ہیں، جو موسیٰ علیه اللهم کا کلام ہنیں ہیں، غالب یہی ہے کہ پوشٹے یا عزرای نے اُن کوشا مل کیا ہے "

اس میں یا سلے آیات کے الحاتی ہونے کا اعترات موجود ہے ، ادر محض اپنے گمان کی بنار پر بغیرکسی دلال کے پوشغ یا عزراتا کی جانب نسبت کی جارہی ہے، حالا نکہ محص تیاسس كافئ تهيس بوسكتا،

كتاب ستثناركا بإبس موسى عليال الام کاکلام نہیں ہے ،چنا بخیآ دم کلارک اپنی تف کی حبلدمیں کہتاہے کہ:۔

استثنار کابائتا لحاقی ہے شاصر تمبراا

" بحر موسى ع كاكلام كذات باب برختم موكيا بع ، اورب باب ان كاكلام نهيس ب اورب بات مكن نهيس سے كم توسلى ان اس باب كو بھى المام سے لِكھام ر، كيونكم براحتمال سچائی اور صحت سے بعید ہے ، اور تمام مقصود کو فوت کرنے والا ہے ، اس کی کروح القد نے جب اسلی تناب کا المام کستخص کو کیا تو اسی شخص کو اس باب کا المام بھی کیا ہوگا،

که ان کی ابتداراس طرح ہوتی ہے کہ انبر دہی باتیں ہیں جو موسلی منے جبرون کے اس یا رہا بان مربعی ائس میران میں جوستوت کے مقابل اور فاران اور نوفل اور لائبن او رحفیرات اور طوفل اور دیزیہ کے درمیان ہوسیاسرائیلیوں سے ہیں، وا:۱) ظاہرہے کہ بیکسی اور کا کلام ہے ۱۲ یکه اس باب میں حصرت متوسی می و فات کا حال اوران کی قبر کا محلِ وقوع اور حصرت پوشع مرکا انکی نبابت كرنابيان كيا گياہے، اوراس بي ايك آيت به بھي ہے:"اوراس وقت سے اب تك بن امراك میں کو فی نبی موسی استحامے مانندجیں سے خلانے روبرو ماتیں کیں نہیں استھا" (۱۰:۳۴) ۱۲

محد کواس کایقبن ہو کہ یہ باب کتابِ یوشع کاباب اوّل تحقا، اور وہ حاسفیہ جوکسی ہوشیار یہودی عالم نے اس مقام برلکھا تھا وہ لیسندیدہ تھا، کہتا ہے کہ اکثر مفسر بن کا قول ہم کہ کتاب ہے۔ تثنار اس الهامی وعار برختم ہوجاتی ہے، جوموشی علیہ تسلم نے باراہ خاندا توں کے لئے کی تھی، بعنی اس فقرہ برکہ جمبارک ہے تواے اسرائیل! توخدا وند کی بچائی ہوئی قوم ہے، سوکون تیری ما نندہی، اوراس باب کوسنز مشائخ نے توائی کی وفات کے عوصہ سے بعد لکھا تھا؛ اور یہ باب کتاب یوشع کا سے بہلا باب تھا، گروہ اس مقام سے اِس جگر منتبقل کر دیا گیا ،،

غض بہود بھی اور عیسائی بھی ہونوں اس بات پرمتفق ہیں کہ یہ باب ہوسی علیہ سلام کاکلام نہیں ہے، بلکہ الحاقی ہے، اور یہ بات جو کہی گئے ہے کہ" مجھ کو اس کا یقین ہی کہ یہ باب توشیع کی کتاب کا بہلا باب تھا، یا بہو دیوں کا یہ کہنا کہ" اس کو سنٹر مشاتخ نے لکھاہی 'محض بے دلیل ہے، اور بے سند ہے، اس لئے ہمزی واسکاٹ کی تفسیر کے جا معین نے کہا ہے کہ:۔

" بچر موسی علیه اسلام کا کلام گذشته باب برختم ہوگیا، یہ باب الحاقی ہے، اور شامل کرنے والا یا یوشع ہے یا نتیموسی یا عزراریا اور کوئی بعد کا بیغیر ہے، جولفین کے ساتھ معلوم نہیں ہو، غالبًا آخری آیتیں اس زمایہ کے بعد شامل کی گئی ہیں، جبکہ بنی اسرالی کو ہاتی کی قدرسے آزا دی حصل ہوئی،

اس ارشاد کوملاحظہ کیجے کو الحاق کرنے والا یا توشیخ ہے الح "کس طرح کی بات ڈنی آئی اور ترجر ٹو مین طبی کے الح "کس طرح شک کا اس ارشاد کوملاحظہ کیجے کو الحاق کرنے والا یا توشیخ ہے الح "کس طرح شک کا انہا داور ان کے قول میں اور یہودیوں کے کلام میں س قلہ بین تفاوت ہے، اور یہ کہنا کہ "یا کسی بعد کے بیغم نے شامل کیا ہوگا" یہ بھی بلادلیل ہے، بین تفاوت ہے، اور یہ کہنا کہ "یا کسی بعد کے بیغم نے جن آیات کی نسبت یہ کہا ہے کہ یہ بیات نوب اچھی طرح سے بچھ لینا چا ہے کہ ہم نے جن آیات کی نسبت یہ کہا ہے کہ یہ تو بیا نوو ایر ہیں، اس کی بنیاد اس برہے کہ اہل کتاب کے اس دعوے کو مان لیا گیا تھا کہ یہ بیا بخوں مرقبے کتا بین موسی کی تصنیف ہیں، ورمنہ پھر تو یہ آیات اس مان لیا گیا تھا کہ یہ بیا بخوں مرقبے کتا بین موسی کی تصنیف ہیں، ورمنہ پھر تو یہ آیات اس

امر کی دلیل ہوں گئے کہ یہ کتابیں موتسلی کی تصنیف نہیں ہیں، اورا ن کی نسبت تموسلی کی جانب

غلط ہی، چنا سخے علما بہالام کا نظر سیجی سے،

سنا بر برو میں آب کو معلوم ہو جگاہے کہ اہل کتاب کے کچے لوگوں نے بھی ان بی بعض آیات کی بنار برہاری ہمنوائی کی ہے، علمار پر و فسٹنٹ کا یہ دعویٰ کہ ان آئیوں اور جلوں اور الفاظ کو کسی بنجیر نے شامل کیا ہے، اس دقت کک شنوائی کے لائق نہیں ہی جب تک وہ اس بر کوئی دلیل اور کوئی الیسی سندنہ بیش کریں جو اس شامل کرنے والے معین بن تک براہ واست بہو بختی ہو، ظاہر ہے کہ بہجز اُن کوقیامت تک میشر نہیں آسیتی، بنی تک براہ واست بہو بختی ہو، ظاہر ہے کہ بہجز اُن کوقیامت تک میشر نہیں آسیتی، من ایک براہ واست بہو بختی ہو، ظاہر ہے کہ بہجز اُن کوقیامت تک میشر نہیں آسیتی، من ایک براہ واست بہو بختی ہوئے گئی کا بی ایک طویلی تقریر میں کرتے ہوئے گئی کا بی ایک طویلی تقریر میں کرتے جب س کا ایک طویلی تقریر میں کرتے جب س کا

خلاصہ ہے:۔

"سامری کے متن کی عبارت مجھے ہے، اور عبرانی کی عبارت غلط، اور جارا یات، یعنی است ہے ہے اور عبرانی کی عبارت غلط، اور جارا یات، یعنی است ۲ تا ۹ اس مقام پرقطعی ہے جو ڈبیل، اگران کوعللی و کر دیا جائے تو تمام عبارت میں ہے نظیر دبط ہیدا ہموسکتا ہے، یہ جاروں آیتیں کا تب کی غلطی سے اس موقع برکھی گئی ہیں، جو کتاب ستننا، کے دوسے باب کی ہیں،

اس تقریر کونقل کرنے کے بعداس برابنی خوشنو دی اور تا تید کی مُرلکا کر لکھتا ہے کہ:۔ '' اس نقر برے انکار کرنے میں عجلت مناسب نہیں ہے ؟

كياحفرت اؤدخدا كح جاعت مين خلين شابر تنابرتروا

كتاب الب ٢٣ آيت ٢ مين كما كياب كه : -

"كوئى حرام زاده خداوندى جاعت ميں داخل منہو، دسوس ليشت تك اس كى نسل ميں سے كوئى خداكى جاعت ميں سن آئے فياسے "

کے اس لئے کہ ان سے قبل اور بعد میں حصرت موسلی کے بہاڑ پر حبائے کے واقعات بتا کے جارہ ہیں ، بیچ میں اسرائیلیوں کے ایک سفر اور حصرت ہار و ن علیات الام کی رحلت کا بالکل بے جوڑ تذکرہ ہے ۱۲

"يجلداس مقام براوراس طرح كے دوسے حجا آج تك عهد عتين كى اكر كتابوس موجود بس، اورغالب يہ ہوكہ يہ الحاقي بيں »

غرض اس جملہ اور اس قسم کے دوسے حجوں کی نسبت جوعہ علیق میں موجود ہیں یہ لوگ الحاقی ہونے کا فیصلہ کرھیے ہیں ، اس طرح بہت سے مقامات پرالحاق کا اعترات پا یا جاتا ہے ، اس لئے کہ اس قسم کے جلے کتاب کیٹوع باق آیت و میں اور باب ہر آیت ۲۸ و ۲۹ میں اور باب آیت ۲۷ میں اور باب ۱۳ بیٹا میں اور باب آیت ۲۷ میں اور باب ۱۳ بیٹا میں اور باب آیت ایک موجود ہیں ، لہذا اس کتاب کے دوسرے آسھ مقامات کے

ل اس کی تفسیل صفحہ ۳۳ وہ ۳۳ پرملاحظہ فرمائے ۱۲

کے اورنیٹوع نے پردن کے بیچ میں اس جگہ جہاں عبکہ کے صندر ق کے انتخانے دالے کا ہنوں نے یا دُل جمائے تھے بارہ بتھ نصب کئے ، خیانچہ وہ آج کے دن کک دبیں موجود ہیں ۔

میں ان تام جلوں میں "آج کے دن تک "کالفظ پایاجا تاہے، جواس بات کی دلیل ہے کہ اُسے حضر است میں دلیل ہے کہ اُسے حضر

يُوشع نے نہيں لکھا، ١٢

کله بلکرجی، قی مینکی نے کہاہے کہ اس کتاب میں جو گاہ مرتبہ یہ الفاظ آئے ہیں، شاید اہنی وجود کی بنار برکبیل (۱ند کا ایم کا ہے کہ ایک کہ اس کتاب حصرت یو شع می وفات سے بعد کسی نامعلوم بزرگ نے تالیف کی ہے، متینکی نے بھی اسی کولپ ند کیا ہے ، (دیکھے ہماری کتب مقدسہ از ممینکی طالع)

میں مذکورہ جلوں کے الحاقی ہونے کا اعرزان ثابت ہوا، اور آگرعہ رعتیق کی ترم کتابوں کے جلول كوذكركري توبات طول موجائے كى، تشامد كمسرم المتاب يتوع باب آيت ١٦ يس يون كما كياب كه: ا ورسورج عظر کیا، اورجاند کفمار ہاجب تک قوم نے اپنے دشمنوں ایناانتفام نه لے لیا، کیابہ سفرالیسرس لکھانہیں ہے" اورلعض ترجمول مين سفر ياصاً راوربعض مين سفريات المحاليم، بهرصورت يه آتیت پوشنخ کا کلام نہیں ہوسکتی، کیونکہ یہ بات مذکورہ کتاب سے نفل کی گئی ہے ، اور آج تک یہ بیتہ نہیں حیل سکا کہ اس کامصنف کپ گذرا، اور اس نے پرکتاب کپ نصنیف کی،البته سموتیل ثانی باب آیت ۸ اسے یہ ظاہر ہوتاہے کہ پیشخص داؤ دعلیہاں کا مرکا معصر تھا، یا اُن کے بعد مواتے، ادر ہمزی واسکاط کی تفسیر کے جامعین نے باب ۱۵ آیت ۱۴ کے ذیل میں اعتراف كيام كماس فقره سے معلوم ہوتا ہے كہ كتاب يوشع داؤ دعليه ات لام كى تخت نشینی کے ساتویں سال سے پہلے تکھی گئی ہے ،حالانکہ داؤ دعلیہ اسلام یوشع ، سی وفات کے ۸۵ سال بعد سپرا ہوتے، ہیں جس کی تصریح علمار پر وٹمسٹنے کی کھی ہوئی تاریخی کتابوں میں موجو دہے، اور باب مذکورہ کی آبیت ۱۵ عیسائی محققین کے اقرار کے طابق عرانی متن میں مخرلف کے طور پر برطھائی گئی ہے جو یو نانی ترحموں میں موجو دنہیں۔ سربار سلی این تفسیری جلداول صفحه ۲۶ میں کہتاہے کہ: " یونانی ترجمہ سے مطابق اس آیت کوسا قط ہونا جاہتے " شابرخمر19 مفتر بارتسلے کابیان ہوکہ باب ۱۳ کی آیت > درد دونوں غلط ہیں، له ار دوترجم مین آسرکی کناب لکھاہے ۱۲ ك كيونكه اس مين آتشركي تماسي ايك فرشي نقل كيا كياب، جي حضرو آزد في برين كاحكم ديا تها ١٢ سم بحرستوع اوراس كے ساتھ سب سرائيلي جلحال كوخيم گاه ميں توقي " سے ان کے غلط ہونے کی وجہ میں معلوم نہیں ہوسکی ۱۲

كتاب يوضع باب١٦ أيت ٢٥ مين سني جاد كي ميراف سح بيان مين يرعبار استعمال کی گئی ہے کہ: "ادر بنى عمون كاآد ھا ملك غ وعرتك جورتة سے سامنے ہے " يه غلط اور محرّف ہے، كيونكم موسى عليه الله نے بنى تجاد، بنى عمون كى زمين كاكونى شز وبھی نہیں دیا، کیونکہ خدانے اُن کو ایسا کرنے سے منع کر دیا تھا ہیں کی تصب ریج كتاب الاستثناركے باتب میں موجود ہے ،اور حونكہ بي غلط اور محرّف تھى ،اس لتے مفتہ ارسلی نے مجبور موکر بہ کہاکہ اس جگہ عبرانی میں تحریف کی گئی ہے، كتاب توشع باب ١٩ آيت ٣٣ يس يرجلها ياجا تاب كه:-ادر شرن میں سوداہ کے حصتہ کے برون تک جموعی " به بهی غلطهی کیونکه سبخ میهو دار کی زمین جنوب کی جانب کافی دور فاصله بریخمی، اسی آدم کلارک ہتا ہو کہ فالب یہ کومتن کے الفاظ میں کچھ نہ کچھ صرور تحریف کی گئی ہے ، كنير ١١ منزي داسكاط كي تفسير عجامعين نے كتاب يوشع كے آخرى باب کی شرح میں یوں کہاہے کہ:۔ آخرى يائخ آيتين لقت أيوشع كاكلام نهين بن، للكه أن كوفينحاس ياستموس في شامل کیاہے، اور متقدمین میں اس قسم کے الحاق کا رواج بکڑت موجود تھا، معلوم ہواکہ یہ یا بخوں آیتیں عیسائیوں کے نز دیک بقیناً الحاقی ہیں، اُن کا یہ کہناکہ الحساق رنے والے فینچاس یا بتیموئیل ہیں ہم کوتسلیم نہیں ہے، کیونکہاس کی مذکوئی دلیل ہے اور نہ کوئی سسند، اوران کا پیمهنا که آئس قسم کے الحاق کا رواج متقدمین میں بڑی کثرت سے تھا" ہماری عرض میہ کہ اسی رواج نے تو تخ لین کا دروازہ کھولاہے ،کیونکہ جب یہ بات کوتی عیب ہی شارنہیں ہوتی تھی تو ہرشخص کو پڑھانے اور زیادہ کرنے کی جرأت ہیسا له "يس بن عمون كى زمين كاكوئى حصة بتھے ميراث كے طور رينهيں دول كا " راستنا ، ٢٠١) سے اس میں بنونفتانی کی سرحدبیان کی جارہی ہے ١٢ سل کیونکہ انمیں حصرت توشع علیہ اسلام کی رحلت اور اس کے بعدے واقعات مذکور ہیں ۱۲ تھی

ہوگئی،جس کے نتیج میں بے شاریخ لیفات واقع ہوئیں،اوران میں سے بینیز تمام محسرت استحق میں بھیل گئیں،
سنوں میں بھیل گئیں،
سنا ہم میر سرا سے الفقاۃ باللے کہ آیات اور دسویں آیتے ہا تک الحاتی ہیں "
سنا ہم میر سرا سے الققاۃ باللے کہ آیات اور دسویں آیتے ہا تک الحاتی ہیں "
سنا ہم میر سرا سے بیان میں بہ جلہ لکھا ہے کہ جولادی تھا یا اور جؤ کہ یہ غلط ہے،اس سے مفسر ہارسلی کہتا ہے کہ:
سنظو ہے، کیونکہ بنی بہوداہ کا کوئی شخص کلادی تہیں ہوسکتا یہ
اور ہمیر کی کونکہ بنی بہوداہ کا کوئی شخص الادی ہمیں ہوسکتا یہ
اور ہمیر کی کہنا ہے کہ! الفقائی ہونے کے جانے کے بعداس کومتن سے خارج کردیا،
اور ہمیر کی کوئی کہا گئی ہوئے کے جانے کے بعداس کومتن سے خارج کردیا،
اور ہمیر کی میں ہور کہا گیا ہوئے کے بیال سفر تی ہوئی اول بالجہ آیت ہا میں یوں کہا گیا ہو کہ اسے کہا ہمیر کے مال کہ شرکتا ہی اس لئے کہا کہ کا کھوں نے خوا و نرکے صندو

کے اندر جھانکا کھا، سواس نے ان کے بچاس ہزار اور سنر آدمی مارڈ لئے ،،
یہ بھی غلط ہے ، آدم کلارک تفسیر کی جلد ۲ میں قدح اور جرح کے بعد کہتا ہے کہ ،۔
"غالب یہ بی کہ عرانی متن میں سخ لیف کی گئے ہے ، یا توبعض الفاظ حذف کر دئی گئے ہیں
یا دانسنہ خواہ نا دانسنہ بچاس ہزار کے الفاظ بڑھا دیتے گئے ہیں، کیونکہ اس قدر جھوٹی بستی کے باشنڈوں کی تعداد کا اس قدر ہونا عقل میں نہیں آتا، بھر یہ کیئے تعداد کسانوں
کی ہوگی جو کھینوں کی کٹائی میں مشغول ہوں گے، اور اس سے ذیادہ بعید یہ ہے کہا ہے ہزار انسان ایک صندوق کو ایک دفعہ میں دیکھ سے یں، جو آجہ شع کے کھید ہیں ایک ہوئے ہے تھے برخھا،

له غالبًا اس کے کہ ان آیات میں جو داقعہ بیان کیا گیا ہو وہ ینتوع ۱۵: ۱۳ اوا کے خلاف ہو، کچھ تو داقعہ کی تو داقعہ کی دان آیات کی دافتہ کے بعد دافتہ میں ڈکر کیا ہے ۱۲ تقی ،

بحركتاب كم:

"كاطيني ترجمهي سات سور وسااور بچاس ہزارسٹنر آدمى كے الفاظ تھے ،اورسرياني یں بانے ہزارستر، اسی طرح عربی ترجم میں بھی بانے ہزارسترآدمی ہے، مورضین نے صرف سترآدمی لکھے ہیں، سلیمان جارجی ہی اور دوسرے ربیوں نے دوسری مقدار کیمبی ہے، یہ اختلا فات اور مذکورہ تعدا دکا ناممکن ہونا ہم کو یہ بقتین دلار ہاہے کہ ہیاں ہے

يقيني طوربر تخرلف ہوئی ہے ، یا کھی بڑھا یا گیا ہے ، یا گھٹا یا گیا ہے ،

ہنری واسکاط کی تفسیر میں ہے کہ :۔

مُرنے والوں کی تعدا دا صل عرانی نسخہ میں اُلٹی مکھی ہے ،اس سے بھی قبلے نظہ کرتے ہوئے یہ بات بعید ہے کہ اس قدر بے شمارانسان گناہ کے مرتکب ہوں ، اور جِھوٹی سی نسبتی میں مایے جائیں،اس دا قعہ کی سچائی میں شک ہے،ادر پوتشیفس^{کے} مقنولین کی تعداد صرف سنز کیمی ہے یہ

د تھھئے یہ مفسر من حضرات اس واقعہ کوکس قدرمستبعد خیال کراہے ہیں،اور تر دیکرتے

ہں اور تحرلین کے معترف ہیں،

، منه ۲۰ م ا آدم کلارک میفرسموئیل از ل کے باب ، اآبیت ۱۸ کی نفرح میں یوں کہتا المداس بابين اس آيت سے آيت اس تک اور آيت اسم اور آيت مه

سے آخرباب تک اور باب مراکی بیلی یائے آیتیں اور آیت ۱۰،۱،۱۱،۱۰،۱ و ۱۹ یو انی ترجم میں موجو د نہمیں ہیں، اور کندریا توس کے نسخہ میں موجو دہیں، اس باب سے آخریں دیکھے کہ کئی کاسے نے پولے طور پر ثابت کر دیاکہ آیاتِ مذکورہ اصل کا

حبيزونېين بىن ،،

بھراس باب کے آخر میں کئی کاٹ کی ایک طویل تفزیر نقل کی ہے ،جس سے ظاہر ہوتا ہے كه به آيت محرّف اورالحاتي سي، تهم اس سي مح يتح نقل كرتے ہيں؛

له ان تمام آیتوں میں حضرت زاور علیه اسلام سے جابوت کو قبل کرنے کے سلسلہ میں مختلف تفصيلي واقعات كاتذكره ب17 تقى

اگریم پر حجوکہ یہ الحاق کب ہوا؟ تو بین کہوں گاکہ پوسیفس سے زمانہ میں بہودیوں نے چا کہ کتب مقدسہ کو دعاؤں اور گانوں اور جدیدا قوال گوٹ کرخوش نابنا دیں، ذرا ان بے شمار الحاقات کو دیکھوجو کتاب استیریس موجود ہیں، اور شراب وعورت اور سجائی کی باتوں کو دیکھے، جوع آرا راور سخمیا کی کتاب میں بڑھائی ہیں، اور آجکل عزراء کی بہمی کتاب میں بڑھائی ہیں، اور آجکل و اندال میں بڑھایا گیا ہو گان دو رہیں، اور تین بچوں کے گیت کو دیکھے، جو کتاب دانیال میں بڑھایا گیا ہو کہ ہو گان اور ایسیفس کی کتاب میں جو بے شمار الحاق ہو گائیں ان کو ملاحظہ کیجئے، حکمت ہو کہ برآیت سے محمد میں ہوں، پھر کا تبوں کا بروں گاروں گار

مفتر إرسلّ ابني تفسير حلدا وّل صفحه ٣٣٠ مين لكمتاب كه:-

ور کنی کاط سفرسمونیل کے باب ۱۷ کی نسبت جا نتاہے کہ ببیل آیات بار ہویں سے اس کی ایک الحاقی ہیں، اور قابلِ اخراج ہیں، اور امید کرتاہے کہ ہماہے ترجمہ کی جب آتا ہے کہ ہماہے ترجمہ کی جب

روباره تصبح كى جائے، توان آيات كو داخل نهيں كيا جانے گا "

ہم کہتے ہیں کہ چونکہ یوسیفس کے دّور میں یہودیوں کی یہی عادت تھی جس کا اقرآ کئی کا طی نے کیا ہے کہ انحفوں نے انتی سخر لیف کی، کہ جس کی اس موقع برتصریح کی گئی ہے، اور دور سے مختلف مقامات ہر بھی اس کا ذکراً یا ہے، اس کے بعض اقوال گذشتہ سٹوا ہد میں منقول ہو چکے ہیں، اور کچھ آئنرہ سٹوا ہد میں نقل کتے جائیں گے، ایسی صورت میں ان کتابوں کی نسبت اُن کی دیا نت پرکس طرح بھروسہ کیا جاسکتا ہے،

اس لئے کہ جب اُن کے نز دیک کتب مقد سمیں اس قسم کی نیخ لیف سے ان کی زینت اور خوسش نمائی میں اصنا فہ ہوتا ہے تو بھریہ حرکت اُن کے خیال میں مذموم کیونکر ہوسسے تی ہو، اس لئے وہ دل کھول کرجو جانتے تھے کرتے تھے،

دوسمری جانب کا تبوں کی لا پر داہی کی دجہ سے اُن کی سخز لفات تمام نسخوں میں تھیل گئیں، بھراس نے نتیجہ میں جو بھاڑا ور نساد بپیرا ہموا وہ دنیا پر روش ہے، اس سے معلوم ہموا کہ علمار ہر د نسٹنٹ اپنی تقریر دں اور سخر پر دں میں مغالطہ دینے کے لئے یہ باتیں بنا بِس كه سخريف كاصرور ميه ديون سے نهيں بهوا، كيونكه وه لوگ ديا نترار سخے اورع مدتن كى كتابوں كى نسبت أن كا قرار تھاكہ وہ الله كا كلام ہے ، يقطعی فريب ہے ، مرود ياس كا تشوم اسخيل منى باب ١٦ آيت ٣ بين يون كها كيا ہے كہ :مرود ياس كا تشوم اسخين مي باب ١٦ آيت ٣ بين يون كها كيا ہے كہ :دركيونكه ميرودين نے اپنے بھائى فليس كى بيوى مرديا وسئي يون كر ميروديا كي مسئي يون كر ميروديا كو مسئي يون كر ميروديا كو مسئي يون كر ميروديا كو مسئي يون كو كر با ندھا اور قيد خانه بين ڈال ديا ؟

ا درا بخیل مرفس بالبرآیت ، امیں ہے کہ :۔

و کیونکہ ہی آودیس نے اپنے آدمی کو بھیج کر یو حنا کو بکی وادیا، اور اپنے بھائی فلیس کی بیوی ہی آودیاس کے سبب سے اسے قیدخانہ میں باندھ رکھا تھا، کیونکہ ہم آرولیس نے اس سے بیاہ کرلیا تھا،

اورانجیل توقا باتب آیت ۱۹ میں اس طرح ہے کہ:۔

"لیکن چوتھائی ملک کے حاکم ہم رودیس نے اپنے بھائی فلیس کی بیوی ہم رودیاس کے سبت اوران سب بڑا تیوں کے باعث جو ہم رودیس نے کی تھیں ، یوخت سے ملامت

الحفاكران ست يرط صكر يريمي كياكم اس كوقيد مين طوالا "

ان آیتوں میں لفظ فلیس غلط ہے، تا ہے کی کسی کتاب سے یہ تا بت نہیں ہوتا کہ ہودیا کے شوہر کانام فلیس تھا، بلکہ یوسفیس نے کتاب ۱۹ باب ۵ میں تصریح کی ہے کہ اس کا نام بھی ہمیر و درختھا، اور چونکہ یہ نام لیٹینی طور برغلط تھا، اس لئے ہتورن اپنی تفسیر کی جلد اور ل صفحہ ۱۳۲ میں یوں کہتا ہے کہ

دد غالب یہ ہے کہ لفظ فلیس منن میں کا تب کی غلطی سے لیک اگیا ہے ، اس لئے وہ

قابلِ مذف تقا، اوركريت خفاس كوحذف كرديا

اور ہما ہے نز دیک یہ لفظ صاحبانِ ایخیل کے اغلاط میں سے ہے، ان کا اس کو گا ہی کے غلاط میں سے ہے، ان کا اس کو گا کی غلطی کہنا تھیک ہمیں ، اس لئے کہ اُس دعوی پر کوئی دلیل نہیں ، اور بدا مرعقلاً بہت بعید ہے ، کہ تینوں انجیلوں میں ایک ہی مضمون میں کا تب سے غلطی واقع ہوسکے ، اوران کی جسرات اور بدیا کی قابلِ دید ہے ، کہ محض اپنے قیاس کی بنیا دیرا پنے العناظ عندف باداخل کرمیتے ہیں ، ان کی یہ سخر لیف ہرز مانہ میں جاری اور قائم رہی ، اور چونکہ شواہد کا بیان الزامی حیثیت سے ہے ، اس لئے میں نے اس شاہد کو بھی سخر لیف بالزیارة کی ثالوں میں اُن کی بات تسلیم کرتے ہوئے ذکر کیا ہے ، اور بیت نہاایک ہی شاہر تمینوں انجیلول کے اعتبار سے تمینوں تبواہد کے درج میں ہے ،

تنما برخمبر ٢٨ النجيل توقاباب ٢ آيت ٣١ ميں يوں ہے كه: -تنما برخمبر ٢٨ الله على الل

اوروه کس کے مانندہیں ؟

اس میں یہ جلم کو تعرفدانے کہا " سخ لیٹ کرے بڑھا یا گیاہے، مفستر آدم کلارک اس آیت کے ذیل میں کہتا ہے کہ :۔

"یہ الفاظ کبھی بھی لوقائے متن کے اجسزا، نہیں نتھے، اس دعویٰ کی محمل شہار موجود ہے، او رہر محقق نے ان الفاظ انکار کیا ہے، اور سیجل آور کریت باخ نے ان کو متن میں نکال دیا "

نے اس کی قیمت ہے دہ تدین روپے لے گئے ؟

له چنا بخه همایے پاس ارد واور جربدا نگریزی ترجموں میں یہ الفاظ حذف کریتے گئے ہیں مذکورہ عبارت میں پھرخدانے کہا ایکے الفاظ عربی ترجم مطبوعہ ہے کہ اور قدیم انگریزی ترجم میں ابتک موجو دہیں ۱۳ تقی اس میں لفظ پر تمیاه انجیلِ مٹی کی مشہورا غلاط میں سے ایک غلطی ہے، کیونکہ اس کا کوئی بتہ نشان نہ تو کتابِ پر آمیاه میں پایا جا تا ہے، اور نہ یہ ضمون عہد عتیق کی کسی دوسری کتا میل الفاظ کے ساتھ موجو دہے،

البنة كتابِ زكريا بآب الآبت ۱۳ مين أيك عبارت بهتى كي نقل كرده عبارت سيملتي بهم موجد دسي، مگردونون عبارتون مين بهت برط افرق سي، جويد فيصله كرنے مين مانع سيے كه تمثی نے اس كتاب سے نقل كيا ہمو، نيز اس نسرق سے قطع نظر كرتے ہوئے بهى كتاب زكريا كى عبارت كو اُس واقعہ كے سائحة جس كو تمثی نے نقل كيا ہي ، كوئى تجي منا سبت موجود بهمين، اس سلسله مين سيحى علما ركے اقوال خواه الكلے بهون يا تجھلے بهرت بى مختلف بين، وار دارگ كيتھولك ابنى كتاب مين كها ميل مطبوع مراسم المحام على مقاب كه :
وار دارگ كيتھولك ابنى كتاب مين كها ہے كہ مرقت نے غلطی سے انتی ملک كى حب گه ارمت اور اس طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہيں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہيں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہیں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہيں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہيں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہیں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہیں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی كرتے ہوئے ذكر آبا كی حجگہ ارمت اور کھھ دیا ہیں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے ذکر آبا كی حجگہ ارمت اور کھی دیا ہیں ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے ذکر آبا کی حجگہ اور متی اور کھی خلاق کرتے ہوئے دیا ہے ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے دیا ہے ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے دیا ہے ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے دیا ہے ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے دیا ہے ، اسی طرح متی نے بھی غلطی کرتے ہوئے نے کہ کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کہ کی خوالم کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کہ کی خوالم کی دیا ہیں ، اسی طرح متی نے کو کھی کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کو کھی کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کرتے کی دیا ہے ، اسی طرح متی نے کو کھی کی دیا ہے ، اسی طرح می کے کہ کی دیا ہے کی دیا ہے کہ کی دیا ہے کی کی دیا ہے کی دیا ہے کی دیا ہے کہ کی دیا ہے کی کی دیا ہے کی ک

ہور آن اپنی تفسیر مطبوعہ کا مہا کہ جاد اصفحہ ۵ میں اس طرح موجود نہیں ہو اس نقل میں بہت بڑا اشکال ہی ، کیونکہ کتاب ارتمیا ہیں اس طرح موجود نہیں ہو اور کتاب زکرتیا ہے باللہ آیت الدیں موجود ہے ، گرمتی کے الفاظ اس کے الفاظ سے مطابق نہیں ہیں بعین محققین کا خیال ہے کہ متی کے نسخہ میں غلطی واقع ہوئی ہے، اور کا تب نے زکر آیا کی حگر ارتمیا ہ لکھ دیا ہے ، یا بھریہ لفظ الحاقی ہے ، اس کے بعد الحاق کی شہادیں نقل کرنے سے بعد کہتا ہے کہ:۔

له آور میں نے ان سے کہا کہ اگر تھا ری نظر میں تھیک ہو تو میری مزد دری کے لئے تین رقیعے تول کر دیجے ، اورخدا وندنے مجھے حکم دیا کہ اسے کہا رکے سامنے بچینک نے ، لیعنی اس بڑی قیمت کوجوا کھوں نے میرے لئے کھمرائی ، اور میں نے بیٹنس رقبے لیکرخدا وندکے گھر میں کمہا رکے سامنے بچینک بیٹی یہ (۱۱ ، ۱۲ ، ۱۳) ملے اس کی تفصیل ۵۲۳ و ۴۷ م پرگذر حکی ہے ، اوراج الصفحہ ۴۷ پر بیان ہوا ہے ۱۲ "اوراغلب یہ کو تمنی کی عبارت میں نام کے بغیر صرف یوں تھاکہ "اور وہ پورا ہواجو بیغیبر کی معرفت کہا گیا تھا ، اس خیال کی تقویت اور تا تیراس سے ہوتی ہے، کہ تمنی کی عادت ہم کہ جب بیغیبروں کا تذکرہ کرتا ہے توان کے ہم چھوڑ ہجاتا ہم" ادر اسبی تفسیر کی جلداول صفحہ ۵ ۲۲ میں کہتا ہے کہ :۔

صاحبِ بخین نے مل میں بغیر کانا م نہیں لکھا تھا گرکسی ناقل نے اس کو دہ کر دیاہے !!

ان دونوں عبارتوں سے محلوم ہوتا ہے کہ اس کے نز دیک راج قول ہیں ہے کہ یہ لفظ الحاقی ہے، ڈیمی آئی اور رَجَرِ دُمنط کی تفسیر میں اس آیت کے ذیل میں لکھا ہے کہ :۔

انجا فی افاظ جو بہاں منقول ہیں آرتمیا ہ کی کتاب میں موجود نہیں ہیں، ملکہ کتاب زکر یا

کے باللا آیت ۱۲ میں یا سے جاتے ہیں، اس کی ایک توجیہ یہ بھی ہے کہ گذشتہ زمانہ میں ناقل نے انجیل لکھتے ہوئے غلطی سے زکر یا کی جگہ آرتمیا ہ لکھ دیا ہوگا، مجریہ میں ناقل نے انجیل لکھتے ہوئے غلطی سے زکر یا کی جگہ آرتمیا ہ لکھ دیا ہوگا، مجریہ

غلطی متن میں شامل ہوگئی، جیسا کہ تیرس کا مصاب "

ہمارا گذشتہ بیان کا فی ہے،

اورنیز ہورن نے بھی اس کا اعترات کیا ہے کہ تہتی کے الفاظ ذکریا کے مطابق نہیں اس کے مطابق نہیں اس کے مطابق نہیں اس کے کئی ایک عبارت کی سخر لیف کا اعترات کئے بغیر کتاب زکریا تھے الفاظ بھی بیجے نہیں مانے جاسکتے ، ہم نے یہ شہما دت اُن لوگوں کے حیال کے مطابق بیش کی ہے جو اس لفظ کو کا تب کی زیادتی کہتے ہیں ،

متی کے اغلاط سے فاریخ ہونے پراب ہم مرقس کی غلطیاں جن کا اعترات جو دیل اور دآرڈدنے کیاہے بیان کرنامناسب سمجھتے ہیں ،

بالبا آیت ۲۵ میں اس کی ابنجیل کی عبارت اس طرح ہے کہ:۔

''اس نے ان سے کہا کیا تم نے کبھی نہیں پڑھا کہ داؤد نے کیا گیا، جب اس کو اور اس کے ساتھیوں کو ضرورت ہوئی، اور وہ بھو کے ہوئے ہے ، وہ کیونرا آبیار سردار کا بہن کے دنوں میں خدا کے گھر میں گیا، اور اس نے نذر کی روٹمیاں کھایں جن کو کھانا کا بہنوں کے سوااور کسی کو روانہیں، اور اپنے ساتھیوں کو بھی دیں''

اس متن میں لفظ ابیاً ترغلط ہے، جس کا اعتراف دونوں کرتے ہیں، اسی طرح یہ دونوں کرتے ہیں، اسی طرح یہ دونوں کے جلے کہ" اور" اپنے ساتھیوں کو صزورت ہوئی" اور" اپنے ساتھیوں کو دیں " یہ مجمی غلط ہیں، اس لئے کہ داؤ د علیہ اسلام اس وقت اکیلے تھے، اُن کر دیا ہے۔ اُن کر دی کر د

ے ساتھ کوئی دوسرا قطعی نہیں مختھا، کتاب سموتل کے ناظروں سے یہ بات پوسٹ پرہ نہ ہوگی ،

اُورجب بہ نابت ہوگیا کہ انجیل مرقس کے یہ دونوں جلے غلط ہیں، تو یہ نابت ہوگیا کہ ان کی طرح اور دور سے جلے بھی جو تمثی اُور لو قاکی اسجیل میں پاسے جلتے ہیں جو تمثی اُور لو قاکی اسجیل میں پاسے جلتے ہیں وہ مجھی غلط ہوں گئے، مثلاً اسجیل تمثی بائلا آبیت ہیں یوں کہا گیا ہے کہ :۔
"اس نے اُن سے کہا کیا تم نے نہیں بڑھا کہ جب ذاؤ داوراس کے سابھی مجھو کے سے قواس نے کیا کیا ؟ وہ کیونکر خوا کے گھر میں گیا، اور نذرکی روٹیاں کھائیں جن کو سے تواس نے کیا کہا ہے وہ کیونکر خوا کے گھر میں گیا، اور نذرکی روٹیاں کھائیں جن کو

له اس کی تفصیل صفح ۲۳ و ۵۲ ۵ جلدا قال اوراس کے حاشیہ پر ملاحظہ ونسر مایئے ۱۲

کھانا نہاس کورواتھا نہاس کے ساتھیوں کو، مگر صرف کا ہنوں کو » اورانجل توقامال آبیت و ۲ میں اس طرح سے ہے کہ :۔ يشوع نے جواب ميں أن سے كہاكيا تم نے يہ بھى نہيں يرصاكرجب داؤداوراس كے ساتھی بھوکے تھے تواس نے کیا کیا ؟ وہ کیونکرخداکے گھر میں گیا ،ا درنذر کی دخیا لے کرکھائیں جن کو کھانا کا ہنوں کے سوا اورکسی کوروا نہیں، اوراینے ساتھیوں

انس سجى قول كى نقل مين تينول انجيلول مين شات غلطيان واقع ہموئي ہيں، اب أكر ان ساتوںغلطیوں کی نسبت کا تبوں کی حانب کرنے ہیں توعیسائیوں کوساتوں مقامات پر مخرلین ما ننا بڑے گی، آگر جے یہ جیز طا ہر کرکے خلاف ہو مگر ہمانے لئے مصر نہیں ہے، النجيل تمثى باب٢٦ آيت ٣٥ ميں يوں كها كيا ہے كه :-ادرا مخوں نے اسے صلیب پر چرط صایا اور اس کے کیڑے قرعہ

ڈال کریا نط لئے، تاکہ وہ پورا ہوجائے جونبی کی معرفت کہا گیا تھا کہ الخول نے میرے کیڑے آئیں میں بانط لئے اور میرے لباس میں قشرعہ ڈالا »

اس میں بی عبارت کر" تاکہ وہ پورا ہوجا سے جونبی کی معرفت کہا گیا تھا، عیسائی محققین ے نز دیک قطعی محرت اور واجب الحذت ہے ، اسی لئے کرتیبا خے نے اس کو حذ^{قت} کردیا ، ہتورکن نے قطعی دلائل کے ذریعہ اپنی تفسیر کی جلد اصفحہ ۳۳ وا ۳۳ میں 'آب

یاہے کہ بیرحبلہ لھاقی ہے ، پھرکہتا ہے کہ:۔ "كريتباخ نے يثابت ہونے يركه بيصا ف جھوط ہراس كوحذف كريے بهت

ہی اچھاکام کیاہے ،،

آدم کلارک اپنی تفسیر حبارہ مذکورہ آبیت کے ذیل میں کہتا ہے کہ :۔ "اس عبارت کا ترک کرناواجب ہی، اس لئے کہ بیمتن کا جزد دہمیں سے میجے ترجموں

ل چنا پخیموجوده ار دواورجدیدا نگریزی ترحمه میں پی جله حذف کر دیا گیاہے، ہمنے مذکورہ ترحم عرفی مطبوعه المراج اور قديم الكريزي ترجمول كے مطابق كياہے ١٢ تقى

ادر سخوں میں اس کو حجود دیا گیاہے، الآماث رائٹہ، اسی طرح بہرت سے متقدمین نے بھی اس کو ترک کر دیاہے، یہ صاف الحاقی ہے جوانجیلِ یَوحنا باب 19 آیت ۲۴

یوخناکے پہلے خطبا ہے آیٹ میں یوں کہا گیاہے: "اس لئے کہ آسمان میں گواہی دینے والے تین بیں، باپنے، کلمیز، اور رقبے القدس، اور پیلینوں

سے دیا گیاہے " بوحنا کے خط میں مقلی ترلین شاہد تنبراس

ایک ہیں، اور زمین میں گواہی دینے والے بھی تمین میں، روشے اور بائی اور خوت ، اور یہ تینوں ایک ہی بات پرمتفق ہیں ہ

ان دونوں آیتوں میں اصل عبارت عیسائی محققین کے خیال میں صرف اس قدر سختی :۔
ساور گواہی دینے والے تین ہیں ، روح اور پانی اور خون ، اور یہ تینوں ایک ہی
بات پرمتفق ہیں ہ

معتقرين بشليث نے يہ عبارت اپنى طرف سے براھادى ہے كه،

در آسمان میں گواہی دینے والے تین ہیں، باپ ، کلمہ اور روح القدس ، اور بیٹینوں

ايك بين اورزين بين الخ"

جولقینگا الحاقی ہے، اور کرتے باخ نیز شوکز اس کے الحاقی ہونے پرمتفق ہیں ، ہوک^{ان} باوجو دلینے تعصر سے کہتا ہے کہ یہ الحاقی اور واجب الترک ہیں ، ہنزی واسکا ط کے جامعین نے بھی ہوکرن آورا دم کلارک کے قول کو ترجیح دی ہے ، اوراس کے الحاقی ہونے کی طرف مائل ہیں ،

آگی این نے جوجو تھی صدی عیسوی کا سہ برط اعالم شمار کیا جا تا ہے، اور جو آج کک اہل تشارک نے جوجو تھی صدی عیسوی کا سہ برط اعالم شمار کیا جا تا ہے، اور جو آج کک اہل تشلیث کے اور پردس سال کے بین ، اوران میں سے کسی رسالہ میں بھی یہ عبارت نہیں کبھی ، حالانکہ وہ تثلیث کا لے جنابخال ، واق حدیدانگریزی ترجموں میں اے عارت اسی قدر ہی مذکورہ مالا ترجمہ ہمرنے وی

له چنامچه ار د دا و رجد بدانگریزی ترحموں میں اب عبارت اسی قدر ہی، مذکورہ بالا ترحمہ ہم نے و بی ا درقدیم انگریزی ترحمول سے لیا ہے ۱۲ تھی ، معتقدا درعاشق ہے، اور ہمیشہ ایر آین فرقہ کے ساتھ ہو تثلیث کے منکر تھے مناظرے کیا کرتا تھا، اب اگریہ عبارت اس کے زمانہ میں موجود ہوتی تو دہ اس سے ستدلال کرتا اور نقل بھی کرتا، اور ہمارا ذاتی اندازہ تو ہے کہ چونکہ اس نے اس آیت میں ایک وراز کار تکلف کرتے ہوئے جاشیہ برلکھا ہے کہ "پانی سے مراد باپ اور خون سے مراد بلیا اور محتقت رین وقع سے مراد دوح القدس ہیں، چونکہ ہے توجیہ بہت ہی بعید تھی، اس کے معتقت رین تشلیث نے یعنبارت ہوان کے لئے مفیدا عتقاد تھی بنا ڈالی، اور اس کوخط کی عبارت کا جسے در بنادیا،

ا سروبادیا،
میزان الحق کے مصنف کے اور میر بے در میان سنتالہ میں جو مناظرہ ہوا تھا اس میزان الحق کے مصنف کے اور میر بے در میان سنتالہ میں جو مناظرہ ہوا تھا اس استھی نے یہ دکھوں نے اقراد کیا تھا کہ بیر عبارت سخر لھیت شدہ ہے، اور جب اُن کے ساتھی نے یہ دکھا کہ اب یہ دو میری الیسی بیش کے جانے سے پہلے ہی التحوں نے بیش کی اعترات کر دیا کہ میں اور میرا ساتھی بیسلیم کرتے ہیں کہ سات یا آسم مقامات پر سخر لھین واقع ہوئی ہے، میرا ساتھی بیسلیم کرتے ہیں کہ سات یا آسم مقامات پر سخر لھین واقع ہوئی ہے، اس لیے یو حمال کی عبارت میں سخر لھین کا انکار کرنے والا سوات ہمی دھرم کے اور کوئی نہیں ہوسکتا، ہو آرت نے اس عبارت کی شخصیت میں بارہ و رق مجھے ہیں ، کھر اور کوئی نہیں ہوسکتا، ہو آرت نے اس عبارت کی شخصیت میں بارہ و رق مجھے ہیں ، کھر

اور کوئی نہیں ہوسکتا، ہو آن نے اس عبارت کی تحقیق میں بارہ ورق لکھے ہیں ، پھر د وبارہ اپنی تقریر کاخلاصہ کیا ہی، اوراس تقریر ہے تمام ترجمہ کے نقل کرنے میں ناظرین کے اس کے خطرہ ہے ، ہمری واسکانے کی تفسیر کے جامعین نے بھی اس کے خلاصہ کا

خلاصه كياب، مم أس تفسيرس وه خلاصة الخلاصه نقل كرتے ہيں:-

اس تفنير كے جامعين كہتے ہيں:۔

ر بہور آن نے دونوں منسریق کے دلائل لکھے ہیں، اور پھر مکر دیکھے ہیں، دوسری تقریر کاخلاصہ یہ ہو کہ جولوگ اس عبارت کا جھوٹا ہونا ثابت کرتے ہیں ان سے چیند لائل ہیں؛

ا یہ عبارت ان یونانی نسخوں میں سے کسی میں بھی موجود نہیں جوسو کھویں صدی سے قبل لکھے ہوتے نخے،

٧- يەعبارت أىنسخول مىسنىس بائى جاتى جويىلے زمانەمىس بۇي محنت

اور تحقیق کے ساتھ طبع ہوتے ہیں،

سر۔ یعبارت سوات لاطینی ترجمه کے اورکسی قدیم ترجم میں موجود نہیں ہے،

س برعبارت اکثر قریم لاطینی نسخوں میں بھی موجود تہیں ہے،

۵- اس عبارت سے من متقد مین میں سے کسی نے کبھی ہتدلال کیاہے اور من گرجا کے کسی مؤرخ نے ،

۲۔ فرقہ بروٹسٹنٹ کے مقتداؤں اوران کے مصلحین مذہب نے یا تواس کو کا طاحہ دیاہے، یااس پرشک کی علامت لگادی ہے،

ا ورجولوگ اس عبارت کوسیح تصور کرتے ہیں اُن کے بھی متعدّ ددلاً مل ہیں:ا۔ یعبارت قدیم لاطینی ترجم ہیں اور لاطینی ترجمہ کے اکٹر نسخوں ہیں موجودہ یہ ۔
۲۔ یعبارت کتاب العقائد الیونانیہ اور یونانی گرجاکی کتاب آواب العسلوة میں اور لاطینی گرجاکی کتاب العسلوة قدیم میں موجود ہے ،اس عبارت سے بعض لاطینی بزرگوں نے اسسندلال بھی کیا ہے، یہ دو توں دلیلس محندوسش ہیں ،

اس عبارت کی سچائی کی چندا ندر ونی شمارتیس ہیں:۔

ا کلام کاربط، ۲ سنحوی قاعده، ۳ - حرف تعربی، م اسس عبارت کایوحتاکی عبارت سے محاورہ میں مشابہ ہونا،

نسؤں میں اس عبارت کے ترک کے جانے کی دج ہے بھی ہوسی ہے کہ اصل سے دو نسخ ہوں، یا پھر یہ دا قعہ اس زمانہ میں بینی آیا ہو جب کہ کا تب کی مکاری یا غفلت کی دج سے نسخ قلیل تھے، یا اس کو فشرقہ ایر بن فے حذف کر دیا ہو، ... یا دبندار وں نے اس عبارت کو اس لئے اٹا دیا ہو کہ یہ تثلیث کے اسرار میں سے ہی دبندار وں نے اس کا سبب بن گئی ہو، جس طرح اس کی ہے پر داہی دو سے یک انت کا سبب ہو جاتی ہے، گریگ کے مرشدین نے اس بحث کے کئی جسلے نقصانات کا سبب ہو جاتی ہے، گریگ کے مرشدین نے اس بحث کے کئی جسلے محصول دیتے،

بتورن کے مذکورہ دلائل پرنظر ثانی کرنے کے بعد بڑے انصاف او خلوص

ساتھ یہ فیصلہ کیا ہے کہ اس جعلی اور فرضی جلہ کوخاج کیا جائے ، اس کا د اخل کیا جائے اس وقت تک مکن نہیں جب تک کہ اس پر ایسے نسخ شہما دت ند دیں جن کی صحت غیر مشکوک ہی ، ماریش کی موا فقت اور تا نئید کرتے ہوئے کہا ہے کہ اندو نی شہاری اگر جید مضبوط ہیں ، گرایسی ظاہری شہما د توں برغالب نہیں آسے تیں جو اس مطلب پر موجود ہیں ہے

آپغورکرسکتے ہیں کہ ان کا مسلک بھی وہی ہے جو ہتورن کا ہے، اس لئے کہ وہ کہتے کہ ہتورن نے انصاف اورخلوص کے ساتھ فیصلہ کیاہے ، اور دوسرے فران کے دلائل مرد د دہیں ، اور فران جو عذر ملیش کر ماہے اس سے دو باتیں معلوم ہوتی ہیں ،

ایک یہ کہ طباعت اور حجیائی کی صنعت کے ایجاد ہونے سے پہلے سے لیے اور جوائے کا تبوں اور مخالف فریق کے لئے گنجاکٹ تھی، اور وہ اپنے مقصور میں کا میاب ہوجائے تھے ، دیکھئے ، کا تب کی سے لیے نے افر قد ایر تبن کی یا عیسائیوں کے حیال کے مطابق دینیالدو کی سے لیے اور کی سے اور ایس فررشا کے ہے کہ یہ عبارت تام مذکورہ پونانی نسخوں سے اور المرابطینی سو سے بھی گرادی جاتی ہے جیسا کہ پہلے فریق کے دلائل سے ظاہر ہورہا ہے ،

دوسے رہے دیدارعیسائی بھی جب سخر لین میں کوئی مصلحت خیال کرتے ہے ،
توجان بُوجھ کر سخرلین کردیتے تھے جیسا کہ اس عبارت کو یہ بھے کر کہ یہ تثلیث کے اسرار میں سے مذف کر دیا ، یا جیسے فرقہ گر سی کے مرشدین نے وہ فقر ہے جواس بحث میں تھے ،
حذف کر دیتے ، پھر جب سخر لیف کرنا مرشدین کا مجبوب مشغلہ اور دیندارعیسائیوں کی پہڑہ عادت تھی تو بھر باطل فرقوں اور سخر لیف کرنے والے کا تبوں کی شکایت کس مگن ہے عادت تھی تو بھر باطل فرقوں اور سخر لیف کرنے والے کا تبوں کی شکایت کس مگن ہے کہ کا کو تی جاسحتی ہے ، اس سے بیتہ چلانا ہے کہ ان لوگوں نے طباعت کی ایجا دسے پہلے سخر لیف کا کو تی دقیقہ باقی نہیں جھوڑا ، اور کیوں نہ ہو جبکہ طباعت کے بعد بھی ماشا ، انڈریسل لیہ بند نہیں ہوا ، اب ہم صرف ایک واقعہ نقل کرنے پراکتفار کرتے ہیں جس کا تعلق اس عبارت سے ہے :۔

و خور کے ترجم میں نخراب اغور فرمائیے کہ فرقہ ہر وطبطنے کا ام اقل اور مزاب کا میں کا میں کو تھے جب اس مزاب

کی اصلاح کی طرف متوجہ ہوا تواس نے سب سے پہلے کتبِ مقدسہ کا ترجہ جرمنی زبان ہیں اس لئے کیا کہ اس کے ماننے والے مستفید ہوں، اس نے اس عبارت کو کسی ترجہ بینہیں لیا، یہ ترجہ اُس کی زندگی میں معد در تربه طبع ہوا، گریے عبارت ان شخوں میں موجود نہ تھی، کچر جب بوٹیھا ہوگیا، ایک فرتبہ بچواس کے جھانے کا اوا دہ کیا، اور کا کہ ان اور میں کہ میں اس کی طباعت شروع ہوئی، پیخص اہل کتاب کی عادت سے بالعموم اور عیسائیوں کی خصلت سے بالخصوص خوب وا قف بھا، اس لئے اس نے اس ترجہ کے مقدمہ میں وصیت کی کہ میر ہے بالخصوص خوب وا قف بھا، اس لئے اس نے اس نے اس ترجہ کے مقدمہ میں وصیت کی کہ میر ہے ترجہ میں کوئی صاحب سے لیف نہ کریں ، لیکن چو مکہ سے وصیت اہل کتاب کے مزاج وعادت کے خلاف بھی اس کے ترجہ میں کا ان تقال ہوئے تین سال بھی نہ گذر سے تھے ،

اس سے وقی کاار تکاب سے پہلے فرینگ فورط کے باسٹندوں نے کیا، کیوں کہ انتفوں نے سامے ہے ہوں ہے اس ترجم کو چیپوایا تواس عبارت کوشا مل کرلیا، اس کے بعد شایداُن کو خداکا خوف ہوایا لوگوں کے طعن وشنیع کی فکر ہوئی توبعد کی طباعتوں میں اس کو حذرت کردیا، اہل تثلیث کو اس عبارت کا حذف کیا جانا بڑا اہمی گراں گذرا، اس لئے دی ترقی کے باسٹندوں نے ملاق کا اور موق ہاء میں اور تیجم برگ کے لوگوں نے ملاق کا اور موق ہاء میں اور تیجم برگ کے لوگوں نے ملاق کیا، اس عبارت کو بھراس ترجم میں داخل کیا،

سندوں کو جورات کو جوال کا رہم یا داش ہے۔ گرجب وٹن برگ کے باسٹندوں کو بچرلوگوں کے طعن کا ندلینہ فرینک فرط والوں کی طرح پیدا ہوا ، توانخوں نے بھی دوسری طباعت میں اس کو بکال دیا ، اس کے بعد مترجم کے معتقد عیسائیوں میں کوئی بھی اس کے خارج کرنے پر داضی نہ ہوا ، اس لئے اس ترجم میں اس کی شمولیت اپنے امام کی وصیت کے خلاف عام ہوگئی، تو تھیسہ قلیل الوجو دنسٹی میں مخرلیت نہ ہونے کی کیو کر امیر کی جاسکتی ہے، جبکے صندت طباعت بھی موجود دنہتی ، بالخصوص ایسے لوگوں کی طرف جن کی عادت آپ معلوم کرچھے ہیں یہم کو ایسے لوگوں سے مخرلف کے سواکسی دو مہری بات کی ہرگز توقع نہیں ہوسکتی،
مشہورفلسفی اسحآق نیوش نے ایک رسالہ لکھا ہے جس کی صنحا مست تقریبًا ، ۵ صفحات
ہے، اس نے اس میں ثابت کیا ہے کہ بہ عبارت اوراسی طرح تیمتھیس کے نام بہلے خط کی
آبیت بمبرا ا دونوں محرف ہیں ، آبیت فرکورہ میں یہ ہے کہ:
ایس میں کا رنہ ہیں کہ دینداری کا تھے ، رطوا ہے، لعنی دہ چھے میں ظاہر بولان ورشی

ائس مین کلام نهیس که دینداری کا مجھید برط اسے، بعنی دہ جوجیم میں ظاہر ہوااور روخین راست باز مجھرا، اور فرسشتوں کو دکھائی دیا، اور غیر قوموں میں اس کی منادی ہوئی، اور دُنیا میں اس پرایمان لائے اور حبلال میں اوپر اعظایا گیا ہے،

چونکہ یہ آیت بھی اہلِ شلیت کے لئے بہت مفید تھی، اس لئے اپنے عقید کا فاسرہ کو ثابت کرنے کے لئے اس بین خوب خوب سخرافیت کی ،

نشا مرمبراس کتاب مکاشفر پوحناباب اوّل آیت ۱۰ بین ہے کہ:۔ نشا مرمبراس "اورخداو ایکے دن میں روح میں آگیا، اور اپنے پیچھے نرسنگے کسی

ایک بره می آواز سنی جویه که به رها کتفا که میں الف اور بار موں اول مهوں اور آحن ربهوں ،

اورجو كجورة ديجه الساكوكاب بين لكه "

مریت باخ اور شورد و نول اس پرمتفن بین که به دونون الفاظ اول اور آخر "الحاقی بین ا اور تعض متر جمون نے ان کو ترک کردیا ہے ، اور عربی ترجیم مطبوعہ سائے لیاء وسلام ایم میں لفظ اُلف اور آبا بر" کو بھی ترک کر دیا گیا ،

ن من من ساس کتاب انتقمال باب ۸ آیت ، ۳ بیس ہے کہ ننسا ہار مبر ساس "بس فیلیش نے کہا کہ اگر تو دل دجان سے ایمان لائے تو بیتے ہے۔

مده خداد ندکادن سے مرادعیسائیوں کے بہاں اتوارکادن ہے ١٢ تقى

که موجوده اردوادرانگریزی ترجون پس بھی یہ دونوں جلے حذف کرنے گئے ہیں۔ ہم نے ادبر کی

عبارت الگریزی کے قدیم ترجمہ سے لی ہے ۱۲

سکہ یہاں فیلیش سے مراد فیلیش حواری ہیں جھوں نے کتاب اعمال کے مطابق غزیّہ کے راستہ یں ایک عبیثی خوج کو حضر نے بیچے میں کے بیغام کی تبلیغ کرتے ہوئے یہ یا ت کہی ۱۲

کے سکتاہے، اس نے جواب میں کہاکہ میں ایمان لاتا ہوں کہ میتوع میں خورکا بیٹاہے ،

یہ آبت الحاقی ہے جس کو کسی شلیت پرست نے اس جلہ کی خاطر کہ میں ایمان لاتا ہوں کہ میتوع میں خدا کا بیٹا ہے ، کرلت باخ اور شولز دونوں اس آبست کے الحاقی ہونے کے معرون ہیں ،
الحاقی ہونے کے معرون ہیں ،

ن ارکز مرم می است میں کہا گیا ہے کہ ،۔ سی ارکز مرم میں کہا گیا ہے کہ ،۔ اس نے پوچھا ، اے خدا دند تو کون ہے ؟ اس نے کہا میں بیتوع ہوں ، جے توستا تاہے ، یہ تیرے لئے مشکل ہے ، کہ توسو داخوں کو مائے ، اوراس نے کا نینے ہوئے جران ہوکر کہا کہ تو مجھ سے کیا جا ہتا ہے ؟ اورخدا دند نے اس سے کہا کہ

أنظر! شهرمي جا، اورجو يخفي كرناجامة وه تجه سے كها جائے گا،

كريتباخ ادر شوركمة بين كه يعبارت كوية تيري ك مشكل ہے "الحاقي على ،

منسره س محمال بالباتيت ٢ يس يوں ہے كہ: _

سا ہار مبر کا کا میں میں اور ان اع کے یہاں جہاں ہے ، جس کا گھرسمندر کے کنارے

ہے، وہ مجھ کوبتانے گاجو کام تجھ کو کرنا مناسب ہوگا ؛

كَرْكِبِاخ اورشُوْلَزَ كَهِتْ بِين كه ميعبارت كه" وه تجو كوبتائے گا جو كام تجو كوكرنامناسب ہوگا» بانكل الحاقی سیجے ،

له جنانچارد و ترجم بین اس پرشک کی علامت د قوسین) نگائی ہوئی ہے، قدیم انگریزی ترجم بین الله جنانچارد و ترجم بین السی حذف کرنے کا مشورہ مثبار کی انفاظ ALTER NATIVER FROBER کی فہرست میں اُسے حذف کرنے کا مشورہ دیا گیا ہے ، اور حدید انگریزی ترجم بین اُسے حذف کردیا گیا ہے ، ۱۲ لعین پونس نے ، یہ اُس کے مشرف بہ عیسا بیئت ہونے کا واقعہ ہے ، ۱۲ سے انگھ شہرمیں جا اللہ اور خداو ندنے اس سے کہا کہ "سمیت" گویا اصل عبارت پوں تھی "جھے توسستانا ہے ، اُنگھ شہرمیں جا اللہ ، چنا بچارد واور حدید انگریزی ترجم بوں میں ایسا ہی ہے ، قدیم انگریزی ترجم بیا الحاق عبارت میں اسے حذف کرنے کا مشورہ دیا گیا ہے ، ۱۲ موجود ہم بین اسے حذف کرنے کا مشورہ دیا گیا ہے ۱۲ کی جمارت میں اسے حذف کرنے کا مشورہ دیا گیا ہے ، ۱۲ کی اس کا کہا ہے ، ۱۲ کی جنانچ یہ عبارت بھی مذکورہ نو ترجموں میں موجود نہیں ، ترجم انگریزی اور عربی سے کیا گیا ہی ۱۳ تھی

كرنتھيوں كے نام پہلے خطامے باب آيت ٢٨ بيں يہ كہا گيا ہے كه .. معنیکن اگر کوئی تم سے کے کمیر بتوں کا ذہیے ہے، تواس کے سب جس نے تھھیں جتایا اور دینی مستعاز کے سبب سے نہ کھاؤ، کیونکہ زمین اوراس کے كمالات سب خداكے بن ٤ بہ جملہ"کیونکہ زمین الخ الحاقی ہیں' ہورک اپنی تفسیر کی جلد ۲صفحہ ۲۳ میں اس کے الحاقی ہونے کوٹابت کرنے کے بعد کہتاہے کہ ،۔ "كريسباخ نے اس جلكواس يقنين سے بعدكہ يہ قابل اخراج متن سے نكالاسچى بات بھی ہیں ہے کہ اس حلم کی کوئی سند تہیں ہے، یہ قطعی زائدہے، غالب یہ ہے کہ اس کوآست ۲۶ سے لے کرشامل کر دیا گیاہے » آدم کلارک اس آیت کے ذیل میں کہتا ہے کہ:۔ " کریت باخ نے اس کومنن سے الڈا دیا، اور سے یہ ہے کہ اس حلہ کی کوئی سسندنہیں ہو نزوى ترجيهمطبوعه الحاماع والماليع والسملع مين بعي ليدسا قطار وياتياب، البخل متى باب ١٦ آيت ٨ مين يون كما كياس كر .-"كيونكه ابن آدم سبست كا مالك بجي ہے " اس بیں لفظ تجھی''الی قی ہے، ہور آن نے اس کوالحاقی ہونے دلائل سے ثابت کیا ہ اس کے بعداین تفسیری جلد ۳ صفحہ ۳ سس میں کہاہے کہ يُهُ لفظ النجيل مرقس كے بائي آيت ٨٦ سے يا تھر النجيل توقائے بال آبيت ٥ سے ليا گيا اور يهاں شامل كرديا كيا ہى، كريتياخ نے بہت ہى الجھاكياكماس الحاتى لفظ كومتن سے خاج كرديًا کے یہاں بھی بعینہ وہی معاملہ بوج گذشتہ تینوں حاشیوں میں بیان کیا گیا ہے ، تقی که بهال بھی وہی صورت ہے ۱۲ سے گئیں ابن آدم سبت کا بھی مالک ہے " (۲،۲۰) که میکن بوجوده ار دو ترجمه می*ں مرقس سے بھی* لفط متھی'' ساقط کردیا گیاہے ، جبکہ قدیم او رحدید موجودس اتقى دونوں ترجوں میں بہلفظ

الخبل منى بالل آيت ٥٦ مين يون كما كيا سے كه: -"نیک آدمی اینے نیک دل کے خزانہ سے نیکیاں کالتاہے "

اس میں لفظ مول الحاتی ہے، جورن اس کے الحاقی ہونے کے دلائل سے ثابت رنے سے بعد جمع میں اپنی تفسیر کی جلد میں کہا ہے کہ یہ لفظ استجیل توقا بالب آنیت ۴۵

سے لیا گیاہے،

النجيل منى بال آيت ١١ مين يون كما كياب كه:-ود اور ہمیں آزمائش میں نالا، بلکہ بڑاتی سے بچا، کیونکہ باد شاہی اور

قدرت اورجلال میشترے ہی ہیں "

اس میں ہیرجا کہ ''کیونکہ با دشاہی اور قدرت الح''الحاقی ہے، روخمن کیتھولک فرقہ سے لوگ اس سے الحاقی ہونے کا بقین رکھتے ہیں، لاطین ترجمہیں بھی یہ موجود نہیں ہے، ا در بنداس فرقہ کے کسی بھی انگریزی ترحمبریں موجود سکتے، یہ فرقہ اس جلہ کے داخل کرنے وا لوسخت بُرا بحلا كهتاب، وآرد كيتقولك اپني كتاب الاغلاط مطبوع الميم ليع صفحه « امين كهتا أوكم "اداتمس نے اس جلہ کو بہت ہی قبیح قرار دیا ہے، اور بلنج کہتا ہے کہ بیر حبلہ بعد میں شامل كياكياب اورآجنك اسكاشامل كرنے والا نامعلوم ہے، لارت عشش نے اور لامن نے جو یہ کہاہے کہ برجلہ خدائی کلام سے حذیث کردیا گیاہے ،اس کی

ك يه المآوالي مين نقل شره عبارت كاترجم بي جومصنف كے بيش نظر كسى ترجم سے ماخوذ موكى ،عربى ترجم مطبوع کھانڈاء کی عبارت کا ترجہ یہ ہے ، مدنیک انسان دل سے نیک خزانہ سے نیکیاں ٹکا لٹا ہے،، اور اس میں مدرل"کے لفظ پر شک کی علامت ملکی ہوتی ہے ١٢ ك چنامخدارد وترجمهين اسے ساقط كرديا كياہے، اس كے الفاظ يہ بي، اُنچھا آدمی الحجے خزارنسے الجھی چیزیں بھالتاہے ،،البت تام الکریزی ترجوں میں یہالفاظ موجود ہیں ١٢ تقى سے سانے قدیم انگری ترجمہ میں بیعبارت موجودہ، گرجدید ترجمہ میں ساقط کردی گئی ہے ، ارد وترجم میں اس پرٹسک کی علامت لگی ہوئی ہے ۱ تقی

کوئی دلیل موجو دنہیں ہے، ملکہ اس کا فرعن تو یہ تھا کہ وہ ان نوگوں پر بعنت او رملا^{ہے} سرتا جفول نے بڑی بیای سے خدا کے کلام کو کھیل بنالیا ہے ،، اوراس کی تردید فرقه برو طسٹنٹ کے بڑے بطے محققین نے بھی کی ہے ،ادر آدم علارک نے بھی،اگرچہ اس کے نز دیک اس کا ایجاتی ہونا راجح نہیں ہے، گرا تنی بات کا معترف وہ بھی ہے کہ کرائے اوروسطین اور بڑے یا یہ کے محققین نے اس کاردکیا ، جیساکہ اس آیت کی شرح کے ذیل میں اس نے تصریح کی ہے، ا درجب اس سے اقرار سے یہ تابت ہو گیا کہ جوگوگ بڑے یا یہ کے محقق ہیں ایھوں نے اس کی تردید کی ہے ، توالیسی صورت میں خود اس کی مخالفت ہما رہے گئے کوئی مصر نہیں ج ادربيجله فزقه كيتهولك اورفرقه بركوششنط كيمحققين كي تحقيق مح مطابق صلوقايج میں بڑھایا گیاہے، اس بناریر سخر لیت کرنے والوں نے صلاۃ مشہورہ کو بھی نہیں سختا، الجيل يوحنا باب كي آيت ٥٣ اورباب كي ابتدالي آيات سياره الحاقي میں،اگر حیبتورن کے نزدیک اُن کا ابحاقی ہونا راجے نہیں ہے، د ہ اپنی تفسیر کی حلد سم ہسفجہ ۳۱۰ بربوں کہتا ہے کہ "راتیمسطه ادرکاین ادر تبزاا در کروتیس اور کیکارک اور دشتن اور سمکر اور شکز له ان آبتوں میں ایک عورت کا واقعہ بیان کیاہے ، کہ یہو دبوں نے اس پرتہمتِ زنالگا کرچھتے يتح سے اسے سنگسار کرنے کا مطالبہ کیا، گرخفرت کے نے کہا کہیں سے ویا کدامن ہووہ اس کا فیصلہ کرے اس پرسب لوگ چلے اورکسی نے فیصلہ نہیں کیا، محرصر تشمیع نے اسے آئندہ گناہ ہ: کرنے کی تاکید کرکے رخصت کر دیا، جدیدانگریزی ترجمہ سے بیعیارت اس موقع پر حذت کردیگئی ہے ، پھر انجیل توحنا کے ختم کے بعداس عبارت کونقل کر کے حاشیہ برمتر جمین لکھتے ہیں کہ بعبار جوعبد حدید کے عام بھیلے ہوئے نسخوں میں تو حنا 2: ۳۵ تا ۸: ۱۱ پریائی جاتی ہے، اس کی ہمانے قدیم معیفوں میں کوئی متعین حکم نہیں ہے، لعص تسخوں میں بی عبارت سرے سے موجود ہی نہیں سے جو لنخول میں یہ لوقا ان ، ۲۸ کے بعد موجود ہی، اور لعبض میں اسے یو تحنای: ۲۸ یا ، ۲۰ میا ۲۱: ۲۲ کے بعد رکهاگیایی، رنیوانگلش باتبل، ص ۱۸۸ که ارازمس ERASMUS سوطوی صدی کا

سنہوعالم، پلالالم م ملاحداء نے نشآۃ ثانیہ علمرداروں میں سے ہے ١٦

اور مورس اور بینی لین اور باتس واسمتھ اور دو کے مصنفین جن کاذکر و گفینت آور کوتچرنے کہاہے، وہ ان آیات کی صحت تسلیم نہیں کرتے »

ہا ہے ہے: معرکریزاسم اور تحقیقوفلیک مطاور نونس نے اس ایخیل کی مشروح لکھی ہیں، مگران آیتو سرخت نے سرخت کی سرخت کی مشروح لکھی ہیں، مگران آیتو

كى ترح نهيى كى، بلكه اپنى شروح يى ان كونقل بجى نهيى كيا، شرو تولين اورسائى برن

نے زنااور پاک دامن کے باب میں چندرسالے کھے ہیں، مگراس آیت سے استدلال نہیں

كياب، اوراكريه آيتيس أن كي نسخون مين موجود بوتين توصروري ذكركرت، اولقيني

طوربران سے استدلال کرتے "

وآرد كيتفولك كمتاب كه: -

" بعض متقدمين نے ابخيل پو حنا كے باب كى ابتدائى آيتوں پراعترا س كياہے "

نورش نے فیصلہ کیا ہے کہ یہ آیتیں فقیب ناالحاتی ہیں،

تمر اسم النجيل متى بالبرآيت ١٨ ميں يوں سے كر:-

تنا برمبرانه "اس صورت من تراباب جوبوشيد ي من عظيم تحقي براء دے كا »

اس میں لفظ"علانیہ" الحاتی ہے، آدم کلارک اس آیت کی مشرح کے ذیل میں اس کا

الحاقی ہونا تابت کرنے کے بعد کہتا ہے کہ :۔

منچونکراس لفظ کی کوئی پوری سندنهیں تھی، اس لئے کرتے باخ نے اور کروطیت اور

مَلَ وبنجل نے اس کومتن سے خاچ کردیا "

من المنهرام النجيل مرض كے باتب آيت ، ايس لفظ توبة مك واقع مواہد ، جو الله المنهر الله الله على الله على الله الله الله على الله على

"كريساخ في الفظ كو حذف كرفيا اوركوفيس ورمل اور بنجل في الى بيري كى ب

که چنانچه اردو ترحبه اورجدیدا نگریزی ترخبول مین اُسے ساقط کر دیا ہے، قدیم عربی اور انگریزی ترحبه میں یہ لفظ موجود ہے، نگرانگریزی ترحبہ کے متبادل الفاظ کی فہرست میں اُسے ساقط کرنے کا منٹو رہ دیا

كياب، بلكهاس كمساكة ٢: ٧ اور ١: ٢ سي جي اس لفظ كوخذف كرنيكامشور مذكور ب ١٢ تقى

کے ایک کی علامت لگی ہوئی ہوا درارد و ترجمہ میں اسے ساقط کردیا گیا ہے ١٢ تقی

يونى تقى مجديدا تكرزى ترجيش اس كوساقط كرديا كيا بركااتعي

شامد منبراته الجل متى كياب ايت ايس معى لفظ نوب ك واقع بوائع به بهى كاق بيا أدم كلارك اس کا الحافی ہونا ثابت کرنے کے بعداس آیت کی شوج سے زبل میں کہاہے کہ:-ال وربخل في الكا عدف كيا مانا يدكيا ب اوركريساخ في تواسكومتن بي عدار حكرديا " النجيل منى كے باب آيت ٢٢ ميں يوں كما كيا ہے كه:-بس ببتوع نے جواب دیا اور کہا کہ تم نہیں جانتے کہ کیا ما بگتے ہو، جو پیاله میں پینے کو ہوں کیا تم بی سیحتے ہو؟ اور حیں رنگ میں رنگھے کو ہوں کیا تم^{ان} میں رنگ سے ہو؟ انھوں نے کہاکہ ہم کرسے ہیں، تواس نے ان سے کہا میرا پیالہ توبیوگے اورجس رنگ میں میں رنگوں گااس میں تورنگوگے الے" رآیا ہے ۲۲ و۲۳ س اس میں یہ قول کوئیس رنگ میں رنگئے کو ہوں کیائم رنگ سکتے ہو "الحاقی ہے ،اسی طرح یہ قول بھی کہ بخس رنگ میں میں رنگوں گا اس میں تو رنگوگے "کرات باخ نے د و نول کو متین سےخارچ کردیا ، اورآدم کلارک نے ان د ونوں آیتوں کی نثرح کے ذیل میں اُن کے الحاقی ہونے کو ثابت کرنے کے بعد کہاہے کہ :۔ جُوتًا عدم محققين نے مجے عبارت كوغلط عبارت سے ممتاذ كرنے اور بيجانے كے لئے مقرر كرديتے ہيں اُن كى بناريمان دونوں ا قوال كاجز دِمتن ہونا معلوم نہيں ہونا ؛

نیا برنمبره مم استجیل تو قاباب ۹ آبیت ۵ میں ہے کہ:-منا برنمبره مم استے کی کرانخیس جھڑکا،ا درکہاکہتم نہیں جانتے کرتم کیسی منا برنمبر میں سے میں سے میں استعمال کی میں جانے کرتم کیسی

رمے ہود کیو کمان آدم لوگوں کی جان برباد کرنے نہیں بلکہ بچانے آیا ہے) بھروہ کسی

گاؤں بیں <u>چلے گئے</u> »

اس میں عبارت کیونکہ ابن آدم" الحجاتی ہے، آدم کھلارک نے ان دونوں آیتوں کی مترح کے ذیل میں کہاہے کہ: ۔" کرلیآ اخ نے اس عبارت کو متن سے خاج کردیا اور غالب یہ کہ بہت ذیل میں کہا ہے کہ: ۔" کرلیآ اخ نے اس عبارت ہوگی کہ" گراس نے بھر کرا تھیں جو گا، اور کہا کہ ہم ہیں جانے کہ تم کیسی روح کے ہو، بھروہ کسی آور گا دُن پیلے گئے "

كه بم نے عبارت كاتر جمرى درانگريزى ترجوں سے ليا ہى موجودہ ارد و ترجم بيں يالحاقي عبارت حذف

کردگیتی بر ۱۲ تقی که ابتک تنام ترحمول میں بی عبارت چلی آر به کقی، البته ارد وانگریزی میں اس پرنسک کی علامت کی خ

مقصارسوم

تخرلفي الفاظ حدَوب كرن كن شكل مين

بہلی شہارت "ادراس نے ابرآم سے کہا، یقین جان کہ تیری نسل کے لوگ

الیے ملک میں جو اُن کا ہمیں پر دلیبی ہوں گئے ، اور دہاں کے نوگوں کی غلامی کریہے۔ اور وہ چارسو برس مک اُن کو دُکھ دیں گئے ،،

اس میں یہ لفظ کم "وہاں کے توگوں کی غلامی کریں گئے "نیزاسی باب کی مندرج ذیل چودھوس آیت:۔

نیکن میں اس قوم کی عدالت کروں گاہجیں کی وہ غلامی کریں گے اور بعد میں وہ بڑی دو کے کرویاں سے بھل آئیں گے "

یہ دونوں اس بات پردلالت کررہی ہیں کہ سرزین سے مرآد تحقر کا ملک ہی، اس لئے کہ جن لوگوں نے بنی اسمرائیل کوغلام بنایا اوراُن کوئکیف میں سبتلاکیا، اور بھراُن کو خلا فرا نے منزادی، اور بنی اسمرائیل کے غلام اللہ کے کرنکلے، یہ لوگ مصری ہی تھے، ان کے علاوہ اور کوئی نہیں، کیونکہ یہ اوصاف کسی دوسے میں موجد نہیں ہیں، اوصاف کسی دوسے میں موجد نہیں ہیں، اور کرتاب الخورج بابلے کی آبیت ، م میں یوں ہے کہ:۔

اور بنی اسرائیل کو مصر میں بود دباش کرتے ہوئے جارسوتیس برس گذر ہے تھے ،،
ان دونوں آیتوں میں اختلاف ہے ، اب یا توہیلی آیت سے تیس" کالفظ ساتط کیا گیا ہے ، یا دوہم کی بیں یہ لفظ ساتط کیا گیا ہے ، اس اختلاف اور تحرکھنے سے قطع نظر کیا ہے ، اس اختلاف اور تحرکھنے سے قطع نظر کرتے ہوئے ہوئے بھی ہم کہتے ہیں کہ دونوں آیتوں میں جو مرتب قیام بیان کی گئی ہے وہ یقیناً غلط ہی جس کی کئی وجوہ ہیں ؛

موسی علیہ اسلام لاوی کے نواسے سبھی بیں اوران کے پڑیوتے بھی، کیونکہ مال کی طرف سے آپ یوکیڈربنت لادی کے

بہلی وجہ، مصریت بنی اسرائیل کے قیام کی مترث

كه بعن لادكى بن لعقوب عليال الم ١٢

بیطین اورباب کی طرف سے آب عرآن بن اہث بن لا وی سے بیٹے ہیں، گویا عرآن نے اپنی بچھوبی سے شادی کی تھی ہیں کا تصریح کتاب خرفیج باللہ اور کتاب کنتی باللہ ۲۲ ہیں موجود ہے، اور قابرت موسی علیہ انسلام کے دادا ہیں، ہو بنی اسرائیل کے مقرمیں آنے سے قبل بیدا ہو چکے تھے، جس کی تصریح کتاب بیدائش باب ۲۲ آ بیت اا میں موجود ہے، اس لئے بنی آمرائیل کی مرّت قیام مصر میں کسی طرح بھی ہ ۲۱ سال سے زمای کہ ہوگی اس کے بنی آمرائیل کی مرّت قیام مصر میں سب کے سب اس پرمتفق ہیں کہ دوسر می وجب اس کے سب اس پرمتفق ہیں کہ کی تصافیف میں سے ایک کتاب عوبی زبان میں ہے، جس کا نام ہم شر الطالبین الی الکتاب کی تصافیف میں ہے، دوراس کے جزود و مقدل ایں الکتاب کے براس میں شہر فالم میں سے ایک کتاب میں جب کہ یہ انگریز فار آرمون کے گرجے کی جا آخر نیش سے والاد ہو ہے گئے ہیں، اور اس کے جزود و مقدل ایں اہم اس وانس میں جو حادث کے دو نوں حانس بیس جو ایک کتاب ہیں، اور بائیں طوف وہ سال ہیں جو حادث کے وقد عے میں والادت کے کی دلادت کہ حاس بی موجوع ہیں، اور بائیں طوف وہ سال ہیں جو حادث کے وقد عے میں والادت کے اس بین اللہ کی گئے ہیں، اور بائیں طوف وہ سال ہیں جو حادث کے وقد عے میں کی دلادت کے اللہ کیونکہ کتاب ہو جبح ہیں، اور بائیں طوف وہ سال ہیں جو حادث کے وقد عے میں کی دلادت کے اللہ کی کتاب بین اللہ کی گئے ہیں، اور بائیں طوف وہ سال ہیں جو حادث کے وقد عے میں کی دلادت کے کی دلادت کے اللہ کی کتاب بین اللہ کی کتاب بین اللہ کو تی کہ کی دلادت کے اللہ کی کتاب بین کا گئی ہیں۔ اس کی کتاب بین اللہ کی کتاب کا کہ کتاب کا کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کا کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کا کتاب کا کتاب کی کتاب کتاب کی کتاب کی کتاب کا کتاب کی کتاب کو کتاب کا کتاب کی کتاب کی کتاب کا کتاب کی کتاب کا کتاب کی کتاب کا کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کو کتاب کی کتاب کی کتاب کی کتاب کا کتاب کی کت

ہوتے ہیں، چناسخ صفح ۲۷ میں یوسف علیا سلام کے بھائیوں اور اُن کے والد کے قیام کا حال یوں بیان کیا گیا ہے ،صفح ۲۷ س پرہے:۔

۲۲۹۸ پوسف علیا سے بھائیوں ادر والد کا قیام ۱۷۰۱، ۲۲۹۸ اسرائیلیوں کا بحولات کو عبور کرنااور فرعون کا عزق مہونا، ۱۳۹۱ ۱۴ بات ہجب اقبل کواکٹر میں سے گھٹا تیس کے تو ۲۱۵ سال رہ جاتے ہیں، صورتِ عمل

اب آپ جب اقل کواکٹریں سے گھٹا تیں گئے تو ۲۱۵ سال رہ جانے ہیں، صورتِ عمل مندرج ذیل ہوگی،

> 12-4 1891 710

یہ تو مورخین کا فتو کی ہے ، مفسرین کا قول بھی ہم آدم کلارک کی عبارت بین فال کرتے ،

تلبیری وجیم گلتیوں کے نام پوکس کے خط کے بات آبت ۱۱ میں یوں کہا گیا ہے :۔

تلبیری وجیم "بین ابرآ ہام اوراس کی نسل سے وعدے لئے گئے ہیں ، وہ یہ نہیں ہت کہ

نسلوں سے جیسا کہ بہتوں کے واسطے کہا جاتا ہے ، بلکہ جیسا ایک کے واسطے کرتیری نسل کو

اور وہ یہ ہے ، میرایہ مطلب کے کجس عہد کی خلانے پہلے سے تصدیق کی تھی اس کوٹرلعیت جارسوتیس برس سے بعد آکر ماطل نہیں کرسے تک وہ وعدہ لاحاسل ہو !!

اس کاکلام بھی آگریہ غلطی سے پاک ہیں ہیں ابرآ ہیم علیہ اسلام سے وعدہ کرنے ہے قوت عبارت کے صریح مخالف ہے ، کیو کہ اس میں ابرآ ہیم علیہ اسلام سے وعدہ کرنے ہے قوت سے تورات کے نزول کک کی مدت چارسو ہیں سال بیان کی گئی ہے ، حالا ککہ حضرت ابرآ ہیم علیہ اسلام سے وعدہ بنی اسرا ہیں کے مصر میں داخل ہونے سے بہت ہوا تھا، اور علیہ اسلام سے وعدہ بنی اسرا ہیں کے مصر میں داخل ہونے سے بہت ہوا تھا، اور تورات کا نزول اُن کے مصر سے نکل آنے کے بہت بعد، لہذا اس کے مطابق بنی اسرا ہی اور کے قیام مصری مرت چارسو ہیں سال سے بہت کم قراریا تی ہے ، چونکہ یہ بیان قطعی غلط تھا۔ اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح یونانی اور سامری نوٹ میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح یونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس لئے کتاب خرج باب ۱۲ آیت ، ہمکی تصبیح کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے اس کی تصبی کونوں میں اس طرح سے سے سے دور کونانی اور سامری نوٹوں میں اس طرح سے سے دور کونوں میں اس طرح سے سے دور کونوں میں اس طرح سے دور کونوں میں اس طرح سے دور کونوں میں کونوں میں کونوں میں کونوں کونوں کونوں کونوں کی کرنوں کونوں کے کانوں کونوں کونوں کونوں کونوں کے کہ کونوں ک

له حالانکرخریج ۱۱: ۸۰ کیمنقول عبارت بین مل مربت دیم می جارسوتیس سال بنائی گئی سے ۱۱ تقی

کردی گئیہے کہ:۔

"مجونی اسرائیل اوران کے آبار اجراد کے کنعان ورمضرمیں تیام کی کل مدّت ، ۲۳۰ سال ہے ،،

گویا دو نون نسخ و میں الفاظ "آباء واجداد" ادر "کنعان" کا اضافہ کر دیا گیا ہی، آدم کلاک ابنی تفسیر کی حبا ہے :۔
ابنی تفسیر کی حب لدص ۳۹۹ میں آبت ندکورہ کی مشرح کرتے بہوئے ہمتا ہے :۔
"اس پرسب کا اتفاق ہے کہ آبت مذکورہ کا مضمون سخت اشکال کا موجب ہے "
ہم کہتے ہیں کہ آبت کا مضمون منہ صرف یہ کہ موجب اشکال ہے بلکہ تفینی طور پر غلط ہے ،
ہم کہتے ہیں کہ آب کو معلوم ہمونے والا ہے ، بھر یہ مفسر نسخ سامری کی عبارت نقل مرتے ہموئے رقم طراز ہے :۔

جوعرانی نسخ میں ہرکوئی توجیہ اس کے سوا موجود نہیں ہے، کہ وہ اس کے غلط ہونے کا اعترات کریں،

اورہم نے جو یہ بات کہی ہے کہ بوکس کا کلام بھی غلطی سے باک نہیں ہے وہ اس لئح کماس نے مذت کا لخاظ دعدہ سے کیا ہے، اوراس وعدہ کا زمانہ انتخیٰ کی بیدائش سے ایک سال پہلے ہے ،جس کی تصریح کتاب آبیدائش کے باب، امیں اور باب مذکور کی آبیت ۲۱۰ میں یوں کی گئے ہے کہ:۔

سيكن ببراينا عمدافتحات باندهون كا،جو الكيسال اسى وقت معيتن برسآره سيدا، موكا،

ا در تورتیت کا نزول بنی امرائیل کے خروج مقر کے بعد تعیرے ماہ میں ہوا،جس کی تصریح کتاب الخورج باب 19 میں موجود ہے، اس صورت میں اگراس حساب کا اعتبار کیا جائے ہے، اس صورت میں اگراس حساب کا اعتبار کیا جائے ہے۔ کیا جائے ہے تو یہ مدت ، بہم سال ہوتی ہے، یہ ہی تھیج فرقۂ پر دلسٹن مطبی توایخ میں بھی بائی جاتی ہے، مذکہ ، سر مہ سال ،حبیباکہ بو آسس نے دعویٰ کما ہے ،

مرشدانطالبین کےصفحہ ۲۸ سر مذکورہے کہ:

۱۸۹۷ میرور استرکا ابرام سے دعارہ اوراس کے نام کی ابرام سے ابراہیم کی ۱۸۹۷ طرف تبدیلی اورختنہ کی تعیین، حصرت توطع کی نجات، ستر وم، عمورہ ، احتماد اور صآبوعیم کی برکاریوں کی بنار پر تباہی »

بيرصفحه ٢٠ سيرب كه: _

٢٥١٨ - در كوه تسينا برشر بعبت كاعطاكيا جانا" ١٣٩٠

اب اگراقل کواکڑیں سے گھٹادیتے ہیں تو تھیک ، ۴۰ بنتے ہیں، جس کی صورت

124 ·

1018 -: 4 m

p. 2

ك أُدرِنى برائيل كوجر فهن مُلكِ مقرت تكل ين بهين بورة اسى ن ده سيتناكي بيا بان بن آراء (١٤)

كه داسى جانب آغاز علم كاسال بوادر بائيس حانر قباس على

اہم نے جو کہا تھا کہ یوکٹر، عمران کی مجھو تھی، یہی درست ہو المسے عمہاے دگر متعدد انگریزی، عربی، فارسی ادرار دو تراجم اس کی شہادت یتے ہیں،لیکی عجیب بات یہ ہو کہ کتاب خروج کے باب ہ آبیت ۲۰ ترجم عولی مطبوعت هم الماء میں یوں کہا گیاہے کہ ،۔

" بحرعران نے لینے جاکی بیٹی پوکبرسے شادی کی " " "پیونچین کی جگہ مخرلفِ کرکے" جیاکی اولی "بنا دیا گیا ہے، اورجب بیر ترجمہ بوپ ایا توس ہشتم کے زمانہ میں بڑی محنت سے طبع کیا گیا، اور مہت سے یا دربوں، را ہبوں اور علما، نے جو عرانی بیزان وعوبی زبانوں کے ماہر تھے، اس کی تصبح میں ایری جوٹی کازور لگا یا، جیساکہ اس ترجمہ کے آغاز میں لکھے ہوئے مقدمہ سے معلوم ہوتا ہے،اس لئے غالب یہی ہے کہ اس تخریف کا ارتکاب ان لوگوں نے دانستہ اس لئے کیاہے تاکہ موسی علیا، سلام کے نسب میں عیب ندیر اموجائے ، کیونکہ تورتی کی رُوسے بھویی سے نکاح کرنا حرام ہے،جیساکہ کتاب آحبار کے باب ۸ آئیت ۱۲ اور بائب آیت ۱۹ میں تصریح یا بی جاتی ہو ا در ترجمه وی مطبوع می او میں بھی یہ تحریف یا نی جاتی ہے،

بإبيل قابتل كاوا قعه التاب تيدائش بابه آيت ميں يوں كها گياہے، ـ "اورقاً مَن نے لینے بھائی ہائل کو کچھ کہاا درجب وہ دونو^ں کھیت میں تھے تو یوں ہواکہ قائن نے اپنے بھائی ہابل کوفل کریا

ا در سامری؛ بونانی ا ورقدیم ترجموں میں اس طرح ہے کہ:۔ " قاتبیل نے اپنے بھائی ہائیں سے ہماکہ آؤ ہم تھیت کی طرف حلیں اورجب وہ د و نون کھیت پر سپوننچ الح[.] 4

اس میں یہ عبارت کو ا رکھیت کی طرف چلیں" عبرانی نسخہ سے خارج کردی گئی ہے، بورن اینی تفسیری جلد ۲ ص ۱۹ کے حاشیہ پر تکھتاہے کہ:۔

که موجوده تراجم مین میاب کی بهن " ہی بنادیا گیا ہو اتقی کے " تو اپنی مجمو تھی کے بدن کو لمے پرده نه کرنا" (احیار ۱۸: ۱۲) داور تواین خاله یا مجهو تھی کے بدن کو بے پر دہ نه کرنا" (۲۰: ۱۹)

یہ عبارت سامری ، یونانی ، ادامی نسخوں میں ادراسی طرح اس لاطبنی نسخ بیں جو بآلی کالے والمٹن میں چھپا تھا موجو دہہے ، کئی کا ہے نے عبرانی نسخ میں اس کے داخل کئے جانے کا فیصلہ کیا، اس میں کوئی شک نہیں کہ یہ عبارت بہترین ہے ؟

برحبداول نركور كصفحه ٢٣٨ مين كهتاب كه:-

رم کبھی کبھی یونانی ترجمہ کی عبارت میں ہوتی ہے، لیکن آجکل کے مرقحہ عبرانی نسخوں میں نہیں ملتی، مشلاً عبرانی نسخ خواہ وہ مطبوعہ ہوں یا ہاتھ کے لکھے ہوئے وہ آ بیت ذکوا کے سلسلہ میں میں طور پر ناقص ہیں، اور جہرٹ وہ انگریزی ترجمہ کا مترجم جو نکہ اس مقام کو بولے حطور پر سمجھ نہیں سکا، اس لئے اس نے یوں ترجمہ کیا، تقابیل نے اپنے تھب ان ہا ہور کی تعالی سے کہا، اور ایک کی تلافی یونانی ترجمہ میں کردی گئے ہے، اور یہ ترجمہ سامری نسخاول الطبینی ترجمہ اور اوامی ترجمہ نیز لیکو تسلیل کے ترجمہ اور ان دو تفسیروں کے جوکسدی زبان میں ہیں اور اس فقرہ کے مطابق ہوگیا جس کو فلو یہودی نے نقل کیا ہے ،

میں ہیں اوراس مفرہ کے مطابق ہو کیا جس کو خلو پہودی نے نقل کیا ہے ، آدم کلارک نے اپنی نفسیر کی حب لد، ص ٦٣ میں دہی بات کہی ہے جو ہتورن نے کہی تھی،

نیزید عبارت و بی ترجم مطبوعها شداء وساداء میں شامل کردی گئی ہے،

ن این سا است بیدائش باب آیت ۱۷ عبرانی نسخ میں یوں ہے کہ:۔ نسا ہر مبر اس الارجالیس دن تک زمین پرطوفان رہا "

ادريبى جلى بهت سے لاطينى نسخوں اور يونانى ترجوں ميں اسطرح ہے كہ:-

"ادرطوفان جالیس شب در وززمین بررہا"

بهورنابى تفسيرى حبالدسى كهتاب كه:-

تضردري بهوكه لفظ شب كالضافه عبراني متن ييس كيا جائه

نشاهم کتاب پیرائش باب ۳۵ آیت ۲۲ کے عرانی نسخہ میں یوں کہا گیا ہے:۔ نشاهم کم این اسرائیل ہے اس ملک میں رہتے ہوئے یوں ہوا کہ روہن نے

جاکراین باپ کی حرم بلهآه سے مباشرت کی، ادراتسرائیل کویہ معلوم ہوگیا » ہمنری واسکاطے عجامعین پر کہتے ہیں کہ ;۔ یُبودی ماننے بین کہ اس آبت میں سے بچھ نہ بچھ صور درحذف کیا گیاہے ، یونانی ترجم نے
اس کمی کوان الفاظ کا اعتمافہ کرکے پوراکیا ہے کہ " ادر وہ اس کی نگاہ میں حقر ہوگیا ،،
اس مقام بر بیمو دیوں کو بجی اعتراف ہے کہ حذرف واقع ہواہے ، ادرایک جملہ کا کم
کر دیا جانا عجرانی نسخہ سے اہل کتاب سے نز دیک بچھ زیا دہ ستبعد نہیں ہے ، چہ جائی کہ
ایک دوحرف ،

ن اهم المسلم مفسرا ہن تفسیری حبالد، ص ۸۲ میں کتاب تبیدائش کے با مسلم اللہ مفسر کی حبالد، ص ۸۲ میں کتاب تبیدائش کے با مسلم اللہ مفسر کی حبالد، ص ۸۲ میں کتاب تبیدائش کے با مسلم اللہ مفسر کی حبالہ مسلم کہ اور اللہ مسلم کے ذیل میں یوں کہتا ہے کہ :۔

ی کونانی ترجمیں اس آیت کے شرق میں یہ جملہ بڑھایاجاتے کہ تم نے ہمرے پیلے کیوں چوری ہے۔ اس میں یہ جملہ اس کے اعتراف کے مطابق عمرانی نسخہ سے حذف کر دیا گیا ہے، د احراب آیت ۲۵ میں یوں کہا گیا ہے کہ:۔

مے سوئم صردرہی میری ٹریوں کو بیاں سے لے جانا ا

ا در سامری نسخ اور دیونان اور لاطینی ترجموں میں اور بعض قدیم ترجموں میں یوں ہے کہ:۔ اور میری ٹرباں بیاں سے اپنے ساتھ لے جا دّ ؛

گریا عبرانی نسخہ سے لفظ "لینے ساتھ" گراد یا گیاہے، بتورن کہتا ہے کہ:۔ "مطربت نے اس منزدک نفظ کواپنے جدید بائنس کے ترجہ میں شامل کرلیا اور بالکل محسک کیا،،

ن اهر کی است درج باب آیت ۲۲ میں یوں کہا گیاہے کہ :۔ نساھ کے لیے اس کے ایک بیٹا ہوا، اور موسیٰ نے اس کا نام جیر حسوم یہ کہ

ركھاكەمىي اجنبى ملك بىس مساقر بىوں ؛

که اس آبت بس حضرت یو تسف علیه السلام کے پیالے کی چوری کا منہور وا فعہ بیان کرتے ہوئے کہا گیا ہی کہ حضرت یو تسف علیہ السلام کے بیائے کی چوری کا منہور وا فعہ بیان کرتے ہوئے کہ اگر کے کہ،
کہ حضرت یو تسف نانے ایک آدمی کو اپنے بھائیوں کے بیچے بھیجے ہوئے گسے ہدایت کی کہ وہ اُن سے جاکر ہے کہ،
کیا وہ وہی چیز نہیں حس سے میرا آفا بیتیا اور اسی سے مخصیک فال بھی کھولاکر تا ہے "اتقی کیا جیرسوم کے معنی عمرانی زبان میں گیر دلسی "کے ہیں یا تقی اور یونانی ادر لاطینی تر حبول میں اور تعبض قدیم تراجم میں آیت مذکورہ کے اخیر میں یا عبارت ہے کہ:۔

"اوراس نے ایک دوسرالر کا بخنا ، حس کا نام عآزر رکھا، پھرکہا ، چو کہ میر ہے باہیے خدا نے میری مدد کی ، اور مجھ کو فرغون کی تلوارسے رہائی دی "

آدم کلارک اپنی تفسیر کی حبالدص ۱۰ میں تراجم سے مذکورہ عبارت نقل کرنے کے بعد کہتا ہے کہ: ۔

"ببتوبى كينط في ابنے لاطينى ترجم ميں اس عمارت كوداخل كرے دعوىٰ كياكم اس مقام يہى ہے ،حالانكہ كسى بجى عبرانى نسخ ميں خواہ قلى ہويا مطبوعہ ببعبارت موجود نہيں ہو اور معتر تراجم ميں موجود ہے ؟

غرض عیسا یموں کے نزدیک پیرعبارت عبرانی نسخہ سے خارج کی گئی ہے، نندا ہے میں اسفوخر دج بالب آینت ۲۰ میں اس طرح کہا گیاہے کہ:۔

مع طرمرون باب ایت ۱۲ یا ۱۰ مروس به اس سے بار دئ اور موسلی میدا ہوتے »

ا در سامری نسخه اور پونای ترجمه میں اس طرح ہے کہ:

'کھراس سے ہارو ن دموسی ادران کی بہن مرحیم بیدا ہوتے ؟

اس میں لفظ" ان کی بہن عمرانی نسخہ میں حذف کر دیا گیا ہے، آدم کلارک سامری اور یونانی نسخوں کی عبارت نقل کرنے کے بعد کہتا ہے کہ :۔

"بعض برائ محفقين كاخيال سے كه يه لفظ عراني متن ميں مزجود تھا،

اكتاب كنتى باب آيك ين ب كه:-

"ا درجب رئم) سانس با ندسکرز ورسے مچونکو توان کردن کا جوجنو

شاهصر

کیطرف ہیں کوچ ہو ﷺ اور یو نانی ترحمہ میں اس آست

اوردینانی ترجبر میں اس آیت کے اخیر میں اول کہا گیا ہے کہ:-

له به ارد د ترجه کی عبارت ہی، ہمارہے یا س موجودہ دو سرے ترحبوں میں بھی ایساہی ہے ، مسگر "اظهارالحق" میں حبس عربی ترجه سے نقل کیا گیا ہی اس میں سجب تم "کے بیجا بجب وہ ہے ، ۱۲ " اوروہ جب نیسری بار سِنگامچھونکیں گئے تومغربی خیمے روانگی کے لئے انتھائے جائیں گے ، اور جب چو تھی مرتبہ کھونکیں گئے توشمالی جیمے روانگی کے لئے انتھائے جائیں گئے ؛

آدم كلاك ابنى تفسيرالم سا٢٦ مين كمتاب كه:-

"اس موقع پر غربی اور شمالی خیموں کا ذکر نہیں کیاگیا، گرمعلوم ہونا ہے کہ وہ لوگ نرسنگا بھو نکے جلنے پر بھی روانہ ہوجانے تھے، اوراسی دج سے ثابت ہوتا ہو کہ اس مقام پر عبرانی متن ناقص ہے، یونانی نسخہ بیل سی تنجیل پوں کی گئے ہے کہ "اور جب تبیری مرتبہ بھونکیں گے تو مغربی خیمے روائگی کے لئے الحل لئے جائیں گے ،ا در جب جو تھی بار بھونکیں گے تو شمالی خیمے روائگی کے واسلے الحفایے جائیں گے ،ا در جب جو تھی بار بھونکیں گے تو شمالی خیمے روائگی کے واسلے الحفایے جائیں گے ،

مفسر بآرسلی کہتاہے کہ:۔

المحمد المحمد المحتمد الفضاة ، باب ۱۱ آیت ۱۲ ایت ای حسته اورآیت المحمد المحمد

شکایت کی گرادی گئی ہے ، اور آیت ۲ ، ۵ ، ۹ ، ۲۷ ، ۳۹ ، ۳۹ ، ۲۰ ، ۲۸ ، ۱۲ حذف

له يسمسون كامشهوردا قعم ١٢

که تمام نسخوں میں ایسا ہی ہے، کہ کتاب اور باب کا دالہ نہیں دیاگیا، کتاب کے انگریزی مترجم نے مجھی اس پر کوئی اصنافہ نہیں کیا، احتمال بہتھا کہ کتاب الفضاۃ باب ۱۶ کی آیت ۳ مراد ہو، مگرو ہاں اس قسم کی کوئی عبارت نہیں، واللہ اعلم بالصواب ۱۲ تقی

نيزع بى ترجيدى اسى باب كى آيت الغاية ٢٦ اورآيت ٢٩ حذت كردى كمي بس،

فناهرا) اکتاب ایوب سے باب ۲۲ آیت ۱۱ میں ہے کہ :-ا" اورابوت نے بوٹھاا در عررسے بدہ ہو کر دفات یاتی »

عبرانی نسخه اس عبارت برختم موکنیا، اور یونانی تر حمبین اس براس قدرا صنافه کیا کیا که . ر أوردوباره ان لوگوں سے ہمراہ زندہ ہوگا،جن كوخدا وندزندہ كركے المات كا ،

نیزایک تنمه برطهایا گیاہے جس میں ابوت کے نسب اوراُن کے حالات کامحقرطوں

برمبان ہے، کآمتھ اور ہر وَرکتے ہیں کہ پہتمہ الہامی کتاب کاجز دہے، سے لو اور

یو تی سطرنے بھی اس کوتسلیم کیا ہے ، آریخی کے عہد کے لوگ بھی اس کوتسلیم کرتے تھے تھیں کے درشن نے بھی اس کو یونانی تر حجہ میں لکھاہے، اس بنار پر متقدمین علیسائیو او

علمارے نز دیک عبرانی نسخہ میں کمی کرکے سخراهی کی گئی ہے،

نیز فرقه بروٹسٹنے کے محقِقین اس پرمتفق ہیں کہ بیر حجلی ہے ، اُن کے نز دیک

یونانی ترجمه می سخراه بالزیادة لازم آتی ہے،

تفسر تہری واسکاط کے جامعین نے یوں کہاہے:۔

" بظاہریہ جعلی ہے ، اگر چی بیج سے قبل کھی گئے ہے ،

ہماری گذارش یہ ہے کہ جب یہ سلیم کیاجا تا ہے کہ یہ صورت سے تھے تبل کی ہے تو

لازم آتاہے کہ متقدمین عیسائی حوار پوں کے زمانہ سے منتقل ہو تک اس محرف کو خدا کا

کلام شجھتے رہے ، کیونکہ ان لوگوں کاعملر آمراس عہد تک اسی ترجمہ پر رہا، اوروہ اس

ك صحت كااعتقاد ركھتے تھے، اور عبرانى كے محرف ہونے كا،

ز بورسس مخرلین کی کھکی منال از آورینبر۱۴ کی آیت ۳ کے بعد لاطینی ترجمہ

ا درانیچوبک ترجمه میں ا درعر بی ترجم میں

ادر اونانى ترجمه كے دليطي كن والے نسخه ميں

شاهس

یرعبارت موجودہے کہ ،۔

"ان کاکلاکھی ہوئی قبرہے، اکفوں نے اپنی زباتوں سے فرسید دیا، ان کے ہونیوں میں سانبول کازہرہے، آن کا مُنه لعنت اور کڑوا ہمسط سے بھرلیہ، اُن کے قدم خون بہانے کے لئے تیزر وہیں، اُن کی راہوں بیں تباہی اور بدحالی ہے، اور وہ سلامتی کی راہ سے واقعت نہ ہوتے، اُن کی آئ کھوں میں خدک کا خوجہ نہیں، رآیات ۱۱ ۱۸۱)

یر عبارت عرانی نسخ میں موجود نہیں ہے، ملکہ رومیوں کے نام پولس کے خطیں یا ق عباق ہے، اب یا تو بہو دیوں نے یہ عبارت عرانی نسخہ سے ساقط کر دی ہے، نب تو یہ تحولف بالنقصان ہے، یا عیسائیوں نے لینے ترجموں میں اپنے مقدس پولس کے کلام کی تھے کے لئے برطھائی ہے، تب یہ تحرلف بالزیادة کی صورت ہوگی، اس لئے کسی نہ کسی آیا۔ نوع کی تحویٰ عزود للازم آئے گی،

آرم کلارک زبوری آیت مذکوره کی مترح کے ذیل میں کہتاہے کہ: "اس آیت کے بعد دیگی کن کے نسخ میں آیتھوبک والے ترجہ میں اسی طرح عوبی ترجہ میں جھ آیات آئی ہیں جورومیوں کے نام پوکس کے خطبات آیت ۱۳ تا آیست ۸ اکے اندر موجود ہیں ہے

خداوندنے اپنے متنہ سے فرمایا ہے یا

اور بونانی ترجمه میں اس طرح ہے کہ:۔

ودا درخدا کا حب لال آشکارا بنوگا، اور برشخص ایک سائقه بهای معبودی نجات کودیجها

كيونكه بربات خداك مسخدكي نيكلي بوتى ہے "

آدم کلارک اپنی تفسیر کی جلد ۴ ص ۵ ۸ میں بونانی ترجمہ کی عبارت نقل کرنے کے لجسر کہتا ہے کہ:۔

سمیراخیال سے کریمی عبارت اصل ہے "

ك فركوره بالاعبارت كاترجم ميس سے ليا كيا ہے ١٢ تقى

يحركتاب كه: -

تعجراني متن ميں بركمي اورحذون بهت في يم اوركسدى ولاطبني اورسريا في ترحمول سے مقدم ہے، اوربیعبارت یونانی ترحمیکے ہرنسج میں موجودہے، اور لوقانے بھی بات آیت ۲ میں اس کوتسلیم کیاہے، ادر میرے یاس ایک بہت قدیم نسخ موجودے اسمیں یہ پوری آبت غائب ہے ہ

تہورن اپنی تفسیری جلد احصتہ اوّل کے باث میں کہتاہے کہ:۔

"كُونَانے بات آیت ٦ میں یونانی ترحمبرے مطابق لکھاہے، اور تو تھے نے یسمجھ كركہ ہي عبارت سجے ہے، کتاب اشعبار کے اپنے ترجم میں شامل کرلیاہے،

ہر ی واسکا ط کی تفسیر سے جامعین کا قول ہے کہ :-

"لفظ" دیکھیں گے" کے بعد ہما ہے معبو دکی سجات کے الفاظ بڑھانے متروری ہیں ،

باب ٥٢ آبت ١٠ اور توناني ترحم فابل ملاحظه ي

غرض ان مفترین کے اعر ا ف کے مطابق عبرانی متن میں کمی ریجے بھیے کا ارتکاب کیا گیا ہج

اورآدم کلارک کے اقرارے بموجب یہ سخرلیت بہت قدیم ہے،

اآدم کلارک کتاب تسعیاہ کے باب مہر آبیت ۵ کی شرح کے ذیل میں ا یوں کہتاہے کہ:۔

"میرا عقیدہ یہ ہے کہ یہ کمی کا تب کی غلطی سے ہموئی ہے ، اور یہ سخ لین بہت بڑائی ہے ، كيونك كرشته مرجين آيت كمعنى كوخونى سے بيان كرنے برقادر نه ہوسكے ، بالكل اى طرح جیساکرمتا خرین بیان میں کامیاب مد ہوسے ،

ن ابورن این تفسیر کی جلد ۴۵ میں کہتاہے کہ:۔ " انجیل توقا کے بالل آیت ۳۳ و ۴ سے درمیان پوری ایک آیت انجيل لحقاير حوات المحين وه عبب ياس التقابخيل مثى باب ١٢٣ يت ٢٣ كاعت الجيل لم قاير كردي كن بيع الله التقابخيل مثى باب ١٢٣ يت ٢٣ كاعت

له اس بي كتاب بيتعياه كاحواله ديكرايك عبارت نقل كي بيجس مين "ادر برلشرخداكي خات ديجه كا"ا كه اس مين كها كيابي " اورزمين سراسر ما اس خداكي خات كو ديجه كي ١٠ تقي

پا ایخیل ترقس باب ۱۳ آیت ۳۲ کاحبز کے کربڑھا نا عزوری ہے ، تاکہ ہوتا ووسری د د نوں انجلول سے موا فق ہوجائے ،

يرحات بين كتاب كه:-

تجما محققین اور فسترین نے اس زیردست کمی سے چٹم بیشی کی ہے جو تو قا کے متر ہیں نظراتی ہے، یہانتک کراس برہیکزنے توج کی »

اس کے اعترات کے مطابق ابنجیل تو قاکی ایک سالم آیت غائب کر دی گئے ہے ، اوراس کا برهایاجانا اس میں نہایت صروری ہے، اور سآست انجیل تمٹی میں ہوائ ہے کہ:۔ "لیکن آس دن اورائس مگری کی بابت کوئی نہیں جانتا مذا سمان کے فرشتے مذبیطا، مگر

ا كتاب اعمال باب ١٦ آيت ، يس يون كها كيا ہے كه: " محروف نے انھیں جانے نہیں دیا "

كركيتباخ اورشوكز كهتے بيس كه فيح لوں ہے كه :-

'یُعراُن کولیتوع کی روح نے اجازت نہیں دی »

اب ان ددنوں سے اقرارے مطابق لفظ لیتوع حذیت کردیا گیاہے . پھریہ لفظ سے آیا وسلم اعلى عربي عرجه مين شامل كيا كيا ، اوران دونوں كى عبارت اس طرح ہے كه ، _

« گریبوع کی روح نے انھیں جانے نہیں دیا »

انجیل متی متی کی نهدر ہے اوہ انجیل جواس زمانہ میں متی کی جانب منسوب ہے، ا در جوسب سے مہلی انجیل ہے، ا در عیسائیوں کے مح شوابر شاهمار از دیک سب سے قدیم ہے بقینا تمی کی تصنیف

نہیں ہے، بلکہاس کو توان حضرات نے سخرلین کرنے سے بعد ضائع کردیا ہے ،کیونکہ تام متقدمين عيساني اوربے شارمتا خربن اس امريرمتفنق بين كەاسخىل تمتى جوعبراني زبان ميھى

کے رقب ۱۳: ۲۳ میں بھی الفاظ کی معمولی تنبریلی سے ہی مفہوم ہے ۱۲ کے موجودہ اور واور جدیدا مگریزی ترجمون سی میں یہ لفظ بڑھا دیا گیا ہو مگرسا بن انگریزی ترجم سی ابتک یہ لفظ محذوف ہے ١٢ تقي،

دہ لبص عبسانی فرقوں کی تولیف کی دجہ سے ضائع اور ناپیر ہوجگی ہے، اور آنجل کی موجودہ انجیل اس کا ترجمہہے ، اور اس ترجمہ کی سند ہی آن سے پاس موجود نہیں ہو ، یہاں تک کہ آج یک اس کے متر جم کا نام بھی لیقینی طور پر معلوم نہیں ، جبساکہ اس امر کا اعترات عیسائیو کے متقدمین میں سب سے افضل شخص جیّر دم نے کیا ہے ، تو بھلا متر جم کے حالات توکیا معلوم ہوسکتے ہیں ، البتہ قیاسی گھوڑ ہے ضرور دوڑا کر کہ دیا ہے کہ شاید فلاں نے یا فلال نے افلال نے افلال نے افلال نے یا فلال نے افلال نے افلال نے افلال نے افلال نے افلال نے افلال نے کہ سے کسی مصن قیاس اور انداز ہے کسی مصن قیاس اور انداز ہے کہ سی مصن قیاس اور انداز ہے کسی مصن تھیں کی جانب منسوب نہیں کی جاسکتی ،

پھرجب تمام متقارمین عیسائی اور اکڑ متأخرین کا مُسلک یہ ہوتو پھرعلما رپڑ دسٹنٹ کے قول پر جوبغیرکسی دلیل و ہرہاں کے یہ دعویٰ کرتے ہیں کہ متی نے خود ہی اس کا ترجمہ کیا ہو' کیسے بھروسہ اوراعتبار کیاجا سحتا ہے ، ؟

آیتے اب ہم آب کے سامنے اس سلسلہ کی کچھ شہاد تبیں بیش کرتے ہیں:۔ انسا ئیکلو پیٹریا برٹانیکا جلد ۱۹ بیں ہے کہ:۔

می محدیدی برگی آرسال بونانی زبان میں کیمی گئی ہے ، سواسے استجیل آمیٰ اور رسال عِرانیہ کے میں معرف کے کہ اور رسال عِرانی زبان میں ہونا دلائل کی بنار برتقینی بات ہے یہ لار قوز کر کتابات جلد اصفحہ ۱۱۹ میں ککھتا ہے کہ :۔

پہتے ہیاس نے پکسا ہے کہ متی نے اپنی انجیل عرانی میں لکھی تھی، ادر ہرشخص نے اس کا ترحمہ اپنی قابلیت کے مطابق کیا"

یہ اس بات بر دلالٹ کڑاہے کہ بہت سے توگوں نے اس انجیل کا ترجمہ کیاہے ، پھر جب تک محل سنرسے یہ بات ثابت مز بموجائے کہ یہ موجودہ ترجمہ فلاں شخص کا کیا ہواہے، جوصاحب اہمام بھی تھا، تو کیو کرایسے ترجمہ کو اہما می کتابوں میں شامل کیا جا سختاہے ؟ سندسے تو اس کا تھتہ ہونا بھی ثابت نہیں صاحب اہمام ہونا تو تجا، پھرلار ڈو نرجلد مذکور کے صفحہ ، ، ایر کہتاہے کہ :۔

اُرتینوس نے تکھاہے کہ متی نے بہو دیوں کے لئے اپنی ایجیل اُن کی زبان میں اُس زمانیں

لِکھی تھی جبکہ رتوم میں پوتس اور نباس وعظ کہتے بھرتے تھے " مجراسی جلد کے صفحہ ۷۲ میں کہتا ہے کہ:۔

"آرتی کے تین جلے ہیں، پہلاتو میں ہے جب کو پوشی مبیس نے نقل کیا ہے کہ متی نے ایما ندار
یہودیوں کو عبرانی زبان میں انجیل عطاکی تھی، دو تر ایک کم متی نے سہ پہلے کیمی اور عبرانیو
کو ابخیل دی ، تیت را یہ کہ متی نے ابخیل عبرانیوں کے لئے کیمی تھی، جواس شخص کے منتظر تھی
جس کا دعدہ ابرا ہیم دد آؤ دکی نسل سے کیا گیا ہے ،،

بحرلار ورولد المصفحه ٥ من كتاب كه :-

"یوشی بیس نے لکھا ہے کہ متی نے عرا نیوں کو وعظ سٹنانے کے بعد جب دوسری قوموں کے پاس جانے کا قصد کیا تو انجیل ان کی زبان میں لکھ کراُن کوعطا کی ، پھر حلید مہصفحہ ۴۲ میں کہتاہے کہ :۔

"ترل كا قول ہے كمني تے النجيل عبران زبان ميں لكھي تفي،

بحرجلد م سفحه ۱۸۱ پر کہتا ہے کہ :۔

''آیی فیبنس لکھتنا ہے کہ آئی نے انجیل عبار نی زبان میں تھی تھی جہدِ جدید کی تحریر میں اس نیان کے ہستعمال کرنے میں پینچنس منفرد ہے "

يفرحلد السفحه ٢ ٣ مير لكمتناب كر:-

"جیروم نے لکھاہے کہ متی نے انجیل عرانی زبان میں ایمان دار بیودیوں کے لئے بیٹوی علاقہ میں لکھی تھی، ادر منر دیت کے سایہ کوانجیل کی صداقت کے ساتھ مخلوط نہیں کیا ،، مجر صلیر ۲ صفحہ ۲۲ میں کہناہے کہ ؛۔

ر بحردم نے مؤرخین کی فہرست میں لیک اسے کہ متی نے اپنی انجیل ایما ندا رہیم دیوں کے لئے مہود میں مرز مین میں جرائی زبان اور عبرانی حروت میں کبھی تھی، اور یہ بات نابت نہیں ہوں کہ اسکا ترجم یون ہے ؟ اسکے ہوسکی کہ اس کا ترجم یون ہے ؟ اسکے علاوہ یہ جیز بھی قابل لحالا ہے کہ اس کی عبرانی انجیل کا نسخ سوریا کے اس کہ تب خانہ میں جو جود ہے، جس کو بیمیفی آس کی خانہ میں جمع کیا تھا، اور میں نے اس کی نقل ان میں جس کو بیمیفی آس کی نقل ان

مددگاروں کی اجازت سے مسل کی، جو سریا کے صلع بریا میں تھے، اوران کے ستِعال میں بھی عرانی نسخہ تھا یہ

بحر حلد ٧ صفحر ٥٠١ يس لكمتاب كه:

"آگظائن لکھاہے کہ کہاجا تاہے کہ صرف متی نے چار دن انجیل والوں میں سے اپنی انجیل عبرانی میں کیکھی، اور دوسروں نے یونانی میں ؟

يرملد ٢ صفحه ٥٣ مين كتابي كه:

«کربزالیم لکھتاہے کہاجاتاہے کہ متی نے اپنی ایجیل ایماندار میہو دیوں کی درخواست پر عبرانی زبان میں لکھی تھی ﷺ

كيرلارد نرجلده صفح اساسين كمتا ہے كمن

"اسی دورلکھتا ہے کہ چاروں ابنجیل حضرات میں سے صرف بمتی نے عمرانی زبان میں لکھی تھی،اور د دسروں نے پونیانی میں "

بورن ابئ نفسيري حلدم ميں كتا ہے كه:-

"بلرتن اورکر دهی اورکسآبن اور واکتن ، ٹاملائن ، کیو، ہے و ، دمل ، ہار و رو ، اور در و ، کی بین بل ، وائی کلارک ، سائمن ، تی میبنٹ ، بری شس، اور دین ، کا متھ ، میکائلس ، ارتی بیس ، آرمجن ، سرل ، ابی فینس ، کریز اسلم ، جیر دم وغیرہ ان علما میتھ ، میکائلس ، ارتی بیس ، آرمجن ، سرل ، ابی فینس ، کریز اسلم ، جیر دم وغیرہ ان علما میتھ کی اور متا خرین نے بے کہا سرک اس قول کو ترجیح دی ہے کہ یہ انجیل عرافی زبان میں کھی کے گئی اور ایس میں اور ایس میں اور ایس میں اور ایس کے اس کے اور منبو و کی کے ناموں کی تصریح کا آر کا نراور اسکی ڈور دغیرہ ہیں ، جن کے ناموں کی تصریح کا آر کا نراور وائس کی دیے ،

نیز ڈی آئلی اور رجبر ڈمنے کی تفسیر میں ہے کہ:۔

" کچھلے دَور میں بڑا سخن اختلاف ہیدا ہوا، کہ یہ استجیل کس زبان میں کیمھی گئی تھی، گرچو کہ بہت سے متقدمین نے تصریح کی ہے کہ متی نے اپنی انجیل عرانی زبان میں لکھی، جو فلسلین سے باشندوں کی زبان تھی، اس لئے یہ اس سلسلہ میں قول فیصل ہے ، مزى واسكاط كى تفسير كے جامعين كہتے ہيں: ـ

"عبرانی نسخ کے معدوم ہونے کا سبب یہ مواکہ فرقہ ابھونبہ نے جویج کی الوہمیت اور خدائی کا متکر تھا اس نسخہ میں سخ لف کی اور بھروہ تیروشلم کے فلٹنہ کے بعدضا کع ہوگیا ہ لعض کی رائے یہ ہے کہ:

"ناصری لوگ یا وہ بہودی جوسیحی نیمب میں داخل ہوگئے تھے انحصوں نے عبرانی
انتجیل میں تر لیف کی اور فرقہ ابتیونیہ نے بہت سے جلے اس میں سے نکال ڈالے، ...
یوسی بیس نے اپنی تاریخ میں آرتینوس کا بہ قول نقل کیا ہے کہ تی نے اپنی انجیل عبرانی میں کھی گئی۔
ریونے اپنی انجیل کی تاریخ میں لکھا ہے کہ:۔

" جوشخص پر نهناہے کہ تمتیٰ نے اپنی المجیل یونانی میں لکھی تھی وہ نلط کہتا ہے، کیونکہ توسی نے اپنی تا بیخ میں ادر مذہب عیسوی کے بہت سے رہنما دُںنے تصریح کی ہے کہ تمنیٰ نے اپنی المجیل عرانی میں لکھی تھی نہ کہ یونانی میں "

آتاہے،اس لئے اگر آن کی بات میں ذرا بھی شک کی گنجائٹ ہوتی تو آن کے مخالفین تعصد کے ماسخت ہے کہ ہونائی المجنیل اصل ہے، نذکہ ترجم، کاش ہم اس قدیم شہادت کو جومتفقہ ہے رک دنہ کریں، جبکہ اس میں کوئی استحالہ بھی لازم نہیں آتا، اس لئے ضروری ہے کہ ہم اعتقاد رکھیں کہ متی نے اپنی ابخیل عبرانی زبان میں لکھی تھی، اور میں نے آج تک کوئی اعزاض اس شہادت پرایسانہیں پایجبکی وجہ سے تحقیق کی صرور میں برائی ہے کہ اس آنجیل موقی، بلکہ ہجائے اعزاض کے متقدمین کی شہادت اس امرکی نسبت پائی ہے کہ اس آنجیل کا عبرانی نسخ ان عیسائیوں کے پاس موجود تھا جو یہودی نسل کے تھے، خواہ دہ محرقت تھا یا غیر محرقت تھا یا

کیمی ہے، لیکن ان دونوں کتابوں سے یہ بات واضح نہیں ہوتی، اور دہ کسی جگہ اپنے کومتکا کے صیغہ سے تعیم نہیں کرتیا،

اس کے بعدحب وہ پوتس کے ساتھ مٹر یک سفر ہوجا آ ہے اور کتاب آعال کا باب کہ کھتا ہے تو اس سے یہ بات طاہر ہوتی ہے کہ اس میں اپنے کو متعلم کے صیغہ سے بھی تعبیر کر تاہی کہ اس میں اپنے کو متعلم کے صیغہ سے بھی تعبیر کر تاہی کھتا ہے وزیر تحض موسی ہی تو رہ دونوں ہما ایرے نز دیک محل نزاع ہیں، جیسا کہ باب اول میں آپ کو معلوم ہو چکا ہے، اور ظاہر کے خلاف بغیر کسی مضبوط دلیل کے کیو نکر سستدلال کیا جا استخاہے، اور حبکہ مؤلف ثفتہ ہو تو اس کی این مخر مرجس سے یہ حالت ظاہر ہوتی ہے واجب الاعتبار ہے،

نیز بہتری واسکا ہے کی تفسیر کے جانعین کے کلام سے یہ بھی معلوم ہوگیا کہ یہ انجیل قروم اولی میں متواتر نہیں تھی، اورائس و ورمیں عیسائٹوں کے بہاں سخ لیف کا عام رواج تھا وریہ نا ممکن تھاکہ کوئی شخص سخ لیف کرسے، اوراگر بالفرص سخرلیف واقع بھی ہوتی توہ اس کے ترک کا سبب نہ بنتی، پھرجب اصل کتاب سخرلیف سے نہ بچ سکی توالیسے میں کیا خیال کیا جا سختا ہے کہ اس کا وہ ترجمہ جس کے مترجم کا بھی بہتہ نہیں ہے سخرلیف بچ گیا ہوئ بلکہ سجی بات تو یہ ہے کہ یہ سب محرت ہیں،

جو تھی صدی عیسوی کا فنسرقہ مانی کیز کامشہورعالم فانسٹس اول کہتاہے کہ:۔ ''جُواسِجیل متی کی حانب منسوب ہواس کی تصنیف ہرگز نہیں ہے ؟

یروفلیسر جرتمنی کا قول ہے کہ:۔

"يه بورى البخيل جمون بي

اور به النجيل فرقه مارتسيوني كے باس موجود تقى، گراس ميں پہلے دوباب موجود منتھ، اس كے يه دونوں باب ان كے نزديك الحاقى بيں، اسى طرح فرقة ابتيونيه كے نزديك الحاقى بيں، اسى طرح فرقة ابتيونيه كے نزديك الحالى بهى يه دونوں ابواب الحاتى بين، نيز فرقة يوتى بيرس اور بادرى او تيس نے اُن كور دكيا اور الله بعن اگر كوئى يہ كے كه تورتيت حصرت موسلى كي تصنيف بى گراس بيں دہ اپنے لئے صيغه متعلم الله عبى كرتے، تواس كا جواب يہ كه تورتيت كا حصرت موسلى كى تصنيف ہونا ہمين سام نہيں 17

ان کا انکارکیا ہے، اسی طرح نور بی نے اس انجیل کے اکم زمقامات کا انکارکیا ہے،

انجیل مٹی کے بات آیت ۲۳ میں ہے کہ:۔

میں اہدار نا تقرہ نام ایک شہر میں جا بسا ، تاکہ جو نبیوں کی معرفت کہا گیا تھا

وه پورابوا، که وه ناصری کملات گا س

وہ پور ، وہ بات اسلامی معرفت کہا گیا تھا "اس اسخیل کے اغلاط میں سے ہو،
اس میں یہ الفاظ کہ"جو نبیوں کی معرفت کہا گیا تھا "اس اسخیل کے اغلاط میں سے ہو،
کیونکہ یہ بات انبیار کی منہور کتا بوں میں سے کسی میں بھی نہیں ہے ، لیکن ہم اس موقع پر
وہی بات کہتے ہیں جو علما پر کیتھولک نے کہی ہے ، کہ یہ بات انبیار کی کتا بوں میں موجود تھی ' گر میہو دیوں نے ان کتا بوں کو مذہب عیسوی کی دشمنی میں ضائع کر دیا،
ہم کہتے ہیں کہ سخرلین بالنقصان کی مثال اس سے بڑھ کرادر کیا ہوسی ہے کہ ایک فرقہ

ہم کہتے ہیں کہ سخرلفین بالنقصان کی مثال اس سے بڑھ کرادرکیا ہو سحی ہے کہ آیک فرس اہما می کتا بوں کو محص اپنی نفنسانی اغراص یا کسی ندم ب کی دشمنی میں ضائع کردے، ہم فورو کیتھولک نے ایک کتاب تالیف کی ہے جس کا نام سوالات السوال کو کھاہے، یہ کندن میں سائلہ اع میں جھیے جکی ہے، سوال بنر ۲ میں مولف کہتا ہے کہ ،۔

"وہ کتابیں جن میں یہ دلعنی متی کی نقل کر دہ عبارت) موجود تھی میط گئیں، کیو کا نبیا ہے کی موجودہ کتا بوں میں سے کسی میں بھی یہ نہیں ہے کہ عیسیٰ ناصری کہلائیں گے »

كريزاسط كي تمتى جلد ٩ ين كمتاب كه: -

"ا نبیای کی بہت سی کتابیں مطاکی ہیں، کیونکہ یہودیوں نے اپنی غفلت کی وجہ سے ان
کومنائع کردیا، بلکہ اپنی بد دیا نتی کی وجہ سے بعض کتابوں کو بچار و الا اور بعض کو جلا و الا
ہمات بہت قرین قیاس ہے بجسٹس کا قول ملح ظریکھتے ، جس نے طرکیوں سے مناظرہ یں کہا ؟ ہم
"ہودیوں نے بہت سی کتب عہد قدیم سے خاج کردیں تاکہ یہ ظاہر ہوکہ عہدِ جرید عہد عتیق
سے ساتھ پورا موافق نہیں ہے، اور اس سے بہتے جات ہے کہ بہت سی کتابیں مطاکئیں،
اس تقریر سے در نتیج نکلتے ہیں، ایک یہ کہ یہو دیوں نے بعض کتابوں کو بچھا و و الا، دو سے
ساتھ بریسے دور میں سے لیف کرنا بہت آسان کا م تھا،

د سجھتے کہ ان کے معدوم کر دینے سے یہ کتا بیں صفحاتِ عالم سے قطعی مِسط گئیں ،اورجب

المامی کتابوں کی نسبت اہل کتاب کی دیا نتداری کا اندازہ ہوگیا، اورگذسشتہ دور میں خرافیت کی ہمولتوں اور آسانیوں کا حال معلوم ہوگیا، توعقلی یا نقلی طور برکیا بعیدہ کے داکھوں نے ایسی کتابوں اور عبارتوں میں جو مسلمانوں کے لئے مفید بن سمی تھیں اس قسم کی حرکت کی ہو؟

ایسی کتابوں اور عبارتوں میں جو مسلمانوں کے لئے مفید بن سمی تھیں اس قسم کی حرکت کی ہو؟

ن احضار میں جا ایس کہا گیا ہے کہ:۔

سا احضار میں کہا گیا ہے کہ:۔

سا احسار اور گرفتار ہوکر بائل جلنے سے زمان میں یوست یاہ سے یموتیناہ اور اس

کے بھاتی سیدا ہوتے و

اس سے طاہر ہموتا ہے کہ یکوتیناہ اوراس کے بھائی یوتسیاہ کے صلبی بیٹے ہیں، اور یکوتنیاہ کے بچھ بھائی بھی موجود تھے، اوران کی بیدائش بابل کی جلاوطنی کے زمانہ میں ہموئی، حالانکہ یہ بینوں باتیں غلط ہیں، بہلی بات تواس لئے کہ یکونیاہ بن بہتویا قیم بن یوتسیاہ ہوئ یعنی یوسیاہ کا بوتا ہے، مذکہ بیٹا، دو مری اس لئے کہ یکوتنیاہ کے کوئی بھائی نہ تھا، السبتہ اس کے باب بہتویا قم کے بیشک تین بھائی تھے، تیسرے اس لئے کہ یکوتنیاہ بآبل کی جلاوطنی کے دوران میں اعظارہ سال کی عرکا تھا نہ یہ کہ اُس وقت وہ بیدا ہوا تھا،

آ وَمَ كَلَارِكَ كِهِنَا ہِے كَہ: -'نُحَامَتَ نِے كِهَا ہِے كِرا آیت الكواس طرح پڑ مناچاہتے كے" اور پوسسیاہ کے پہویا قم اور

اس کے بھائی بیبدا ہوئے، اور نیہویا قم کے پہاں بابل کی جلا وطنی کے زمانہ میں کیو تیا بیدا ہوا۔ ہم کہتے ہیں کہ کا تمتھ کا قول جوآ دم تحلارک کا بھی بیسندیدہ ہے، اس کا حصل میر ہے کہ اشقام

پر ہتو یا قیم کا اضافہ صروری ہے ، گویا ان دونوں کے نز دیک پر لفظ متن سے خاج کردیا گیا ہم کا اور یہ سخریف بالنقصان کی تھی ہوتی مثال ہے ، اس کے باوجود تمیسرااعتراص رفع نہیں ہوتا

اب سخراف کی تینوں تسموں کی شہا زمیں پوری ایک نلوبیان ہوجکی ہیں، اس لئے تطویل

ے اندلیتہ سے ہم اسی مقدار براکتفار کرتے ہیں، اس قدر بے شمار شہا دیس سخرلین کی تم قسموں کے اندلیتہ سے ہم اسی مقدار براعتراض کے انبات سے داقع ہمونے والے ہراعتراض

له بعد ك مرجين بائتل في اس اعر اص سے بھى بينے كے لئے باتنبل بركياكرم فرمايا ہے ؟ اس كانفسيل

سيحي صفح ١٦ مبلداة ل كے حاصفيد برملاحظه فرماتيد ١٢

کے رفع کرنے کے لئے اورعلمار پر دکسٹنٹ کی جانب سے بیش کئے جانے والے ہر مغالطہ کو ختم کرنے کے جانے والے ہر مغالطہ کو ختم کرنے کے داسطے یہ مقدار کا فی ہے ، اگر جے باخبراشخاص کے لئے ہماری بخریرسے ان خلط کے جوابات کا سمجھنا کچھ دشوا رہمیں ہے ، مگر مزید توضیح اور نفع کی خاطر ہم بہاں بانچ مغالبی اور اُن کے جوابات بیان کرتے ہیں ،۔

مغالط اوران كحرابات بهلامغالطه

بورن این تفسیر حلد اصفحر ۳۲۵ مین کمتاہے کہ:-

معنی اختلاف ایستان کے علی اور کورلی ریدنگ یعنی اختلاف عبارت کے درمیا معنی اختلاف عبارت کے درمیا معنی فضط آرانہ کی بعنی کاتب کی علی اور کورلی ریدنگ یعنی اختلاف عبارتوں میں بہترین منسرق وہ ہے جومیکا آلس نے بیان کیاہی کہ جب دویا زیادہ عبارتوں میں فرق ہو تو ان میں سے ایک ہی جمح اور سمج بات ہوسسی ہے ، اور باقی یا توجانی بوجی سمح لیے اور سمج کی بہان اور تیمزیر اوستوار کا ہے ، سمج لیے ان اور تیمزیر اوستوار کا ہے ،

اوراگرشک اقیرہ جائے تواس کا نام اختلاف عبارت رکھا جاتا ہے، اور جب مرحمہ معلوم ہوجائے کہ کا تنبے جھوٹ ککھا ہے تواس کو کا تب کی غلطی ہمدیا جاتا ہے ،
عوض محققین کے راج مسلک کے مطابق دو توں الفاظوں میں بڑا فرق ہے ، اور ان کی اصطلاح میں اختلاف عبارت کا جومصداق ہے ہماری اصطلاح کے مطابق وہ کا تحریف ہے اور کو شخص مذکورہ معنی کے تھا ظرسے اختلاف عبارت کا اقرار کرنے گاائی بریخ لین کا اعتراف لازم آئے گا،

اَبِ اسْقَسِمَ کے اختلافات کی تعداد النجیلَ میں میلک کی تعقیق کے مطابق تیس ہزار اورکرلیباخ کی تحقیق کے مطابق ایک لاکھ بنجانش ہزارہ، سے آخری محقق شوآز کی رائے میں توایسے اختلافات کی تعدا د آن گِئنت اور نامعلوم ہے، انسآئیکلوںٹریا برطا نیکا جلد ۱۹ میں لفظ" اسکر سحیہ "کے سخمت دیلی بی قول نقل میا ہے کہ یہ اختلافات دس لاکھ سے زائد ہیں،

یہ معلوم ہوجانے کے بعداب ہم تین ہرایات میں استفصیل سے شہارتیں ہیں۔
کری گے کہ تہلی ہدا بہت میں مخالفین کے اقوال بیان کریں گے،اور دوسری میں ان فرقول کے بیانات جوابنے کو عیسائی شارکرتے ہیں، اگرچے فرقہ پر ڈلسٹنٹ اور کیتھولک والے ان کو برعتی کہتے ہیں، تعیشری میں اُن اشخاص کے اقوال ہوں گے جو دونوں مسترقوں کے یہاں یاکسی ایک کے بہان مقبول ہیں،

پہلی ہرایت

سلتوس دوسری صدی عیسوی کا ایک بئت پرست منٹرک عالم ہے جب نے بڑہ ب عیسوی کے ابطال میں ایک کتاب لکھی ہوء ایک منہمور سرمنی عالم اکہ آرن نے اس مشرک عالم کا قول اپنی کتاب میں یوں نقل کیاہے:۔ مالم کا قول اپنی کتاب میں ایوں نقل کیاہے:۔ سعیسائیوں نے اپنی انجیلوں میں تمین با دیا چا دمر تنبہ بلکہ اس سے بھی زیادہ مرتبہ ایسی تبدیلی کی جس سے آن کے مضامین مدل گئے ہے غور کیج کہ پیشرک جردے رہا ہے کہ اس کے عہد مک عیسائیوں نے ابنی انجیلوں کوچار مرتبہ سے زیادہ برلاہے، اور پورپ کے حالک میں ایک کثیرالتعداد فرقہ وہ ہے جو نبوت والہام اور آسانی کتابوں کو نہیں ما نتا، اور جن کوعلار بر دشتنٹ ملحدا در بردین کہتے ہیں، اگر ہم تولیت کی نسبت صرف اُن کے اقوال کو نقل کرنا چاہیں تو بات بڑی طویل ہوجا سے گی، اس لئے صرف کی نسبت صرف اُن کے اقوال کو نقل کرنا چاہیں، جن صاحب کو ان سے زیا دہ معلوم کرنے کا شوق ہو، دو اقوال نقل کرنے براکتفار کرتے ہیں، جن صاحب کو ان سے زیا دہ معلوم کرنے کا شوق ہو، اُن کو اُن کی کتابوں کی جانب مراجعت کرنی چاہتے، جواط این عالم میں بھیلی بڑی ہیں اُن میں سے ایک عالم بارکٹ امی یوں کہتا ہے کہ:۔

مر دوستنط نرمب یہ کتا ہے کہ ازلی ابدی معجز ات نے عہد عتیق وجدید کی حفاظت اس درجہ کی کہ ان دونوں کو ادنی اورخفیف صدمہ سے بھی بچاکیا، گراصل سکلہ میں اننی جان نہیں ہے کہ وہ اختلاف عبارت کے اس بشکرے مقابلہ میں عظہر سے جس کی تعاد تا سنتہ

تنیس ہزارہے 🛚

غور کیج کماس نے کس خوب صورتی سے استہزار کے بردے میں الزامی دسل بیش کی ہے ، مار اس نے صرف میں کی ہے ، مار کا کی ہے ، مراس نے صرف میں کی تحقیق ہراکتفا رکیا۔ ہے ، در بنہ بجائے تیس ہزار کے ایک لاکھ بجائی ہزار کے ایک لاکھ بجائی ہزار کے ایک لاکھ بجائی ہزار کے ایک لاکھ بجائے ہے ، در بن لاکھ بجھی کمہ سکتا تھا ،

اکسی ہوموکا مؤلف ابنی کتاب مطبوعہ سلالہ او کنرکن سے تتمہ کے بارہ میں ہمتاہ کہ:۔ ''یہ اُن کتابوں کی فہرست ہوجن کی نسبت متقد میں عیسانی مشاکخ نے یہ ذکر کیا ہے کہ پیٹیلی علیہ لسلام یا اُن سے حواریوں یا دوسکے مربدوں کی جانب منسوب ہیں ،،

دہ کتب جو عیسیٰ علیہ السلام کی | (۱) وہ خط جو آ کی کیستہ کے بادشاہ ایکرس کو بھیجا گیا،

جانب منسوب بين كل سائين، (٢) وه خط جو لطرش اوربولس كو تجيجا كيا،

ر۳) کتاب التنبیلات والوعظ رمم) وه زبور بس کی تعلیم آپ لینے داریوں اور مربدوں کو خفیہ طور بردیا کرتے تھے، (۵) کتاب الشعبدات والسحر (۲) کتاب مسقط راسل ہے والمریم وظرً ہا، (۷) اُن کاوہ رسالہ جو تھیٹی صدی عیسوی میں آسمان سے گرایا گیا،

له PAR KER که کریتباخ کی تحقیق کے مطابق، سمه انسآئیکلو بیڈیابرٹیانیکا کے مطابق،

وه كتب جوم رئم عليهاالسلام كي (١) أن كا وه خط جو الخفول في الكناسس كيط ف تجييا، رمنسوبين كل آكهين، (٢) أن كاده خط جوسيتيليان كو جيحاكيا، ٣) كتاب مسقط راس مریم (۴) کتاب مریم وظرّ ہا (۵) مرتم کی تا پیخ اوران کے اقوال (۲) کتا تجمعجزات أسيح دع كتاب السوالات الصغار والكبار دم كتاب لمريم والخامم السلماني، ده کتب جوبقرس داری کی جانب (۱) ایجیل پیطرس (۲) اعمال بیطرس (۳) مشابدات بیطرس منسوب بین کل گیاره عدد بین ، (۴) مشایرات بطرس دوم (۵) اس کاخط جو کلیمنس کیجا ہے (٦) مبا تحثہ بطرس وای بین (٤) تعلیم پیطرس (٨) و عُظِ کیطرس (٩) آ دائیصلوٰۃ لیگر ر۱۰) کتاب مسافرت پطرس ر۱۱) کتاب قیاس بطرس، منسوبین کل و عدد ہیں ، (۴) حرتیث پوختا (۵) اس کا خطبو حیرر دیک کی جانب ہے، (٦) كتاب وفات مريم (١) يتح كاتذكره اوران كاسولى سے اترنا (٨) المشابرات الثانيه ليوحنا (٩) آداب صلاَّة ليوحنا، وه كتابين جواند رياض حواري كان المجيل اندرياس، جانب نسوب بين كل عدد بين، (٢) اعمال اندرياس، ده کتابین جو تمتی حواری کی روا) انجیل الطفولیت ، جانبینسوبین کل عدین (۳) آدات صلاة مثی، ده كتب جوفيليس حوارى كا (١) الجيل فيليس، جانب منسوب بين مكر اعداي (١) عمال فيليس، وہ کتاب جو برنگائی حواری کی جانب منسوب ہے دہ ایک ہے (۱) اسجیل برتلمائی، ا اندریاس یا اندراوس (ANDR Elva) باره حواریون میں سے ایک اورمشہور حواری بیطرس مے بھا اپینٔ ان کا ذکرمتیٰ ۴ : ۱۸ وراعمال ۱: ۳ میں دیکھاجا سکتا ہے،عیسائی روایات کے مطابق آپ کو د ولکڑیوں پر بشكل (×) شهيدكرديا كيابى اس لئ يصليب اندراوس كهلاتى بى كى برتكائى إرتلاؤس الم BARTHAL باره حواريون مين ايك كهة بين كه مند دستان مين بليغ عيسايت الحفول ني مي كيد، أن كاذ كرتمتى ١٠ ١٠ ود

وه کتب جوتوما حوارثی کی جانب (۱) ایجیل توما (۲) اعمال توما (۳) ایجیل طفولیت سیح غسوب بين كل ه عدد بن ، (مم) مشابدات توما ره) كتاب مسافرت توما ، وه كتابين جولعقوب حوارى كى إدا النجيل لعقوب (٢) آداب صلوة لعقوب جانب منسوب بین کل ۳عد د (۳) کتاب وفات مریم، ده کتابس جومتیاه حواری کی طرف منسوبین (۱) انجیل متیا (۲) عدیث متیا ، ر جزرج سے بعد حواریوں میں شمل ہواتھ اکا میں اس اعمال متیا، ده کتب جومرتس کی جانب (۱) انجیل مصریین ، (۲) آداب صلوة مرتس ، منسوب ہیں، کل ۳ عد د ، \ رسى کتاب یی شن بر ہاز ، وه کتابین جویر نبات کی جانب ارا) انجیسل برنباس، منسوب بین کل ۲ عدد، (۲) رساله برنباس، وه كتاب جوته ودليش كي مانب نسوب وكل ايك عدد (١) المجيل تيم ودوس ، وه كتب جويوس ى جانب إ ١١) اعمال يوكس ٢١) اعمال تهكار ٣) اس كاخط لارقنس كى منسوبین کل داعدد جانب (۴) تفسکنیکیوں کے نام دوسراخط (۵) کرنتھیوں کے نام بىراخىط (١) كەنتھيىوں كاخطاس كى جانب اوراس كىطرى سے جواب (١) ا س كارساكە سنیکا کی جانب اور تسنیکا کا جواب اس کی جانب (۸) مشاہدات پوکس رو) مشاہدات يونش (١٠) وزن يولس (١١) انا بي كمشن يولس، (١٢) الجيل بولس، (١٣) وعظ يولسس، (۱۴) کتاب رقیة الحیة (۱۵) بیری سبت پیوکس و پوکس ، له توماً ، يه جي حواريين سے بين، مندوستان ميں عيسا تيون کي تبليغ بين اُن کابر اکر دادہے ١٢ کے یہ وہی تمتی ہیں جن کے نام میں انجیلوں کا اختلات ہی اور جومحصول پر منظمے تھے توحفرت میرے نے انھیں دعوت دی تقی رتمتی و: و) تفصیل کے لئے دیکھتے صفحہ ۵ س م حلداق ل، سے برنباہ یا برنباس BARWABAS ایک تا بعی ہیں جولاؤی خاندان کے تھے اوران کا نام کوقت تھا انھوٹے کھیت بیچ کراس کی قیمت تنبلیغی مقاصد میں صرف کرنے سے لتے حوار بوں کو دیدی تھی، اس کتی الخوں نے ان کانام بر آنیاس رکھا،جس مے معنی رضیحت کابٹیا) بیں، دیکھتے اعمال ۱: ۲ س

يحراكسيتبوموكامصنف كتاب كرا

دوسری ہرایت

فرقر آبیونبیسی فسرن اول کا فرقد ہے ، جوبولت کاہم عصراوراس کاسخت مخالف ہے، بہاں تک کہ اس کو مرتد کہتا ہے ، بیٹ نرقہ تمثی کی البخیل کوتسلیم کرتا ہے ، مگراس کے نزدیک بیا البخیل اس البخیل کے قطعی مخالف ہے جوبولس کے معتقدین کے نزدیک ہے دونول با کہ راس میں ابتدائی دوباب بھی موجود نہ تھے ، اس لئے اس فرقہ کے نزدیک بید دونول با اور اس طرح دوسے بہت سے مقامات محرقت ہیں، اور لوبس کے معتقدین اس پر تحلیف کا الزام لگاتے ہیں ، چنا بخبر بل ابنی تاریخ میں اس فرقم کا حال بیان کرتے ہوئے کہ تا ہے کہ ، ۔

کا الزام لگاتے ہیں ، چنا بخبر بل ابنی تاریخ میں اس فرقم کا حال بیان کرتے ہوئے کہ تا ہے کہ ، ۔

خرقیل کے نام سے بھی نفر نے کرتا ہے ، اس کے نزدیک جہد جدید میں صوف تمثی کی انجیل کرتے ہیں جدید میں سرکھی بدل ڈالا ہے ، اور اس کے نزدیک جہد جدید میں صوف تاریک کے دوبا ب اس سے خارج کردیتے ہیں "

فرقة ارسیونیه عیسائیوں کا قریم برعتی فرقہ ہے، جوع بدعتین کی تمام کتابوں کا انکارکر تا ہے اورکہتا ہے کہ پیاہا می بہیں ہیں، اوراسی طرح عہد جدید کی کتابوں میں سوات ہو تو قا کی ایخیل اوربولیس کے دنیل رسالوں سے باتی سب کا انکارکر اہے، اوراس کی میں آلم ایخیل موجود ہے، اس بنا میربوی آجکل جس قدرکتا ہیں ان ناموں سے موجود ہیں اس فرقہ کے نزد کی سب محرف ہیں، اوراس کے مخالف سے لھے کا

الزام اس برعا مذکرتے ہیں، چنانچربل ہی اپنی تاریخ میں اس فرقہ کے حالات بیان کرتے ہوئے کہ اس برعا مذکر تے ہوئے کہ :۔

" بے فرقہ عمین کی کتابوں کے الہامی ہونے کا اٹھارکر ہاتھا، اور عہد جدید میں صرف فرقہ کی انجیل کو تسلیم کر المحاء اور اس کے بھی اوّل کے دوباب کو بہیں ما نتا ہتھا، اس طرح پوٹس کے صرف دہل رسالوں کو تسلیم کر تا تھا، گراس کی بہت سی باتیں جواس کے عوافق نہ تھیں اُن کورَ دکردیتا تھا،

ہم کہتے ہیں کہ وہ صرف توقا کے دوابواب ہی کامنکرینہ تھا، لارڈ نرنے اپنی تفسیر کی جلدہ میں کو قاکی ابنجیل میں اس فرقہ کی تحربیت کے سلسلہ میں کہاہے کہ:۔

لار خونرنے اپنی تفییر کی جلد ۳ میں منرقہ مانی کنیر کے حالات کے ذیل میں آگسٹائن کے حوالہ سے نوا میں اسلام کے حوالہ سے نوا عالم کے حوالہ سے نوا مالم کا قول نقل کیا ہے، جوجو تھی صدی میں اس فرقہ کا سب سے بڑا عالم گزرا ہے، وہ کہتا ہے کہ:۔

له ديجي صغير١١٨ جلداول سه ديجي صغير ٩٠ جلداول سه ديجي صغيره ٢٨ جلداول،

فاسلس کمتاہے کہ میں ان جیسے وں کا قطعی منگر مہوں جن کو تھوائے باب دادانے عہد جدید میں فریب کاری سے بڑھالیا ہے، اور اس کی حسین صورت کو بھونڈ ابنا دیا ہے، اس لئے کہ یہ بات پایہ فہوت کو بہونجی ہوئی ہے کہ اس عہد معدید کو ذہیے گئے نے تصنیف کیا ہے اور منحواریوں نے، ایک جہول الاہم شخص اس کا مصنف ہے، گرچواریوں اور ان کے ساتھیں کی جانب اس خوف سے منسوب کر دیا گیا ہے کہ لوگ اس کی سخر کرکواس لئے غیر معتبر قرار دیں گے کہ پشخص جن حالات کو لکھ دہا ہے ان سے خود واقف نہیں، اور عیسائے کے مربدین کو بڑی سخت اذبیت بہنچائی، اس طور برکہ الیسی کتابیں تالیف کیس جن میں غلطیاں اور تنافن یاتے جاتے ہیں ،

غرض اس منسرقه کاعقیره عهدِ جدید کی نسبت به تحقاجو بیان کیا گیا، جیساگه اس کی تھیری ان کے منہور فاصل نے کردی ہے، پیشخص بڑے زورسے علی الاعلان کہتا ہے کہ عیسائیوں نے بہت سی جیروس عہد جدیدیں داخل کردی ہیں، اور یہ ایک مجھول الاسم آدمی کی تصنیف ہے، نہ توحوار بوں کی تصنیف ہے نہ آئی سے تا بعین کی، نیز اس میں اختلاف اور تناقض بھی یا سے جاتے ہیں،

یہ بات قسم کھاکر کہی جاستھتی ہے کہ اس فاضل کا شمار آگر جے برعتی منسر قہ میں ہے ، گر دہ اپنے ان تینوں دعووں میں سچاہیے ،

ورطی نے ایک نیم کتاب تصنیف کی جس کا تذکرہ مقصد ۳ شہادت نمبر ۱ میں آچکا ہے، اس نے بھی تو آبیت کا انکار کرتے ہوئے دلائل سے یہ نابت کیا ہے کہ یہ تو سی علیہ السلام کی تصنیف نہیں ہے، اور انجیل کو تسلیم کیا ہے گراس اعتران سے ساتھ کہ جو انجیل متی کی طون منسوب ہی یہ اور ایس کے تعمیل میں ہے، بلکہ اس کا ترجہ ہے، اور ایس کے بہت کی طون منسوب ہی یہ اور ایس کے بہت مقامات میں بقینی سخ لیف واقع ہوتی ہے، اپنے دعوے کو دلائل سے تابت کرنے کے لئے اسلیم بات کو کا فی طویل کردیا ہے،

ان دنوں ہرائیوں ہے ہوگئ کے افین اور عیسائی فرقے جنکوٹٹلیٹ پرست طبقہ برحتی شارکرا ہو ہیلی صدی کی کا ان کا ہوئی ہے ، صدی کیکواس مدری کھنے بھے کی جوشا علان کرتے آر ہم ہیں کہ ان کتابوں میں سخے لعین ہوئی ہے ،

تبسري مدابيت

اس میں ہم معتبر عیسائی مفترین اور مؤرخین کے اقوال نقل کریں گئے:۔ سر مرکز این تفسیر کی جلدہ صفحہ ۳۶۹ میں کہتا ہے کہ:۔ ادم کلارک سیطریقہ ٹرانے زمانہ سے چلاآ رہاہے کہ برطے نوگوں کی تا پیخ اور حالآ

بیان کرنے والے بہت ہوتے ہیں، یہ حال رُٹ اسے، بعنی اُن کی تاریخ بیان کرنے والے بھی ہے شار ہیں، گران کے اکر بیانات غلط ہیں، یہ بے بنیاد وا قعات کواسطی کھے کرتے تھے گویا وہ لیقینی وا قعات ہیں، اورانھوں نے دوسے حالات میں بھی عمدًا یا سہوًا غلطیاں کیں، خاص طور پر اُس سرز مین کے موّر خ جہاں لوّ قانے اپنی انجیل کھی تھی، اسی لئے روّح القدس نے مناسب بھے کہ توقا کوتمام حالات ووا قعات کا سے علم دے، تاکہ دینداروں کو سے حال معلوم ہموسے،

اس مفسر کے اقرار سے توقا کی انجیل سے قبل ایسی جھوٹی انجیلوں کا پایاجا نا معلوم ہوگیا جوغلطیوں سے بھری پڑی تھیں، اس کے یہ الفاظ کہ" لکھا کرتے تھے" الج مُولفٹین کی بر دیانتی پر دلالت کررہا ہے، اس طرح اس کا یہ کہنا کہ" اور د دسرے حالات میں بھی عمداً یا مہوًا غلطیاں کیں" یہ بھی آن کی بر دیانتی پر دلالت کررہا ہے،

و سکا قول گلتیوں کے نام پرتس کے خط باب اوّل آیت ۱ میں ہے کہ:۔ پولس کا قول سے کہ ایس کے خط باب اوّل آیت ۱ میں ہے کہ:۔ پولس کا قول سے کا ہوں کہ جس نے تھین سے کے نصل سے بلایا اس سے ہم اس

قدر حلد تجركركسى اورطرح كى خوشخرى كى طرف مانل ہونے لگے، گرده دوسرى نهيں، الديم لبحض اليد يس بيري المرتبع كى خوشجرى كو بگال اليا منته بين، الديم لبحض اليد بين جو تحصير گھراديتے ہيں، اور تيج كى خوشجرى كو بگال اليا منته بين،

له غالبًا رُب يعنى علماريمود مرادين،

کے عدر بدی کتابوں میں اکڑ انجیل کو "خوش خری " کے لفظ سے تعبیر کیا گیاہے، کیو کم انجیل عبر ان زبان میں خوشخبری ہی کو کہتے ہیں ۱۲ تقی دیجے عیسائیوں کے اس مقدس شخص کے کلام سے بین باتین ثابت ہوئیں ،

اقتل یہ کہ یہ حواریوں کے زمانہ میں ایک انجیل ایسی موجود تھی جوانجیل سے کے نام سے مشہور تھی ، نیٹر یہ کہ ان کے مقدس عہد میں ایک ایسی انجیل تھی جوسیح کی انجیل کے مخالف مقمی ، تیسٹر نے یہ کہ تولیف کے دانے والے مقدس بوٹس کے زمانہ میں بھی تیسٹے کی انجیل میں سخولف کے درہے دہتے تھے ، دو سے زمانوں کا توکیا کہنا ، کیونکہ اس کے بعد توعنقا ، کی طرح صرف اس کا درہے دہتے تھے ، دو سے زمانوں کا توکیا کہنا ، کیونکہ اس کے بعد توعنقا ، کی طرح صرف اس کا ہی باقی رہ گیاہے ،

م بی کارہ سیاہے،

ادم کلارک اپنی تفسیر کی جلدا میں اسی مقام کی مثرے کہتے ہوئے ہمتا ہے کہ :
"یہ بات محقق ہے کہ بہت سی جھوٹی انجلیں ابتدائی سیے صدیوں میں رواج پاچکی تھیں

ان جھوٹے اور غیرضے واقعات کی کرت نے توقا کو اس انجیل کے لکھنے پر آمادہ کیا، اس قسم

کی ، یسے زیادہ جھوٹی انجیلوں کا ذکر با یا جا تا ہے ، جن کے بہت سے اجزار آج بھی موجود

ادر باقی ہیں، فیبر تی سیوس نے ان تمام جھوٹی انجیلوں کو جمع کرکے اُن کو تین جلدوں میں جو اور باقی ہیں، فیبر تی سیاسی سیاسی سے بعض میں سٹریعت موسو تکی اطاعت کا واجب ہونا، ختنہ کا مزدری ہونا،

انجیلی کا طات اور بہت معلوم ہوا کہ ان جھوٹی انجیلوں کا وجود توقا کی انجیل اور گلتیوں کے اس مفتر کے اقرار سے معلوم ہوا کہ ان جھوٹی انجیلوں کا وجود توقا کی انجیل اور گلتیوں کے خط لکھنے سے قبل تھا، اسی لئے مفتر نے بہلے کہا کہ" ان واقعات کی کر ت نے "الے اسی کی اس تری کہاں کہ دور کے انہ اس کی کر ت نے "الے اسی کی مات کی کر ت نے "الے اسی کی مات کی کر ت نے "کا انتقال کی خوار می کا انتقال دور کی کہا تھا۔

نام خط لکھنے سے قبل تھا، اسی لئے مفسر نے پہلے کہاکہ"ان واقعات کی کڑت نے "الے اس قسم کی بات آدم کلارک نے اپنی تفسیر میں کی ہے ، نیز اس نے چیہ کہا ہو کہ مقدس پوکس کے کلامل ان میں سے کسی ایک جانب معلوم ہوتا ہے ،، اس سے ثابت ہوا کہ مقدس پوکس کے کلام میں انجیل کامصداق ایک باقا عرہ مدوّن انجیل ہے ، نذکہ اس کے معانی و مصامین جوصنف کے ذہن میں جمع ہیں، جیساکہ علمار پر وٹسٹنٹ اکٹر کہاکرتے ہیں،

انجی المسیع ایوتس کے کلام سے جو بیہ بات معلوم ہوتی ہے کہ حوادیوں کے زمانہ میں ایک المبیع کے انہاں کے کلام سے جو بیہ بات معلوم ہوتی ہے کہ حوادیوں کے زمانہ میں ایک انجیل موجود تھی، جو انجیل میں کے کہلاتی تھی، مہی بات درحقیفت سے ہے، اور قبیات سے جرمنی علمار نے اور قبیات سے جرمنی علمار نے بھی، اسی طرح محقق لیکٹرک اور کوتب اور میکا تملس اور بسنگ اور نیم دسآریش کے بھی، اسی طرح محقق لیکٹرک اور کوتب اور میکا تملس اور بسنگ اور نیم دسآریش کے

نزدیک بھی یہی بات درست ہے،

تلسراقول کنتھیوں کے نام دوسرے خط کے بالب آیت ۱۲ میں پولس لکھتاہے کہ:۔ میسراقول "دیکی جوکرتا ہوں وہی کرتار ہوں گا تاکہ موقع ڈھونٹ ہنے والوں کو موقع

مند دون بلکہ جس بات پروہ فخر کرتے بین اس میں ہم ہی جیسے تکلیں گے، کیونکہ ایسے لوگ جھوٹے رسول اور دغابازی سے کام کرنے والے ہیں، اور اپنے آپ کومتی ہے۔ رسولوں کے ہمشکل بنا لیتے ہیں »

دیجے عیسا یوں کا مقدس بکار کار کہہ رہا ہے کہ اس کے جہدیں جھوٹے بینج بردر مکار کارکن نمایاں ہوگتے ہیں، اور شکل وصورت یہ کے رسولوں کی بنائی ہے، ادم کلارک اس مقام کی مترح کرتے ہوئے ابنی تفسیر میں ہتا ہے کہ:۔ "یہ لوگ بالکل جموط میسے کے رسول ہونے کا دعویٰ کرتے تھے، حالانکہ واقع میں وہ تیے کے رسول نہ تھے، یہ لوگ وعظ بھی ہتے تھے اور ریاصنتیں بھی کرتے تھے ہجن اُن کا مقصد حبلہ منفعت کے سواکھے نہ تھا "

بوحنا كافول أي خناك ببلے خطباب ۴ آيت ١٠ ميں ہے كه :-بوحنا كافول الله عزيزه! برايك رُوح كايقين يذكره، بلكر دحوں كوآزماؤ كه

ده خداکی طرف بس یا نهیں، کیونکہ بہت سے جھوٹے نبی دنیا میں نکل کھڑے ہوئے ہیں ' لیجے پوتھنا حواری بھی پوتس کی طرح بکار کرکہ رہے ہیں کہ ان کے زمانہ میں بہت سے بیغمبری کے جھوٹے دعویدار ظاہر ہوگئے ہیں، آدیم کلارک اس مقام کی مترح میں کہتا ہی:۔ "گذشتہ زمانہ میں ہمعلّم یہ دعویٰ کیا کرتا تھا کہ رقبح القدس جھ کوالہام کرتا ہے، کیونکہ ہمعبررسول اسی طرح ہواہے، اور دُقع "سے مراداس مقام پروہ انسان ہی جو دعویٰ کرتا ہے کہ میں رموح کا افر ہوں، اور اس کے کہنے کے مطابق اس کی یہ بات سمجھ لیجے کہ گروچوں کو آزماؤ "یعنی ایسے معلّین کا دلیل سے امتحان لو، اسی طے اس کا یہ کہنا کہ تبہ ہے جھوٹے نبی "اس سے مراد وہ لوگ ہیں جن کور وج القدس نے المام نہیں کیا بالحضو یہود لوں میں سے ، غرض مفسر مذکور کے کلام سے یہ بات معلوم ہوگئ کہ گذمشتہ دُور میں ہمعلم الہام کا دعویدار ہوتا تھا، اوراس کی گذمشتہ تقریر سے یہ بھی معلوم ہو چکا ہے کہ ان لوگوں کا بیجے کے کے سیخے رسولوں کے مشابہ بن کراور مکرو فریب کرنے کا منشار محض حصولِ وال وحبام بفعت تھا، اس لئے الہام وسنجم پری سے دعوے دار بے شاریخے،

ور اجس طرح تورتیت کے نام سے پانچے کتابیں موسیٰ کی جانب منسوب کا بین اسی طرح است بین اور بھی اُن کی جانب منسوب ہیں، اُن کی

پانچوان قول

تفصیل یہے:

نمبراً كتاب المشاہدات ، نمبرا ، كتاب بيدائش صغير ، نمبرا ، كتاب المعسراج ، نمبر ۴ مركتاب الامسرار ، نمبره ، تستمنت ، نمبرا ، كتاب الاحترار ،

ان میں سے دوسری کتاب عبرانی زبان میں چوسھی صدی عیسوی تک موجود تھی جبت اس سے جبروم اور سیکہ و میں نے اپنی تاریخ میں بہت کچے نقل کیا ہے، آریخ بہتا ہے کہ، ۔
"پوتس نے اس کتاب سے اپنے گلتیوں کے نام خط کی آبیت بمنبر ہاب ہ اور آبیت ہ اب ہ میں نقل کی ہے، اور اس کا ترجمہ سو لھویں صدی تک موجود تھا، اس صدی میں ٹرنسطی کی عبس نے اس کو حجوثا فتراد دیریا، اور اس کے بعد وہ جھوٹا اور حبلی رہا ، اور اس کے بعد وہ جھوٹا اور حبلی رہا کہ اس کو حجوثا فتراد دیریا ، اور اس کے بعد وہ جھوٹا اور حبلی رہا کہ کہ اس کے نزدیک المامی کتاب کی اور سیاسی انتظامات کی ایک سی پوزلیش ہے، کہ اُن کے نزدیک المامی کتاب کا حال بھی ایسا ہی ہے کہ وہ متقدمین کے نزدیک معتبر تھی، ان میں سے تیسری کتاب کا حال بھی ایسا ہی ہے کہ وہ متقدمین کے نزدیک معتبر تھی، الارڈ زابی تفسیر کی جلد ۲ صفحہ ۱۱ ہ میں کہتا ہے کہ ،۔

"آریج کا کہناہے کہ پہودانے اس کتاب سے لینے خط کی آیت و نقل کی ہے " اب یہ کتاب بھی اور باقی دوسری کتابیں بھی حعلی اور محرف شار ہوتی ہیں، گرعجیب تماشا ہم کہ وہ فقر ہے جو اُن سے نقل کئے جاچیے ہیں انجیل میں داخل ہونے کے بعدالہای اور سیحے شار کئے جارہے ہیں، ہورکن کہتاہے کہ :۔

تحیال یہ ہے کہ بی حجلی کتابیں مذہب عیسوی کے آغاز ہی میں گھڑ کی گئی تھیں ، اس محقق نے گھرنے کی نسبت قرن اول کے تو گوں کی جانب کی ہے " التوشيم بوزخ ايني تايخ مطبوعه الشناء جلداصفحه ١٦٩ مين دوسری صدی کے علما سے حالات بیان کرتے ہوت

ہے۔ ہے۔ ''ا فلاطون اور فیٹاعزرش کے عقیدہ پر چلنے دالوں میں ایک مقولہ مٹہور تھا کہ سچائی يرطهاني اورخداكى عيادت كے لئے جو حجوط اور فرسي كئے جائيں وہ بدصرت يمكم جائز بلکہ لاتق تحبین ہیں،سبسے پہلے ان ہوگوںسے مقرکے یہو دیوںنے یہ ہے قبل میں کے دورین خسسیار کی ، جیسا کہ بہت سی قدیم کی بوں سے یہ بات ظاہر ہوتی ہے، کھریہ نایاک غلیطی ان سے عیسائیوں میں منتقل ہوگئی، چنا کیداس کامشاہداک بہت سی کتا ہوں سے ہوتا ہے ،جوبڑے وگوں کی طرف جھوط منسوب کردی گئی ہیں " بھوجب ایسا جھوط اور فریب دہی یہو دیوں تے بہاں دسنی مستحبات میں شمار ہونے لکے اور دوسری صدی میں میں بات عیسا یئوں کے بہاں رواج یا گئی، تو محرحبل وتحریف اور حجوط کی کوئی حد باتی رہ سحت ہے ، لنذا جو کرناتھا وہ کر گذرے ،

آ توسی میں اپنی تا یخ کی کتاب را بع باب میں یوں کہتا ہے کہ ن وروس کے مقابلہ میں ہے کے طریقوں یہودی کے مقابلہ میں سے کی

بہت سی بیٹا زئیں نفسل کی ہیں ،اور دعویٰ کیاہے کہ بہودیوں نے اُن کو کتب مقد سے خارج کر دیاہے ،،

سله اقلاطون (۶۲AT۵) منټهوريونانی فلسفي چوستقراط کا شاگردا درارتسطو کا استباد سخه اس كى كتابين جمهورسية اورسياست برمشهورين ، رب سيري ق م المهمة ق م) ١٢ که فیشاغورس (PYHA GONE) منهوریونانی فلسفی جس کی طرف علم حساب کی تدوین منسو بى، آواگون كاقائل تقامنىلىدىم بى دفات يائى ١١ تىقى که اظهارا لحق کے انگریزی ترجے میں یہاں معوسی بیں 'کے بجائے' یوسیفس' کاحوالہ ہے ، ۱۲

والمن جلد اصفح ٣٦ مين كهتا ہے:-

" مجھ کواس امر میں ذرا بھی شک ہمیں کہ وہ عبارتیں جس میں جسٹن بہودی نے طرافیو

کے ساتھ مناظرہ میں الزام دیاہے کہ بہودیوں نے اُن کوخاج کر دیاہے، جسٹن اور
ار بینوس کے زمانہ میں عبرانی اور یونانی نسخوں میں موجوداور کتاب مقدس کا مجز و تھیں
اگر جہ ان دونوں نسخوں میں آج موجود ہمیں ہیں، بالخصوص وہ عبارت جس کی نسبت
جسکٹن نے کہا کہ وہ کتاب ترمیاہ میں موجود تھی، سلبر جبس نے جسٹن کے حاست یہ اور ڈاکٹر کر رہتے نے ارتینوس سے حاسث یہ میں کھا ہے کہ بطرس نے جس وقت اپ بہلے خط کے باب ہم آیت ہی عبارت کہ کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے خط کے باب ہم آیت ہی کی عبارت کو کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے خط کے باب ہم آیت ہی عبارت کو کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے خط کے باب ہم آیت ہی کی عبارت کو کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے خط کے باب ہم آیت ہی کی عبارت کو کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے خط کے باب ہم آیت ہی کی عبارت کو کھی ہے اُس وقت یہ بشارت اس سے بہلے نظر تھی ہی

بورن این تفسیر کی جلد م میں صفحہ ۲۲ پر مکستا ہے کہ :-

جُسُنَّن شہیدنے (ہمودیوں کے مقابلہ میں) یہ ناہت کر دیا تھاکہ عزرار نے نوگوں سے
یہ جملہ کہا تھاکہ ''عید فسے کا جش ہمارے منجی خدا وند کا جسن ہے ، اگریم خدا وند کواس
سے جبن سے افصل سمجھو گے ا دراس پر ایمان لا دیگے تو زمین ہیسنٹہ آبا درہے گی، اوراگر
سم ایمان بذلا سے اوراس کی بات بنسنی تو غیر قوموں کے لئے ہنسی بذا ق بن جا دیگے ،،
و آئی ٹیکر کا خیال ہے کہ یہ عبارت کتاب تحورار جا باب اس اس اس و ۲۲

کے درمیان تھی، اور ڈاکٹر آی کلارک نے بھی جنبٹن کی تصدیق کی ہے " جنٹن شہید قرونِ اولی کاممتاز عالم ہے، مذکورہ اقتباسات سے یہ تابت ہو گیا کہ

اس نے یہوداوں پریہ الزام لگایا تھا کہ انھوں نے حصرت سے کہدت سی بشارتیں کتب مقدسہ سے نکال دی تھیں، سلم جیس، کریپ، و آئی طیکرا در آئ کلارک نے بھی اس کی تأثید

مقدسہ سے مکال دی تھیں، سکبرعیس، کرئیب، وائی تیکرا درای مطارک کے بھی اس تی آپ کی ہے، اور واٹسن نے پیربھی کہاہے کہ یہ بشارتیں بھیٹن اورار تینوس کے زمانہ میں ہائیل میں

موجود تحيين، أكرج آج بحروه بأنبل مين موجود نهين بين،

کے بھرس کی عبارت یہ ہے ہے کہ خود وں کو بھی خوس خبری اسی لئے سُنائ گئی تھی کہ جم کے کھاظ سے توآ دمیو کے مطابق ان کا انصاف ہو، لیکن وقع کے کھاظ سے خدا کے مطابق زندہ رہیں 2 (۱- پیطرس ، ۲۰)

شاه اناسطیتوس کے حکم سے راس زمانہ میں جب کہ مسئلہ قسطنطنید کا حاکم تھا) یہ فیصلہ کیا گئی ہیں ،، فیصلہ کیا گیا کہ یہ درست نہیں ہیں،اس لتے دوبارہ میچے کی گئی ہیں ،،

اب ہم کہتے کہ اگر یہ انجیلیں درست اور الہامی تھیں اور اسی باد شاہ کے عہد میں معتبر سند سے یہ ثابت ہو چکا تھا کہ متقد مین کے نز دیک یہ حواریوں اور ان کے تا بعیدن کی تصانیفت ہیں، تو بحر صنفین کی اس جہالت کے کوئی بھی معنی نہیں ہیں کہ اس کی دو با رہ تصبح کی جائے ، اس سے ثابت ہوتا ہے کہ اس زمانہ تک ان کی سنا دُثا بت نہ تھیں اولہ وہ اُن کے الہامی ہونے کے معتقد بتھے ، اس لئے اپنی امکانی حد تک اس کی غلطیوں اور در شن کیا، تنا قضات کو در ست کیا،

غرض تخریف کامل درجہ میں ثابت ہوگئی، اور میر بھی ثابت ہوگیا کہ یہ کتابین ثابت بالاسسناد نہیں ہیں، اور میر بھی ظاہر ہوگیا کہ بعض اوقات جو علما پر وٹسٹنٹ یہ دعولے کرتے ہیں کہ کسی بادشاہ یا حاکم نے کسی زمانہ میں بھی مقدس گرہے میں کوئی تصرف نہیں کیا، یقطعی باطل ہے، اور میر بھی ظاہر ہوگیا کہ اکہ آرن اور بہت سے متأخرین جرمنی علماء کی دائے انجیلوں کے بارہ میں بڑی قوی اور جیجے ہے،

مقصیرا و ل کی دوسری شہادت میں معلوم ہو چکا ہو کہ آگے آن اور دوسے مقدمن عيساني كهاكرتے تھے كربيوديوں نے تورتيت بيں اس لئے تحريف کی رتا کہ بونانی ترحمبرغبرمعتر قرار دیاجا ہے، اور ندہہبعیسوی کےساتھ عناد و دستمنی محمل ہوجاتے، یہ تخرلین ان سے سلام میں صادر ہوئی محقق ہلیز اور کئی کا طب کی رائے بھی متقدمین کے موافق ہے، ہلترنے توسامری نسخہ کی صحت دلائل قطعیہ سے ثابت کی ہے، کنی کا ہے کا بیان ہے کہ یہو ریوں نے جان بُوجھکر تورست میں تحریف کی، اورعہ عثیق وحديد كى كتابوں كے محققين كى يرائے بے نيادي، سامريوں نے عمداس ميں تحرافيت كى ہے، مقصداد ل کی شہادت ممبر میں معلوم ہو جیکا ہے کہ کئی کاطب نے سامری رسوال قول نخ کی صحت کا دعویٰ کیاہے، اوربہت سے دگوں کی رائے یہ ہے کہ کئی کاشے دلائل لاجواب ہیں، اوران کاخیال بہی ہے کہ بہودیوں نے سامریوں کی عداد میں تورثیت کی تحرافیت کی سے، گیار بروان قول مقصدا قال کی شهادت بنبراا مین معلوم بوجیکا ہے که آدم کلارک ا نے اس امر کا اعترات کیاہے کہ عہد عنین کی کتب توایخ کے بهت سے مقامات میں بے شمار سخر لفات واقع ہوتی ہیں، اوران میں تطبیق دیزی کوشش بے سود ہے، اوراچھا یہی ہے کہ شرق ہی ہیں اس بات کومان نیاجائے جس کے انکار کی قدرت مذہو، شہادت بنبر ۱ میں اس کا بیا قرار معلوم ہو چکا ہے کہ تاریخی کتابوں کے اعداد میں سخریف واقع ہونے کی وجہسے اکثر مقامات پرہم کو فریا دکرنی پڑی ہے، بار بروان فول مقصراد لى شهادت تنبر ٢٢ بن آب كومعلوم بوجيكا بيري آمكاك انے اسی راسے کو ترجیح دی ہے کہ میہو دیوں نے اس مقام برعرانی تن میں اور رونانی ترجمیں جان بو حیکر تحریف کی ہوجیا کہ دو سے مقامات پر بھی قوی مگان ہوتا ہے،

له ملاحظه وصفح جدابذا که صفح جدابذا که ملاحظه وصفح جدابذا که دیکھے صفح جدابذا که دیکھے صفح جدابذا

116 مقصیرا وّل کی شہا دت تمنیر ۲۳ میں یہ بات معلوم ہوجگی ہے کہ ہوران نے بار او ہیات میں مہود یوں کا تحرفیت کرنا تسلیم کیا ہے، مقصداً ن كى شهادت تنبلرس يه معلوم بو حيات كركيتهولك ك الرجلنه ان شات كتابول كى صحت براجاع واتفاق كيا ہے جن كى تفصیل وہاں موجودہ ہے، اسی طرح اس کے اہما می ہونے میں اور لاطینی ترجمہ کی صحت پر بھی اتفاق کیاہے، ا د حرعلا برونسٹنٹ کا قول پہنے کہ یہ کتا ہیں فحر ف اور داجب الرّ دہیں، اوراس ترجمہ میں یا بخویں صدی سے بیند رہوں صدی تک بے شمار بخریفیں اور الحاقات ہو ہیں، اور لاطینی ترجمہ کے برابر کسی بھی ترجمہ میں اس قدر کے لیے: نہیں ہوئی، اس کے نا قلین نے برط ی بیبا کی کے ساتھ عہر عتیق کی ایک کتاب کے فقرے دو سری کتاب میں شامل کردیتے، اسی طرح حواشی کی عبارتوں کومتن میں داخل کردیا ہے، مقصد منبرس كى شهادت منبرات سيمعلوم بوحكاس كرادم بندر موال فول کلارک نے کئی کاطے کی طرح اس قول کو ترجیح دی ہے کہ یہو دبوں نے پوسکیفس کے دُورسی سے جا ہاکہ کتب مقدسہ کومن گھڑت دعاؤں اور گانو ادرنئی نئی تراسشیرہ با توں کے ذریعہ آرا ستہ کیاجائے ، ان بے شمارا لحاقات پر نظر النے جو کتاب استرمیں موجود ہیں، اور مترا، ب اورعور توں کے واقعات اور اس صرقہ کی طرف بھاہ کیجے جو غزرار اور تخمیآہ کی کتاب میں بڑھائے گئے ہیں جبر کا نام موجوده دُور میں عربرا رکی نہیلی کتاب مشہور ہے ، اور ذیرا ان گاتوں کو دیکھھتے جو كتاب دانيال ميں برط هائے گئے ہيں ، اسى طرح دہ بے شمارا لحا قات جو كتا تسيفير يں موحود ہيں،

ہم کہتے ہیں کہ چونکہ اس قسم کی تحریف کتا بوں کی زمینت کا سبب تھی، اس کئر ان کی نگاہوں میں یہ کوئی معیوب حرکت نہیں تھی، جنانج وہ بیدھ کا محرکتے لفتے کر تھے اله يعن اياكرفا (APOCRYP/1A) ك ديكھ صفح ١٢٨ و ٢٨٠ و ٢٥٠ مك ديكھ صفح ١٤٢ جلد ہذا، بالخصوص جبکہ آن کو اس شہور سلم مقولہ برعل کرنا ہوتا ہے اجب کا ذکر قول بخرا میں ہو چکا کے اس بنار پر بعض سخ یفیں تو اُن کے خیال میں دینی سخبات شار کی جاتی تھیں، سیولہواں قول اس مقصد بخرہ کی شہادت بنہروا) میں معلوم ہو چکا ہے کہ آدتم کلارک سیولہواں قول اس امرکا معرف ہو کہ اکثر فضلار کی دائے یہ ہے کہ موسی علیاسلا کی پانچوں کتا بوں کے حق میں نسخہ ساتھ میں مشادت بات ہو چکا ہے کہ کتاب آیوب سیم ہو جاتی ہو ہو کا اور تعدین کے بونانی ترجم کے آخر میں جو تتمہ موجود ہے وہ برد ٹسٹنٹ فرقم کے نزدیک جبلی ہے ، حالا نکہ تتمہ میں جاتی ہو گھا گیا تھا، اور جواریوں کے زمانہ میں مذکورہ ترجم میں داخل تھا، اور تعدین کے نزدیک مسلم بھی تھا، مقول میں موجکا ہے کہ کہ ہودیوں نے بہت سی تنا ہیں کرتر اسٹم کا قول معلوم ہو چکا اس کے میں دیانی اپنی عفلت یا ہر دیانتی اس کو کہ بہودیوں نے بہت سی تنا ہیں اپنی عفلت یا ہر دیانتی اس کو کہ بہودیوں نے بہت سی تنا ہیں اپنی عفلت یا ہر دیانتی

ی وجہ سے صنائع کر ڈالی تھیں ، بعض تُتابوں کو تو بھاٹ ڈالا، اور تعبض کو حبلادیا، فرقہ م کیتھولک کے نزدیک اس کا قول را جے ہے ،

موردن این تفسیر کی جلد ۲ میں یونانی ترجمه کاحال بیان کرتے اور کی این کا ہوئے کہتا ہے:۔

" نه نزحمه بهبت پر آنا ہے جو پہو دیوں اور متقدین عیسا یکوں کے پہاں ہے حرفقبول اور معتبر تھا، اور دونوں فرلین کے گرجاؤں میں پڑھا جا آا تھا، اور عیسا یکوں کے مشا کخ نے خواہ وہ لاطینی ہوں یا یونا فی صرف اسی ترجمہ سے نقل کیاہے، اور ہروہ ترجمہ جے عیسائی گرجاتسلیم کرتا ہی سوائے ہمریانی ترجمہ کے دہ اسی یونانی ترجمہ دوسری زبانوں میں منتقل کیا ہے، مثلاً ترجمہ عوبیتہ آرتمینیہ اور ترجمہ آتھو پک اور اطان کے ترجمہ اور لاطینی ترجمہ جو جیر آدم سے پہلے مستعمل تھا، اور صرف

له بعن افلاً كون اور فيتاً غورس كامقوله جس مي جهوط بولغ كومنخب قرار دياً گيا بي ديجهة صفح ١٣٠٠ ، كه ديجهة صفح ١٠٠٠ حبله مذا ، كه ديجهة صفح ١٠٠ و١٠ حبله مذا عمله ديجهة صفح ٢٢١ و٢٢٠ جبله مذا ، يهى ترجمه آجتك يونانى اورمشر قى گرجاؤں ميں برمصايا جاتا ہے "

پھرکہتاہے کہ :۔

"ہمارے نز دیک سچی بات یہ ہے کہ ٹیم سینے کی ہیدائش سے ۲۸۵ سال یا ۲۸۶ سال قبل ترجمہ کیا گیاہے "

پھرکہتاہے کہ:۔

"اس کے کمال ہمرت کے لئے صرف یہی ایک دلیل کافی ہے، کہ عہد جدید کے صنفین نے صرف اس ترجمہ سے بہت سے فقر نے نقل کئے ہیں، جیروم کے علا وہ ور تمام گذر شدتہ عیسائی مشائخ عرانی زبان سے نا وا قعن تھے، اور دوسے رنقب کرنے ہیں یہ لوگ ان اضخاص کی اقتداء کرتے تھے جفوں نے اہمام سے کتابوں کو کھا ہے، اور یہ حضزات اگرچہ دین کے وائزہ میں مجہدانہ منصب رکھتے تھے، گر اس کے باوجو داس عرانی زبان سے جو شام کتابوں کی بنیاد ہے محض نا وا قعن تھے، اور اپنے تمام مقاصد و مطالب بین اس کے عروب سمجھتے تھے ، اور اپنے تمام مقاصد و مطالب بین اس کی تعظم کرتا تھا ، اور اس مقدس سمجھتا اور اسس کی تعظم کرتا تھا ، " تعظم کرتا تھا ،"

ا در بچر کہتا ہے کہ :۔

"اوریہ ترجہ یونائی اور لاطین گرجوں میں سیارہ تک پڑھا جاتارہا،اوراس سے سندلی جاتی تھی، نیز پہلی صدی میں بہوریوں کی عبادت گاہوں میں بہی ترجہ معتبر مانا جاتا تھا، مگر بھرجب عیسائیوں نے اس ترجہ سے بہودیوں کے خلا استدلال کرنا مثر وع کیا تو بہودیوں نے اس ترجہ کے خلاف زبان درازی فی استدلال کرنا مثر وع کیا تو بہودیوں نے اس ترجہ کے خلاف زبان درازی فی کی کہ یہ عبرانی متن کے موافق نہیں ہے، اور دوسری صدی کی ابتداریں اس کی کہ یہ عبرانی متن کے موافق نہیں ہے، اور اس کوچھوٹ کرا بکو تسلاکے ترجہ کو بہت سے فقرے اور جلے خارج کردیئے، اور اس کوچھوٹ کرا بکو تسلاکے ترجہ کو بست میں نے اور عیسائیوں کے بہاں بھی صدی عیسوی تک مستعل اور عیسائیوں کے بہاں بھی صدی عیسوی تک مستعل اور عیسائیوں کے بہاں بھی ایک مدت تک مرقب دیا، اس لئے اس کی بہت

نقلیں ہوجگی تئیں، اور بہودیوں کی مخریف اور کا تبوں کی غلطی، نیز شرح اور حاستیہ کی عبارت کومتن میں داخل کرنے کی دج سے بے شار غلطیاں بیدا ہوگئی ہیں، فرقہ کی تتولک کا بڑا عالم وارڈا بین کتاب مطبوع مراسم کی کے صفحہ ۱ بریوں کہتا ہے ؟' مشرق برد بینوں نے اس میں مخرلف کرڈالی " اب فرقہ پر ڈسٹنٹ کے محقق کے اعر اف سے یہ بات ثابت ہوگئی کہ بہو دیوں نے جان بوجھ کر تور نتیت میں مخرلف کی، کیونکہ بہلے تو دہ کہتا ہے کہ :۔ جان بوجھ کر تور نتیت میں کتر لیوں نے اس کے اس کے اس کے بہت سے فقر سے اور جلے خابے کرنے نشر دع کر دیتے متھے ، اور جلے خابے کرنے نشر دع کر دیتے متھے ،

"يہوديوں كے قصداً تحرليت كرنے كى وجہ سے الخ " ا دریہ سخرلین اُن کی جانب سے مزہب عیسوی کی دشمنی کی بنار برصادر ہوئی جیسا ان کے محقق کے کلام میں تصریح موجود ہے، اس لئے اس فرقہ کو یہودیوں کے قصراً مخ لین کرنے کے واقعہ سے اب کوئی اٹکار کی گنجائٹ باقی نہیں رہی، اسی طرح فرقہ کیتھولک کے نز دیک یہ قصارٌ می تحرلیٹ مسلم ہے ، گویا دونوں حرلیٹ تحرلیٹ کے معتر ہیں' ابہم فرقہ پر وٹسٹنٹ کے اقرار کی بنا پر کہتے ہیں کہ جب بہودیوں نے اس منہور ترجمه میں جواُن کے تنام گرجوں میں چو تھی صدی تک ستعمال کیا جا تارہا بلکہ مشرق مغز سے تمام عیسایئوں کے گرجوں میں مردّج رہا، محصن مذہب عیسوی کے عناد میں تحریف كى تھى، اُن كوية خدا كاخوت ہوا اورية مخلوق كے طعن كاخيال بيدا ہوا ، اوراُن كى تحريف کا اثرا س مشہور ترجمہ میں موجو دہے، تواس کا یقین کیسے کیا جا سکتا ہے کہ انصول نے اس عبرانی نسخ میں سخر لیب نہ کی ہو گی، جوان کے پاس موجو دیجا، ا درعیسا تیوں میں تو دہ شائع ہواہی نہیں تھا، بلکہ دوسری صدی تک اس کا رواج بھی اُن سے بہاں نہیں ہوا تھا، خواہ یہ تخرلف دین ہے کے عنادی بنار پر کی گئی ہمور جیسا کہ متقتر میں کی راہے ہے، نہیے آدَم كلارك كارا جح مسلك ، جبيها كه مقصراة ل كيشها دت تمبر٢٢ مين معلوم موجيكا بي،

اسی طرح ہور ن نے بھی باد جود اپنے تعصر ہے و مقامات براور آ کھٹائن نے ١٢ آيات بين اس كا اعتراف كياہے، جيسا كەمقصدادّ ل كي شهادت بنبر٣٣ اور تول تنبر سلامیں معلوم ہو چکاہے) ۔ یا یہ سخ لیف سامریوں کی دشمنی اور عداوت کی وجہ سے کی ہو' جیساکہ کئی کا اور آ دم تعلارک کا نیصلہ ہے، اسی طرح بہت سے علما رکا جیسا کہ مقصارول کی شہاد^{نے} ادر قول نمبزامعلوم ہو چکا ہے ہنواہ آبس کی شمنی کی بنا رپر حبیبا کہ پہلی صدی اور س ے بعد والے زمانہ میں عیسائیوں کے فرقہ کی جانب سے سخر لیف کا ارتکاب کیا گیا ہجس کی تفصیل گذمشتہ اقوال میں معلوم ہو حکی ہے، ادر عنقریب آپ کو قول تنبر ۳ میں یہ ہے معلوم ہونے والی ہے، کیونکہ یہ قصدی تحریف ان دیندارعیسایتوں نے کی ہے جواپنے خیال میں سیجے تھے، اورمحض اُن دوسے عیسائیوں کی مخالفت میں انھوں نے اس نحر لین کا ارتکاب کیا، جواُن کی نظرمیں برحق نہ تھے، اور اُس میں ذرائجھی تعجب اس لئے نہدیں کہ اُسکے نز د بك تحريف متحبات دين مين شمار بهوتي تقي، اور ديا نت كاعين مقتصى جاتي تقي، ياا در دوسے اسباب کی ہنار پرجواس دُور میں تحرایت کے مقتصنی ہوسکتے تتھے بحریف کی گئی ہے،

يبود بول كى تخرلف كے بالے میں ایک بہودی عالم سلطان بایز بدخاں مرحوم کے عهد مین مشرف باسلام بهوا، حبس کانام ا بردی عالم کی شہماد عبدالتلام رکھا گیا، اس نے یہودیوں کے

رُ دیں ایک چھوٹا سار سالہ" الرسالۃ الہادیہ"کے نام سے تالیف کیا، جو تبین قسموں پر شتمل ہے، اس رسالہ کی تبیسری قسم میں یہود پول کے تورتیت میں سخر لیف کرنے کی نسبت وه لِکھتاہیے:

ستورتيت كىست زياده شهورتفسيروه سع جوتلوزان كام سامنهورس، ادر شاہ تکیا تی سے عہدمیں کی گئی ہے، جو بخت نصرے بعد ہواہے، اس میں یوں لکھا ہے کہ شاہ تھائی نے ایک مرتب علمار بہودسے توریق طلب کی،علماراس کوبیش

ك سلطان بايزيدخان بن محدفاقي ، تركى عميم وعثماني سلطان رمر حكومت از مين ارتاع استاهام ١٢ تقى

کرتے ہوتے ڈرتے تھے،اس لئے کہ بارشاہ اس کے بعض احکام کا منکر تھا، چنا بنچ سنٹر علما ہر بہود نے جمع ہوکر اُن عبارتوں کو بدل ڈالا،جن کا وہ منکر تھا، کھسر جب اُن کا اس سخ لھن کی نسبت اعترات موجود ہے توالیسی کتاب کی کسی ایک آیت پر بھی کس طرح اعتبار واطینان کیا جا سکتاہے "

کیتھولک علمار کے قول کے مطابق ہم ان سے کہتے ہیں کہ جب مشرق کے برد میوں کے اس ترجمہ کربھی بدل ڈالا جو عیسائیوں میں مشہوراور مشرق و مغرب کے گرجوں میں رائح تھا یا لافھوں تمھانے گرجوں میں سنتھی رہا ہے ، جیساکہ محقق ہو آن نے ثابت کیا کہ اوران کی سخ لیون کا اثراس کے نسخوں میں ظا ہر ہوا تو بھر علماء پروٹسٹنٹ کے اس قول کی ترجمہ میں سخ لیون کی ہے، جو تمھانے گرج تردید کیونکہ کی جا، جو تمھانے گرج میں را بچ تھا، نہیں خدا کی قسم یہ لوگ اپنے دعود ل میں سیخ ہیں "

برسواں قول انسائیکلو بیٹریارٹس کی جلد ۴ میں بٹیلٹ کے بیان میں کہاگیاہے کہ:۔ برسواں قول سے اکٹر کتی کا طرکت کے جانبے موجود ہیں، ڈ

جوسنائ ادرسن کاع کے درمیاں لکھے گئے ہیں، اس کی دلیل بیش کرتے ہوئے ہمائے کہ وہ سام نسخ جوسنکہ عیا آتھویں صدی میں لکھے گئے تھے وہ بہو یو کہ مجاہر شور کی کے حکم سے صفائع کر دیئے گئے تھے، اس لئے کہ وہ اُن کے معتبر نسخوں کے سخت منا لفت تھے، اس وا قعہ کے بیش نظروالسن بھی ہمتاہے کہ جن نسخوں کے سخت منا لفت تھے، اس وا قعہ کے بیش نظروالسن بھی ہمتاہے کہ جن نسخوں کی کتا بت ہر ۱۰۰ سال کاع صد گذر حکاہے وہ کمیاب ہیں، اور جو ۱۰۰ یا ... مسال قبل کے لکھے ہوئے ہیں وہ تو یا لکل نایاب ہیں،

غور کیجے کہ داکر گئی کا طرح ہر فرقہ ہر والسطن کو عہدعتین کی کتا ہوں کی تھیجے کے معاملہ بین متحل اعتماد ہے ، یہ اعتراف کرتا ہے کہ جو نسخے ساتویں یا آسطھویں صدی کے معاملہ بین متحل اعتماد ہے ، یہ اعتراف کرتا ہے کہ جو نسخے ساتویں یا آسطھویں صدی کے لکھے ہوئے ہیں اُن تک ہما رمی رسائی ہمیں ہوسکی ، بلکہ ہم کک صرف وہ نسخے ہنچ سے بی لے اظہارالی کے نسخوں میں یہ لفظ اسی طرح ند کورہی ، نسکین کتا ہے انگریزی ترجم میں اس کی جگہ مناب کا معابی جو معلوم ہوتا ہے ، شایدع دی نسخوں میں یہاں طباعت کی غلطی ہوئی ہے ، ا

جوہزار دیں اور حدد ہویں صدی کے درمیان سے تھے ہوئے ہیں، اور اس کا سبب بھی بیتان ارتاہے کہ میمودیوں نے اس سے پہلے کے تمام نمنے ضائع کردیتے تھے، کیؤنکہ وہ سب اُن کے بترنسخوں كے سخت مخالف تھے، والسن بھي حرف بہحرف اس كى تائيد كرتاہے، اب ہم کہتے ہیں کہ ان نسخوں کونا ہید کرنے اورصائع کرنے کا واقعہ بھتینًا ظہور محری صلیات علیہ وسلم کے دوسال سے بعد بینی آیاہے ، محرجب وہ تمام نسخ جوان کے نسخوں کے مخالف تھے صفحات ِعالم سے مِمط سِحّے، اور اُن کی تحریف کااثراس درجہ تک بہنچ گیا، اور اُن کے پاس فنز وسی نسخ بانی رہ گئے ، جو ان کولیسند تھے، تومعلوم ہواکہ ظہور محدّی کے بعد بھی ان کوال سخول میں تخرلین کرنے کی بڑی گنجائش اور سازگار ماحول نصیب تھا، اس بتے اُس سے بعد اُن کی سخر لیٹ کچھ بھی ستبعہ نہیں معلوم ہوتی، ملکہ سچتی بات تو یہ ہے کہ طباعت کا فن ایجباد ہونے سے قبل اہل کتاب کی تمام کتا ہوں میں ہرقرن میں سخ لیٹ کی کا فی صلاحیت اور کھنجات رہی ہے، بلکہ تماشاتو ہے ہے کہ طباعت کا سلسلہ جاری ہونے کے بعد بھی وہ مخرلین سے نهجهی بازآتے، اور مذاس میں اُن کو کہی کوئی باک ہوا، جیساکہ ناظرین بو تھرکے بیروزل كاحال اس كے ترجمہ كى نسبت مقصر ٢ كى شمادت بمبرا٣ ميں سى چى يہن، غستر ہارسلی اپنی تفسیر کی حلد ساصفحہ۲۸۲ پرکتاب توشع سے مقدمہ ر میں کہتاہے کہ :۔

" بات کہ مقدس متن میں تحریف کی گئی ہے بھینی اور شبہ سے بالا ترہے، نیز نسخوک اختلاف سے بالکل نمایاں ہے، کیونکہ مختلف عبار توں میں میچے عبارت صرف ایک موسطی ہوسکتی ہے، اور یہ بات قیاسی بلکہ بھینی ہے کہ بدترین عبارتیں بعض اوقا می طبوعہ متن میں شامل کر دی گئیں، مگراس دعوے کی کوئی دلیل مجھ کونہ میں مسلی کہ کتا موشع میں بائی جانے والی سخ لفات ہے جبرعین کی تمام کتابوں کی تحریفات سے زیادہ ہے"

که صفح ۱۸۱ جلد بذا، ان حضرات کاید عمل آج تک کس طرح مسلسل جاری ہے ؟ اس کالیک اندازہ کرنے کے لئے ۲۸۱ جلداد ل کاحک شیدہ ملاحظ فر مایتے، ادر ۱۹۵۵ء کے طبع شدہ با تسبل دارد د ترجمہ) میں ستثنار سے کا مقابلہ کسی بھی سابقہ ترجمہ سے کر لیجئے ،

کے حلبہ اصفحہ ن۲۷ پر رفعطراز ہے:۔

سے بھی برترین حالت میں تھیں ،جوعزراء کی تھیجے کے بعد وجو دمیں آتے "

دالتن این کتاب کی جلد ۳،۳ میں یوں کہتا ہے کہ:۔ "ایک مدّت دراز تک آر سیجن ان اختلافات کی شکامیت کرتارہا

اور مختلف کے باب کی جانب ان کو منسوب کرتارہا، مشلاکا تبوں کی غفلت یا مشرارت اور لا پر داہی، اسی طرح جردم کہتا ہے کہ جب میں نے جہ دِجدید کے ترجم کا ادادہ کیا تو میں نے اس کا مقابلہ اس نسخہ کیا جو میرے پاس موجود کھا،

توان مين عظيم الشان اختلاف بايا ،

تبينسوان قول آدم كلارك ابنى تفسير كى جلداول كے مقدم ميں كہتاہے كه . _ "بينسوان قول المجيرة م سے پہلے لاطبين زبان ميں مختلف ترجموں سے بہلے لاطبين زبان ميں مختلف ترجموں سے بے شاد

تراجم موجود تھے اور لعبن میں توانہ مائی مشرید تخریف موجود تھی، اور ایک مقام دوسری جگہ کے سخت مناقص تھا، جیساکہ جیروم غریب فریاد کر رہاہے ؟

دآرڈ کیتھولک اپنی کتاب مطبوع مراس کی اور امین کتاب کے سفیری اور امین کتاب کے صفحہ کا در امین کتاب کے صفحہ کا برکہا ہے گئے۔ "ڈاکٹر ہمقری نے اپنی کتاب کے صفحہ می ایر کہاہے کہ ہو تو

چوببيسوال قول

کے اوہام نے عہد عتیق کی کتابوں کے بعض مقامات پرایسی سے بھت کی ہے کہ بڑے ہے والوں کو باسانی بترجل جاتا ہے ، پھر کہتا ہے کہ بہد دیوں نے مصلے کی بشار توں کو بکل ہی اورایک بیر دیوں نے مصلے کی بشار توں کو بکل ہی اورایک بیر وٹسٹنٹ عالم نے بیان کیا کہ قدیم مرتر جم اس کو ایک بنج سے بڑ ہتا ہے تو موجودہ بہودی اس کو دوسے طریقہ سے بڑ ہتا ہے ، میری دائے یہ ہے کہ بہودی کا تبول اوران کے ایمان کی جانب غلطی منسوب کرنا بہ نسبت قدیم مرتب می جمالت یا تسابل کی طری منسوب کرنا و دوسے کے ذبور کی حفظت جمالت یا تسابل کی طری منسوب کرنے کے زیادہ بہترہے ، اس لئے کہ ذبور کی حفظت ممینے سے قبل بھی بہودیوں کے یہاں اُن کے گاؤں کی بنسبت کم سمی ،

110 فيلبس كواد نولس يادرى في ايك كتاب احر شركفين بن رين العابري اصفهان كى كتاب كے روس خيالات كے نام سے تكھى تھى، جو الله الله على تحقيق ہے، وہ اس كى فصل بنبرا بين كهتا ہے كه: ر " نسخ تَصَاعِبه بالخصوص كمَّا بِسَلِمان مِن بِي شَمَارِ يَحْ لِهِتْ يَانُ جَاتَى ہِي، رَبَاقيلا نے جو کلیس کے نام سے مشہورہے یوری تورتیت نقل کی، اسی طرح رب تونظابی یا نے کتات یوشع بن نون ادر کتاب القضاة وكتاب السلاطين، كتاب اشعيار اور دوسے سیخیروں کی کتابیں نقل کیں، اوررب یوسف نابینانے ز توروکتاب ایو وروت واستروسليمآن كونقل كيا، ان تمام ناقلين في تحريف كي اورهم عيسايتون نے ان کتابوں کی محافظت اس لئے کی تاکہ یہودیوں پر سخ لفت کاالزام قائم کرسکیں حالاتكه أن كى جمواتى باتون كوتسليم سين كرتے " یہ دیکھے ستر ہویں صدی کایہ ہا دری کس صفائے سے میرو دیوں کی سخرلیف کی شہادت دے دہاہے ، ا ہور ن حب لد کے صفحہ ۱۸ پر کہتا ہے کہ:۔ وال فول الحاق كے سلسلميں يہ بات مان لين چاہئے كم تورتيت میں اس قسم سے فقرے موجود ہیں " تجرحلد٢ صفحه ٢٨٨ ين كهتاب كه: -"عبران متن میں تحسر بعب کر دہ مقامات کی تعداد کم ہے " يعن صرف نوب ،جيساكم مم يهلے بيان كر يج بين، اسلطان حبيس آق ل مے درباريس فرقه بروٹسٹنط كى جانسے ايك ایک درخواست اس مصنمون کی بہو بخی تھی کروہ زبر آس جو ہمار

له عربی نسخون میں ایساہی ہی انگریزی مترجم نے پہال کستدی نسخ کا ذکر کیا ہی ۱۳ سے کے جیس اوّل غالبًا اس کے مورد من کے ایک ایس کا دکر کیا ہی ۱۳ کے جیس اوّل غالبًا اس کے مرد جیس فالخ رہے کا جیس اول برطات کے دیم میں اور جیس فالخ رہے کا جیم جی کا دراسکا کے لیندورس میں ہوئے ہیں ۱۲ کا دراسکا کے لیندورس میں ہوئے ہیں ۱۲

کتاب انصلوۃ میں داخل ہیں دہ زیا دتی اور کمی اور تغیروتبرّل کے اعتبار سے عمرا نی سے دوسومقامات بين مختلف اورمخالف بهن، المستركارلائل كمتاب كه:-" انگریزی مرجمول نے مطلب خبط کر دیاہے ،حق کو جھیایا اورجا ہلوں کو دھوکا دیا، اور انجیل کے سیدھے سادے مضمون کو بیجی دینا ڈالا، اُن کے نزدیک تاریکی روشنی سے بہتر اور حجوط سے سے افضل ہے " ا مسطر بروطن نے جو کونسل کے ارکان میں سے تھے، جدید ترجمہ کرنے کی درخواست کی تھی، کیونکہ انگریزی میں جو ترجمہ مرقب ہے وہ غلطیوں سے لبریز ہے، اور یا در یوں سے کہا کہ تمھا دے مشہورا گریزی مترجم نے عهدعتیت کی عبار نوں میں آٹھ ہزارجا رسوا سی مقامات میں مخربیت کی ہے، اوراس طرح وہ بے شمار انسانوں کے عہد جدید سے منحوت ہونے اور جہتم میں داخل ہونے کاسب بناہے، تینوں اقوال جو تمبر ۲۷، ۲۸ و ۲۹ میں درج ہیں، ہم نے وارڈ کیتھولک کی کتا ہے نقل کئے ہیں، تطویل کا اندلیثہ ہم کو دوسے اقوال سے نقل کرنے سے مانع ہوتا ہے، ان میں سے اکثر مقاصر ثللہ کی شہاد توں سے واضح ہوجائیں گے، ابہم صرف ایک قولے نقل کرنے پراکتفا کرتے ہیں،جس میں مخرلین کے اقسام دا نواع کا اعتراف موجو دہم اس سے بعد دوسے اقوال کے نقل کرنے کی چنداں صرورت نہیں، موگی، اس طرح محل ا قوالی کی تعداد تبیش ہوجائے گی، مور ن ابنی تفسیر کی جلد ۲ باب ۸ میں دیرائی ریڈ بگ کے وقوع کے اساب میں جس مے معنی اس مغالطہ کے جواب کی ابتدار میں ناظرین کو بتائے جاچکے ہیں، کہتاہے کہ اس کے وقوع کے کھار سباب ہیں، ہوران کی نظر میں نخرات کے ہے۔ سبسب اوّل کاتب کی غلیطی ادراس کی مجول ؛ جس کی چند صورتیں ہیں :۔

ادّل یه که کاتب کوجی شخص نے تکھوایا اس نے جوچاہا لکھ دیا، یکا تنب اس کی بات
پولے طور پرید سمجھ سکا، اس لئے اس نے جو پکھ سکتا تھا کِکھ مارا،
دوسے و کے ای اور یونا نی حروف ہمشکل اور ملتے جُلے تھے، اس لئے ایک کے بجا دوسے کو کِکھ دیا،

تبسرے، کانب نے اعراب کوخطسمجھا، یا اس خط کوجواس پر لکھاجا آیا تھا حرف کا جُرُدُ سمجھ لیا، یا نفس مضمون کوسمجھ کرعبارت کی اصلاح کرڈوالی، اوراس میں غلطی کی،

چوتھے، کا تب جب ایک مقام سے دوسری جگہ بہنچا تواس کواحساس ہوا، کیکن اپنے لکھے ہوتے کو کا شنامناسب مذہبچھا، ادرجومقام متروک، ہوگیا اس کو دوبارہ لکھ دیا اور پہلی تحریر کو مجوں کا توگ دیا،

پانچوں، کا تب ایک بات کو حجو ڈگیا تھا، بھر دوسری بات ککھنے کے بعد اس کو احساس ہوا تو ممرز دکہ عبارت کو اس کے بعد لکھ دیا ، اس طرح ایک عبارت ایک جگہسے دوسری جگہ منتقل ہوگئی ،

تَجِيعُ ، كاتب كى نظراتفا قَاجُوك گئى ، اور دوسرى سطر سرچا بڑى ، اس لئے كچە ... عبارت رەگئى ،

ساتوس، کاتب کو مخفف الفاظ کے سمجھنے میں غلطی ہوگئی، ادراس نے اپنی سمجھے مطابق اس کو لکھ ڈالا،

آطھوں ، اختلاف عبارت کے داقع ہونے کا بڑا منشار کا تبول کی جہالت اور غفلت ہی کہ انخوں نے حاشہ یا تفسیر کی عبارت کا جُرُز دمتن سمجھ کراس میں شامل کردیا، نخفلت ہی کہ انخوں نے حاشہ یا تفسیر کی عبارت کا جُرُز دمتن سمجھ کراس میں شامل کردیا، نخسر اسبر سمج ننج منقول عنہ میں کمی واقع ہونا، اس کی بھی چندصور تیں ہیں ، بحض مرتبہ حروف کے اعواب مطابع یا دوسری جانب کسی دو سے صفح پر اُبھو آیا اور دوسے صفح کے حروف کے سکھ اس کی دوسری جانب کسی دو سمجھ لیا گیا،

تعصن اوقات جھوٹا ہوا نقرہ حاس^شیہ پر بغیر کسی علامت سے لکھا ہوا تھا،

دوسے کاتب کوریان معلوم ہوسکا کہ اس فقرے کوکس جگہ لکھا جانے او رغلطی کرگیا، اسمری خیالی تقییح واصلاح ہے، اس کی بھی چندصور تیں ہیں ؛ بعض مرتبه کاتب نے اتفاق سے شیحے عبارتوں کو ناقص مجھا کیا سمجھنے میں غلطی کی بیا پیخیال کیا کہ عبارت قوا عدکے اعتبار سے غلط ہی ،حالا نکہ وہ غلط بھی ' بلكه غلطى اصل مصنف سےصادر بہوئی تھی،

دو کے بعض محققین نے غلطی کی اصلاح صرف قواعد کے مطابق کرنے پر اکتفار ہیں کیا، ملکہ غیرفصیح عبارت کو فصیح سے بدل دیا، یا بھرتی کے الفاظ کوخارج کر دیا، یا مراد ف الفاظ كوجن كے درميان كوئى واضح فرق موجود بد تھا، ساقط كرديا،

تیسرے،سب سے زیادہ کثیر الوقوع غلطی یہ ہوئی کہ انھوں نے مقابل فقروں کو برا برکردیا، اس قسم کا تعرف البخیلول میں خصوصیت کے ساتھ کیا گیاہے، اسی دجہ سے پرتس سےخطوط میں کثرت سے الحاقات کئے گئے، تاکہ اس کی وہ عبارت جواس نے عہد عتیق سے نقل کی ہے، یونانی ترجمہ کے مطابق ہوجائے،

چوتھے، بعض محقِقین نے عہرجدید کولاطینی ترجمہ کے مطابق بنا دیا،

چو کھا سبر سے ہوا،خودغرضی کی جانب سے ہوا،خودغرضی کی جانب سے ہوا،خودغرضی کی جانب سے ہوا،خودغرضی کی ا بنارير مهوا مى خواد تحراف كرنے والا ديندارطبقه سے تعلق ركھتا مهو،

بامبتبرعین میں سے،گذمشتہ بدعتیوں میں یہ الزام مارتسیون سے زیادہ کسی کونہیں دیا گیااو^ر ہ اس تنبع حرکت کی وجہ سے اس سے زیادہ کوئی ملامت کا سبتی ہوا ہے،

نیزیہ بات بھی تابت ہو چکی ہے کہ تعصن قصدی سخر لیفات ان لوگوں سے صادر ہوئی ہیں،جن کاشار دینداروں میں ہوتا تھا، اور میتح لفات اُن کے بعداس لئے راجے مترار یائیں کہ اُن کے ذریعیکسی مقبول مسئلہ کی تائیدحاصل کی جاسے یا اس پر واقع ہونے والا کوئی اعتراض د در ہوسکے،

ہورن نے بیشمارمثالیں ان چاروں سباب میں سے ہرسبب کی اقسام کی بیان ی ہیں، تطویل سے اندلیشہ سے ہم انھیں چھوڑتے ہیں، مگروہ مثالیں جن کو دیندار دل کی تحربیت ابت کرنے کے لئے البس نے نقل کیا ہے ، کتاب فاعث سے نقل کرتے ہیں، وہ کہنا ہے کہ:
المشلاً انجیل لوقا کے باب ۲ کی آیت ۳ ہ قصد الجھوڑ دی گئی ، اس لئے کہ بعض دینداروں
نے یہ گمان کیا کہ فرستہ کا خدا کو تقویت دینا اس کی خدائی کے منافی ہے ، اسی طرح انجیل متی
باب اول آیت ۱۹ بین ۱۰ کھھے ہونے سے قبل "کے الفا ظر سجھوڑ دیئے گئے ، اور "اس کا
پہلا بٹیا "کے الفاظ آیت نم ہے " میں ترک کر دیئے گئے ، محض الس لئے کہ مریم می دائمی بکار
بیس شک نہ پیدا ہوجائے ، اور کر نتھ ہوں کے نام پہلے خط کے باب ۱۵ آیت ۵ بین ۱۲کو ۱۱ سے تبدیل
کردیا تاکہ پولس پر جھوٹ بولنے کا الزام نہ لگایا جا سگے ، کیونکی بیہود ۱۱ سکر یو تی اس سے پہلے
مرجیکا تھا ،

نزانجیل مرت باب ۱۳ کی آیت ۲ سی بعض الفاظ مجھور دیئے گئے ، اور بعض مرت بین نے کھی ان الفاظ کو اس سے ردکر دیا ، کہ ان کور خیال ہواکہ ان سے فرقہ ایرین کی تا ٹید ہوتی ہے اور بعض الفاظ کو اس سے ردکر دیا ، کہ ان کور خیال ہواکہ ان سے فرقہ ایرین کی تا ٹید ہوتی ہے اور بعض الفاظ انجیل لوقا باب آیت ۳۵ کے سریانی لونانی عربی ابتھو کب وغیرہ ترجموں اور بعض الفاظ انجیل لوقا باب آیت ۳۵ کے سریانی لونانی عربی ابتھو کب

اله اس آیت بین حفزت میسے علیہ السلام کی مبیدہ بھانسی سے ایک رات قبل بریشانی کے عالم بین جبل زیتوں برجانے کا واقعہ مذکورہے، اور برکہ اگیا ہے کہ ایک فرشند آب کوتقوین دنیا تھا ، آین کے الفاظ ہی ہے صوارہ کے حاشیہ برگذر چکے ہیں، ایک ہارت نے اس آبن کو الحاقی قرار دیا ہے ، نیز اس سلسلہ میں جلدہ باب کے عنو ان سانویں بات میں ۱۵ مارکے حاکمت بر ندرے مفصل بحث ہے آسے ضرور ملاحظہ فرائیں ۱۲ تقی

سله "حب اس کی مان مرمیم کی منگنی بوسف کے ساتھ ہوگئی توان کے اکتھے ہونے سے بیلے دہ روح الفداس کی فدر سے صافہ یائی گئی " (۱۸:۱) ۲۱ ت

سے "اوراكس كورة جاناجب ك اس كے بيان بوا" (١١ (٢٥:١) ت

لله اس كى تشريح صفي ٥٢٨ في برغلطى نمر ٩ كے صنى ميں ديجھے ١١ ت

ہ اس آیت میں ہے '' اس گھڑی کی بابت کوئی نہیں جانتا ، ندا سمان کے فرشنے ،ند بیٹا ، گر باب ' فر فنہ ابرین تنکیٹ کامنکرہے ، الس آیت سے اس کی تاثید ہوتی ہے ، کیونکہ یہاں بیٹے ، اور باب میں کھلی تفریق کی گئی ہے ۱۲ ت

عه اظهارالحق میں الیابی ہے مگرانگرین مترجم نے بہاں KAFF مکھاہے ،

مِن برط هلئ كيا الله

بنربهت سے مرشدین کی نقلوں میں بھی محفی فرقہ یوٹی کمینس کے مقابلہ میں اس گئے بڑھا گئے ، کہ بیز فرقہ اکسس بات کا منکر تھا کہ عبیلی میں دوصفتیں ہائی جاتی ہیں'' عرض ہورن نے کئے ریف کی تمام احتہ الی وا مکانی صور توں کو بیان کر دیا ، اور اکسس امر

كاصاف اقراركيا ہے كەكتىبسماوير ميں تحرليف واقع ہوئى ہے،

ا جب م کہتے ہیں کہ جب بربات نابت ہوگئی کہ واکنٹی اور تفسیر کی عبارتیں کا نبول کی غفلت باجہالت کی بناء برمنن میں شامل ہوگئی ہیں،اور برمجی نابت ہوگیا کہ اصلاح کرنے والوں نے اُن عبارتوں میں مجھی اصلاح کی جو اُن کے خیال میں قواعد کے خلاف یا واقع میں غلط تفیس،

اسی طرح بیر بھی ٹابت ہو گیا کہ انھوں نے غیر فصیح عبارتو کو نظیج بالزن^ج تبدیل کیا ، اور زائد یا مراد ف کو خارج کر دیا ،

ادر پرتھبی ابن ہوگیا کہ مقابل فقروں کو ہاکھنوص انجیلوں میں انہوں نے برابرکر دیا اسی بناء پر <u>پولس کے خ</u>طوط میں الحاق ٹری کثرت سے پایا جاتا ہے ،

اور پر بھی محفق ہوگیا کہ بعض محفقین نے عہب یہ جدید کو لاطبینی ترحب کے مطابق بنادیا ، اور میکی ہو بندی کو لاطبین ترحب کے مطابق بنادیا ، اور میک ہو بندی کے بندی کا عید میں مئی کہ بندی کے بندی کے بندی کرنا جا ہی وہ کرڈالی ، اور دبیٹ لر ربوگ بھی کسی مئی کہ کا عید المجے قرار پائی گئی کا میں میں ہو اُن کے بعد راجے قرار پائی منفی ، تواب بتایا جائے کہ تحریف کا کونسا دقیقے ہافی رہ گیا ہے ؟

اب اگریم بیہیں کہ نواس بیں کیااستالہ باقی رہ جا آ ہے کہ جوعبیائی صلیب پرستی کے عاشق سے اور اس کے بچوڑ نے برراضی مذیخے ،اسی طرح جا ہ و منصب کے بجاری ہونے کے سبب اُسے بچوڑ نے کو تیار مذیخے ،انہوں نے بھی اسی طرح بعض ان عبارتوں بیں اسلام کے ظہور کے بعد تحریب اُسے کی ،جومذی بین اسلام کے بی بین مفید ہوسکتی تھیں ،اور یہ تخ یفین ان کے بعد بالکل اسی طرح راجح قرار نے کی ،جومذی بین مفید ہوسکتی تھیں ،اور یہ تخ یفین ان کے بعد بالکل اسی طرح راجح قرار نے له آیت بین ہے کہ فریت نے حضرت مربم سے کہا "روح القدر س تجھ پر ناز ل ہوگا اور خدا تعالی کی قدر ت بختے پر سایرڈ الے کی ،اور اس سبت وہ مولود مقدر س خدا کا بیٹا کہلائے گا ؟ اس سے کہے عقیدہ تنلیت کی بختے پر سایرڈ الے کی ،اور اس سبت وہ مولود مقدر س خدا کا بیٹا کہلائے گا ؟ اس سے کہے عقیدہ تنلیت کی بختے پر سایرڈ الے کی ،اور اس سبت وہ مولود مقدر س خدا کا بیٹا کہلائے گا ؟ اس سے کہے عقیدہ تنلیت کی بوکے نزویر ہوتی ہے ، اس بیٹے الس بین تحرایف کی گئی ہوگی ۱۲ ت ۔

دی گئیں جسطے ان کی گذشتہ تحریقات ان کے دوسرے فرقوں کے مقابلہ میں راجے قراردی گئی تھیں اللہ بین راجے قراردی گئی تھیں بلکہ جنگہ کے مقابلہ میں زیادہ مہتم بالشان تھی جوا ہنے فرقوں کے مقابلہ میں زیادہ مہتم بالشان تھی جوا ہنے فرقوں کے مقابلہ میں کی گئی تھیں اس لیٹے الس کی ترجیح بھی دوسری مخریفات کی ترجیح سے بڑھی رہی .

حضر مجینیج اور حواریوں نے ان کتابوں کی سیجائی کی گواھی دی ہے

دوسرامغالطه

دور امغالطریہ ہے کہ مبیع علیہ است کلام نے عبد علین کی کتا ہوں کی سے ان کی شہادت دی ہے ، اور اگران میں بخر لیف واقع ہو فی تھی تب تو مسیع السی شہادت ہرگز ندوے سکتے تھے ، بلکہ ایسی صورت میں ان کے لئے عزوری تفاکہ وہ بہودیوں کو اکس مخر لیف پر الزام دیتے ، اس کے جواب میں سب سے بہلے توہم بر کہیں گے کہ جو بکہ عہب رعتین اور عہد جربید کی کتابوں کے لئے توانز لفظی آبت نہیں ہوسکا اور کوئی السی سند نہیں یائی گئی جومصنف تک متصل ہو، جیساکہ باب اقل کی فصل دوم میں معسلوم ہو جیکا ہے ، اور الجیل متی کے تق میں مقصد ہو کی اور الجیل متی کے تق میں مقصد ہو کی اور الجیل متی کے تق میں مقصد ہو کہ اور الجیل متی کے تق میں مقصد ہو کے اور الجیل متی کے تق میں عققر بیب معلوم ہونے والا ہے ۔

عَرْضِ جَلَمُ اقسام کی گنز لیف "ابت ہو جکی اور دبنداروں کی جانب سے کسی مسئلہ کی تابید
اکسی اعز اص کے دفع کرنے کے لئے بھی تخریف نابت ہوگئی جبیا کہ ابھی ابھی ... قول نمبز ۳
بین ماظرین کومعسلوم ہو چکاہے، اکس لئے یہ کتا بیں ھالے نز دیکٹ کوک ہیں، لہا ذا ان
کی کسی آبیت سے ھارے خلاف کو ئی ... ،است دلال کا مباب سہیں ہوسکتا ،کیؤکہ ممکن ہے
وہ آبیت التحاقی ہو، جس کو ڈیندار عیسا ٹیوں "نے دوسری صدی کے آخریا تنیسری صدی میں

له د یکھے صفی ۱۳ جد فرا که و یکھیے صفی ۱۳ عبد بنا

عه بعنی جس آیت سے صالے خلاف استدلال کیاجار ہاہے،

ذرّت ابیونیه و مارقیونیه ومآنی کینرے مقابلہ میں بڑھا دیا ہو ، اور بیرتحر لفیات اُن کے لجب لئے راجے قرار دے دی گئی ہوں کہ ان سے کسی سلم مشلہ کی تاثیر ہوتی تھی، جبیا کہ انھوں نے فقشر ایرین اور لوٹی کینس کے مقابلہ میں کیا تھا ، اور مینچر یفین ان کے بعد اس لئے راجح قرار بِائیں کہ یہ تینوں مٰدکورہ فرنے عہد عتیق کی تمہم یااکٹر کتابوں کا نکارکرنے تھے ، بینالخہ سے فرقر کا انکار ہرایت نمبر مغالط نمبرا کے جواب میں آپ کی نظرے گذر حیاہے، بل اپنی تاریخ میں فرق مرقبونیہ کا حال بیان کرتے ہوئے کہاہے، « اس فرقه كاعفيده به تفاكه دوخداموجود بس «ايك نبكي كاخالق اوردوسرا بدي كا « اوراس بات كا قائل مفاكه توريت اورعهد عتيق كى دوسرى تمايي دوسركة خداكى دى بوئى بين ادر یہ سب عمد حدیدے مخالف میں ،، ر لارو نراین تفسیر کی جلد مصفحه ۱۸۸ میں فقید کاحال بیان کرتے ہوئے کہناہے:-رد يرفرقه كها ب كر سيوداول كامعود عساع كالب بنيس سيد اورعساع كي المروسي كي تزلعب مثانے کے لئے ہوئی اکیونکردہ انجیل کے مخالف تھی وہ ور لارڈنراینی تغییر کی حلد میں فرقر مانی کیر کے احوال کے تحت بیان کرتا ہے کہ: م مؤرخین اس بات برمتفق من كرمه بورافرفه كسى زبانه بين تهي عب ياتين كى مقدس كنالون كو نہیں مان تفاء اعمال ار کلاکس میں اس فرقه کاعقیدہ برجعی کھا ہے کہ شیطان نے بہود کے بیٹروں كودهوكه اور فريب دبا ، اورشيطان بى في موسى اوربنى اسرائيل كے نبيوں سے كلام كيا بيا ، بر فرقرانجل لوحناك إبا أين مصاسندلالكر تا تفاكميس في الاست بنا ياكده جوراور لطرف بين؛ دوسرے ہم یہ کہتے ہیں کا گرهم اسس کے الحافی یا غیرالحاقی ہونے سے قطع نظر بھی کرلیں نب بھی اس سے ان تمام کتابوں کی سند ابت مہیں ہوسکتی ، کیونکہ اس میں نہ نوان تمام کتابوں کی تعداد بتائی گئی ہے ،اور ندان کے ناموں کی نت ندھی کی گئی ہے، تو بھرید بان کیونک معلوم ہوسکتی ہے مہر مِنٹین کی جو کتا ہیں پہود اوں کے پہاں رامجے تقیں وہ اُنتالیس ہی تقیں ، جن کوالس دو رکا ز فربر واستنط مانتائه ، ایجروه جهیالیس کتابین بین جن کوفرقد کنیهولک تسلیم کرتا ہے،اس سے له بننے مجے سے سلے آئے سب جورا ورڈ اکو میں الح ، ١٠١٠)

کہ ان کتابوں میں کتاب دانیال بھی شامل ہے ، جسے تھزیب کے ہمعصر یہودی اور دوم متاخرین رسوائے یوسیفس مؤرخ) الہامی نہیں ماننے ، بلکہ یہ لوگ دانیال کا نبی ہونا بھی سلم نہیں کرتے اور پوسیفیس مؤرخ ہوعیا بیوں کے بیب ان معتبرومنندا ورمنعصب بیہو دی ہے ،اور مشیح کے بعد گذرا ہے ،وہ اپنی تا ریخ میں صرف اتنی بات کا اعتزاف کرتا ہوا کہناہے ر ہا اسے باس ایسی نراروں کما بوں کا وجود نہیں ہے جن میں ایک دوسری سے مناقض و نحالف ہو، بلکہ ہالے نزد یک صرف ۲۷ کنابیں ہیں جن میں گذشنہ زمانوں سے احوال سکھے ہیں، جوالہای ہیں، ان میں پاننے کتابیں موسی کی ہیں،جن میں ابتلائی آفر بنش سے موسلی کی وفات کے کا حال اکھاہے ،اور ۱۳ کتابیں وہ بیں جو دوسرے سنجمروں نے تکھی ہیں ،جن میں موسی علالیسلا کی و فات کے بعد اُن کے اپنے اپنے دور کے حالات لا دئیر بادشاہ کے عہد بک کے تکھم وسے ہیں، باقی چارکتا بیں اور ہیں جن میں عرف ضاکی حمد و ثنا بیان کی گئے ہے'؛ وليصن الكشيهادت سے كسى طرح يرثابت بنيں ہوتاكم مرة جركما بيں سيحى بين،اس الم كاراس مے بیان کے موافق توریت کے علاوہ صرف سترہ کتا ہیں ہیں ، حالانکہ فرقہ بر واسٹنٹ کے نزدیب ان كتابون كي تعريب ورويكي كاليوكي ويك كاليها المح سابق مي يريم من بير منين جلنا كدان بين كونسي كتاب اینی تاریخ میں دوکتا بیں اور تھی منسوب کی ہیں ،اس لئے بنطا ہریہی معلوم ہو تاہے کہ بیدونوں کتا ہیں اگر جہ آج موجو رہنیں ہیں، مگراس کے نز دیک بیسترہ کتا بوں میں شامل تقیس،ادھ مقصدؓ كى شبادت ١٩ مين آب كومعلوم ہوسكا ہے كركريزاستم اور علماء كتيھولك يداعة ان كرتے تھے کہ بہود ابوں نے اپنی غفلت کی و حبسے بہت سی کتابوں کو صنائع کر دیا ، بلک اپنی بردیا تھے کہ سبب بعض كويها الرائد اور كيم كوجلاديا ، اس لئے بہت مكن ہے كه يركنا بيں ان ستره بيں داخل ہوں ، بلکہ ہم کہتے ہیں کہ وہ کتا بیں جن کی نفصیل ہم انہی بیان کرنے ہیں اُن کے بارے بیں فرقٹ بر وٹسٹنٹ یاکنتھو مک یاکسی تنسیرے فرقہ کی قطعی مجال نہیں ہوسٹےتی کہ وہ عہدِعنیٰق ہے ان کے مُفْفَوْ و مونے كا انكاركر سكيں اس ليع ممكن ہے كمان ميں سے اكثر ان ستره كما بوں ميں شامل موں . اله اس اعتراص كے جواب میں عبیانی علماء نے جو كھینے أن كى ہے سے صفح كے حاشير بر ملاحظہ فرمائية ١٢ ت كمث وكتابون كيفصيل

۱ - سفرحروب الرب دخداوند کا جنگ نامه عن کا ذکر کماب گنتی بال آبت نمرا میں آیا ہے ،اورمقصد اشہادت نمبر ۱ میں ناظرین کی نظرسے بھی گذرجیکا ہے ، ہمنری واسکا کی تفسہ میں مکھاہے کہ:۔

ر غالب بیہ کے کموشی نے یہ کتاب یوشی کی تعلیم کے لئے لکھی تھی، اور الس میں سرز مینِ موآب کی صدود کا بیان تھا

م. نمتاب الیسیر عب کاذکر کتاب کیوشنخ باب آبیت ۱۳ میں آیا ہے ، حبیا کہ مفصد ہمی شہادت منبر آ میں آپ کومع سلوم ہوجیکا ہے ،اسی طرح اس کا تذکرہ کتاب سموٹیل ثانی باب آبیت ۱۸ میں بھی سماریں

ای میں ، میں میں ایک البیسی الم کی تین کتابیں ہیں ، ایک ۱۰۰۵ زلوریں ہیں ، دوسری میں ایک ۱۰۰۵ زلوریں ہیں ، دوسری میں آ آریخ مخلوفات ، اور تبیسری میں نین هزار کہا و نیس تکھی ہیں ، ان بیں سے لبعض کہا و نیس آج بھی باقی ہیں، جبیباکہ عنظریب آب کومع اور ان تینوں کا ذکر سلاطینِ آقل کے باہم آبت ۳۳،۳۲

<u>ا کوم کلارک</u> اپنی تفسیر کی جلد میں آیت ۳۳ کی مثرح کرتے ہوئے کہاو توں اور زلوروں کے بارے میں کہتا ہے کہ:۔

ر ده کها و نین جو جمل سلیمان علی طرف نسوب بین وه انداز "۹۰۰ با ۹۲۳ بین، اوراگر بعف و کون کی بربات نسلیم کرلی جائے که کناب کے ابتدائی نوالواب سلیمائی کی تصنیف نہیں ہیں نب تخمیناً ۱۹۳۵ و ۱۰۰ زبور وں میں صرف غز ل الغزلات باقی ہے، اب اگریم بہ مان لین که زبور نم ۲۱ جس کے عنوان میں سلیمان عرکا نام مکھا ہوا ہے ،اس میں شامل نہیں ہے اور زیادہ صحیح رہی ہے کہ اس زبور کو ان کے والد واؤد علیا لسلام نے اپنے بیٹے کی تعلیم کے لئے اور زیادہ صحیح رہی ہے کہ اس رزبور کو ان کے والد واؤد علیا لسلام نے اپنے بیٹے کی تعلیم کے لئے اور زیادہ صحیح رہی ہے کہ اس رزبور کو ان کے والد واؤد علیا لسلام نے اپنے بیٹے کی تعلیم کے لئے

له دیجه مفو ۱۹۹ جلد بذا کله برسرزین بحرمیت و DEAD SEA کے مشرق میں واقع تھی ۱۲ت که دیجه مفر ۱۹ و کیم میں واقع تھی ۱۲ت که دیکھ مفر ۱۹ و ۲۹۸ کله و ۱۹۲ که و ۱۳۲ که اس نے بین نبار مثلین کہیں اوراس کے ایک فرار یا کئے گیت تھے " (ارسلا ۲۰ : ۳۲)

تصنیف کیا ہے'

بهرآیت ۳۳ کی شرح مین مخلوفات کی تاریخ کی نسبت یون کهنا ہے کہ:۔

" علماء كوتار يخ عالم ك والممي فقدان اوركمت ركى يربرا اسخت فلق ب ا

٧- كناب قوا نين السلطنة ، مصنفه سموئيل حبس كاذكر سموئيل اقال باب آيت ١٥ يس آيا ہے،

٨ - تاريخ نا تان يعغبر،

علی میں آیا ہے۔ تاریخ جاد غیب بین ،ان تبنیوں کتابوں کا ذکر تواریخ اول باب ۹ ۱ بین ، ۳ میں آیا ہے ، آدم کلارک اپنی نفشیر کی جلد ۲ صفحہ ۱۵۲۲ میں کہنا ہے کہ :۔

« يەكنابىن ئاپىيە بىس»

١٠- كتاب معياه، ١١- كتاب عيد وغيب بين ١١ن دونون كاذكرتواريخ ثاني باب ١٢

أيت ١٥ يس أيات ،

١٢-كتاب أخياه بيغمبر، ١٣-مشاهدات عيدوغيب بين أن دونون كا تذكره تواريخ أني

باب 17یت ۲۹بیں آیا ہے،

رو يرتمام كمّا بين معت روم بين؛

سم ایک ایک بیر سم ایک بیر بیری میں میں اور آسے کتاب بیں لکھ کرخداد ندکے صفور رکھد با'د'، نا ہیں آیا ہے آدم کلارک کے میں میں کے کا م شروع سے آخر بک سبکے سب موٹیل غیب بین کی تواریخ میں اور ناٹن نبی کی تواریخ میں اور ناٹن نبی کی تواریخ میں اور معامیل کی تواریخ میں اور معامیل کے کا م شروع سے آخر بک سبکے سب موٹیل غیب بین کی تواریخ میں اور ناٹن نبی کی تواریخ میں اور مجام کے کام اول سے آخر بک کیا ۔ وہ سمعیاہ نبی اور عیب بین کی تواریخ وی نسب معمول کے مطابق تا کمینہ رنہیں ؟ سال اور رجام کے کام اول سے آخر بک کیا ۔ وہ سمعیاہ نبی اور سید بین اور سیدنی اخیاہ کی بیش گو تی میں اور عیب بین کی سال میں ہوا سے آخر تک کیا ؛ وہ نائن نبی کی کتاب میں اور سیدنی اخیاہ کی بیش گو تی میں اور عیب و میں کی روایتوں کی کتاب میں جواس نے ربید بعام بن نباط المخ " ہے اور ربیج سفط کے باتی کام شروع سے آخر تک ، یا ہوبی خانی کی روایتوں کی کتاب میں شامل ہے ' اس سے یہ بھی معلوم ہوتا ہے کہ کتاب یا ہو ، کتاب کی تواریخ میں درج ہیں ہوا سائیل کے سلاطین کی کتاب میں شامل ہے ' اس سے یہ بھی معلوم ہوتا ہے کہ کتاب یا ہو ، کتاب کی تواریخ میں درج ہیں ہوا سائیل کے سلاطین کی کتاب میں شامل ہے ' اس سے یہ بھی معلوم ہوتا ہے کہ کتاب یا ہو ، کتاب کی تواریخ میں درج ہیں ہوا سائیل کے سلاطین کی کتاب میں شامل ہے ' اس سے یہ بھی معلوم ہوتا ہے کہ کتاب یا ہو ، کتاب کیا ہو ، کتاب کیا ہو کہ کتاب کیا ہو کہ کتاب کیا ہو ، کتاب کیا ہو کتاب کیا کتاب کی کتاب کیا کہ کتاب کیا ہو کتاب کیا کہ کتاب کیا کہ کتاب کیا ہو کتاب کیا کتاب کیا کہ کتاب کا کتاب کیا کہ کتاب کیا کیا کیا کتاب کیا کتاب کیا کہ کتاب کیا کیا کہ کتاب کیا کیا کہ کتاب کیا کیا کہ کتاب کیا کتاب کیا کہ کتاب کیا کہ کتاب کیا کہ کتاب کیا کی کتاب کیا کہ کتاب کیا کر کتاب کیا کہ ک

جلد اصفحہ ٥٦١ میں كنا سے كه:-

وم بركاب المجل قطعي مفقود ہے ، اگر جيزنوار بريخ انى كے البعث كيے جانے كے دورميں موجودتھي ؛ ۱۵ - كتاب اشعياه بغير بحب مين شا وعزياه كا حال شروع سے آخر بك درج تفااور حب كا ذكر تواريخ ناني إب ٢٦ أيت ٢٢ بين أنافي ، أدم كلارك صَفح ١٥ الم جلد ٢ بين كها بي كر.

١٧ - كتّاب مشاهب ارشعياه سيغمير ،حس مين شاه حزقياه كے تفصيلي حالات لكھ وع عظم ،جسس كاذكر تواريخ ناني باب ٢٣ أيت ٣٢ من أيات،

١٤ ارمياه عبيغير كامرشب جويوسياه كے بائے بين كہاكيا ہے جب كاذكر تواريخ يانى باب ۵ س آیت ۲۵ بیس آیا ہے ،آ دم کلارک اس آبت کی شرح کے ذیل میں کہنا ہے کہ:-" بىمرننىرابمفقودىك'؛

ڈی آئی اور رحیر دمنط کی تفسیر میں انکھا ہے کہ:۔

٥ اس زمامه ميں يه مرتبه اببر ب ،اور جومر نثير اسبكل مشهور ب وه قطعًا بهمر تبير نهيں موسكما ،كيز كم مشہور قصیدہ یر وسلم کے در دناک وافعہ اور صدفیاہ کی موت بر لکھ گیاہے ، سخلاف اس مرتبہ

کے کہ بر پوسٹ یا کی موٹ سے تعلق رکھناہے ا ١٨ - كتاب تواريخ الايام ،حب كاتذكره كتاب نحياباب ١٦ أيت ٢٣ مين موجود منك ، أدم

کلارک اپنی تفسیر کی حلید و صفحہ ۱۹۴۷ بیں کہتاہے کہ:۔

اربرکاب موجودہ کتابوں میں موجود نہیں ہے ، کبو کھان میں اسس کی کوئی فہرست بھی نظ نہیں آتی ، بلکہ بدایک دوسری ستقل کناب ہے ، جو آج نا بتی ہے "

١٩ - سفرعهر موسى ، جس كا ذكر ، سفرخروج باب ٢٢ آبت > بين آيا تي ،

اله اورعزیاہ کے باقی کام شروع سے آخر ، ک مرس کے بیٹے یسعیاہ نبی نے تکھے " کله اور اس کے نیک عمال أموس كے بيتے ليسعياه نبي كى رؤياس النخ، "هه اوربيمياه نے يوسساه برنوح كيا " (٢- نوار- يخ ١٥١٥) سے بنی لا دی کے آبائی خاندا نوں کے سروار بوحنان بن الیاسب کے دنوں بک نوار یخ کی کنابوں میں <u>سکھے جا</u>ے تنفي عله اس كے علادہ ایک حتمال بریھی ہے كہ سرداروں كی فہرست تخمیاہ كے زمان میں كتاب تو ار سيخ ميں وجود

> رسی مواور بھر بعد میں منجلہ اور سخر یفات سے اسے بھی جذف کر دیا گیا ہو ۱۲ ت لله بيرأس في عهد المدليا ورلوكور كو يراهكرسنابا و الماك

با - كاب اعمال بيمان كومودهم الطين الآول بالله آيت الهيم موجودهم السيح علاوه يه بات الخرين كومع وم به به كه ليسينس في حز قبال كي مشهوركا كي علاوه دوكا بين ان كي طرف اورمنسوب كي بين اوريشخض عيبائيوں كن زديك معتبرمورخ به است طرح گمت ده اور البيد بوجانے والى كتابوں كي تعب از بائيس بوجانى ہے ، فرقة بروششنٹ كو كھي اس كے انكاركي مجال نہيں ہوسكتى ، علماء كتبولك بين سے طامس انگلت في آين كتاب مراءة الصدق ميں جوار دوز بان بين ہے اور الم الم الم ين جي يہ كتاب مقدسة ميں سے كم اور ابيد بوكئيں ،

" تهام دنيا كا اس امر براتفاق ہے كہ ده كتا بين جوكتب مقدسة ميں سے كم اور ابيد بوكئيں ،
ان كي تعداد بين سے كم نهيں "

ضروری نوط

بعض بشارتیں جواہل کما ب سے منقول ہیں قدیم اسلامی کنابوں ہیں موجودے ہیں مگروہ آہ کل ان کی مسلمہ کتابوں ہیں موجودے ہیں مگروہ آہ کی البتہ توسیقی کی شہادت سے یہ بات ثابت ہوگئی ہے کہ اس کے زمانہ ہیں با بنخ کتا ہیں موسلی کی جانب منسوب تقییں ، مگر یہ بہتہ نہیں جاتا کہ یہ یا پیخ کتابیں وہی ہیں جا حبکاموجود اور مرق ج ہیں ، بلکہ بظاہر اس کے خلاف معسلوم ہوتا ہے کہونکہ موجودے کتابیں ان کے خالف ہیں، جیسا کہ قارئین کو مفصل کی شہادت بنر ا ، ۲ ہیں معلوم ہوج کا ہیں ، بچونکہ بیشخص متعصب بہودی قارئین کو مفصل کی شہادت بنر ا ، ۲ ہیں معلوم ہوج کا ہیں ، بوت کے بیر بخر سخت مجبوری کے اس کی مخالفت کرے ،

مغالطه کا تبسر اجواب کے زبانہ بیں موجود تھیں، اور سیے اور اُن کے حاربوں نے ان کی نسبہ علیالتا ام کی نسبت کی اور اُن کے حاربوں نے ان کی نسبت سے اور اُن کے حاربوں نے ان کی نسبت سے اور اُن کے حاربوں نے ان کی نسبت سے ہادت کا مفتقلی توحرف اس فدر ہے کہ یہ کتا ہیں اس زبانہ کے بہودلوں کے پاسس موجود تھیں، خواہ وہ انھیں اشخاص کی نصنیوں ہوں ، جوں ، اور خواہ کی نصنیوں ، جوں ، اور خواہ کی نصنیوں ، جوں ، اور خواہ میں اور خواہ میں

وہ حالات جوان میں درج ہیں ہتے ہوں اور کچھ جھوٹے ،اس شہادت کا مقتضیٰ یہ تو ھرگز بہیں ہے کہ ہرکتاب میں جو واقعان درج ہیں دہ عرکز بہیں ہے کہ ہرکتاب میں جو واقعان درج ہیں دہ قطعی ہے ہیں، بلداگر مسینے اور حواری ان کتابوں کے حوالہ سے کچھ نقل بھی کرتے تب بھی محض ان کے نقل کرنے سے یہ بات لازم نہیں اسکتی کہ منقول عن کہ اس قدر صبح ہے کہ اس کی تحقیق کی صرورت نہیں ۔

البنة اگرمین اس کے کسی جب زویں یاکسی حکم میں یہ بات صاف کر دینے کہ یہ منجانب اللہ ہے اور اسکی یہ لفرزیج تواتر سے نابت بھی ہوجاتی تو بنیک سمجی مانی جاتی، اس کے سواتو ہو کچھ ہوگا وہ تحقیق کا محاج ہوگا، یہ بات ہم محض اپنے قیاس واجتہاں سے نہیں کہ رہے ہیں، بلک فرقۂ پروٹسٹنٹ کے محقین نے بھی آخر کار اسی رائے کی طرف رجوع کیا ہے، ورمذان لوگوں کے باخلوں بڑی بڑی گت بنتی ، جن کو یہ لمحد وبردین کہتے ہیں، اور ان سے بیجھا چھا اسے کا محتوی ہیں اور ان سے بیجھا چھا اسے اور کہیں ان کو پناہ نہ ملتی، ہو آج بوری کے تام ملکوں میں برساتی میں نوں کہتا ہے کہ اس مطبوعہ سے کہ اس مطبوعہ سے انہاں کو بناہ نہ ملتی، ہو آج بوری کے تام ملکوں میں برساتی میں اور اکہا ہے کہ :۔

"اس میں کو ٹی شک نہیں ہے کہ بھارے شفیع کا قول ہے کہ تورین خلائی کتاب تھی اور یں بیات مستبعد سمجھتا ہوں کہ اس کا آغازاور و مجود خلاکے سواکسی اور کی طرف سے ہوئی النصوص اس بناء برکہ یہودی ہو مذہبی میدان کے مرد اور دوسرے کاموں مثلاً فنون جنگ وصلح میں طفل مکتب تھے ، وہ توجید سے پہلے ہوئے تھے ، ان کے مسائل خدا کی ذات و صفلے میں طفل مکتب تھے ، وہ توجید سے پہلے ہوئے تھے ، ان کے مسائل خدا کی ذات و صفات کی نبدت بہتر بن ہیں ، بخلاف دوسرے لوگوں کے جوبے سنسمار معبود وں کے قال سے شفیع نے عہد علین کے اکثر کا تبوں کے نبوت بھی ناور اس میں کو بی سنسبہ نہیں ہے کہ بھا سے شفیع نے عہد علین کے اکثر کا تبوں کی نبوت بھی نسلیم کی ہے ، حسب عیسائی لوگوں کا فرض ہے کہ ہم اسی صر تک جائیں کی نبوت بھی نسلیم کی ہے ، حسب عیسائی لوگوں کا فرض ہے کہ ہم اسی صر تک جائیں

رصفحركذشنة كحاشيه لماحظه بوس

له بکیاوہ سلیمان کے احوال کی کناب میں درج نہیں ہے "

سو ديجيع صفيه ١١٦ ١٢١ جلدبذا

عه ملاخطر بوصفير ٥ ٢٤ جلد بزا

رہی یہ بات کہ عہد عنین کل کی کل یا الس کا ہر سرفقرہ متی و صیحے ہے ، اور السکی ہر كتاب كى كوئى اصل عزورہے، يا يركه اس كے مؤلفين كى تخفيق واجب نہيںہے،اگر ان معاملات میں سیجی نرسب کو مرعی بنایاجائے تومیں اُس سے زیادہ مجھرع من بہیں كرون كاكراس شكل بين بورے سلسله كو بلاحزورت مصيب بين والنا يرے كا ، یر کنا ہیں عمومًا بڑھی جاتی تضبیں ،اور سو بہودی ھا سے شفیع کے ہمحصر تنفے ، وہ ان کو ما نتے تھے محاری اور بہودی ان کی طرف رج ع کرتے ، اور عمل کرتے تھے ، گراس رجوع واستعال سے اس نتیج کے سوااور کوئی بات اخذ نہیں کی جاسکتی ، کرجب مسبح علىرالسلام كسى بشارت كى نسبت صراحت كے ساتھ برفرمادى كرير منجاب للر ہے نب توبیک اس کا لہای ہونا ابت ہوجائے گا ،ورندصرف اتنی بات ابت ہوگی كربيكا بين اس عب رسي مشهور ومستم تقين، للذا اس صورت بين بهاري كتب مقدسه يهوكى كذابور كبلية بهترين شابه تابت بونكى الكراس شهادني خاصيت كوسح صاعروري مع اور برخايت اس اخاصبت كريكس بعص كويس في بعض اقعات بيان كياسي ، كربروا فقع كى ايم مخصو علن ادر فطرت ہونی ہے جواس کے نبوت کوسنحکم کرتی ہے ، یرفطرت اگر جمخالف ہونی ہے لیکن تمام گوشوں برنگاہ کیجے توجیز ایک ہی ہے۔ مثلاً بعقوب اسے خطیں كنافي كم "نم ف إلوب كم مركاحال شناب ادربرور دكارك نفصو دكوجانا بي ملا نکے مسیحی علماء کے درمیان کتاب ایوب کی ضائیت بکہ اس کے وجود کی نسبت نزاع واختلاف جلاآ باہے ، بعقوب کی شہادت نے مرف اس فدر سمجھا دیا بکہ پرکتاب ابنے دقت میں موجو دیتھی ،اور میہو دی اس کوتسلیم کرتے تھے ، پولس تیمتھس کے نام دومرے خطبی کہناہے کہ دوجس طرح بنیت اور بیبرلیں نے موسلی کی مخالفت كى بنقى اسى طرح بر نوگ بھى سى كى مخالفت كرتے بن ' والا نكربرد وكوں نام عب ينتيق بن موجو ونہيں ہيں، اور بہ بيتر نہيں طِناكہ بولس نے ان دونوں نامو ل كو حجو في

کہ بیفتوب ۱۱ موجودہ اردو زجر کی عبارت یہ ہے ۔ ' تم نے آبوب کے صبر کاحال تو شنا ہی ہے ، اور خداوند کی طرف سے جو الس کا انجام ہوا اسے بھی معلوم کر دیا ہے ۱۲ ت سک باب آبیت ۸ ، ت کابوں سے نقل کیا ہے ، یاروایت کی بناء برمعلوم کیا ہے ، لیکن کو ٹی شخص بھی یہ خیال بہیں کرسخا کہ اگریہ واقعہ مکھا ہوا ہو آنو پولس اس کو کتاب سے نقل کرتا ،اور نود ا ہینے کور وایت کی سچائی تا بت کرنے کے لئے مرعی نہ بزتا، جرجا ٹیکہ وہ ان سوالات کے چگر میں اس طرح بھنستا کہ اس کی تخریر اور خط دو نوں اس تحقیق پرمو قون ہو گئے کہ نیسیں اور پیمریس نے موسلی علی مخالفت کی تھی یا نہیں ؟

اس تفزیرسے میری غرض یہ نہیں ہے کہ بیور بوں کی توار سخ کے فقروں کے لئے کوئی شہادت ایوب کی تاریخ اور نیتی اور بیرایس سے بڑھ کر نہیں ہے بلکہ میں ایک دوسرے بہلوا ورجد بدنظر برسے سوخیا ہوں ،میرامفصد برہے کہ عہب یانین کے کسی فف رہ مع عبد يدبد مين نفل كئ جانے عداس ففروكى اس در حكي ي لازم نہيں آتى ، كم اس کے معنبر ماننے میں کسی خارجی دلیل کے اعتبار کرنیکی ضرورت بنر رہے ، بو تعقبن کی بنسيادے اوريه بات جائز بنيں ہوسكتي ،كريبودي تواريخ كے سے يہ فاعرہ مان میا جائے کہ ان کی ہر بات سبتی ہے ، ورنہ پھر تو ان کی تام کیا بب ججو ٹی ہوجا تیں گی، کیونکر یہ قاعدہ کسی دوسری کیا ب کے لیے نابت نہیں۔ میں اس امر کی فوضیع صرور سی محضا ہوں اس لئے کہ والی ٹر اور اس کے سن گردوں کا عصیر دراز سے بیرطر لفتر رہا کہ وہ بیودلو کی بغل میں <u>گھستے نن</u>نے ، بھر ذریب علیہوی برجمہ لہ آور ہوتے ، ان کے بعض اعتراضا كامنشاء توبرہے كمعانى كى نتسر بح واقعرے خلات كى گئى، اور لعص اعر اصات كا منتاء محض مبالعذب، مگران اعترا صات کی بسیاد اس برے کرمیسے اور فدیم علین کی شہادت موسی عراور دوسرے بینجمبروں کی رسالت برگویا بہود اوں کی توار یج کے ہر ہر قول اور سر سر جُز کی نصد لتے ہے ،اور ہراس وافعہ کی صفانت مذہب عبیبوی ہرواب ہے ، جوعب مانتی میں در ج ہے "

اب قار ٹین ملاحظہ فرما بیس کہ اس محقق کا کلام ہما رہے دعوے کے مطابق ہے یا نہیں ، رہی یہ بات کہ اس نے یہ کہا ہے کہ کتا ہ الیوب کی خفا بنیت بلکہاس کے وجود کی نسبت علماء نصالی میں نزاع ہے، یہ در حقیفین ایک بڑے اختلاف کی جانب اشارہ

161 ہے ، کیونکہ رب مانی دیز ہجا کیم شہور میہودی عالم ہے ،اسی طرح میکائیس اور لیکلوک مكروات الماك دىغيرە نے كہاہے كه اليوب محض ايك فرضى نام ہے ،جس كامصداق كسى زماين میں نہیں ہوا، اورانس کی کتاب محض جو تے اضا نوں کامجوع ہے۔، کامنھ اور وانٹی وغیب کہتے ہیں کہ بہتحض واقعہ میں موجود مقا، بھر اسس کے دجود کو نسلیمرنے والے اس کے زمانہ کی مین میں سات مخلف را بیس ر کھتے ہیں ، بعض کی رائے یہ ہے کہ بہوسٹی علیہ السّلام کا ہمعصر تضا ، لبعن کانو ل ہے کہ بہ قاضیوں كے زمان بيں يوشع عركے بعد ہوا ہے ، بعض كا خيال ہے كہ يراشى روس ياار وشيرشاه ايان کا ہمعصرہے ، معبّقن کافول ہے کہ بہ اس زمانہ کاشخص ہے جب کہ حضرت ابرا ہیم ع کنعان میں نہیں آئے تھے ، لَعِقَن کی رائے ہے کر لیعقو عب کا سم صرب ، لعض کا فیصلہ یہ ہے کہ سبمان علیات ام کا ہم زمانہ ہے ، بعض کہتے ہی کہ بجت نصر سے زمانہ کا ہے ، فرقد بروالسلنط کا محقق مور ن کہتا ہے کہ ان خیالات کا بلکا بن ان کی کمزوری کی دلیل ہے ، اسی طرح اس کی جائے بیدائش غوطر کے باتھ بیں اختلاف ہواہے ،حب کا ذکر اس کی کتاب کے باب است ا بیں آیا ہے ، بہ حبکہ کس ملک میں واقعے سے ،اس میں تین قول ہیں جنا ہجنہ بوجارت اورات الم وكامته دبغيره كية بن ، كه يه ملك عرب مين ہے ، ميكا ملس اور الحبّ كي

بوجارت اورات میکائیس و کامتھ دینے ہی ہی ہی ہی ہی ہو بلک عرب میں ہے ، میکائیس اور الحجانی کی رائے یہ ہے کہ یہ دمشق کے علاقہ میں تھا ، لوڈاور ماجی اور ہیلیز ، و کوٹر ااور لعبض متا خرین کا دعوٰی یہ ہے کہ پوظم آدومیر کا نام ہے ،

اسی طرح کا خذاف اس کُناب کے مصنف میں بھی با یاجا تا ہے ،کدوہ بہودی ہیں، یا ایوب اللہ میں میں با یاجا تا ہے ،کدوہ بہودی ہیں، یا ایوب السی استحق ہو بادمت ہمنار کا ہمعصر متفا، بھر آخری قول کے قائلین میں اخذاف جلا ، بعض متقدمین کے نز دیک اس کوموسلی مصنف جرانی زبان میں تصنیف

له "قاضیوں کا زمانہ "تشریح کے ہے ویکھے ،صفحر ، سرکاحات یہ ۱۱ ت سکہ قدیم عربی نزاجم میں اس کا نام تخوطہ ، کھی مذکور مہوگا ، لیکن عربی نزجم مطبوعہ مصلا کہ جی سر سعوص » ا درموجو دہ ار دو ترجمہ میں سعوض » لکھا ہے ، سکت تمام عربی نسخوں میں یہ نام "اسیام " ہی لکھا ہے ، مگرانگریزی مزجم نے آسے ، محمد محمد کا کھا ہے ان دونوں ناموں کے کسی عالم کے حالات ہمیں معلوم مذہوسکے ۱۲ ت سکتھ المجری المحارم وی صدی کا مشہومی تا اللہ المحد اللہ کے حالات ہمیں معلوم مذہوسکے ۱۲ ت سکتھ المجری المحد المطارب ویں صدی کا مشہومی تا ا

کیا تھا ،آریجن کہنا ہے کہ انہوں نے سریانی سے عبرانی میں ترجمہہ کیا تھا ، اسی طرح کتاب کے اختنام کی جگہ بیں بھی اختلات ہے ، جبیا کہ مقصد نمبرس کی مشہادت نمبر ۱۲ میں معلوم ہو جب کا ہے ا

اسطح ١٦٠ فتم كااختلاف يا يا جا تاب ، براس دعوای کی کافی دلیل ہے کہ اہل کتاب کے یاس اپنی کتابوں کے لئے کو ٹی سندشف

نہیں ہے ، ملکہ جو کچھ بھی کہتے ہیں محض قبال وگمان ہی کے طور بیے کہتے ہیں ، یادری تیہو ڈورنے جوبا بخوب صدی میں گذرا ہے ،اس کتاب کی سخت مزمت کی ہے، وارڈ کسینھو لک نے نظ

کیاہے کہ فرقۂ پروٹسٹنٹ کے پیشوائے اعظم جناب لوٹھسٹرنے کہاہے کہ :۔

ر بیر کتاب محض ایک کہانی کھے "

غور کیجئے کہ یہ کتاب ہو فرقہ پر والمثلنط اور کتبھو لک کے بہا ن ہوتی ہے رب مانی دیز ، میکایلس ، لیکارک ،سملراوررستاک ویز کی تحقیق کے مطابق محضل کم تصوط فضہ اور باطل افسانہ ہے ، اور تنہو ڈور کے نزد یک فابل مدمت اور فرقہ ہر وششنے ط كى رائے كے مطابق نا قابلِ انتفات ہے ، اور ان كے مخالفين كے قول كى بناء بياكس كامصنف كوئى منعین شخص منہیں ہے ، بلکہ نئیا سسی طور رہاس کو مختلف اشنحاص کی طرف نمسوب کرتے ہیں ، کیفًر اگرہم فرحن کربیں کہ بیرہہود کی با منسا کے زمانہ کی کسی مجہو ل الاسم شخص کی تصنیبیت ہے نواس کاالہامی

راستهادت نمبراین آب کومعلوم بوچکائے ،کرکناب آسترمتف مین سائیوں کے بہاں سم مسیم جمہ عیر مفتول اور نالب سندیدہ رہی ہے ،اس کے مفتف کا نام بھی نفینی طور برمعلوم نہیں، ملبتو، گری نازی زن اور انتہائی شیس نے اس کو رکیا ہے، اور

یم فیلوکس نے اس بریشب ظاہر کیا ہے ، میں حال کنا ب تغیید الانشاد کاہے جس کی بےصد مذمت پادری نیہو ڈورنے اسی طرح <u> کی ہے جبن طرح کتاب ایوب</u> کی ، اور سیمن ، ایکارک اس کی سیاٹی کا انکار کرتے ہیں ، دسٹن آور بعض متاخرین کا بیان ہے کہ یہ بدکاری والا گاناہے ،اس کا الها می کتا بوں سے خارج کیا حب نا

اله سمجه میں بنیں آنا کہ اس کے باو ہود فرقہ پروٹسٹنٹ اسے کتب سلم میں کیوں شامل قرار دیتا ہے ؟ ١١ ت

184 كبارالحق جلددوم باب دوم فروری ہے ، لركہنا ہے كەظا ہريہى ہے كربي جعلى كتاب ہے ، وار وكنيتھولك نے كاستيليو كا قول بد عنتین سے بکا لا جا نا ضروری ہے ، یہی حال دوسری کمآ بوں کا ہے بیں اگر مسیح علیالسلام اور حوار بوں کی شبہادت عہد عتین کے ہر ہرجز وکو نابت کرنے دالی ہوتی ، تو اس قسم کے شرمناک اختلافات کی مسیحی علماء کے درمیان اگلوں میں بھی ادر بھیلو ر میں بھی گنجائش نہ ہونی ،اس کیے انصات کی اِت یہی ہے کہ بیلی نے بوکیم کہا ہے دہ اس میں بالکل آخری بان ہے اور اس کے فول کے مطابق اعتراف - كئے بغير اُن كے لئے ا قرار کی کوئی جگرمنہیں رہی، ہادت نمبر۱۱ بیں آپ کومعلوم ہو جیکا ہے کہ علما مستحیین اور علماء بہور دونوں اس امر بینتفق ہں کہ عزراء کے کتاب تواریخ اوّل میں علطی کی ہے ، اور بیکتاب بھی ان كتابوں ميں شامل ہے جن كى حقابنت كى شہادت ان كے خيال كے مطابق مسيم عدف دى ہے ، اب اگر ہیں لوگ بیلی کی تحفیق کونسسلیم نہ کریں تواس غلطی کی نصدیق کی نسبت کیا فر مائیں گے ہ .

بجرح يتقع بم بركنتے ہيں كماگر ہم تبطور فرض محال يہ بات تسليم لير

ہر قول کی تصدیق ہے ، ننب بھی یہ ہما*نے بیٹے مضر نہیں ہوگا ، کیونکہ یہ* بات 'ابٹَ ہُوجگ*ی* بن اور منقدمین بین سے جب من ، آگے شاش ، کریزا سلک میر ہے کہ بہودیوں نے مسیح اور حوار ایوں کے بعد ان کتابوں میں اكرتففيلى طوربر مرايت نمرس بين معلوم موجيكا منك، ادر تمام علماء بروتستنط

ں یہ کہنے برمجبور ہیں کرمیہود اوں نے سخر لیٹ کی ہے ، جیساکہ چیھیے نیبنوں معاص

نواب مهم ان سے بوجھتے ہیں کہ وہ مقامات جن میں ان کو نخر لیف کا اعز اِ ف سے کیا عیسانی

ك و يحقيع ص ٩ ٣٤، ٢١١، جلد فرا ١١ت

اورحواریوں کے زمانہ بیں محرّف تھے ،ادراس کے باد جو دانہوں نے اُن کتابوں کے ہر سرقول اور ہر ہر شبر سر شبر کی ستیا گی کی سٹ ہادت دی ،یااس وقت محرّف نہ تھے ، بلکہ اُن کے بعد مخرلف کی گئی ،کوئی دیا نتدار شخص بہلی بات کہنے کی جوانت نہیں کرستخا دوسری شکل شہادت کے منافی نہیں ہے ،اور سبی ھارامقصو دہے ،اس لئے پیمشہادت اس تحر لیف کے لئے مصر بہلی ہوائس کے بعد واقع ہوئی ہے ،

ر ہا ان کا بیر کہنا کہ اگر بہودلوں کی جانب سے تخرلیت ثابت ہوتی تومسیع اس حرکت اُن کو الزام دبنے ، ہم کینے ہیں کہ جمبور متفتر بین نصاری کے مذاق کے مرطابق نویہ کینے کی کو تی گئجائش ہی بہیں ہے ، ملکہ مخر لین اپنی کے زمانوں میں ہوئی ہے ، اور وہ ان کو الزام بھی دیتے تھے ، اور ملامت تھی کرتے تھے ، اور اگر ہم ان کے مزاق سے سے شکیتے موشی کھی کرلیں تب تھی کہ سکتے ہیں كمالزام دنياان كے مسلك كى بناء برقطعى صرورى نہيں ہے ، يہ بات تو نہايت واصح ہے كم جرانى بخوں میں اکر مقامات کی نسبت ابسات مید اختلاف یا یاجا آ ہے جوایک کے وربر محرّف ہونے کامقتقنی ہے ،ان ہی مقامات بیں سے ایک مو قع وہ ہے جب کا ذکر براست ہادیت نمبر میں گذر جیکا ہے ، اور دو نوں فریق کے درمیان سلف میں کھی میں کھی نزاع جلاآ ناہے ، دونوں میں سے هرفریق دوسرے کو محرف قرار دیتا ، ڈاکٹوکنی کاف اور اس کے ہیرواس کے فائل ہیں کرسامری تی برهیں اورجہا علماء واستنظ کی رائے برہے کہ یہودی من پر ہیں ،اور دعوی کرتے ہیں کہ سامر یوں نےموسلی سلام کی وفان کے پا پہنے سوسال بعب راس مقام بیں تحریف کر ڈوالی، گویایہ تخریف ان کے دعوے کے بموجب امر بوں سے ماھ کے میں صاور ہوتی ہے، اور مسیسے اور ان کے سوار بوں نے مذتوس ا مر بوں کومجرم فرار دیا ، نه بهو د لوں کو، وصبیت اس سلسله میں مبیری سے سوال بھی کیا ، تب بھی

کمه مطلب پرہے کہ اگر ہیود بورسنے معزت مشیلی اور دوار بوں کے بعد مخر بین کی ہے تو ا ن محزات کے کذبے م

کی حقانیت برگواہی دینے سے براستدلال مہیں کیاجاسخا کریر کما بیں اب بھی والحت کیم ہیں، کیؤیجران

معزات کے بعدان میں تخریف ہو یکی ہے ۱۱ت کے و کھے ص ۹۲۳ ، ۱۲۳جلد برا ،

نے اس کی قرم پرالزام عائد بہن کیا، بلد فامونس رہے ، اس وقت کی ان کی بیخا موشی سامر ہوں کی ائید کرتے ہے ، اسی لئے ڈاکٹر کنی کاٹ نے اس کوت سے استدلال کرتے ہوئے کہاہے کس کو یہ نے کہ لیے کس کو یہ نے کہ اسی سے کہ بہر ہیں معلوم ہو ہو گا اسی فرح ان مقامات بیں سے بیمو فع بھی ہے کہ سامری نسخہ میں ایک کم احکام عشرہ سے زائد یا یا جاتا ہے ، جو جرانی میں نہیں ہے ، اس میں بھی ہمیشہ اگلوں پھیلوں میں نزاع چلا آتا ہے اور مواریوں نے اکس سلسلہ میں بھی ددنوں فرنتی میں سے کہیں کو بھی الزام نہیں دیا ،

ا ب*ل كتاب بهى ديانت دار تق* تدسيرا مغيالطه

تمیسامغالطہ بیہ ہے کہ بیہودی اور عبیائی تھی ایسے ہی دیانت دار تھے حبیباتم اپنے حق بین دعوٰی کرنے ہو، تو بھریہ بات بعید ہے کہ دیانت دار لوگ الیبی سٹر مناک حرکت کی جسارت کریں،

ہم کہتے ہیں کہ الس کا جواب ان لوگوں پرر دکشن اور ظاہر ہے جنھوں نے تینوں مقا اور مغالط ہم ہاکے جواب کا مطالعہ کیا ہے ، اور حب سخر لیف بالفعل یقینی طور برواقع ہو جی ہے، اور علماء بروٹسٹنٹ نے ، اگلوں نے بھی اور پچھلوں نے بھی اعز ان کر لیا ہے تو پھر اب اس مغالطہ کی گنجائش کب باتی ہے ، اس لئے یہ بات بعید ہے کہ اس کے بعد بھی کوئی ہٹ دھر می کرے، بلکہ رہ حرکت تو متقد مین میں وو و نصال میں اُس شہور مقولہ کے مطابق حب کا تذکرہ ہدایت نمر س کے قول نمبر الا میں گذر جیکا ہے، دینی مستخبات میں مشمار کی جاتی تھی ،

 يركة بين شهرت يا عكى تقيس " حيوم نها مغيالطيد

ووکتب مقدر کے نسخ مغرب دمشرق بین جیل چکے تھے ، اس لئے کسی شخص کے لئے ان میں مخر لیب کر ناالیا ہی امکن تھا ، جس طرح تمہاری کتاب میں مخرلیت ناممکن ہے ؟ ان میں مخرلیت ناممکن ہے ؟ مہاری کتاب میں مخرلیت ناممکن ہے ؟ مہاری کتاب میں کہ اس کا جواب ان لوگوں برخوا ب واضح ہے ، جنھوں نے نینوں مقاصد اور مغالط ممرز ایک جواب کا مطالعہ کیا ہے جب آن کے افرار سے سخریف بالفعل ثابت

ہو جکی ہے تو میصراس کے ناممکن مہونے کی بحث کسیدی

را ان کابوں کو قرآن مجید یو قیاسی کر ناسویہ بالکل فیاس مع الفارق ہے، کیونکے
یہ کابیں فن طباعت کی ایجادہ یہ کی جائے بیف کی صلاحیت رکھتی تھیں، آن کی سنہ ہوتا س
درجہ کی نہیں تھی کہ دہ کر لیب سے النع بن جاتی، دیچھ لیجے کہ مشرقی بدد بنوں ادر میہود اوں نے درجہ کی نہیں تھی کہ دہ کر اللہ مجس کا اتسرار و اعز اف فرقۂ پر وٹسٹنٹ ادر فرقہ کینھو لک والے دو فوں یو نانی ترجم ہے کی نسبت کر ہے ہیں، حالانکی مشرق و مغرب میں ہوشہ رت الس کو دونوں یو نانی ترجم ہے کہ میں زیادہ بڑھ کر ہے ،اور ان کی تح لیف کس فدر مؤثر ہوئی ؟ به نصیب ہوئی وہ جو انی سے کہیں زیادہ بڑھ کر ہے ،اور ان کی تح لیف کس فدر مؤثر ہوئی ؟ به کیسب ہوئی وہ جو انی سے کہیں زیادہ بڑھ کر ہے ،اور ان کی تح لیف کس فدر مؤثر ہوئی ؟ به کیات کو ہدایت نمیر ہو جیکا ہے،
کو ہدایت نمیر ہے کو ل نمر ہو آئی کہ ہرفر ن میں اسکی سنہ رت و تواند تح لیف سے مانع بنے ہے کہ کہ دورے فرآن کر تم ہر طابقہ میں جس طرح صحیفوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر مسانوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر میں اسکی سندوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر میں اسکی سندوں میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر میں اسکی سندوں میں محفوظ د ما ، اس می طرح اکر میں اسکی سندوں میں محفوظ د ما ، اس میں محفوظ د ما ، اس میں میں محفوظ د ما ، اس مورد کر اس میں میں مورد کی سندوں میں محفوظ د ما ، اس میں محفوظ د ما ، اسی طرح اکر میں مورد کی مورد

اب بھی جس شخص کو اسس کی صحت میں شک ہودہ انس زمانہ میں بھی تخبر ہر کرسکا ہے ،کیونکہ الیاسٹی خص اگر مقرکے مرارسس میں سے مرحن جامعہ از ہر کو دیکھئے تو انسس کو ھر وفت وہاں ایج برارست زیادہ البیے اشخاص ملیں گئے جو بانجوید حافظ نشہ ان ہوں تھے ،
اور مقرکے اسلامی دیبات میں سے کوئی جیوٹا ساگاؤں بھی حفاظ سے خالی مذملے گا ہوالا تمام یو رہین مکوں میں تنہا جامعہ از ھر کے حفاظ کے برا بر بھی انجیل کے حافظوں کی تعلیم

يد مل سيح كى، حالا بكروه فارع البال اور نورت عيش من اورصنعتو ل كي طرف الخيس بورى لمانوں سے کافی زیادہ ہے ، بلکہ هماراد عوای ہے کیجبوعی طور برتمام بور بی ممالک میں انجیل کے حافظوں کی نعداد دس کے عدد ٹک تھجی نہیں بہینج سکتی نے موجودہ دور میں کسی ایک شخص کی نسبت تھی بیرنہیں مٹنا کہ دہ حرف انجیل ہی کا حافظ يركم توريت اور دوسرى كتابون كالمجي حافظ مو،

وتمام عبيبائي ملاك مل كريهي اس معامله مين مصركي ايب جيو تي سي لسنني ، برا برمنہیں بہو سختے ، اس خاص معاملہ میں تو بڑے بڑے عبیمائی یادری مقرکے گ ، برابر تھی منہیں ہوسکتے ، امل کتاب میں صرف عزر اگر بیغمبر کی م ا وجوديا العلائد المتن محريبك اس طبقه مين تهي با وجوديا اكتر ممالك بين كمز ورب تمام عالم اسلام بين ايك لا كهست زياده قرآن كے حافظ موجود ہیں ایر آمنٹ محرابہ اور ان کی کتاب کی کھلی ہوئی فضیلت اور ان کے نبی کامعجز ہو

زمانه میں کھلی آنکھوں دیکھا جا سکتاہے،

نتب میں بہونچا،اور بچوں کو تعلیم قرآن اور اُس کے حفظ آ کھا ، حاکم نے انسننا دسے سوال کیا کہ یہ کونسی کتاب ہے ؟ اُس نے بتا یا کر قرآن بصرحاكم نے سوال كياكيا أن ميں سے كسى نے يورا قرآن حفظ كيا ہے ؟ أستا ديے ں کی طرف کی اضارہ کیا اا ب لرائے کو بلاؤ، اور فرآن میرے م تھ میں د۔ نے کہا آب خود حیں کو جا ہیں طلب کیجئے ، جنا کخیہ اس نے خود ایک لرائے کو ك عمر ١٣ يا ١٣ سال كي تقي ، ادر جيند مقامات ميں اس كا امتحان ليا ، حب ٱسيحا یفین ہوگیا کہ یہ بیورے قرآن کا حافظ ہے تو متعجب اور جبران ہوا ، اور کینے لگا کہ میں شہاد لئے توار خابت ہے ، کسی تھی کتاب کوالیہ بينهس بورے قرآن كاصحتِ الفاظ اور ضبط اعراب ہے، محض ایک بختر کے س

کے ساتھ مکا جا نامکن ہے، هم اس وقع پر آب کے سامنے چند چیزیں جن سے اہل کتاب کی کتابوں میں تخرافیت واقع ہونے کا استبعاد دور موسکتا ہے پیش کرتے ہیں، کرتب مقدر سے میں ام کان متحر لین سے لائی کر لائل

بهلى دليل

بوستباه کے دورِ حکومت تک تورات کی حالت بنی اسرائیل کے بڑے بوگوں کے حوالہ کرے اس کی حفاظت کی تاکید کی تھی ماور حکم دبا تھا کہ اس کومسندوق سنسکی دن میں رکھا جاتھ ہی اور ھرسات سال کے بعد عبد کے روز بني اسسرا شيل كوستا في المع على على مع ساحة نكالا جائه ، حينا مخير بين حراس صنار ق میں رکھار م ، اور سیط طلبفذ موسی علیالتسلام کی وحتیت برعامل رما ، اس طبقه کے ختم سوجا نی است اسُل کی حالت میں تغیر پسیدا ہوا ، ان کی حالت بیر تھی کہ تھی مرتد ہوجائے اور معی سلمان بن حالتے ، داؤد صلیم است الم کے دور حکومت مک ان کا بھی حال رہا، داؤد للت المركة بعيد مين ان كاطب ريقة بهتر بوكيا، اورسليمان عليه التيام كي عهد حكومت ى ابتداء بين البيات إلى اوربير لوگ بهر حال ايان والے رہے ، مگر مذكور ہ انقلا بات كےسبب سخہ جوصندوی میں رکھا ہوا تھا ،صالع ہوجہا تھا ،اور یہ بھی لیتیں کے ساتھ مع نہیں ہوتا کرکس دور میں صفا لئے ہواسلیمان علالیت الم نے اپنے دور حکومت میں حب میس له صندوی شیادت (THE ARK OF THE GOVENANT) به بنی امرائیل کا ایک مقدس صندق مقاجه نانے كا حكم عقول نوران الله نفالي في ديا عقا ، المدسكي جزوى تفصيلات ك سائي تفس ، يرككركي مكواى كا مقا،اوراس کاسر پوش سونے کا تقا زخروج ۲۵،۰۱۵ الام) ١١س ميں بني اسرائيل نے البياء كے تبر كان تھي ركھ نفے، یددہی دہ الوت ، ہے جس کا ذکر قرآن کر ہم نے بھی سورۃ لفرہ میں کیا ہے ، اسکی ایک لمبی تاریخ ہے، صرور ہو تو ع ۱۵،۱۵،۱۲،۱۱،۲؛۱۱، ۱۱،۲؛۱۱، ۱- سمو ميل ۲،۲، ۱۱ و باب ۲،۲، سموشل باب ۲،۵، ۲۹،۲۴ ۲، انواريخ باب

۱۲،۱۵، ۱۷ داسلاطین: - ۲۰۳۰ تواریخ یاب ۵، عراینون ۹: ۲۲مطالعه فرمایش ۱۳ د با تی ماشیم اگلے صفحہ بر)

صند و ن کو کھولا تو اسس میں سے سواستے دو بختیوں کے جن میں فقط احتمام عشرہ بنکھے تھے، اور
کوئی چر منہیں سکلی، حبیبا کرکتاب سلاطین آول ہا ہے، آیٹ ۹ میں آسسکی تصریح موجود ہے کہ:
م اُس صند و ف میں سواہتے کے اوران دولوجون کے جن کو وہاں مؤسنی نے توثیب میں
د کھ دیا تھا ،حب و قت کرخدا و ند نے بنی آب رائیل شدہ جب وہ ملک میں میں
ائے جب یا ندھا تھا ہے۔

بلمان على السلام كي آخرى دورس ده زير دست القلايات سيت آئے، بن کی شهدان کتب مقدسه دے دہی ہیں، بینی سیان علیاب الم رتعوذ باتشر زندگی کے بالکل آخری او فات میں محض بیو بول کی ترغیب میے مانخت مر مد ہو گئے ،اور تی شروع کردی ،اور مین خانے تعمیر کے ،اب ہو بک وہ تو د شبت برست من بن چکے تھے اس کئے اُن کو تورات سے کوئی مطلب اِتی شرع عقا ، اور ان کی وفات کے بعد نؤاس سے بھی بڑاا نظلاب رونما ہوا ،کیؤیج بنی اسسسرائیل کے تمام خا ندان اورقبائل کھر گئے ،اورمنتشر ہو گئے ،اور بجائے ایک سلطنت کے دوسلطنیں ہوگئی دسلی خاندان ب جانب اورایک طرف ، یور بیمام در شرخاندان کا بادست اه بن گیا اس سلطنت كانام "سلطنت اسرائيليد" قرار ما ما اورسلهان علىبالسلام كايتا رجعام ووخاندانون ير محران موا احبس كانام مسلطنت بهوداه "تخوير مواداه رد ولول سلطنتون مي كفر و ارتداد کا بازار کرم ر ما ، اس منے کہ بور بعام تو تخنین شاہی برمنمکن ہوتے ہی مرتد ہو گیا،ال اس کی دیجھی دیکھا بوری رعایا بعنی وسٹس خاندان تھی مرمد موکر شنت برسستی کرنے لگے جمع ان میں ہو لوگ توریت کے مسلک پر مائی رہ سکت منتق اور کا بن کہلاتے سے انہوں ه بهود اکی سلطنت میں ہجرت کر لی اس طرح پرتمام خاندان اس زمانہ سے ڈھائی سوم ال فر گذشتر کے ماشیے) مل یہ حکم استثناء ١٦١ ، ٢٦ يس شكور ہے ١٢ ن سكة كناب قضاة يورى بى ان كى نافرانيون سه بعر يورب ، بالحضوص د يجعيد ففناة ٢ ، ٢٠ تا ٢٠٠ ، ١٠ د يجعيد سمو عمل الى وسلاطين ادل، هه ديكية ا، سلاطين ١١:١١ ما ، رصفي ها ندا ك ما الشيدى بله د يكفية و رسيلاطين. ، ي تعاد في كيد ما حقد بوصية م كا حاشيك أر سا طين ، بال

بعد بك كافروبت يرست يط آنے تھے، الخرخدانے أن كو السور حرباداور ختم كيا اسورلیوں کا اُن پرتستط فائم ہوا ،جنہوں نے آن کو قیداور مختلف ملکوں کی جانب جلاوطن دیا ۱۰ ور اسس ملک میں سوائے ایک جھوٹی سی حفیرجاعت کے اُن کا دجود باقی نہ جھوٹرا ، ا وراکسی ملک کوئبت پرستوں سے مجردیا ، تو بیر پیوٹیوٹی بقیایا جماعت تھی ان مُت برستوں کے ساتھ کھُل مل گئی ہے ،اور ان کے آلبس میں شا دی بیاہ ، توالد و تنا سے ہوا،اس مخلوط ہوڑے سے ہواو لا دبیدا ہوئی وہ سامری کہلائے ، غرض بور بعام سے لیکراسراییلی سلطنت کے آخری دورتاک ان لوگوں کو توربیت سے کو بی سروکار یادا نہیں رہااور انس ملک میں توریت کا وجود مخفاء کی طرح تخا،

به نقت توآن دمس خاندانو ب اور اسرائیلی سلطنت کاسفا ، دوسری جانب سلیمان علیہ است لام کی وفات کے بعد بہود آ تخت سلطنت پر ۲۲۲ سال کے عرصہ میں بیج للطین منمکن ہوئے ان با درشا ہوں میں مرتد ہوئے والوں کی تعدا ومومنین کی نسبت زیادہ رسی ، بت پرستی کا عام رواج تور حبعام کے عہد ہی ہیں ہو جیکا تھا ہر درخت کے نیجے ایک ثبت نصب تھا، حب کی رستش کی جاتی تھی اُنٹرنے دور میں بہ حالت ہوگئی کہ بروس کم کے هر گوٹ، اور کونے میں بعل کی قسر بان کا میں نعمد

ہوگئیں، بین المقداس کے در وانے بندکر دیے گئے،

اس کے دور حکومت سے قبل مروث لم اور مین المقدر سی دومر ترم ط حیا کف ا بہلی بار توت و مصر کانسلط ہوا ،حس نے بیت آسٹر کی تمام عور توں اور محلات ساہی کی تنام بیگات کوخوب ہی کوٹنا ، دوسری مرتب اسرائیل کامزند با درشاہ مستط ہوگیا ، اور بیت الله کی خواتین اور محل شامی کی مورتوں کو بے انتہا لوا ، بہان بک کرمنسا کے عب لمطنت بیں کفر بڑی شدّت سے بھیلا ،حس کے نتیجہ میں مملکت کے اکثر باشند۔ سه د مجهة ۲ _سلاطين ۱۱: ۳ تا ۲۲، سه د سوب فويس خدا دندسه مجيي در ني ربس اورايني كهودي بوئي يورنون كوسجى بوحتى رين " (٢ - سلا : ١٠ : ١١) كله د يجيع ا- سلاطين ١٦ : ٢٢ ، ٢٠ ، تله و کھے ۲۔ تواریخ ۲۲: ۲۲ نا ۲۷ ، کل سرسلاطین ۲۱: ۲ نا ۵ ،

من پرست بن گئے ،اکس با دشاہ نے بیت المقرس کے صحن میں بتوں کی قسر بان گا میں افریرا ئیں، اور جس خاص میت کی وہ خود پرستش کرتا تھا اس کو بیت المقدس میں لارکھائہ اس کے بیٹے آمون کے دورسلطنت میں کفر کی بہی ترقی دگرم بازاری رتئی ،البند اکس کا بیٹا پوسیا بن آمون جب ریر آلائے سلطنت ہوا تواس نے سیجے دل سے تو بہ کی ،اور خد اکی طرف منو حب ہوا ، وہ اور اس کے اراکین سلطنت بٹر لیوت موسوی کے رواج دینے کی طرف متوج ہوئے کفر ونٹرک کی رکسموں کو مشانے میں بڑی جدوج ب کی ،مگراس کے باوج داس کے ابتداء مکومت سے سنزہ سال مک نکسی نے توریث کی شکل دیکھی ،اور نکسی نے توریث کی رسی کے باوج داس کے ابتداء مکومت سے سنزہ سال مک نکسی نے توریث کی شکل دیکھی ،اور نکسی نے توریث کی شکل دیکھی ،اور نکسی نے توریث کی نسل دیکھی ،اور نکسی نے توریث کی شکل دیکھی ،اور نہ کسی نے توریث کی نہ سے میں بار

البند حلوس البند حلوس اسال میں خلقیا ہ کا ہن نے بیر دیوای

لوسیاہ کے زمانہ میں توربی^ن کی دریافت

کیاکہ مجھے بیت المقدس میں توریت کانسخہ ملاہے اور پرنسخہ اُس نے سافن منشی کو دے دیا بھراُس نے اس کو پوسیاہ کے سامنے بڑھ ا ، پوسیاہ نے اس کامضمون سنگر بنی اسائیل کی نا فرمانی کے عمٰم میں ا ہنے کپڑے ہے اڑ ڈ الے ، عبس کی تھر ہے کہ کتا ب لاطین نانی باتب مسیس اور کتاب نوار بیخ نانی کے باب ۲۲ میں موجود ہے ،

مگرنة نوبین مخرست اعتباری، اور نه خود خلفیا ه کافول لائق اعتماد کیونکر به بن المقدس افرکی عبد ده بین المقدس افرکی عبد ده بین الموسام ربتکده بن جیکا مظاادر بنوں کے مجاورین دوزانه اسس میں داخل ہوتے ، ادر پھرکسی نے سنڑہ سال کے طویل موصد میں توریت کوندو کھا نہ سنا ، حالا لئم بادست اور موسوی شریعیت کومد میں توریت کوندو کھا نہ سنا ، حالا لئم بادست اور الکین سلطنت اور موسوی شریعیت کے بھیلانے اور دواج معین ایری جوتی کا دور لگاتے رہے ، اور کا مین دوزانه داخل ہوئے دور سے ، اور کا مین دوزانه داخل ہوئے دیسے تو بڑی جرت کی بات ہے کہ توریت کا نسخ میت المقدس میں موجود ہو، اوراتنی ہوئے دیسے تو بڑی جرت کی بات ہے کہ توریت کا نسخ میت المقدس میں موجود ہو، اوراتنی

ك ٢- سلاطين ١٢: ٢ تا ٤ ، ٢ - سلاطين ٢٠ ، ٢١

م م - سلاطين ۲۲:۲ 4

على واور يوسياه كالطار بوين بركس اليها بوا المرسي (٧٠ سلاطين ٢٢ ، ٣)

104 باب دوم ، با دشاه اور امرابو سلطنت کی عام توجه ملتِ موسوی کی طرف دیکھی سنائی زبانی روابنوں اور قصوں کو جمع کرکے مرتب کیا ، جو تمام لوگوں کی ز بانی اس مک بہو پنے منتھے ، خواہ وہ ہیسے ہوں یا حجو تے ، اور بر۔ وتالبعث بين گزارا ،جب حسب منشاء تسسخ جمع اور مزنب مو گبانو اسس كوموسى علايسلام س قسم کا افر اء اور حجوث دین و مذسب کی زقی اورا شاعت اخرین بہو داور <u>مجھلے</u> عیسا بڑو ںک منراس موقع برسم الس س سے مرف نظر کرتے ہوئے کہتے ہی ہے بورسیاہ کی نخت نشینی کے اٹھار ہو ہر بال میں دسستیاب ہواہے ،اور نیرہ سال اسسکی مذہب حیات تک وہ کی وفات کے بعد حب اُس کا بیٹا بہو آخر تخت نشین ہوا نووہ مرتد ہوگیا ، اور کفر بھیل

گیا ، حبس کے بینجہ میں شارہ مصراس بیمستط ہوگیا ، حب نے اس کونظر بندکر ھے ہے۔ مجائی کو تخت نشین کیا ، یاوہ بھی اپنے بھائی کی طرح مرتبہ نظا ، اس کے مرنے پر اس کا ؛ الشین ہوا، یہ تھی اپنے باپ اور چیا کی طرح مرند تھا <mark>، بخت نصر</mark>نے اس کواور بنی اسراعیل کی کا فی تعداد کو فنید کیا ، بیت المقدس اور شاہی نزانوں کو خوب بوٹا ،اور اس <u>سے تجا</u> کو

غن نشین کیا، برنجی تصنیح کی طرح مرتد تقام

بہتمام تفصیل جان لینے کے بعد ہم کہتے ہیں کہ ہمارے نز دیک یہود بوں میں نور سب ل منقطع تظا ،ا ورجوتس ہے، نہ اس سے نوا تر کا نٹوٹ ہوسکتا ہے ،اوروہ بھی کُل نٹرہ س ما ،اس کے بعداس کی حالت کا کھے بنز مہیں حلیا ، طاہریہی۔ د پوسسباه کی اولاد میں تصلا نو گزشہ سے پہلے غائب ہو حکی تھی ،اوراس قلیل حرکت کا وجو و ارتدا دیکے زمانوں

له ان واقعات كي تفصيل كے ملاحظ بهوم ، سلاطبي ١٢٠: ١٣ تا ١١ ورم ٢: ١٠ تا ١١

کے درمیان با مکل طرمتخلل کی طرح تفا ، اور اگر ہم اس توریت کو یا اس کی نقل کو باقی بھی فرعن كرلين تب بھى بخت نصر كے عادلة ميں اس كا صنائع موجانا قباس كے مطابق ہے، اور يہ حادثة نوسلاحاداتہے،

بخت نصر كادوسراحمله حب أس بادث وفيت نصر في تخت ووسرى دليل النين كيامقا، خوداً سك فلاف بغاوت كى، نو المخت كى المخت نفر في الشين كيامقا ، خوداً سك فادلاد كواس

کی آنکھوں کے سلمنے ذبح کیا ، بھراس کی آنکھیں ککواکرز بخروں میں بندھوا یا ، اور بابل مجوا دیا ، بین الله اورش هی محلات اور بروش لم کے نمام مکانات اور سر برطی عارت اور نم بڑے لوگوں کے گھروں کوجلا ڈالا، بردست کم کی جہار دیواری کومسمار کر دیا، بنی ارائیل كے تمام خاندانوں كو گرفتارا در فيبر كيا ،اوراس علاقه ميں مساكين ،عزباءاور كاشتكاروں

ير بجنت نفركا دوسرا حادثهد، السيموقع بيرتوريت معدوم بوكمي، اسيطرح مرعتيق كى دەنمام كتابين بواس حادشد الشانفيل تصنيف بوقى مفين صفح عالم سے قطعى مط كيني، اور بيصورتِ حال بھي ائل كماب كوتسليم ہے، جبياكه مقصارت ہما دت تنمبرا مبن آپ كومعلوم ہوچكا سے،

فین بوکس کا حاوز اجب عزراء علیه است لام نے عیبائیوں کے نظریہ کے مطابق اجب عندی کا حاوزہ است کا میاری دو سراحب دشہ میں میں دوسراحب دشہ میں میں میں میں کا در مرکا بوں کی بہای کتاب کے بال بین اس میں کا دکر مرکا بیوں کی بہای کتاب کے بال بین اس

طرح کیا گیاہے: و انتبولس سنسنتا وفر الكتان نے بروشلم كو فتح كر كے عهد عتين كى كتابوں كے جننے نسخ

له بعی صد قیاه ،ان واقعات کی تفصیل کے لیے ویکھے م نوار یخ ۳۷: ۱۱ تا ۲۱ و ۲ سلاطین ۲۵: اتا ے ك و يحقة صغى ١٣٣ و١٣٥ جلد مِذا ويرمياه ١٩٠ : آنا ٤،

سه تعارف کے لئے و کھنے صفحہ ۲ سس جلد اوّل ،

جہاں سے اسے ملے بھاڑ کر جلا ویٹے ، اور حکم دیا کہ حس کے پاس کوئی کتاب عہد عنین کی بھال سے اسے ملے بھاڑ کر جلا ویٹے ، اور حکم دیا کہ حس کے باس کوئی کتاب عہد عنین اس بھلے گی ، یادہ مشر لعیت کی رسسم بجالا دیے گا مار ڈالا جائے گا ، اور ہر مہدینہ میں نتحقین اس کی عمل میں آئی تھی ، اور حسب کے پاس کوئی کتاب عہد عتین کی بھلتی یا ٹما بت ہوتا کہ وہ رسم مشر لیعت کو بجالا با وہ مارا جاتا تھا ، اور کتاب عمد کی جاتی تھی سلم

میں کھی اور ہے۔ ایس کی اور اس کی دلادت سے ۱۶۱ سال قبل پیش کی اور ساڑھے۔ بین کے اس کا کہ جاری رہا ،حس کی تفصیل علیمائی تواریخ بین کھی موجو دہے اور پوسیفس کی تاہیم میں کھی الم کے اس کھی تھے قطعی اپیر ہوگئے میں کھی الم نے مکھے تھے قطعی اپیر ہوگئے علیم السلام نے مکھے تھے قطعی اپیر ہوگئے علیمال مقصد است ہا وت نمبر الا میں جان کینے ہوگئے۔ ملز کے کلام سے آپ کومعلوم ہو جی کا ہے گئے۔ میں جب اسکی صبحے نقلیں عور اور اور کے دریعیہ ظاہر ہوئیں تو یہ نقلیں بھی انتیوکس کے حادثہ

میں صنائع ہوگئیں'؛

مجرحان ملزكها ہے:-

" بيم نوان كتابون كى سيحائى كى شهادت اس دفت تك متسر نبين بوسكى ، حب تك

کہ سکابین کی کمآب کا ار دونز جمبہ چو بح صامے پاس نہیں ہے ،اس سلط ہم نے یہاں اس عبارت کا وہ ترجمہ نفل کر دیاہے جو خودمصنعت نے اعجاز عیسوی میں صفحہ سر پر مذکورہ کتا ہے لکھا ہے، ہمارے پاسس مکا بین کی کتاب انگریزی میں ہے ، عب کے الفاظ یہ ہیں :۔

" NEVER A COPY OF THE DIVINE LAWBUT WAS TURN UP AND BURNED;

IF ANY WERE FOUND THAT KAPT THE SACORD, RECORDOROBEYFOTHE

LORD'S WILL, HIS LIFE WAS FORFEIT TO THE KING'S EDICT

MONTH BY MONTH SUCH DEEDS OF VIOLENCE WERE DONE.

بعنی فانون خداوندی کاکوئی نبخ ایسا نه تھا ہے بھاڑا اور جلایا نه گیا ہو، اگر کوئی شخص الیا ملتاجی کے پاس یہ مقدس نوٹ ندمحفوظ ہویا وہ خدائی اسکام کی بیروی کرا ہوتو بادشاہ کے حکم کے مطابق اسے مار ڈالا جانا ، ہرمہدینہ بر تشدد کی کارر وائی ہوتی تھی'؛ (ا- مکابوں ا: ۹۵ ما ۹۱

پوتھی دلیل

يانچوس دليل

مسيح عليرال ام اوراس كے عوارى مشہادت ، ويں "

م کہتے ہیں کہ اس شہادت کی لوری پوزلیشن مغالطہ تنبر تا کے جواب میں واضح کی جامیجی ہے ، مرکہتے ہیں کہ اس شہادت کی لوری پوزلیشن مغالطہ تنبر تا کے جواب میں واضح کی جامیجی ہے ،

اس معیم اسان ما در سے بعد بہودیوں برت ہو کر مت کے ہاتھ وں اور مجمی مختلف اور متعدد حوادث و اقع ہوئی

جن میں عزوراء عمری نقلیں معدوم ہوگئیں ،ان میں سے ایک

عاد نہ طبیطوس رومی کا ہے ، بہ ایک بڑا زبر دست عاد نہ تھا ، جو مسیح علیہ السلام کے عود ہے اس مسال بعد سپینیں آیا ، جو بڑی تفصیل سے بوسینفس کی تاریخ اور دوسری تاریخ سیں مکھا ہوا ہے ، اکس عاد فہ بیں عرف بیر وسٹ کم اور ملحقہ علاقہ میں لاکھوں بہودی فاقہ اور آگ اور تلوار اور سولی کے ذریعہ ہلاک ہوئے ، اور ستانوے ھزار بہودیوں کو قنید کرے مختلف ملکوں میں فروخت کیا گیا ، اور بہودی سرزمین میں بیر بیائی مارگروہ اور جاعیں مہلاک ہوئیں ،

متقدمین عبیائی عہد بعثین ہی سے عبرانی نسخہ کی جانب منوحب رنہیں تنے ، بلکہ جہور عبیائی اس کی تخر لین کے

معنو حب مہیں تھے ، بلکہ ہمور علیا تی اس کی تحر کیف کے معنفذیجے ان کے نز دیک یو نائی ترجہ معتدیجیا ، مانتخصہ ص

د دسری صدی کے آخر بک ، کیونکہ انس د وران میں کہجی کو ٹی عبیبائی اس نسخہ کی طرف قطعی منوحہ نہد ، مول واق کھ یہ ترجمنیک مہر بہو دی و ادر نہ بنانی رید ، کھی بہا ہیں یہ کم سخو

منوجہ نہیں ہوا ،اور پھر بہ ترجمنے م یہودی عبادت خانوں میں بھی پہلی صدی کے آخبہ نک راغج رہا ، اس بناء برعبرانی کے نسیخ بہت ھی کم سقے ، قلیل ہونے کے علاوہ بہنوں

کے پاس تھے جیساکہ آب کوم ایت نمرس مفالط نمبرا کے جواب کے ذیل بین معلوم ہو جیکا ہے۔

مخ ناب كے اینودكوں نے دہ تمام نسخ جوسانویں یا تصویں

صدی میں مکھے گئے تھے نا پیرکر دیئے تھے مجھن اس سئے کہ وہ ان کے نسخوں کے مخالف تھے،اسی

فور میمود لوں کے مستنے نابید کئے ا جھٹی دلیل

بناء برعہد مِنتِق کی تَصیح کرنے والوں کو ایک سخہ مجی الیبانہ مل سکا جو إن دوصد اوں کا که تعارف کے لئے دیکھٹے ص ۲۷۲ جلاکا حاصیہ کله اعجاز عیبوی وص ۲۰٪ بیں مصنعت نے مفتول

يهوديون كي نغداد كياره لا كم مكمى ب ١٠ نفى سله و يجهة صفى ٢٥٥ و ٢٧٦ ، جلد بنرا ،

مکھا ہوا ہو، بہود یوں کی اس حرکت کے بعد اُن کے باسس صرف اُن کے من لیسند بننے باتی رہ گئے ستھے جن میں ان کو تحر لیٹ کرنے کی بڑی آسا نیاں اور گنجا نشس حاصل تھی حبیبا کہ ہوایت نمبر ۳ قول نمبر ۲۰ میں معسلوم ہوج کا ہے ،

ئاتوين دليل

عیاثیوں کے ابتدائی طبقات میں بھی ایک چیزنسخوں کی قلت کا سبب تھی ، اور سخر لیٹ کرنے والوں کی مخر لیٹ کاموجب، کیونکہ ان کی تواریخ السس امر کی شہادت نے رہی ہے کہ متواتر نین سوس ال بک ان پرمصائب اور حوادث کے پہاڑ تو ہے دہے اور دسکے اور دان کے بہاڑ تو ہے ۔۔ اور دسک مرتنہ قتل عام سے ان عزیبوں کو واسطہ بڑا ، جن کی تفصیل ہے ،۔

عیا نیوں پر طرنبوالے بھے حوادث اور قتل عام،

بہلاحاون میں بیارہ فرشاہ نیروکے عہد میں سکانے میں بیٹس یا، جس میں بیطرس حوارثی اور اسکی بیوی اور فرانس اللہ میں میں بیطرس حوارثی اور اسکی بیوی اور بیولس وار بیر بیارہ قال وارالسلطنت دا بالانہ میں واقع ہوا، یہ کیفیت اس بادشاہ کی زندگی بحث فائم رہی، هیسا ئیوں کے لئے اپنی مسیحبت کا اظہار واعتراف سینت تزین جرم شہار ہوتا تھا، کیھ

روسراحاون الم المحادث شاہ ڈومشیان کے دورسلطنت بیں سیشی آبا ، یہ بادث مجی نیرو کوسراحاون کی طرح ملت عیسوی کا جانی دشمن تھا ،اسسنے عیسا تیوں کے قبل عام کا

له فران جاری کردیا ،اوراس فدرخون بہایا گیا ،کداسس دین کے قطعی مط جانے کا خطرہ

كابادشاه دست مراج الميان المراج المرا

يا ، لوحنا حواري جلاوطن كيا كيا ، اور فيليس كليمونسس بهي فنل كياكيا ، <u> ن و ٹرجان کے عہد میں پیش آیا ،حس کی ابتداء س</u> اورا مطاره سبال تکمسلسل یهی حالت رهی ۱ اس منگامه مین کورنتصیه گا س اورروم كااسفف كليمنط اورشليم كااسفف سنمعون ماراكيا، ا د مرفس انتونیشب کے عہد میں ہیش آیا ،حس کی ابتداء سالسلیم میں ہوتی ، دس سال سے زیادہ یہی کیفیت رہی ، اور قبل عام مشرق وہ يس بيل كيا، يه باد شاه مشهور فلسفي اورمتعصب عبت برست عما ، میرحادثه شاه سوریس کے عہدمیں پیش یا جس کی ابتداء سات ہے، صرف مصریں ھزاروں عبیسائی قتل گئے گئے ، اس طرح فرانس او مدید قتلِ عام کیا گیا کہ عکیائی یہ خیال کرنے سطے کہ برزمسانہ دیجال ب واقعیت همکیهمن کے عہد میں بیش آیا،حس کی ابندا و محتلئ میں ہوئی اس كے حكم سے اكثر علماء مسيحي فنل كئے گئے ،كيونك اس كو كمان ہواكہ وہ علماء کے قتل کے بعد عوام کو بڑی سہولٹ کے ساتھ اپنا تا بع فرمان بناسکے گا ،اس فتل عام میں پوپ پونٹیا نوس بھی مارا گیا ،اور پوپ انٹیروٹس بھی،

له اے ٹراجانوس ر ۲۹۸۸ مر کہ کہ جی کہ میں دہ سے مسلطہ مسلطہ کے مسلطہ کے مقابلہ میں اسکی شائد اوفت مشہورہ اس خدیدا توں بر بہت فلم وستم ڈھائے ربر النہا ، ۱۷ ت به استف "کلیسا کا ایک عہدہ ہے جس کا مطلب یہ ہے کہ وقت کا «پاپا » (دیکھئے صی سے مخلف شہروں میں اپنے نائب مقررک تاہے ہے اپنے اپنے شہریں "پاپا "کے سے اختیارات ہونے بیں ،اس نائب کو "اسقف" کہتے ہیں ،فسیس کا ورجہ اس سے نیچاہے ، (از مقدمہ ابن خلوق ۱۹۸۸ جلداول) اسی کو انگریزی میں بشریب میں اس کے فرائص منصبی کے لئے دیکھئے برانا نیکا مقالم میں اس کے فرائص منصبی کے لئے دیکھئے برانا نیکا مقالم بیشب یا تفقی

ایرحادثربادث و ڈی شمس سے زمانہ میں سمعت نے میں سہیل ا بادشاہ نے تومذہب عدیبوی کی بینج کئی کا پختہ ارادہ کر لیا تھا، بینا کنیر اس کے فرمان صوبوں سے گورز وں کے نام اس سلسلہ میں صادر ہوئے ، ایس اوٹ میں ہت سے عیسائی مرتد مہو گئے ، مصر، افر نقیب، اٹلی ،اورمشرق وہ مفامات ہیں جب ں س کاظ معام رلی، تصوا*ں جا ونثر* | یہ واقعہ ہاد شاہ ولریان کے عہد میں سمھنٹۂ میں بیش آیا ،حس میں خرارو عبیائی قتل کئے گئے ، پھراس سلم میں اس کے احکام نہایت سخت م ہوئے ، کہ اسقفوں ، بادر لوں اور دیم سیح کے خا دموں کو فتل کیا جائے ، اور عون وا برق والوں کی ابروریزیاں کی جائیں ،ان کے مال لوٹے جائیں ،اس کے بعد بھی اگر عبیبائین میر قائمٌ رہیں توان کو فتل کر دیا جلئے ، اور سٹر بیب عور نوں کے اموال لوٹ کران کو حلا وطن کم ویا جائے ،اور باقی عبیا بیوں کوغلام بنایا جائے ، اور فنید کرکے ان کے یا وس میں زمخردال رسرکاری بیگار میں المستنعال کیا جائے، ، | میرحاد نه بادشاه اربلین کے زمانہ میں سمین آیا ،حس کی انبداء مرسم بحت میں ہوئی، اگرجب قتل عام کے لئے اس کا فرمان صادر مہوجیکا تقامگراس بائی زیاده قتل مذ ہوسکے ، کیونکر بادث و نود مآرا کیا ، : | يه واقعه سنته مين ميش آيا ١٠س قبل عام مين مشرق ومغرب كو زمينين لالهزار بن گئي، شهر فريجيا بورا كا بورا دفعة مجلاديا گبا، ا وراس میں ایک تھی عبیسائی زندہ یہ رہا ، اگر یہ واقعات صحبہ میں نوان میں نورسٹ کے کسنے کی کثرت کا نوکو ئیامکا ن بیں، اور مذکتا بوں کے محفوظ رہنے کی کوئی امکانی شکل، ادر ہزان کی تصبیحے و تحفینی ت ، نیزا بسے ناخوش گوارحالات میں مخر لیٹ کرنے والوں کی توجا ندی

يهلىصىدى مين موجود منفطى ، جن كاشغل ہى نخرلف كر ناتھا۔

طرنمبا کے بواب بیں آپ کومعلوم ہو جیکا ، کہ بہت سے برعنی عدیہ

و لو كليشين كاحادثه آشهويب دليك

بادشاہ فریو کلیشین نے جاہا تھا کہ مجھائی کنابوں کا دجود صفحہ مہتی ہے مادے اور سسلہ میں اس نے بڑی جدوجہ رکی اور سسلیم میں گرجوں کے مسمار کرنے اور کتابوں کے جلانے اور عبادت کے لئے عیسا بڑوں کے اکتھانہ ہونے کا فر مان صادر کیا ، چنا بچنا اس کی تعمیل ہوئی ، اور گرجے گرا دیئے گئے ، او تہوہ کتاب ہوائسے جھان میں اور تلاش سے مل سکی ، جلا دی گئی ، اور جوعیسائی ہی تعمیل سے (نکار کرتا ، یا اس کی نسبت بادشاہ کویہ گمان ہوجا تا کہ اس کے پاکس کوئی کتاب جھی ہوئی ہے اس کو سحنت اور شدمیر بادی جاتی ہوئی ہے اس کو سحنت اور شدمیر میزادی جاتی ، اس موجود ہے ، لار طونرا بنی تفسیر کی جلدے صفحہ ۲۲ میں کہتا ہے کہ ؛ عیسائی توار برخ میں موجود ہے ، لار طونرا بنی تفسیر کی جلدے صفحہ ۲۲ میں کہتا ہے کہ ؛ عیسائی توار برخ میں موجود ہے ، لار طونرا بنی تفسیر کی جلدے صفحہ ۲۲ میں کہتا ہے کہ ؛

ر یوسی بیس براے در دناک بیرایہ میں بیان کر تاہے کہ میں نے اپنی دونوں آنکھو سے گر حوں کا گرا باجا آادر کتب مقدسہ کا بازار دن میں جلایا جانا دیکھا ہے ''

هم یه برگز نهیں کہنے کہ اس کے مثانے سے تمام نسخ صفح عالم سے مث گئے ، لیکن اس میں ذرا بھی شک نہیں کہ ان کی تعداد بہت ہی کم رہ گئی ، اور بے شمار صحیح اور نفیس نسخ صنا تُع ہو گئے ، کیونکہ اس کی سلطنت اور ملک میں خود عیسا تُعوں اور ان کی کتا ہوں کی

ا و المحكيشين iocherian مروم كالمشهوربادشاه بوس من عند المحال را المليسا كالرها المليسا كالرها المليسا كالرها المالية المحالية المحطيم خطره محسوس بواحس كى بناء براس نے عيسائيوں برطلم وسنم

وهائ وتفصيل كيلية ديكهي برطانيكا، صفحه ٩٣ جلد ع) اس كي زانه كوعليا في معزات وعبدات موعبداً

تعداد جتنی زبادہ تفی اسس کا دسواں حقتہ تھی دوسرے ممالک میں نہ تفا اور تحرلف کا دروازہ گھی حکامتما ، آ

اس میں ذرا بھی تعجب بہیں ہوستا کہ کوئی کتاب السی بھی ہوجو بالکل معدوم ہوگئی ہو، اوراُس کے بعداُس کے نام سے ایسی کتاب وجود میں آگئی ہو، بوقطعی حعلی اوراس سے مختلف ہو، کیوز کہ الیا ہونا طباعت کی ایجاد سے قبل کچھ بھی مستبعد نہیں تھا جسا الآپ کو ہدایت نمرہ کے قول نمبر ۲۰ مغالطہ نمبرا کے جواب میں معلوم ہوجیکا ہے، کہ بیود لوں کے من ایسن نوں کے مخالف جس قدر نسخ نظے وہ آٹھویں صدی کے بعد ان کے ناپسیر ومعدوم کر دینے کی وجہسے بالکن ایسید ہوگئے تھے،

ا وم کلارک اینی تفسیر کے مقدمہ میں یوں کہنا ہے کہ:-وہ جونفسیر فی سنن کی طرف منسوب کی جاتی ہے ، اس کی اصل ناپید ہو چکی ہے اور حس آذ کے ذب نور ایس کی طرف منسو ب کی جاتی ہیں وہ علماء سمرزن دیکر بشکاری

تفسیر کی نسبت اس کی طرف اس زمان میں کی جاتی ہے ، وہ علماء کے زود بیک شسکوک

ہے ،اوران کا شک بالحل صیحے ہے "

سن آبنی کتاب کی جلد ۱۳ بین تکھنا ہے کہ:-دوجو تفسیر فی شن کی طرف منسوب ہے وہ تقبیوڈ درط کے زمانہ میں موجود تھی؛ اور ہرگرزجا میں بڑھی جاتی تھی ،مگر تھیوڈ درط نے اس کے تمام نسخے ناپید کردیئے

تاكداس كى جگه النجيل كور كھے "

دیکھے کہ تھیو قورٹ کے ضائع کرنے سے یہ تفسیر کس طرح صفح عالم سے مط گئی، اور عیسائیوں نے الس کے بعد اس کی جگہ اسی نام کی دو مری نفسیر کھڑ لی، اکس سی کوئی شک نہیں کہ فرنگیوں کے شہنشاہ ڈیو کلیشین کی طافت یہود بوں کی طاقت سے زیادہ تھی، اور اس کے نا بید کرنے کا زمانہ بھی ہیود کے معدوم کرنے سے زیادہ نزدیک ہے، ملکی مختلف ملک تھیو قودرط میں محمد میں اور فرم بسی کا رہی تھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں، اور فرم ب کی تاریخ بھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں، اور فرم ب کا تاریخ بھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں، اور فرم ب کی تاریخ بھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں۔ اور شراب کی تاریخ بھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں۔ اور شراب کی تاریخ بھی، صبح تاریخ وفات معلوم ایک ایک اندازہ کے مطابق کھی ہیں۔ اور شراب کی تاریخ بھی اسے تو تاریخ وفات معلوم ایک ایک اندازہ کی تاریخ دو تاریخ وفات معلوم ایک ایک اندازہ کی تاریخ دو تاریخ وفات معلوم ایک ایک میں مطابق کھی ہیں۔ اور شراب کی در شراب کی تاریخ کھی اسے تاریخ وفات معلوم ایک ایک میں تاریخ کھی تاریخ وفات معلوم ایک کا تاریخ دو تاریخ وفات معلوم ایک کی تاریخ کھی تاریخ وفات معلوم ایک کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ وفات معلوم ایک کا تاریخ دو تاریخ کی تاریخ کو تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کو تاریخ کی تاریخ کے تاریخ کی تاری

اسی طرح اسکی طاقت بھی تھیو ڈورٹ کی طاقت سے زیادہ تھی، نو پھرائس میں ذرا تھی تبدل نہیں معسلوم ہوتا ،کرعہب و جدید کی بعض کتا ہیں ڈیو کلیشین کے حادثہ میں ضائع ہوگئی ہوں اور ان حوادث میں برباد ہو گئی ہوں جو مذکورہ سلاملین کے عہد میں بیش آئے ، بھرائسس کے بعداسی نام سے ان کی جگہ من گھرٹ کتا ہیں وجود میں آگئی ہوں ،حیں کا نقت آ ب کی شنسن کے نعداسی نام سے ان کی جگہ من گھرٹ کتا ہیں وجود میں آگئی ہوں ،حیں کا نقت آ ب کی شنسن کی نقشہ ہیں ،

عہد جدید کی لعص کتا ہوں کے گھڑنے کا انتہام اُن کے بیہاں تفسیر مذکورہ کے گھڑنے سے زیادہ صروری تفا، اور وہ منتہ ہور ومقبول مقولہ حیں کا ذکر ہوایت نمبر سے تو ل نمبر اس مغالطہ نمبار کے جواب میں گذر جیکا ہے، دہ اس اختراع اور افتراء اور جھوٹ کے مستحس اور مستحب ہونے کا فیصلہ کررہا ہے ،

ترشد ہے انکی اسابید متصلہ بھی اس حد تک ضائع ہوگیٹن کہ اب ان کے پاس عہر متن اور کا بوں کی اسابید متصلہ بھی اس حد تک ضائع ہوگیٹن کہ اب ان کے پاس عہر متن اور عہد حدید کی کتاب کی سند متصلہ بھی اس حد تک ضائع ہوگیٹن کہ اب ان کے پاس اور نہ بہودیوں عہد حدید کی کتاب کی سند متصل موجود نہیں ہے ، نہ عیسا بیوں کے یہاں ، ہم نے بار ہا بڑے بڑے بادریوں سے سند متصل کا مطالبہ کیا ، مگر وہ بہن سے کرنے سے عاجز ہوئے ، ایک پادری نے اکس مناظرہ بیں جو میرے اور عیسا بیوں کے درمیا ہوا تھا اس کا بیر عذر بیش کیا کہ ہمارے نز دیک اسناد کے معدوم ہونے کا سبب وہ فتنے اور مصابع بیں جن بیں تین سوتیزہ سال تک عیسائی مبت الدرہے ، ہم نے خود بھی ان کی سناد کی کتابوں کا پورا جائز لیا ، گر ان میں قیاس وظن کے سواکوئی چیز دستیاب نہیں ہوئی، اور یہ چیز سند کی حیثیت سے قطعی ناکافی ہے ،

641

عہدنبوئ سے قبل کے نسخ اٹ بک موجود ہیں بانعواں مغالطہ

کہا جا تاہے کہ کت مقدم کے وہ نسخ جوعب رنبوی سے قبل کے بیکھے ہوئے باسس موجود میں ،اور بیر کسیخ ھالے موجود ہ نسخوں کے مطالق ہن اس کے جواب میں ہم عرض کریں گے کہ اس مغالطہ میں در حقیقت و و دعوے کئے گئے ہیں ، ایک توبیر کہ بیر نسنے حصنور صلی اللہ علیہ وسی ہے سے قبل کے تکھے ہوئے ہیں ، دوم ہر کہ یہ ہمارے نسخوں کے مطالِق ہیں ، حالا نکردونوں دعوے غلط ہیں ، بہلانواس لئے کہ ہدایت نمبر کے قول نمبر ۲۰ میں مغالطہ نمبراکے جواب میں فارئین کو علوم ہو جیکا سے ک^{لوع} سیعتبی کی تقییح کرنے والوں کو کوئی ایک نسخ بھی عبرانی الیا نہ مل سكا جوسانویں باأتھویں صدى كا مھا ہوا ہو پہلكہ ان كواليسا تھى كوئى كامل نسخہ تعبراني كا مر نہ ہوسکا جو دسویں صدی کے پہلے کا ہو ، کیونکہ کئی کاط کو جوسسے زیادہ ٹرانانسخ ب ہوا ،حس کا نام کوڈ کس لاؤیا نوکسٹی ہے ،اس کی نسبت کنی کاط کا دعواہے ہے کہ وہ دسویں صدی میں تکھا گیا تھا ،موشیو دی روسی کا خیال ہے کہ گیار ہویں صدی کا تکھا ہواہے، وانڈر ہوط نے حب عبرانی نسخہ کامل تصبحے کے دعوے کے ساتھ طبعے کیا ہے تواس نسخه کے چودہ هزار منفا مان صرف نور بین کے دو ہزار سے زیادہ مقامات کے مخالف نکل^ا

س سے آب اس کی اغلاط کی کثرت کا ندازہ سگا سکتے ہیں۔

فیقن ابرے اونانی ترجمہ کے نسخ ، تواس کے تین نسخ ا توعبسائیوں کے بہاں سبت ٹرانے شمار کئے جاتے

میں، کو دکس اسکندریا نوس ، کو دکس داطبیکا نوش ، کو دکس افریمی ، ان میں سے بیبلا ترجمبہ بل ، کو دکس اسکندریا نوس ، کو دکس داطبیکا نوش ، کو دکس افریمی ، ان میں سے بیبلا ترجمبہ بله دیجھے صفحہ ۱۵۷ و ۷۵۷ جلد مذا ، کله کو دکس (**CODE) نسخه کو کہتے ہیں ، ت

CODEX EPHRAIM OCODEX VETICUN OF CODEX ELEXNDER OF

لندن میں موجودہ ، یہی نسخہ نفیجے کرٹے دالے حفزات کے پاکس پہلی بار موجود مخفاص پر پہلے ہونے کی علامت ملک ہو تی تھی،

دوسرانسخہ روما ملک آٹلی میں موجود ہے، جو دوسری مرتب تصجیح کرنے والوں کے پاس موجود تقا، جس بر دوسرا ہونے کی نشانی ملی مہوئی ہے،

تبسرانسخہ ہیرس بیں موجود ہے ،جس میں صرف عہد مدید لکھا ہواہے،ادرعہد عتبق کی کوئی کتاب موجود منہیں ہے ،

اب بینوں سنوں کی بوزلنین بیان کرنا صروری ہے:-ہورن نے اپنی تفسیر کی جلد میں کوڈکس اس کندریا نولس کا حال بیان کرتے ہوئے

ر پرنسخہ چار جلدوں میں ہے، پہلی نین جلد دن میں عہدِ عتبیٰ کی سیجی اور حجو کی دونوں کنا ہیں موجود ہیں ، جلد ہم ہیں عہد جد بدادر کلیمذے کا پیہلا خط کر نتھیوں کے نام اور محجود ٹی زبور جسلیمان علیاسلام کی جانب منسوب ہے ''

چورکہناہے کر:-دار زار سقال تی از شریب کاری شار ساماری شار ساماری شار ساماری کاری شار ساماری کاری ساماری کاری کاری کاری کاری

"اورز بورسے قبل اسمہانی سفیس کا ایک خطاہے، اس کے بعد شب در وز کے ہر ہر کھنٹہ کی نمازوں ہیں ہوجیہ نے بیٹے ہیں جاتی ہے اسکی فہرست ہے ، اور چو او اور بیانی بیض ہیں جن بین جن بین میں مربم علیہا السلام کے ادصاف بیان کئے گئے ہیں، بعض توان ہیں با دکل جو ٹی ہیں اور لعب آن انجیل سے انو ذہیں ، توسی بیس کے دلائل زبوروں پر اور اس کے توانین انجیلوں پر مکھے ہوئے ہیں، کچھ لوگوں نے اس نسخہ کی تعربیت میں مبالغرکیا اس کے توانین انجیلوں پر مکھے ہوئے ہیں، کچھ لوگوں نے اس نسخہ کی تعربیت میں مبالغرکیا ہے اس طرح لعب اس کی بڑائی میں صدر نہیں جھوڑی، اس کا سب بڑا دشمن دلستین ہے اس کا دور کو ان اس کا سب بڑا دھر کا بی اس کا نظریہ یہ ہے کہ بیر سب سے زیادہ پرانانسخہ ہے ، اور کو بی نسخہ اس میں ہوجو تھی صدی کے آخر کا بوا ہے کہ بیر دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا نسخہ اس میں موجود ہے ، اور کو بی نسخہ اس سے بڑھ کر یہ دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا قول ہے کہ موجود ہے ، اور ڈن کہنا ہے کہ بیر دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا قول ہے کہ موجود ہے ، اور ڈن کہنا ہے کہ بیر دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا قول ہے کہ موجود ہے ، اور ڈن کہنا ہے کہ بیر دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا قول ہے کہ موجود ہے ، اور ڈن کہنا ہے کہ بیر دسویں صدی میں مکھا گیا ہے ، و سٹیس کا قول ہے کہ

بر پانچویں صدی کا بخر برسندہ ہے ،اس کاخیال بر بھی ہے کہ غالبًا برنسخہ ان نسخوں میں سے ایک ہے ہو مصالمة میں اسکندریہ میں سریانی زجمہ کے لئے اکتھے کئے گئے تھے، واكر سمل سمجة الهدك يساتوي صدى كالخريرت وسد ، موث فاكن كى رائے یہ ہے کہ کسی نسخہ کی نسبت نواہ وہ اسکندریا نوس کا ہو، یا دوسرے یفنین کے ساتھ بہیں کہاجا سکتا کہ برجیجی صدی کے پہلے کا تکھا ہواہے ، میکا علیس کہناہے کر بیراسی زمانہ کا سکھا ہوا ہے جب کرمصر اوں کی زبان عربی بن جکی تھی ،گو یا اسکندر پر سلمانوں کے تسلط كه اكب سويا دوسوس ال بعد، اس لط كه اس كا كاتب اكثر جلَّهو ب مي ميم كوبائيسه اورباء کومیم سے بدل دیتا ہے، جبیا کرعوبی زبان کادمستور ہے،اس سے انس نے استدلال كياب كه يرنسخ المطوي صدى سعقبل كانهين بوسكنا، والركاخيال بكد یہ چوتھی صدی کے درمیان یا آخر کا مکھا ہولیے ،اس سے زیادہ قدیم نہیں ہوستا، کیونکه اس میں ایک طرف ابواب و فضول ہیں ، تو دوسری جانب اس میں توسی بیس کے قدا نین منفول ہیں اسبائن نے وائڈ کے دلائل براعز اض کیاہے ،اوراس امر کے دلائل کر برجو تھی یا بخو بی صدی میں اکھا گیاہے حسب ذیل ہیں :-

D پولس کے خطوط میں ابواب کی تقیم موجو دنہیں ہے ، حالا بکہ یہ تقیم ابواج

بس سوعكي. اس بین کلیمنظ کے وہ خطوط موجود ہیں جن کے بڑھے جانے کی ممالعت لود ... ا در کار سخیسے کی مجالس کر سکی تقیں ، شلزنے اس سے استندلال کیا ہے کہ برنسخ استار سے پہلے اسکھا گیاہے ،

ا شلزنے ایک اور نئی دلیل سے استدلال کیا ہے ، وہ یہ که زلور ایمانی نمبرا میں أيك ففره البياموجودست بولهم من ولا الممارية من موجود نفا، لامحاله بينسخه ان رسالون سے مقدم ہی ہوسکاہے ، وطبین کاکہناہے کہ یہ جیروم کے مہدسے سے کالکھاہوا ہے ، کیونکہ اُس نے اس میں بونانی متن کو قدیم اظم لی ترجب سے برل ڈالا تھا ،اوراس كے كاتب كومعلوم نہيں تفاكہ وہ لوگ ا بل عوب كو ہكارين بولنے ہيں،اس سے كه اُس ف

را کاراؤ ، کے بدلے «اکوراؤ ، لکھ دیا ، دوسروں نے اس کا ہواب یہ دیا کہ یہ کاتب کی غلطی ہے ،
کیونکہ دوسری آبت میں اکا راؤ لان کالفظ آباہے ، میکا ٹبلس کہنا ہے کہ ان دلائل سے کوئی تھی است نابت نہیں ہوتی کیونکہ یہ نسخہ لاز می طور پر کسی دوسرے نسخہ سے نقل کیا گیاہے ،
اس نظر پر بران نام دلائل کا تعلق منقول عنہ نسخہ سے ہوسکتا ہے ، نہ کہ اس نسخہ سے است اس معاملہ کا تقور ابہت نصفیہ رسم الخط ، حروف کی شکوں اور اعراب کی عدم موجود گی سے البتراس معاملہ کا تقور ابہت نصفیہ رسم الخط ، حروف کی شکوں اور اعراب کی عدم موجود گی سے کیا جاسکتا ہے ،

بوتضیصدی کے سکھے ہوئے نہونے کی دلیل یہ ہے کہ ڈاکر سملر کا خیال ہے کا تہائی شیس کا خطاز بوروں کی خوبیوں کے بیان بین اس کے اندر موجود ہے ، ظاہر ہے کہ اس کا اپنی زندگی بین داخل کرنا ممال ہے اوڈن نے اس سے استدلال کیا ہے کہ پنسخ دسویں صدی کا تکھا ہوا ہے کہ ذیکہ یہ خط حجوظ اہے ، اور اس کا گھڑ نا اس کی زندگی میں ممکن بہیں ہے۔ اور اس حجل کا دسویں صدی میں واقع ہونا توی ہے ؛

مچھر ہورت اسی جلد میں واطیکانوں کے کوڈکس کے بیان میں یوں کہنا ہے کہ ہ۔

دیونانی ترجمہ مقدمہ یں جو ساتھ کا طبع شدہ ہے یہ سکھا ہے کہ یہ نسخہ شکتہ سے
قبل سکھا گیا ہے ، بعنی چو تھی صدی میں ، مونٹ فاکس اور بلین جینی کہنے میں کہ پا پخویں یا
حیثی صدی میں سکھا گیا ، ڈیوین کا قول ہے کہ ساتویں صدی کا سکھا ہوا ہے ، ہم کی رائے ہے
کہ جو تھی صدی کی ابتداء میں سکھا گیا ہے ،

مارسش کاخیال ہے کہ پانچویں صدی کے آخر کا معلوم ہوتا ہے ، اور عہد علین اور عہد علیہ محد میں اسکندریا نوٹس کے حدید کے کسی بھی دونسخوں بیں اتنا فرق موجود نہیں ہے جتنا فرق اسکندریا نوٹس کے کوڈکس اور اس نسخہ میں پایا جاتا ہے ''

بھرکہ اسے کہ: -ریمنی کاٹ نے بر بھی استدلال کیا ہے کہ پرنسخد اسی طرح اسکندر یا نوس کانسخہ نہ تواریجن کے نسخہ سے منفول ہے ،اور نداسکی اُن نقلوں سے جو اس کے قریبی زمانہ میں کی گئیں، بلکہ یہ دونوں ان منبخوں سے منفول ہیں جن میں آریجن کی علامات نہیں ہیں ،لیدی اس دور میں جب كەنقلون بىل اس كى علامات ترك كردى كى كىفىن "

مچھر حبلہ مذکور میں افریمی کی کوڈکس سے بیان میں کہنا ہے کہ ،۔

رو ولسلین کاخیال بہدے کہ بینسخہ ان نسخوں میں سے ہے ہوا سکندر یہ میں سریانی ترجمہ کی تصبیح کے لئے جمع کئے گئے نفے ، گراس پر کو فی دلیل موجود نہیں ہے ، اوراس نے اس حاشیہ سے استدلال کیا ہے جو بو ایوں کے ، ام باث آیت ، پر مکھا ہوا، کہ پرنسخ میں ہے ما شعبہ سے استدلال کیا ہے جو بو ایوں کے ، ام باث آیت ، پر مکھا ہوا، کہ پرنسے میں سے قبل امکھا ہوا ہے ، میر میں آئیس اس کے استدلال کو مضبوط مہیں سمجھنا ، اور صرف اس

فدر كنام كدير فديم ب، ارتش كاكنا ب كرساتوي صدى مي مكماكيا "

فارئین میر بہ ظاہر ہوگیا ہو گاکراس دعوے کی کوئی قطعی دلیل موجود نہیں ہے ، کہ یہ نسخ فلان سب من من لکھے گئے ہیں ، جیسا کہ عمومًا اسسلامی کتابوں میں مکھا ہوا ہوتا ہے ، صرف عبيائي علماء محص اس قيامس كى بنسياد برجن كالمشاء لعص فرائن ہوتے ہيں، كہہ دينے میں، کہر دینے ہیں کرٹ بریانسخہ فلاں فلاں صدی میں ، یا فلاں فلاں صدی میں مکھا گیا ہے ، اور خالی نتیاس و گمان مخالف کے مقابلہ میں ذرائجی حجت نہیں ہوسکتا ،آپ کومعلوم ہو جبا ہے کہ جولوگ اکس کے فاتل ہیں کہ اسکندریا نوکس والانسخہ جو تھی یا پانچویکلِ لکھا ہواہے، ان کے دلائل کسفدر کمزور ہیں، سملر کا گمان بھی بعبہہے، کیو کھ ایک ملک کی زبان کا دوسرے ملک کی زبان سے فلیل مدّت میں بدل جاتا عادت کے خلاف ہے، حالانکہ اسکندر ہے ہو او ن کا نسلط ساتویں صدی عبیوی میں ہوا ہے ،اس لئے رصیح روابیت کے مطابق اسکندریہ برمسلمانوں کا قبصہ *سنت سے* میں ہوا ہاں برممکن ہے کہ كى مراداسى صدى كا آخر ہو، البنه ميكائلس كى دليل مضبوط ہے، اور الس، بر كوئى اعتراض بھى وار دىنہيں ہوتا ، اس ليے اس كالسليم كرنا صرورى ہے ، نتيجہ ظا ہے كہ اس نسخه كالسطوي صدى سے قبل لكھاجانا ممكن نہيں ہے، آو دُن كے فول كے مطأبق ا غلب یهی معلوم ہوتا ہے کہ اس کی کتا بت دسویں صدی عبیسوی میں ہو ہے حب کر تحریف

کاسمندر آپنی بورلی طغیائی پر تھا ، انسس کی تاثیراس سے بھی ہوتی ہے کہ اسمیں وہ نین کتابیں بھی شامل ہیں جوجوٹی بأبدوم

146 ہیں اس لئے ظاہر میہی ہے کہ بیروہی دور تفاحی میں سیحے حصوتے کا امتیاز د شوار مہو گیا تھا، برصفت علی وجدا سکال دسویں صدی کی ہے، اسطح يوده سوسال مااس سے زياده متن يك كاغذاور حروف كا باقى رسنا عاد تامستبعدے اخصوصًا حب كه بهلات سيش نظريه تھي ہے كہ حفاظت اوركتابہ ہے لِقے پہلےطبقات میں کچھا چھے تنہیں تھے، میکا ٹکس نے دٹشین کے استدلال کوافریمی مونط اکس اور کئی کاط کا قول مجھی آپ کومعلوم ہوجیکا ہے ، دلیوین کا قول و الیکا نواس کی کو ڈکس کی نسبت اور مارکش کی رائے افریمی کی کو ڈکس کی نسبت آپ کومعلوم ہو چکی ہے کہ یہ دونوں سانویں صدی کی بھی ہو کئ<u>ے ہیں۔</u> الترابت الموكياكه بيبلا دعوى تنسنه نبوت ہے ، اس سے كنطبور محرى صلى الله على کم بھی صدی کے آخر میں ہوا ہے ،اورحب کہ بربان نیابت ہو حکی ہے کہ اسکناتیانوس لی کو ڈکمس چھوٹی کتابوں برمشتمل ہے ،اور لعبض لوگوں نے اس کی انتہا ئی مذمت کی ہے اور ڈنظین ان مذمن کرنے والوں کا سربراہ ہے ،اورابیا شدیداختلات عہدِعتینی وجديدك دولسخون مين مجي نهي يا ياجانا ، جسفدرشديد و اسها نولس كي كود كس ادراسد ابانوم کی و سوس با یا جاتا ہے ، تو طاہر ہواکہ دوسرادعوی مجی صبحے سہیں ہے ، بچردوسرے ہم اپنی اس رائے سے قطع نظر کرتے ہوئے اور پرتسلیم کرتے ہیں کہ یہ تينول نسخ محرصلي التدعليه وسلم سے قبل لکھے جاچکے کفے کہتے ہیں کہ انسس میں ہمارا کو کی نقصان سہیں میونکہ ہم نے یہ دعوٰی تو مہیں کیا کہ کتب مقدسہ میں ظہور محمدی صلی الترعلیہ وسلم سے تبل مخرلیف نہیں ہوئی تھی، بلکه اس کے بعد ہی ہوئی ہے، ملکہ ہمارا تو دعوای یہ ہے کہ برکتا بین طہور محمدی صلی اللہ علیہ وسلم کے قبل موجو و تنظیم، مگر بغرسند متصل کے موجود تھیں ،اور لیقدنی طور پراس سے قبل بھی ان میں کر لیف ہو جگی تھی، اور لعض مقامات مي بعب ركو بخر نف كي كمي ، اگرنطہور محمدی سے قبل بے شمارنسخوں کا ثبوت مل جائے تب بھی ہر بات ہما رہے

دعوے پراٹرا نداز نہ ہوگی جہ جائے کہ مرف تین سنوں کا ثبوت ملنا، بلکہ اگراسکندریانوں جیسے ھزاروں نسخوں کا وجود بھی نابت ہوجائے نب بھی ہمانے لئے معز رہیں، بلکہ اس اعتبارسے مفید ہوگا کہ یہ نسخے یقینی طور برجعلی کتابوں پرشمل ہیں، اور ان کے درمیان باہمی شدیداختلات ہے، جس کی نظیر اسکندریا نوس کی کوڈکس اور المنظر نوکس کی عزمن کوڈکس ہے، جو اق کے اسلاف کی تحریف کی سب سے بڑی دلیل بن سے گی، عزمن قدامت کے لئے صحت کسی طرح عزوری اور لازم نہیں ہے، جس کی زندہ شال یہ ہے قدامت کے لئے صحت کسی طرح عزوری اور لازم نہیں ہے، جس کی زندہ شال یہ ہے کہ اسکندریا نوکس کی کوڈکس میں کئی جھو ٹی کتابیں شامل ہیں ج



باب سوم

تسيح كالثيوت

نسخ مخلف مشر لعیتوں میں نسخ ایک هی شریعیت میں ___نسخ ایک هی شریعیت میں معم این کوهجی منسوخ کرتے یا بھلانے ہیں جس آبین کو بھی منسوخ کرتے یا بھلانے ہیں اسٹ کرتے ہیں این ازل کرتے ہیں اسٹ کرتے ہیں این ازل کرتے ہیں ا

تَرْجَعُكُةُ الْقُتُلَانُ ؛ البقرة

تيمراباب

نسخ کا ثبوت ن ک ک ک

گفت بین نسخ "کے معنی زائل کرنا، مثادینا ہیں، مسلمانوں کی اصطلاح بین کسی عملی کم کی میز ایک انتہا کا بیان کرنا، ہوتمام سے رائط کو جامع ہو،" نسخ گہلا تا ہے ، کیونکہ ہمارے نزدیکے افعا وقص باامور قطعیہ فقلیہ بیں نسخ ممکن نہیں ہے ، مثلاً بیکر ضراو نرعالم موجو رہے ، اسکل نسخ نہیں ہوسکتا مثلاً دن کی روشنی، رات کی تاریخ اسی طرح دعاؤں میں اور ان احکام بیں ہو اپنی ذاتی حثیدت سے واجب ہیں ، مثلاً اسی طرح دعاؤں میں اور ان احکام بیں ہو اپنی ذاتی حثیدت سے واجب ہیں ، مثلاً المُحدِّد مُنَّ الله کُورِد اُن اسکام میں ہو کہ اسکام میں ہو کہ اسکام میں ہو دائمی اور ابری ہی سے کو نقول نذکرو ، اور ان احکام میں بھی نسخ ممکن نہیں ہو دائمی اور ابری ہی جیسے کو نقوب نظر کو ، اور ان احکام میں بھی ہوں کا وقت متعین ہے ، اسمعین وقت کی آ مرسے قبل نسخ کا امکان نہیں ہے ، جیسے بعنی امان لاؤ ۱۲ کا بعنی فرائے کی مزابنا کی جارہی ہے ہوکسی پاک دامن انسان ہو کہ جن کا مکان کہ بی منا اس ایک بارے میں یہ کہا گیا ہے کہ ان گوا ہی کھی معالمہ میں کھی قبول نہی تہم منسوخ نہیں ہوئے دامن انسان ہو کی جائے ، قوج نکہ اس مکم میں نو داس کے دائمی اور ابدی ہونے کی تفر سے کردی گئی ہے ، اس معین ہو سے تو کردی گئی ہے ، اس معین ہو سے تا کہ اس کی میں نو داس کے دائمی اور ابدی ہونے کی تفر سے کردی گئی ہے کہ اس کے بیکھر منسوخ نہیں ہو سے کہ اس کی بور کی کی منسوخ نہیں ہو سے کی تفر سے کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کہ اس کی تو کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کہ اس کی تو ہونی کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کی تفر سے کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کہ اس کی تو ہونکہ اس میں ہو سے کہ اس کی تو ہونکہ اس میں ہو سے کہ اس کی تو ہونکہ کی تفر سے کہ کی تو ہونکہ کی تفر سے کہ کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کہ کی تفر سے کہ کردی گئی ہے ، اس میں ہو سے کہ کی تفر سے کہ کردی گئی ہو سے کہ کردی گئی ہو سے کہ کو کردی گئی ہے ، اس میں بو سے کہ کردی گئی ہے ، اس میں بو سے کہ کو کہ کی تو ہو کہ کردی گئی ہے ، اس میں بو سے کی تفر سے کردی گئی ہے ، اس میں بو سے کی تفر سے کردی گئی ہو کی کی دو سے کہ کی تو ہو کہ کردی گئی ہے ، اس میں بو سے کی تو ہو کہ کی بور سے کا کی میں ہو کے کی تفر سے کردی گئی ہو کردی گئی ہو کے کہ کو کردی گئی ہو کردی گئی ہو کردی گئی ہو کردی ہو کردی ہو کردی ہو کردی گئی ہو کردی ہ

فَاعُفُواْ وَاصُفَحُواْ حَتَى بَالِيَ اللهُ بِأَمْرِهِ وَبِس تَم معاف اور درگذر كرو، بها نكس كه الله الله كا عكم أجائع ،،

بلکہ نسخ صرف اُن احکام میں واقع ہوسکتا ہے ہوعملی اور وجود و عدم دو نوں کا اختال رکھتے ہوں، نددائمی ہوں اور ندکسی وقت کے ساتھ مخصوص کئے گئے ہوں ، ابیسے احکام کور احکام مطلقہ ، کہا جاتا ہے ، ان میں یہ بات عزوری ہے کہ زمانہ اور مکلف اور صورت متی نہیں کی ندنی میں بنت اور دیں ہے ۔ ان میں اور نہیں ہے۔

متحديد مون ، ملكه نينون مين اختيلات مو ، يابعض مين ،

نسخ اصطلاحی کے یہ معنی ہرگز نہیں ہی کہ بہلے خدانے کسی کام کے کرنے یا مذکرنے کا س کا انجام خدا کومعسکوم نہ تھا ، بھرخدا کی رائے اس کے خلاف قائم ہوئی ،اس بیج پہلے حکم کو ختم کر دیا ، کہ نعوذ بانٹہ خدا کا جاہل ہونالازم آئے یا پہلے م *کے کرنے یا نذکرنے کا حکم* دیا ، بھران کو نتینوں بانوں میں اتحساد کے باوجو مسیخ برهم ببرکهین که خدا کو انجام معلوم تضانت تھے اس سے خدا کی سٹ ان میں ت کی نسبت لازم آنی ہے، والعیا ذمنہ باستر، جنا بجب رابیا نسخ ہمارے نزدیکہ یں ہے ، انتُد کی شان اس عبب سے بلن رو بالا ہے ، بلکہ اس کا مطلب عرب بہ ہوناہے کہ خدا کو پہلے سے یہ بان معلوم تھی کہ بہ حکم انسانوں پر فلاں وفنت مک با في رب كا يهرمنسوخ كرديا جائے كا الهرجب وه وقت آجا أے توالله نعالى ں سے کمی یا بیشی ہونی یا بالکل حکم ختم ہوجا نامعلوم ہوتا ہے' بصرف پہلے حکم کی مرّت وانتہاء کا بیان و اظہار ہے ، مگر ہونکہ مندون منے پہلے حکم میں وقت اختام کو ذکر تنہیں کیا گیا،اس لئے دوسرے حکم کے نے برہم اپنی کو تا ہی فہم کی بناء بربی فیال کرنے لگتے ہیں کہ حکم میں تبدیلی ہوئی ہے سلمانوں کو خطاب مہور ہاہے ،کر کفار کے ظلم وستم کا کوئی جواب نہ دو تا وفنتیکہ جہاد کا

۵ مطلب ہے کہ حب زمانہ ہیں حب شخص کو حس سورت کے ساتھا بک کام کاحکم دیا گیا ہے ناممکن ہے کہ استی نا میں اسی ننخص کواسی صوّت میں منع کر دیا جائے بلکہ نسیخ میں یا زمانہ بدلے گایا وہ شخص یاصورت یا متینوں۔

بلاتشبیہ اس کی مثال السی سمجھ لیجئے کہ آب اپنے کسی ایسے خادم کوحس کے حالات آب بورے طور پر باخر ہیں کسی ضرمت کا حکم دینے ہیں اور ابنے دُل میں بہ ارا دہ اور نریّن لیتے ہیں کہ اس کام برمثنلاً اسس کوایک سال رکھوں گا ،اور آئٹندہ سال مجھ کو اس سے نے اپنی اس منیتن اورارا دے کوخادم پرظا سر نہیں کیا ، ال یک ب نے دوسری ضرمت کااس کو حکم دیا توظا ہر بیں فادم کے نزدیک النازديك حبس كواب كے الادے اور نبيت كا حال معلوم نهيں ہے م و تبریلی سمجھا جائے گا، لیکن حقیقت بیں اور آپ کے نز دیک یں ہے 'اس معنی کے لحاظ سے نہ توخدا کی ذات کی نسبت اور پنراس کی کسی کتا ہے، بس جس طرح موسموں کے بدلنے میں کر کہجی ہار راں، کبھی سردی ہے کبھی گرمی، بے شمار حکمتیں ہیں، دن رات کی تبدیلی اور انسان کے حالات برلنے میں ، تنگرسنی ، دولت مندی ، بھاری وصحت کے آنے جانے ملحتیں میں، خواہ ہم کو ان کا علم ہویا بیو، بالکل اسیطرج احكام كىمنسوخى مين خداكى بهبن سى حكمتين ادر مصلحتين م

دوسری مثال بوں سمجھے کہ ماہر حکیم دواؤں اور غذاؤں میں تغیر و تبدل کرتاہے ہیں کامنشاء مربیض کے حالات اور دوسرے اسباب ہوتے ہیں ، جومصلحیتی اس وقت سلین ہوتی میں ان کے بیش نظر طبیب کے اس فعل کو کوئی بھی عقلمند ہبکار اور ففنول اور اس حکیم کوجا ہل اور بیو قوف کہنے کے لئے تیار نہیں ہوسکتا ، بھر کوئی سمجھ دار انسان اسس حکیم مطابق کی نسبت ہوا ہنے قدیم از لی وابد ٹی علم کی برولت است یاء کے تمام احوال

كوجانتاب برنفتور كبيه كريستاك و

موافعات البرات مجھنے کے بعداب ہم کہتے ہیں کہ ہمارے نزدیک موافعات اعہبرعتین اور جدیدیں درج تشدہ کوئی واقعہ منسوخ

نہیں ہے البنذان میں سے بعض واقعان فطعی جھوٹے ہیں مثلاً برکہ :-

الم توطعلبة السلام في دوبيتيون سے زناكيا تفاء اور ان دونوں كواپنے باب كاحم ره كيا، حس كي تصريح بيدائن باب ١٩ بين موجود ہے ؛

س- واؤدعلیالسلام نے اور یا کی بیوی سے زناکیا بھا، اور وہ ان سے حاملہ ہوئیں، بھرداؤدہ نے اس کے شوہرکودھوکہ اور فریب سے مروادیا ،اور اس کی بیوی کوابنی بیوی بالیا بس کے نفر بے سموتیل نانی بال میں موجود ہے ،

م، سلیمان علیه استلام ابنی آخری عمر بین مرتد ہؤگئے نفے ، اور مرتد ہونے کے بعد سُت ہِستی کرتے رہے ۔ کرتے رہے ، اور بُت خانے تعمیب رکئے ، جس کی نفر بح سلاطین اوّل باب میں موجود ہے

مرون علیابسلام نے گوسالہ برستی کے لئے عبادت گاہ بنائی تھی، اور خود مجی بجھڑے کی بوجاکی، اور بنی اسرائیل کو بھی گوسالہ برستی کا حکم دیا، حس کی نصر بحروج سفر خروج بات میں موجود ہے ؛

ہم ہے ہیں کہ یہ ہمام وافعات فطعی باطل ادر جھوٹے ہیں ہم ان کومنسوخ نہیں مان سکتے ،اسی طرح امور قطعیہ حتیہ یاعقلیہ اور احکام واجبہ واحکام مؤیدہ اوراحکام وقتیہ کا لینے مقرہ وقت سے فبل منسوخ ہونا، اور وہ احکام مطلقہ جن میں زماند اور محلف اور صوت ایک ہم ہوان میں سے کسی میں بھی نسخ ممکن نہیں کہ قیاحت لازم آئے ،اسی طرح دعا بین منسوخ نہیں ہوسکتیں، اسی طرح وہ زلور تو فالص دعاؤں کا مجموعہ ہے اصطلاحی معنی کے لحاظ سے منسوخ نہیں ہے ،اور نہم یقین کے ساتھ یہ کہہ سکتے ہیں کہوہ توریت کے لئے ناسسخ نتھی اور خود انجیل سے منسوخ ہوگئی، جب کہ میزان الحق کے مصنف نے مسلمالوں بائد جانے وار کہا ہے کہ اس کی تھر برجم سلمانوں کے قرآن اور تفییروں بین بان جاند ہو اور توریت کے دائیں ہیں یا نئی جانی ہے ، اور کہا ہے کہ اس کی تھر برجم سلمانوں کے قرآن اور تفییروں بین یا نئی جانی ہے ،

ادرہم نے زبور اور دو کسری عہد عنبق وجدید کی کتابوں پرعمل کرنے سے ہوا نکار کیا ہے وہ اس کے کہ یہ سب کتابیں اسانید منصلہ کے نہ یائے جانے اور تحریف نفظی کی تمام قسموں کے ان کتابوں میں واقع ہونے کی وجہ سے لقینی طور پرمشکوک ہیں، جسیا کہ باتب میں معلوم ہو گیا ہے۔ اور مذکورہ احکام کے علاوہ دو سرے احکام مطلقہ "جن میں نسخ کی صلاحیت موجود ہے ، ان میں نسخ ممکن ہے ،

لقِينًا منسوخ بهنين بين، مثلاً .

مجمو ٹی قتم، قتل، زنا، لواطت ، بچری بھوٹی شہارت، پڑوسی کے مال میں خیانت کرنے اور اس کی آبر وہیں خیانت کرنے کی حرمت ، والدین کی تعظیم کاواحب ہونا ، باب وادا ببٹوں ، ماؤں ، بیٹیوں ، جباؤں ، بجو بھیوں ، ماموؤں ، خالاؤں سے نکاح کاحرام ہونا ، اور دوحقیقی بہنوں کو نکاح میں جمع کرنے کی حرمت وغیرہ بے شمار احکام ہیں ، جونینی طور پر فیمنسوخ ہیں ،

بالله آیت ۲۹ میں بوں ہے کہ:۔

" بیسوع نے جواب دیا کہ اقراقی ہے کہ اے اسرائیل سن، ضراوند ہمارا ضرا ایک ہی

ضراوند ہے ، اور تو ضراوند اپنے ضراسے ، اپنے سارے دل ، ادر اپنی ساری جان

ادر اپنی ساری عقل اور ساری اپنی طاقت سے محبتت رکھ ، دو سرایہ کہ تو اپنے پڑوی

سے اپنے برابر محبت رکھ ، ان ہے بڑا کوئی اور حکم نہیں '' (آیات ۲۹ ۳۱)

پر دو نوں حکم ہماری سٹر لیون بیس بھی بڑی کا کید کے ساتھ موجو دہیں ، اور منسوخ ہرگر نہیں

پر ، اور بھر بات یہ ہے کہ نسخ کوئی ہماری سٹر لیوت کے ساتھ تو محضوص نہیں ہے بلکہ

پر ، اور بھر بات یہ ہے کہ نسخ کوئی ہماری سٹر لیوت کے ساتھ تو محضوص نہیں ہے بلکہ
گذشتہ سٹر لیعنوں میں بھی کشر ت سے اپنی دو نوں قسموں سمین پایا جاتا ہے ، یعنی ایک

وہ نسخ کہ جو کسی نے نبی کی شریعت میں کسی پہلے نبی کی شریعت کے حکم کی نسبت ہو، اور دورراوہ نسخ جو نوراسی نبی کی شریعت کے کسی سالقہ حکم کی نسبت جاری ہو،ان دونوں فسم کے نسخ کی مثالیں عہب رمنیق وحب ریر دونوں میں بے شمار موجود ہیں۔ ہم اس جگہ صرف بعض مثالوں پر اکتفاء کرتے ہیں، پہلی قسم کے نسخ کی مثالیں حسب ذیل ہیں:۔

كتب مقدسه مين نسخ كي بهافسم

آدم علیال الم کے عہد ہیں سمائی بہنوں کے درمیان شادیاں ہو ئیں، ابراہیم علیال الم کی بیوی سارہ بھی ان کی علاتی بہن تقیس ، جیساکہ ابراہیم کے اس قول سے جو ابدائش باب، ۲ آبت ۱۲ ہیں درج ہے ،سمجھ ہیں آ اے

مجائی بہنوں ہیں شادی پہلی مثال پہلی مثال

آیت مندر حب ذیل ہے:۔

ود اور فی الحقیقت دہ میری بہن بھی ہے ، کیونکہ وہ میرے باب کی بیٹی ہے ، اگر جبر میری ال

کی بیٹی نہیں ہیمرہ میری بیوی ہوئی "

حالانکہ بہن سے نکاح کر ناخواہ وہ حقیقی سنگی بہن ہو، یا صرف باب شر کیب ہو، یا صرف ال مشعر کیب ہو، مطلقًا حرام اور زناکے برابرہے ،اور نکاح کرنے والا ملعون ہے ،اور الیسے میاں بیوی کو قتل کر دبینا وا جب ہے، جنانخیب رکتاب احبار باب ۱۸ آیت ۹ بیس کہا گیا ہے کہ دیہ

وو تواپنی بہن کے بدن کوچاہے وہ نیرے باب کی بیٹی ہوچاہے نیری ماں کی اور خواہ وہ گھریس بپیاہوئی ہو، خواہ کہیں اور بے بردہ نرکرنا ''

روں ہے۔ اس تیم کا نکاح زنا کے بلابرے !' دو اس تیم کا نکاح زنا کے بلابرے !'

نزكتاب احبارس كے باب، ٢ آيت، ١ سي كما گيا ہے كد :-

له بعنی باپ شریک ۱۲ نقی

" ادر اگر کوئی مردابنی بہن کوجواس کے باب کی یااس کی ماں کی بیٹی ہو سے کراس کا بدن
دیکھے تو بیر نظرم کی بات ہے، وہ دونوں اپنی قوم کے لوگوں کی آنکھوں کے سامنے فتل
کئے جائیں ،اس نے اپنی بہن کے بدن کوبے بردہ کیا،اس کا گناہ اس کے سرگھے گا''
نیز کتاب استفناء باب ۲۲ بین کہا گیا ہے کہ بر

ود لعنت اس پرجو اپنی بہن سے مباشرت کرے ہواہ وہ اس کے باب کی بیٹی ہونواہ ال

اورسب لوگ كېس آبين"؛

اب اگر آدم علیال الم اور ابرا بهیم علیال الم کی شریعتوں بیں اس قسم کے کاح کوجائز اند بانا جائے تو تمام انسانوں کا زناکی اولا دبونا اور شادی کرنے والوں کا زانی ہونا اور واجب القتل بہونا اور ملعوں بہونالازم آتا ہے ، بھر انبیاء علیال الم کی شان بیں ان باتوں کا کیونکر تفتور کیا جا سکتا ہے ، اس سے لامحالہ یہ اعتزات کرنا پڑے گاکہ ایسا نکاح دو نوں کی تراجیت میں جائز تھا ، بھے۔ رمنسوخ ہوگیا ،

عربی ترجمہ مطبوعہ سلامائے کے مترجم نے پیدائش بابت آبیت ۱۲ کا ترجمب کس دلیری اور بے باکی سے یوں بگاڑ

عربى مترجم كى تخريف

بیاب ند به ... " برمیرے باپ کی رسشنة دارے ندکه میری ماں کی'؛

ظا ہریہی ہے کہ یہ تخریف جان بوجھ کراس سے کی گئی ہے کہ سارہ کے نکاح کے اعتبارسے نسخ لازم نہ آسکے ،کیونکہ باپ کی رمشتہ دار میں جچا کی بیٹی بھو پی کی بیٹی اور دومسری

عورتیں بھی ہوسکتی ہیں ،

کتاب پیبائش با ب آیت ۳ بین اسکا قول نوح علایسلا اور ان کی اولاد کو خطاب کرنے ہوئے ترجمہ عربی طبوعہ معتلائے وسیمالئے بین اس طرح مذکورہ ہے کہ:۔ دد ہر چینا بھر ناجاند ارتمھا سے گھانے کو ہوگا بہرسنری

جبوانات کی حلت دو سری مثال

ل یموجوده اردوترجم کی عبارت ہے جومصنف کی نقل کردہ عبارت کے مطابق ہے ١٢ ت

تزکاری کارے بیں نے سب کاسب تم کو دے دیا '' معلوم ہواکہ نوح علیہ السلام کی شریعیت بیں سبزیوں ، تزکاریوں کی طرح نمام حیوا نات ملال سنے ، حالا نکہ سریعیت موسویہ میں بہت سے جانورجن بیں خنز بر بھی ہے حسام کر دیئے گئے ، جس کی تفریح کتاب الاحبار باللہ میں اور کتاب ہستا ، باللہ میں موجود کردیئے گئے ، جس کی تفریح کتاب الاحبار باللہ میں اور کتاب ہستا ، باللہ میں کوجود المحقی کے مترجم نے اس مقام پر بھی تخریف ایکھی اور محربین کی ، آبیت مذکورہ کا تزجمہ اس طرح کیا ہے کہ :۔ د ہر یاک زندہ جانور متھا ہے لئے علال ہے ، اسی طرح جس طرح ساگ سبزی''

ور ہر پاک زندہ جانور مخصاہے کے حلال ہے، اسی طرح جب طرح ساگ سبزی ؟
اس منزجم نے اپنی جانب سے رو پاک ، کالفظ بڑھا دیا ، تاکہ ان جیوا نات کو شامل نہ ہوسے ہوں ٹر یعین موسویہ میں محلوم ہیں ،کیونکہ توریث میں ایسے جانوروں کو نا پاک کہا گیا ہے ،

اس منزجم نے اپنی دوخالہ زاد بہنوں بیر نے اپنی دوخالہ زاد بہنوں محمل میں موج کے ایمیں میں موج کے ایمیں موج کے کیا ہے کی کیا ہے کہ کے ایمیں موج کے ایمیں موج کے کیا ہے کہ کی کے کا ب کیا ہے کہ کے کا ب کیا ہے کہ کے کہ کے کیا ہے کہ کے کہ کے

صالانکراس قسم کا نکاح سر بعث موسویر میں حرام کر دیاگیا ، کتا ب الا حبار بالباتیث ا میں یوں کہاگیا ہے کہ: -

ود توابین سالی سے بیاہ کرکے اسے اپنی بیوی کی سوکن نربنانا، کہ دوسری کے جینے جی اس کے بدن کو کھی ہے بردہ کرے ؛

اب اگریعقوب علیہ السّلام کی نثر لیت میں دو بہنوں کے نکاح میں جمع کرنے کوجائز تسلیم نہ کیا جائے تو لازم آئے گا کہ دو نوں کی اولاد ولد الذنا قرار دی جائے رضا کی بناہ ہجب کہ اکٹر بینجمبران ہی کی اولاد ہیں ،

کے مثلاً اورسور کوکیونکراس کے باؤں الگ اور جرے ہوئے ہیں ، بچروہ جگالی نہیں کرنا ، وہ بھی تھا اے لئے اللہ مثلاً اور سور کے بین مجھالے لئے اللہ مان کا گوشن نہ کھانا ۱۰ داحیار ۱۱۰: ع

على مثلاً ان مين سے جگالي كرتے بين يا أن كے يا وُن بِرے بوستے بين تم ان كوليني اونط ، خركوش اورسافان كوشكانا رو استثناء ١١٠ ، على بالخصوص و يجھتے آيات ٣٠ تا ٣٠ ،

مقصل كى شهادت نمبرايس آب كومعلوم بوجيكاب كرعراك کی بیوی آدکیداس کی بھویی تھی، عربی ترجمهٔ مطبوعه هم ۱۶۲ نے و ممال اع كے مترجم نے اس ميں عيب بوشي كے ليے جان اوجھ ر تخریف کی ، عرض موسی علیہ السلام کے والدنے اپنی مجھویی سے نکاح کیا تھا،حالانکہ شرلعبنِ موسوبه میں الیمان کاح حرام کردیا گیا، جنا تخیب کتاب الاحبار باب آیت ۱۲ میں يون كها گياہے كه:-ود تواین مجویی کے برن کو بے بردہ مذکرنا ، کیونکہ وہ تیرے باب کی فریمی رشندوارہے " سىطرح سفر مذكور بابك آيت ١٩ بين بھي كها كيا كے۔ اب اگراس فسم كا نكاح سنرليب موسوبه سے قبل ناجائزنه ما ناجائے تونعوذ بال لازم آئے گا کہ حصزت موسکی اور ہاروں عاور دونوں کی بہن مریم، زنا کی او لا دیتھ 'اوم مر تھی لازم آئے گاکہ دس بیشتوں بک ان بین کاکونی شخص خدا کی جباعت میں داخل منہوسکے گا،جس کی تصریح کتاب استثناء باب ٢٣ آيت ٣ ميں موجود ہے، اور اگر ایسے حضرات خدا کی جماعت سے نکالے جانے کے لائق ہوسکتے میں تو بھروہ کون ہے جواس میں داخل ہونے کی صلاحیت رکھسے ؟ مثل فمره اكتاب برمياه باب ١٣١ بيت ١٦ بين ٢٠٠ اور دیکھ وہ دن آتے ہیں، خدا دند فرما ناہے جب میں اسرائیل کے گھانے اور بہوداہ کے کھرانے کے ساتھ نیاعہد باندھوں گااس عہد کے مطابق نہیں ج میں نے ان کے باب واوا سے کیا ،جب میں نے ان کی دستیری کی تاکہ ان کوملک مصرے نکال لاؤں، اور انہوں نے میرے اس عہد کو نوط ا، اگر جے میں ان کا مالک نظا، خدا وند فرما ناہے''

اس میں نے عہرے رمراد جد بدشر ابعث ہے ،اس سے یہ بات معلوم ہور ہی ہے کہ برشر ابعث اللہ علی میں ہے کہ برشر ابعث ا اللہ یعنی صرت موسی علیالسلام کے والد ۱۲

كك" اورتواين خاله يا بيهو يى كى بدن كوب بروه مذكرنا "نات سك تفصيل كے لئے صفى ١٣ س ج ١ و بجھتے ،

بد شریعت موسویہ کی اسسے ہو گی، عیسا بیوں کے مقدس بولس نے عبر انیوں کے ام اپنے خط میں دیولی کیا ہے کہ اس شریعت کا مصدای عیسی کی شریعت سے ، اس کے اکس اعزاف کے مطابق سر لیت عبیسوی موسلی عربی شریعت کے لیے ، اسخ ہوتی، يه بإيخ مثالبي توبيهو دلون اور عليها بيون برمشتركه الزام قائم كرتي بن، با في خالص عیسا بیوں برالزام فائم کرنے کے لئے دوسری محضوص مثالیں موجود ہیں : -موسوی شریعت میں جائز تھاکہ سرشخص اپنی بیوی کو کسی تھی وجہ سے طلاق دے سکتا ہے ، اور بر مجمی جائز عفاکہ اس مطلقہ سے پہلے ا شوہر کے گھرسے نکلتے ہی دوس راشخص فور اُنکاح کرستماعظا، س کی تھر . کے کتاب الاستثناء کے باب ۲۲ میں موجودہے ، حالا نکر شر لعیت عیسوی سوائے زنا کے ارتکاب کے عورت کوط لاق دینے کی اور کو نی معقول درجرتسلیم ں کی گئی، اس طرح نزربینِ عبیوی میں مطلقہ سے سکا ح کرنا زنا کے برابر قرار دیا ہے ، ہبنا تخب را بخیل منی باب ۱۹ آیت ۱۵ میں نصر بے ہے کہ حبب فرلیسی معترضو في صرت عبيلى عليه السلام بيراس مسئله مين اعتراض كيا تو ان كے جواب بين آب ود موسی نے متصاری سخن دلی کے سبب سے تم کو اپنی بیوبوں کو چھوٹردینے کی اجازت دى ، مرا بنداء سے الساد تھا ، اور میں تم سے كہنا ہوں كہ جوكو ئى اپنى بيوى كو حرامكارى کے سواکسی اور سبب سے چھوٹردے اوردوسری سے بیاہ کرے وہ زناکر ناہے اور ہوکونی جھوڑی ہوئی سے بیاہ کرنے وہ بھی زناکر نا ہے " اس جواہے معلوم ہوتا ہے کہ انکسی میں دومرتبر نسخ واقع ہوا، ایک موسوی میں، میصرد و بارہ سنرلیب عبیسوی میں ،اور بربھی معلوم ہواکہ کہھی کہھے

ا و یکھے عبر انبوں عدم الاکتاب برمیاہ کی مذکورہ عبارت نقل کرنے کے بعد اس میں برالفاظ تھی ہی

ر "جب اس نے نباع بدکباند بہلے کو ٹرا ناظھرا یا ،اور جبز پُرانی اور مدّن کی ہوجاتی ہے وہ مٹنے کے قریب

ہوتی ہے " (۱۳: ۸) ۱۲ ت کے آیات اوم، سے بعنی بیودی علماء،

لحض بندوں کے حالات کے تقاضے کی بنا وہرجاری ہوتاہے، اگر جبروہ واقع بهنت سے جیوانان کااستعال شریعیت موسوی میں حرام تفالیکن اشربعین عیسوی میں ان کی حرمت منسوخ کردی گئی،اور پولس کے فتولی کے مطابق توعام ا باُحت ثابت ہوگئی،رومیوں کے نا<mark>م پولس</mark> کے خط کے باب ١٢ أيت ١٢ مين كها كيا كي :-و مجھ معلوم ہے ، بلکہ خداوند لیوع میں مجھے بقین ہے کہ کوئی جز بذاتہ حرام نہیں سكن جو أسع حرام سجهاب اس كے لئے حرام ہے " تططِس کے نام خط باب آبین ۱۵ بیں ہے کہ: -ود پاک لوگوں کے لئے سب بینریں پاک بیں ، گرگناہ آلودہ اور لے ایمان لوگوں کے لئے کچھے تھی پاک تہبیں بلکہ ان کی عقل اور دل دونوں گناہ آلود ہیں " یہ دونوں اصول مجی عجیب دعزیب ہیں کہ کسی شنے کو نایاک سمجھنے والے ہی کے لئے وہ چنزایاک ہو،اور بہ کہ پاک لوگوں کے لئے ہر ہجبز پاک ہے ، شایر غربیب بنی اسرائیل پاک ہیں نخصے اسی لئے اِن کی فِسمتِ بیس عام اباحت نہیں ہوئی، اور عیساً بی سب کے س باک سنھے ،اس لئے ان کو اباحت کی نیمت عطا فرائی گئی، کر برجیز اُن کے لئے پاک کردی كئى، مفرس بولس نے اباحیت عامہ والے معلم کی اشاعت کے لیے ہے انہاکوشش کی اس لئے تیم خیس کے نام استے پہلے خط کے بائب آبین ہم میں مکھنا ہے کہ :۔ " کیو کم خدا کی بیدا کی ہوئی ہر چیزا جھی ہے ، اور کوئی چیزانکار کے لاگق نہیں بٹ ملیکم شكر گذارى كے سانف كھائى جائے،اس ليے كه خدا كے كلام اور د عاء سے پاك ہوجانى ہے۔ اگر تو بھائیوں کویہ بائیں یا ددلائے کا تومسے لیسوع کا اچھا خادم تھےرے گا، ادرایمان اوراس ایھی بانوں کی تعلیم سے جس کی توبیروی کرتا آیا ہے برورش یا اسے گا' (ایت ۱۳ تا ۱۷) له ليعني ہرجیسیٹ رحلال ہوگئی، کے احکام کے احکام کی تفصیل بیان ہوئی ہے دہ سب شریعت ہوسوی ال بین دوا می طورسے واجب تھے اُن کے وجوب

عیداورسین کے احکام آٹھویں مثال

کی نسبت اسی باب کی آیات ۱۱،۱۳، ۳۱، ۳۱، ۱۳ میں البیے الفاظ موجود ہیں، ہو اُن کا دائمی طورسے دا حبب ہونا بنارہے ہیں،

نیزموسوی بیژ بعین میں سبت دشنبہ کے دن) کی نغطب کے دائمی تنفا،اورکسی تنخر لو تھے اس روزادتی اورمعمولی کام کرنا جائز نہ تھا ،اور جوشخص تھی انسٹ روز کوئی کام کرنا یااس کی یا بندی نذکرتا تووه سنسرعًا واحب القتل ہوتا تھا،اس حکم کا بیان اور تاکیویس عنین کی کتابوں سے بشیر مقامات میں باربار ہوئی ہے ،مثلاً کناب پیلائش بائے آیت میں اور کتا ب خرفے جے باب ۲۰ آین ۸ تا ۱۱ ، اور سفر خروج باب ۲۳ کی آبین ۱۲ میں اور اسی کتاب کے باب سما آیت ۲۱ میں ، اور سفر احبار کے باب ۱۹ آبن سمبیں اور ا ورباتك كي آين ٣ ميں اور كتاب الاستثناء باهي آين ١٢ تا ١٥ ميں اور كتاب برمياه کے بائل میں ،اور کتاب یسعیاہ کے باب ۵۸ و ۸۸ میں اور کتاب تحمیاہ کے باب ۹ میں اور کتاب خز فنیال کے باب ۲۰ میں اور کتاب خرفیج کے بالت آبین ۱۳ میں کہا گیاہے کہ ،۔ ود توبنی اسرائیل سے بہ بھی کہد دینا کہ نم میرے سبنوں کو ضرور ماننا ،اس لئے کہ بہ میرے اور تمحارے درمیان تمحاری بیشت در بیشت ایک نشان رہے گا تاکہ تم جانو کہ میں ضراوند تھے ارا باک کرنے والا ہوں، لبی تم سبت کو ماننا،اس ليے كه وه متمهاك لي مفرس سے ، جوكوئي اس كى بے حرمنى كرے وہ صرور ماردالا جائے ، جواس میں کچھ کام کرے وہ ابنی فوم میں سے کاٹ ڈالا جائے ، جھ دن کام کاج کیاجائے لیکن ساتواں دن آرام کا سبت ہے ، جو خدا و ند کے لئے مفار ہے ، جو کو بی سبت کے دن کام کرے وہ عنرور مار ڈالا جائے ، بیس بنی اسرائیل اله نمهاری سکونت گاہوں میں ببتنت دربیشت بہی آ بین رہے گا '' ۱۲

کے لیکن بولس نے ان احکام کومنسوخ کر دیا جبیا کہ نوبی مثال میں اس کی عبارت آرہی ہے ١٢ ت

سبت کو مایس، اوربشت دربشت اسے دائمی مہد جان کراس کا لحاظ رکھیں، میرے
اور بنی اسرائیل کے درمیان یہ ہمیشہ کے لئے ایک نشان رہے گا،اس لئے کہ تجید دن میں
ضرا وندنے آسمان اور زمین کو بیبرا کیا اور سانویں دن آرام کرے ازہ دم ہوا "رآیات مانای اور کتاب خروج باہے آ بیت با میں ہے کہ ا۔

رو بی در کام کام کام کی جا جائے ، لیکن سانوین دن تمصارے لئے روز مقدس لعبی ضرا و ندر کام کام کام کام کام کام کرے وہ مار ڈالا جائے تم سبت کے لئے آلام کا سبت ہو ، جو کو ٹی اس میں کو ٹی کام کرے وہ مار ڈالا جائے تم سبت کے دن اپنے گھروں میں کہیں بھی آگ نہ جلانا '' د آ بات ۲ آس)
کاب گنتی باب ۱۵ آبت ۲۳ میں ایک واقعہ اس طرح مذکور ہے ، ۔
دو اور جب بنی اسرائیل بیابان میں رہتے تھے اُن دنوں ایک آدمی ان کو سبت کے دن مکر یاں جمع کرتا ہوا ملا وہ آسے موسی علیابسلام اور مارو کن اور ساری جماعت کے پاس مکر یاں جمع کرتا ہوا ملا وہ آسے موسی علیابسلام اور مارو کن اور ساری جماعت کے پاس کے اُن دنوں کی بہت کی ایک انہوں نے آسے حوالات میں رکھا ، کیونکہ ان کو یہ بہت بنایا گیا تھا کہ اُسے کیا

کرناچا ہے، نب خلاوند نے موسی سے کہا کہ ہنتخص ضرور جان سے ماراجا مے ، ساری جماعت لئے ، ساری جماعت لئے ، ساری جماعت لئے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہا کہا کہ ہنتے کہا کہا کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہ ہنتے کہا کہ ہنتے

تفااس کے مطابق ساری جماعت نے آسے نشکر گاہ سے باہر لے جاکر سنگسار کیا اور

وه مركبا يُ رآبات ٢٣ تا ٣٧)

اس کے علاوہ خود مسیح علیہ السلام کے زمانہ میں جو بہودی تھے دہ اس وجہ سے بھی آب کو اذبین دیتے اور آب کو قتل کرنا جا ہتے تھے کہ آب وزیوم السبت ، کی لیے ورتی کرتے ہیں، اور صفرت مسیح م کورسول برحق ماننے سے انکار بیران کی ایک دلیل یہ بھی تھی کہ بہ سنیچر کے روز کام کرتے ہیں، جھٹی بہیں مناتے ، جنا بخیبہ الجیل یو حنا با جھٹی کہ بہ سنیچر کے روز کام کرتے ہیں، جھٹی بہیں مناتے ، جنا بحیبہ الجیل یو حنا با جھٹی کہ بہت کہ ہے۔

دو اس ملغ یبودی بیبوع کوستانے ملے کیونکہ وہ ایسے کام سبن کے دن کرتا تھا 'ا اور انجیل لوحنا باہ آبین ۱۶ میں ہے کہ :۔

ودبس بعض فسرلیس کھنے لگے کریہ آدی خداکی طرف سے بہیں، کیونکہ سبت کے دن

یہ بات معلوم ہونے کے بعداب ہم کہتے ہیں کہ عبیا بیوں کے مقدس اولس ان احکام کومثال نمبرے ، ۹،۸ میں مذکور ہیں منسوخ کردیا۔ اور بیان کیا کہ بیر سبکا گراہی والے تھے جنا بخر کلستیوں کے نام اس کےخط باب آبت ١٦ميس ہے کہ:-و ہیں کھانے بینے باعبد بانے جاندیا سبن کی بابت کوئ تم برالزام مذل کانے ، كبونكه بيآنے والى جيزوں كاسابريس ، مگر برن مبيح كاسے ، (آيات آناء) دى ائلى اور رجير دمنط كى تفسيريس آيت ١٦كى شرح كى ذيل ميں مكھاہے كه ، -د برکت اور فراکٹ وط بی کہتا ہے کہ بیور اوں کے پیماں عبد بین نسم کی تقیب ایک سالایه ، دوسری امایه ، تنبیری مفته وار ، بهریه سب منسوخ موگئیں بلکہ بوم السبت مجی منسوخ ہوگیا ،اورعبسا بڑوں کاسبت اس کے فائم مفام ہوا " ب بارسلی آیا ہے مذکورہ کی شرح کے ذیل میں کہنا ہے کہ: -دو بہود اوں کے گرحا کاسبت ختم ہو گیا، اور عبسا عیوں نے اسے سبت کے عمل میں فربسبون كي طفيلا نه رسوم كواخنسيار بنهيس كبيا 'ع ری واسکاط کی تفسیر میں بوں کہا گیاہے کہ: ۔ ووجب عيسليء رسوم والى شرليت كومنسوخ كريجي من توسيمركسي كوبيهي تنهيل ا اصل نسخ میں ابسا ہی ہے، مگر صبح بات ہے ،کیونکہ برعبارت اسی میں ہے ١٢ ت ك يرايوناني اورفديم عورني ترجمه كے الفاظ ہيں ، انگريزي ترجمه ميں بھي الساسي سے ، ليكن موجوده اردونرج کے الفاظ برہی " گراصل چیز بسمبیع کی ہیں ۱۲۰۰ ت مالانه جیسے عبد فسے مالم نہ جیسے نیاجا ند MooN NEW کہ سرماہ کے سٹروع دکھائی ہے تواسکی نوشی میں کچھے فتر با نیاں دہنے کاحکم نضاد گنتی ۲۸:۱۱) اور میفنز وارتجیسے س من و OXFORD BIBLE CONCORDAS بين وكئي عبيا في محققين كي مشتركة تالب ہے واصنے طورسے مکھا ہے کہ اس مانعت ربعنی سبت میں کام کرنیکی ممانعت کی نفصب لا جلاو طنی کے بعکے دور بين بهن ناقابل شرفة اور غير حقيقي بوكمئين حب كے نتيجہ بين ہما سے ضرا وند نے ان كے خلاف احتجاج كيا

ده دوسری قوموں کو اُن کا پاکس مذکرنے پرالزام دے ، باسوبر ولیا کہنا ہے کہ آگر

بوم السبت کی پابندی سب لوگوں پر واجب ہموتی ، اور دنیا کی تمام قوموں کے لئے

لازم ہموتی نواس کامنسوخ ہوناممکن مذتھا، حس طرح کہ اب حفیقتاً منسوخ ہمو

پیکی ہے ، اسی طرح عیسائیوں پرنسلاً بعد نسل اس کی پا بندی لازم ہموتی ، جس طرح

متروع میں بہودیوں کی تعظیم اوران کونوش کرنے کے لئے دہ بھی کرتے تھے ؟

مقدس پونس کا یہ دعوی کہ یہ گراہی والے احکام ہیں توریت کی حبارت سے موافق ہنی کہ یہ کراہی والے احکام ہیں توریت کی حبارت سے موافق ہنی کہ کہ کہ کہ ہم گراہی والے احکام ہیں توریت کی حبارت کے مواوی ہنی کے مزوری ہے کہ نہ کہ اور ان موری ہوں ؟ حب کی تقریح کما ب احبار کے بابل میں موجود ہے ، اور عینی فطیر کی علّت یہ ہے کہ بہ اور عینی فطیر کی علّت یہ ہے کہ بہ اور عینی فطیر کی علّت یہ ہے کہ بہ

وو کیونکہ بیں اسی دن نمھارے جنھوں کو ملکِ مصرِسے نکالوں گا، اس لئے تم اس دن کو ہمیشہ کی رسم کر کے نسل در نسل ماننا ؟

جسس کی تصری کی آب خروج باب ۱۱ میں موجود ہے ، اور عب رخیام کی علّت ایوں بیان ہوئی ہے۔ له ناپاک ہونے کاذکر آبت نمبر میں بہتم ان کا گوشت نہ کھانا، اوران کی لاشوں کو نہ جھونا وہ تمتھا سے ملے ناپاک ہیں اور آبت مہمیں بُر دینے آپ کومقدس کرنا اور پاک ہونا کیونکمیں قدوس ہوں بُ

مل عيد فطير وه عدد الماريسان (ابريل) عدد المراج و المراج و المراج و المراج و المرابيل موراد من المرابيل و المرابيل موراد من المرابيل موراد من علامي سطح المرابيل موراد من المرابيل موراد من علامي سطح المرابيل موراد من المرابيل موراد و المرابيل موراد و المرابيل موراد و المرابيل موراد و المرابيل من المرابيل المرابيل من المرابيل كوا المرابيل من المرابيل كوا المراب

ود اکم نتهاری نسل کومعلوم ہو کہ جب میں بنی اسرائیل کومصر سے مکال کر لار م انتقا نومیں في ال كوسائيان مين طيكا يانفاك

جس کی نفر: کے سفراحبار کے باب ۲۳ میں ہے ، اور اکثر مقامات برتعظیم سبت کی علّت ابوں بنائی گئے ہے کہ:-

د اکبو نکخب را وند نے بیچه دن میں آسمان اور زمین اور سمندر اور سی کچھان میں

ہے بنایا اورسانویں دن آرام گیآ' ابرابيم عليه اللهم كي متر لعين بين ختسة كا حكم دوا مي تقا،حب كى تصرور كے بيدائش باب ، مبنى موتودى، اسى سنظ بير حكم اسمعيا اورائق كى اولا دميں يا قى مى ، اورىشرليعن موسوى ميں تھى يا قى ريا ، بينا بخيب

سفراحبار کے باب ١٦ آبيت ٣ ميں ہے كد :-در اوراً تصويل دن لط كى كانتنسهٔ كباجائے '؛

خودعلیای علالی مرم کے بھی فاند کی گئی ،حب کی نفرزی الجیل لو فاکے بات ایم بین الم میں موجو ہے ، ا و، حبیبا بیوں میں آج بک ایک مخصوص نماز ہے ،حیں کو وہ عبیبلی عاکے ختنہ کے دن بطور وگاراداکرنے ہیں ،اوربہ حکم عبیلی علبال لام کے عروج یک باقی رم ،منسوخ نہیں ہواتھا بلكه حاربيل في المس حكم كو البيني زمام ميس منسوخ كياً محيس كي وصاحت اعمال الحواريين با ها میں موجودہے ،اور مثال ١٣ میں آنے والی ہے ،مفدس بولس اس حکم کی منسوخی كى شرى تاكيدكر تا ہے ، كلنبوں كے نام خط كے باعث ميں لكھنا ہے كر: ، وأبرن الإنس تم سے كمتنا بول كه اگرتم ختنه كراؤ كے توميسے سے تم كو كچھ فائد و من بوگا، بلكميں برابب خننه کرانے والے شخص بر بھرگواہی دنیا ہوں کہ اسے تمام مزر بعیت برعمل کرنا فرص ہے، تم جوشرلیت کے دسیلہ سے راستباز تھمرنا جا ہتے ہو مسیح عسے الگ ہو گئے، اور

له آت ۲۳، که دیکی نروج ۲۰

سك وتمالي بالبشت دريشت برالك كاختنه جب وه أهدروزكا بوكياجائ " (١٢:١٢) ٧٥ دو سجب آمط دن بورے ہوئے اوراس کے ختنہ کا دفت آیا الح " (٢١: ٢١)

116 ففنل سے محوم ، کیونکم ہم روح سے باعث ایمان سے راست بازی کی آمیت دیرا نے سے منتظرين، اورمسىع يسوع مين نرتوضية كجه كام كليد نامخنوني، مكرايان بومحبت كي راه سے از کرتا ہے ' الآیات ا تا ہ اوراسی خطک باب ۲ بت ۱۵ بیس سے کم : دو کیونکہ نہ خننہ کچے جیزے نہ نا مختونی ، ملک نے سرے سے مخلوق ہونا ؟ کے اس کا م سی علیال لام کی شراعیت میں ذہبے ہے بہت سے احکام تخف اوردائمی تھے ، بوسے سب شرلین عیسوی میں منسوخ کرائے بہت سے احکام جوخاندان ہاروں کے ساتھ مخصوص ردار کا ہن کے احکام تھے،مثلاً کہانٹ اور ضرمت کے وفت کا لمباس و بخیرہ بار ہویں مثال سبابرى اورد وامى تقى جوشر يعن عيسوى مينسوخ قرار كےسب احكام منسوخ اواريوں نے كامل مشورہ كے بعد توريت نے جہلم عملی احکام منسوخ کر دیتے سوائے تير ہویں مثال ا جارا حکام کے العنی ثبت کاذبیت، نوت گلا گھونٹا ہواجا نور، زنا ، ان جاروں کی حرمت بافی رکھی، اس سلسلہ میں تمام گرجوں کو ہرا بات دے دی گئیں جو کتاب اعمال کے باب ہ امیں منقول ہیں اور اس کی بعض آیات یہ ہیں :۔ وريونكرمم في سنام كربعض في ممس سع جن كوسم في حكم ندديا تفاد بان جاكر تمصين این بانوں سے گھرادیا اور تمہارے دلوں کو اُلط دبا، ریہ کم کرکرتم پرختنہ کرا واجب ہے، اور نامورس کی حفاظت صروری ہے) ؛ رآبت ۲۲) جبندسطروں کے بعد ہے: ۔ ودكيو كدروح الفدس في اوريم في مناسب جا الكهان طروري بانوں كے سواتم براور لوجھ ا فاطہارالی اور قدیم عربی وانگریزی زجوں میں ایسا ہی ہے ، گرجدیدار دواورانگریزی ترجموں میں قوسین

ىعبارت مندنكردى كئے ہے، برشاير تحريف مندنى كى نازه ترين مثال ہے ١٢ نقى ،

مذر البی کہ تم بنوں کی قسر با بنوں کے گوشت سے اور لہوا ور گلا گھونے ہوئے جا تنووں اور حرام کاری سے پر ہنر کرو ،اگرتم ان چیزوں سے اپنے آپ کو بچائے رکھو گے توسلامت رہو گے ، وال لام '' (آبات ۲۸ تا ۲۹)

اور ان جاروں جیزدں کی حرمت کھی حرف اس سٹے باقی رکھی گئی کہ وہ نومرید ہیو دی ہو اس کے اسمی ابھی عیسائی ہوئے تھے بالکل متنفر نہ ہوجائیں، بوتوریت کے احکام اور اس کے طریقوں کو اب بھی محبوب جانتے تھے ، بھر جب کچھ عوصہ کے بعد پولس نے یہ اطمینان کر لیاکہ اب یہ رعایین عزوری نہیں ہے ، تو پہلے نین احکام کو کھی اسی عام اباحت کے فتوئی کے ذرایع منسوخ کر دیا، جس کا ذکر مثال نمبرے میں گذر چکا ہے ، اور حب برتمام بروٹسنٹ لوگوں کا اجماع ہے ، اب توریت کے عملی احکام میں سے زنا کی حرمت بروٹسنٹ لوگوں کا اجماع ہے ، اب توریت کے عملی احکام میں سے زنا کی حرمت برامق ربنیں کی گئی ہے ، اس سلے عملاً یہ بھی منسوخ ہی ہوگیا نتیج بی شریعت عیسوی میں زنا کے لیے کوئی ترعی مزامق ربنیں کی گئی ہے ، اس سلے عملاً یہ بھی منسوخ ہی ہوگیا نتیج بی شریعت عیسوی کے ذرایعہ ان نتمام عملی احکام کا نسخ مکمل ہوگیا ، ہوئٹر بیت میں بھلے آ رہے تھے ، خواہ وہ ابدی اور دوا می ہوں یا غیر ابدی ،

توربیت نجات الکتبوں کے نام خط باب آیت ۲۰ میں بولس کہنا ہے کہ:۔
جود صوب منال مسلح کے ساتھ مصلو بجا ہوں، اور اب میں زندہ ندر ہا، بلکہ میں منال مسلح مجھ میں زندہ ہے، اور میں جواب جسم میں زندگی گذارتا

ہوں توخدا کے بیٹے برایمان لانے سے گذار تا ہوں جس نے مجھ سے محبت رکھی ہے
اور اپنے آپ کومبرے لئے موت کے حوالے کر دیا، میں خدا کے فضل کو بیکار تہیں
کرتا، کیونکہ راستبازی اگر نٹر لیٹ کے وسیلہ سے ملتی تومیسے کامز ناعبث ہوتا ''
ڈاکٹر ہمنٹر آبین ۲۰ کی مشسرے میں کہتا ہے کہ ؛۔

والمبرے لئے اپنی جان دے کر مجھ کو موسی علی نثر لیبت سے رہائی بخشی '' اور آبیت ۲۱ کی شرح کرتے ہوئے کہتا ہے کہ ؛۔

له سرنجت سے مرادیہاں تصرت موسی علیالسلام کی شریعیت بعنی توریت ہے جیسے کرع بی ترجموں معلوم ہوا ہے اتفی

"اس نے اس آنادی کو اسی لئے اخت بیار کیا ،اور مجھ کو نجات کے معاملہ میں موسلی می ٹربیت برکو کی اعتماد مہیں ہے اور میں موسلی ع کے احکام کو ضروری نہیں سمجھتا ،کیو نکہ یہ بچیز ساری ابنجیل کو بے نائدہ بنا نے والی ہے '؛

واكطوط بي آبت ٢١ كى شرح كرت بوس كريت المياب كه:-

مع اوراگرابیا ہوتا تو بجات كوموت كے ذراجہ خربینا غرورى نم ہونا ،اور نہ البي موت

میں کوئی خوبی ہوسکتی ہے "

اوریا بل کہنا ہے کہ ،۔

وسیلہ سے کوئی شخص خدا کے نزدیک راستباز نہیں طفہر ا "

ود شرلعت كوايمان سے كجھ واسطر بہيں ، مسيح جو ہمارے لئے لعنتي بنا،اس نے

ہمیں مول نے کرشر بعث کی نعنت سے جھڑا یا "

لارڈ ابنی تفسیر کی جلد 9 کے صفحہ > ۲۸ میں ان آیات کو نفل کرنے کے بعد کہناہے کہ :۔

د خیال یہ ہے کہ اس موقعہ پر تواری کا مفصد ہیں ہے جس کواکٹرلوگ سمجھنے ہیں، بعنی شریعیت منسوخ ہوچکی ہے ، یا کم از کم مسیح کی موت اور ان کے سولی یا نے کی وجہ سے بریکار ہوگئے ہے ''
کیھراسی جلد کے صفحہ ۲۸۸ بر کہنا ہے کہ :۔

وہ حواری نے اس موقع برصاف واضح کر دیا ہے کہ عیسی عمری موت کا نتیجہ نثر لیت کے مقررہ احکام کی منسوخی ہے ؟

· 14:4 0 17:4 0 11:4 0 11:4 0

تورات ابیان کے آئے تک عقی اسی خطے بات آیت ۲۲ میں پوس کہتا ہے کا ود ایمان کے آنے سے پشیر شریعت کی ماتحتی میں سماری انگہانی ہوتی تھی،اورانس ایمان کے آنے تک بوظام

سولہویں مثال

ہونے والانظام، اس کے پابند سے ، لیس شرایون مسیح بک بہنجا نے میں سماراا ستاد بنی الكهم ايمان كمسبب سوراستباز كفين، مرّجب ايمان آجكا قوم أستادك اتحت نرربي وآيت ۲۵ ۲۵۲)

اس میں مقدرس بولس صاف کہ رہاہے کہ عیسی برابیان لانے کے بعداب توریث کے احكام كى اطاعت صروري نہيں ہے، دى تائى اور رجر دمنط كى تفبير ميں دين استائن ہوب کا قول ہوں نقل کیا گیا ہے کہ :-

دو مشرایدن کے طریقے ، عبیلی علی موت اور الجیل کے شائع ہونے بیمنسوخ ہو گئے " افیبنوں کے نام خط کے بات آبیت ۱۵ میں سکھنا ہے کہ:۔ " اس نے اپنے حب سے ذرابعہ سے دستمنی بعنی وہ سرابعت حب

ك حكم عذا بطول كے طور بريضے موقو ف كردى "

تنرلجت کا برلنا ضروری ہے عرانیوں کے نام خط کے باب آیت اہیں ہے:۔ وواور حب كهانت بدل گئ تو مشر لعين كا انھی بدلناصروری ہے''

الطاربهويب مثال

السس آیت میں امامت کے نبترل اور سٹر لعیت کے نبترل میں لزوم ثابت کیا گیا ہے ،اس تلازم کے بیش نظراگرمسلمان بھی شریعت عبسوی کومنسوخ ما نیس توان کی يه بات درست بنوگی مذکه غلط، طی آئلی آور رجر طمینط کی تفسیریں اس آیت کی شرح ك ذيل مين د اكر ميكنائك كافول بون تفل كيا كيا - كه ١٠

دو ذبیحوں اور طہارت و بغیرہ کے احکام کی نسبت مشربعت یقتینًا تبدیل ہو جکی ہے'؛

بعنی منسوخ ہو چکی ہے ،

بسویں مثال اب ندکور کی آیت ۱۸ میں یوں کہا گیا ہے کہ:۔

ود عزض ببلاحكم كمزوراورب فائد ه بونے كے سبب سے منسوخ بوكيا ؟ اس آیت میں یہ واضح کر دیا گیاہے کہ توریت کے احکام کی منسوخی کاسبب بر ہے کہ وہ کمزور اوربے فائرہ ہو گئے تھے:

ہنری واسکاط کی تفسیر میں کہاگیا ہے کہ:۔

و سترلیت ادر کهانت جن سے تکمیل حاصل نہیں ہونی تفی نسوخ کردی گئیں ، ادر

عد بدكاس اور عفو كمرائ موت جن سے جوں كي تميل ہوئى"

تورات ناقص اورفرسودہ تھی اعرانیوں کے نام خط کے باب آیت ، میں پولس رقمطرازے: وو كيونكراكر يطفلا عبد بے نقص بوتا تو

ببيوس مثال

دوسرے کے لئے موقع نہ ڈھونڈا جا آا "

بھرآیت ۱۳میں مکھتاہے:۔

ورجب اسنے نیاعہد کیا تو پہلے کوٹیا ناعظمرایا ،اور جو چیز پڑرانی اور مترت کی ہوجاتی

ہے وہ ملنے کے قریب ہوتی ہے' اسس فؤل ہیں اس امر کی نفریج کی جانی ہے کہ نور بین کے احکام عبیب دار میں اور فرسود ہ

ہونے کی وجب سے منسوخ ہونے کے لائق ہیں ، ڈی آئی اور رہے ڈمنط کی نفسیریں آیت ۱۳ کی شرح کے ذیل میں یا یل کا قول یوں نقل کیا گیا ہے کہ:۔

وديه بات خوب اجهي طرح صاف اوروا ضحب كه خداكي مرصى برب كربران اوراا نص

كومدىداورعمده بيغام كے ذريعيمنسوخ كردے ،اس لئے بہودى نديب كونسيخ

كرتاب اورعبيسوى مذبب كواسك فاعم مقام بنا أبيء

مثال عبرانیوں کے نام خط کے باب آیت و میں ہے کہ:۔ ا وو غرص ده بيط كومو قوت كرانات اكددوسرے كو قائم كرے ا

ك "عفو" مام نسخ رس اليابي سيء اس كامطلب بي بنيت مجه سكا، انگريزي مزجم في بيان عفوكا لفظى ترجم ٨٥٥٨ ٨٩ كرديا إن ،كوئي تشريح شبيل ١٧ ١٢ يبط عهد عداد بانفان نورات اورائع عبر مراوا لجيل على نقى ڈی آئی اور رجر ڈمنٹ کی تفسیر میں آیت ۹۰۸ کی نشریج سے ذیل میں یابل کا قولیوں نقل کیا گیا ہے کہ:-

" حواری نے ان دونوں آینوں میں استدلال کیا ہے اوراس کا اظہار کیا ہے کہ یہودیوں کے ذہیعے ناکانی ہیں، اسی سے مسیخ نے اپنے اوبرمون کو گوارا کیا ، تاکہاس کی کمی کی تلافی کردے ، اور ایک کے فعل سے دوسرے کا استعمال منسوخ کردیا ؛
رباشعور انسان مذکورہ مثالوں سے مندر جہذیل نتائج برآ مرکزے گا :

روا على المسلمانون من المسلمانون المسلمانون

تھی ہونار ہاہے ،

الے۔ شریعین موسوی کے تمام احکام نواہ وہ ابری ادر دوامی ہوں، یاغ ِرابریُ شریعیتِ عبیسوی میں سب منسوخ ہوگئے ہیں ،

سے <u>توربیت</u> اور اس کے احکام کی نسبت مقد سے پولس کے کلام مبری کھی نسخ

ے مقدر سی پولس نے امامت کی تبدیلی اور مشسر بعی کی تبدیلی میں تلازم ثابت کیا تھے ،

صدہ ہجر مطنے والی ہے۔ اب ہم کہتے ہیں کہ چونکہ شریعت عیسوی شریعت محمدی کے مقابلہ میں برانی ہے اس الح اس کا منسوخ ہونا کوئی مستبعد نہیں ہے ، بلکہ بچو کھے نتیجہ کے مانخت صروری

ہے، جبیاکہ مثال نمبر امیں معلوم ہو جکا ہے،

مقدس پولس اور عببائی مفسرین نے نورین اور اس کے احکام کی نسبت اس اعتران کے باوجود کہ وہ احد کا حکم ہے ، نہا بیت نامناسب اور نالیسندیدہ الف اظ کے عبر نبوں عن ۱۲ کا مطلب بہی ہے کہ کائن یاامام کی تبدیلی سے مشرعی قوا بن کی تبدیلی

مجھی ضروری ہے ۱۲ ٹ

استعمال کھے ہیں۔

اتواں بیجیہ اسطلاحی معنی کے لحاظ سے توریت کے احکام کے منسوخ الوال بیجیہ الموال بیجیہ المحکام کے اشکال نہیں ہے ، گرجن احکام کی نسبت یہ

تفریح کی گئی ہے کہ وہ دائمی ہیں ، یا یہ کہ ان کی رعایت نسلا بعدنسل طروری ہے ان میں صرور اشکال واقع ہوتا ہے لیکن برا عزاعت ہم پر اس منظ نہیں بڑتا کہ اوّل توہم موجودہ توریت کوخسراکی نازل کردہ یا موسیٰ ہی تصنیف توریت تسلیم نہیں کرتے

حبياكه باب اقل ميں بنا ياجاج كاسے ،

دوسرے یہ تسلیم نہیں کیا جا سکتا کہ یہ نخر لین سے محفوظ رہی ہے ،حبیباکہ بن میں اس دعوے کو دلائل سے مدّ لل کیا جاجے کا ہے ،

سرى الزامى صورت بريم كهرسكنے ہيں كەخدائے تعالیٰ كو اپنے كسى حكم يا فعل اور ندامن واقع ہوتی ہے ، اس سے اس سے رجوع کر لیا ہے ، اسی طرح کوئی دائمی و عدہ کر تاہے بھراس کے خلا ن کر لینا ہے ، یہ بات ہم ہوگ مرف کہتے ہیں،اس منظ کہ عمر معنین کی کتابوں کے بعض مقامات سے بہی ا اكر عنقر بب معلوم بوجا مع كا، وريد بم اور تمام ابل سنت اس كندے أور عبدله بس براعلان كه اس كى مدت خمة بوجكي سيه اس الع كرز مافو ساور اور حالات کی تبدیلی کی بناء پراحکام وفوا بنن میں ننبریلی کردینا الیسی معفول بات ہے کہ اس پر کوئی شبہ نہیں کہا جاتھ وراس حقیقت کو ہم نسلیم کرتے ہیں ، سمہ حب موجودہ نوریت ہی شکوک ہے توظا ہرہے کہجن احکام سرار دیا گیاہیے، خروری نہیں کہ وہ وافعنا کا ٹمی اور ابدی ہوں، بلک بكانبين دائمي فراردينا بهي كسيك وذوق كريف "بي كانتجر بوروا تفي كان أبراء عربي اس لفظ كامطلب يرب كركسي شخص ك ذبن مين يهل كوئى رائے رسى بو، بعد ميں اچا نك اس ير اس کی غلطی واصنح ہوجائے ،اوروہ نئ رائے قائم کرلے ۱۲ کھی آگے دومشابس آرہی ہی جن سے مع ہوگا کہ بائیبل کی روسے خلا بجینا بھی سکتا ہے ، اور وعدہ خلافی بھی کرسکتاہے رسّبتحا نہ وُتعالیء آبطُون توجب بائبل كا يعفنبه و فائنهي نسخ ك تسليم كرفي يس كبول اشكال موالا و

جبید ف عفیدهسے بیرارا دربری بین ،

المبنذیه اشکال ان عیساً یُوں برلاز می طورسے بڑتا ہے جوانس بات کا اعتراف کھی کرتے ہیں کہ یہ توربیت خدا کی کمناب اور موسلی عمی تصنیف ہیں ،اور اس میں تحریف کھی کسی قسم کی نہیں ہوئی ہے ،اور یہ بھی مانتے ہیں کہ " براء " اور ندامت دونوں عیوب خدا کی شنان میں محال ہیں ۔

اوربرلوگ ان الفاظ کی جو تاویل کرتے ہیں وہ الفعاف سے بعید اوربہت ہی رکیک ہے، کیو کہ ان الفاظ کی مراد ہرنے ہیں اس معنی کے لحاظ سے ہوگی جواس کے مناسب ہیں، مثلاً جب ہم کسی خاص شخص کی نسبت یہ کہیں کہ وہ ہمیشہ الساد ہے گا تو اس "ہمیشہ" کے الفاظ سے مراد اس جگہ اس کی زندگی کے آخر کمک کی مدت ہوگی، کیونکہ ہم کو یقینی اور واضح طور برمع سلوم ہے کہ یہ شخص دنبا کے خاتم ۔ اور قیامت کم زندہ نہیں رہے گا، گر جب یہ الفاظ کسی بڑی قوم کے لئے استعال کی حائم سے کا بھر الفاظ کسی بڑی قوم کے لئے استعال کئے جائیں ہو فناء عالم تک باتی رہ سکتی ہے راگر جباس کے افراد نسلاً بعد نسلٍ بیلئے چلے جائیں) اور یہ کہا جائے کہ یہ لوگ ہمیشہ الیا ہی کہ یں گے، تو اس کی ہمیشکی سے مراد بلاس بہ فناء عالم اور قیامت تک کا زمانہ مراد ہوگا، اس لئے ایک کو دور سے یہ مراد بلاس بی ناء عالم اور قیامت تک کا زمانہ مراد ہوگا ، اس لئے ایک کو دور سے یہ قیاس کر نا بہت ہی مستبعد ہے ، اس لئے علماء یہودا گلے بھی اور بج جلے بھی اس قیاس کر نا بہت ہی مستبعد ہے ، اس لئے علماء یہودا گلے بھی اور بج جلے بھی اس قیاس کو مستبعد قرار دیتے ہیں، اور ان کو گماہ اور بے راہ کہتے ہیں،

بہا مثال خدانے ابراہیم کواسٹی عمرے ذریح کرنے کاحکم دیا تھا، بھراس حکم کوعمل

کے بعنی جن الفاظ سے بیمعلوم ہوتا ہے کہ تورات کے احکام ابدی ہیں ، اُن کے بارے بیں مثلاً برکہتے ہیں کواس میں "ہمیشہ ، سے مراد قیام قیامت کے کا زا دنہیں، بلک عہدِ قدیم کی انتہاء کک کا زمانہ ہے ١٦ تفی سک اس کے علاوہ ایک بات بر بھی ہے کہ توریت میں کئی مقامات پر" ہمیشہ ، کے بیع مدنسلاً بعد نسل کے الفاظ بھی ذکور ہیں، مثلاً بریائش ١١ : ١١ وخرہ ج ٢١ : ١٢ ، تفی سے حاشیر سے آئرہ صفح برہے میں ہنے سے قبل منسوخ کر دیا ،جس کی تقریح کتاب ہیں کئی بابِ میں موجودہے ،

کہانت کا وعدد منسوخ ، دوسری مثال میں ایک نبی کا قول علی کا ہن کے

ىقى بىل يون نقل كياكيا ہے كە : ـ

"خداوند! اسرائیل کاخدا یوں فرمانا ہے کہ میں نے توکہا تھاکہ تبراگھرانا اور تیرے باب کا گھرانا ہمیشہ میرے صنور بہ جلے گا، ہراب خدا وند فرماتا ہے کہ یہ بات مجھ سے دور ہواکیونکہ دہ جومیری عزت کرتے ہیں میں ان کی عزت کروں گا، ہر دہ ہومیری تحقیر کرتے ہیں ہے تدار ہوں گے ،،

بھرآیت ۳۳ یں ہے کہ:

دا ورمين ابنے ليے ايك وفادار كامن بر باكروں كا "

دیجھے گذفدا کا وعدہ مظاکہ کہانت کا منصب ہمیشہ عیلی کا ہن اور اس کے باب کے گھرانے میں رہے گا، کھراس کے خلاف کرکے اس کومنسوخ کر دیا، اور اسس کی جگہ دور اکا ہن سفت ررکر دیا، ڈی آئی اور رہے ڈمنٹ کی تفییر میں فاضل یا نزک کا فول یوں نقل گیا گیا ہے۔
سفت ررکر دیا ، ڈی آئی اور رہے ڈمنٹ کی تفییر میں فاضل یا نزک کا فول یوں نقل گیا گیا ہے۔
سنردار ہمیشرتم میں سے ہوگا ، اور یہ کرمنصب ہاروں و کے بڑے لاکے عازار کو کو دے دیا، ہم باروں کے مجھوٹے لڑکے تمرکو عطاکہ ا، میں کے لڑکوں کے گناہ کو دے دیا، ہم باروں کے مجھوٹے لڑکے تمرکو عطاکہ ا، میں کے لڑکوں کے گناہ

رگذشته صفی کا حاشیہ کا بینی ایک ہی شریعت پس سابغہ حکم کومنسوخ کردینا ۱۲ ت ان عیلی کابن ELI THE PRIEST بنی اسرائیل کے قدیم کا ہنوں اور فا عنیوں میں سے ایک ہیں جنھوں نے حصرت سموئیل علیہ السلام کی پر درسش کی ، بائیل کے مطابق ان سے خدانے وعدہ کیا تھا کہ "کامن" کاعہدہ ان کے کھرانے میں رہے گا ، مگر ان کے بیٹوں کی بیہودگیوں کی بناء پرانشرنے بیعہرہ ان کے بعد ان کے خاندان سے ختم کرویا (اسموئیل ، باب اوس) ، عل تمام نسخوں میں الیسا ہی ہے ، لیکن ہمارے پاس بائیس کے نسخوں میں یہ آیت م م مہیں مس ہے ، كے سبب بيرعب رہ عاز آركا بن كى اولادكى طرف منتقل ہوگيا'؛

گویاس طرح جب بک موسلی کی شریعیت بانی رہی خسد اکے وعدہ میں دوبارہ خلاف ورزی ہوئی اس طرح جب بک موسلی کی شریعیت بانی رہی خسد اکے وعدہ میں دوبارہ خلاف ورزی ہوئی اور زی ہوئی اور اس نے اس منصب کا کوئی نشان نہ عاز آرکی اولا دمیں بانی حجوثرا اور نہ تمرکی اولا دمیں ، وہ وعب دہ جو عاز ارکے ساتھ کیا گیا تھا اس کی کتاب گنتی باب ۲۵ میں یوں کی گئے ہے کہ :-

دد بیں نے اس سے ابنا صلح کاعہد باندھا اور وہ اس کے لئے اور اس کے بعد اسکی نسل کے لئے کہانٹ کا دائمی عہد ہوگا'؛

ا ہلِکتاب کے مذاق کے مطابق ضراکی وعدہ خلافی ہے ۔ سے پرناظرین کو حیران ہونے کی صرورت نہیں ہے ۔

بائبل کی روسے خدا بجھتا ناہے

ب سے کہ عہد علی کا بیں اس دعدہ خلافی کی شہادت دے رہی ہیں، اور اس امر کی کھی کہ خدائے تعالیٰ ایک کا بیں اس دعدہ خلافی کی شہادت دے رہی ہیں، اور اس امر کی کھی کہ خدائے تعالیٰ ایک کام کرنے کے بعد بھی پھیتا تا اور نادم ہوتا ہے، زبور نمبر ۸۸ یا ۹۸ داختلات تراجم کی بناء پر، کی آبت ۹۳ میں داؤد علیب انسلام کا قول خدا کو خطاب کرتے ہوئے یوں نقل کیا گیاہے کہ:

'' نونے اپنے خادم کے عہد کو ردکر دیا ، تونے اسس کے تاج کوخاک میں ملا دیا '' اور کتا ب بیداِکش باب آیت ۲ میں ہے کہ :۔

ور تب خلا وندزمین برانسان کو بیدا کرنے سے طول ہوا ،اوردل میں عم کیا اورخل وزر نے کہاکہ میں انسان کو بیصے میں نے بیدا کیا روئے زمین پرسے مطاق الوں گا ،انسان سے لیکر حیوان اور رینگنے والے جانور اور ہوا کے پر ندون کک کیونکہ میں ان کے بنانے سے ملول ہوں '' دا یات ۲۰۶)

آبت نمبرہ اور قول کے میں اس کے بنانے سے ملول ہوں ،، دونوں اس امر ردِلالت کرتے ہیں کہ خداکو انسان کے پیدا کرنے پر نمامت اور افسو کسس ہوا ، نکھ زلور نمبرہ ۱۰ آبت ہم ہیں یوں ہے کہ :-

> ے موجودہ نسخوں میں ہر عبارت زبور نبر ۱۰ کی ہے ۱۲ ۲۹۳

" تو بھی جب اس نے ان کی فریادستی تو ان کے دکھ برنظر کی ، ادر اکس نے اُن کے حق میں اپنے عہد کو یاد کیا ، ادر اپنی شفقت کی کڑت کے مطابق نادم ہوا ''
کتاب سموشیل اقرل کے باب ۱۵ آبت ۱۱ میں خدا کا قول یوں بیان ہوا ہے کہ :۔

" مجھے افسوس ہے کہ میں نے ساؤل کو بادشاہ ہونے کے لئے مقرر کیا ، کیو نکہ دہ میری پیروی سے پھر گیا ہے ، ادر اس نے میرے حکم مہیں مانے ''
پیروی سے پھر گیا ہے ، ادر اس نے میرے حکم مہیں مانے ''
پیروی سے بھر گیا ہے ، ادر اس نے میرے حکم مہیں مانے ''
کی آبت نم رکھ میں یوں ہے کہ:۔۔

" مسموشیل ساؤل کے لئے عم کھا تار کا اور ضراوند ساؤل کو بنی اسے رائیل کا بادشاہ کرکے ملول ہوا''

اس مو قع برایک خرک اور سجی ہے جس کوہم فقط الزامی طور بربیان کرتے ہیں وہ برکہ جب انسان کے پیدا کرنے اور ساؤل کے بادشاہ بنانے پرضرا کا شرمندہ اور نادم ہونا ابت ہے توہوس کتا ہے کہ مبیح کے جھیجنے اور رسول بنانے پر افسولس اور ندامت ہو ئی ہے ،اس سئے کہ ایک حادث انسان کے خدائی کا دعوی کرنے بر فداکو مبیح کے بھیجنے فدائی کا دعوی کرنے پر کا جرم ساؤل کے نافر انی کے مقابلہ میں بہت بڑا اور سنگین ہے ،
اور جس طرح خداکو دمعاذ اللہ) معلوم نہیں تھا کہ ساؤل بادشاہ بننے کے بعد نافر انی کرے اور جس طرح ہوستی ہے کہ منعلی بھی خداکو معلوم نہ ہوکہ وہ خدائی کا دعوی کر بیٹھیں گے اسی طرح ہوستی ہے کہ منعلی بھی خداکو معلوم نہ ہوکہ وہ خدائی کا دعوی کر بیٹھیں گے بیات عرف الزامی طور بر کہی گئی ہے ،کیو نکہ ہم خداکے فضل سے خداکی ندامت کے یا عیسی کی اسی طرح ہوائی ندامت کے یا عیسی کے اور انگریزی ترجمہ قدیم کے مطابق لکھا ہے ،عربی ا

ک ۱۲۰ دم ہوا او بید نفظ اظہارا لحق میں عربی ترجیم مطبوعہ حسن اور انتخریزی ترجیہ قدیم کے مطابق فکھا ہے ،عربی کی عبارت بیرہے دیندم حسب کثرہ درجہ من اور انگریزی الفاظ برہیں ؛ ۔

لیکن وجود ہ اردو ترجوں بیں اُسے یوں بدل دیا گیاہے: ۔ "اورا پنی شفقت کی کڑت کے مطابق ترس کھایا ' بہشا بر تحریف تبدیل کی تازہ شال ہے ۱۲ نفنی علام یہ موجود ہ اردو ترجمہ کی عبارت ہے، مصنف نے حس ترجمہ سے نقل کیاہے اس کے الفاظ " ندمت الح " ہیں جس کے معنی ہیں" مجھے شرمندگی ہے " کے دعوی خدا بی کے ہر گز تا مل نہیں ہیں، کیو بکہ ہمارے عقیدہ بیں خصدا بی کا مبدان اور سیے ع کی نبوت کا میدان ان کدور توں اور گذرگیوں کے خس وخاشاک سے صاف ہے ،

ا ﴿ اورتبراکھا ا وزن کرکے بس مشقال دنانہ ہو گا ہو تو کھائے گا "

انسان کی نجاست روٹی پرکانے کاحکم کتاب حز قیابی باب ہے۔ اسے مثال تمبرا

آیت خمبراامیں ہے :-

" اور تو پچے کے پیھلکے کھا ناا ور نوان کی آنکھوں کے سامنے انسان کی نجاست سے اُس کو پکا نا'' بھرآیت ۱۲ میں ہے کہ :۔

" نب میں نے کہا کہ اعظے ضراو نیرخدا ، دیجیر میری جان کمجی نایاک نہیں ہو بئ ،اوراین جوانی سے اب تک کو ئی مردارچیز جوآب ہی مرجائے ، باکسی جانورسے بچاط ی جائے بیں نے ہرگز نہیں کھائی ،اورحرام گوشت میرے منه میں کہجی بنہیں گیا ، تب اس نے مجھے فرایا دیکھ اسلان كى بخاست كے عوص تجھ كوگوبر دنيا ہوں ، سوتو اپنى روشى اس سے پيكانا ؛ وآيات ١١ : ١٥)

گو یا پہلے ضرانے انسانی یا خاندمیں روٹی کولتھ طرنے کا حکم دیا تھا، بھر حب حز قیال علیالت لام نے بہن گریہ وزاری کی تو انسس حکم برعمل ہونے سے پہلے ہی اس کومنسوخ كرديا ،اوربركهاكم ميس في انساني يا خاندكى بجائ تجھ كوبردے دياہے،

کتاب احبار باب آیت ۳میں ہے کہ :۔ " اسرائیل کے گھرانے کا جوکوئی شخص بیل یا بڑہ یا بکرے كوخواه مشكرگاه بي ياشكرگاه كے بابرذ بح كرے الله

خیمنہ اجتماع کے دروازہ پرخداوند کے مسکن کے آگے خدا وند کے حضور حیرط ھانے کونہ لے حائے ،اس شخص برخو ن کاالزام ہو گاکہ اس نے خون کیا ہے، اوروہ شخص اپنے لوگوں يس سے كاف والا جائے أو رآيات سونه)

اس کے برخلان کتاب استثناء باب ۱۲ آبیت ۱۵ میں ہے کہ:۔

له يموجوده اردونزجے كى عبارت ہے ،اظہار الحق بير حس عربى نزجے سے نفل كياكيا ہے اس كالفاظ ہيں السالى

سے تھلنے والی نجاست سے اسے انجورا ؟ تا جيمتراجتماع صعفر مستفبل برہے -

' چُرگوشن کوتوا پنے سب بچھا گئی کے اندر اپنے دل کی رہنت اور نصرا و نداپنے خوا کی دی ہونگی برکنت کے موافق ذ کے کرکے کھاسکے گا''

آگے آیت ۲۰ بیں ہے کہ :-

ور جب خداوند تراخدا اس وعده کے مطابق ہو اس نے تجھ سے کیا ہے تیری سے کو برط میں اور اس اس کے اسے نیری سے کو کو اس کو کو کے اور اور کہنے لگے کہ بین تو گوشت کھا نے کو کرے اور اور کہنے لگے کہ بین تو گوشت کھا سکتا ہے ، اور اگر وہ جگہ بھے خداوند نے اپنے اس کا کو وہا ن قائم کرنے کے لئے بڑنا ہو تیرے مکان سے بہت دور ہو تو تو اپنی گلٹے بیل اور مہیں بیر جن کو خواد ند نے تجھ کو دیا ہے کسی کو ذبح کر لینا اور مہیں اور مہیں اور مہیں کو اپنے دل کی رخبت کے مطابق اپنے میں نے بچھ کو وہ کہ دیا ہے کہ اس کے گوشت کو اپنے دل کی رخبت کے مطابق اپنے اپنے کی اندر کھا نا جیسے چکارے اور ہرن کو کھاتے ہیں و بسے ہی تواسے کھا نا، ایک اور نایک دو نو بطرح کے آدمی اُسے بیکساں کھا سکیں گے '' وا بات کہ تاہوں کی اندر کھا نا ہوں کہنا ہے کہ کہ میں میں کئا ہوں کہنا ہے کہ کہ دو نو بیل کے ملائے میں ان آبات کو نقل کرنے کے بعد یوں کہنا ہے کہ بڑ بیت موسو؟ اپنی تنوی میں بین اس میں بینی ہوتی رسی کئی ، اور وہ البی شریعیت موسو؟ میں بینی بوتی رسی کئی ، اور وہ البی شریعیت میں جیس میں بینی بوتی رسی کئی ، اور وہ البی شریعیت میں جیس میں بینی بوتی رسی کئی ، اور وہ البی شریعیت

مچھر کہناہے کہ:۔

رد موسیء نے ہجرت کے چالیسو یں سال فلسطین کے داخلہ سے پہلے اس حسم کو سفر استثناء کے حکم سے صاف اور صرح عور پر منسوخ کر کے یہ حکم دیا تھاکہ فلسطین میں داخل ہونے کے لعدان کے لئے جائز ہوگاکہ حب جگہ جا ہیں گائے بحری ذبے کری، اور کھا بیں "

نہیں تھی کے جس میں تبدیلی ممکن مرسو تو کھے تو بیسب آسان ہے "

له مصرت نطلف کے بعد بنی اسرائیل کوخانہ بدوشی کی زندگی میں ضراکی طرف سے ایک خیمہ بنانے کاحکم دیا گیا تھا، جوایک گشتی عبادت گاہ کی حثیبیت رکھتا تھا، اوراس وقت اُسے وہی اہمیت حاصل تھی جو بعد بین بیت المقدرس کو ہوئی، اسی خیمہ کو بنانے اور قائم کرنے کے تفصیلی احکام کے لیے ملاحظہ ہو

عزعن بیمفسیر نسخ کااعترات کرتا ہے اوراس کا بھی کہ شریعیت موسویہ میں بنامامیل کے حالات کے لحاظ سے کمی بیٹی ہوتی رہتی تھی ، تو بھیرا ہل کتاب پر نعیب ہوتا ہے کہ وہ کسی دوسری مترلعیت کے اوبراس قسم کی کمی بیشی براعز اص کس لئے کرنے ہیں اور بركيوں كھنے ہيں كہ يہ خدا كے جابل ہونے كومستنازم ہے ، خبر اجتماع کے سام اکتاب گنتی آب آیات ۳۳٬۳۵٬۳۵٬۳۵۰ ، ۲۶ سے معلوم ہوتا ہے کہ خیم اجتماع کے خادموں کی سلادہ ۲ سے کم اور ۵۰ سے زیادہ تہنس ہوناہے۔ اور اسی کناب کے باب کی آیات تمبر ۲۵،۲ میں یہ مکھا ہے کہ :-۲۰ ہے کم اور اعد زاراً اجماعی خطاکا کفارہ اسفراحبار بائب میں ہے کہ:-مثال تمبرا اورکتاب گنتی کے باب ۱۵ بیں ہے کہ:-وراس ربیل کیسا تھ ... اس کیندر کی فرانی اور نیاؤں بھی پیرطھائے اور خطاکی قربانی کے لئے ایک س طرح بهلاحكم منسوخ بوگيا، فیآب ہیدائٹ اب سے خدا کا حکم بیمعلوم ہوتا ہے کہ نوع کی کشتی ہیں رے اہر جنس کے دو داوجانور داخل کئے جا ٹیٹ ، برندے ہوں خواہ جاریائے اورباب سے معلوم ہو تا ہے کہ پاک حلال جانور میں سے نرمیوں یا مادہ ساتے ساتے دا خل کئے جائیں،اورحسرام جار پایوںاور ہرقسم کے برندوں سے دو داو۔ تھے اسی باعث سے یہ تھی معلوم ہوتاہے کہ سرجنس کے دلود تو داخل کئے گئے ، تو گویا یہ كه بعنى اكر قوم سے كوئى اجتماعى غلطى بھول سے سرزد بوجائے توايك بيل قربان كرنايركا، ته موجوده تراجم مين بيل كے بجائے بجھ طے كالفظاہے، كى آيت ٢٠، هن برقسم بيسے دودو ترے یاس آئی ناکه وه جیتے بچیں " (بیدائش ۲۰: ۲) که درکل پاک جانوروں بیں سے سان سائ فراورران کی مادہ ، اوران میں سے جو باک نہیں ہیں ان کے درور و فراور ان کی مادہ اپنے ساتھ لینا اور ہوا کے پر ندوں میں سے بھی سا

ساک زاور ماده لینا^ا (۲:۲:۲) که آیت ۸،۹، ۸.۰

ئز قیاہ کی ہماری کا واقعہ مثال نمبر^

الطين اني باب آيت اسين ع: دوائنی دنوں میں سرزقیاہ ایسا بیمار پڑاکہ مرنے کے قریب ہوگیا، نب پسعیاہ نبی اہموس کے بیٹے نے

ا س کے پاس آگراس سے کہاکہ خداد ند بوں فرما تاہے کہ تواپنے گھرکا انتظام کردے، کیونکہ نومرجائے كا اور بچنے كا نہيں، تب أس في ابنا ممند ديوار كى طرف كر كے خلاو ندسے بيد عاء کی کہ اے خداوند میں نیری منن کرتا ہوں، یاد فرما کہ میں تیرے حضور سیاتی اور بوسے دل سے چلتار ہا ہوں ، اور جو تیری نظریس تجلاہے دہی کیا ہے ، اور سحز فیاہ زار زار رویا ،اور اليها بواكه بسعياه نكل كرمشيرك بيح كحصه تك بيونجا كجى داففاكه خداوند كاكلام أس ير نازل ہوا، کہ بوٹ اورمیری قوم کے بیشوا حز قیاہ سے کہ کہ خدا وند نیزے باب داؤر م کا خدا یوں فرمانا ہے کہیں نے بیری دعاء سنی ،اور بیں نے بیرے انسود بھے، دیکھ بی تجھے شفا دوں گا،اور تبسرے دن توخدا کے گھریں جائے گا، اور بیں تیری عمر ہندرہ برسس اور برطها دوں گا" رآیات آنا ہی

دیجھے اللہ نے اشعیاہ عمی زبانی حزیباہ کو حسکم دیا تھا کہ چونکر تومرنے والا ہے اکس لئے ہے گھر والوں کو وصبت کر دے ،انجی اشعباء کاحکم پہنچاکرٹ میرکے وسط میں بھی نہ پہنچے تھے بہلے حکم کو منسوخ کر دیا ، اوران کی زندگی میں بندرہ سال کااضا فہ کر دیا ، حوارلوں کو حکم تبلیغ انجیل متی باب آیت ۵ میں یوں کہا گیاہے کہ ١٠١ن باره كولسيوع نے بھيجا ، اور ان كومكم دے كركما غيرومو کی طرف نہانا ، اورسامر یوں کے کسی شہر میں داخل نہونا ، بلکہ

مثال تمبرو

امرائیل کے گھرانے کی کھوٹی ہوٹی بھیرطوں کے پاکس جانا 'ا نجیل مٹی کے باب ۱۵ میں مسیح عرکا قول خود اسے حق میں اس طرح مکھا ہے کہ: -" بن اسرائيل ك كران كى كو ئى بوئى بعيرون كسوااوركسى كے باس نہيں بھيجا كيا " ان آیا ن سے معلوم ہوا کہ عبیلی عم آپنے رسولوں کوھرف بنی اسسرائیل کی طرف بھیجا کو^{نڈ} تھے

مرقس بالله آیت ۱ میں ان کایہ قول نقل کیا گیاہے کہ ،۔ رمتمتمام دنیامیں جاکرساری خلق کے سلصنے الجیل کی منادی کرو'؛ مثال تمبزا سے بر بانیں کہس کرفقیہ اور فربسی موسکی کیکٹی پر ملتهے ہں لیں حوکھ وہ تھیں نائیں وہ سب کر واور مانو'؛ اس میں بیرحکم دیا جار ہاہے کہ وہ جو کچھ کہیں انسس پرعمل کرو ،ادراس میں کو ٹی بھی شک مام عملی احکام کو با تخصوص دوا می احکام برعمل کرنے کو کہتے ہیں وی بین منسوخ ہیں، جبیاکہ پہلی قسم کی مثالوں میں تفصیل سے برو حيكاته ، اس من برحكم يفنني طور برمنسوخ بوگيا ، علماء بروٹسٹنط کی حالت بربڑا تعجیب ہوتا ہے کہ وہ مسلم عوام کو دھوکہ دینے کے لے ان آبات کو اینے رسالوں میں توربیت کے منسخ کے باطل ہونے پراس الع نقل كرتے رہتے ہں،اس سے لازم آ تا ہے كہ يرسب واجب لقتل ہوں ،كيونكہ يدلوگ کی تعظب مہیں کرتے ، حالا بکہ اس کی بے تو قری کرنے والا توریت کے حکم مے طالبی الفتل ہے، جیساکہ قسم اول کی شانوں میں منبر ہ کے ذیل میں معلوم ہوجیا ہے، مثال نمبرا میں یہ بات گزر حکی ہے کہ حوار بوں نے مشورہ کے بعدحیار احکام کے سوا توربیت کے تمام عملی احکام کومنسوخ کر دیا تھا، بھے ان چار میں سے بھی تین کومنسوخ قرار دیا ، النجيل لوتيا باب ٩ آيت ٥٦ مين مبيح عماقول يون بيان كيا گياہے كذا

ور ابن آدم لوگوں کی جان بر باد کرنے نہیں بلکہ بچانے آیا ہے '

له واضحرت كردوسرا حكم بفول مرقس ووج أسماني سے كجھ ہى يبطے ديا كيا ہے،اس سے كرأسے اسنے قرار یے کے سواجارہ نہیں، کا ملاحظہ ہوصفی ۸۳۲ ۸۴۲۱ جلد مزا، کا دیکھے ص ۸۳۷ جلد مزا،

آنجیل یوجنا کے بات آیت ، ۱۱ور باتل آیت ۵۰ میں کھی اسی طرح ہے ، دیکن تفسلینکیوں کے نام دوسرے خط کے بات آیت ۸ میں یوں کہاگیا ہے کہ :۔

دو أس و قنت وه بے دین ظاہر ہو گا جسے ضرا و ندلبیو ع ابینے شنہ کی بھو بک سے ملاک اور اپنی آمد کی تجلی سے نبیست کرے گا'؛

اس میں دوسرا قول اول کے لئے نامسی ہے،

ان آخری چاروں مثالوں نمبرہ تا ۱۲سے یہ بات معلوم ہوگئ کرانجیل کے احکام میں باقعل نسخ موج دہے، نہ کرھرف اسکان، کیونکہ مسیحے نے کھی اپنے لبعض احکام کولعبض سے منسوخ کر دیا، اور جوار ایوں نے بھی مسیح تم کے بعض احکام کو اپنے احکام سے منسوخ کر دیا، اور پولس نے حوار یوں کے بعض احکام منسوخ کئے ، بلکہ عسیمی کے تعین اقوال کو بھی اپنے جکام اور اقوال سے منسوخ کر ڈالا،

صرت مبیٹے کے قول سے سندلال غلط ہے ایم بات بھی آپ ہر دوشن ہو مفرت مبیٹے کے قول سے سندلال غلط ہے ایم گئے ہے کا بخل مٹی ہائے آیت

میں اور انجیل لوقا بالب آبیت ۳۳ میں عیسی کا جو قول نقل کیا گیا ہے اس کا یہ مطلب ہرگز تہیں ہے کہ میراکو ئی قول اور حسکم منسوخ نہیں ہوسکتا ، وریز عیسا بیوں کی انجیلوں کا حجوثا ہونا لازم آئے گا ، بلکہ الفاظ "میری باتیں "سے وہ محضوص بات مراد ہے جس میں آپ نے آئندہ بیش آنے والے واقعات کی خبر دی ہے ہواس قول سے پہلے انجیلوں میں مذکور ہیں ، اس لئے "میری باتیں ، میں اصافیت عہدی ہے ندکا استغراقی، یہ بات ہم اپنی طرف سے نہیں کہہ رہے ہیں بلکہ عیسائی مفسرین نے بھی عیسائے کے

مله بس دنباکو مجرم تظیرانے بہیں بلکہ نجات دینے آیا ہوں ' دیوے ا ۱۱: ۲۲) کا آسمان اور زمین اللہ جائیں گئی دنباکو مجرم تظیرانے بہیں بلکہ نجات دینے آیا ہوں ' دیوے ا ۱۱: ۲۳) کا اس قول سے پہلے قیامت کی بعض طامین دکر کی گئی ہیں ،اورس نفط ہی کہا گیا ہے کہ جب بک برسب بائیں نہ ہولیں برنسل ہرگز نمام بہیں ہوسکی ' دکر کی گئی ہیں ،اورس نفط ہی کہا گیا ہے کہ جب بک برسب بائیں نہ ہولیں برنسل ہرگز نمام بہیں ہوسکی ' اس مراد نہیں ، بلکہ جبند محضوص بائیں مراد ہیں جن

كاذكريبيا أجكاب ١٢ ت

س قول کو ہمارے بیان کردہ معنی برمحمول کیاہے، بینا کچری آعلی اور رجیدہ میں انجیل مٹی کی عبارت کی شرح کے ذیل میں یوں کہا گیاہے کہ ،۔

" پادری بروس کہتاہے کہ اس کامطلب برہے کہن واقعات کی بیس نے پیشن گوئی کی ہے وه بقبیناً واقع ہوں گے وو دین اسطیاب ہوب مناہے کود آسمان و زمین اگر جبد دوسری چیسنروں کی نسبت تبدیل مونے کی صلاحیت نہیں رکھتے ، بیکن ان واقعات کو آئیدہ كى خبروں كے مقابلہ جن كى ميں نے خروى ہے أسمان وزين مصنبوط منبي بى ، بس أسمان وزبین جی سب مط سکت ، گرمیری بیان کرده سیشینگوشیاں نہیں مط سکین بلکه جوبات میں نے اب کہی ہے اس کی مراد ومطلب سے ایک ایک کھی تجاوز سنہیں ہو گائ

السس الية اس قول سے استدلال كرنا غلط ب ،

نسیخ کی دونوں قسموں کی مثابیں معلوم ہوجانے کے بعد اس امر میں اب کوئی شک کی گنجائش اِتی نہیں رہ گئی ہے کہ شریعیٹ عبیوی اور موسوی دو نوں ہی میں نسیخ وا نع ہواہے ، اور بیکدا مل کتاب کا بردعوای که نسخ محال ہے ، غلط ہے ، اور کمیوں نہ ہو ، حبب که زمان ومکان اور سکلفین کے اختلاف سے مصالح برلتی رہتی ہیں، جنائجے بعض احکام لعض او قات م کلفین کے مناسب ہوتے ہیں، دوسرے احکام مناسب مہیں ہوتے، عور كيجة كم مبيح ابين حواريوں كو خطاب كرنے ہوئے كينے ہيں : _ ود مجھے نم سے اور مجھی بہت سی با نیں کہنا ہی، مگر اب تم ان کی بر داشت بہب کر سيحة ، بيكن حب وه ليني سيائي كاروح آئة كاتوتم كوتمام سيائي كي راه

حب کی تفریح انجیل او حنا باب ۱۶ بین موجودسے

نیز میسیع عمنے اس کو ٹری سے جس کو آپ نے شفاء دی تھی یہ فرمایا کہ اس كى كسى كو نجرمت دينا، جس كى نصريح الجيل متى باب مين موجوديه ،

اور جن داواندهوں کی آنکھیں آپ نے روسنن کر دی تفیس ان سے بو ں فسیر،

كراس واقعه كى اطسلاع كسى كومت كرنا، حس كى نفرزى الجيل منى باف بين موجودى ،

اورجس بچی کو آب نے زندہ کیا تھا اُس کے والدین سے فرایا کہ چھے پہیش آیا ہے اس کی فرکسی کومت کرنا ، جس کی تھر رخ انجیسل لوقا باث میں موبود ہے ،
اُس کے برعکس فرشخص سے آپ نے بدر وجوں کو نکالا تھا اسس کو حکم دیا تھا کہ اپنے گھرجا ، اور جو کچھ فدل نے برے ساتھ کیا ہے اس کی خسب ردوسردں کو دے ، جس کی تھر کے اسی باب بیں ہے ،
اسی باب بیں ہے ،
نیز قسم اول کی مثال نمبر ہ ، ۱۳ کے ذیل میں اور قسم ثانی کی مثال نمبر ہم میں زیر خِش معاملے سے متعملی مثال کی مثال نمبر ہم میں زیر خِش معاملے سے متعملی بہت کچھ آپ کومع اور وی سے جب ادکی احازت سنیں ملی، اور خوج کے بیاس ایس کو مقرکے قیام کے دوران کا فروں سے جب ادکی احازت سنیں ملی، اور خوج مصرکے بعد جب ادفر عن ہوگیا ،

بائے جبارم شکات کا کا کا کا



_____مقدمب، _____تلیف،عقل کی کسوٹی بر، ____تلیف،اقوال سیسے کی روشنی میں، ____تلیف،اقوال سیسے کی روشنی میں، ____تلیف،نجیل کی کسی بھی آبت سے نابت رہیں،

خداتين نہيں ہوسکتے

مقترمه

بارة باتين جومقصكة بكربهو يخن كبلئ سامان بصيرت بين

خداکون ہے ؟ بہلی بات اعہد عنین کی کتابیں اس امر کی شہادت دیتی ہیں کہ اللہ ایک اور ازلی اور ابدلی ہے ، جس کوموت نہیں آسکتی ،اور وہ ہر چیز کے کرنے پر قادر ہے ، مین اس کے سواکو تی مماثل ہے ،اور بنرصفات میں ، جسم وصورت سے پاک ہے اور بنرصفات میں ، جسم وصورت سے پاک ہے ان کتابوں میں یہ چیز اپنی سنسم ہرت اور کنڑت کی وجہ سے شوا ہدر اور مثالوں کی محتاج ان کتابوں میں یہ چیز اپنی سنسم ہرت اور کنڑت کی وجہ سے شوا ہدر اور مثالوں کی محتاج

اللّٰہ کے سواد وسرے کی عبادت حرام ہے ، اور

معبود وہی ہے دوسری بات

كتاب خروج بابت وبائت بین صاف صاف بیان كی گئی ہے ، نیز كتاب استثناء بات كا بنا كا كتاب استثناء بات اللہ میں بیر تصریح كی گئی ہے كا گركسی نبی ياكسی مرعی الهام نے خواب بیس غیران كی عبادت كی

دعوت دی، تو ایسے داعی کوخواه وه کتنے ہی بڑے معجزات کیوں نہیں رکھنا ہوفتل کیا چائے گا ،اس طرح اگر کو ٹی شخص کسی عزیزیا دوست کو اس فعل کی ترغیب دے گا تواہیے شخص کوسنگسارکر د ما جلئے گا ،

اوراسی کتاب کے بائل بیں یہ مکھاہے کہ اگر کسی شخص بر فرانسے کی عبادت کا جرم نابت ہوجائے گا توائے ہے کھی سنگ ارکیا جائے گانواہ مرد ہو باعورت،

عبر عنین میں خدا کے لئے اعہب مِنتی کی بے شمار آبتوں میں خدا کے لئے جسمین اورشكل واعضاء كاذكركياكيائي، مثلاً بيدائش بالله اعضاء كاذكركياكيائي ، مثلاً بيدائش بالله اعضاء كاذكر كياكيائي ، مثلاً بيدائش بالله اعضاء كاذكر تبسري بات المين خداك لئ

شكل وصورت نابت كى كنى سے مكتاب يسعياه با جھ آبت، ايس خدا كے لئے " نابن کیاگیا ہے ، کناب دانیال آئب آیت ویس سراوربال نابت کئے گئے ہیں ،

ر بور منبرس آیت سومین جیت و ، باتھ اور بازُ و کوٹا بن کیاگیا ہے ، کنا بالخوج

باب ٣٣ آين ٢٦ ميں جيره اور گُڏئ ابت كى گئي ، زَلِور نمبر٣٣ آيت ١٥ ميں آنكه اور

اسی طرح کثاب دا نیال کے باقب میں آنکھ اور کان کا اثبات ہواہے ، نیز سلاطین اوّل باب آین ۲۹ و ۵۲ اور بیرمیاه بابل آیت ۱۱ در باب ۳۲ آین ۱۹ بین اورکتاب الوب باب ١٣٣ أبيت ٢ بس اور كماب الامثال باب ٥ أيت ٢١ اور باها آبيت

میں آنکھ ٹابت کی گئے ہے،

اور زبور نمبرا آین م میں انکھوں اور بلکوں کوٹا بن کیا گیاہے ، زبور نمب آبیت ۲۰۹۹۸ میں کان ، یاؤں، ناک اور ثمنه ثابت کئے گئے ہیں، کتاب بیسعیاہ باب، ٣ آين ٢٠ يس مونط اور زبان نابن كئے گئے ہن، استثناء باب ٣٣ ميں م القرياوس ثابت كئے گئے ہيں، خروج بالت آيت ١٨ بيس انگلياں نابت كي گئي ہيں، كناب يرمياه باب مه أبيت ١٩ مين بيث اور دل كا ذكر كيا كياب ، كتاب يسعيا

باب ۲۱ میں پیٹھ کا ذکرہے ،اورزبور نمبر ۲ آیت ، میں سشرمگاہ کا بیان ہے

اعال الحواريين باب ٢٠ آيت ٢٨ بين ون كاذكركيا كياب،

تورین کی دو آینوں میں یہ بات بھی کہی گئے ہے کہ انتد تعالیٰ شکل وصورت سے منزہ

ہے ،اوراس کے اعضاء وجوارح نہیں ہیں، بینا کینہ استثناء بالب آبت ۱۲ میں ہے۔ '' ادر خداوند نے اس آگ میں سے ہو کرتم سے کلام کیا، تم نے بانیں تو سنیں، لیکن کوئی صورت نہ دیجھی، فقط آ واز ہی آواز کشنی ؛

ا بجرآیت ۱۵ میں ہے:-

دو سوتم خوب ہی احتیاط رکھنا، کیونکہ تم نے اس دن جب خدا وندنے اگ ہیں سے ہو

كر حورب بين تم سے كلام كيا ،كسى طرح كى كو في صورت نہيں ديھى "

موروب ین مسده میاب می طاق وی حورت برائدی اور اس کے مطابق ہے اس کئے بجائے ان دو آینوں کا مصنمون دلیل عقلی کے مطابق ہے اس کئے بجائے ان دو آینوں کے ان بہت سی آیات کی تا دیل صروری ہے جن کے حوالے او برد بئے گئے بین اس مو فع برا مل کتاب بھی ھماری موافقت کرتے ہیں ،اور ان بہت سی آیات کو ان دالو

اً يتوں برنز جيح نہيں ديتے ،

عہد رعین وجد میر کی کتابوں میں ایسی آیات بہت کم پائی جاتی ہی جو خدائے تعالی کے مکانیت سے منز ہ ہونے پر دلالٹ کرتی ہوں ، منشلاً گتاب بینعیاہ باب ۲۲ آیات اور یا اعمال الحواریین بالج کی آیت مرم ، گر ہونکہ ان فلیل آیات کا مضمون دلائل کے مطابق ہے ، اس لئے ان بہت سی آیات کی 'اوبل کرنا پڑے گی جن سے خدا کے مطابق ہے ، اس الح مکانیت کا نبات ہو ناہے ، ندکہ ان فلیل آیات کی ، جنا بخیہ اس ناویل کے مسلسلہ میں اہل کتاب بھی ھاری موافقت کرنے ہیں ،

سبب اس تبسری بات سے بہربات وا صنح ہوگئی کدا یات اگر حب بہنت سی ہوں سپین اگر وہ دلاعمل کے مخالف ہوں تو اُن کو اُن سخھوڑی اَ بیان کی طرف نو ما ناصروری، ہودلاعمل کے موافق ہوں ، اس سے اندازہ کیا جا سخنا ہے کہ اس کے ہے عکس اگر زیا دہ سی ان دلاعمل کے موافق ہوں ، اور مخفوظ مراز ان مزالہ ن مدر نہ نہ رہے ہے ۔

آبات دلائل کے موافق ہوں اور تخفوظری آیات مخالف ہوں نو بدر جسعتُہ او کی ان میں ''یا مذہب میں گ

ناویل ضروری ہوئی . بعض او فات الفاظ کے متجازی معنی امرسوم میں یہ بات معسلوم ہو چکی ہے کہ

مراد ہونے ہیں ؛ جو تھی بات صدید ہی کھی اس اور کنفہ : مورث ،عہد

مرار السلطي في المركي لفر بي المحال المركي المس المركي لفر بر مح إلى جاتي المس المركي لفر بر مح إلى جاتي المحا المجاد و نيا مين خدا كا ديكها جانا محال مع ، الجيل لوحنا باب آيت ١٨ مبس منه كرد : -د خدا كوكسي منه كهمي نهن ديكها "

اور تیمتیصس کے نام بیلے خط کے باب آیت ۱۹ میں ہے کہ:-

" ندائسے کسی انسان نے دیکھا اور ندد کھوسکتا ہے "

رصفی گذشته کا حاشیر که ملاحظ مو) ان سب حالوں میں سے بطور مثال ایک عبارت ملاحظہ فراسیے: ۔ ور اوروہ میرے گئے ایک مقدس بنایش، تاکریس ان کے درمیان سکونت کردوں یک (خروج ۲۵:۸)

دان اسمان میرا تخت بے اور زمین میرے باؤں کی چرکی، تم میرے لئے کیا گھر بناؤ کے ،اور کونسی جگہ میری آرام گاہ ہوگی، دبیعیاہ ۱: ۱۲)

كه " بارى تعالىٰ ما تقدمك بنائے ہوئے گھروں میں منہیں رہنا ؛ (اعمال ، : ٢٨)

اور بوصائے سلے خط کے بائب آیت ۱۲ بس ہے کہ:-

دد خداکو کمبی کسی نے نہیں دیکھا !

ان آبات سے یہ بات ابت ہوگئی کہ جود بچھا جاسکتا ہے وہ کہجی خدا نہیں ہوسکتا اگر خدا کے کلام میں یا نبیوں اور حوار بوں کے کلام میں اس برخسدا کا اطسان کیا گیا ہو تو محصن" الله" كے اطلان سے كسى كو دھوكا نہيں كھانا جائے، اس برىعبن لوگوں كےدل شب بیدا ہوتا ہے کہ لفظ^{ر ا} انٹر ، کو خلا کے علاوہ کسی اورمعنی میں بین ایک مجاز

تتعارہ ہو گا ،اور حقیقی معنیٰ کو چھوٹ کر مجازی معنیٰ کیوں لے جاعمی و

اس کا جواب بہ ہے کہ اگر کلام کے اندر مججد ابسے قرائن پائے جارہے ہوں جن کی بناء پر حقیقی معنی مرادیز لیئے جا سکتے ہوں تو ابسی صورت میں محبازی معنی مراد لب نیا طروری ہوجا تاہے، بالخصوص حب كر حفينقي معنى كاا مكان نه ہونے پر لقب بيني دلائل

بلاست براس فيم ك الفا و ك غيرات رك لي استعمال كي جان كى سرمحل م و قع کے لیے ایک معقول اور مناسب دحبر ہوسکتی ہے ، مثلاً اُن یا برنح کتابوں میں جو موسی ع کی جانب منسوب ہیں،اس قسم کے الفاظ ملائکہ کے لئے اسی واسطے سنعمال ہوئے ہیں کہان میں خلا کا جلال دو سسری مخلونی کی نسبت زیاد ہ نمساباں ہے بین کیا كتاب خروج باب ٢٦ بن ٢٠ مين الشر تعالى كا فول اس طرح نقل كيا كيا ب كه:-دد دیجه میں ایک فرشند نیرے آئے آگے بھیجفا ہوں کہ اسند بیں نیرانگہاں ہو، اور مخص اس جگر بہوسی دے جسے میں نے تیار کیا ہے ،تم اس کے آگے ہونسیارسنا ا وراس کی بات ما ننا ، اُسے نارا عن ندکر نا ، کیونکہ وہ نمھاری خطا نہیں بخشے کا اس کیے كرميانام اس مين رښنامين دايات ۲۰ و ۲۱) بھرآیت ۲ میں ہے کہ:۔

رواس لنے کہ میراً فرمنٹ نیزے آگے آگے بیلے گا ،اور تجھے امور بوں اور حتیوں ، اور فرزيوں إوركنعا نبوں اور حويوں اور ببوسبوں بين بينجادے كا اور بين ان كو ہلاك

كر ڈالوں گا''

اس قول میں یہ عبارت کرو بیں اپنا فرشنہ بیرے آگے بھیجوں گا ؛ اسی طسرح ور میرا فرشنہ نیرے آگے الح ، صاف اس امر برد لالت کرتے ہیں کہ بنی اسرائیل کے ساتھ دن میں بادل کے سنون میں اور رات کو آگ کے سنون میں جوچلا کرتا تھا وہ کو دئی فرشنہ منظا، اور اس بر اس قسم کے الفاظ کا اطسلاق کیا گیا، اس کی وحب، وہی ہے جو ہم نے بیان کی ہے،

لاق بائبل میں ایسے الفاظ کا اطسلاق توبے شمار میں ایسے الفاظ کا اطسلاق توبے شمار میں ایسے الفاظ کا اطسلاق توبے شمار

غرابتير برلفظ فداكا المسلاق بائبل مي

پڑ بلکہ معمولی انسان پر ، بلکہ سنسیہ طان مردود پر ، بلکہ غیر ذوی العقول بر سھی کیا گیا ہے ، بعض مقامات پر ان الفاظ کی تفسیر تھی ملتی ہے ، اور لعض موقعوں پر توسباقِ کلام اس قسدر صاحت دلالت کرتا ہے کہ دیکھنے والے کے لئے ، شتباہ کا موقع باقی نہیں رہتا ،

اب هم اس سلسلہ کی شہاد تیں آب کے ساسے پیش کرتے ہیں، اور عہد نفین کی عبارت اُس عربی ترجم سے ہو لندن میں سے ۱۸۴ میں طبع ہوا ہے ، لفل کرتے ہیں اور عہد حجد دی ترجمہ سے جو آب کے اس ترجمہ سے با اُس عربی ترجمہ سے جو آبروت میں اور عہد کہ عبارت نقل کہ یں گئے ، ہم اس مقام کی پوری عبارت نقل نہیں کریں گئے ، بلکہ صرف وہ آیات نقل کریں گئے جن سے اس مقام پر هماری عرض متعلق ہے اور دو سری غیر مقصو د آیات کو جھوٹ نے جائیں گئے ، ملاحظہ ہوں :۔

كتاب بيدائش باب آيت ما بس يون كها كياس :-

که جب بنی اسرائیل مصرصے کل کرجارہے نفے نوانٹر نعالی نے ان کی سہولت کے لئے یہ انتظام فرادیا کون میں ان کے اوپرا کی بادل سایہ ڈالٹا ہوا چلٹا نفا ، اور ران کواسی میں آگ بیدا ہو جاتی تھی تاکہ وہ راسنہ کابنتہ لگا سکیں ، معنت سے اسی کی طرف انتارہ فر مارہے ہیں ۱۲ ت

کے جنام بخرفرج ۲۳، ۲۰ میں ہے، تب خیر اجتماع پر ابر جھا گیا اور مسکن خداوند کے جلال سے معمولی ہو گیا'؛ دیجھٹے یہاں پر اس فرسٹند کے لئے خراکا لفظ استعمال کیا گیا ہے ۱۲ ت ر حب ابرام ننانوے برس کا ہوانب خداد ند ابرام کو نظر آیا اور اس سے کہاکہ میں خدائے قالہ ہوں ، تومیرے حضور میں جل ، اور کا مل ہو ، اور میں اپنے اور نیرے درمیان عہد باندھو گا اور تخفے بہت زیادہ برط ھاؤں گا ، نب ابرام سسرنگوں ہوگیا اور خدانے اس سے ہم کلام ہوکر فرمایا کہ دیچے مبراعہد نیزے سانھے ہے ، اور توہبت قوموں کا باب ہوگا ؛

المجرآیت ، بیں ہے :-

د اور ہیں اہنے اور نیرے درمیان اور نیرے بعد نیری نسل کے درمیان ان کی سب بشتول کے لئے اپناعب رجوابدی عہد ہو گا باندھوں گا ، تاکہ میں نترا اور نترے بعد نیری نسل کا خدا رہوں، اور میں تجھ کو اور نیرے بعد نیری نسل کو کنعان کا تام ملک جس بیں تو بردنسبی ہے ایسادوں گاکہ وہ دائمی ملکین ہوجائے اور میں ان كا خدا ہوں گا، بھرضدانے ابراہم سے كہا الخ " را بات عا ٩) اس باب کی آیت ۱۸،۱۵، ۲۶،۲۹ میں علی التر نتیب بیر الفاظ ہیں :۔ ود ا ورخدانے ابرا ہام سے کہا۔۔۔۔۔اور ابرا ہام نے خداسے کہا۔۔۔۔تب خدا نے فرمایا____اورجب خلا ابرا ہام سے بانیں کر جیکا ___ " ان آبنوں میں مصرت ابرا جیم علیرات لام سے گفنگو کرنے والے کے لیے لفظ ُضلاً نتعال کیا گیا ہے ، حالانکہ بیمنکلم جو ابرا جبم علیالسلام کو نظر آ یا تھا ،اور کلام کرر م تضا یہ در حقیقت فرٹ نہ تھا ، سیاق کلام بالحضوص آخری ففرہ کر "اس کے باس سے اوبر حلا گیا؛ اس کی سنسہادت دے رہاہے ،اب دیکھتے اس عبارت میں اس فرشند بر لفظ ﴿ الله ﴿ اور ﴿ رب اور معبود ، كاطل لاق جُكْم كياكيا ب ، بكه فرشن في خود من برالفاظ ا بنے لئے اسسنعال کئے ک^{ور} بیں ضرا ہو ں، ادر تاکہ میں نیرا ادر ننری اولاد کامعبور ہوا اسی طرح اس فسم کے الفاظ نخاب بیبانش باشل میں اس فرسنت کے لئے تھی استعال کئے گئے ہیں جو ابرا ھیم علایت لام کو دوسرے دو فرشنوں کے همسراه نظرآیا ںنے آب کو استحق عمی و لادت کی بشارت دی تھی ،اور اس امر کی المسلاع دی

تضى كه عنقريب لوطع كى بستيان برباد كى جائيس كى ، بلكه اس كمناب ميس غيث خلا کا لفظ بجودہ جگہ استعال کیا گیاہے ، نیزاسی کتاب کے بائب آبیت ١٠ میں حضرت بعقوب علیرال الم کے وطن روانہ ہونے کا وافعہ بیان کرنے ہوئے لکھا ہے:-دد اورتعقوب برسبع سے سکل کرحالان کی طرف جلا ، اور ایک جگہ یہنے کرساری رات وہں رہا ، کیو بح سورج ڈدب گیا تھا ،اوراس نے اس مبکہ کے بینصروں میں سے ایک اُٹھاکر اپنے سوم نے دھرلیا ،اوراس جگ سونے کولبط گیا ،اورخواب یں کیادیکھنا ہے کہ ایک سیرھی زمین برکھڑی ہے ،اور اسس کا سرآسمان بک بینجاہو ہے ،اور خلاکے فرشے اس برسے ارتے برط عنے ہیں ،اور خلاو بداس کے اوپر كط اكبريا ہے كمين خلاوند نيرے باب ابر مام كاخدا اور اضحاق كاخدا ہوں ، میں برزمین جس برنولیٹا ہے تھے اور نیری نسل کو دوں گا ، اور نیری نسل زمین كى گرد كے ذر وں كے ماننر ہو گى، اور نومشرق ومغرب اور سنسمال وجنوب بيں بھیل جائے گا ، اور زمین کے سب قلیلے نیزے اور نیری نسل کے وسیلہ سے بركت يائي گے،

اوردیکھ بیں نیرے ساتھ ہوں،اورسرجگہ جباں کہیں نوجائے نیری حفاظت کروں گا اور تجھ کو اس ملک بیں بھر لاؤں گا، اور ہو میں نے تھے سے کہا ہے جنگ اٹسے بورا مذکراوں تھے بہیں چھوڑوں گا،

نب بعفوب جاگ اعظا اور كيف لگايفني نا خداونداس جگر ب اور مجهمعلوم نہ تفا اور استے ڈر کر کہا بیکبیں بھیا تک جگہ ہے ، سویہ خدا کے گھرادرا سمان کے آسننا نہ کے سوا اور کچھرنہ ہو گا ،اور بعقوب صبح سویرے اُٹھا ،اور انسس تنجمر كوجے اُس نے اپنے سر ہانے دھوانھا لےكرمسنوں كى طرح كھواكيا،اوراسك سرے برتبل ڈالا ،اور اسس حبکہ کا نام سین ابل رکھا ، لیکن پہلے اس لبتی کا نام لوزرت ا اور بعقوب نے منت مانی ،اورکہا کہ اگر خدامیرے ساتھ رہے اورجوسفر بس كرر ما ہوں اس بيں ميرى حفاظن كرے ، اور مجھے كھانے كورو في

اور پہنے کو کہڑا دیتارہے اور بیں اپنے باپ کے گھرسلامت دوط آؤں تو خداوند میراخدا ہوگا، اور یہ بنچر جو بیں نے سنون ساکھ ایکیا ہے خدا کا گھر ہوگا اور جو کچھے تو مجھے دے اس کا دسواں تھے مزور ہی تجھے دیا کروں گائ د آیات ۱۳۱۰) مجھراسی کتاب کے باب اس آبیت ۱۱ بیں ہے کہ تھے ہنے بیفوب علیال لام نے اپنی بیولیوں لیّاہ اور راحیل سے خطاب کرتے ہوئے فرمایا:

ور اور خداکے فرسنہ: نے خواب بیں مجھ سے کہا ۱۰ ہے بعقوب ایس نے کہاکہ میں خار موں ، نب اس نے کہا میں بیت ایل کا خدا ہوں جہاں تونے سنون ہر پتیل ڈالا ،اورمیری منت مانی ، نس اب اس مطاور اس ملک سے نکل کراپنی زاد ہوم

كونوط جائ دأبات ١١ ١١١١)

آگے جل کر بالب آبین ۹ میں حصرت میقو ب ہی کافول اس طرح منقول ہے:۔
«اور میقوق نے کہا اے میرے باب ابر ہم کے خدا اور میرے باب اصفحاق کے خدا اور میرے باب اصفحاق کے خدا ، اے خدا و ند جس نے مجھ سے یہ فر مایا کہ تو اپنے ملک کو اپنے رسند واروں کے یاسسی نوبط جا ؟

یاسسی نوبط جا ؟

بھرآبت ١٢ بيں ہے: -

" یہ تیراہی فرمان ہے کہ ہیں نیرے پاکس صرور تھلائی کروں گا، اور نیری نسل کو دریا کی رہین کے مائند بناؤں گا جو کھڑت کے سبب گبنی نہیں جاسکتی " آگے باقت آیت امیں ہے کہ :-

"اور خدا نے بعقوب سے کہا اُسط اِستِ ایل کوجا اور وہیں رہ اور وہاں خدا کے لئے ہو بجھے اس وقت دکھائی دیاجب تو اپنے بھائی عیسو کے ہاس سے بھاگاجا رہا تھا ،ایک مذبح بنا ، نب لیعفو عب نے اپنے کھرانے اور اپنے سب سخیوں سے کہا ، آؤہم روانہ ہوں ،اور بین ایل کوجا بیں ، وہاں بین خدا کے لئے جس نے میری تنگی کے وان میری دعاء قبول کی ،اور حب راہ میں میں چلامیر سے میں نے میری تنگی کے وان میری دعاء قبول کی ،اور حب راہ میں میں چلامیر سے میں ناؤں گا ،'

سى واقعه كى تفصيل بيان كرت موسة مذكوره باب كى آيت ٢ ميس م كه :-

مد اور العقوع ان سب لوگوں سمیت جو اُن کے ساتھ تھے لوز بہنجا، بیت ایل یہی ہے، اور ملك كنفان ميں سے ، اور اس نے دہاں مذبح بنا يا ، اور اس مقام كا نام ايل بيت إلى ركها كيونكرجب وه ابيخ بهاني كے ياكس عجاكا جار با تضا نوخدا و بين اس بياطا برواتها ،

ا کے باب مہ آیت ۳ میں کہا گیا ہے:۔

ود اورلیفوع نے ایوست سے کہا کہ ضرائے قادرِمطلق مجھے لوز میں ہو ملک کنعان میں ہے د کھائی دیا ، اور مجھے برکت دی ، اور اس نے مجھ سے کہا میں تجھے بردمند کروں گا، اوربرهاؤں گا، اور بخه سے قوموں کا کی زمرہ بیداکروں گا، اور نیرے بعد برزمین تىرىنسلكودون كائ رآيات ٣٠٣)

عور فرابیج که بات آبین ۱۱ و ۱۳ سے معلوم ہو تاہے کہ جو صنرت لیفوب علیات لام کونظرآیا وہ فرمنٹ نذتھا ،اسی ہے اتھوں نے عہد کیانھا ،اور اسی کے سامنے منت مانی تفی البین آب نے دیکھا کہ اس کے بعد اٹھارہ سے زیادہ مرتبہ اس برلفظور خدا ،، کا ا طبلان کباگیا ہے خود فرسٹ ننے تھی اہنے آب کو خداکہا ، اور صزن بیفو عِس نے بھی آس خداہی کے ام سے بکارا ،

خداکے ساتھ گشنی اس کے علادہ کتاب پیدائش بیں حضرت بعقوع ہی کا ایک اور اعجیب واقعہ انس طرح بیان کمیا گیاہے:۔

رد اور تعقوب اکیلاره گیا ۱۰ور یو بیطنے بک ایک شحض و ہاں اس سے کشتی لط تا رہا جب اس نے دیکھاکہ وہ اس پرغالب نہیں آنا تواسکی ران کو اندر کی طرف سے چھوا، اور يعقوب كى ران كى نس أس كے ساتھ كشتى كرنے بين چرط حد گئى ، اور اُس نے كہا مجھ جانے دے ، کیو کہ بو بھوٹ جلی ، بعقوب نے کہا جب ،کک تو مجھے برکت ندائے میں مجھے جانے نہ دوں گا ، نب اس نے اس سے پو جھا کہ نیزا کیا ہم ہے اُس نے جواب

ا ایل، عرانی زبان میں خداکو کہتے ہیں ، لہ ندا ایل سبت ایل کے معنی ہوئے " سبیت الله کا خدا "آج يهى جلك بين المقدر سك نام سے معروف م ١٦ نفى

دیا یعقوب، اس نے کہا کہ نیرا م آ گے کو یعقوب نہیں ، بکدا سلا بڑا گیل ہوگا کیو کہ تو نے خدا
اوراد میوں کے ساتھ زور آزائی کی اور غالب ہوگیا ، نب یعقوب نے اس سے کہا کہیں
نیری منت کرتا ہوں ، تو مجھے اپنا ام بنادے ، اس نے کہا کہ تومیرا نا م کیوں پوجھیا ہے ؟
اور اس نے اُسے وہاں برکت دی ، اور لیفوب نے اُس جگہ کا نام فنی ایک رکھا اور کہا کہ
یں نے خدا کو روبر و دیکھا، تو بھی میری جان بچی رہی 'او راب ۲۳ آیات ۲۳ ایس)
خلا ہر ہے کہ یہاں پرکشنی لڑنے والا فرشت تھا ، حبس پر لفظ و خدا ، کا اطلاق گیا گیا ہا اس لئے کہ اوّل تو اگر بہاں خداسے اس کے حقیقی معنی مراد لئے جائیں نولازم آئے گا کہ
اس لئے کہ اوّل تو اگر بہاں خداسے اس کے حقیقی معنی مراد لئے جائیں نولازم آئے گا کہ
بنی اسس لئے کہ اوّل تو اگر بہاں خداسے اس کے حقیقی معنی مراد لئے کی خورت بو شع علیا لسلام
سے کشنی لڑا تا رہا ، مگر اُسے مغلوب نہ کر سکا ، دوسرے اس لئے کی تحضرت ہو شع علیالسلام
نے اس بات کی نصر برح کر دی ہے کہ یہ فر شعبہ بخفا ، خدا نہیں بھا ، چنا کچنے کہا ب ہوسیع

واس نے رحم میں ابنے بھائی کی ایری پڑوی اور وہ اپنی نوانائی کے ایام میں ضدا سے کشی اطا ، إن وہ فرسند سے کشنی لطا اور غالب آیا ،اس نے روکر مناجات کی اُس نے اُسے بین اِیا ،اور وہاں وہ ہم سے ہم کلام ہوا ''

دیجھئے بہاں تھی دوجگہ اس فراسٹ نہ بڑخدا ، کے لفظ کا اطسانی کیاگیا ہے ، اس کے علاوہ بیدائش باب ۳۵ ایت ۹ میں ہے کہ :۔

دو اورتعقوب کے فدان ارام سے آنے کے بعد ضرائے سے بھر دکھائی دیا ،اورائسے برکت بخشی ،اورضدا نے اُسے کہا کہ تیرا ،ام بعقوب ہے ، نیرا ،ام آگے کو بعقوب نہ کہلائے گا ، بلکہ تیرا ،ام اسرائیل ہوگا ، سوائس نے اُس کا ،ام اسسرائیل رکھا ، بھر ضرائے سے کہا کہ میں ضدائے قادرِ مطلق ہو ں ، نو بر دمند ہو اور بہن آئے ایس کا بھر سے ایک قوم بلکہ قوموں کے جفتے بیدا ہوں گے ،اور بادش ، نیری صدب سے نکلیں گے ،اور یہ

که اسرائیل کے معنی عبرانی زبان میں ہیں دو ضراسے زوراً زبائی کرنے والائ کی دفتی ایل وو فنی ایل اس اسرائیل کے معنی عبرانی زبان میں خلاکا جبرہ ، ہیں) دکتکار دنس)

ملک ہو میں نے ابر ہام اور آ صنحیٰ کو دیا ہے سو تجد کو دوں گا ، اور نیرے بعد نیری مسل کو تھی بہی ملک دو سکا ہ اور خدا سب جگہ اس سے بم کلام ہوا و ہیں سے اس کے باس سے اویر جلاگیا ، نب تعفوب نے اس جگہ جر یاں وہ اس سے ہمکلام ہوا بیفر کا أيك سنون كعط اكيا ، اوراس يرنيا ون كيا ورنيل دالا اور تعقوب في اس مقام كانام جنياں خدا اس سے سم كلام سوا بين ابل ركھا " و يجعهُ به نظرنه آنے والی شخصیّن بقیت فرشنه تھی ،حبر کا پہلے بار بار ذکراَحیکا ہے اور اس کے لئے یا یخ جگہ لفظ «خسرا ، استعمال کیا گیاہے ، اور تو دائس نے بھی کہا کہ میں خدا ہوں ماس کے علاوہ تھزن موسی علیہ السّلام کو نبوت عطا ہونے کا واقعر کتاب خروج باب ساتیت بسیاس طرح بیان کیاگیا ہے:-رد اور رضاوند) ایک مجاطی میں سے اگ کے سفعلہ میں اس پر ظاہر ہوا ،اس نے نگاہ کی ،اور کیا دیجفتا ہے کہ ایک حصاط ی میں آگ لگی ہو تی ہے ، جردہ جھاط^ی تهسم نہیں ہوئی، جب خداوندنے دیکھاکہ وہ دیکھنے کوکٹراکر آر ہارہے اس نے کہا کہیں نیرے باب کا ضل بعنی ابر ہم کاخدا اور اضحاق کاخدا اور لعفوب کا خدا ہوں، موسلی عنے ابنا منہ جھیا ما ، کبونک وہ ضرابر نظر کرنے سے ڈرا سے موسی نے خداسے کہا ... اس رضرائے کہا کہ میں عزور نیزے سا تھے رہوں كا اور الس كاكريس في تحفي بهيجاب، نيرے لئے يونشان بوكا كرجب نوان لوگون کومصرے نکال لا عے گئے نوئم اس میاط برخداکی عبادت کردگے، تب موسی ع نے خدا سے کہا ، جب بنی امسراسل کے پاکس جاکران کو کہوں کہ تمہارے باب دادا کے مذانے تھے تنفائے پاکس بھیجا ادروہ مجھے کہیں کہ كراس كانام كياس وتوس ان كوكيا بتاوس و خدا في موسى سه كها آهيد اَ مَثْرُ اَهُ لَيْكُ ٥٠ ـ ٥٠ تو بني اسرائيل سے يوں كهناكه اَهُ كُنْفُه نے مجه كو اے معجودہ اردواورا محرکیزی نرجمومیں یہاں دو ضراوند "کے بجائے دوخدا وند کا فرسننہ "لکھاہے ١٢ ن که موجوده ار دونزجه بس بهان وخلاکا لفظ نهیں ہے ١٢ ن واشبهکه اور کله انگے صفحی

مخصارے پاس بھیجا ہے ، مجھر خدا نے موسلی سے یہ بھی کہا تو بی اسرائیل ہے یوں کہنا کہ خدا و نرتھ کا باپ دادا کے خدا ابر بام کے خدا اور اصحاق کے خدا اور لیفقوب کے خدا نے مجھے تنصاب پاس بھیجا ہے ، ابد تک میرایبی نام ہے اور سب نسلوں میں میرااسی متے ذکر ہوگا ، جاکرا سرائیلی بزرگوں کو ایک جگہ جمع کر اور ان کو کہد کہ خداوند مختارے باب وادا کے خدا الح " (آیات مانا ۱۷)

دیجھے یہاں بریمی حصرت موسلی اوراضیات کا خدا اور لعقوب کا خدا ہوں ہیماسی نے برکہاکہ میں نیرے باب کالعین ابر ہام کا خدا اوراضیات کا خدا اور لعقوب کا خدا ہوں ہیماسی نے اکھیے آئی آئی آگھیکہ کہااور موسلی اکو تلقین کی کہ وہ بنی اسسرائیل سے کہیں کہ مجھے اُٹی بُرِی آئی آئی آئی آئی آئی آئی آئی آئی گائی کہ اس معبارت میں بجیس سے زیادہ مرتبہ اُس نے ابینے لیئے خلاکا لفظ استعمال کیا ہے ، تو دحقرت میں جبس سے نے بھی اس فرت نے خدا کا لفظ استعمال کیا ہے ، تو دحقرت میں ج

یہ ہے ایج مرفس کے باب ، منی باب ۲۷ اور لوقا باب ۲۰ بیں ہے کہ صرت میسے مے نے صدوقیوں سے خطاب کرنے ہوئے فرمایا:۔

"كياتم نے موسلى عكى كتاب ميں جھاڑى كے ذكر ميں بنيں بڑعا كر خدا الله اس سے كہاكہ ميں ابر باس كا خدا اور اصفاق كا خدا اور تعقوب كا خدا ہوں ؟" رعبارت مرفس"

عالا نکر در حقیقت یہ فرمنٹ نہ تھا جیساکہ آپ کومعلوم ہو چیکا ہے، چنا بخیرار دو اور فارسی نز حموں میں بیہاں لفظ «خداوند» کے بجائے فرمنٹ نہ کا لفظ مکھا گیا ہے، اور سینٹے اِخروج باب کی آبت امیں ہے:-

" بھرضداوندنے موسی سے کہا دیکھ میں نے تحقید فرغوں کے لیے گویا خدا تھمرایا اور تبرا مجائی ہارون تیرا پیغمر ہوگا ؛

نیز خروج باب آیت ۱۶ بی مفزت موسی سے خطاب ہے:

در اور وہ تیری طرف سے لوگوں سے بایش کرسے گا، اور وہ تیرا شنہ بنے گا، اور ایس کے لئے گو اخدا ہوگا ؛

ان دونوں آیتوں میں صرت موسلی علیہ السلام پر لفظ خدا کا اطلاق کیا گیا ہے ،اور حقیقت ا یہ ہے کہ اس سے واضح ہوجا آ ہے کہ بہود یوں کو عیسائیوں پر نربیح حاصل ہے ، اس لئے کہ وہ اگر چہ حذت موسلسیء کوتمام انہ سیاء میں سب سے افضل سیمھتے ہیں اور اُن سے محتبت کا دیمولی بھی کرتے ہیں ، مگر بائبل کے ان الفاظ سے استندلال کرکے انھیں خدا نہیں بنا دیتے ، اس عقلمندی "کا نثرف عیسائیوں " بی محاصل ہے ،

اس کے علاوہ خروج بالل آیت ۲۱ میں ہے کہ:-

در اور خلاوند ان کورن کوراسته د کھانے کے لئے بادل کے ستون میں ہوکران کے آگے آگے چلاکر تا تھا ، تاکہ وہ دن اور رات دونوں میں چل سکیں، اور بادل کا ستون دن کو اور رات کا ستون رات کو ان لوگوں کے آگے سے ہتنا نہ تھا '' (آیات ۲۲:۲۱)

لکن باب ۱۲ آیت ۱۹ بیں اُسی کے باسے میں کہا گیاہے:-

" اور خلاکا فرسست جواسرائیلی نشکرے آگے آگے جلاکر انتفاجاکر اُن کے پیچیج ہوگیا،اور بادل کاوہ ستون ان کے سامنے سے ہمٹ کر اُن کے پیچیج جامعہ را "

ميراين ٢٧ ين ہے:-

' د اور رات مے پچھلے پہر خداوندنے آگ اور بادل کے ستونوں میں سے مصر لوں کے نشکر بر نظر کی ، ادر ان کے نشکر کو گھرا دیا '' 441

آیت ۱۹صاف بتارسی ہے کہ یہ جلنے والافرشینہ تھا ،مگر ۱۳: ۲۱ اور ۱۴: ۲۲ پس اسے خداکہاگیاہے ،نیز کتاب استثناء باب آیت ۳۰ میں ہے:-

وو خدا وند تمهارا خدا جو تمهالے آگے آگے جلتا ہے وہی تمهاری طرف سے جنگ کرے گا جیسے اس نے تماری خاطر مبھریں تمھاری آنکھوں کے سامنے سب کچھ کیا ،اور سابان بس تھی تونے یہی دیجھا ، کرحس طرح انسان اپنے بیٹے کو اٹھائے ہوئے چلتا ہے اسی طرح خلاوند ترافدا نرے اس حگر بہونے بک سارے راستہ جہاں جہاں تم گئے تم کو أتصائے ریا ، تو بھی اس بات میں تم نے خداد نداینے خدا کا یفنین سرکیا ، بوراہ میں تم سے آگے آگے تھارے واسطے ڈرے ڈالنے کی مگہ تلاسش کرنے کے لئے رات کو آگ میں اوردن کوابر میں ہوکر چلائ (آبات ۳۰ تا ۳۳)

ملاحظه فرمایتے اِن تین اینوں میں جگه اسس فرشته کود خدا "کہاگیاہے اسے استثناء ہی کے باب اس آیت سو میں ہے کہ:-

ود سوخداوند تیراضرا ہی تیرے آگے آگے یارجائے گا اورخدا وند ان سے دہی کرے كا اورخداوندان كوتم سے تسكست دلائے كا مط ور رزان سے خون کھا، کیونکہ خدا وند تیرا خدا نحود ہی تیرے ساخھ جاتا ہے اورخدا وند ہی تیرے آگے چلے گا ،، النج (آیات سرنا ۸)

میاں بھی اسی فرمشت کے لئے " خدا ، اکالفظ استعال کما گیاہے ، نیز کتاب قضاۃ کے باتل آیت ۲۲ میں اس فرسنے کا ذکر ان الفاظ میں کما گیا

ہے جومنوس کے اور اس کی بیوی کو دکھائی دیا تھا ،اوردونوں کو بیٹے کی بشارت دی تھی :۔

« اور منوحه فے اپنی بیوی سے کہا کہ ہم اب ضرور مرجائیں گے ، کیونکر ہم نے خدا کودیجھا؟ علانکهاسی باب کی آیت ساو ۹ و ۱۳ و ۱۵ و ۱۷ و ۱۸ و ۲۱ میں تصریح ہے کہ پر فرنشنة

خفا ، خدا مذيخا ، بانبل مين فرشته پر لفظ «خدا "كااطلاق كتاب يسعيا ، باك ، كتاب تمونكل

مله منوحه (: MANOA H) يه با عبل كيمشهودكردار سمسون كاباب سے ، حبى كى دليلہ كے

سا تفرعشق کی داستان مشہورہے ۱۲ سے

اوّل ابت ممثاب حز في آيل اب م و و اوركتاب عاموس باب مين مين كياكيا ب ، شمام انسانون اور شيطان برخد كااطلاق اس كے علادہ عربی تراجم كے مطابق شمام انسانون اور شيطان برخد كااطلاق از ورنم الماور دوسری تراجم كے مطابق

اس عبارت میں علماء پروٹسٹنٹ کے نظریہ کے مطابق مداس جہان کے تحدائے۔
مراد شیطان ہے ، ملاحظہ فرما ہے ، اس نظریہ کے مطابق تو شیطان پر تھی لفظ «خدا »
کا اطلاق ہوگیا _____ اور یہ جو ہم نے «علماء پروٹسٹنٹ کے نظریہ کے مطابن مراد
کہا ہے ، وہ اس لئے کہ علماء پروٹسٹنٹ ہی یہاں «خدا ، سے « شیطان » مراد
لیتے ہیں ، اور وجریہ بیان کرتے ہیں کہ اگریہاں «خدا ، سے اس کے اصلی معنی مراد
لیتے ہی تقواندھاکرنے کی نسبت خدا کی طوف ہوجائے گی ، جس سے اس کا فالق شربونا
لازم آئے گا اور یہ علماء پروٹسٹنٹ کے نزدیک ورست نہیں ہے ، عالا بحکت بقدسہ
کی دوسے آن کا یہ خیال محف باطل ہے ، کنب مقدسہ میں اس بات کی بہت سی دلیلیں
موجود ہیں کہ شرکا خالق بھی خواہی ہے ، ہم یہاں هرف دود لیلوں پراکتفاء کریں
موجود ہیں کہ شرکا خالق بھی خواہی ہے ، ہم یہاں هرف دود لیلوں پراکتفاء کریں
موجود ہیں کہ شرکا خالق بھی خواہی ہے ، ہم یہاں هرف دود لیلوں پراکتفاء کریں
میں سے کہ نہ

دوبیں ہی روسشنی کاموجداور تاریخ کاخالق ہوں ، میں سلامتی کا بانی اور بلاء

کوپیداکد نے دالا ہوں، میں ہی ضادند برسب کچے کرنے دالا ہوں'؛
اور بولس تفسلینکیوں کے نام دوسرے خط کے باب میں مکھتا ہے:۔
را اسی سبب سے خدا ان کے پاکس گراہ کرنے دالی تاثیر بھیج گا، تاکہ وہ جھوٹ کو اسی سبب سے خدا ان کے پاکس گراہ کرنے دالی تاثیر بھیج گا، تاکہ وہ جھوٹ کو سبح جانیں ادر جینے لوگ جی کا لیقین ہیں کرتے بید دہ میں دہ سبب سزا بائیں ''

بہرکیت بروٹسٹنٹ محزات تو ان دلیلوں کے بادجود بھی خدا کے خالق شرت دیمرنے سے بیخے کے لئے کر نتھیوں کے نام کی نذکورہ بالاعبارت بیں خداسے مراد شعطان کیتے ہیں ، اس لئے الزامی طور بر همرامقصود ثابت ہے ، کد نفظ سخدا ، کا اطلاق ، غیراند

۔ اس کے علادہ فلیتیوں کے نام خط کے بات آیت 19 میں ہے :۔ ''اُن کا نجام ہلاکت ہے ، اُن کاخدا ہیٹ ہے ، وہ اپنی شرم کی باتوں پر فخر کرتے ہیں '' اس میں پونس نے ہیٹ پر نفظ مہ خدا ''کا اطلاق کیا ہے ، نیز نیو حنا کے ہیں لے خط کے بالب آئیت ۸ میں ہے :۔

مجومحتت بنين ركحتا ده فداكو بنين جاننا ،كيو كيفدامحبت بيد ؟

مجراً بن ١٦ يس ك ، -

ددجومحتن خداکوہم سے ہے اُس کوہم جان گئے ،ادر ہمیں اسس کا بقین ہے خدا
محتت ہے ،اورجومحت میں قائم رہنا ہے دہ خدا میں قائم رہنا ہے ؟
اس عبارت میں بوحنا نے محبت اور خلا میں انتحاد نا بت کیا ہے ، بھیدران دونوں
کولازم وملز وم قرار دیتے ہوئے کہا ہے کہ جو سمحبّن ، میں قائم رہنا ہے دہ خدا میں قائم
رہنا ہے ؟

اس کے علاوہ بوں برلفظ "فرا، کا اطلاق باعبل میں اس کر ت سے آیا ہے۔ کہ اس کے شواھد دنقل کرنے کی جبنداں ضرورت بہیں ،اسی طرح مخدوم اور معلم کے معنی

ك آيت نمبرلا

میں نفظ درت ، کا است منعال بھی بے مضارح کوں پر کیا گیا ہے ، جنا بخیب البخیل لیومنا اب اقل آبت نمبر ۲۳۸ میں نفظ در رب ، کی تشریح استاد سے کی گئی ہے: ۔
" اعفو ں سے اس سے کہا اے رقی دلینی اے استاد) تو کہاں رہتا ہے "
ہم نے اوپر تفصیل کے ساتھ جو با شبل کی عبار تیں پیش کی ہیں ان سے یہ بات خوب واضح ہو جاتی ہے کہ اگر کسی ایسی چیز پر نفظ در خدا ، کا اطلاق کر دیا جائے جس کا فانی ، عاجز اور متغیر ہونا ہر شخص کھلی آ نکھوں دیکھ سکتا ہے تو محض اس پر لفظ در خدا ، کے اطلاق سے کسی ہوشمند کو یہ نہ سمجھنا جا ہے کہ وہ فانی چیز خدا یا خدا کا بیٹا ہوگئی ، اور جو شخص ایسا کی ہے دہ نہ حرف یہ کم عقل کے تمام دلا کل کو جھٹلا رہا ہے بلکہ نقل ور دار نبت کے ان شوا ہو کہ کی ہے بہتے کہ وہ فانی چیز خدا یا خبرا کا بیٹا ہوگئی ، اور جو شخص ایسا کو بھی لیس بیشت ڈال رہا ہے جو پھلے چیز صفحات میں ہم نے پیش کئے : ۔

بائبل مين مجاز اورمبالغه كالمستعال

پانچوس بات

ادبرتیسری ادر جونفی بات کے صنمن میں یہ داضح ہو جکا ہے کہ بائبل میں مجاز کا استعمال بخرت ہوا ہے ، یہاں ھیں یہ کہنا ہے کہ برمجاز کا استعمال مرف ان مواقع کے ساخط محضوص نہیں ہے جواد پر بیان کئے گئے ، بلکہ اس کے علادہ بھی بائبل میں مجاز بخرت پایا جا آ ہے ، مثلاً کتا ب بیدائش باب ۱۳ بن ایس ہے کہا مثلہ تعالی نے حصرت ابراہیم سے کے مثلاً کتا ب بیدائش باب ۱۳ بن ۱۹ میں ہے کہا مثلہ تعالی نے حصرت ابراہیم سے کی دولا دوینے کا وعدہ کرنے ہوئے فر مایا :۔

ا در میں تیری نسل کوخاک کے ذروں کے مانند بناؤں گا ، ایساکہ اگر کو نی شخص خاک کے ذروں کے دروں کو گئ شخص خاک کے ذروں کو گئ سے تو تیری نسل بھی گن لی جائے گئی "

بھراس کتاب مے باب ۲۲ آیت ، ایس ہے:

رو میں مجھے برکت بربرکت دوں گا ، اور نیری نسل کو بڑھاتے بڑھاتے اسمان کے روں اور سمندر کے کنارے کی رہت کے مانند کر دوں گا " اسی طرح پیچے امر جیارم میں آب بڑھ ہے ہیں کہ حزن بعقوب علایہ سلم سے بھی یہی وعدہ کیا گیا تفاکہ ان کی نسل رین کے ذروں کے برابر ہوجائے گی، حالا محدان و دنوں سحزات کی نسل کہ جی دھے سیر رہت کے ذروں کے برابر ہو بل ایک جی جائیک ساحلِ سمندر کے ذروں کے برابر بھی دنیا سجر کے دروں کے برابر بیا دنیا سجر کے دروں کے برابر ،یا دنیا سجر کے دروں کے برابر ،

بنی اسرائیل کوغدا کی طرف سے جو زمین دینے کا دعدہ کیا گیا تھا اسس کی تعربیف ہیاں کرتے ہوئے کتاب خروج باب آیٹ ۸ میں ہے کہ:۔

وجين بين دو وهداور سفيدمينا سے "

حالا نکہ روئے زبین برکوئی السی حبکہ موجود مہیں ہے، نیز کناب استثناء باب بیں ہے:۔ "اُن کے شہر بڑے بڑے او فصلیں آسمان سے بائیں کرنی ہیں "

ادرباق میں ہے:-

"السی قوموں برجو تجھسے بڑی اور زور آور ہیں ،ادرا یسے بڑے شہرد ں برجن کی فعلیں

أسمان سے باتیں کرتی ہیں'۔

ز بورنمبرے ایت ۲۵ میں ہے:۔

ردنتب خدا وندگویا نیندسے جاگ آت ، اس ذب دست اُدی کی طرح بوٹ ای سبب ، ۱۳۵۱ میں دب دست اُدی کی طرح بوٹ ای سبب ، ۱۳۵۱ میں مورا وراس نے این نو جدیشہ کے اُرسواکیا یا بین خداکی تغریب بیان کرتے ہوئے ارمٹ دہے :۔

ووتوائے بالاخالوں کے شہتر یانی پرسطا ہے ، تو بادیوں نوایا رہے ، توہوائے بازوری نوایا رہے ، توہوائے بازوری نوایا ہے ، توہوائے بازوری نہیں کے ان برسیران ہے ؟

ادر لیوحتا تواری کا کلام تو مجاز اور استعارات و کنا بات سے تجرابر اسے ، بمشکل ہی کوئی فقرہ اسیا ملے گاجس کی او بل کی عرورت نہ ہو اسکی انجیل اس کے خطوط اور اس کا مکا شفر جس اسیا ملے گاجس کی در اس کا مکا شفر جس اسی انجیل اس کے خطوط اور اس کا مکا شفر جب داقت ہیں ، بہاں ہم مثال کے طور پر صرف ایک عبارت نقل کرنے ہیں ، کتاب مکا شفر کا بالل اس طرح شروع ہوتا ہے ،

مله و کیھیے صفیح ۸۶۷ و ۸۶۸ جلد ہا۔ الله آیت ۴۸ ، نالا موجود ۱۱ روزترجیہ بیں بیاز بور نبر زے ہے ، نالا موجود ہ زبور ۱۳۸۰ میں " بھرا سمان برایک بڑانشان دکھائی دیا ، بعنی ایک عورت نظر آئی ، بحا فناب کو اور ہے ہوئے کھی اور چانداس کے یاؤں کے نیچ تھا ، اور بار ہ ستار وں کا تاج اس کے سرپر ، وہ حالم تھی ، اور درو رزہ بین بھی ، اور بہتے جفنے کی تکیف میں تھی ، بھرای ۔ اور نشان اسمان پردکھائی دیا ، بعنی ایک ، بڑالال ارد ہا ، اس کے سائٹ سراور دسل سینگ تھے ، اور اس کے سروں پرسائٹ اج ، اور اس کی مروں پرسائٹ اس عورت کے آئے جا کھڑا ہوا ، جو جفنے کوتھی ، تاکہ وہ جفے تو اس کے بیخ اور وہ ارد ہا ، اس عورت کے آئے جا کھڑا ہوا ، جو جفنے کوتھی ، تاکہ وہ جفے تو اس کے بیخ کونی جائے ، اور وہ بیٹیا جبی ، بعنی وہ لڑکی ہولوں نے کے عصاء سینے قوموں پر حکومت کرے گا ، اور اس کا بجید بیٹیا جبی ، بعنی وہ لڑکی ہولوں کے بینے کونی اس بیا بان کوئی بیٹیا جبی ، بیٹیا جبی ، بیٹی جنیا دیاگیا ، اور وہ عورت اس بیا بان کوئیا کئی جہاں خلا کی طرز نہ سے اس کے لئے ایک جبیکہ تیار کی گئی تھی ، تاکہ وہاں ایک ھزار دوسو ساٹھ دن بیک اس کی پر ورشس کی جائے ،

کھرآسمان برلڑائی ہوئی، میکائیل اور اس کے فرشتے اڑد ہاسے لڑنے کو نکلے اور از دم اور اس کے فرشتے ان سے لڑنے ، لیکن عالب نرآئے ، اور اسمان بران کے لئے جگہ مذر ہی "

غور فرایئے ایر کلام بظایر مجذوبوں یا دیوافوں کی بڑمعسلوم ہونی ہے ،کیونکہ اگراس کی کوئی سیحے تا دیل کھی کوئی اُسان نہیں کوئی سیحے تا دیل کھی کوئی اُسان نہیں ہے ، بلکہ بعیب داور دشوار ہے ، امر کتاب یقیناً ان آیات کی تادیل کرتے ہیں ،اورکت ساویر میں مجازے بکرتے واقع ہونے کا اعتراف کرتے ہیں ، مرت دالطالبین کا مصنف آبنی کتاب کی فصل ۱۳ میں کہتا ہے کہ:۔

ردر ہی کتاب، مقد س کی اصطلاح ، سودہ بیات الیجیبیدہ استعارات والی ہے ، بالحضوص عہب مِیتن 'یا

مچرکہاہے کہ ،۔

دد اورعبد جدید کی اصطلاح کھی بہت ہی استعارات والی ہے ، الحضوص ہمارے منجی کے نقصے ، الحضوص ہمارے منجی کے نقصے ، اسی وجہ سے بہت ہی نملط را بین شم سرور ہوگئی ہیں کر بعض عبیاتی معلموں

نے الیسی عبار توں کی وف بحرف شرح کی ہے، ہم بیب الی تعف شالیں سپنیں کرتے ہیں جن کے ذریعہ یہ بات معلوم ہوسے گی کہ استعارات کی اویل حرف بحرف کر ادرست بنیں ہے، شلاً بیرو ولیس بادشاہ کے لئے صرت میسے کا یدارشاد کر " جاکراس اومرطی سے کہ دفو " ظاہر ہے کہ اس عبارت میں لوموع سے جبار اور طالم کے معنی مراد میں کیونکہ برجانور جواس نام سے معروف سے ،جیلہ اور فریب کاری بیں بھی مشہو ہے اسى طرح ہمارے خداوندنے بہودیوں سے کہا کہ بی بین ہوں وہ زندگی کی روٹی بوآسمان سے اُنری ،اگر کوئی ہے اُس روٹی میں سے کھائے توابد تک ز^{بار} سے گا ، بلکہ جور وٹی میں جب ن کی زند گی سے بیٹے دوں گا ، وہ میراگو شن ہے ، ربیر حنابات آھیے گا مگرشہوت برست میہودلوں نے اس عبارت کے نفظی معنی سمجھے اور کہنے سکے کہ برا كسطح مكن بي كروه مم كواينا جسم كهانے كے ليے ديريكا رأيت ٥١) اورير مذسوحياك اس سے مراد وہ قربانی ہے جوم عیسے نے تمام جہان کی خطاد وں کے کففارہ کے لیے وہی ہمالے منجی نے مجی عشاء سری کی تعیین کے دفت روٹی کی نسدن کہاہے کہ یہ میاربان ہے " اورشر بت کے سے کہاہے کہ یہ میرے عبد کانون ہے " (مٹی ۲۶،۲۶) ہے ابوں صدی سے رومن کینھولک فرقہ نے اس قول کے دوسرے معنی بیان کرنے سروع كر ديئے ، جوكت مقدّ سے دوسرے شوا هدا ورمنا بوں كے مخالف اور برمكن میں ، اور دلیل صیحے کے بھی خلاف ہیں، اور لفین کر لیاکہ اس جدید معنی سے یا دری كے پاك الفاظ بر صفح سى استحالہ اور انقلاب كى تعليم كى كنجائن سدا ہوجائے گى، بعنی روٹی اور شربت مسے عامے حسم وخون میں تبدیل ہوجائیں سے احالا بحرواتی

که بعض فریسبوں نے تھزیت میسے علیالسلام کو اطلاع دی تھی کہ ہیردوس آپ کوقت کی اچا ہاہے ،
اس برآپ نے فرمایا الح ویکھٹے نو فا ۱۲ (۳۲ : ۱۳ نقی

ملہ اصل نسخہ میں ایسا ہی ہے ، گریرعبارت اسکی بجائے ۲: اله پرہے ۔ ۱۲ تقی

ملہ اس بحث کو انجھ طرح سمجھنے کے لئے ملاحظہ فرمائے صفحہ کا حاشیہ حس میں ہم نے

ود عشاء ربانی "کی مفصل تشریح کردی ہے ۱۲ تقی

کے سائنے روٹی اور شراب اپنے اپنے جوہر بر باقی رہتے ہیں،اوران میں کوئی بھی تغییر وا تع نہیں ہوتا البتہ ہما رے خلاوند کے قول کی صبح تاویل یہی بے کہ روٹی جسم سبح کی مانندا ورشر جت آپ کے خون کی طرح ہے "

میاعتراف نہایت صاف اور واضح ہے ، دیکن اس کلام میں کہ اور ہویں صدی اسے الخ اور دوی عدی اسے الخ اور دوی عدی کی تردیہ ہے ہی کاخیال یہ ہے کہ روٹی اور شراب میسٹے لے حیم و علی و بن بن تبدیل ہوجا نی ہے ، امس نظر یہ کو ہواس کی شسم ادت باطل قرار دینی ہے ، چا انجیہ انھوں نے مصاف محذوف فرار دے کر میسٹے کے قول میں اویل کی ہے اگر جیہ ظاہر الفاظ سے دہی معنی سمجھ بیں اکمیونکو میسے کا ارت دہ ہے کہ اس میں معنی سمجھ بیں ، کیونکو میسے کا ارت دہ ہے کہ اور برکت دے کر توظی اور شاگر دوں کو کے دولی کی اور شاگر دوں کو کے دولی کی اور شاگر دوں کو کے اس میں سے بیو ، کیونکو میں اور میں اور میں کا میں اور اور کی دولی کو اس میں سے بیو ، کیونکو یہ میرا دہ عہد کا خون ہے جو بہتیروں کے لئے گنا ہوں کی معافی اس میں سے بیو ،کیونکو یہ میرا دہ عہد کا خون ہے جو بہتیروں کے لئے گنا ہوں کی معافی اس میں سے بیو ،کیونکو یہ میرا دہ عہد کا خون ہے جو بہتیروں کے لئے گنا ہوں کی معافی سے واسطے بہایا جا آ ہے ؟

اب یہ لوگ بوں کہتے ہیں کہ لفظ میر ،، ایک موجود جوہر پر دلا لٹ کرتا ہے ،اور اگر کو ٹی روٹی کا جوہر باقی ہوتا تو بھر بداطلاق کیونکر جائز ہوجا گا، فرقدم پر وٹسٹنٹ کے ظہور سے بیلے دنیا ہیں اسی عفید سے کے توگوں کی کمڑت تھی، اور آج بحک اس فرزہ کے لوگوں کی تعداد برست نُر مادہ سے ،

بھرجب طرح بعفیدہ بروٹسٹنٹ فقسرے نزدیک بوحب ادت حواس غلط ہے اسی طرح عفیدہ تنگری اس مفون اسی طرح عفیدہ تنگری نظام ہی غلط ہے ،اگر جربعض منشا بہ اقوال کی دلالت ظاہری طور پر اس مفون کی بل جائے ، اس لئے کہ دلائل قطعیہ کی ٹو سے بیبات محال ہے ،اگر عبیائی محزات یہ کہیں کہ کیا عمارا شمار عقلاء میں نہیں ہے ، قریم مرسط ج اس عفیدہ کونسلیم کر رہے ہیں ، حب کہ یہ سامانوں کے خیال کے مطابق محال ہے ، جوائیا ہم عوض کریں گئے کہ کیا رومی نوگ آب کی طرح محالیات کو اس محال ہیں گئے کہ کیا رومی نوگ آب کی طرح محال ہے ، جوائیا ہم عوض کریں گئے کہ کیا رومی نوگ آب کی طرح محال ہے اور آج تک تعداد میں بھی آب سے زیادہ جیں، پیلے زبانہ کا تو کہنا ہی کیا ہم انہوں نے دور انہاں ہی ہو اور ان کے اور ان کے انہوں کے اور ان کے اور ان کے انہوں کے اور ان کے انہوں کے اور ان کے انہوں کیا ہو اور ان کیوں کیا جو آپ سے نزدیک غلط اور باطل ہیں ؟ اور ان کے انہوں کے انہوں کے انہوں کے انہوں کی کیا ہو انہوں کے دوران کے انہوں کے دوران کے انہوں کے دوران کے دوران کی دوران کے دوران کی دوران کو دوران کی دو

بُطلان برحب بھی شہادت دینی ہے ،عشاء ربانی کے رومی عقید ، کے باطل ہونے مِینعرفیل دلائل ہیں :۔

عثناءر مانی کے محال عقلی ہونے کے دلائل

بہا دلیل اورخون بن کرممل طور پر میں جاتی ہے کہ خالص وہ روٹی ہی میں ہے کہ کا جسم اور کی ہی میں ہے کا حسم اور خوب میں میں کا ممل طور پر میں جاتی ہے ،

توسم کہیں گے کہ جب وہ روٹی اپنی لاہوتی اور ناسوتی کیفیت سمیت ہو معیے نے مرکم علیہ اات الم سے حاصل کی تقی میسے کامل بن جاتی ہے ، تو لازم ہے کہ اس میں انسانی جسم کے عوارض بھی دیکھنے والے مشا هده کریں، اسکی کھال، ہڑی، اور دو سر سے اعتماء سھی موجود ہوں، مگر یہ چیزیں کسی کو بھی دکھائی نہیں دیتیں، بلکہ اسس روٹی میں پہلے کی طب ح اس کے بعد بھی روٹی کے نام اوصا ف موجود ہوتے ہیں، اگر کو بی شخص اس کو دیکھے یا ہاتو لگا تھے تو سوائے روٹی کے اسس کو کوئی دوسری چیز قطعی محسوس نہیں ہوگی، اور اگر کھے عرصہ اس کو اپنے یا ہ روٹی کے اسس کو کوئی دوسری چیز قطعی محسوس نہیں ہوگی، اور اگر کھے عرصہ اس کو اپنے یا ہ روٹی ہیں دہ طاری نہ ہونی اس کو اپنے یا ہی روٹی ہیں اس کے تو اس میں گلئے سڑنے کی وہ تمام صور تیں ہوتی ہیں وہ طاری نہ ہونی ، اس کو اپنے بی سے دوٹی ہیں اس کو تو ہی ہی رہتی ہے ، دہ مسیح نہیں، اور اگر وہ لوگ یہ کہیں کہ ہا میسے سے دوٹی بن گیا، تو بربات بر نسبت پہلے دعوے کے زیادہ بعید نہیں ہوگی ، اگر جرہے یہ سمجی روٹی بن گیا، تو بربات بر نسبت پہلے دعوے کے زیادہ بعید نہیں ہوگی ، اگر جرہے یہ سمجی باطل اور براہم کے خلافی ،

رصفح گذشته کاماشیره) منطاع شاء ریانی کی رسم میں کینے ولک فرقہ یہ کہنا ہے کہ روٹی فورًا مسیح کابد ن بن جاتی ہے
اور پروٹ طنٹ اس بات کو خلاب عفل قرار دینے ہیں ، ۱۳ تقی کے لاہوتی کے معنی معنی نیا ہوتی ، اور اسوتی ، دونوں کیفیتیں جمع جی است مسیع ہیں ، اور اسوتی ، دونوں کیفیتیں جمع جی ، طبیعیت ، کے جی ، مسائیوں کا عقیدہ ہے کہ صرت میں میں آئے تھے ، ۱۲ تقی کے دور معاذات میں امل میں آئے تھے ، ۱۲ تقی کے در نہ تو اس روٹی کو بھی خدا ماننا پڑے کے اور کی اور کی معاذات میں است سے بھی زیادہ خوجائے گی ، معاذات میں ۱۲ تقی

دہاں آموجود ہوتے تھے۔

سبع ، کا بہیک وقت متعدومقامات پر اپنی لاہوتی صفت کے ا موجود ہونا اگر جیاعیا غیوں کے نظر یہ میں ممکن ہے، مگر ناسوتی طور بر کیونکراس تعاظ سے مسیح عم ہما رہے جیت انسان ہیں ، بہان تک کہ ان کو بھوک بھی محتی ہے، کھاتے یہنے بھی ہیں وقت مھی ہیں البودلوں سے دارت اور بھا گئے بھی ہیں ا على برالقبالس اس معنى كے لحاظ سے اُن كا متعدد مقامات براوجود ہونا ايك ہى حبم بانضره مقيقتا كسطرح ممكن بوستناشيه زیادہ عجیب بات یہ ہے کہ دو ج اسمانی سے پہلے صفت میسے عرکے لیے کہری یہ ممکن منہیں ہواکہ وہ بیک و فنت دو حباہوں پر پاسٹےجائے جیرجا نیکہ لامتنا ہی جگہوں میں' عودج تہمانی کے بعدع صنر دراز یک بھی میمکن نہ ہوا ، بھرصد یوں کے بعریہ فاس حبب أكم والكيا تومنطيسح كاليب آن ميں بيئشهار مقامات برموجود بوجا ناكيونكر مسكن حب ہم یہ فرعن کرلیں کہ دنیا میں لا کھوں کا ہن ایک آن میں مقدس بنتے ہیں ،اور هرایک کامپیش کردہ نذرانہ لینی رو ٹی وہی مسیح بن جاتی ہے جو کنواری مرمم سے بیدا ہوئے تھے تواب یہ معاملہ دوصور توں سے خالی کتا ، یانوان تمام مسیحوں میں ہرائی دوسرے کا عین ہے یاغیر دوسری صور ب تعیمی باطل ہے ،اور پہلی صورت يەنۇد عبيانى ھزات قائل نہيں، وە ان ئے نزدىك نفس الامريس باطل ہے ،كيو كر سراكيكا ماده دوسرے كے ماده سے مخابيہ -ا حب وہ روٹی کا ہن کے ہاتھ بین مسیح کا مل بن جاتی ہے ، مجدوہ ب کامن اس روٹی ہے بہت سے محط کھائے کر کے بھو ٹے چھوٹے سطے ر دنیا ہے ، تو د د حال سے خالی نہیں ، یا تو خو دمیلیج کے تھی اتنے ہی کھوے ہوج ہں جس قدر تعداد روتی کے محرطوں کی ہے ، یا پھر هر محرط عللحدہ عللحدہ نو وستقل که حالانکوعیسانی عفیده نهی ہے کہ دنیا میں حس جگر تھمی عشاء ربائی کی رسم اد اکی جاتی ہے میسے

نے والا نہیں کہلاستنا ، دوسری شکل بین مسیحوں کی اتنی ٹری پلٹن کہاں سے سکل آئی ؟ ن ندرانه سے تو ایک ہی مسیح پیدا ہوا تھا ، وليا عشاء رباني كاجو واقع مستريح كوسولي يركيجاني سي كجه بيلي بيش أباعضا · اگرامسے شیک وہ قربانی حاصل ہو گئی تقی جوصلیب بر نشکنے سے حال ہوئی تواس کی کیا صرورت تھی کہ دوبار ہ میرود یوں کے ہانھوں تکھے پر سولی دی جائے ، کیونکہ یسے کے دنیا میں آنے کا مقصد وحیر عبیائی نظریہ کے مطابق صرف یہ تھا کہ ایک بار قرابی فی ے کر دنیا کو چھٹکارا مل جائے ،ان کی آ مداس لئے منہیں تھی کہ بار بار تکلیف اُٹھا تین جبیا اس پر عرانیوں کے نام خط با ہے کی آخری عبارت دلالت کر رہی ہے ، ا اگرعسائيون كادعوى درست بے تولازم آئے كا كرعسائي يہوديون ازیادہ خبیث مشہمار کئے جائیں، کیونکریہ دیوں نے میسے کو صرف بار سی دکھ دیا تھا ،اورد کھ دے کر چھور دیا ،یہ نہیں کہ اُن کا گوشت بھی کھایا ہواس ے برعکس عدیسائی لوگ روزانہ ہے شمار مقامات پر مسیحے کو تکلیف بہو سنجاتے اور ذبح تے ہی ،اگرایک بارقىل كرنے كادالا كافروملعون قراردياجا تاہے توائن لوگوں كيسبت لیاکهاجائے گا جومع کوروزانہ بےشمارد فعرذ بے کرتے ہیں اور مرف اسی راکتفاء منہیں تے ، بلکدائس کا گوشت بھی کھاتے ہیں ، اور نون بھی پینے ہیں ، ضرا کی پناہ ہے ایسے معبود خوروں سے جوابنے خدا کو کھا جاتے ہیں ، اور حقیقتاً اس کا خو ن پینے ہیں، بھر حبب ا ن کے ہاتھوں ان کا کمزور ومسکین خدا تک نہ بریج سکا توا یسے طالموں سے کون بریج سکتا ہے لے مسیح بھی ایک باربہت ہوگوں کے لیے قربان ہوکہ دوسری با ربغیرگنا ہ کے بجا شکے ہے ان کو دکھائی دے گا جواسکی راہ دیجھتے ہیں " دعبر 9 : ۲۸) تلہ بلکہ اب رس<u>ص ۱۹۲</u> بیں) توعیبا ہے گرجانے بیپودیوںسے دوستی کے بعد بڑی وصاحت سے یہ اعلان کر دیاہے کہ بیچا رہے یہودیوں کا مصرت میں کے قبل میں جنداں وخل نہیں ہے،اب النيساس سےكيا بحك كرخود باعبل كياكہنى ہے اس لئے كہ باعبل توان كے نزديك ايك موم كى كرايا ہے جعے حس طرح جا ہا تو رامور دیا ،عور فرمائے کہ یہ کیا مذہب ہے کیا دیں ہے ؟ توب، ١٢ تفی

س سے بھی دور رکھے ، کہنے والے نے اسی موفع کے لیٹے غالبًا کہا ہے اور کہا ہے کہ : '' نا دان کی دوستی سراسل و شمنی ہے '' ووا کے ابت میں معیسے کاقول عشاء ربانی کی نسبت یوں بیان کیا

" میری یاد گاری کے لیے یہی کیا کر و"

اب آگرانس عشاء کامصداق بعینہ قسیر بانی ہے تو بھراس کا یاد گار اور یا د د مانی کرنے والا ہونا صبحے نہیں ، کیونکہ کو بڑے فورا پنی ذات کے لئے یاد دانی کر نیوالی نہیں ہوسکتی ، بهجرجن دانشىمندوں كاحال بيرہے كم محسوسات ميں بھي اس قسم سمے ادبإم كا داخ لیم جائز قرار دیتی ہے ،اگرا میسے لوگ خدا کی ذات یا عقلیات میں کھی تو ہمات كاشكار موجائين توان سے كيا بعيد ب و مكر مهاس سے قطع نظر كرتے موے علماء براستنا کے مقابلہ مس کہتے ہیں کہ جب طرح برسب لوگ ہو تم خارے نزدیک عقلاء ہوتے ہوئے ایسے عفنيره يرجوحساورعقل كےنز ديك فطعي غلط اور بإطل ہے محض ًا باؤاحب لا دكى تقىلىد میں ، پاکسی دوسری غرض کے ماتحت ، متفق ہو گئے ، اسی طرح عقیدہ تثلیث جیسے دشمر عقل عقیدے بران کا اور تمصارا متفق ہوجا ناکیامشکل ہے ہوسس اور دلائل و سرا ہین کے بھی خلات ہے ،اور ان بے شارعقلاء کے نز دیک بھی جن کا نام تم نے بردین اور ملحدر کھ جھوڑا ہے، اور جن کی تعداد اس دور میں مذھرف تمھارے فرقسسے کرنے یادہ ہے ، ملکہ رومیوں کے فرقہ سے بھی ، حالانکہ تمھاری طرح و ہ بھی عقلاء ہیں ، تمھاری ہی حبنس کے لوگ ہیں ، تمھا ر مِل وطن بھی ہیں ،اور بمتھاری طرح و ہ تھی علیہائی ہی تھے ،مگرانہوں نے نرہب علیہوی کو اس قسم کی بغو باتو ں پرسٹنٹل ہونے کی وجرسے چھوٹر دیا ، اور وہ ان باتوں کا اس قسار مذاق اڑاتے ہیں کہ اس قدر مذاق سٹ برسی کسی چیز کا اٹا یا ہا ہوج، ان کی کتابوں کے له ان توگون سے مراد آزاد خیال (LIBERAL) یا عقلیت لسند (RATioNALLET لوگ ہیں ،جنہوں نے عبیبا بیت کے ان عقبیروں کوعقل کے خلاف پاکر مزمیب کے خلاف ہی علم بغای^ت بلندكر ديائقا ١٢ تقي

یڑھنے والوں سے یہ چیز محفی نہیں ہو گی،

بنزاس عقیدے کے منکرین میں فتسے دونی طیرین مجھی ہے جو عیسا ٹیوں کاایک بڑا فتسے ہے ، اور مسلمان اور تمام یہودی اگلے ہوں یا بچھلے سب ان چیزوں کومیر لیٹان خیالات سے زیادہ کچھ مجھی نہیں سمجھتے ،

میلیسے اسلام کے کلام بیں احمال کی مثالیں اللہ میں احمال کی مثالیں جھٹی ہات جھٹی ہات

مسیع کے کلام میں بے شمار اجمال پایاجا ناہے ، اس درحب کاکہ اکثر اوقات انکے مخصوص شاگر داور معاصر بن بھی ان کی بات کو سمجھ نہیں پاتے تھے ، حبب بک نو دمینے ہی اس کی دصاحت مذکر دیں ، بھر جن اقوال کی تفسیر میسے عرفے کر دی تھی اس کو تو وہ لوگ سمجھ گئے ، اور ان میں سے جن اقوال کی تفسیر نیکر سکے تھے عرصت دراز کی کو شسش کے بعد ان میں سے بعض کو سمجھ سکے ، بھر مجھی بعض اقوال آخر بک مبہم اور مجمل ہی رہے ، جس کی شامیں بکڑت موجو دمیں ، ان میں سے بعض شالوں کے بیان پر ہم اکتفاء کرتے ہیں ، ۔

می مقالی بکڑت موجو دمیں ، ان میں سے کہ بعض بہو دیوں نے حصرت مشیح سے بھی میں ان میں سے کہ بعض بہو دیوں نے حصرت مشیح سے بھی میں اور کے بیان بھی دیوں نے حصرت مشیح سے بھی میں اور کی فرائش کی ، تو آب نے ان سے فرایا :۔

"اسمقدس کو ڈھادوو نوبیں اسے تین دن میں کھڑاکر دوں گا، بہودیوں نے کہا جھیا ہے۔
برس میں بیمفدس بنا ہے ،اور کیا تو اسے نین دن بیں کھڑاکر دے گا؟ مگراس نے
اہنے بدن کے مقدرس کی بابت کہا تھا، بیس جب وہ مُردوں بیں سے جی اُٹھا تو
اس کے سٹ گردوں کو یا دائیا کہاس نے یہ کہا تھا ،اور ا ہنوں نے کتاب مقدس
ادر اس قول کا جولیوں عے کہا تھا لیقین کیا "

غور فرائیے کہ اس جگہ خو مسبئے علیہ التلام کے شاگر بھی اُن کی بات کو نہیں سمجھے ، بہودی تو کیا سمجھتے ، شاگر دوں نے بھی اسس وفت سمجھا جب مصرت مسیح

د وباره زنده موئے

دوسری منال مبیح منال مبیح منال کیمی عالم یہودسے فرمایا :-دوسری منال مبیح منال مبیح منال کی گئے مرے سے بیدا نہو و خداکی با دست ہی کودیکھ

نہیں سکتا؟

نیکد تمیس متبع کا مطلب نہیں تمجھ سکا، اور کہاکہ کسی ایسے شخص کے بے بو بوڑھا ہو جکا ہو کہاکہ کسی ایسے شخص کے بے بو بوڑھا ہو جکا ہوکی فدرت ہے کہ دوبارہ اپنی ما ن کے بیٹ میں داخل ہوجائے، اور دوبارہ بیدا ہو ، اسلیغ مسیح عدنے اس کو دوبارہ بیا ہو ، اسلیغ مسیح عدنے اس کو دوبارہ بھا اس دفعہ بھی وہ اُن کا مطلب نہیں تمجھ سکا ، اور میں کہاکہ ایسا کیون کرممکن ہے ، تب بیٹ نے کہا تعجب ہے کہ تم اسرائیل کے استادا ور معلم ہونے ہوئے اتنی بات نہیں تمجھ سکے ، کہا تعجب ہوئے اتنی بات نہیں تمجھ سکے ، یہ داقعہ تفصیل سے انجیل ہو جنا کے بات میں مذکور ہے ،

میسی میں اسلی اسلی میں ہے۔ نے بیودیوں سے ایک مرتبہ خطاب کرتے ہوئے فرایا کہ میں اسلی میں میں میں اسلی کا میں اسلی میں میں میں کا کہ میں میں میں میں کی دوڑی ہوں ،اگر کوئی شخص اس روٹی سے کچھ کھائے گا ، وہ

ہمشہ زندہ رہے گا ،اور وہ روٹی جو میں دوں گا وہ میراحب ہے، یہ بہودی آ ہیں ہیں جھگڑنے گئے کہ یہ بات کس طرح ہوسی ہے کہ وہ ہم کواپنا جسم کھانے کے لئے دیدے ، تب مستبع نے ان سے کہا کہ اگرانسان کے بیٹے کا جسم نہیں کھا ؤگے اوراس کا خون نہیں بیٹو گئے تو تم کو حیات نفیدب نہیں ہوگی ، بوشنے میراجسم کھائے گا وہ میرانوں ہے گا اس کو دائمی زندگی حاصل ہوگی ، کیونکہ میراج ہم سچا کھا نا اور میرا خون سچا بینا ہے ، ہوشنی اس کو دائمی زندگی حاصل ہوگی ، کیونکہ میراج ہم سچا کھا نا اور میرا خون سچا بینا ہے ، ہوشنی اس کو دائمی زندگی حاصل ہوگی ، کیونکہ میراج ہم سچا کھا نا اور میرا خون سچا بینا ہے ، ہوشنی اس کو دائمی زندگی حاصل ہوگی ، کیونکہ میراج ہم سچا کھا نا اور میرا خون سچا بینا ہے ، ہوشنی ا

میراهبم کھائے گا ادرمیراخون ہے گا وہ مجھ بین سماجائے گا ، اور میں سی سماجاؤ گا،جس طرح مجھ کومیرے زندہ باپ نے بھیجا ہے اور میں اپنے باب سے زندہ ہوں'

یں ہوشخص مجھ کو کھائے گا وہ میرے ساتھ زندہ رہے گا ، نت<u>ب س</u>ے ہ کے بہت سے ٹ گر د کھنے نگے کہ اکس بات کو سننے کی کس کو قدمت ہے ہ

اس كئے بہت سے سُ اگرداس كى رفاقت سے عليحدہ ہو گئے، يہ فقدمفصل طور

برانجيل يوحنا بالبيس مذكورب، اس موقع بريهي بهودي مسيح كي بات كوقطعي مهي

بمجھ سکے ، بلکہٹ اگر دوں نے بھبی اٹسے د شوار اور ہیجیب ان میں سے بہرے سے لوگ مرتد ہو گئے ، ں **مثا**ل انجیل بیوحنا باب آیت ۲۱ میں ہے:-ا" اس نے پھران سے کہا میں جاتا ہوں ،اور نم مجھے ڈھونڈ و کے اور اپنے گناہ میں مروکے ،جاں میں جانا ہوں تم نہیں اسکتے، لیس بہود لوں نے کہا کیا وہ اپنے آپ کو مار ڈالے گا جو کہنا ہے کہ جہاں میں جا آبوں تم نہیں آسکتے ؛ رآیات ۲۲،۲۱) الجيل يوحناً باب أبت اه مين بد :-" بين تم سے سبح بسع كہنا ہول كالركوني شخص ميرے كلام برعمل ے گا توابد کر کمجھی موت ہنیں دیکھے گا ، بہودیوں نے ا ہم نے جان نیا کہ تم میں بر روح ہے ،ابر ہم مرکبا ،اور نبی مرکبے ، گر نوکتا ہے کہ اگر کوئی میرے کلام بے عمل کرے گاتو ابدیک کمجھی موت کا مزہ نہیں جکھے گا " اں بہودی آن کی بات نہیں سمجھ سے ، بلکہ انضیں مجنون یک کہد دیا ، انجیل بوحنا بال آیت ۱۱ میں ہے کہ:۔
"اس کے بعد اس سے کہنے سگا کہ بھارا دوست لعزر سوگیا ہے ہین بیں اُسے حبکانے جا آ ہوں، بہی شاگر دوں نے اس سے کہاکہ اَسے خلاوندا اگرسوگیاہے تو بے جائے گا، یسوع نے اسکیموت کی بابت کہاہے مگروہ سیجھے كة أرام كي نيندكي بابت كها" (آيات ١١٠١١١) بہاں حب کم میں نے نود وطناحت نہ کی شاگر د کھی ان کی بات نہ سمجھے، دع نے آسسے کہا جردار فرایہ نے یہاں لینے الفاظ میں بیان کیاہے ، انجبل کی عبارت بہت طویل ہے۔ ١٢ ت لله لعزر ، بروستخص ب صے معزت عبیلی علی السلام نے بحکم خداوندی مرنے کے بعد زندہ کیا تھا ١٢ تقی ی فریسی (PHAR IS EE S) به بودیو رکا ایک فرقه جواینے آپ کو «میسی دم» بمعنی مقدس توگ کهنا تھ خمیرسے ہوت باردہنا، وہ اپنے بیں چرچاکرنے سے کہ ہم زوٹی نہیں لائے ، بسوع نے یہ معلوم کرکے کہا اے کم اعتقاد و اتم آپس میں کیوں چرچاکرنے ہو کہ ہمارے پاس روٹی نہیں بیکا وجہ کے کہ میں نے تم سے روٹی کی بابت نہیں کہا ؟

دوٹی نہیں بیکا وجہ کے تم یہ نہیں سمجھتے کہ میں نے تم سے روٹی کی بابت نہیں کہا ؟

فرلیسیوں اور صدوقیوں کے خمیر سے خردار رہو، نب ان کی سمجھ میں آیاکہ اُس نے دوٹی کے خمیر سے نہیں بلکہ فرلیسیوں اور صدوقیوں کی تعلیم سے خردار رہے کے کہا تھا گئے۔

آپ نے ملاصط فسے رمایاکہ اس مو فع بر بھی مسیح ع کے شاگر در ان کی تنبیہ کے بغیب مار ردی قدم نے سم سے

النجیل لوقا باب آیت ۵۲ میں اس لاکی کاحال بیان کرنے ہوئے میں نے حضرت میں جے نے سبکم ضدا وندی زندہ کیا تھا یوں کہا

گیاہے :۔

'ادرسباس کے لئے روہیٹ رہے نتھ، گراس نے کہا رونہیں، وہ مرنہیں گئی، بکدسوتی ہے، وہ اس پر ہنسنے لگے، کیونکہ جانتے تھے کہ وہ مرگئی '' سموقع بر کھی کو ٹی شخص صفرت میں ہے کی صبحے مراد مذشمے سکا، اس لئے ان کا نداق اڑا یا

النجيل وفاع بين حواريون مصرخطاب :-

دد تتصارے کا فوں میں یہ باتیں بڑے ہیں ،کیونکہ ابن آدم آدمیوں

رگذشند بیدسته ، گربائیل بین این فرلیسی بمعنی "علیحده کئے ہوئے" کہاگیا ، بر لوگ کہتے ہے کہم کافروں سے کلی طور پر متفاطعہ کرنے خلاکے احکام سے متفیا نہ صرتک والب تنگی رکھتے ہیں ، مگر تولات کی روح کے خلات کام کرتے تھے ، یوسیفس کا کہنا ہے کہ انہوں نے بچر ہزاراد کان پر شتمل ایک نہ ہی کی روح کے خلات کام کرتے تھے ، یوسیفس کا کہنا ہے کہ انہوں نے بچر ہزاراد کان پر شتمل ایک نہ ہی جاعت بنائی ہوئی تھی ، یہ لوگ صدوقیوں کے برخلات قیامت کروح اور فرشنوں کے وجود کے فائل تھے ، داعمال ۲۲ ان کے خسلان سے ، داعمال ۲۲ ان کے خسلان ساز شیں کیں دمتی ۱۲ : ۱۲ ، مرقس ۳ : ۲) حضرت عیسی ع نے ان کے بڑے کرتو تو ں کو گنواکر انہر ساز شیں کرمٹی بات کی مربد کے میں کار ڈانس اور کیا ب الخطعا للمقر پر تری کرا میں کہا کہ کہا کہ کار ڈانس اور کیا ب الخطعا للمقر پر تری کرا میں کار کار کانس اور کیا ب الخطعا للمقر پر تری کرا میں کار کار کانس اور کیا ب الخطعا للمقر پر تری کرا میں کار کار کانس اور کیا ب الخطعا للمقر پر تری کرا میں کار

كے إنف ميں حوالد كے جانے كو ہے ، ليكن وه اس بات كو سمجھے ند تھے ، بلكہ بران سے بھيا ئى كئى، تاكدائس معلوم مذكرين اور اسى بات كى بابت اس سے بو پیھے ہوئے دارتے تھے " بہاں بھی حواری آب کی بات م^سمجھ سکے ، اور صرف یہی منہیں بلکہ ڈر کے مایے پوچھا بھی نہیں

الجيل توبا باب ١٨ أيت ٣١ بين ہے: -و مجبراس في ان باره كوس تق في كراً ن سے كہا، د كيھو ہم

یوسٹ کم کوجائے ہیں ،اور حبتیٰ باین نبیوں کی معرفت مکھی کئی ہیں، ابن آ دم کے حق میں بوری ہوں گی، کیونے وہ عیر فؤم والوں کے حوالہ کیا جائے گا ،اور لوگ اس کو تھ تھوں میں آٹا بیں ،اور بے عوث کریں گے ،ادر اس پر تھوکس کے، ادراً اس کو کو ایسے ماریں گے ، اور قبتی کریں گے ، اور وہ تبییرے دن جی اعظمے گا، لیکن انہوں نے ان میں سے لو فی بات نہ سمجھی، اور یہ فول ان پر بیرسشیدہ رہا، اوران باتوں کا مطلب آن کی سمجھ میں نہ آیا 'نہ رائیات ۳۱ تا ۳۲س

اسس مقام بربھی حوار پول نے مبیح عملی بات بہنیں تمجھی، حالانکے یہ د وسری اسمحھایا كياتها ،اوربطا ہركلام ميں كوئى اجسال تھى نەنفا ، غالبًا نەستجھنے كى وجريه ہوسكتى ہے كہ ان لوگوں نے بہودیوں سے شنا تھا ک<u>ہ سیسے عظیم</u> انشان بادشاہ ہوں گے ، بھرجب و علیہ ع يرابيان لاست اوران كمسيح بون كى تصديق كى نوان كاخيال برتفاكه وه عنقر سب شامانه نخن بررونق انسےروز ہونگے، اور ہم بھی شاہی نخن برجگہ یا میں گے ، کیو کی مسیح عرفے ان سے وعدہ کیا تھاکہ وہ لوگ ہارہ تختوں بربیٹھیں گئے، اور ان میں سے ہرا یک بناپائیل کے ایک ایک فرقد برحکم ان کرے گا ، ان توگوں نے سلطنت سے مراد و نیوی سلطنت لی تفی، جبیباکہ ظاہر تھی میہی معلوم ہوتا ہے ، اور یہ کلام ان کے اس خیال اور نظریہ اور توقعات کے عین مخالف مقا، اس لئے وہ السس کونہ سمجھ سکے ،عنقر بب آپ کومعلوم بو گاکه حواری اس فسم کی توقعات رکھنے تھے،

بران کے بعض اقوال کی وجہسے دو چیزیں مشتبہ بن گئیں، اور یہ استتباہ مرتے دم کمتام یا اکثرعیسائیوں سے دور مذہبوسکا۔

ان كا عققاد تقاكه بوحنا قيامت تك نهين مركي كا ،

ان کاعقیدہ تفاکر قیامت ان کے زمانہ میں واقع ہوگی، حبیا کرتفضیل سے باب

میں معلوم ہو جاکے،

اوربات یقنی ہے کہ عبیتی کے بعید الفاظ کسی انجیل میں بھی محفوظ تہیں رہے ،

بلکہ سب انجیلوں میں اُن کا وہ یو نانی ترجم ہے جو زاویوں نے سمجھا مقا ، مقصدا شہاد

نمبر ۱۹ بالل میں یہ بات نفصیل سے آپ کو معلوم ہو جکی ہے کہ اصل انجبل تو موجو دہی ہیں ،

بلکہ اس کا ترجم ہے ، اور وہ بھی الیا کہ اس کے متر چم کا آج کم یقین کے ساتھ بیز شان ،

بل بہیں معلوم ہو سکا ، اور کسی سند متصل سے یہ بات نابت بہیں ہے کہ باقی کا بین بن اس کے است بوجکا است کے دان کی تضییف کر دہ بیں ، اور یہ بھی تا بت ہو چکا ہے کہ اس کا بوں میں یقینی طور پر تحریف واقع ان کی تضییف کر دہ بیں ، اور یہ بھی تا بت ہو چکا ہے کہ کہ دیت داریا بن وارطبقہ کسی مقبول مسئلہ کی تائید کے سطے یاسی اعتراض سے کہ دیت داریا بن وارطبقہ کسی مقبول مسئلہ کی تائید کے سطے یاسی اعتراض سے کہ دیت داریا بوج کر ہمشیہ بخر لھن کرتا رہا ہے ۔

نیز مقصدنمبر اسٹ ہرنمبر آ۲۷ بیں نابن ہو جبکا ہے کہ اس مشلہ میں بھی تحریف واقع ہوئی ہے، جِنا بخیبہ بیر حنا کے ہیلے خط باہ میں اس عبارت کا اصافہ کیا گیاہے کہ واقع ہوئی ہے، بینا ہیں، اپ، کلمہ اور روح الفذ سس، اور یہ نبنوں ایک ہیں، اور

زمین کے "

اس طرح الجيل وقا كے باب بين كچير الفاظ بڑھائے گئے اور الجيل متى باب نمبرات بعض الفا كم كئے گئے ، الجيل وقا باتب سے ايک پوری آیت كوسا قط كر دیا گیا ، البی شكل میں اگرمسے كے بعض شند باقوال تنكیف پر دلالت كرنے ہوئے پائے جائیں اعتماد كے قابل نہیں ہوسكے ا خصوصًا حب كروہ ا بينے مفہوم بين صربح اور واصنح بھي نہ ہوں ، جبيبا كرا بھي بار ہويں بات كے

اله تفصيل كے لئے ملاحظ محومقدم من ١٦٩ اور جلد مراصفي ١٦٨ ،

صنمن میں آ ہے کومعلوم ہو گا ،

عقلى محالان في العمر العن المكر

عبی انسانی عقل معض جبینر و س کی اہیت اور ان کی اہیت اور ان کی بوری حقیقت کا در اک کرنے سے فا صر ان کے امکان کو

تسليم كرنى ہے ،اوراس كے موجو د سونے الله الله الله الله الله الله منهيں آنا ، اسى وجه سے

السي چيزوں كومكنات ميں شمار كياجا أب -

اسی طرح کہجی کہجی بدا ہتہ یا کسی عفلی دلیل کی بنا نویر بعض است یاء کے ممتنع ہونے کا ہاری عقل فیصلہ کر نیتی ہے، اور عقلاً اسی جیزوں کا وجود محال کو مستلزم ہوتاہے ، اسی طرح البیی جیزوں کو محال اور ناممکن شمار کیا جا تاہیے ، ظاہرہے کہ دو نوں صورتوں میر كهلا بهوا فرق تشيئ بتقيقي أحبك تاع نقيصنين اورار تفاع نقيضين مبخله دوسري قسم كيمين طرح حقيقي وغدنت وكثرت كااحتماع كسي شخصي ماده بين ايك بيي زيمانه اورايب بي حربت ے 'یہ تھی ممتنع ہے ، اسی طرح زوجیت اور فردیت کا اجنماع یا افراد مختلفہ کا اجتماع یا اجتماع بن ، جیسے روکٹنی اور تاریکی ، سیاہی اور سبیبیدی ،گرمی اور شطنڈک ،خشکی او ترقی ، ا ند صابین اور ببنائی ، سکون ا ورحرکت ، بیرستجینیریں ابک مادہ شخصی میں زمان و *حبر*ہے اتحاد کے ساتھ جمع نہیں ہوسکتیں ، ان است باء کا استحالہ الیا بدیہی ہے کہ ہرعقلمند کم که اجتماع نقیضین کامطلب برسے کردوالیبی چزوں کا ایک وجود میں جمع ہوجانا جو با ہم منننا فض اورتضاد چس، مثنلاً " انسان " اوره غیرانسان ۰۰ کوئی وجود د نیا میں ابیانہیں ہوسکا جسے انسان اورغیرانسان دونو^ں .. کہا جا سے، اس کے برعکس "ارتفاع نقیضین، کامطلب یہ ہے کہ کوٹی وجو دالیبی دونوں چیزوںسے خالی ہو، بیمجی محال ہے ،عقلاً برممکن نہیں ہے کہ ایک چیز نہ انسان ہو اور مدعنسب انسان ، مثلاً اگرزیر بخیرانسان تنہیں ہے توانسا ن ہے اور پنچرانسان نہیں ہے تو بخیرانسان ہے ، یہ دو نول علم منطق کی اصطلاح بین اوران کا باطل اور ناممکن بونا وه اتفا فی مسئله سے حبی را جنگ مننفس كاختلاف نهين ببوا، ١٢

عقل اس کا بھی فیصلہ کرتی ہے، اسی طرح دور ونسلسل کے کالازم آنا بھی محال ہے، کہاس کے بطلان پرعقلی ولائل فائم ہیں،

بوں میں تعارض ہونو ادیل ممکن نہوتب تو دونوں کوسا قط کر افروری باہمینے 16 مصوس باث ہوتاہے ، وریز دونوں بن تا دیل کی ہاتی ہے ، مگر

ایسی تاویل عزوری ہے جس سے کوئی محال لازم نہ آتا ہو، مثال کے طور برجو آیات ضراکے جہائی اور شکل وصورت والا ہو بنے ہر د لالت کرتی ہیں، وہ ان آیتوں کے معارض ہیں جو خدائے تعالیٰ کا جسم اور شکل وصورت سے پاک ہونا ظاہر کرتی ہیں، اس لیٹے ان میں تاویل کرنا طروری ہے جبیبا کہ تبسری بات میں آب کو معلوم ہو جیکا ہے، مگر بی خروری ہے کہ بہتا ویل نہ ہوکہ خدائے تعالیٰ دونوں صفتوں کے ساختے متصف ہیں، جسمیت کے بیات میں ایت میں ایت کے خلاف یہ بات کہے تو بہتا ویل اسلامی اور تنزیمہ کے ساختے میں، اگر کوئی شخص عقل کے خلاف یہ بات کہے تو بہتا ویل ا

ت کھ میں اور سر بیمرے میں کھ میں اربوری مسل میں میں میں ہے ہا۔ غلط اور فا بلِ رد ہے جو تنا قض کو ختم نہیں کرتی ، علط اور فا بلِ رد ہے جو تنا قض کو ختم نہیں کرتی ،

سکنے عدد جو نکر اکم ایک قسم ہے اس کے کہمی اسکنے اسک خاتم بالذات مہیں ہوسکتا، بلکہ ہمشہ ت اٹم بالغیر ہو ماہے ، اور هرموجود کے لیے کثرت یا

نبن مجھی ایب نہیں ہو سکتے نویں بات نویں بات

وصرت کامعروض ہونا ضروری ہے ، اور هر ذات موجود جوامت یا خضیفی کے ساتھ متازہ ہے اور مشخص ہالنشخص ہے اس کے لئے صروری ہے کہ وہ حقیقی کثرت کامعروض بندے ہو، کیھر جب وہ کثرت کامعروض بننے کی اس میں صلاحیت مہیں ہے ، ور مذحفیقتا اجتماع صندین لازم آئے گا، جیسا کہ ساتویں بات میں معلوم ہوچکا ہے ، ہاں یہ ہوستنا ہے کہ وصرت اعتباری کا اس اویں بات میں معلوم ہوچکا ہے ، ہاں یہ ہوستنا ہے کہ وصرت اعتباری کا اس له دُور کی تعریف ہے ردیجے عاشیہ صفح میں مذہو، یہ جیز کھی تمام عقلاء کے کسی چیز کا اس طرح عیز متنا ہی ہونا کہ اس کا سلسلہ کھی ختم ہی مذہو، یہ جیز کھی تمام عقلاء کے کسی چیز کا اس طرح عیز متنا ہی ہونا کہ اس کا سلسلہ کھی ختم ہی مذہو، یہ جیز کھی تمام عقلاء کے کہی خال ہے ، ۱۱ تقی کل دیکھئے صفح میں مذہو، عبد جیز کھی تمام عقلاء کے کہی خال ہے ، ۱۱ تقی کل دیکھئے صفح میں مذہور ، مجد میزا ،

برحقيقتا كثرادر واحداعتباركلي بهو الهمين اورابل تنكبث بين اس وقت اختلات عسائي حضات توجه ونزاع ببدائنس واحب كمعسائي هزات نذكرين اادراكر دة تثليث كوحقيقي اور توحير كو

اعتبارى لمنة بن تواليي صورت بين بهار یان کوئی زراع اور چھکڑا نہیں ہو شکتا ،مگروہ آینے خداؤں کے بارے میں حقیقی توصداور حقیقی تلیت کے مرعی ہیں جس کی تصریح علماء پر دسٹنٹ کی کتابوں میں موجود ہے ہے مصنف نے اپنے کتاب حل الاسکال کے باب میں یوں کہاہے

فرقون كا اختلاف ، كيار بوس بالمرات الرية زالد كي ميا أن فرقون كابيان

اله اس عبارت کا خلاصةٔ مطلب میر ہے کہ عفلاً کو ٹئی چیز جو ایک سے زیا دہ ہو وہ کہجی ایک بہنیں ہو کسی مثلاً نین کتابوں میراگر تین مونے کا حکم مگا دیا گیا فؤوہ تین ہی ہیں ان کے بارے بیں یہ نہیں کہاجا سکتا كه وه ايك بن، مصنّف نے اسى بات كو منطقى اصطلاح ں ميں سمجھا باہے جن كى نشر برنح يہاں نفصيل طلب بهجي اورغير عنروري تعجي ١٢

مله کمیونکه ہم بھی بیمانتے ہیں کہ نین بیمیزیں اعتباری طور پر ایک ہوسکتی ہیں ،جیساکہ منطق کا مسلمہ ہے لکئی بینروں کامجموعہ ایک مستنقل بیز ہوتی ہے ، مقدمہیں صفحہ ۳۴، ۴۳ پر ہم نے اسے انھی طرح واضح

سله علامه لقى الدين احد بن على مقريزى رح، بعلبك بين المسلط بين بيدا بوئے ، زيادہ عرفاہرہ م گذاری چنرسال محم محرمه میں بھی رہے ، مور خین بی آپ کا ایک خاص مقام ہے ، آپ کی کتاب الخطط شہورعالم کتاب ہے ، جس میں مصرسے متعلق بشیار تاریخی ، تمدنی اور اجتماعی معلومات جمع کر دی مہیں ،

"ميسائوں كے بے شمار فوقے ہيں ، ملكاني ، نسطور بير ، يعقو برسے ،

له لمكانيه يا ملكانتيه ، با د ثناهِ روم كي طرن منسوب بين ، دويجه الملل و النحل شهرستاني ، ص ج ٢٠)

اورغالباً أن مصراد رومن كسيفو كك مين ١٢

يه فرقر اكثر وبيثية تعليم سے دورر ما، زملاحظه بهو انسائيكلو بيتر يا، مص ۲۴،۲۴۵ ج ۱۱، مفاله عهر اكثر وبيثية تعليم در الملل والنحل شهرستاني ص ۲۴، ۵۷ ج ۳ قابره ۱۹۳۰ ع، المحطط

المقريزيرص ٣٨٩ جس

TACOBITES یه نوتر بعقوب برذعانی JACOBITES یه نوتر بعقوب برذعانی

کی طرف منسوب ہے ، ہوسنے ہے ہے کہ قبل پیدا ہوا تھا ، اس کا نظریہ یہ تھا کہ میسے حب طرح دو ہوہروں سے ملکو بناہے ایک لاہو تی اور ایک ناسوتی ، اسی طرح دہ دوستفل اقنوموں پر بھی شنمل ہے ، یہ عقیدہ تمام عیسا یُوں کے اس لئے طلاف تھا کہ وہ مسیح کو د د جو ہر قد ما نتے ہیں ، مگر دو اقنوم ہنیں مانتے ، بعد میں اس فرقد کے افراد نے اور اس میں کوئی فرق مہیں ، (دیجھے بڑائیکا ص ۱۵۹ میں میں اور اس میں کوئی فرق مہیں ، (دیجھے بڑائیکا ص ۱۵۹ میں میں ہو ہا ہی ،

یوز عانیه، مرتولید معنی را وی جوتران کے قریب آباد عظم وغیرہ وغیرہ " کی مرفولید معنی و عبرہ ا

" ملکانیہ، نسطوریہ، لیفع بیہ تینوں اس پرمتفق ہیں کدان کامعبود نین افنوم ہیں، اور بر تنیوں افنوم ایک ہی ہیں، لینی جو ہر فدیم ، حس کے معنی ہیں باب ، بیا، روح الفدس ملکرایک مجود '' مرفر ماتے ہیں کہ:۔

ان کابیان ہے کہ بیا ایک ببیات دہ انسان کے ساتھ متحد ہوگیا ،اور متحد ہونے والا ادر مس کے ساتھ متحد ہوا دو نوں مل کر ایک میسے بن گیا ،اور مسیح ہی بندوں کا معبود اور ان کارب ہے ،اب اس انحاد کی کیفیت اور نوعیت میں ان کے درمیان اختلاف ہے ،لعض عیسا بیوں کا نوید دعوای ہے کہ جوہر لاہونی اور جوہر ناسوتی میں اتحاد ہوا اور اس اتحاد نے دونوں کو اپنی ابی جوہر بت اور عرف سنت خارج میں اتحاد ہوا اور اس اتحاد نے دونوں کو اپنی ابی جوہر بت اور عرف سنت خارج میں کیا ،اور مسیح رب معبود کھی ہے اور مربی کا بیٹا تھی جوان کے بیٹ میں رہا تھا اور جوقتل کر کے شولی دیا گیا ،

کچے عببای کون کا دعوای یہ ہے کہ متحد ہونے کے بعد دو ہوہ ہوگئے ،ایک ہونی اور دوسل ناسونی ، اور قتل اور سولی کے واقعات کا تعلق میسے کی ناسونی ہمہت سے اور دوسل ناسونی کی فیرت سے بیا ہوئے یہ بھی ناسوتی کیفیت کے اعتبار سے ابہوتی سے بہا ہوئے یہ بھی ناسوتی کیفیت کے اعتبار سے ، یہ نظریہ نسطور یوں کا ہے ، یہ کہتے ہیں کہ میسے پورا کا پورا الہ معبود ہے ، اور فلا کا بیا ہے ،

تعض عيسا يُوں كا نظريہ بير ہے كہ اتحاد دوچيزوں بيں وا قع ہوا، ليني بوہرلا ہونى اور جوہرناسوتى بين، اور جو ہرلا ہونى بسيط دينر منقسم ہے، كچھ عيسا يُوں كا عقيدہ بير ہے كہ اتحاد اس طرح ہوا كہ بيٹے كا اقدم جسم بين حلول كرگيا ، اور گھل مل گيا ، على ده في فير من في من من اور گھل مل گيا ،

کے یوذعانیہ ، علامہ مفریز کی ہے اس کوعیسا بیٹوں میں شار کیا ہے ، لیکن علامہ شہرستانی رج اسے بیہودیوں میں شارکرنے ہیں۔ الملل ، عد ۲۵ کجی ہمیں نحقیق تہیں ہوسکی کہ ان میں سے کونسا بیان ورست ہے ، ۱۲ تبعن کامنیال بیہ ہے کہ اتحاد صرف طاہر کے تحاظ سے ہے ، جیبے انگر مظی کی تحریر یا نقش ونگار موم برمرقسم ہوجا تاہے ، یا انسان کی شکل آئینہ میں نمایاں ہوتی ہے ۔
عوض اس مسئلہ میں ان کا باہم سخت اختلاف ہے ، فرفہ ملکا نیہر ومی بادشاہ کی طرف منسوب ہے ، ان کا دیمولی بیرہے کہ خدا نین معانی کا نام ہے ، اس لئے وہ تین ایک اور ایک تین کے قائل ہیں ،

بعفو بیرکی گوہر فنتانی بہ ہے کہ وہ واحد فدیم ہے ، وہ نہ حبمانی تخفا نہ انسان محمم محتبم مجمی بنا ، اور انسان تھی،

مرفولید کی نازک خیالی بر ہے کہ خدا ایک ہے ،اس کا علم اس کا غیراوراس کے سے مقد ندیم ہے ، اور سیح اس کا جسمانی بیٹا بہیں، بلکہ ، بلکہ ازروسے شفقت ورجمت بیٹا کہاگیاہے ،حب طرح ابراہیم کوخلا کادوست کہا جا تہے ؟

اظرین کوعیدا یُوں کے ان عالی دماع خرفوں کی موشکہ فی سے اندازہ ہوگیا ہوگاکہ ان کی لیس افتوم ابن اور حبم میسے کے در سیاں پائے جانے والے اتحاد کی نسبت کس قدر مضلف ہیں اسی د جب سے قدیم اسسلامی کتابوں میں آپ کو مختلف د لائل نظر آئیں گے، مرفولیہ کے اس عفیدہ میں ان سے ھاراا ختلا من و نزاع عرف اس قدر سے کہ وہ ایک السالفظ استعال کرتے ہیں بورٹرک کا دہم ہیدا کرنے والا ہے ، پولی فرق پر وکسٹنٹ نے دیکھ لیا تھا کہ اتحاد کا نظر ہیں سراسہ واضح طورسے فساد کاموجب ہے ، اس لئے انتھوں نے پینے اسلاف کی رائے کو چھچ الرس کوا ضح طورسے فساد کاموجب ہے ، اس لئے انتھوں نے پینے اسلاف کی رائے کو چھچ کرنے اور اقانیم ملا فتر میں اتحاد کی قوضے کرنے اور اقانیم ملا فتر میں اتحاد کی قوضے کرنے اور اقانیم ملافتہ میں اتحاد کی وضاحت کرنے سے خاموشی اختیار کی ،



مله کناب المخطط المقریزیر ۲۰۸، ۲۰۸، ج۳ طبع لبنان کله کیو بگر قولیه فرقه مفرن مینی کو صرف اس لحاظ سے خدا کا بیٹا کہنا ہے کہ اللہ ان پر ایسے ہی شفیق دمہر بان بیں جیسے کہ باپ بیٹے پر ہوتا ہے ۱۲

بجهامة وسي كوئي تثليث كافائل نرتضا

ا آدم اسے کے کروسلی جا کہ ایک نے کھی گذشتہ امتوں اور قوموں میں سے کسی بار مہوری بات کے عقیدہ کو اختیار نہیں کیا ، کتاب بیدائش کی بیعی نظیف کے عقیدہ کو اختیار نہیں کیا ، کتاب بیدائش کی بیعی نہیں ہے کہ بیات کا استدلال ہما دے خلاف قابل بیش رفت نہیں ہے کیون کے حقیقت میں براس کے معانی کی تخریف ہے ، اور آن کے استد لال کے

الم مثلاً عيساني حصرات جي آيت برسب سے زيادہ الذكرتے ہيں وہ بيدائش كى برآيت ہے :و مجھ خلانے كہا كہم السان كواپنى صورت بر اپنى شبدير كے مانند بنايش كى برآيت ہے :اس ميں خلانے اپنے لئے وہم ، رجع متكلم كاصيفى استعال كيا ہے ،اس سے اس بات بر دلبل لى جاتى
ہے كہ خلا تنها بنہيں تقا، چنا بخ سبين طرائل اپنى كتاب ميں مكھتا ہے :-

و اگرتنها باب نے بغر بیٹے انسان کو بیواکیا ہوتا تو یرعبارت نه مکھی جاتی :۔

سیش نظر جومعنی حاصل ہونے ہیں ان پر بہ بان بورے طور برصاد ف آتی ہے کہ دالمعنی فی نطرالٹنگر ہم اس بات کا دعوٰی نہیں کرتے کہ وہ بیدائٹ کی کسی آین سے استندلال نہیں کرتے ، ملکہ ہمارا دعوای مرف یہ ہے کہ کسی آیت سے یہ ابت مہیں ہے کہ گذشت امتوں بیں سے کسی کا تھی ہے عفنیده ر ہاہے ، جنانخب سنز لعین موسوی اور ان کی اُمت بیں اس عقید ہ کا موبود نہ ہونا مخاج یان نہیں ہے، جوننتھ موجودہ مرقرحیہ تورین کامطالعہ کرے گااس سے بہ بات مخفی ندرہ گئ يجلى عليهات الم كومجى ابنى أخرى عرمين مسيح عاكى نسبت يبرشك بيدا بوكيا محت كرده واقع مسيح موعوّد بين يانهين بحب كي تصريح الجيل متى بالله بين موجود ہے كريميسي عليم نے اپنے دفت اگر دوں کو مشیح کے پاس تھیجر یہ دریا دنت کیاکہ کیاتو وہی آنے والا ہے یا ہم کسی دوسرے کا انتظار کریں ؟ اب أكرعسيلى عليه التلام خدا بون أو يجلى عكاكافر بونا لازم أ تاب ، (نعوذ بالتركيو مك ضرا کی نسبت شک کرنا کفرہے، اور برکیز بحر نصور کیا جا سخا ہے کہ وہ اپنے معبود کو بہجانے بھی ند تنے ، حالانکہ وخود بنی ملکمسیسے عملی شہادت کے مطابق شام بمبوں سے افعال سے ،حس ک نفر بح اسى باب بين موجولا ہے ، بھر جب كما فضل نزين مخص جو الفاق سے مظلم كامقار دگذشنہ سے بیوسننر) اور اگراک میرارشاد فرماتے ہیں کردہم « کاصیغہ اینے حقیقی معنی میں آیا ہے اور میں ، مجازی معنی میں ، تواس کا نینجہ یہ 'سکلے گا کہ خدا کے لیے حقیقی صیغہ بوری باعمیل میں صرف دو تین حبگه استعمال مهواہے ،اور هزار وں حبكہ مجازی صیغہ استعمال كميا گياہے ،غور فرط بينے كه ان دوتين حبجهو^ں كومجازى معنى بريمهمو لكرناعقل كے نزديك زباد ه فابل فنبول ہے، يان بنراروں مقامات كوجهاں ب خدا کے لیے واحد متکلم کے صیغر کا استعمال کیا گیاہے ، اس کے علاوہ یہ بات اب یا یج شبوت يهنع حكى ہے كہ سياڭش كى حن آيتوں مين خلاك يعظم " كالفظ استنعال كيا كيا كيا ہے ان معنوى تخریف ہوتی ہے ، باعبل کے بہودی مفسرین نے اس حفیقت کو محفقانہ انداز میں طسنت از ما مر ماسط

حربیت ہوئی ہے ، بابس سے بہودی مسترین ہے ، مرہ یا ہے۔
مسلمانوں میں سے مصرت مولانا ناصرالدین صاحب نے اپنی معرکن الآراء کتاب رونید جاویر وص ۱۳۹۸ مسلمانوں میں سے مصرت مولانا ناصرالدین صاحب نے اپنی معرکن الآراء کتاب رونید جاویر وص ۱۳۹۸ میں منوس کا معنوس کا معنوس کا است کو نا بن کیا ہے کہ بیاں دممنوس کا ترجم ہم میں سے کرنا ایک زبرد ست ملطی ہے، جس کا از کاب بقیبًا جان بوجم کر کیا گیا ہے ۱۲ تقی

اه «جوعورتوں سے بیدا ہوئے ہیں ،ان میں پوسنا بیتسمہ دینے والے سے بڑا کو جی منہیں ،'(منی ، ۱۱:۱۱) (را ۲۷۸۸

سجی ہے، اپنے معبود کوشنا خت نہ کرسکا، نؤ دوسرے گذشتہ نبی جرمبیح علیہ السلام سے پہلے ہوگز نے ہیں، ان کے نہ بہجانے کو بطر یو اولی اس نیاس پر کر لیجئے، نیزعلماء بہو دموسلی عہر عہد ہے جہد ہے اس عقید ہے کے معترف نہیں ہیں، اور یہ بات ظاہرہے کہ ذات خلو نہی اور اسکی تمام صفات قدیم ہیں، فیرمنغیر ہیں اور از لا وابر اموجود ہیں: ۔۔

ادر اسکی تمام صفات قدیم ہیں، فیرمنغیر ہیں اور از لا وابر اموجود ہیں: ۔۔

اگر شکرٹ می اور سے ہوتی تو موسلی علور تمام الباء بنی اسا علی مرسر بات واجب تھی

اگر تنگیت می اور سبی ہوتی قرموسی عاورتهام انبیاء بنی اسراعیل پریہ بات واجب تھی کہ وہ آسٹیلہ کو کما حقہ واضح کرنے ، جرت بالائے حیرت ہے کہ سنز لعیت موسویہ جوعہد عسیوی بحث تمام بنی اسرائیل کے بیغ واجب الاطاعت تھی ، وہ اس قدر عظیم الشان اور اہم عقیدہ کے بیان سے قطعی خالی ہے جواہل تنگیت کے دعوے کے بموجب مدارِ نجات ہے ، اوم بلا استثناء اس عقیدہ کے بغر سبی نجات ممکن سہیں ہے ، خواہ نبی ہو یا غیر بنی سسناء اس عقیدہ کے بغر کسی کی نجات ممکن سہیں ہے ، خواہ نبی ہو یا غیر بنی سسناء اس عقیدہ کی وضاحت کرتے ہیں ، اور نہ بنی اسرائیل کا کوئی دوسل بغیر باس کی ایسی تھے ہی کو تاہے کہ جس سے بی عقید سمجھ میں اسکتا ، اور کوئی شک باقی مذر سہتا ، حالا نکی کی ایسی تھے ہی نافق ہی نوب اور نوب کے نز دبک کمزور اور بہت ہی نافق ہی نوب وضاحت سے بیان کرتے ہیں ، اور نعض احکام کے حجوظ نے والے کو واجب لفت ان کی بابندی کی سختی سے تاکید کرتے ہیں ، اور نعض احکام کے حجوظ نے والے کو واجب لفت کی فرار دیتے ہیں ،

وا اگرتم اعتراض كرد كمينع في اين الوجديت كوواضح طور بربان كيون

منہیں کیا ؟ اورصاف وضاحت سے مختصرًا یہ کیوں نہ کہا کہ بیں ہی بلائٹر کت غیرے معبود ہوں رائخ ؟

بھراکیں: معفول ساجواب دیا ہے جس کواس مقام پر نقل کرنے سے ہماری کوئی عرض حاصل نہیں ہوتی ، بھرر وسرا جواب بوں دیاہے کہ : ۔

السنعلق کو سمجھے کی فابلیت کسی میں موجود نہیں تھی ، اور آپ کے دوبارہ زندو ہونے اور عرفی نیس کے دوبارہ زندو ہونے اور عرفی نیس کے دیارہ سے علافہ اور و حداثیت کو سمجھے کی فدرت کو بی بھی نہیں رکھنا تھا ، الیہی صورت میں اگر آپ صاف صاف بیان کرتے انو سب دوگ بیمی سمجھے کہ آپ جسم انسانی کے لحاظ سے خدا میں ، اور بیربات لیقینی طور پر غلط اور باطل ہو تی ، اس مطلب کا سمجھنا بھی ان مطالب کے ذیل میں شامل ہی جن کی نسبت مسیح نے اپنے شاگر دوں سے فرایا تھا کہ مجھ کو تم سے بہت سی باتیں کہنا ہوتی ہیں ، لیکن تم فی الحال ان کا محمل نہیں کرسکتے ، البتہ جب روح حق آئے گا وہ تمام سمجی بانوں کی جانب متھاری رہنا تی کرے گا ، کیون کی وہ خودا بین طرف سے کی در کردی گا ، بلکہ جو کچھ سے گا وہ ی بیان کرے گا ، اور آئندہ بیش ہے والے واقعا کی تم اطلاع دے گا ۔

" بطب بڑے بیرد ایوں نے بار بار ارادہ کیا کرانس کو گرفتار کر کے سنگ ارکزیں، ور بطب بڑے بیرہ دایوں نے بار بار ارادہ کیا کہ انسس کو گرفتار کر کے سنگ ارکزیں، حالانکہ وہ ان کے سامنے اپنے خلا ہونے کوصاف اور واضح طور پر بیاں نہیں کڑا عظا ، بلکم معمول اور گول مول طراقیہ برنطا ہر کرتا تھا ''

اس مصنعت کے بیان سے دو عذر سمجھ بیں آتے ہیں، ایک پر کرمینے کے مو وج اسمانی سے قبل اس نازک مسئلہ کے سمجھنے کی کسی میں بھی صلاحیت موجود نرتھی، دو سرے برکہ بہو دلوں کا خوف صاف بیان کرنے سے مانع تھا ، حالانکہ دو نوں باتیں نہایت ھی کمزور ہیں، بہلی تو اسس لئے کہ یہ چیزیں اس سنسہ کو تو بیشک دورکر دینے کے لئے کافی ہو سمتی ہے کہ میرے جسم اور اقذم کے درمیان باسٹے جانے والے اتحاد اکا علاقہ تمھاری مجھ سے بالانزہے ، اکسس لئے اس

ى تفتيش اور كھودكر بدندكرو، اورليتن ركھوكر مين جم كے لحاظ سے معبود نہيں ہول، اس اتحاد کے علاقہ سے معبود ہوں ، رہا نفس مسئلہ کے سمجھے سے عاجز ہونا تو یہ نوعرف ستور قائم ہے، کیونکہ اس وقت سے لیکرآج کمک کوئی عبیائی عالم بھی الیہ یں ہوا ہواس بات کو سمجھ سکا ہو کہ اس علا اور و حداینت کی صورت و نوعیت کیاہے ، ملہ میں تھے کہا تھی ہے تومحصٰ قیامس اور گمان اور اٹسکل پیچو اند ائے ومنيس سے ١١سى وجرسے علماء يرولسناط في سرے سے اس كى وضاحت هى دی،اورائس پادری نے بھی اپنی تصانیف میں بہت سے مقامات بریہ ابعزاف ہے کہ بیمظلہ اسرار اور رموز بیں سے سے ،انسانی عقل اس کے ادراک سے قاصر ہے ، رہی دوسری بات، توطاہرہے کمسیرے علیہ السّلام کی تشریب آوری کی غرض السّ رنیا میں اس کے سو اا ورکچھ نہیں تھی کہ مخلوق کے مختا ہوں کا کفارہ بن جابیں، اور بہودیوں کے ہا تھوں سُولی چرط صیں ، ان کو یقینی طور برمعلوم تھا کہ یہودی ان کو سولی دیں گے ، اور بہ تھی م تفاكركب شولى ديس كے ، تو تيم اُن كوريمو ديوں سے اس عفيده كى توفينے بين وف نظمی کیا اورکس طرح گنجانسش ہو سکتی ہے ؟ اور بڑی ہی حیرت اک ہے یہ بات کہ ج ﴾ اسمان وزمین کی خالق ہو ، اپنی ہر مرضی پر قا در ہو ، وہ اپنے بندوں سے ڈر سے اورخوت ، سے زیادہ ذیبل فوم میں ،اور ان سے اس قدر ڈرے کہ جوعفید را باہ اور کیجیٰ وہ حق گوئی سے کہجی نہیں ڈرے ، بلکہ انھوں نے حق گوئی کی یا داکش میں شدیم خديداذيتين الطائين، بهان كك كربعن قتل بهي كردية كيّع،

اور اس سے بھی زیادہ عجیب تربات یہ ہے کمیسے علیہ السلام یہودیوں سے السس طروری عقیدہ کو بیان کرتے ہوئے تو طور نے اور خوف کھانے تھے، گر امر بالمعروف اور نہی عن المنکر " یس انتہا ئی تشتہ واور سختی کرتے ہیں کہ نوبت گالیاں وینے کی بھی آجاتی ہے ، چنا کچہ فقیہوں اور فرلیسیوں کو ان کے ممنہ پر ان الفاظ سے خطاب کرتے ہیں کہ :۔ ما اے ریا کار فقیہو ! اور فرلیسیو ! تم پرانسوس ! اے اندھے راہ تبانے والوتم

برافسوس اِ۔ اے اجمقو اور اندھو۔ اے سانبو اِ اے افعی کے بچوا تم جہنم کی سراسے کیونکر بچوگے ؟

ابخیل مثی ہاتا اور ابخیل لوقابال میں تھر کے ہے کہ حضرت میں ہے اس کے عیوب عوام کے سامنے کھلم کھلا ببائک دہل بیان کرتے نظے میہاں تک کہ ان میں سے بعض نے شکامیت کی کہ آپ ہم کو گالیاں دینے ہیں ، اور اسی قسم کی اور مثالیں انجیل کے دوسرے مقاما ہرموجود ہیں ، پھر مسئیے کے متعلق یہ برگمانی کس حد ک جائز ہوسکتی ہے کہ وہ ایسے عقید کو حب رہے بیان کرنا چھوڑدین کو حب رہے بیان کرنا چھوڑدین خوان کی وحب رہے بیان کرنا چھوڑدین خوان کی وحب رہے بیان کرنا چھوڑدین خوان کر ایس مسئلہ کو جب کھوں ، اس پا دری کے کلام سے یہ بات بھی معلوم ہوگئی کرمینے نے اس مسئلہ کو جب کھوں ، اس پا دری کے کلام سے یہ بات بھی معلوم ہوگئی کرمینے نے اس مسئلہ کو جب کھوں ، اس عقیدہ کے بیتے دشمن تھے ، یہاں کے کا انہوں نے میسے کو اس گول مول ذکر بر بھی کئی مرتبر سنگسار کرنے کا ارادہ کیا تھا ،

بهلى فصل

تنكه بشك كاعقيده عقل كي كسولي پر لے تو یک عسائیوں کے نز دیک تثلیث اور تو حب ویں بات کے مطابق حقیقی توحب راور نثلیث ہیں،اس لیے جب بقى تثلث يائى جائے گى تونوس بات سے بموجب حقیقى كزت كا يا جانا حرورى بوگا اورامس کی موجو د گی میں حقیقی تو حید کا یا یاجا نا ممکن نه ہو گا، ورنه مقدمہ کے نمبرے مے جمو حقیفی صندین کے درمیان اجنماع لازم آعے گا،جو محال ہے، اور داجب کامتعد دہونالازم ئے گا،اس صورت بیں توجید بقیب نیا فوت ہوجائے گی،امس لیے تنگیث کا ماننے والاكسى صورت مين عجى نصراكو حقيقة "اكب مان والا بنين بوسخنا، اوربيكهناكه توطيد حقيقي اور تثليث حقيقي كاغيرواجب مين جمع بهونا توبيشك حقيقي صندین کا اجتماع ہے، مگرواجب میں اس اجتماع کو اجتماع صندین نہیں کہاجائے گا که برتهم باننی بالکل واضح اور بریسی بین،الیسی بریمی کداگرا تضیس بیان کرناشروع کیاجائے تو بات الجھنے ہی مگئی ہے، آج بک کسی بچیر کو بھی بیر شہد نہ ہوا ہو گاکہ" بین " اورد ایک "الگ الگ جیزیں بہن ہن مر حب انسان کی عقل بربردہ بڑجا ناہے تو اسے مجانے کے لئے الیسی چیزوں کے لئے بھی عقلی دلیلیں بيش كرنى إلى المنا أكلان وليلون ك محصف بن كبين مشكل بيش أئة تومصنف اورمنزج كومعذور مجين

ملے عیسا فی حضرات برکہاکرنے ہیں کہ اسٹر کے سواد وسری مخلوفات میں قوتوجید اور شکبث جمع نہیں ہوسکتے ، گم خدا میں ہو سکتے ہیں ، مصنعت رح اس بات کا جواب دے رہے ہیں ١١ ت محض دھوکہ اور فریب ہے ،کیو کے جب بربات نابت ہو چکی کہ دو چیزیں ذاتی جیندیت سے الہیں بیں حقیقی ضد ہیں ،یا وہ دونوں نفنس الامر بیں ایک دوسرے کی نفنین ہیں، تو کھر ظاھرہے کہ البیں دوجیسے زوں کا کسی واحد شخص میں بیک وقت ایک ہی جیندیت سے جمع ہوجانا خواہ وہ واجب ہویا غیرواجب، ممکن بہیں ہوگا، اور بربات کس طرح ممکن ہوسکتی ہے داور تین کا ثلث صبحے لینی ہوسکتی ہے ، اور تین کا ثلث صبحے لینی ایک موجودہے ،

دوسرف بیرکی شلاند، بین واحدوں کامجموعہ ہو اسے ، بخلاف واحد حقیقی کے کہ اس کے سرے سے احاد و افراد ہی بہیں ہوتے ، نیز واحد حقیقی خود نین کا جز ہوتا ہے ، توالگر دونوں کسی ایک ہی جگر جمع ہوں تو کل کا جز دبن جانا اور جز و کا کل ہونا لازم آئے گا اور اس قسم کا اجتماع اس بات کو مستلزم ہوگا کہ خدا ایسے اجزاء سے مرکب ہوجو بالفعل فیرمت ناہی ہیں ، کیونکہ اس صورت میں گل اور جب نرو کی حقیقت ایک ہوگی ، اور جونو کم کل فیرمت ناہی ہیں ، کیونکہ اس صورت میں گل اور جب نرو کی حقیقت ایک ہوگی ، اور جونو کم کل اور اسی طرح سلسلہ جاتا جائے گا، اور کسی شنے کا ایسے اجزاء سے مرکب ہونا جو بالفعل فیرمت ناہی ہوں قطعی طور پر باطل ہے ، نیز الیا اجتماع اس امرکو مستلزم ہوگا کہ واحد خود اپنی فات کا تلت ہو، اور نین ایک کا ثلث ہوجائے ، یہ بھی لازم آئے گا کہ تین ، نواجے اپنی فات کا تلت ہو، اور نین ایک کا ثلث ہوجائے ، یہ بھی لازم آئے گا کہ تین ، نواج

سے قطع نظر کراس سے خداؤں کا کئی ہونالازم آتا ہے ، یہ بات بھی لازم آئے گی کہ خدا کو ئی حفیقت واقعیہ نہ ہو، بلکہ محض مرکب اعتباری ہو، کیونکہ حقیقی ترکیب میں نواجزاء میں باہمی احتیاج و افتقار ہونا عزوری ہے ، اس لئے کہ کسی بچھر کو آدمی کے ہیلو میں رکھد سے اس انسان اور بچھر میں اتحاد ہیدا نہیں ہوجا آیا ، اور یہ ظاہر ہے کہ واجبا کے درمیان احتیاج نہیں ہوتی ، کیونکہ یہ ممکنات کا خاصہ ہے ، اس لئے کہ واجبین کم

y ay مختاج نهیں ہوسکتا،ادر ہوئجز و دوسے رجز وسے منفصل اور علیحدہ ہو اور دوسرا انگر حیر مجموع میں داخل موں کیں ایک بجُرُ و د و سرے کا مختاج نہ ہو تو اسس سے ذات احدیث مرکب تہیں ہوسکتی ،اس کے علاوہ اس شکل بیں خدا مرکتب ہوگا ، اور هرمرکتب لینے تحقق میں اینے ہرجزوکے متحفق ہونے کامحتاج ہوگا،اور ہرجزو براہنہ کل کامغابر ہوتا ہے، لیں ہرمرتب ہے بیر کا محتاج ہوگا ،اور جو غیب۔ کا محتاج ہوتا ہے وہ بالذات ممکن ہوتا ہے ، نیکجہ يركه خدا كا بالذات مكن ہو نالازم آئے گا جو بطل ہے، بسری دلیل اجب آقائیم کے درمیان است یاز حقیقی نابت ہو گیا توحیں ہجز سے کے برا متیاز حاصل ہوا ہے یا توصفات کمال میں سے ہے یانہیں بہلی

صورت میں تمام صفاتِ کمال ان کے درمیان مشترک تنہیں ہوسکتیں ،اور بیرچیزاُن کے اس مسلم کے خلاف ہے کہ ان آقا نیم میں سے ہرایک افکوم صفاتِ کمال کے ساتھ موصوبِ ہے ،اور دوسری صورت میں اس کے سسائن موصوف ہونے و الا البی صفت کے سکھ

موصوف ہواجوصفن کمال نہیں ہے برنقصان اورعیب سے، اور خدا کا اسسے یاک

جوسرلا بونى اورجوسرناسوني مين حب حفيقناً انحاد مو گاتو اقنوم ابن محدود] متنا ہی ہوگا ،اور جوالیہا ہو گااس میں کمی بیشی کے فیو ل کرنے کا امکان ہو گا،اور ہو بیز کمی بیشی کو قبول کرتی ہے اسس کاکسی معین مفدار کے سانھ مخصوص ہوناکسی

مخصّص کی مخصیص ادر مفتدر کی نفند بر کی وحبسے ہوگا، اورابسی چیز حادث ہوتی ہے، لہٰذا

لازم آئے گاکراقنوم ابن حادث ہو، اور اس کے حادث ہونے سے خدا کا حادث ہونا

لازم آئے گا، معاذات ر،

اگر تمینوں اقنوم کو امت یا زحفینی کے ساتھ ممتاز مانا جائے نوجو چیز ذانی کےعلاوہ کوئی دوسری ننے ہو، کیونکہ وہ توسب کے درمیان مشرکےہے ،اورجس نے ہے اشتراک حاصل ہوتا ہے وہ ذرلیۂ امنیاز نہیں ہوسکتی، ملکہ وہ مغائز ہوتی ہے اس کئے

شے بالذات ممکن ہوتی ہے، بیس یہ لازم آئے ایک بالذات میکن ہوا، تعیقوبیرکا ندید صریح طور برباطل ہے، کیونکہ ان کے نظریہ کی نباء پر فدىم كاحادث بن جانا اور مجسرد كامادى مونا لازم أناسي ان كعلاه ئے گاکہ بہانحاد یا حلول کی صورت میں ، کے بطلان کے لیۓ پرکہاجا۔ یا بغیرعلول کے ، اپہلی صورت تنگیث کے عدد کے مطابق نین وجو ہ۔ اولاً نواس کئے کہ بہملول یا آس سطرح کا ہو گاجساکہ عرتی گلاپ گلاب میں، یا بیل تل کے اندر، یا آگ کوئلہ ہیں ، براس لیے باطل ہے کہ اس طبح ننب ہوسکتا حب کرا قنو بن جسم ہو، گرعبیائی اس امرس ہمارے موافق ہیں، کہ وہ جسم نہیں ہے، راس قسم كالبوجس طرح ربك كاحلول حبم مين ، توبير بهي باطل. مفہوم ہوئی ہے کرنگ جیز میں اس لئے یاما جا آہے کہ جو بکا ل حیز میں موجو دہے ،اور نطا ہرہے کہ ایسا حلول اجسام ہی بیں ممکن ہے ، یا بھروہ وجیساکہ صفایت اضافیہ کاحلول ذوات میں ہوتا ہے ، پر بھی طل سے جو بات مفہو م ہوئی ہے وہ احت بیاج ہے ،ار ابن كاحلول كسى شنے بيں اس لمحاظ سے مأنا جائے نو اس كامتحاج ہو ، الازم آجائے بجر بیں اس کوممکن ماننا بڑے ،اور مؤثر کامتاج ہوگا ، اور بیر محال ہے ، حلول کی تمام شکلیں باطل ہی نواکس کاممتنع ہو انا ابت ہوگا، لئے کہ اگر ہم حلول کے معنی سے قطع نظر کھی کرلیں تب بھی کہ م ابن حب مهر میں صلول کر گیا تو یہ حلول باتو واجب ہوگا ممکن مہیں کہ اسکی ذات یاتو اس حلول کے اقتضا كانى ہوگى يا بنهى، پېلى صورت بىن اس اقتصاء كاموفوت ہونا كىي يىترط ۔ معال ہے، تب یا تو خدا کا حادث ہو نا لازم آئے گا، یا محل کا قدیم ببيفرفن بركهاب كزنداكي الهيت بدل كرانسان بين كئئ تفي دمعاذ الشريء تقي حاشيه تله برصفحه أثنده

قدیم ہونا ، حالانکہ دونوں باطل ہیں ، دوسری صورت بیں اس صلول کا قضاء ذات کے علاقہ کو ئی اور نے ہوگی اور وہ اسس میں حادث ہوگی اور حلول کے حادث ہوگی اور وہ اس نے کا حادث ہو گا اور حلول کے حادث ہوگی قا بلیت ہوگی کا حادث ہو نالازم آئے گاجیں میں حلول ہواہے نتیجہ اس میں حوادث کی قا بلیت ہوگی ہو محال ہے، کیونکہ آگر وہ البیا ہو تو ظاہرے کہ بیز قا بلیت اس میں اس کے ذات کے لوازم میں سے ہوگی ، اور از لی طور پر موجو دہوئی جو محال ہے ، کیونکہ ازل میں حوادث کا وجو و مال ہے ، کیونکہ ازل میں حوادث کا وجو و مال ہے ، کیونکہ ازل میں حوادث کا وجو و مال ہے ، کیونکہ از ل

محال ہے ، دوسری شکل بھی ممکن نہیں ،اس سے کہ اس شکل ہیں بہ حلول اقنوم ابن کی ذرات سے ایک زائد چیز ہوگی ، بچر حبب وہ جسم میں موجود ہوگا توضروری ہے کہ جسم میل کی صفت حادثہ حلول کرے ،اور اس کاحلول مستلزم ہوگا اس کے قابلِ حوادث ہونیچ

جو باطل ہے ،

تبیئرے اس کے کرافنوم ابن اگر جسم علی میں طول کرنا ہے تو دوصور تیں ہی ہو سکتی ہیں ، یہ نو ذاتِ خدا وندی میں کھی اقی رہتا ہے یا بہیں ، یہ نی صورت میں حال شخصی کا دو محل میں یا یا جانا لازم آئے گا،اور دوسری صورت میں ذاتِ خداوندی کا اس سے خالی ہونا لازم آئے گا، تو وہ بھی منتقی ہوجائے گی،اس لئے کہ انتفاء جزوانتفاء کل کو

اوراگریر اتحاد بغیر حلول کے بید ، توہم بیہیں گے کا قنوم ابن جب میسی کے کا قنوم ابن جب میسی کے ساتھ متی ہوگیا تو یہ دو نوں اتحاد کی حالت بیں اگر موجود ہیں قودہ دو ہوں گے نہ کہ ایک ، نور صفی گذشتہ کا حاشیہ کئی کہ اس سے کہ یا تو بوں کہاجائے کہ حق جسم موجود نہیں تھا اس وقت اقنوم ابن بھی بی تھا ، اس صورت بین صدوت لازم آئے گا، یالوں کہاجائے کہ جب سے اقنوم ابن موجود ہے ، اس وقت سے ہم موجود ہے ، اس وقت سے ہم صلی موجود ہے ، اس وقت سے ہم صلی موجود ہے ، اور یہ بھی مہنیں کہا جاسکتا کہ بیر صورت بین مان موجود ہے ، اس اس کے کہ میں موجود ہے ، اور یہ بھی مہنیں کہا جاسکتا کہ بیر صورت میں خاص میں خاص میں خاص میں خاص میں موجود ہے ہیں کہ اس کا تقی موجود ہو اور کی میں کہ میں بطور جواز حلول کر نا کا تقی میں اور عبم سیرے کا اتحاد کا ات

توانجاد ندر م ، اوراگر دونوں معدوم ہوجاتے ہیں توابی تیسری چیز پیدا ہو گی ، تو بھی اتحاد منهوا، ملكه دوچيزون كامعدوم مهونا اورننيسري جيز كاحاصل مونالازم آيا ، اور اگر ايك اق ربتا ہے اور دوسرامعدوم ہوجاتا ہے تومعدوم کا موجود کے ساتھ متخد رہونا محال ہے ، کیونکہ بر کہنا محال ہے کہ معدوم بعینہ موجودے ، اس ابت ہوگیا کہ انحاد محال ہے اورجن لوگو ں کا نظریہ بیاہے کہ اتحا د کبطور طہور کے سے حس طرح انکو تھی کی تحریراورنقٹنی ككارے برنماياں ہوتا ہے يا موم برظا هر ہوتا ہے ، يا آئينہ ميں جس طرح انسانی

مگراس طبع اتحادِ حقیفی تو قطعی نابت نہیں ہوستنا، بلکەس کے برعکس تعنائر ثابت ہوتا ہے، کیونر سطح انگو تھی کی تحریر اور نقش جو گارے یا موم بہت وہ انگوتھی کے مغائر ہے ، اور آئینر میں نظر آنے والاعکس انسان کے مغایر ہے ، بالکل اسی طرح اقنوم ابن بخبرسیسے ہوگا، زیادہ سے زبادہ بیمکن ہے کہصفت اقنوم ابن کا جس قدرانز اس میں ظاہر ہو گا وہ دوسرے میں مذہو گا ، بالکل اسی طرح جس طرح بزشاں ج كى شعاع كى تاثير به نسبت دوسرے بتھروں كے زيادہ ظاہر ہوتى ہے،

مركوره بالاتمام ولائل سے بربات ثابت ہوجاتی ہے كعقيرة تثلبيث ان محالات میں سے ہے جن کے بارے میں کسی شاعرنے کہاہے کہ م

و ذنب في العواقب لا يُقِال

على اله الماديد محال وقول فى الحقيقة الريقال وفكر كاذب وحديث زور بلامنهم ومنشؤه الخال تعالى الله ما قالوة كف

اله يدخشان ابك بتهري حب سے تعل بيد اس ١٦ مصنعت رحمات ، ك "يهايك ابيا محال ہے جس كے برابركو تى اور محال نہيں ہوستا ، اور ايك اليبى بات ہے بو كہنے كے لائن ہى منہیں، ایج جو ٹی فکراور جو ٹی بات ہے جو ان کے من سے نکلی ہے ، ادر اس کا مشاء محض خبال ہی خبال ہے خدان کے خیال سے بلندوبرتر ہے ، انہوں نے نوباد کل کفر کی بات کہی ہے ، اورایک ایسے گناہ کی بات حس كفتا مج برعوركرنے سے معلوم ہونا ہے كدوه كيف كے لائن ہى نہيں "

کرتااور مذاق اڑا تا ہے ،اور کہتاہے کہ مشہدادتِ جس کی بناء ہ بن حاناممکن نہیں ہے ،حالانکہ اس تر دید و بنداق کے مستنی دونوں فر<u>تے</u> نے مسیرے ءً لود تھا اس کوا مکے معبیّن انسان ہی نظراً یا، اور حکم ب، زیاده سی عاسترلعنی آنه کو از الانا در حقیق بریدیات برسف لناہے ، اس لئے یہ نظریہ اسی طمع باطل ہے ، سے کدرو ٹی کا نے کا نظریہ غلطہے ، اس کے نتیجہ میں جامل عبیانی خوا ہ اس کا نعلق ایل ش وده اس عقیده کی بر ولت، کھلرکھلا گمراه ہو گئے، ان ونی کا فرق بھی معلوم نہیں ،گو ان کے علماء جن اورعجيب طرح المك توطيال مارتے بن، احب نے ان کوعبسائی مذہب کے ضوری عقائد بائحضوص عقیدہ تثلبیت سکھا با

صاحب نے ان کوعبیائی مذہب کے حزوری عقائد با محضوص عقیدہ تسلیت کھا با یہ تینوں نے عیسائی اس یادری ہی کے پاس رہتے کئے ، اتفاقا ایک روز بادری کا ایک دوست ملاقات کے لئے آیا ،اس نے بادری سے پوچیاکہ وہ نئے عیسائی کون ہیں ، پاددی نے بنایا کہ تین استخاص نے مذہب عیسائی قبول کیا ہے ، دوست نے کہا کرکیا انہوں نے ہالے مذہب کے صروری عقائد کھی سیکھ لئے ہیں یا نہیں ، یا دری نے کہاکیوں نہیں ، ادرا منحاناً ان میں سے ایک کو بلا با ، تاکہ اپنے دوست کو اپنا کار نامہ دکھائے ، جنا بخیراس جریر عیسائی سے عقید ہ تنگیف کے بالیے میں در یافت کیا ، تواس نے کے بیٹ سے بیدا ہوئے والا، تیسراو ، جو کبوتر کی شکل میں دوسرے خدا بر تیس سال کی عمر

له ملافظه فرما عيرصفي ٨٨٨، ٩٨٨ الخ جلد بزا

بن ازل بوك،

بادری برا عفنب کاک ہوا اور اسس کو یہ کہہ کر ہٹا دیاکہ بہ مجہول ہے،
ہورد سے رکو بلایا ،اور اس سے بھی یہی سوال کیا ، اس نے بواب دیاکہ اسنے
مجھ کو یہ تبایا تفاکہ خدا تین تھے ، جن میں سے ایک کوشو لی دے دی گئ ،اب دو خدا باقی
رہ گئے ہیں اس کو بھی یا دری نے فقتہ ہوکر نکال دیا ،

پھر تنیبرے کو بلا یا ہو بہ نسبت پہلے دو تو ں کے ہوسشبار تھا ،اس کوعقائد یاد کرنے کا بھی شوق تھا ، یا دری نے اس سے بھی سوال کیا ، تو کیا خوب ہوا ب دینا ہے ،کہ اُ قالی میں نے تو ہو کچھا ہے نے سکھایا خوب انھی طرح یاد کر لیا ہے ،اورخد اسے سسے کی مہر بانی سے پوری طرح سمجھ گبا ہوں ،کہ ایک تین ہے اور تین ایک ، جن میں سے ایک کوسٹولی دے دی گئی ، اور وہ مرگیا ،اور بوجہ اتحاد کے سکے سب مرگئے ، اور اب

كو في ضرا باتى تهيي ربا ، ورنداتحادكى نفى لازم آئے گى ،

اسس سلسلہ میں ہماری گذار منس ہے کہ اس میں جواب دینے والوں کانیادہ قصور نہیں ہے، اس لئے کہ بیرعفیندہ ہی السا ہجیب یہ ہے کہ جس میں جب او بھی تھو کہ کھانے ہیں اور علماء بھی حیران ہیں، ان کا اقرار ہے کہ اگر ہے بہا راعقبیدہ ہے ، مگر اس کے سمجھنے سے ہم بھی قاصر ہیں، اور سمجھانے سے اور وضاحت کرنے سے بھی عاجز ہیں، اسی لئے امام فخر الدین رازی رح نے اپنی تفسیر ہیں سورۃ نساء کی تفییر فرمانے ہوئے کہا ہے کہ ؛

د عبدایتوں کا خربب بہت ہی مجہول کا ہے "، بھرسورۂ مائدہ کی تفسیر بیں فرمانے بیں کہ ،۔

ردنیایس کوئی بات عیسائیوں کی بات سے زیادہ شربر فساد والی اور ظاہر البطلان شہیں سے ، سیمے ،

ظا برًا تشکیت برد لالت بھی کرا ہے، تواکس کی ما ویل ضرور نی ہو گی ، اس کے کہ لامحالہ ایس شکل مرک

ہی شکلیں ممکن ہیں ؛ ۔

یا تو تاہم ولائل عقلیہ در نقلیہ برعمل کیاجائے ، یا دولوں فسم کے دلائل کو ترک کر دما لوعفل برزج وي جائے ، آآس كے برعكس عفل كونفل برترج وي ، ، نوقطعی با طل ہے، ور ہزایک ھی ہیر کا متنع اور محال ہو ناادر اسی مِمْتَنَع بُونَا لازم آئے گالاً وسری صورت بھی محال ہے، وربنہ ارتفاع نقبضین لازم آئے مع کر عفل اصل ہے نفل کی ، کیو بحرتمام نفل۔ بات یر ہے کہ خدا کا وجود اور صفات علم و قدرت اور اس ئے ،اور بینتا م چیزیں د لاعمل عفلیہ ہی سے نابٹ ہوسکتی ہیں ، اس لیے عفل میں ی فسم کاعیب کالنا در حفیفت عقل و نقل دو نوب سی می عبیب کالناب ،اس انع سلم کرنے اوراس کے بقن کے سوااور کوئی جارہ کارہند اسی طرح نقل میں تا ویل کے سواکو ٹی معارنہیں ہوستنا ،اورجیباکہ مقدمہ کی نسیبری بان ب کے بہاں تا ویل کوئی نا در وعجیب اور فلیل تھی نہیں ہے ، جنا کنچہوہ بوگ ان لیے شمار آبنوں کی ناویل کرنا ضروری سمجھتے ہیں جوخدا کیے جہانی ہونے یا شکل وصورت بردلالت کرتی ہیں، معضان دوآ بنوں کی وجر سے جو طابق میں اسی طرح ان مہن سی آیات کی تاویل کو عزوری فرار نینے ہں، جوخدا کے لیے مکا نبیت ہر دلالت کرتی ہیں، محض اِن تھوڑی سی آبتوں کی بناء پر جو دلیل عقلی کےمطابق ہیں مگریم کو کینخولک فرفہ کے دانشمندوں اور ان کے ماننے والوں حركت بربط بى تعجب بو السيك يراوك كهجى تواس قدرا فراطكرت بن كمجس ا کیو کہ ولائل میں تعارض ہے،

رتے ہوئے بر دعلی کرتے ہیں کہ وہ روٹی اور مشراب بطويليه لعنى التفاره بھوں کے سامنے بیدا ہو میں،عشاءربانی میں ایک م حقیقتاً اور نوں بن جاتے ہیں ،جن کی بیر لوگ تھر پر نے ہیں ، اسی طرح کہجی عفل و ہدا ہمتہ کے فیصلہ کو عصکرا۔ ب وقت ایک ہی جہت سےمکن ہے، سٹنٹ کا نظرا آ ہے کہ برلوگ عِشاء ربانی کی روٹی اور شراب کے مبیح بن جا۔ عُمله بين نوايين حرلفِ ومنفا بل كيبخو مك لوكوں كى مخالفت برا۔ سُلد تعنی عفنید ہو تثلیث ہیں ان کے ہمنوا ہیں ،اب ہم نے کائن رکھتے ہیں کہ اگر ظاہر نقل برعمل کر نا خروری ہے ، خواہ وہ باہی حس وعقل کے خلاف ہو تو بھرانصاف کی بات بہسے کہ اس لحاظ ہے ں فرقد آ سے فرقسے لاکھ درجے بہترے ،کیوبکہ ان لوگوں نے میشیح رفر ما سرداری میں اس قدر مبالغرکیا ہے کہ اس جیز کے بود ہونے کا اعزان وافرار کر بیائے جوس وبراہن کے قطعی خلاف تھا، مے علبوال الم کے بارے بین عیسا بیوں کے افراط کی ر چکے ہیں کہ ان کو انسان سے خدا بنا ڈالا ، مگر دوسری طرف نفر بط سیسے عمی شان میں اور ان کے آباؤ اجداد کی نسبت بڑی ہی گری تے ہوئے اُن کو ذرا مجی حیا یا نوف نہیں ہوتا ، جنا کخران کا علیح ملعون بوااورمرنے کے بعدجہنم میں گیا ، دہاں نبن روز قیام تنبیج ملعون بوااور مرنے کے بعدجہنم میں گیا ، دہاں نبن روز قیام ا جياكة عنقرب برتفصيلات آب كے سامنے آنے والى بن ، بینی روٹی کے معبود ہوسکا ۱۲ ت

اسى طرح ان كاعقبده سے كه دا وورسليمان عليها السلام اورمسيح كے دوسرے آباؤ اجدادسے سب اس فارض کی اولاد ہی جوخود ولد الذنا ہے، بعنی اس کی مان تمر نے بہوا سے حرام نطفہ سے اس کو جنم دیا ،اور زنا سے بیرا ہوا

المنظرج ان كاعقبرہ ہے كە داۋ د علبإلسلام نے جوعبسلى ع كے جدا مجد ہيں ، اور یاء کی بوی سے زنا کیا ،اسی طرح حدرت سلمان علیہ السلام کی نسبت یہ دعوی سے کدوہ این آخری عمریس مزمر ہو گئے، جیاکہ آپ کومعلوم ہوجیکا ہے،

ابك برنست عبسائي عالم كااعتراف أوروصتيت

ایک زبردست عیسائی عالم نے حس کا نام سیل سے اور حس نے لعض اسلامی لوم میں تھجی اچھی خاصی شد برحال کر لی تھی، اورا پنی زبان میں قرآن کریم کاترجب تھی کیا تھا ،اور وہ ترجم عبسائیوں میں بڑا مقبول تھی ہے ، ۱، . . اس نے اپنی توم کوجود صبت کی ہم اس کو اس کے ترجم مطبوعت مراسمانہ سے نقل کرتے ہیں،

والول يركم سلمانون يرجرنه كيجيو ووم يركم اليس مسلم منط مرسكها وكرج عقل كح خلاف مول كيونكرمسلمان اليص احمق منهين كم اليسي بالون بين مم أن برغالب أجابيس، مشل صنم رستي اورمسلم عشاء ربانی مے کمسلمان لوگ ابسی بانوں بربہت تھوکر کھانے ہیں،اورجس كليما يس يرسل بين وه كليما طافت نهين ركفنا كمسلانون كواين طرف كين ي ملاحظہ فرمائے یہ سنتھ کیسی بینر کی بات کررہا ہے ،اور اپنی قوم کوکیسی کر کی بات بنا آہے ، کہ محصارے بیرمساعل من برستی اورعشاء ربانی کی عقل کے خلاف ہیں ،

رطا شبه له سوز كذات نه بي عده بعن ترجم فرآن سر لين دازالة السكوك، ص ٢٦ج١) سے برعبارت ہم نے ازالہ الشکوک ص ۲ ع اسے نفظ بدنفظ نفل کردی ہے ۱۲

واقعی انصاف کی بات تو یہی ہے کہ ان مسائل کے اننے والے بقینی طور مشرک بیں ، خدُ ا سے دُعا ہے کہ صراط مستقیم کی جانب ان کی رہنائی فرائے ؛

~~**©**

کہ اظہار الحق کے عربی متون میں ہیں۔ بی جلد بیہاں ختم ہوجاتی ہے، اور ووسسری جلد چونتھ باب کی دوسری فصل سے متروع ہوتی ہے، اس کے برخلاف فرانسیسی اور انگریزی تراجم بیں بیہلی جلد جو تتھے باب کے اختیام پرختم ہوئی ہے ۱۲ محر تفی عثمانی ،

د وسری قصل

تنكرث كاعقيدة اقوال ببيح كى ديشي بين

اب ہم خود تضرت مسیح علیالسلام کے وہ ارت ادات ہدیئہ نا ظرین کریں گے ہوتالیث کے عقیدہ کو باطل قرار دیتے ہیں :-

انجیل بوخنا باب ، ۱ آیت ۳ میں ہے کہ حضرت مسیح علیالسلام فالشرس مناجات كرتے ہوئے فرمایا :-

" اور ہمیشہ کی زند گی ہے کہ لوگ مجھ خدائے واحد اور برحق کو اور کسوع میسے ۴

كوسے تونے تھيجاہے ، جانيں " <u> پیس علیات الم نے واضح فرمایا کہ ابدی زندگی کا حاصل یہ ہے کہ انسانہ</u> التُدكوواصر حقيقي اورعبيلي علاكب للم كواس كارسول مانے، بيرنہيں فرما يا كدا بدي ندگي يرب كرأب كى ذات كوابي تين اقنوم والاسمجيين جواً لبس بين حقيقي امتسياز ركھتے میں ،اور ببرکہ عبیلی عز خدا تھی ہیں اور انسان بھی، یا بیکہ وہ جمم والے خدا ہیں ، یہ قول دُعاءاورمنا جات کے وقت فرمایاگیاہے ،اس لیے بیراحتمال بھی نہیں ہوسکتا کہ بہودیوں کے ڈرسے ایسا فر ادیا ہو، نیس اگر تنکیث کا عقیدہ مرار نجان ہوتا تو

توآب اس کوظا هرفرماتے،

ادرجب یہ نابت ہوگیا کہ اہدی زنر گی نام ہے اللہ کے لئے نوج برحقیقی کے اعتقاد کھنے كا ،اورمشيح كے ليخ رسالت كاعفيدہ ركھنے كا، تو ہو بجير ان دونوں كي ضدہے وہ بقيني طور برا بدی موت اور گمرا ہی ہو گی ، لعنی توجیر حقیقی صند ہے شلیث حقیقی کی رجیبیا کہ بہلی فنصل ا تفضیلاً معلوم ہوجیکا ہے) اور مسیح عمر کا بھیجا ہوا ہونا ضدید ان کے ضدا ہونے کی کیونکم بھیجے والے اور فرستنادہ ہیں مغائرت صروری ہے ،اور یہ ابدی زند گی خدا کے فضرا لمانوں ہیں موجود ہے ، دوسری قو میں جیسے مجوسی ا در میندوستنان وہین کے ن اس سے محروم میں ، کیوبکر وَہ ان دونوں عقائر سے محروم ہیں ، اور عبسا بیُوں میں ت کاعفنبدہ رکھنے والے تھی اس سے محروم ہں، بہلاعفبدہ مذہرونے کی وجرسے ،او یہودی تمام نزاس سے محروم ہیں ، دوسراعفندہ نرہونے کے سبب سے ، الجل مرفس باب ١١ آيت ٢٨ ميں ہے:-اور فیتہوں میں سے ایک نے ان کو بحث کرتے شنکر جان لیا

كراس نے ان كونوب جواب ديا ہے ، وہ ياسس أيا اور اس سے بوجياكر سب حكموں ميں اوّل كونسائ ويسوع في جواب دباكرادٌ ل برسي : اس اسرائيل إسن إخلا وند ہمارا خدا ایک ہی خداو نرہے ، اور توخدا وند اپنے خداسے ابینے سارے ول اوراینی ساری جان اور اپنی بیاری عقل اور اپنی سا ری طاقت سے محبت رکھ، د وسارید که توایت برطوسی سے اپنے برابرمجبت رکھ ان سے براا ورکو فی حکم نہیں، فقیہ نے اس سے کہا اے استا دہرت خوب اِنونے سیح کہاکہ وہ ایک ہی ہے، اوراس کے سواکوٹی نہیں ،اور اسسے سارے دل اورساری عقل اور ساری طافت سے محبت رکھنا، اور اپنے مرد وسی سے اپنی برابر محبت رکھنا،سب

سے ڈھکریے ہوں بیوع نے دیکھاکہاس نے

له سوختني قر باني AFFCRNRE) يجيلي امنول بين بردستور مفاجب كسي شخص كوالشركاراه بين فرباني ديني بوتئ نؤوه اس چزكو كھلنے ميدان يااو پيخ بيباط پرركھ ديتا تھا آسمان ے ایک آگ اللہ کی طرف ہے آتی اور اُسے کھالیتی ،اگرکسی موقع بربیرا ک نزاتی نواسے قربانی کے

دا مائی سے جواب دیا تواس سے کہا توضلکی با دشاہی سے دور مہیں " (آیات ۲۸ ممس بخیل مٹی کے باب ۲۲ میں بھی یہ دوحکم اسی طرح بیان کئے گئے ہی ،اوران کے بعدفرایالیا، ودان ی دو حکموں برتمام توریت اور انسب اعظے صحیفو کا مدارہے ' الح معلوم ہواکہ سے بہلا حکم حب کی نصر کے توان اور پیٹمبروں کی تمام کیا بوں میں کی کئی ہے، اور وہی حق بھی ہے ، اور خدائی پادشاہت کے قرب کا سبب کھی، وہ بیخقیڈ ركهنا ہے كداللہ ايك ہے،اس كے سواكو في لائق عيادت نہيں ہے،اكر تليث كاعفيده ملار نجات ہونا تواس کا بیان تورین اور انبیاء ع کی تمام کتا بوں میں ہوتا ، کیونکہ برسب بيلا حكم سے ، اور عبينى عليه السلام كوير فرمانا جائے تفاكه :-" سے سیلی وصیت یہ ہے کہ وہ رب ایک سے ، تین افنوم والا ، جو حفیفا ایک كين اسس كي تصربيح مذ توكسي نبي كي كناب بين كي گئي، مذ عبيلي عليبال السافر ماما ، تو برعقيده مارينجات نهيس بوسكماً ، لَكِذا أَمَا بِت بِمُواكِه مَدَارِ سِجَات صرف نوحيد حقيقي كاعقيده ہے مذكه عقيدة تتليث اور تنتبطكر ك إمِل تثلبت كاجنون مخالف ك المع حجن فهين بن سکمنا ، کیونکہ براشنباط بہت ہی خفی اور صربح اقوال کے مقلبلے میں امفول ہے مقصود مخالف کاتوبہ ہے کہ شلیث کے عقب رہ کو اگر نجات میں کی مصی دخل ہوتا تو رائیلی پنچمبراس کو اسی وضاحت کے سب نظر بیان کرنے ، حبین فدر وضاحت کے تنتاء كے وضف إلى منتسويں آيت ميں بيان كيا ہے:-و اکنوانے کرخدا وزری ضرابے ، اور اس کے سواکوئی ہے ہی نہیں 'ا

ور المنظم المراق المرا

"بیسآج کے دن نوجان نے اوراس بات کودل میں جمالے کہ ااوپرا سمان میں اور نیجے زمین بر خداوند ہی خداہ ہے ، اور کوئی دوسرا مہیں " اور کتاب ستناء ہی کے باب آیت ہم میں ہے :

رسن اے اسرائیل! خراوندہاراخرا ایک ہی خدا ہے ، نوابے سارے ول اورا بنی ساری جان اور ابنی ساری طاقت سے خدا وند ابنے خداسے مجتن رکھ ؛

اور کناب بسعیاه باب هم آیت ه بس ب ،

یں ہی خدا وند ہوں، اور کوئی نہیں، بیرے سواکوئی خدا سہیں گامشری سے مغرب بک لوگ جان لیں کرمیرے سواکو ٹی نہیں، بیں ہی خدا وند ہوں میرے سوا کوئی دوسرا نہیں " د آیات ۵، ۲)

یہ آینیں وضاحت سے بہار پیما رکر کہدر ہی ہیں کہ مشرق سے مغرب بک ہشخص کے لئے گؤرال کے الآ ا ملک کا عقاد رکھنا ہی صروری ہے ،اس بات کا نہیں کہ خدا (معاذ اللہ) تین ہیں، کتاب بیسعیاہ ہی کے باب 4 ہی ہے کہ :۔
خدا (معاذ اللہ) تین ہیں، کتاب بیسعیاہ ہی کے باب 4 ہم آبیت 4 میں ہے کہ :۔

« بین خدا مهون اور کونیٔ دوسرا نهبین ، بین خدامهون اور مجھ ساکو تی نهبین ، ،

تعبیب استلام کے اس قول میں تخریف کی ہے اور صنیم مشکل کو ضمیر خطاب کے تندیل کرکے یوں ترجم کیاہے: وو خداد ند تیراخدا ایک ہی خدا وزرہے یا

اس تخرافی کے ذرایعہ آیت کے بڑے عظیم مفصد کوضائع کر دیا ،اس لئے کہ ضمیر شکلم اس موقعت مہراس لئے کہ ضمیر شکلم اس موقعت مہراس بات برد لالت کرتی سمنے کہ خود علیتی رب نہیں ہیں، بلکہ تربیت کئے ہوئے بندے ہیں، بخلات ضمیر خطاب کے ، بظاہر الیا معلوم ہوتا ہے کہ ارادۃ یہ نخر بین کردی گئی ،

ك يعنى مرفس ١١: ٢٩، والا ارشاد جوا بهي او بركذراب

علی بیکن موجودہ اردو ترجمہ بین شکلم ہی کا صبغہ ہے ، ہم نے ادبر کی عبارت موجودہ اُر دو ترجمہم ہی سے نقل کی ہے ۱۲ ت

البخيل مرقس باب ١٦ آيت ٣٢ ميں ہے:-در دیکن اس د در یا اس گھڑی کی بابت کوئی نہیں جاننا ، نہ آسمان کے

انک د مل نشدث کے اعتقاد کو باط ت کے علم کومرف اللہ کے ں علم کی نفی با امکل اِسی انداز میں کی جسطرہ انٹدے دورسرے عاملہ مس اے اور ان کے درمیان کوئی تفرین نہیں کی تے تو ممکن نہ تھا کہ وہ قیامت کے وقت ص اگر ہے بھی بیش نظر رکھا جائے کہ "کلمہ" اور" افنوم الابن " دونوں کامصدا فی ہے ،اورمبیعے ع اور" کلمہ " اور" اقنوم الابن " بیں اتحادہے ، اور جو لوگ حلو ا ، فأنَّى بن ان کے مذہب کی بناء پراگر ہم اس اتحاد کو بھی نسلیم کرلیں ، یا **فقع کیے نو** کی بنیاد پر جوانقلاب کے قائل میں ، ان کی بات مان لی جائے نواس کا مقتض س ہو، لیبیٰ مسیسے ہی کوعلم نیا مت ہو، اور باپ کوفطعی علم نہ ہ باب کوعلم ہے بیٹے کو بھی صرور ہو، اور چونکہ علم جسم کی صفات بیس ال كيون كم عليسايتون كاعقيده ب كرخداكي صفيت علم يت مين ب ١٢ تفي مرقس کی اس عبارت کی مہ او بل کماکر نے ہیں کہ تحزت مسیح نے یہ حبیم کے اغتبار سے بتلائی ہے ،خلا ہونے کی جندیت سے یا ما سی*ٹ کی چنڈی*ت سے منہیں،م ہے ہیں کہ علم توصیم کو نہیں ہواکر آبا ، اس لئے یہ کہنا ہی درست نہیں ، سینٹ اگٹ ان کے اس کا جواب بال حفزت معين ابني بي خرى مخاط كے لحاظ سے كردست بين كريونكر مس المحي تنصيل شلام اس سئے گویا تمحالے سی میں اس گھڑی کی بابت جا نیا بھی نہیں ،اور اسکی پولس کے کلام كى ہے ، ربسك رائمنكس أف سينظ آگشائى ،ص ١٨٨ج٢) بيكن سوال بر ہے كداكر بيمطلب ليذا ورست اعتبارے باب بھی نہیں جانتا ،اس لئے کہاس نے بھی ابھی کم کسی کو بنیں نبلا یا ، بھر" مگر باب" تشناء کے کیا معنی رہ جاتے ہیں ۹ ۱۲ نفی

کھی نہیں ہے لہا نواس یں ان کا بہ مشہور عذر کھی مذہبل سے گا کہ حفرت میں ہے کے کہ حفرت میں ہے کے کہ حفرت میں کے علم قیامت کی نفی اپنی دان سے ہو کی ہے، ابنے حب رکے اعتبار سے کی ہے ہیں نوب واضح ہو گیا کمیسے علیہ السلام نذبہ لحاظ حبم عبود ہیں، اور نہ کسی دوسرے عتبار سے وہ مجود ہو سکتے ہیں،

الجيلمتي باب آبت ٢٠ بيس ہے: -

داس دفت زبری کے بیٹوں کی اس نے اپنے بیٹوں کے

سائقاس کے سامنے آگر سجرہ کیا ،اور اس سے کچھ عرض کرنے بھی ،اس نے اس سے کہا نوکیا چا ہنی ہے اس نے اس سے کہا ، فرا کہ بہ میرے دونوں بیٹے نیری بارشاہی میں ایک تیری داہنی ... اور ایک نیری بائیں طرف بیٹی میں ، بیبوع نے جواب میں کہا میں ایک تیری داہنے بائیں کسی کو بھانا میرا کام نہیں ،گرجی کے لئے میرے باب کی

طوف سے تبار کباگیا ۱۱ن ہی کے لئے کے ؟ آیا ت ۲۰ ۳۱ ۲۰

یہاں حفرت میسے علیہ السلام نے مراحہ کے ساتھ اپنے آپ سے فدرت کی نفی فرمادی، اور امس کو صرف اللہ تعالیٰ کے سساتھ مخصوص فرمایا، جس طرح اپنے آپیے علم قبیامت کی نفی فرماکر اُسے اللہ تعالیٰ سے مخصوص کیا تھا ، اگر چھزت مسیح عظم جو ہونے

برارشاد كيسے درست بوسكانها ؟ معلى المريخي إن الخارش

ر المجیل مثی باب ۱۹ آبت ۱۹ بین ہے:- سے در در مجھو بابک شخص نے پاس آگر اس سے کہا ہے دنیک

که زبری بوطا تواری اور بعقوب تواری کے والد کانام ہے ۱۲ سک بہی واقعہ الجبل مرفس ۱۳۵،۳۵٪ میں جبی ذکر کیاگیا ہے ، مگر دہاں بعقوب اور بوطا کا ذکر ہے ، بہ بھی ہائیل کی میں جبی ذکر کیاگیا ہے ، مگر دہاں بعقوب اور بوطا کا ذکر ہے ، بہ بھی ہائیل کی نفسا دبیا نیوں میں سے ایک ہے ۱۲ ت سک یہاں نیک کا لفظ مصنف نے نقل کیا ہے ، موری ترجم مطبوعہ سے ایک ہے ۱۲ ت سک یہاں نیک کا لفظ مصنف نے نقل کیا ہے ، موری وہ ہے ، (ایعا المعلم الصالح) اور قدیم انگریزی ترجم وں بیں بھی یہ لفظ بہاں سے صنون کردیا گیا ہے ، وہاں ان تمام ترجموں میں بھی وہ کو اور ان مام ترجموں میں بھی یہ لفظ بہاں سے صنون کردیا گیا ہے ، البتہ یہی واقع المجیل مقس ۱۰ : ۱۲ اور لوقا ۱۸ : ۱۸ بیں بھی ذکر کیاگیا ہے ، وہاں ان تمام ترجموں میں

ونيك" كالفظ اب بك موجود ع ، بوشايداً مُنده اير مشينون مين صدف كرديا جلئ ١٢ لفي

استادین کونسی نیک روں، تاکہ ہمشیر کی زندگی باؤں واس نے اس سے کہا (تو مجھے کیون نیک کہتا ہے وی نیک توایک ہی ہے ؟

یہ ارت دونشلیف کی جڑا ہی کاٹ دیتاہے ، دیکھئے آپ اس کے لئے بھی تیار نہوئے کہ آپ کور نیک کہا جائے ،اگر آپ مجود ہونے تو آپ کا یہ ارت ادب معنی ہونا، اس کے بجائے آپ یہ فرمانے کہ سوائے باپ بیٹے اور روح القرمس کے اور کوئی اس کے بجائے آپ یہ فرمانے کہ سوائے باپ بیٹے اور روح القرمس کے اور کوئی نیک نہیں اور بھر حب آپ نے اپنے حق بیں رونیک ، کا لفظ کہلانا تھی لیے ند نہیں فریا، تو تنظیم والوں کے ان کلمان سے جن کو وہ لوگ اپنی نمازوں میں بھی کہنے ہیں ؛

رائے ہارے رب اورائے ہمائے معبود کسیوع مسیح جس مخلوق کو آئے لینے انفوں سے بنایا ہے اسس کو تباہ نہ کیجئے کیسے راضی ہو سکتے ہیں ہ حمر السری اور انجیل مثلی باب ۲۶ آیت ۴۷ میں ہے:۔

ا در داور نوجی کے قریب یسوع نے بڑی اوازے جلا کر کہا

ابلی، ابلی لیما سَبَنَقْتَنِی ، یعنی اے میرے ضرا اے میرے ضرا ! تونے مجھے ' میوں چورٹر دیا ؟

مجھرآیت میں ہے:۔

مخلف رجموں بین اور اختلاقات بیں ان ی تفصیل کے لئے دیکھے کتاب براصفرہ سادر ۱۳۵۳ ا

دویسوع نے پھر بڑی آواز سے جبلا کر جان دے دی "

اور النجيل لوقاً باب ٢٦ أيت ٢٦ يس ي :-

" بجرببوع نے بڑی آوازہے بکارکر کہا اے باپ! بین اپنی روح تیرے ہاتھوں مدیست اللہ در؟

یہ ارت دہ سیجے ہے معبود ہونے کی فطعی نر دیرکر اسے ،خصوصاً ،حلول مانے والوں کے مذہب کی بناء پر ، با نقلاب کے فائلین کے مسلک پر اس لئے کہ اگر آب معبود ہوتے تو دوسرے معبود سے فریاد کیوں کرتے ، ادر بہ کیؤیکر کہنے کہ اسے میرے معبود ! آپ نے محصے کس لئے جھوڑ دیا ؟ اور شر بہ فرماتے کہ اے میرے باب بیں اپنی روح آب کو سونب رہا ہوں کیؤ بح معبود برون کا آبات ذبل کی بناء پر محال ہے ،

كتأب بسعياً وباب مهم أبت ٢٨ بي

، کیانومنیں جانا ، کیاتونے منہیں سناکہ خداد ندخدائے ابدی دنمام زمین کاخالق کتب معدسه می رفیسے عبور کومون نهیں آسیکنی

مخفکنانہیں اسکی حکمت ادراک سے باہر ہے '' اسی کماب کے باب ۲۲ آبت ۲ بیں ہے:۔

" خداد ندامرا تیل کا بادست ه ادراس کا فدید دینے دالارتب الافواج لوں فرماً ا ہے کہ بیں ہی اور بیں ہی آخر ہوں اور میرے سواکوئی خدانہیں 'ؤ سند میں ہے کہ بیں ہی آخر ہوں اور میرے سواکوئی خدانہیں 'ؤ

اوركتاب برمياه كے باك آيت ١٠ بين -:

دد میکن خداد ندسیا خدا ہے ، وہ زندہ خدا اور ابدی بادش ہے ،

اور کتاب جبقوق باب ادل کی آبیت ۱۱۲ سطرح ہے:

ود اے نعدا و ندمیرے خدا! اے میرے فدوس اکیا توازل سے نہیں ہے راور لونہیں

48-

اور تیتیس کے نام پہلے خط کے باب اوّل آیت کا میں ہے:ررب از بی بادشاہ بینی غیر فانی نا دیرہ دا صدفعلی عوت اور تجیر ابدا الا باد ہوتی ہے ''
رب جو دات معبود دائمی ہو، اور کمز وری اور تھی کاوط سے بلک ہو، لا زوال اور غیر فانی ہوہ وہ کی طبح ہود ہو گئی ہے ، کیا ایک فانی اور عاجب نرج معبود ہوسکتی ہے ، کیا ایک فانی اور عاجب نرج معبود ہوسکتی ہے ، نوبہ تو بد با بلکہ حقیقت یہ ہے کہ سے معبود دو ہی ہے جس سے عبینی علیم السلام عیسائیوں کے خیال کے مطابات اس وقت بکار کر خیال کرر ہے تھے ، اور نعجب یہ کہ یہ لوگ اپنے معبود کے مرجانے پر اکتفاء نہیں کرنے ، بلکہ یہ عقیدہ رکھتے ہیں کہ وہ مرف کے بعد خبنی مربانے کے الصلاۃ مطبوعہ انسان طرح نقل مربان کے مرف کے السلاۃ مطبوعہ انسان کی کہتے ہیں کہ دی عقیدہ کیا ہے۔

الصلاۃ مطبوعہ میں داخل ہوا۔۔

الصلاۃ مطبوعہ انسان کے سے اس طرح نقل بھو سے کے الصلاۃ مطبوعہ انسان کی سے اس طرح نقل بھو سے کے العد عہنم میں داخل ہو ہے۔

ود حس طرح مسیح ہمائے لئے مرے اور دفن ہوئے اسی طرح ہم کو بیعقبدہ مجھی رکھنا لازم ہے کدوہ جہنم بیں واخل ہوئے '؛

پادری فلیس کواو تولیس کے احمد الشریف بن زین العابد بن کے رسالہ کی تردبہ بن عربی عربی کے رسالہ کی تردبہ بن عربی کرناب محمد عربی کا بام خیالات فلیس رکھا ، برکناب رومة الحربی کے علاقہ لبسلوقیت بیں سول کے علاقہ لبسلوقیت بیں سول کے علاقہ لبسلوقیت بیں سول کا بک نسخہ عاربین کے علاقہ لبسلوقیت بی الحکم کی انحکریزی لائبر ریبی سے ملاء بادری موصوف نے اپنی ساکتاب بیں یوں مکھا ہے ، -

ور جس نے ہماری رہائی کے لئے تھ اٹھا با ہے ، اور دوز خ بیں گرا، ہیر تیسے دن مردوں کے درمیان آٹھ کھڑا ہوا الح "

وسخر گذشته کا حاشیں ملہ اظہارا لی سے دولوں سنوں میں یہی الفاظ مذرور ہیں مبکن ہمائے پاس جنے قدیم وجد بد ترجے بیں ان سب میں اس کے بجائے اور ہم نہیں مرس گے " کے الفاظ ہیں ، ظہارالی کے انگریزی تراجم نے بہ جملے ہی سرے سے تفل بہیں کیا ، البنہ و کیا توازل سے الح کے اور بربیر بین اتبهانی شبیس کے عقبہ ای کے ذیل میں حبس برتمام عبسائی ایمان رکھتے ہیں، تفاق بین ساباط کہتے ایمان رکھتے ہیں، تفظ " ہیں اللہ موجود ہے جس کے معنی جہنم ہیں، جواد بن ساباط کہتے میں کہ نہ

در بادری مار طیروسس نے مجھ سے اس عقبدہ کی توجیبہ کرنے ہوئے کہا کہ جب
میسے نے انسانی جسم کو قبول کبا قناس کے لئے طروری ہوگیا کہ تام انسانی عوارض
کو قبول ادر برداشت کرے، لہذا وہ جہنم میں بھی داخل ہواا ور عذاب بھی دیا
گیا،اور جب جہنم سے بحلا قواہنے ساتھ ان تما م ہوگوں کو جوجہنم میں سیرے کے داخلہ
سے قبل موجود نضے جہنم سے بحال لا یا میں نے اس سے دریا فت کیا کہ کیا اس
عقیدہ کی کو بی دلیل نفلی بھی ہے، کھنے لگا کہ اس سے دریا فت کیا کہ کیا اس
مہیں،اس پراس مجلس کے بشرکاء بیں سے ایک عیسائی نے بطور طرافت کے کہا
کر بھرتو باب بڑا ہی سنگدل نظا،ور نہ اپنے بعثے کو ہرگر جہنم میں جانے ندویتا، یہ

PRAVER BOOK &

 باب بجهارم

مشنكر بإدرى مذكور نے غفتہ ہوكراس محلبس سے معترض كو بىكلوا دبا، يەشخص میرے پاکس آیا اوراس لام فبول کیا ، گراکس نے مجھ سے برعبدلیاکہ "احیات اس کے مسلمان ہونے کا اظہار کسی سے ذکروں " ت مر محنو مين مهما المريم مطابق شه ماري بين ايك برأ من مهور بادري في ولف المي آيا أجوابين لية الهام كاتحبي دعوى كرنا نفا اوراس كابير دعوى بجي تفاكره علی کازول می ۱۸۲۷ میں ہوگا، اس کے اور شیع محتر کے درمیان اس بارے میں زبانی اور تخریری مناظرہ ہوا، شیع مجنہدنے اس سے اس عقید کی نسبت عجی سوال کیا كين نكابيث كمينتي حكيم مين داخل بوت اورانهين عذاب دياكيا، ليكن اكس مين کو تیمضاً گفتہ نہیں،اس لئے کہ بہ جہنم کا داخلہ اپنی امّن کی نجات کے لئے تضا؛ عیسا بیو^ں كى بعض فرقے اس سے بھى زيادہ فلبنج اعتفادر كھنے ہيں، بل اپنى تار يخ ميں مرسيكوني فرفنہ کابیان کرنے ہوئے کہنا ہے :-

وداس فرف کا عفیدہ برسے کر عبیلی مرنے کے بعد داخل جنہم ہوا، اور فابیل اور امل ستردم كى روحول كونجات دى ،كونكه برسب و ما موجود عظه ،

نیز براوک خالِن مشرکے فرا فرر دارد میں سے نہ تھے ، اور ہابیل ادر حصرت لوح ادرابرامهم اوردوسر صلحاء متفرسين كى روسول كوبرستورجيني مس باتى ري دیا، کیز کر بیسب پہلے فریق کے مخالف غفے اوراس فرقہ کا یہ مجمی عفیدا ہے کہ خالن عالم اس خدا بین مخصر بنین جس نے عبیلی کو بھیجا تفا ، اوراسی سبسے برفرفد عبد علین کی کتابوں کے الہامی ہونے کامنکرے الخ

س اس فرقه کاعقبده جیند چیزوں برستنل ہے:-

له جسه مرقع فی کھتے ہیں، اس فرقہ کے مفصل تعارف کے لئے دیکھے صالت بے اور صوف کے محامثی ۱۲ ت کے سروم (SADOM) فلسطین کا وہ شہریماں بھزت لوَّ طامعوت فرلے کئے تھے اوراسے انکیبرعنوالیوں کی وجرسے ایک ہو لناک عذاب کے ذرابعہ تباہ کردیاگیا ،اس تباہی کا واقعہ فزان مرم سورہ ہودا درکتا جبہ رکش باق میں موجود ہے، آج بہاں بحرمیت بہتا ہے ١٢ تفی

اظهارالخني حبكه دوم بابجهارم 464 ایک به کهساری روچس خواه وه امنیاء اورصلحاء کی هون یا بد بخنو س کی عدیلی علیه السلام ك دا فل جهم مونے سے فبل عذاب بيس منسلا تفيس، ددسرے بیرک عیسلی جہنم میں واخل ہوئے ، سرے بیرکہ عیبلیء نے بر بختوں کی روحوں کو عذاب سے منجات دی اورانبیاء وصلحاء كى رويون كوجهنم من باتى ركها، چو تھے بہ کرصلحاء عبیبی عدمے مخالف اور بریخت لوگ عبیبی کے موافق تھے، بایخوین به که خالق عالمهٔ ومعبود میں ، ایب بنگی کا خالق ، دوسسله بدی کا ،اور خداکے رسول اور باقی تنام مشہور انب بیاء دوسرے خدا کے بینجر ہیں ، عصط يركم عب مِ علين كى كنابون الها مي نهين بي، منران الحن کے مصنیف نے اپنی کتاب حل الاشکال میں رحو کشف جواب میں تھھی گئے ہے) **یوں کہاہے کہ** : ۔ " سبی بات تو سے کے مسبحی عقید ہ میں برچز موجود ہے کے عیسی داخل جہنم موسے ، اورتسيرے روزنكل آئے ،اور آسمان برجود كي، بيكن اكس موقع برجنم سے مراد و او س ارسے جرمنم اور فلق اعلیٰ کے درمیان ایک مقام سے ، اورمطلب بہ سے کہ عبیلی مراط میں واخل ہوئے ، تاکہ دبل کے لوگوں کوا بنی عظمت وجلال کامشاہر م کرائیں ،اوران برنطا ہرکر دیں کہ میں مالک حیات ہوں ،اور یہ کہمیں نے سولی برجرطھ

کراورمرکر گناه کاکفاره دے دیا ۱۰ورست بطان وجہنم کومغلوب اور ایمان والوسے

لئ ان وفول كوكالعدم بناديا الموسي

اقل نوبیرتناب الفتلون اور پادری فلیس کو اونولیس کے ظاہر کلام سے اور پادری مادطیر وسی اور بیست ولف کے صراحت برعقید عقید و اتنہائی شیس سے بر بات است ابت بابت ہو جگی ہے کہ جہنم کے حقیقی معنی مرادیس ، اور خودصاحب میزان المحق نے بھی است کا اعتزاف کیا ہے کہ بہ بات اس عفیدہ بین موجود ہے ، بھر لبغیرکسی دلیل نظاویل کی ہے جو قابل قبول نہیں ، ان کے ذمہ صروری ہے کہ وہ اپنی مذہبی کتب سے یہ جنی ابت

كرين كه فلك اعلى اورجهنم كے درميان ايك مقام ہے ، حبى كا دام فر م وس اسے بجران كنابول سے يه بنوت تھي پيش كريں كہم ميں مطيح كا داخلماس غرض سے تھا تاکہ وہاں کے لوگوں کوا بنی عظمت وجلال کامشاہرہ کرا میں اور مالکِ حیات ہو میرکریں ، بھریربات اس وفت اور زیادہ کمزور موجاتی ہے ، حب یہ دیکھا جا آ ے کر مع<mark>کائے بوری</mark> کے نز دیک افلاک کا کوئی وجو دہی حقیقتاً تہمیں ہے ،اورسانو ہو علمائے بروٹسٹنٹ ان کی اس رائے کوتسلیم کر کے ان کی بہنوائی کرنے ہیں ، بھر بر توجیر ان کے زعم کے مطابق کیو حکر درست ہوسکتی ہے ہ ام ہ اگر میں کی صورت سے نو وہاں کے رہنے والوں کو اسٹ تنبیہ کی کیا عزورت،اس ا کے کہ وہ تواس سے قبل ہی راحت و عیش کی زنر کی گذار رہے ہیں ،اور اگردوسری شكل ب تواس ماديل كاكوئى فائره اورنتيجر منهي ،كيو بحارواح كادوزخ عذاب و تکلیف ہی کا مفام ہوسکتا ہے ، بسے علی السّلام کا کفارہ | تیسری بات یہ ہے کہ شولی کی موت کا گنا ہوں کے لئے کفارہ ہوجانا قطعیعقل کے خلاف ہے ،کیونک اسس گناہ سےمراد بنجانا عقل کے خلاف اسپے اسب بیوں کے خیال کے مطابق وہ اصلی گناہ ہے جو آدم علیرالسلام سے صادر میوانفا، ندک وہ گناہ جو آن کی اولادسے صادر موعے یا ہوتے ہیں اوریہ بات عفظاً درست نہیں کہ اسس گناہ کی سزا ان کی ولاد کوری جائے ،اس لیے کہ اولاد باب داد وں کے جرم میں ماخوذ تہیں ہوسکتی، جس طرح که اولاد کے گنا ہوں کی حہے بابدادوں کو بہیں بروا جا سکنا ، بلکہ یہ جیزانصان کے خلاف ہے ، جنائج نناب حز فیال کے اعظار ہویں باب کی آبت ۲۰ میں اس طرح کہاگیاہے :۔ " باب بيا ك كناه كالوجم نهس الطائ كا، اورىد باب بين في كناه كالوجم، صافي كى صداقت اسى كے لئے ہو كى اور شرير كى شرارت مشترم كے سے "

ك اسعقيد كى تفصيل كے ليے الاحظر فراعے بمفدم ص ٥٥ ج اوّل

مجر حویقی بات یہ ہے کہ اسٹ کیا مطلب ہے کہ سنیطان کوموت ہے اس با دیا کیز کرسٹیطان ان کی انجیل کے نبصلہ کے مطابق صرت میں ہے کی پیدائش کے قبل سے ہی ابدی بیر بوں میں مقبیداور گرفنارہے، یہودا کے خطکے کی جھٹی آبت اس طرح ہے د اورسن فرشنوں نے اپنی حکومت کو فائم ندر کھا، بلکہ اسے خاص مقام کو چھوٹر دیا، ان کواس نے دائمی فبرس اریک کے اندرروزِعظیم کی عدالت تک رکھا ہے " بھر تعجب بالائے تعجب یہ ہے کہ عیسائی اپنے مفرو صنب معبو دیے سرحانے اور دوزخ بین جانے بر اکتفاء نہیں کرنے ، بکداسٹ برنبسری بات کا بوں اضافہ کرتے ہیں كه وه ملعون تجيي بهوا، خداكي بناه إاور سينهج كالملعون مهونما نام عبسائيوں كومسكم سع اور صاحب میزان الحق نے تھے اس کوسلیم کیا ہے ،ا در اپنی کتا بوں بیں اسس کی تصریح بھے کی ہے ،اور نو نور ان کے مقدس بولس نے کھی اپنے خط میں جو گلتیوں کو بھیجا گیا تف نیسرے باب کی نیرھوں آیت میں تھر کے کی ہے کہ ا۔ " مستع بو ہالے لئے معنی بنا ،اس نے ہمیں مول لے کر مشر لعین کی لعنت سے جیم لا كيؤ كر كما سے جوكوئي لكراى برافكا باليادہ لعنني ہے اورھانے نزدیک اسس مکروہ لفظ کا استنعال کرناہین ہی قبیح ہے، بلکہ الله نغالي كولعنت كرنے والے كو تؤربين كے حكم كے بموجب س ہے، بکہ وسکتی کے زانہ میں اس جرم برایک منص کوسنگ رکیا جا جکا ہے، جانج مفراحبار کے بات ۲۲ بیں یہ بات صاف طور سے ذرکور ہے ، بلکہ ال باب کو معنت كرنے والا بھى واجب الفنل ہے ، حيب عيكم الله كو معنت كرنے والا، جساكم كتاب مذكور كے بات ميں مركورہے -انوال ارشاد الجل لوحنا بالباتية بن ما بين بي كرمفزن ميسم على السلام ک یہ تدریت کی اس عبارت کی طرف اشارہ ہے بہتے پھالسی ملتی ہے وہ خوا کی طرف سے ملعون ہے الله المر المر مناهفات السالات مد فورد المساليكي فبرير أيس خفيس توقع توخان إلم يااو

デージャーデー 11は、一

" مجھے رہھے ، کیونکہ بیں اب بم باپ کے باکس اوپر نہیں گیا، لیکن میرے بھا بیوں کے پاس جاکر ان سے کہ کمیں اپنے باپ اور متھا کے باب اور اپنے ضرا اور متھا ہے خداکے پاکس اوپر جاتا ہوں "

مَا قُلْتُ لَكُ مُ إِلاَّ مَا اَ مَرْتَ فِي بِهِ اَنِ اعْبُدُ وَلِيْهُ رَبِّ وَرَبَّكُمُ اَ مَا اَ مَرْتَ فِي م " ين فان سے اس كے سواكي منہيں كہا تفاجس كا حكم آپ نے مجھے ديا تھا، يعنى يد ور درگارہ اورميرا بھى "

ف و الجیل یوخاکے باب ۱۳ آیت ۲۸ بین حضرت مبیع علیالسلام کاارث داس طرح منفول ہے ؟۔

دد باب مجهس بداب "

اس میں بھی فرہ اینے معبود ہونے کا اکار فرارہے ہیں، کبونک انٹیکے برابر بھی کوئی نہیں ہوسکنا، جہ جائیک اس سے بڑا ہو،

کے لہذایوں بھی بہیں کہاجا سکنا کہ آب نے بہود یوں کے خون سے اپنا معبود اور خدا ہونا واضع طور سے بیان مہیں فرما یا تفا ،کیونکو اب نوکسی کا خوف ند تفاء ۱۲ نفتی

نواں ارت و الجیل ایون باب ۱۸ آبت ۲ بین آب کا روث داس طرح ذکر کیاگیا ہے :-

"جو کلام تم سنے ہودہ میرا نہیں، بلکہ باب کا ہے جس نے مجھے بھیجاہے '' لیجئے اس میں توصاف موجودہے کہ میں صرف رسول اور پینیم بہوں، اور جو کلام تم سنتے ہووہ استٰر کی طرف سے آئی ہوئی وجی ہے ،

الجيل متى باب ٣٦ يس سے كر آب نے اسے شاگردوں كو خطاب كرتے ہوئے فرما يا: -

د سواں ارتشاد

رداورزین برکسی کوابناباب ندکهو، کیونکو تمتھاراً باب ایک ہی ہے ، جو آسمانی ہے اور نہتم ہادی کہلاؤ ، کیونکو تمقارا ہادی ایک ہی ہے بعی میسے " دا یات ۱۰،۹)
اور نہتم ہادی کہلاؤ ، کیونکو تمقارا ہادی ایک ہی ہے بعی میسے " دا یات ۱۰،۹)
اسس میں بھی یہ تقریح فر ہادی گئے ہے کہ انتدا یک ہی ہے ، اور میں مرف ہادی ہوں ،
انجیل متی کے باب ۲۹ آیت ۲۳ میں ہے کہ:کیا رہوال رہاد

ایا، اورای شاگردوں ہے کہا یہیں بیٹھے رہنا، جب یک کمیں وہاں جاکر دعاء کر وں ، اور بھرس اور زبری کے دونوں بھی رہنا، جب یک کمیں اور بے قرار ہونے کہ دونوں بھی بیاں تک کہ مرنے کی نوبت ہونے گئی ہے ، تم بیاں ٹک کہ مرنے کی نوبت بہتے گئی ہے ، تم بیاں ٹک کہ مرنے کی نوبت بہتے گئی ہے ، تم بیاں ٹھے داور میرے ساتھ جاگتے رہو ، بھر ذول آ کے بڑھا ، اور میزے باب اگر ہوسکے تو یہ بیالہ مجھ سے طل میزے بل کر کر بوں دعاء کی کراہے میرے باب اگر ہوسکے تو یہ بیالہ مجھ سے طل جائے ، تو بھی نہ جسیا ہی جا ہتا ہوں بلہ جبیا توجا ہتا ہے رولیا ہی ہو ، بیر اگر دول کے باس آکر ، بھر دوبارہ اس نے جاکر لوں دعاء کی کہ اے میرے باب اگر یہ مرب باب کہ کر تیسری بار دعاء کی گئا (آیات ۲۹ تا ۲۷)

اله لینی لوحنا اور لیقوب، که اس سے مرادمون کا پیالہ سے ۱۲

سه يرالفاظ اظهارالني سي سبي بين ١٢

ان آیتوں بیں حفرت میں علیا سلام کے اقدال وافعال سے یہ بات نابت ہو جاتی ہے کہ وہ اپنے آپ کو خدا نہیں ، خدا کا بند ہ سمجھتے تھے ، کیا کوئی معبو دغمگین اور نجیدہ ہو سکتا ہے ؟ اور کیا وہ دو سے رمعبو دکے لئے نماز برط ھتا اور گڑ گڑا آ اہے ؟ نہیں خدا کی قسم نہیں ؟ اور حب کر حفرت مستنے کی ذات گرامی نے اس عالم میں آکر حب مانی لباس بہنا تاکہ ان کے خون سے سال عالم جبنم کے علم اب سے جیٹ کارا یائے ، تو بھی ررخب رو برا یا جانا اور عملی ؟ اور اس دعاء کے کیا معنی کہ اگر اکس بیالہ کا بھا یا جانا ممکن ہو تو بھا د سے ج

ار ہواں ارت و اسان کے بیٹے کے انفاظ سے نعبیر کرنے جبیاکہ مرد جرا انجیل ار ہواں ارت و کوانسان کے بیٹے کے انفاظ سے نعبیر کرنے جبیاکہ مرد جرا نجیل

کے ناظرین سے یہ بات پوسٹیرہ مہنیں ہے مثلاً آیات ۲۰ باب و آیٹ ۲ باب ۹ دیم اور سے یہ بات ہوں ہے مثلاً آیات ۲۰ باب و آیت ۱۸ باب و ۱۳ و ۱۳ و ۱۳ و ۱۳ و ۱۳ باب اب اب اور اسی طرح دو سری باب د آیت ۲۷ باب و ۱۳ و ۱۳ باب انسان ہی ہوسکتا ہے :۔

ا شلا ابن آدم ابنے باب کے حلال میں اپنے فرشنوں کے ساتھ آئے گا الح "رمتی ١١: ٢٠) اسی کنام

تنمیسری فصل نصاری کے دلائل برایک نظر

مقدم کے پانجویں اصول سے یہ بات معلوم ہو جگی ہے کہ بوطاکا کلام مجاز سے
ہمرا ہوا ہے، اور شا ذو نادر ہی کوئی فقر ہ الیما طے کا جو تادیل کا مختاج سنہو،
اسی طرح مقدم ہے جھٹے اصول سے یہ بھی وا صنح ہو چکا کہ مشیحے کے اقوال
میں اجال بخرت یا باجانا ہے، اور وہ کھی اس قدر کر اکثر اوقات ان کے معاصر بن
اور شاگر د بھی اس کو نہ سمجھنے تنفی، "اوقت یک نودمیشر اس کی تفسیر نہ فراویں۔
اسی طرح بار ہویں نمبر سے یہ بات معلوم ہو چکی ہے کہ حضرت مطیح نے آسماں پر
تشریف نے جانے یک کبھی کبھی اپنی آئو ہمیت اور معبود ہونے کا ذکر اس طرح وصل اس کے ساتھ مہدیں کیا جس میں ذراسی بھی سند بال کرتے ہیں وہ عمواً اور انجیل کے ساتھ مہدیں کیا جس میں ذراسی بھی سند بال کرتے ہیں وہ عمواً اور انجیل کے ساتھ مہدیں گاؤال سے عیسائی معزات است نہ لال کرتے ہیں وہ عمواً اور انجیل کے وہا اس منقول ہیں ، ان اقوال کی ثین قسمیں ہیں ،
یوحا سے منقول ہیں ، ان اقوال کی ثین قسمیں ہیں ،
یعض اقوال تو وہ ہیں جو اپنے حقیقی معانی کے لمحاظ سے ان کے مقصود پردلالت

ہی ہہیں کرنے ، اکس لئے ان اقوال سے بہتم جما کہ حصرت بہتم خوا تھے محص ال کازعم باطل ہے ، اور ہے استنباط اور زعم دلا مل عقلبہ وقطعیہ اور نصوص عیسویہ کے منفا بلہ میں نہ جا گرنے ہے ، جبیا کہ گذرت نہ دونوں قصلوں سے معلوم ہو جبکا ہے ، اور بعض افوال ایسے میں کہ ان کی تفسیر والجیل کے دو سے رمنفا مات اور شیح کے دوسر سے ارشادات سے ہوجاتی ہے ، اس لئے ان میں بھی عیسائیو اور شیح کے دوسر سے ارشادات سے ہوجاتی ہے ، اس لئے ان میں بھی عیسائیو کیا ہی تفاسیہ کا اعتبار مہدں کیا جا سکتا ، اور بعض افوال ایسے ہیں جن کی تا ویل تو بی عیسائیو عیسائیو کہنے ہیں کہ تا ویل تو بھر می عیسائیو کہنے ہیں کہ تاویل ایسی ہونی جا ہے کہ جود لائل اور نصوس کے خلاف نہ ہو ، کہنے ہیں کہ تاویل ایسی ہونی جا ہے کہ جود لائل اور نصوس کے خلاف نہ ہو ، اس لئے بیساں ان کے تمام افوال کو نقل کرنے کی چنداں صرورت نہیں ہے اور باقی کواسی برقیاس کر ہیں ، اور باقی کواسی برقیاس کر ہیں ،

ہملاا سندلال خلاکا بیا است ہملاا سے ہملا المخیل کیان آیات مہلا استندلال خلاکا بیا است است ہمانی سے ہمانی میں مضرت میں

علاج الم كوخدا كا بدیا كها گیا ہے ، بیكن به دلیل دو وحبسے انتہائی كمزورہے : __ اقل تواسس ليځ كربه أيتيں ال آيتوں سے متصادم بهر جن بين حصرت ميتے كوانسان كا بيا كہا گياہے ، اسى طرح حصرت مشيعے كو داؤدكا بيا كہنے كے بهى مقارض بيم لهذا اس قسم كى تطبيق عزورى ہے كہ جوعقلی دلائل كے بهى مخالف نه ہو ، اور محال

دوسے راس کے کہ ابن "کو اس کے حقیقی معنی میں لبنا درست تہیں ہو سکتا ،کیو نکیاس کے معنی نمام جہان کے اٹمہ لغت کے نزدیک متفق علبہ طور پریہ

مع مثلاً منى ٢٧ ، ٢٣ و ٣ ، ١٤ اور بوعنا اد ١٨ و ٣ و ١٦ د ١٨ و ا ع يوعنا مم :

كه الجيل مين ساط جگر آب كوابن آدم كهاكيا معه، (نويدجاويد)

مل جبیاکمتی ۱:۱ و ۹:۲۱،۲۷:۹ ولونا ۱ و۳۳ بس آب کا (داؤد کا بینا ہی کہاگیاہے،

ہیں کہ ہوشخص ال باب دونوں کے مشترک نطفہ سے ببیرا ہوا ہو اور بیہ معنی بیہاں بر محال ہیں ،اس لئے کسی ا بیسے مجازی معنی بر محمول کر نا عزوری ہے جو مشبح کی شان کے مناسب بھی ہوں ، با کخصوص جبکہ انجیل ہی سے یہ بات بھی معلوم ہو چکی ہے کہ بیر افظ مسیح ، کے حق میں راست بازشخص کے معنی بین ستعمل ہوا ہے ، چنا بجنہ ابجیل مرقس کے بندر ہو یں باب کی آبیت ۳۹ میں ہے :

الادرجوصوبر دار اس كے سامنے كھ انتها اس نے أسے يوں دم ديتے ہوئے ديكھ كركم بيت ادى خداكا بياتها ؛

اورلوزفانے اپنی انجیل کے باب ۱۲۳ بیت ۲۷ بس استصوبہ دار کا قول اس طرح نقل

كيك:

" الله المجارد كيوكرصوبه دارنے خداكى تبحيد كى ادركها بيشك يرادى راستباز تھا!
محيطة الجيل مرفس ميں "خداكا بينا "كالفظ اور الجنيل كو قاميں اس كے بجائے __
رُّستنباز "كالفظ اكسنهال بهوا، بلكه اس لفظ كا اكسنتمال صاكح شخص كے معنى ميں مستبر كے علاوہ دوسروں كے ليے مجبى اس طرح كبا گياہے جس طرح بدكار كے حق ميں "ابليس كا بينا "كهاگياہے ، جنا مخب الجيل منى كے باهب ميں ہے:
ميں "ابليس كا بينا "كهاگياہے ، جنا مخب الجيل منى كے باهب ميں ہے:
د مبارك بين دہ جوصلح كواتے بين كيونكوه خدا كے بينے كہلا يُس كے "

بھرآیت ۲۲ میں ہے:

ور لیکن بین نم سے کہنا سے کہنا ہوں کہ اپنے دشمنوں سے محبت رکھوہ اور اپنے ستانے والوں کے لئے دعاکر و را پہنے بغض رکھنے والوں کے ساتھ اچھاسلوک کر و ،اورجولوگ محین کا لیاں دیتے ہیں ان پررجم کروئ کاکہ تم اپنے باب کے جو آسمان پرہے بیٹے محین کا لیاں دیتے ہیں ان پررجم کروئ کاکہ تم اپنے باب کے جو آسمان پرہے بیٹے محیم و " را بات مہم ، ۵م)

له یعنی حزت میسے کو ۱۱ ن

کله نوسین کی عبارت مصنف نے نفل فرمائی ہے، فدیم عربی اور انگریزی تراجم میں بھی موجودہ ، گرجد بدارد واور انگریزی تراحموں میں مزجانے کس مصلحت سے اس کو حدف کردیا گیا ہے ١٢ ت ملا خطہ فرمایئے ، یہاں حفزت عیبی علیم السلام نے صلح کرنے والوں اور مذکورہ اعمال کرنے والوں برا خدا کے بیٹے ، کا اطلاق فر مابلہ ، اور اللہ کوان کی نسبت سے باب فرار دیا ہے ، اس کے علاوہ ابخیل یو حنا کے باب بیں حضرت سے علیاسلام اور یہود نوں کے سوال وجواب بیان کرتے ہوئے آب کا در سے داس طرح نفل کیا گیا ہے : -

" تم این باب کے سے کام کرتے ہو ، انہوں نے اس سے کہا ہم حرام سے بید ا مہیں ہوئے ، ہما را ایک باب ہے بعنی خدا ، بسوع نے ان سے کہا اگر خدا تمحارا باب ہو تا تو تم مجھ سے محیت رکھتے "

اس کے بعد آیت ہم میں ہے:

«تمای باب ابلیس سے ہوادر اپنے باب کی خوا ہشوں کو پوراکر ناجا ہے ہو، وہ شروع ہی سے خونی ہے ہو، وہ شروع ہی سے خونی ہے ، اور سپائی ہے نہیں مشروع ہی سے خونی ہے ، اور سپائی ہے نہیں حب دہ جھوٹ کا حب دہ جھوٹ کا حب دہ جھوٹ کا حب دہ جھوٹ کا

بای ہے "

ب بہودی مرعی تنظے کہ ہمارا باب ایک ہی ہے ، لینی اللہ اور مسیح عمر کہنے سے کہ نہیں، بلکہ تمصارا باب شبطان ہے ، اور ظاہر ہے کہ اللہ اور شبطان هیں علی کے لحاظ ہے کہ اللہ اور شبطان هیں علی کے لحاظ ہے کسی کے بھی باب نہیں ، اس لئے اکس لفظ کو معنی مجازی پر محمول کرنا هزوم ہے ، مقضو دیہود کا بہ تھا کہ ہم نیک اور ضرا کے قرما نبر دار ہیں ، اور مسیح کو مراد یہ تھی کہ تم ہرگز ایسے نہیں ہو ، بلکہ تم برکار اور شبطان کے فرماں بر دار ہو ، یو حالکے بہلے خط باب آیت ۹ بیں ہے ،

ربوکوئی خداسے بیدا ہولہے وہ گناہ نہیں کرتا ،کیونکہ اس کانخم اس میں بنار ہتا ہے بلکہ دہ گناہ کر ہی منہیں سکتا ،کیو بحر خداسے بیدا ہولہے ،اسی سے خدا کے فرزند اور ابلیس کے فرزند نا ہر ہوتے ہیں '؛ را بات و دس

اسی خط کے پانچویں باب بیں ہے: -

د حس کا یہ ایمان ہے کدسیوع ہی سیے ہے وہ خداسے بیدا ہواہے ،اورجو کو تی والدسے محبت رکھنا ہے وہ اسکی اولاد سے بھی محبّن رکھنا ہے ،حب ہم خدا سے محیت رکھتے اوراس کے حکموں برعمل کرنے ہیں تواس سے معلوم ہوجا آہے کہ خداکے فرزندوں سے بھی محبت رکھتے ہیں ا ومیوں کے نام خط کے باب آبت ۱۲ میں ہے: " اس لئے کہ جنتے خدا کی دوج کی ہدا بیت سے صلے ہیں وہی خدا کے بیٹے ہیں " اور فلیبوں کے نام خط کے بات آبت ۱۲ میں کپرکس رخمطرا زہے ؛ "سب کام شکایت اور تکرار کے بغرکیا کرو ، تاکہ تم بے عیب اور بھونے ہو کر شرط ھے اور کجرو لوگ سین ضراکے بے نفض فرزند بنے رہوئ یہ اقوال ہماںے دعوے پر وضاحت سے دلالت کرتے ہیں ،اورجب کم لفظ الله " دغیرہ جیسے الفاظ کے استعمال سے الوہین "نا بن نہیں ہوتی ، جیسا کہ خندمہ کے امررا بکتے سے معلوم ہو چکا ہے تو 'ابن اللّٰہ ، جسبے الفاظ سے کیو کڑیا بت ہوسکتاہے ؟ بالخصوص حب کہ ہارے پیش نظرعہد متنق و صدید کی کتابوں میں مجاز کابے شمار استنعال تھی ہے، جبیاکہ مفدمہ سے معلوم ہوا، اور تیرخاص طوسے جب کہ دونوں عہد وں کی کتا ہوں میں بے شمار منفامات برباب اور بیٹے کے الفاظ كااستعمال بایا جانا ہے ، جن میں سے ہم كھے نمونے كے طور يرنقل كرتے ہيں ،-الوقائے اپن الجیل کے بات بین بسیح علیہ السلام کا نسب بیان کرتے ہوئے کہاہے کہ :-ار وہ پوسف کا بیٹا اور آدم ضرا کا بیٹا ہے'؛ ورطاہرہے کہ آدم علیہ استام حقیقی معنی کے لحاظ سے خدا کے بیٹے نہیں ہی،اور الراب كے بيدا ہوئے ،اس لئے ان كو الله كى طرت منسو اردیااور انسس موقع برلوقانے برا اسی مبہزر بن کام کردیا ہے، دہ بہکہ له د محصة ص ٨٦٨ جدادل، ته د محصة ص ٨١٨ ، جداول ،

چ نکہ بغیر باپ کے پیدا ہوئے اس لئے ان کو یوسف نجار کی طرف منسوب کر دیا ، اور آدم علالیہ للم بچ نکہ بغیر ماں باپ کے پیدا ہوئے اسس لئے ان کو اللّٰہ کی طرف منسوب کر دیا ، منسوب کر دیا ،

اس کے علاوہ خروج کے بالب آیت ۲۲ میں اللہ نغالیٰ کاارے اس طرح _ در ہے ؛

"اور فرعون سے کہناکہ خدا و ند بوں کہناہے کہ اسرائیل میرا بٹیا بلکہ میرا بیہو تھاہے اور بین تحقیے کہر بیکا ہوں کہ میرے بیٹے کوجانے دے ، تاکہ وہ میری عبادت کرے اور تونے اسے اب تک جانے دینے سے انکار کیا ہے ، سود بچہ بیں تیرے بیٹے اور تونے اسے اب تک جانے دینے سے انکار کیا ہے ، سود بچہ بیں تیرے بیٹے کو مار ڈالوں گا '' (آیات ۲۲ و ۲۳)

اسس عبارت بين دوجكه اسرائيل كود خداكا بينا "كهاكيات ، بلكر بيهو عظم "كا لفظ استعال كمالكات ي

(٣) تربور تمبر ٨٨ آيت ١٩ بين الله تعالى الله خطاب كرتے ہوئے حضرت داؤد علميه الله م كارث داس طرح نقل كيا گياہے :

"اس دفت تونے رؤیا میں اہنے مقد سوں سے کلام کیا، اور فریا یا کہ میں نے ایک ہوت کو مددگار بنایا ہے ، اور قوم بیں سے ایک کوئی کرسے فراز کیا ہے ، میرا بندہ داؤر مجھے محجھ مل گیا ، اہنے مقد کس تیل سے بیں نے اسے مسح کیا ہے وہ مجھے پکار کر کھے گاتو میرا باب میرا خلا در میری نجات کی چٹان ہے ، اور بیں اس کو اپنا پہلو تھا بناؤ گا اور دنیا کا سنسے نشاہ 'و را یان ۱۹ تا ۲۷)

دیکھئے ایمہاں انٹر کے لئے "باپ "کالفظاور داؤد علیات کم کے لئے "زبرد چُنا ہوا "مبسے اور" انٹر کا بہلو تھا" بجیسے الفاظ استعمال کئے گئے ہیں ، سی کتاب برمیاہ کے بالگ آیت و میں باری تجالا کلامٹ واپس طرح منہ استخ

کتاب برمیاه کے بالت آبت میں باری تعالیٰ کاار شاد اس طرح منقول ، میں اسسدائیل کابب ہواورافرا ئیم میرا بہاد طاہے ''

ك موجوده زبور نمره ٨، كله افرايم معزت يوسف عليوالسلام كي جيو عصاجزاك

نوار شخ که

بسيالت ١٣: ٣١) ان كىطرت اسرائيليون كاافرايمي تنبيله منسوب ب ١٠١٠ كاولاد كى تفصيل كے ليے و يھے كنتي ١٠١٠

اکس میں بھی افرائیم کے لئے "اللہ کا پہلو تھا" کے الفاظ کیے گئے ہیں، لیں اگر ایسے
الفاظ کا استعمال معبود ہونے کو مستلزم ہو تا تو واؤ د علیہ السلام افرا یہم وارائیل معبود ہونے کے زیادہ مستی ہیں، کیونکر گذشتہ شریعتوں کے مطابق بھی اور مام رواج کے لھاظ سے بھی ہم بہلو تھا بہ نسبت دوسروں کے اکرام کا زیادہ حقدارہے، اور اگر عسیائی تھزات یہ کہنے نگیں کہ عسلی علی ارب میں "اکلوتا بیٹا" کا لفظ استعمال ہوائے ، تو بھر ہم وض کریں گئے کہ یہ اپنے حقیقی معنی برہر گزنہیں ہوسکتا، کیونکہ استر نے عسلی علی میں ہوسکتا، کیونکہ استر نے عسلی علی کے بہت سے بھا بیوں کا ذکر کیا ہے ، اور ان میں سے نین کے حق میں نوبہلو تھا کے الفاظ استعمال کئے ہیں، لہذا صروری ہے کہ بیٹے کی طرح "اکلوتا بیٹا"

ه کتاب سمو تیل دوم کے باب میں اللہ تعالیٰ کا قول سیامات کے حق بیں اس طرح بیان ہوا ہے: ۔۔

، ک ہو ہے۔ مواور ہیںاس کا بایب ہوں گا اور وہ میرا بیٹا ہو گا''

اب اگراس لفظ کا اطلاق معبود ہونے کا سبب ہونا تو سلیمان عیلی ہے مفدم ہونے کی دجہ سے اس کے زیادہ حقدار تھے ،اور اس لئے تھی کہ وہ عیلی ع کے اجب دا د

یں <u>سے ہیں،</u> ح) کتاب استثناء کے بات آبیت والور بائل کی پہلی آبیت میں اور کتاب

یسعیاہ کے باتات کی آمیت ۸ میں ،اور ہو شع لکی کنا ب کے باب کی آمیت ۱۰ میں " الشہا

کے بیٹوں " والے لفظ کا اطلاق تمام بنی اسرائیل کے لئے کیا گیاہے ،کتاب یسعیاہ ا سور میں دور سے اللہ مالا کی میں اللہ مالا کیا گیا ہے ۔ ان کے سے اللہ مالا کیا گیا ہے ،کتاب یسعیاہ ا

بالبا آیت ۱۱ میں ہے کہ صرت یسعیاہ علالیہ اس تعالی سے خطاب کرنے

" یفنیا تو ہماراباب ، اگر جرابرالم مہمسے اوا نف ہو، اور اسرائیل کون سیجیانے تواے خلاوند ہماراباب اور فدیر دینے والا ہے، تیرانام از ل سے یہی ہے "

له د يحفظ يوحنا ١ : ١٦، كه آيت ١٣،

اوراسی کتاب کے بالکتا یت ۸ میں ہے:

" تو مجى اے خداوند إ توسمارا باب ہے ؛

ان آبنوں میں حضرت بیسعباہ علب استلام نے صاحت کے ساتھ اللہ تعالیٰ کو اپنا اور تمام بنی اسسلام بنی اسسلام باب قرار دیاہے ،

اب دس آبت، بین ہے:

در جب صبح کے ستا ہے مل کر گاتے تھے اور خدا کے سب بیٹے نوٹشی سے لاکائے '' من جب صبح کے ستا ہے مل کر گاتے تھے اور خدا کے سب بیٹے نوٹشی سے لاکائے ''

(م) شروع بواب بیں معلوم ہو جبکا ہے کہ اللہ کے بیٹے کا اطلاق بیک لوگوں، عبیلی پر ایمان لانے والوں، محبت کرنے والوں، اللہ کے فرما نبرداروں اور نیک اعمال کرنے والوں بر کیا گیا ہے، والوں بر کیا گیا ہے،

(١) تربورتبراله كى پالخوس آيت بسب :

" خود ا پنے مقدمس مکان میں بنتیں کاباب اور بیواؤں کا داد رمس ہے "

يهاں الله کو "ينتيوں کا باب "کہاگيا ،

الم كتاب بيدائش إن آيت اوريس سے،

رجب روئے زین پر آدمی بہت بڑ ہے گئے اور ان کی بیٹیاں پیدا ہو میں توخدا کے بیٹوںنے آدمی کی بیٹیوں کو دیجھا کہ وہ خوب صورت ہیں،اورجن کوانھوں نے شخیاان سے بیاہ کر دیا ''

محصراً بن س سے ا

و ان دنوں میں زمین پر جبار عظے ،اوربعد میں جب خوا کے بیٹے انسان کی بیبیو کے پاکس گئے ، توان کے لئے ان سے اولاد ہوئی ، یہی قدیم زانہ کے سورما ہیں ہوبڑے ، امور ہوئے ، یہ

الله کے بیٹوں سے مراد مشرفاء کی اولاد اور لوگوں کی بیٹیوں سے مرادعوم النا کیلاکیاں ہیں ،اسی لئے توعر بی ترجم سے مطبوعہ سلاک یکے مترجم نے بہلی ہیت

نه موجوده زبورنبر۸۲

كانز جسب بوں كيا ہے كەست رفاء كے لاكوں نے عوام كى لاكبوں كونوب صورت بايابس ان کواپنی بیویاں بنالیا ؛ بیس "اللہ کے بیٹوں" کااطساق علی الاطلاق شرفاء کی اولاد کے لے کیا گیلہے، جس سے یہ بات سمجھ بیں آتی ہے کہ نفظان کا استعمال شریف کے معنی بیں

(۱۲) البخیل کے بکنزن مواقع ہید نمھالے باپ" کالفظ ابنے شکر دو ں اور دوسرو ر کے سی من خطاب کرنے ہوئے اللہ کے لئے استعمال کیا گیا ہے ،

(۱۳) کھی کھی لفظ بیٹا یا باب کی نسبت کسی البیری جبیب زکی جانب مھی کردی جاتی ہے حب کومعولی سی مناسبت حقیقی معنی کے ساتھ ہوتی ہے ، حب طرح سنبطان کے لئے « بھوط کاباب » جبباکہ نا ظربن کومعسلوم ہو جبکاہے ، باحب طرح جہنم کی او لاد با اورنشلیم» کے بیٹے "والے الفاظ عبیلی علال سالم کے کلام میں بہور کے تق میں موجود ہیں ،حبب کہ انجیل منی کے بات میں سے ، یااس طرح روز مارہ کے بیتے "ونیا و الوں کے لئے یا "انٹر کے بیٹے" اور سفیامت کے بیٹے " والے الفاظ جنتیوں کے حق میں مصرت عبیلی علب استدام کے کلام میں ملتے ہیں ، حبیبا کہ لوفا کے باب میں اور تقسلبنكيوں كے نام يہلے خط كے باعث بين استعال كئے گئے ہيں، عبساني معزات كا البخيل لوحناً باب آيت ٢٣ ميں ہے:

وسراات ندلال، اس نے ان سے کہاتم نیجے کے ہو، میں اوپر کاہوں ، تم دنیا کے ہو میں دنیا نہیں ہوں !!

حضرت مبسے علاليلام كے اس ارت ادسے عبسائي حضرات بر ننيجر كالے من كذ « بین معبود ہوں اور آسسمان سے اُنزکر انسانی عبم میں آیا ہوں » عبیبانی مطرات کو س ارشاد کی بہ تشریح کرنے کی اس لیے عزورت بہیش آئی کہ اس کا ظاہری مفہوم مشاهده کے خلات نفا، کیونکہ حضرت عبیلی علیہ السّلام کھلی آ پھوں اسی دنیا میں اللہ مشلاً، " تاکہ تم اپنے باہدے جو آسمان پرہے بیٹے تھے دوالح: " دمتی ۵: ۲۵، نیز ملاحظہ مہومتی ۵؛ ۱۷، ۵؛ ۸م ولو فا ۱۲؛ ۳۰ و ۱۱؛ ۲ ولوحنا ۲۰: ۱۷،

أظبا رالخق جلدووم باب چهارم 119 يبدا موسط عظ ، ليكن بيرنا ويل دو وجهس علط ب : اوّل نواس کے کہ یہ بات عقلی دلائں اورنصوصِ فطعبہ کے خلاف ہے ، دوسرے اس لئے کہ اسس قسم کی بات حصرت میسے علیالسلام نے اپنے شاکردوں کے حق میں تھی فرائی ہے ، بنا تجب الجیل بو منا ہی سے باہل کی آیت اوا میں ہے ؛۔ دد الكرنم دنيا كے ہوتے تو د نيا اپنو س كوع ديز ركھنى ، سكن بچ نكر نم دنيا كے شہيں بلك میں نے تم کودنیا میں سے جن لباسے اس وا سطے دنیاتم سے عدادت رکھنی ہے ۔ اور <u>لوحنا</u> باک آبیت ۱۲ بین م و حس طرح میں دنیا کا شہیں وہ سجی دنیا کے شہیں ؟ لیس میسے عرفے اپنے شاگر دوں سے حن میں بھی مہی درما باکہ وہ اس حب ان کے بنہیں ہیں تھیک جس طرح ابنے لئے یہ بات کہی تفی ، ، الهٰذایہ بات اگر الوہ تین اورخدان كومستارم ب، جبياكم عبياني صفرات كاخيال ب، تولازم آناب كه نشام سٹنا کر دان میسے بھی معبود ہوں، ضواکی بنا ہ اِ بلکہ صبیحے مطلب اس کلام کا بہت کہ تم کمینی دنیا کے طالب ہواور میں الیسا سنہیں ہوں، بلکہ طالب آخر۔ "، اورات کی تو سود کا مالب ہوں اور انکسس کا مجاز امل زبان کے بیب اں بحز ت ہے ، چنا بخرزا مدوں اورصائحین کے لیے کہا جا تاہے کہ بیزدنیا کے سہیں ہیں ،

الجیل بوساکے باب مبراآبت ۳۰ میں مذکورے کہ: کے رربیں اور باب ایک ہیں 🖰

یہ اس امر برولالت کرا ہے کہ مسیرے اور صدا متحدیں ،

يە دلىل بىمى داو د حسے درست سنس،

ا قال نواس لئے کہ عبسا بیوں کے نزد بیب تھی میسے نفس ناطقہ رکھنے والے انسان من الهل خدا اس لحاظ سے نواتحاد ناممکن تھا ، اس لعے لامحالہ اتھیں ہے تاویل كرني ييك كي كر حب طرح وه انسان كادل بين اسي طرح خدائے كامل بھي بين، بيكن اس تاویل بریها عتبارسے خدا کے سب تقدمغائرت اور دوسرے لحاظ سے اتحادلازم آتا ہے ،اور آ ہے۔ کو ہیجے معلوم ہوچکا ہے کہ یہ بات بالکل باطل ہے ، دوسے ریر کہ اس قسم کے الفاظ حوار بین کے عن میں بھی فرمائے گئے ہیں، تجیل یو حنابا کے آیت ۲۱ میں ہے ؛

ر کار دہ سب ایک ہوں ، بعی حس طرح اسے باب! تو مجھ میں ہے اور میں تجھ میں ہوں ، بعی حس طرح اسے باب! تو مجھ میں ہوں ، اور دنیا ایمان لائے کہ تونے ہی مجھے بھیجا ، اور دہ مجل مجھے ہم بیں ہوں ، اور دنیا ایمان لائے کہ تونے ہی مجھے بھیجا ، اور دہ مجل مجھے دیاہے بیس نے انھیں دیا ہے ، تاکہ دہ ایک ہوں جیسے ہم ایک مد ، ، ، مد ، ، ،

ں برکہناکہ " وہ سالیک ہوں" کا جملہ ان کے اتخاد میر د لالت کر "ناہے، دوسے تول بیں اپناخدا کے ساتھ متحد ہو نا اور حواریین کے سیا تھ متحد ہونا دو نو ں بیزوں میں کیسا بنیت نا بن کی ہے ، اور ظاہر ہے کہ ان سب کا حقیقتاً ایک بن جانا مئن منہیں، امسے طرح مبیسے عراور خدا کا ایک۔ ، بن جا نا تھی غیر ممکن ہے ، بلکسحی بات ہے کہ انڈ کے یا تھ متحد ہوئے . معنی اس کے احکام کی اطاعت کر نا اور ۔ ب اعمال کر نا ہے ، اس فنسم کے اشحاد میں وا فعی مشیرے اور حوار بین اور بھا م ا ہل ایمیان برابر ہیں ، ہاں فرق قوت اور ضعت کا ہے ، اس معنی کے لحاظ سے فیرے کا اتحاد قوی ادر سندید ہے ، اوردوسروں کا ان کی نسبت سے کم ، اور متحد ہونے کے جومعنی ہم نے عرض کھے وہی معنی آبو حنا حواری کے ایک ارث د سے نابت ہوتے ہیں جو اُن کے سے خط باب اقال آیت ۵ میں اس طرح مذکورہے: اس سے سے کو بیغام ہم تھیں دیتے ہی دہ برسے کہ تعدا نورہے ، اور اس یں ذرا تھی تاریج نہیں ، اگر ہم کہس کہ ساری اس کے ساتھ شراکت ہے اور تھے تاری بین جلیں نو ہم مجوٹے ہیں ، اور حق پر عمل نہیں کرنے ، میکن اگر ہم نور میں چلیں جس طرح کہ وہ نو رہیں ہے تو ہماری ہیں میں شراکت ہے "

اور جھٹی ساتویں آیت فارسسی تراجم میں اس طرح مذکورہے:
" اگر گوئم کہ باوے متحدیم ودر ظلمت رفنار نمائم دروغ گوئم دور راستی عمل
بنمائم، واگر در روشنائی رفنار نمائم، چنا نجیسہ اودر روشنائی می باشد
اکد گرمتحد سند، "

بعثی: اگرہم یہ کہیں کہ ہم اس کے ساتھ متحد ہیں اور اندھرے میں چلے الگیں توہم حجوت بولتے ہیں اور سیح برعمل نہیں کرتے ، اور اگر وسٹنی ہیں جلیں جیسے وہ روشنی میں ہے توہم ایک دوسرے کے ساتھ متحد ہیں،

اس میں بجائے شرکت کے لفظ کے اتحاد کا لفظ استعمال ہوا ہے حہیے معلوم ہواکہ اللہ کے ساتھ نشر کیک ہونے بااس کے ساتھ متحد ہونے کا وہی مطلب ہے جو سمنے عض کیاہے،

تقی دلل الجیل ایجنا باس آیت و بین ہے:

و حس نے مجھے دیجھا آس نے باب کودیکھا، توکیونکر کہتاہے کہ باب کو ہمیں دکھا ،کیاتو بھین نہیں کر تاکہ میں باب میں ہوں ،اور باب مجھ میں ہے ،یہ بین جو بین تم سے کہتا ہوں اپنی طرف سے نہیں کہتا ، نیکی باپ مجھ میں رہ کر اپنے کا م

كرتاب "

اسس عبارت بیں حفرت مثبہ کے بیرفرمانا کہ " بیں ہاہیے ہیں ہوں اور ہا پ مجھ میں ہے ''اس بات پر دلالٹ کر'نا ہے کہ مثبہ جو اور خدا ایک ہیں۔۔۔۔ لیکن یہ دلیا بھی دو وجہ سے کی دیں ہے :

لیکن یہ دلیل بھی دو وحبہ سے کمز درہے : اقبال اس لیۓ کہ عبیہائیوں کے نز دبیب دنیا میں خدا کا دیجھا جانا محال ہے '

جسیاکہ امقے مرک امر را آبع بیں معلوم کر چکے ہیں ، اسٹ لئے وہ لوگ اس کی تادیل مغرفت کے ساتھ کرتے ہیں ، مگر چونکہ اس طرح میسے علادر ضدا کا ایک ہونا لازم تنہیں یہ:

ہنا،اس لئے کہتے ہیں کہ دوسے راور تعبیرے قول میں جس حلول کا تذکرہ ہے

له دیکھے صفحہ ۱۲۱ جلر بڑا ،

دہ ادر صفرت میں جے کی خدائی کی معرفت تمام اہل تنگیٹ کے نزدیک دا جب النا ویل ہے اللہ ویل ہے اللہ ویل ہے اللہ ویل سے مراد اتحاد باطنی ہے ، بھران تاویلات کے بعد کہتے ہیں کہ چوبحہ میں جانسان کا مل بھی ہیں ، اس لیٹے ان کے نینو ں اقوال دوسرے کیا ظامتے درست ہیں ، حالاں کہ آ ہیں۔ بار بار جان چکے ہیں کہ یہ باطل ہے ، کیو بحد اویل کے لیٹے صروری ہے کہ دہ دلائیل اور نفوص کے خلاف نہ ہو ،

دو سےراس کے کہاس باب کی آیت ۲۰ بیں ہے کہ:-

اسی طرح نیسری دلیل کے جواب میں آئے۔ برط ماکھ میں علیہ السلام نے اپنے عوار لوں کے علیہ السلام نے اپنے حوار لوں کے عق بین فرما یا نظا:

" رحب طرح آے باب اِ تو مجھ میں ہے اور میں مجھ میں ہوں وہ بھی ہم میں ہوں'' اور ظا ھرہے کہ الفّ ، آب بین سسمایا ہوا ہوا در بہت ، ج بین تو اس سے لازم آ ناہے کہ خود الفّ بھی ج میں سمایا ہو اہے ،اور کر نتھیوں کے نام ہیلے خط کے ارائی تی میں مدر ہیں ،

، کیاتم نہیں جانے کہ تھارابدن روح الفذلس کا مفدلس ہے جوتم میں بسا ہوا ہے اور تم کو خدا کی طرف سے ملاہے ، اور تم ا ہے نہیں '' اور کر نتھیوں ہی کے نام دوسے مرخط کے باب آبت ١٦ میں ہے :

وراور ضدا کے مفدِس کو بنوں سے کیامنا سبت ہے میدی ہم زندہ ضرا کا مقدِس بن

جنا بجنر خدانے فرمایا ہے کہ میں ان میں سبوں گا، اور ان میں چلوں بھروں گا النز ؟ ور ا فستیون کے نام خط بالی آ بیت ۲ بیں ہے :

اورسب کا خدا ادر باب ایک ہی ہے جوسمے اوبراورسمے درمیان اورسم

اندرہے ''

لیں اگرسسمانا اتحا دکو ظاہرکر تا اور معبود ہونے کو نا بت کرسہ کمناہے تو بھر طروری ہو گاکہ حوار بین بلکہ تمام کورنتھ بیراور افسس کے باشندے بھی معبود قرار دیئے جابش

سبجی بات تو یہ ہے کہ اگر کو بی مجھوٹا مشلا " قاعب، غلام یا ش اگر داہنے کسی بڑے کے تابع ہوتا ہے تو اسس کی نعظیم کو بڑے کی نعظیم اسس کی تحفیر کو بڑے کی تحقیر اور اور السن محبّت كو براسس محبّت سمها جا تاب، يهي وحب، كرهزت ميسم عليه سلام نے حاریوں کے بائے میں ارسٹ وفرمایا: ربع تم كوقبول كرتاب وه مجھے تبول كرتاب، اور ج مجھے قبول كرتاہے وہ مير

مجيج والے كو تبول كرا اے " (الله الله الله الله الله الله

اورآب ہی نے ایک بی کے کے بارے میں ارت ور مایا:-

در جو کوئی اس بجے کو میرے نام پر قبول کر تاہے دہ مجھے قبول کر تاہے ،اور جو مجھے تبول كر" ا ہے وہ ميرے بھيجے والے كونبول كرا ہے" واوقا بالك آيت ٢٨) اسىطرح جن سنزا مشنخاص كواكبني وودوكي الوليوں ميں نقت يمركم مخدلفت مشهروں ميں لخرص تبليخ بصجائفاان كيهي مين ارتشاد فرمايا:

ربع تماری سننے دہ میری سنتاہے ،اورج تمقیں تہیں ما نناوہ مجھے تہیں ما ننا اورجو مجھے نہیں مانا دہ میرے بھیے والے کو نہیں مانا " راوقا باب آیت ١١) اسي طرح منى كے باقب ميں " اصحاب اليمين " اور اصحاب الشمال" كے لئے بھى اسی قسم کی بات کمی گئے ہے ، اور اسٹر نعالی نے حضرت ارمیاہ علیہ السلام کی زبانی دیں

" شاہ بابل بنو کدر صرنے مجھے کھا دیا، اس نے مجھے شکست دی ہے، اس نے مجھے خالی برتن کے مانٹوکر دیا ، ارد ماکے مانندوہ مجھے نگل گیا '؛ (کتاب پرمیاہ باللہ ای

الكل السي طرح قرآن كريم بين ہے : أَنَّذِينَ يُبَايِغُونَ لَكُ إِنَّهَا يُبَايِعُونَ اللَّهَ يَدُاللَّهُ فَوْقَ آيُهِ يُهِمُ وده لوگ جو آہے بیجت کرتے ہی اسٹر ہی سے بیت کرتے ہیں، اسٹر کا ما تھان

کے ہاتھوں پرہے ''

ل مدخطه و س آبات ۱۳ م ۲۳ ، عه آیت ۲۳ ،

آور صرت مولاناروم ^{حم}اییٰ مثنوی میں فرمانے ہیں ہے گر توخوا ہی ہمنشینی باخب را

ر و، نشین نو در خضورِ اولیاء

ربعن تواگران کے ساتھ مبٹھنا جا ہناہے نوجاکر اولیاء انٹدکے پیسس مبٹھ'

لہندا سطر لفتہ بر حفرت مبیع علبہ السلام کی معرفت بلات بہ اتلہ ہی کی معرفت ہے۔ رہائت ہی کی معرفت ہے۔ رہائت ہی کی معرفت ہے ، رہائسی شخص کا اللہ میں سما جانا ، با اللہ کا اس بیں سما جانا ، اسی طرح مبیع کا کسی ہیں یا کسی کا مسیح بیں سما جانا ، سو اس سے مرادان کی اطاعت اور فر ماں برداری ہے جبیا کہ یو جنا کے پہلے خط کے تبہرے باب بیں ہے کہ :۔

"اور جو اس کے حکموں برعمل کر اپنے وہ اس میں اور بداس بیں قائم رہاہے، اور اسی سے لینی اس کے حکموں برعمل کر اپنے وہ اس میں دیا ہے ہم جانتے ہیں کروہ ہم میں دیا ہے ہم جانتے ہیں کروہ ہم میں دیا ہے ہم جانتے ہیں کروہ ہم میں دیا ہے دیں ۔ "

قائم رہتاہے '

اور کہمی کہمی وہ مبیح علیات الم کے بعض حالات سے استدلال کرتے ہیں ، جنا کیران کے بغیر باب کے بیدا ہونے سے بیدا ہونے سے کمی استدلال نہا بت استدلال نہا بت

بغیر باہے پیاہونا پانیخو بی دلیل

سے بڑھے ہوئے ہیں ، کیونکہ وہ بغیر ماں کے تھی بیدا ہوئے ہیں ، اسيطرح صدوق كابهن جوابرا بيم علبدالسلام كامعاصراورهم زمانه تفا أمسس كاحال عبراینوں کے نام خطکے باب آیت سبیں اس طرح ذکر کیا گیاہے: ں یہ ہے باہب ، ہے ماں ، ہے نسدب المرہے ، نداس کی عمر کامشروع نہ زندگی کا آخر ہے یہ شخص مشیح سے ڈوباتوں میں بڑھا ہوا نکلا ،ایک توبے ماں کے پیدا ہونے میں اوس دوسے رہے اس کی کوئی ابتداء تہیں ہے ، چھٹی دلسل،معجدات اور کبھی مثبہ کے معجزات سے استدلال کرتے ہیں، یہ کھی ا بنایت کمزورا ور بودی د لیل ہے ، کیونکہ ان کاست بڑا ندہ مردوں کوزندہ کرنا ہے ،اس معجزہ کے ثبوت سے قطع نظر کرتے ہوئے اور امس مرکو بھی نظرا نداز کرتے ہو نے کہ موجودہ المجیل اس کی تکذیب کرتی ہے، بیں کہنا ہوں کموجودہ الجیل کے مطابق میسے نے اپنے سولی چڑھائے جانے بکت میں - Com and the second second ہے بانتھے ہیں بین نصر بریح موجود ہے ، لہٰذا اگرمردوں کو زندہ کر نامعبو ربننے کے لیے کا فی ہے تو وہ معبود ہونے کے مبیح سے زیادہ سنی ہیں ، اسی طمع الیاس علیدا سیلام نے بھی ایک مردہ کوزندہ کیا، مبیاکہ کناب الطین اوّل کے باعل میں صاف موجود ہے ، نیز الیسع علیہ السلام نے ایک مردہ کو زندہ کیا ، جیساکہ کتاب سلاطین کے بابع میں مطرح ہے ، اور البیس علیم السلام سے تو بیمعجزہ ان کی Melchiz' edet King of Slam. ہے،اس کا ذکر کتاب بیدائش ۱۱: ۱۸ میں آیا ہے ۱۲ تغنی کے آیات ۱۳۱۱، سک اس بیں واقعہ یہ بیان کیا گیاہے کہ تھزت ایا کس علیال ملام ابک بیرہ کے مہاں ہوئے ، اس کا لڑکا بیار سوکر حیل بسیا، محفرت الیاش نے اللہ سے دعاء کرکے آسے بھرز ندہ کردیا ، (ا۔ سلاطین ۱: ۲، ۲۱) ملک اس میں تھی ہے کہ حضرت المیسٹع نے ایک مہمان نوازعورت کیلئے بیلے بیل ہونے کی دعاء کی جرجب وه بيًّا برًّا بهوكرمركيا توامُّ سے بحكم خلازنده كيا را- سلاطين م ؛ ١٥٥) و فات کے بعد بھی صادر ہوا ، کہ ایک، مردہ ان کی قبر بیں ڈالاگیا ، جو التّٰد کے حکم سے زندہ اسی گیا ، جو التّٰد کے حکم سے زندہ اسی گیا ، جب اکر اسی کا اسی کا اسی کا اسی کا اسی کا اسی کا اسی کو احجب کے دیا جب کہ سفر مذکور کے بات ہے میں مذکور ہے ،

اوراگریم تسلیم تھی کر لیں کہ ان کے بعض اقوال اس معاملہ بیں نف ہیں تب مجھی کہا جائے گا کہ یہ ان کا بنا اجتہا دہے ، حالا بحد آپ کو باب اقل سے معسلوم ہو جیکا ہے اور ان کی تمنسام سخر پر ان الہامی نہیں ہیں ، اور ان سخر پر وں میں — غلطیاں بھی صادر ہو بئی ہیں ، اور اختلاف و تناقض بھی یفتیناً موجود ہے ،

استی طرح ان کے مقدس بولس کی بات ہمارے لئے قا بلِ نسلیم نہیں ایک تواکس لئے کہ وہ حواری نہیں ، نہ ہمارے لئے واحب التسلیم ہے ، بلکہ ہم تواکسکو معت سے مصدر ان کے رائز کا رہن ۔

معتبر کھی جاننے کے لئے تیار نہیں ،

اب آب سے حضرات کو معلوم ہونا جا ہے کہ بیں نے جومیٹے کے اقوال نفل کئے اور ان کے معانی بیان کیے محض الزام کی تکمیل کے لیے ،اوریہ تا بت کرنے کے لئے له آیات ۲۱ ، کله آیت ۱۲ ،

سه د يجهة ازالة الاومام ، باب دوم فصل سوم، ص ، . ۳ مطبوعه سيدا لمطابع الم ١٢٦٩ هـ .

کہ عیبا یوں کا استدلال ان افوال سے نہا بیت کم ورہے، اسی طرح تواریین کے اقوال کے متعلق ہو کچھ کہاہے وہ برت بیم کرنے کے بعد کہاہے کہ یہ تواریین کے ہی اقوال ہیں اور نہ ہائے نزدیک ان اقوال کامشیح یا ان کے حواریین کے اقوال ہونا اس لئے نابت نہیں ہے کہ ان کہ آب کو باب اوّل بین معلوم ہوں کہ ان کہ آب کو باب اوّل بین معلوم ہوں کہ ان کہ آب کو دوسرے باب سے معلوم ہوا، عیسا یُوں کی عام عادت واقع ہو ہی ہوں ہیں، جلیا کہ آب کو دوسرے باب سے معلوم ہوا، عیسا یُوں کی عام عادت اس فتم کے امور میں بدل ڈالتے ہیں، میرا عقیدہ تو یہ ہے کہ میں جا دران کے حواری اس فسم کے گندے کفریہ عقیدہ و سے لیقیناً اس فیم ہوا کہ استرکے سواکوئی معبود د نہیں ہو اور محم صلیا لیند علیہ ہوں کہ اللہ کے سواکوئی معبود د نہیں ہے ، اور محم صلیا لیند کے میں اور میں می میں استرکے بندے اور رسول کے وزست اور قاصد می میں استرکے میں استرکے میں اور میں اور

امام رازی اورایگ بادری کادلیسٹیناظرہ

ا مام فخرالدین رازی اور ایک با دری کے درمیان تنگیت کے مسلہ برخوار زم میں ایک مناظرہ بیش آیا تھا ، بچو کا س کا نقل کر نافا تُدے سے خالی نہیں ہے اس سے میں ان کو نقل کرتا ہوں ، ا مام موصوف سے اپنی مشہور تفسیر میں سورہ آلِ عمران کی آبیت ذیل کی تفسیر کے بخت فر مایا ہے ؛

فَكُنْ كَا آجَكُ فِيْ مِنْ بَعْنِ "تَوْجِوْتُخْصَ آبِ كَ پِاسَعَلَمُ كَآنَ مَا جَاءَكُ مِنَ الْعِيلِمِ الْأَبِة مَاجَاءَكُ مِنَ الْعِيلِمِ الْأَبِة كَ بِعِد آبِ مناظره كرے تو المؤالا اللہ الفاق سے جب بیس خوارزم بیس مقاقو مجھ كو اطلاع على كه ابجب عبیائی آیا ہو اہے ، جو اپنے مذہب كا تحقیقی اور عمین علم رکھنے كا مدعی ہے ، بیس اكس كے باس بينجا، ہم نے گفتگوں شروع كى ، كہنے لگاكہ محمد رصلى الشدعليہ ، کے بہی ہونے کی کیا دلیل ہے ؟ میں نے کہاکہ جس طرح موسی اور عیسی اس کے ماتھ سے خلاف عادت امور کا صادر ہونا ہم بک روایات کے ذرلیم بہو بچاہئے ،اسی طرح محرصلی اللہ علیہ وسلم کے ماتھ سے خلاف عاد ت
کاموں کا صدور ہم کور وایات کے ذرلیعہ بہو بچا ، لہذا اگر ہم توائز کا انکار کریں یاس کو تو تسبلم کریں لیکن یہ نہ مانیں کرمعجز ، نبی کی سےائی پردلالت کریں یاس کو تو تسبلم کریں لیکن یہ نہ مانیں کرمعجز ، نبی کی سےائی پردلالت ادر اگر ہم توائز کی صحت بھی تا مان ہو جاتی ہے ، اور اگر ہم توائز کی صحت بھی تا ہو جاتی ہے ، اور اگر ہم توائز کی صحت بھی اس کی خوشت یا طل ہو جاتی ہے ، ور اگر ہم توائز کی صحت بھی تا بت ہیں ، تو کچر لیقینی طور پر محمدصلی انٹر علیہ سے کی نبوت کا اعتراف واجب ہوگا ، کیونکہ دلیل کی کیسا نیت کی صورت میں مدلول کی کیسا نیت طرور ہی ہے ،

اس بروہ نفرانی کہنے لگاکہ بیں عیسیء کو بی نہیں کہنا، بلکہ خدا کہنا
ہوں برنے کہا تھیک ہے، نبوت میں گفتگو کرنے کے لئے عزوری ہے کہ
بیطے خدا کی بہجان ہوجائے، اور تم نے خدا کے باسے میں ہو بات کہی ہے
وہ اس لئے غلط ہے کہ معبود اس ذات کو کہتے ہیں کہ جوموجود اور واجب
الوجود بالذات ہو، نیز اس کے لئے عزوری ہے کہ نہ وہ جسم رکھنا ہو،
ملکی احاط ہوں نیز اس کے لئے عزوری ہے کہ نہ وہ جسم رکھنا ہو،
ملکی احاط ہوں نہ بر اس کے لئے عزوان میں ہو بہتے کا ببید
صالت یہ ہے کہ وہ ایک جسم رکھنے و الے السان ہیں، ہو پہلے نا ببید
سقے، بھر بپدا ہوئے، اور زندہ ہونے کے بعد قبل کردیئے گئے، ابتداء
میں بجے نظے، بھر سپھونے بھلے، سپھر جوان ہوئے، کھاتے تھے، پینے
میں بجے نظے، کھر سپھونے بھلے، سپھر جوان ہوئے، کھاتے تھے، پینے
میں باخانہ پیشاب کرتے، اور سوتے جاگتے تھے، اور یہ بات عقداہ
میں بوسکتا، متغیر ہوئے والا دائمی مہیں ہوسکتا، اور محتاج عنی
مہیں ہوسکتا، متغیر ہونے والا دائمی مہیں ہوسکتا،

دوسری وجراس دلیل کے باطل ہونے کی یہ ہے کہ تم یہ تسلیم کرتے ہوکہ بہود نے عیسی کو گرفتار کیا اور سولی دی، اور شخت پر لطکا کران کی بسلیاں تو ڈویں، اور شخت پر لطکا کران سے جھوٹ کر بھاگئے کیا امکائی گوشش کھی کیا دررو پوکش ہونے کی بھی، نیزان وا قعات کے بہت آتے یہ کھرام بط اور جزع و فزع بھی کا ہر کیا، اب اگر وہ معبود تھے یا خدا اُن میں سمائے ہوئے تھا، یا وہ خدا کا الیا جز و تھے جو خدا میں سمائے ہوئے تھا، یا وہ خدا کا الیا جز و تھے جو خدا میں سمائے ہوئے تھا، یا وہ خدا کا الیا جز و تھے جو خدا میں سمائے ہوئے تھا، یا وہ خدا کا الیا جز و تھے جو خدا میں کہ یا ور ان کو رو نے دھونے اور گھرانے کی کیا کو نیست و نابود کیو ٹر کیا ؟ اور ان کو رو نے دھونے اور گھرانے کی کیا حاجت تھی ؟ اور ان سے نکل بھا گئے کی ند ہیر کرنے کی کیا حاجت تھی ؟ فداکی قسم مجھ کو بے حد تعجب ہو تا ہے کہ کوئی عاقل اس فسم کی بات کس طرح خداکی قسم مجھ کو بے حد تعجب ہو تا ہے کہ کوئی عاقل اس فسم کی بات کس طرح خداکی قسم مجھ کو بے حد تعجب ہو تا ہے کہ کوئی عاقل اس فسم کی بات کس طرح خوالی قسم ہے کوئی سے باطل کو نے پر کھلی شہادت دے رہی ہے ،

تیسری دلیل بر ہے کہ بین صور توں میں سے بہر حال ایک شکل قبول کرنا پڑے گی، یا تو یہ ماننا پڑے گا کہ ضرافہ یہی حب مانی شخص تخابود بھا جا آا ور نظر آتا تھا، یا کہا جائے کہ خدا پورے طور بر اس میں سمایا ہوا تھا، یا یہ کہ خدا کاکوئی جسے زواس میں سمائے ہوئے تھا، مگر بہ

"يىنونشكلىن باطل بىن :

بہلی تواس لئے کہ عالم کامعبود اگر اکس جم کو مان بیا جائے توجب وقت یہودنے اکسکو قبل کر دیا تھا تو گو یا یہ مان بیا جائے کہ بہودنے عالم کے ضداکو قبل کر دیا ، پھر عالم بغر خدا کے کس طرح باقی رہ گیا ، پھر یہ جبر بھی بیش نظر رسی جا ہئے کہ بہود دنیا کی ذلیل ترین اور نمینی قوم ہے ، بھر حس خداکو ابسے ذلیل لوگ بھی قبل کر دیں گے تو وہ انتہائی عاجب زاور ہے لیس خدا ہوا ،

د وسسری صورت اس سلط باطل ہے کہ اگر خدا نہجیم والاہے نہ عرض کھ والا ، تواس كاكسى جسم مين سمايا جانا عقلاً محال سع ، اور أكرو هجسم ر کھنا ہے تواس کے کسی دوسرے جسم میں سمانے سے یہ مراد ہوسکتی ہے کہ اس خدا کے احب زاء اس جبم کے اجزاء کے ساتھ مخلوط ہوجائیں ا اوراس سے لازم آئے گاکہ اس خدا کے احب نزاء ایک دوسرے سے جدااور الك بين ،اور اكروه عرض بوتو محل كامتياج بهو كا، اورنعدا دوسكر كا محتاج بنے كا، اور يہ نتام صور يس نها بن ہى ركيك

تبسری شکل بعنی به که خدا کا بچه حقت اور اس کے بعض اجب زاء مسما گئے ہوں ، یہ بھی محال ہے ، کیونکہ بیرجزو یانو خدائی اور الوہیت میں فابلِ لحاظ اور لائِق اعتبار ہے ، نواس جزو کے علیحدہ اور خدا ہے جُدا ہونے کی شکل میں صروری ہوا کہ خدا وند رہے ، اوراگر وہ الساجز و سے ، حس برخدا کی خدائی موقوف نہیں تو وہ در حقیقت خلاکا جزونہیں سے المنا عام صور توں کے بطلان کے تابت ہونے بر عیسائیوں کا دعوای سمجی باطل ہوا ،

یو کفی دلبل عیا یُوں کے باطل ہونے کی بہے کمتواز طریق سے يربات يايم ثبوت كوبيرة برخ جكى سے كم عسيلى على السلام كواللدكى عبادت اور فرما برداری کی طرف کے انتہا رغبت تھی، اور اگر وہ خود خدا ہوتے توبہ بات محال ہونی ،کیونکہ خداخود اپنی عبادت ہن کیاکرتا، بیس یہ دلائل ان کے دلائل کے فاسد ہونے کونیابت

بہترین طریقبہ بیواضح کررہے ہیں،

ك «عوض »منطق كى اطبطلاح بين اس چيزكو كيت بين حوا بناكو ئيَّ الكُ وجودية ركھني ہو، بلكه كسي عبم ين ساكر يا يُ جانى بو ، مثلاً ، ربك ، بو ، روشنى ، تاريجي و غيره ١٢ تقى مجرمیں عببائ سے کہاکہ تھائے باس مسے کے فدا ہونے کی کیادلیل ہے ؟ کیادلیل ہے ؟

کہنے نگاکہ ان کے ہاتھوں مردوں کو زندہ کر دینے ، مادر زاد اندھے اور کو ٹرھی کو اچھاکر دینے جیسے عجائبات کا ظہور ان کے خدا ہونے پر دلالت کرتا ہے ، کیونکہ یہ کام بغیر خدائی طافت کے ناممکن ہیں ،

میں نے بوجھا، کیاتم اس ہات کو تسلیم کرتے ہوکہ دلیل تے نہ ہونے
سے مدلول کا نہ ہو نالازم نہیں آنا ، یا یہ تسلیم
نہیں ہے تو بمتھارے قول سے یہ لازم آتا ہے کہ ازل میں جب عالم موجود
منہ تھا تو خدا بھی موجود میں تھا ، اور اگر تم مانتے ہو کہ دلیل کا نہ ہو نامرلول
کے نہ ہونے کومستلزم نہیں ہے ، تو بھید میں کہوں گا کہ جب
تم نے علیلی اکم جسم میں خدا کے سمانے کو جائز مان لیا تو تم کو یہ کیونکر
معلوم ہوا کہ خدامیرے اور تمھائے بدن اور حسم میں سمایا ہوانہیں
سے ، اسی طرح ھر جوان کے بدن میں موجود نہیں ہے ،

کہنے دگا اسس میں نوظا ھری فرق ہے ، اس نے کہ بیں نے عیسی میں جو خدا کے سمانے کا حکم دگا یا ہے تداس سے کہ ان سے وہ عجا بہت صادر ہوئے اور الیسے عجیب افعال میرے اور تمھالے ما مقوں سے ظاہر مہیں ہوئے ، معلوم ہواکہ ہم تم میں یہ حلول موجود نہیں ہے ، معلوم ہواکہ ہم تم میں یہ حلول موجود نہیں ہے ، میں نے جواب دیا کہ اب معلوم ہواکہ تم میری اس بات کو شمجھے ہی نہیں کہ عدم دلیل سے عدم مدلول لازم نہیں آنا ، یہ اسس لئے کہ

مله کیونکے تمام کا تنان اُسٹر کے وجود پر دلیل ہے، اور اُسٹر کا دجود اس کا مدلول ، اگر دلیل کے نہ موسے مدلول کا نہ ہونا لازم آ تاہے تواس کا مطلب یہ ہو گاکہ جس وقت کا عنات موجود نہ تھی اس وقت رمعاذ اسٹر ، خدا بھی نہ تھا ، اس لیے معلوم ہواکہ اگر کسی وقت دلیل موجود یہ ہو تو یہ عزوری بہیں کہ مدلول بھی معدوم ہو ۱۲ تھی

ان خلاف عادت امور کا صادر ہو نا عیسیء کے جسم بین خدا کے سمانے کی دلیل ہے ،ادر میرے اور تمھائے ہاتھوں سے ابسے فغال کا صادر ہو ناسوائے اس کے اور کچے نہیں کہ یہ دلیل نہیں یا تی گئی۔ لیس جب یہ بات نابت ہوگئی کہ دلیل موجو دیز ہونے سے مدلول کا موجو دیز ہو نالازم نہیں ہے تو بچھرمیسے راور منھا اسے ہاتھوں ان افغالِ عجبیب کے ناہر نہ ہونے سے بر بات بھی لازم نہیں آنی کہ مجھ میں اور تم میں خداس سمایا ہوا نہیں ، بلکہ یہ کھی کہ وہ بھونے میں اور تم میں ضداس سمایا ہوا نہیں ، بلکہ یہ کھی کہ وہ بھونے میں اور بلی میں سمایا ہوا نہیں ہے ،

، مہر میں نے کہا کہ حب بذہب کے مکنے ہر گئے اور بتی میں خط کاسمایا ہوا ہو نانسبہم کر نا بڑے وہ مذہب نہا ہت ہی ذکیل اور رکنگ ہے ،

دوسنری وجہ یہ ہے کہ لکڑی کاسانی بن جانا عقل کے نزدیک مردہ کے زیدہ ہوجا نے سے زیادہ بعید ہے ،کیونکہ مردہ اورز ندہ کے جسم میں حس قدر مشابہت اور یکسا نبیت ہے ،اس قدر سکڑی اور اور سکسا نبیت ہے ،اس قدر سکڑی اور اور یکسا نبیت ہے ،اس قدر سکڑی اور اور بہت میں ہرگز مہیں ، لہا نراجب اکری کے اللہ وان جانے سے موسلی علیہ اسلام کا خدا ہونا یا خدا کا بٹیا ہونا صروری نہیں ہوا تومردہ کا زندہ کر دینا بدر حب اولی خدا ہونے کی دلیل نہیں ہوسکتا ، کا زندہ کر دینا بدر حب اولی خدا ہواب ہوگیا ،اور بول نہ سکائ ،



باب بنجم <u>---</u>

فران کرم ا مشرکا کلام ہے اگر تمیین س کلام بیں جو همنے ہے بندے پر اُ نارا ہے، ذرا بھی شب بہو تو اس حبیبی کیب هی سورت بنا لاؤ، اور اللہ کے سوا ا بنے تمام حمایتیوں کو بلالو، اگر تم سیتے ہو اا"الہقدہ "

پانجواں باب

قرآن کریمانتگا کلام ہے مران کریمانتگا کلام ہے بہلی فصل بہلی فصل

تران کریم کی اعجازی خصُوصیّات قرآن کریم کی اعجازی خصُوصیّات

جوجیزی فرآن کے کلام الہی ہونے پر دلالت کرتی ہیں ہے سمار ہیں ،ان ہیں سے مسیح المجدوں کے بیان پر اکتفاء کرتا ہوں ،اور باقی ان حبیبی چیزوں کو حجوظ دیتا ہوں مثلاً قرآن کریم ہیں کسی بنی کرتا ہو ں ،اور باقی ان حبیبی چیزوں کو حجوظ دیتا ہوں مثلاً قرآن کریم ہیں کسی بنی یا دنبوی بات کے بیان کے دقت مخالف اور معاند کا کبھی لحاظ کیا جا تاہے ،اور ہر چیز کے بیان کے وقت نواہ وہ نز غیبی ہو یا ظرانے کی ہو ، شفقت ہو یا عتاب ، اعترال ملحوظ ہوتا ہے ،اور بردونوں جبیب نریں انسانی کلام میں نایاب میں اکس لئے کہ انسان ہر حالت کے بیان میں اس کے مناسب گفتگو کرنا ہے ، امہ نلاعتاب اور نارا منی کے موقع بر ان لوگوں کی قطعی رعا بیت سہیں کرتا جوشفقت کے لاگق اور نارا منی کے موقع بر ان لوگوں کی قطعی رعا بیت سہیں کرتا جوشفقت کے لاگق

ہوں،اسی طرح اس کے برعکس، نیز دنیا کے ذکر سے موقع برآخرت کا حال یا آخت سر کی حالت بیان کرتے ہوئے دنیا کا حال ذکر نہیں کیا کرنا ،عضہ کی حالت میں قصوصے نادیک مدانی میں رہانی میں نا

بہائ صوصیت کی بلاغت کے اسس اعلی معیار پر بہنچا ہوائے ہوائے ہے۔ بہائی صوصیت کی بلاغت کے اسس اعلی مثال انسانی کلام میں قطعی تہیں منی ان کے

کلام کی بلاغت اس معیار کر بہونجے سے قاصرے، بلاغت کامطلب بہ ہے کرحس موقع پر کلام کیاجا رہا ہے اس کے منا سب معنی کے بیان کے بیع بہتر بن الفاظ اس طرح منتخب کئے جائیں کر مدعا کے بیان کرنے میں اور اس بیر دلالت کرنے میں افر اس بیر دلالت کرنے میں افر کلام کی دلالت حس قدر الفاظ زیادہ سٹ ندار اور معانی سٹ گفتہ ہوں گا در کلام کی دلالت حس قدر حال کے مطابق ہو گی اتنا ہی وہ کلام زیادہ بلیغ ہو گا، قرآن کریم بلاغت کے اس مبند معیار پر پورااتر تا ہے ، اس کے جند دلائل ہیں ، ۔

ام بلاغت کی بہی دلیل اس محدود ہے ، جسے اونٹ ، گوڑے یا عورت اور بادشاہ مبلاغت کی بیان کی محدود ہے ، جسے اونٹ ، گوڑے یا عورت اور بادشاہ

کی تعرافین، مشیمشیرزنی، نیزه بازی، جنگ یادی مارکا بیان و کیمی حال عجمیون کا ہے اور وہ شاعر ہوں یا انشاء بر داز ، عمو گا ان کی فصاحت امہی حبیب نه وں کے بیان میں دائر ہے ، بلکدان است یاء کے بیان میں ان کی فصاحت و بلاغت کا دائر ہ برا اس میں دائر ہے ، بلکدان است یاء کے بیان میں ان کی فصاحت و بلاغت کا دائر ہ برا وسیح ہے ، ایک تو اس لیے کہ بر چیز بس اکثر انسانوں کی طبیعت کے مطابق مین دوسر کے وسیع ہے ، ایک تو اس لیے کہ بر چیز بس اکثر انسانوں کی طبیعت کے مطابق مین دوسر کے اور قصیل کے دو قصاحت ، علم بیان کی اصطلاح میں اسے کہتے میں کہ عبارت کا مرافظ شکفته اور اسکی اوائیک کے سان ہو، عبارت میں بخوی دھر فی قوا عد کا پورا لیا ظرکھا گیا ہو ، الفاظ موقے موسے اور تقیل نہ

ہوں ان کے معنی عام محاولے ہیں منتہ ہور مہوں ، اور «بلاغن »کا مطلب یہ ہے کہ فضاحت کے ساخف سانخف اس بیں منحاطب اور موقع و محل کی پوری رعابیت ہو ، جا ہوں کے سامنے عالمانہ عبارت یا عالموں کے سامنے عامیانہ عبارت استعمال کی رجائے گی تو وہ بلاغت کے خلاف ہوگی ۱۳ تنتی

، اور ہرز مانہ کے شاعروں اوراد بیوں نے ان انشباء کا ذکر کرنے ہوئے کو ئی نہ لو ہے جدید مضمون یا لطبعت نکتہ بیان کیاہے ، جنامجہ بجب کے آنے والے لوگوں کے التي يهلوں كي موشكا فياں يہلے سے موجود ہوتى بين ، اب اگر کو تی شخص سبیم الذہن ہو، اور ان چنروں کے بیان کا ملکہ حاصل کرتے السلمشن كرف سع ذبني أور فكرى صلاحيتو ب كصطابق اس کوان است باء کی خوبی بیان کرنے کا ملکہ حاصل ہوجا تاہے ، چونکہ فرآنِ کریم میر خاص طور بيرات ياء كابيان منهي كياكيا ، لها زااس بين اليسة فصبح الفاظ كا وجود نہ ہونا جا ہے بین کی فصاحت اہل عرب کے نز دیب مسلم اور منفق علیہ سے ، قرآن كريم مين الله في الشيخ اورراست كوي كا يورا الماما مك ہے اور سارے قرآن میں کوئی ایب بات غلط یا مجھوط بہن ہے ف عرابینے کلام بیں سیسے لو سنے کی با بندی کرے ، اور حجوط کی آمیز *است* ے اس کا شعر بقیناً فضاحت سے گرجا تا ہے ، یہاں تک کہا وت مشہور ہوگئے ،کہ ٹہنز بین شعروہ ہے جس میں زیادہ سے زیادہ جھوط لو لا گیا ہتو ''تم دیکھے بوكه لبيد بن تصبير اور حسان بن المجه بطاد و نور بزرگ حب لمان بو كيَّ توان كاكلام له مین دافعہ یہ ہے کہ فر آن کریم میں کوئ لفظ فضاحت کے اعلیٰ معیارسے گرا ہوا نہیںہے ، برقرآن كريم كا كھلا ہوا اعجازہے ، ١٦ ت ت اس ليے كہ شعر كي سارى بطا فت اوراس كے مبالغوں اور نك أ فرينيوں بيں بنهاں ہوتی ہے اگر ان جزوں کو اس سے نکال دیا جائے تواسکی روح ہی تحتم موحاتی ہے ١٢ ت سے ١٠ لبيد بن رسيعه "عربي كے شعراء محفزيين ميں سے ہيں، سبعه معلفه مل ایکفیدهان کا بھی ہے،اسلام لانے کے بعدا بہوں نے شعر کہنا تقر بہا ترک کر دیا تھا تا کے "حسان بن ٹابن رض، مننہور انصاری صحابی ہیں ،عربی کے صاحب دابوان شاعر ہیں، جنھو کے ابینے اشعارکے ذربعہ اسلام کی ملافعت کی ، ۱۲ ت (آئندہ صفحہ کا حاشیہ ک صفحہ مہا ہرے

سے گر گیاان کے اسلامی دور کے اشعار جا ہلی زمانہ کے استعار کی طرح زور دار نہیں ہیں ا سیکن قرآن کریم با وجود حجوت سے پر ہمیز کرنے کے نہایت فصیح ہے ، تنبیری دلیل کسی قصیدہ کے تمام اشعار شروع سے آخریک فصیح نہیں ہوتے ، مبکہ تنبیری دلیل تمام فتر سے میں استعار شروع سے آخریک فصیح نہیں ہوتے ، مبکہ میں تمام تقییدہ میں ایک ہی دو شعرمعیاری ہوتے ہیں ،اور باقی انتعار پھیکے اور بے مزہ ، قرآن کریم اس کے برعکس باو جو دا تنی بڑی صنجیم کتا ب ہونے کے سارے کاسارا اس ورجب فضرے سے کہ تمام مخلوق اس کے معارضہ اور مفاہرسے عاجزے، حب کسی نے سور ہ بوسف رعلبرال ام کا بنظر غائر مطالعہ کیا ہو گاوہ جاتنا ہے کہ اتناطویل فقتہ ہیاں کے لحاظ سے جان بلاعن ہے ، بیوتھی دلیل آگرکو بی شناع یاادیب کسی صنمون یا قصه کو ایک سے زیادہ پیوتھی دلیل آبرہیان کرتا ہے ، تواکس کا دوسرا کلام پہلے کلام جیساھرگزنہیں ہوتا ،اس کے برخلاف قرآن کریم میں اسب یا علیہم اسلام کے واقعات، بیدائش وآخرت کے احوال احکام اورصفات خداوندی بجزنت اور بار کا ببان کے گئے بین اندازِ بیان تھی اختصار اورنطویل کے اعتبارے مختلف ہے ،عنوان وبیان میرایک ہی اسدوب اختیار نہیں کیاگیا ہے ، اسے با وجود ہر تعبیرا ور ہرعبارت انتہا ہے فصاحت کی حامل ہے ، اس لحاظ سے دونوں عبار توں میں کچھے تھے کھی تفاوت محسوس قرآن کریم نے عبادات کے فرص ہونے، ناشائے۔ تم امور کے بالبخوس دلیل افران ریم سے جارات کریں۔ بالبخوس دلیل افرام ہونے، اچھے اخلاق کی ترغیب دینے، دنیا کونزک کرنے ا در آخرت کو ترجیح دینے یا اور اسسی قسم کی دوسری باتوں کے بیان براکتفاء کیا ہے ان چنروں کا ذکر و تذکرہ کلام کی فصاحت کم کرنے کا موجب ہو تاہے ، چنانجیب اگر کو نئی قنصیح شاعریاا دبیب ففت یا عفا لئر کے نو درس مشلے السی تهمیزین فصیح عبارت میں سکھنے کا اُرادہ کرے جو بلیغ تشبیبات اور د قبق استعاروں کولئے ہوئے بهوتو وه قطعی عاجز بوگا ،اور ابینے مفصد میں ناکام ، کے امرء الفیس کامعلقہ فقیدہ ع بی ادب کاستوں سمجھا جانا ہے ، مگر اس کے پہلے شعر بہ سمیلاعنت کی جھی دارل کھوڑ دارل کام دورے مصابین کے بیابیں با مکل بھیکا پڑجا تاہے، جیسا کہ شعراء عرب کے تنعلق مضہورہے، کہ امراء القیس کے اشعار شراب، کباب عورتوں کے ذکر ادر گھوڑ دن کی تعریف ہیں ہے مثل ادر لا جواب ہیں، نابغہ کے اشعار خوف د ہمین کے بیان میں اشعلی کے شعرصن طلب ادر سٹراب کے دصف ہیں، زہیر

کے اشعار رغبت اور امید کے بیان میں بے نظیر ہوتے ہیں، شعراء فارس نظا می اور فردوسسی جنگ وجدل کے بیان میں بچتا ہیں، سعدی عزول کو تئے کے بادت ہ ہیں؛

توانوری قصیدہ گوئی کے امام میں ،

اس کے برعکس قرآن حکیم خواہ کوئی مضمون بیان کرے ترعیب کا ہو یا ترسہب کا ڈرانے والا ہو یا نصبےت کا ، ہرمضمون بین اس کی فصاحت کا سورج نصف النہار کو بینچا ہوا ہے ،ہم نمویز کے طور پر هرصنف بیان کی ایک ایک آبیت بیش کرتے ہیں۔

قرآن کریم کی بلاغ*ت نمونے*

ترغیب کام صنمون ترعیب کے سلسلہ میں ارمیشاد فر مایا گیاہے

کے خوداردد میں انبیں و دہر مرتبر کے بادشاہ ہیں ، ذوق تقیدہ گوئی میں مشہورہے ، غالب غزل کا ام ہے ، فانی حسرت و یاس کے بیان میں کیا ہیں ، اور ان مصنا بین سے ہے کران کے استعاریم کے انتخاریم کا مقال کی بہنجا کر دکھلا یاہے جن میں کوئی بشری ذہن بر راو میں کے بعد میں کوئی ادبی چاشنی بیدا نہیں کرسکنا، مثلاً قانوں ورانت کو بیجے ، ایک المیسا خشک اور سنگلاخ موضوع ہے جس میں دنیا بھر کے ادبی اور شاع کو دمیت اور عبارت کا حس پراکر ناج ہیں فونہیں کر سکتے ، لیکن اس بات کوؤمن میں رکھ کر سور و شاع بیں اور عبارت کا حس پراکر ناج ہیں فونہیں کر سکتے ، لیکن اس بات کوؤمن میں رکھ کر سور و شاع بیں بیٹو میں میں میں کوئی کر سور و شاع بیں کوئی میں میں کہ کر سور و المار کوع بڑھ جا بیٹے ، (بقیہ حاستیہ برصفی آئندہ)

فَلَا تَعْلُمُ نَفَنُ مَا أَخِفَى لَهُ مُ مِنْ فَتُ وَاعَنُنِ ، "رُجِب 8: كوئى شخص آ بھوں كى سُفناك كے اس سامان كو تہيں جانا ہود داس كے لئے يومنيده ركھا گياہے " تربہيب كامضمون

جہم کے عذاب سے ڈراتے ہوئے ارت دہے:۔ وَخَابَ كُلُّ جَبَّارِ عَنِيْدٍ مِنْ قَرَائِهِ جَهَنَّمُ وَكُيْسُفَى مِنَ مَّاءِ صَدِيْدٍ يَتَجَرُّعُهُ وَلَا يَكَادُ يُسِيْنُهُ وَ يَكُ يَتِهُ مَّاءِ صَدِيْدٍ يَتَجَرُّعُهُ وَلَا يَكَادُ يُسِيْنُهُ وَ يَكُ يَتِهُ الْكَوْنُ مِنْ كُلِّ مَكَانٍ قَ مَاهُو بِمَيِّتٍ وَمِنْ قَرَائِهِ عَذَاتٌ عَلَيْظُ -

وتضمكى اور ملامت

نرجب ہے بور ہم نے ہرائی کو اکس کے گناہ کے قومن دھرلیا ،ان بیں سے
لجھن وہ تقے جن پر هم نے بخطراؤ مجھنیا، بعض وہ تقے جنھیں چیخ نے
آ بچڑا ،اور لجھن وہ تھے جنھیں ہم نے زیبن میں دھنسا دیا اور لجھن
وہ تقے جنھیں ہم نے عزق کر ڈالا ، اور التُرط لم کر نے والا نہ تھا ، وہ
لوگ تو خو دا بنے جانوں پر ط لم کر رہے تھے ''
وعظ و نصیحت :

ووظ ونصبحت كامضمون ارست دفرا ياجار باب :-

أَفَرَايُتَ إِنْ مُتَعَنَّلُهُمْ سِنَيْنَ ثُمَّرَ جَاءَهُمْ مَا كَانْوَا يُوْعَكُدُونَ مَا أَغُنَّ عَنْهُمْ مَا كَانُوا يُمَتَّعُونَ ط

ترجب ، ولے مخاطب ذرابلاؤ تواگر ہم ان کوجبدس ال یک عبش میں سے در ابلاؤ تو اگر ہم ان کوجبدس ال یک عبش میں سے دہ دی ہے دہ ان کا دہ دیں ہے میں ان کا دہ

عبش کس کام آکتاب ا

دات و صفات کا بران :

اَللهُ لِيَعَلَى كُمْ مَا تَحْمِلُ كُلُّ الْنَهُ وَ مَا تَعْمِينُ الْأَرْحَامُ وَمَا تَزَدُّادُو كُلُّ شَكْئُ عِنْ دَلا بِمِقْ كَارِعَالِمُ الْغَيْبِ وَ الشَّهَادَةِ الْكَبِيرُ الْمُتَعَالَ ﴿

ترجی و الله تعالی کوسب نجرد بهنی ہے جو کچھ کسی عورت کو حمل رہتا ہے اور ہو کچھ کسی عورت کو حمل رہتا ہے اور ہو کچھ میں کمی بیشی ہوتی ہے ، اور ہر شے اللہ کے نز دبک ایک خاص انداز سے ہے ، وہ تمام پوشیدہ اور ظاہر چیب زوں کا جانے میں میں میں انداز سے ہے ، وہ تمام پوشیدہ اور ظاہر چیب زوں کا جانے سے طور اللہ شدا

واللب سب بطاعالى شان ہے ؟

اگر کلام کواکیہ مضمون سے دوسرے مضمون کی جا بہتناتی کیاجائے اور وہ مختلف مضابین کے بیان پرمشنل ہو نو

السی شکل میں کلام کے اجزاء کے درمیان عمدہ قسم کار بط اور بور انہیں

، اسس لنے وہ کلام بلاغت کے محباری در حب سے گرجا ناہے ، اس کے برعکس قرآن کریم میں ایک وافعہ سے دو سیطرح وہ امرو بنی کے معنا بین ادر خبور کر، نبوّت کے اثبات اور توحب ر ذات وصفات ، ترغیب ، اور كہا وتو س كے مختلف النوع مضابين بيان كرتاہے ، اس كے با وجود ں میں کمال در سرے کاربط اور نعلق اور آگے کا پیچھے سے جوٹ موجو دہے ،ال بلاغن اليا اعلى معيار فائم رمناب جوانساني عادت كے خلاف ہے ، أسسى ع ب کے بلغاء کی عقلیں فرآن کو دیجے کر جران ہی ، الفاظ میں بے سشمار معانی کو اس طرح سمولت سے جسے سمندر بانتفركه اس كي حلاوت اورستيريني اورزياده ہوجاتی ہے ،جن لوگوں نے سورۂ مک کی ابتدائی ہیوں پرعور کیا ہو گاوہ میر۔ قول کی سنجانی کی شہا دت دیں گئے کہ کس عجیب طرلفیہ بیہ اس کی ابنداء کی گئی ے ،کفار کے واقعات اور ان کی مخالفت وعناد کے بیان کے ساتھ گنز الموں کے ملاک کے جانے سے اس کو تبنیہ کی گئی ، ان کا حضور کم کی تکذیب کر نا ۱۰ورفز آن کریم کے نازل ہونے پر تعجب اور حیرت ک^{رنا} ہیان ب ر داروں کا محفر پرمتفق ہو نا ، اگن کے کلام میں حسد کا مایان ہو نا اور ان کی تعجیز و تحفیر ، دنیا اور آخرت میں ان کی رسوائی اور ذک^یت کی دھمکی، ان سے مہلی فؤموں کی تحذیب کا بیان ، اورانٹر کا ان کو ہلاک کڑا، قراب ے راوگوں کوامم سالف کی سی ملاکت کی دھمکی ، صنور صالات یب ۱۰ور آب کی دلداری اور تس اس مے بعد داود ، سببان ، الوب ، ابراہیم اور لیفوب علیم السلام کے واقعا کا بیان ، یہ سب مضابین اور وا فغان بہن ہی مخفر اور تھو دیے الفاظ میں

بیان فرائے گئے میں ،اس طین ارشادہ،

اعجاز قرآني كالبك جيرت الكيزنمونه المُ لَكُمُ فِي الْقِصَاصِ حَيْوَةً ، شبحان الثدا اس حبله کی جامعیت برم

عقل انسانی دبگ ره جاتی ہے ، اس قدراختصار اور تھے۔ ربے مشمار معانی سے مالا مال ، بلاغت کا شف ہمار ہونے کے علاوہ رومتقابل معانی لعینی قصاص و حیات کے درمیان مطابقت پرمشنل ہے ، ساتھ ساتھ مسنمون کی نکرت مجى يائ جانى ہے، كيونك قتل جوحيات كوفناكردينے والات اسكو خود حيات كا ظرف قرار دیا گیاہے ، یہ کلام ان تمام تعبیرات ادر مقولوں سے بہز اور عمده ہے جو اہل وب کے بیب اس مفہوم کی ادائیکی کے لئے مشہور ہیں ،سس ز باده مشهور كهاو تين أسس سلسله مين بربس :-قَتُنُلُ الْبَعَصِ احْسَاحٌ لِللْجَمِيعِ

« بعض لوگوں کا قنل باقی تمام انسانوں کے لیے زندگی کا سامان ہوتا ہے''

١ كثره االْقَتْلَ ليقلَّ القَتُلُ « قتل زماده کرو تاکه قتل کم بهوجا میس «

اور

ٱلْقَتُلُ ٱنْفِي لِلْقَتُل قتل قتل کو دور کرتاہے ''

له مطابقت باطباق ، علم بدیع کی اصطلاح بی ایک صنعت ہے جس کا مطلب یہ ہے كه أيب جمله مين دويا دوسي زياده منتفنا د بجنرون كاجمع كردينا منتلاً مه كل شبستم كبرر ماتفا زند كاني كومركر شمع بولی، گریم عرکے سو انجھ تھی بنیں

ذكونه بالا آبت مي عجى قصاص اور ذند كى كو يجا كرك ابب صين مطابقت ببداكى كمع بدات

ميكن قرآني الفاظ ان كے مقابلہ بن جھ وحب سے زيادہ فصبح بن :- قرآنی جلدان سب ففروں سے نہ یادہ مخقرہے ،اس نے کہ و کہ کے "، کا نفظ تواسس من شمار منس كياجائ كا ،كيزىكد برلفظ سرمفوله مين محزوف ماننايرے كَا ، شَلاً : - قَتُلُ الْبَعُضِ آحُبَاعَ لِلْجَمِيْعِ بِي بَينِ اس كومقدر ماننا طروري ب اسى طرح اَلْفَتُكُ اَنْفُ لِلْقَنْدَلِ بِي مِعِي، اب حرف فِي الْقِصَاصِ حَيْوتُهُ مِي مروف مجوعی دوسےرا قوال کے حروف کی نسبت سے بہت مختر ہیں، السَّاني كلام أَلْقَنتُكُ أَنْفُحْ لِلْقَنْتُلِ بِظَا بِرَاكُسَ كَامِقْتَ بِي كَدَابِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ خوداین نفی کا سبب ہوسکے ، اور برعیب ہے ،اس مے برعکس الفاظ فرائی کا تقاضا ب كرقل كى ايك نوع حس كوقصاص كماجا تأب حيات كى ايك فوع كاسبب ، ان کے بہتر بن کلام میں تکرار لفظی قنل کا وجود ہے، جوعیہ مارکیا گیا ہے برخلاف الفاظ قرآن کے کہاس میں کرار مہیں، ان کا بربہزین کلام فل سےروکنے کے علاوہ اور کسی معنی کا فائرہ نہیں دے ر باہے ،اس کے برعکس الف ظ فرآن قبل اور زخمی کرنے دو نوں سے روکنے کا فائرہ ے رہے ہیں،اس لئے برکلام زبادہ عام اورمفید ہوا، ۵ ان کها و نو س س تسل کو ایک دوسری حکمت کا تابع بناکراسے مطلوب قراردیا گیاہے ،اس کے برعکس قسراً نی الفاظ میں بلاغت اس لیے زیادہ ہے کہ وہ فقل کا نتیجہ زند گی کو قرار دیتا ہے جوا صل مقصود ہے ، اس سے خود قتل کے مفضود ہونے براشارہ رظلتُ قتل کرنامجی قتل کی ایک نوع ہے ، مگر یہ قتل کور و کنے دالی ہرگز نہیں س کے برعکس فضاص بہرصورت مفید سی مفید ہے ، لہلنذا انسانی کلام بنا ہر غلط اورقراني الفاظ طاهري و باطني طوربر فيسح بين، ا وركهاونوں كے اندر قبل كى كوئ تفصيل نہيں بلائي كئي كه كونسا مفيد ہے اور كونسا مصر، قرآن كريم في تتل كى بجائے رو قصاص "كالفظ استنعال فرماكريہ تفصيل كھى بيان فرادى سے ١٢ت

اسی طرح باری تعالی کاارست د ہے :

وَمَنْ لَيُطِعِ اللهُ وَرَسُولَ لَهُ وَيَخْتَى اللهَ وَيَتَقِيهُ ط فَالُولِطُكُ هُـهُ الْفَائِنُ وُنَ ط

اس ليے كريہ قول با وجود مختصرالفا ظ كے تام عزورى چيزوں كوجا مع ہے ،

حضرت عمر اوربطريق روم كا واقع أرمني الله ايك روزمسجدين آرم

فر الهب تھے، کہ اجا بک ایک شخص کود بھا ہوآ ہے کے سر بانے کھڑا ہوا کامۂ شہادت بیرہ مرباتھا پو جھیے پر اسس نے بتایا کہ میں روم کے ان علم اعتبے ہوں ہوع بی اور دوسری مہت سی زبا بیں خوب جانے ہیں، میں نے ایک سلمان فنیدی کو ہمھاری کتاب کی ایک آبیت پڑھے شنا اور بھر بور کیا تو وہ آبت عبیلی علیبرات لام بیرناز ل ہونے والی ان تمام آبات کو جامع ہے جود نیا اور آخرت کے احوال کے سلسلہ میں اُن پر نازل ہوئی ہیں، وہ آبیت

مَنْ يَّطِعِ اللهُ وَدَيْسُوْ لَـ أَ ہِے. حبین بن علی واقد می اور ایک عبیسانی طبیب کی حکابت ایک طبیب

حادٰ ق نے حسین بن علی وا قدی سے سوال کیا کہ تھے اری کتاب قرآن میں علمِ طب کی کوئی ہے۔ ذکر نہیں کی گئی ، حالانکہ علم کی دو قسمیں ہیں ، علم الابدان اور علم الادیان ،

که اظها دالی کے تمام نسخوں میں ایسا ہی ہے ، مگر شہور علی بن حبین دا قدہ ، چا کی علامہ آکو سی نے بھی یہ ام اسی طرح ذکر کیا ہے ، انہوں نے بیروافعہ سورہ اعوان کی آیت لا نشر فی اکے ذیل میں کتاب العجام بگلائی کے حوالہ سے ذکر کیا ہے دیجھے و وح المعافی فی ، ج خودم صنعت رہ نے مقدم میں انہی کا ایک واقعہ ذکر کیا ہے ہا اس علی بن حیین ہی لکھا ہے (د مجھے صفوع کی ۔ سلام علم الابدان بعنی انسانی حبم اس پر واقع سونے دانے امراص اور ان کے علاج کا علم جسے طب کہنے ہیں ، اور علم الاد مان دینی مذاہر ب کا علم،

حیین نے جواب دیا کرخی تعالیٰ سٹ اؤ نے تو بوراعلم طیب نصف آیت میں بیان فرا دیاہے، طبیب نے بوجھاوہ کونسی آیت ہے و کہاکہ :

عُلُواْ وَاسْتُرَابُواْ وَكَا لَدُرُونُوْ كُلُواْ وَاسْتُرَافِراً مِلْوَادِر السياف مُ كُرودٌ

بعنی جو کھانے پینے کی چیزیں خدانے ہمارے سے طلال کی بیں ان کو کھاؤ پیواور حرام کی طرف من بڑھو، اور اس قدر زیادہ مقدار من استعال کر وجومفر ہو، اور حب کی تم کو صرورت کھی نہ ہو،

وم وسروس بی منظمیر بی این می است است می اس سلسله میں کچھ فرایا ہے ؟ انہوں کے مرطبیب نے پوچھاکہ کیا تمتھائے بنی نے بھی اس سلسله میں کچھ فرایا ہے ؟ انہوں نے فرایا بینیک ہارہے حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے نوبی اللہ وسلم نے فرایا :۔
دیا ہے ، طبیب نے پوچھا کیسے ؟ انہوں نے کہا حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے فرایا :۔
اکوملے کہ گئے بیاتے السند آاہ کو الحجمیت فرائش کے لا دوا ہے کا غیط

ترجی بد معدہ امراض کا گھرہے ، اور بہم بزستے بڑی دواہے ، اور بدن کو و ، چیزدو حسن کا مراض کا گھرہے ، اور بہم بزستے بڑی دواہے ، اور بدن کو و ، چیزدو حسن کا تم نے اسے عادی بنایا ہے ؛

حَيُّلَّ بَكَ بِن مَاعَوَّدَتُهُ ءُ

طبیب نے کہاکہ انصاف کی بات نو یہ ہے کہ بنی علیہ السلام اور متھاری کتاب نے جا لبینوس کی عزورت باقی منیں جھوٹی، بعنی دونوں نے وہ چیز بتادی جو حفظ صحت اور از الدم مرض کے لئے اصل اور مدارہے،

نوس دلیل الام کی شوکت اور شیرینی و حلادت در متضا دصفتیں ہیں، جرکاجماع الویس دلیل الام کے ہر جزد میں مناسب مفلار کے ساتھ عادۃ ادباء کے

که پرالفاظ کنب صین بین بہیں ہمیں ہمیں ہے ، وروی الطبرانی بضعف عن ابی هر مربع نے المعلّی موسی الله کا دا صعب المعدی فا صدی رت العرب وق موسی المبیدا و ارد فا فاذا صعب المعدی فا صدی رت العرب وق بالصحنة واذ ا فسدی نہ المعدی فا صدرت العرب وق بالشقد رجمع الفوائر طرّی اور ملامہ آلوں کا فائد المعدی فا میں حیث وافذ کا فدکورہ فقد ربقیہ برصفی آئندہ)

کلام میں نہیں ہوتا بھر ان دونوں جیزوں کا جا بجا تمام مواقع برق آن کریم میں پایا
جانا دلیل ہے کمال بلاغت اور فصاحت کی جو انسانی عادت سے خارج ہے ،

رسویں دلیل
فرآن کریم بلاغت کی جمع اقسام وانواع پرشتن ہے ، شلا تاکید
اور مطالع وحشن مفاصل کی اقسام ، تقدیم وانوی ، فصل اور وصل اور ایسے رکیک اور
شند ذالفاظ سے قرآن کریم سیسر خالی ہے ، جونحوی صرفی قواعد یا بغوی استعمال کے
خلاف ہوں ، بڑے بڑے ادباء اور شعراء میں سے کوئی بھی ان بلاغت کی مذکور ہ
انواع میں سے ایک دوسے زیادہ این کلام میں استعمال نئی ہیں ، فرآن کریم اسے سے کوئی بھی کرنے ہیں ، فرآن کریم اسی ان ما موازع بلاغت سے سے ایر طوکریں کھائی ہیں ، فرآن کریم اسی کے برعکس ان نام انواع بلاغت سے سے ایر طوکریں کھائی ہیں ، فرآن کریم اسی

رگذشندسے بیوسند) مکھے کے بعد فر ایام کہ " یرانفاظ آ بخفرت صلی اللہ علیہ وسلم کے بہیں ایس ، بلکہ حارث من کلدہ کے بین " البنہ صفرت الو ہر یری کی جوروابت ہم نے جمع الفوائر سے نقل کی ہے آئے بہوں نے بہتی کی منعب الایمان سے بھی نقل کیا ہے ، اور لکھا ہے کہ دار قطنی نے اس حدیث کو بھی موضع فرار دیاہے (روح المحانی ، ص ۱۱۱ جلد ۸)

مله انس کی بہترین مثال سور ہ تکویر کی ہم آیت ہے حب میں شوکت اور نتیرینی کوجس معجز انالز

سے سمویاگیاہے ، اس پرذوق سسبم *وحدکر " اہے س* « فلاً اُفْسِٹ بِالْمُحَنَّسِ الْجَوَّارِ الْمُكُنَّسِ وَاللَّہُ لِ إِذَا عَسْعَسَ وَالصَّبْرَجِ إِذَا تَنَفَّسَ

تَّهُ كُفُولُ رُسُولٍ حَرِيْمِ فِي فَقَ إِلَا عِنْدَ ذِي الْعَرُ شِي مَكِيْنِ ،

سان کے کلام میں ان دونوں چیزوں کا اجتماع شاذ و نادر ہی ہوتا ہے یہ بات نتاید اس طرح واضح ہوسکے مرکز ایک شعر کہاتھا ہے

> مرہانے تیرکے آہسنہ بولو ، اکبی میک روتے روتے سوگیاہے رسودانے کہاکہ مہ

سودا کی جو بالیس پر ہواشورِ فیامت ، ضام ادب بولے اہمی ایکھ لگی ہے،

یہ دسن وجوہ ہیں جو اس برولالت کرتی ہی کدفران کریم بلاغت کے ال بہ پر بہنچاہوئے ہو انسانی عادت سے خارج ہے ،اکسس بات کوفھ کا مئے عرب پنے سیلیقہ سے سمجھتے ہیں،اور عجمی علماء علم بیان کی مہارت اور اسبالیب کلام كے اماط سے ، اور بوشخص لغن عرب جتنی زیادہ واقفیت ركھنا ہو گاوہ لبسبت دوسروں کے تسرآنی اعجاز کوزیادہ سمجھے گا،

قرآن كريم كى دُوسى خصوصتيت

دوسسری چیز بوفر آن کے کلام آلہی ہونے برد لالٹ کرتی ہے وہ اسس کی عجب ترکیب اداراس توب آینوں کے آفازوا نتہاکا الداز سسا تھے ہی اس کے علم بیان مے دقائق اور عرفانی حفائق برشتل ہونا ، نیر خشن عبارت اور پاکیزہ اشاہے ، سلیس ز کیبیں اور بہتر ین ترتیب ، ان مجوعی خوبیوں کو دیکھ کر بڑے بڑے ادباء کی

قرآن كريم كي فصاحت و بلاغن كومعجزانه صر بك پهنجا دینے بین ایک حكمت توير كقى كركسى براي سے برائے دھرم كونھى ير كہنے كى كنجاشش سررہے كم

معاذا للہ اس کلام بیں قصص یا یاجا "ائے ، دوسرے یہ کہ انٹر کا کلام انسانوں کے کلام سے اس صر تک ممتاز ہوجائے رکسی بڑے سے بڑے ادبب اور شاع کا کلام اس کی گردکو بھی ندبہو کے سکے ، کوئی اربب غلطبوں اس بیچ کہ انسانوں میں جتنے ادیب گذہے ہیں چاہے وہ نشر نگار ہوں بات ع ، خاص طور سے اپنے کلام کے آغاز سے خالی سنیس رہا ، ارمطاکع ، کو حسین سے حسین تر بنانے کی کوشسش کرتے ركذ شترسے بیوسند) میرکے شعریں ائنہا درجہ كی شیرینی ہے، مگر سٹوكت نہیں، اورسوداكے شع ين شوكن ب مرشيرين ادر نزاكن كا دور دور بنز بنين ، فرآن كريم كي آينون بين دو فون بيزون

سائقەنظراتى بىي،ت

ہیں، حصن ابتداء ہی وہ چیزہے ہو ایک ادیب کے کلام کو جبکا دینی ہے ، اوراسی میں کوئی مغز سش ہو جائے تو بورے کلام کاحمشی غارت ہوجا ناہے ، مثلاً امر والفیس کو لیجئے ، اس کے مضہور قصیدے کا مطلع ہے ہ

· قفانبِك من ذكري جينبِ فزل ، بسقط اللوني بين الدخول فعومل

شعرك نافذون في أكس برًب اعتراض كياب كداس شعركاب للمصرع ابف الفاظ

ی شیر بنی ازاکن اور مختف قسم کے معانی کو ابک جملہ میں جمع کر دینے کے اعتبار سے

بے نظیر ہے،اس سے کہ اس بین وہ اپنے آب کو تھی معبوب کی باد بیں تھی نے کی دعوت

دے رہا ہے، اور ابیض مخصوں کو تھجی، خود تھجی رور ہاہے، دوسر وں کو تھجی ٹرلار ہا ہے، مجبوب کو تھجی یا دکر رہا ہے اور اسس کے گھرکو تھجی، لیکن دوسسرام صرعہ ان تمام

اکتوں سے خالی سے خالی

اسی طرح عربی کے مضہور شاع ابو البخم کے بارے میں مشہور ہے کہ وہ مہنا م سی عبد الملک کے پاکس گیا، اور قصید ہے کا مطلع بڑھا ہ

صفراء قد كادت ولما تفعل

كأنها فى الأفق عين الاحول

اتفاقت بشام مجينيكا نفاءاكس سے اس نے ابوالبنم كونكال باہركيا ورقبيركوا يا

ا شعر کامفہوم ہے کہ شاعرا ہے دوسا تقیوں کے سا تف مجوب کے ایک پرانے مکان سے پاس سے گذر ا ہے بواب کھنڈر بن چکا ہے ، توسا تقیوں سے کہنا ہے 2 مظہرو! ذرا محبوب اور اس کے گھر کو باد کرکے رو

لیں، وہ گھرجو طیلے کے کنا سے مفام وخول اورمقام و مل کے درمیان وا فنع تفا " کله اس شعر کے معنی

ير عفن ناقدول في براعز اص ميمي كيا ہے كر مجوب كى يادين دوسر ذكوروف كى دعوت دينا بغرب

عاشقی کے خلاف ہے ،اورغول کاکو ہی مطلع عاشقی کے خلاف مز ہو ناچا ہے ، سل ہوامیہ کامنہ ہو تعلید ا سلامے بی سلامے بی حبس کے زمانہ ہیں مسلمانوں کی فوجیں فرانس بک بہر پنے گئی تھیں کا مناعر

موری کے عزدب کامنظر پیش کررہا ہے ، کہ: "ک وہ زر در و ہوچکا ہے ، ا ور فریب ہے کہ دویا ع

لكن ابھي دوبارنبيں، أفق ير وہ ايسا معلوم ہونا ہے جيسے بھينگے كى آئجھ ك ھے حالانكہ ابوالبخ ہشام

کے بے نکنف دوستوں میں سے تھا ، الینا ہی ایک واقعہ ذوالرّمہ کا بھی بیان کیاجا تا ہے کہ اس نے عبرالملک اللہ

المصفحراتيده)

اسی طرح جربیرنے ایک مرنت, عبدالملک کی مثنان بیں ایک مرحبہ قصیدہ پڑھا بس کا مطلع نفاع

أتصحوا أم فؤاد له عند صباح اس يرعبدالمك نے بركاكركا:

بُل فؤادك أنت ياابن الفاعلة"

" بعنی خود تیرا دل کے ہوست ہوگا "

اسی طرح بحتری نے پوسف بن محمود کے سامنے مطلع بڑھا مہ اسی طرح بحتری نے پوسف بن محمود کے سامنے مطلع بڑھا مہ لکے الوبیل من لیبل تفناص اخری

باد مشاہ نے فور ًا کہا: 'اس کا نہیں، نیراً ناکس ہو'' اسلحیٰ عموصلی مانا ہواا دیب ہے ، وہ ایک مرتبہ معنصر کے پاکس گیا، بازہ ابنی دنو ن میدان کے اندر اپنامحل تعمیرکر کے فارغ ہوا ، اسلحق نے جاکر اکس کے سامنے اپنا پرمطلع پڑھا۔

للزف برس بیوست کے سامنے قصیدے کا مطلع بڑھا ۔

مابال عينكمنها الماء ينسكب

" بترى آنھ کو کیا ہو گیا کہ اس سے بانی بہتارہتا ہے " عبدالملک کو آنکھ بہنے کامر من تھا وہ سمجا کہ استی مجے پرچ ط کی ہے ، جنا بجرا سے عضب ناک ہو کرنے کلوا دیا رائعمدۃ الابن رشنبتی ،ص ۲۲ جلداق ل مجھے پرچ ط کی ہے ، جنا بجرا سے عضب ناک ہو کرنے کلوا دیا رائعمدۃ الابن رشنبتی ،ص ۲۲ جلداق ل ملے بعین "کیا نوہوسش بیں ہے یا بترا دل ہے ہو کش ہے ہو" اس کا دوسرا مصرعہ ہے ، عشبہ تھ مر سات میں اواقعت منه تھا کہ شاعوا بیٹے آ ہا ہی کو خرطا ب کررہا ہے ، لیکن اکس نے اسے عود ل کے مطلع کا عرب سمجھ کرا سے تبدیر کی ،

سله بعنی "تیرانانسسمو، اے وہ رات جس کا آخری صفر براکوتا ہ نا بت ہوا، غزل کی ابنداء میں بیا بددعاء ذوق سلیم بربارہے، اس سلے بادث منے اُلٹی اُسے بددعادی،

الله استی بن ابراہیم موصلی رسی کے معنی آفرین کی بنیاد ڈالی اور اپنی خادر السکلامی کالو ہامنوایا ، انفی معنی آفرین کی بنیاد ڈالی اور اپنی خادر السکلامی کالو ہامنوایا ، انفی

يا دارع يوك البلى وهاك إ ياليت شعرى ماالذى أبلاك

معتصم نے اس شوسے بدت گونی لینے ہوئے فورًا محل کوگرانے کامکم دیڈیا،
عزض اسی طح براے مشہور سندواء نے ان مقامات پر لغزشیں اور مطوکریں
کھائی ہیں ،سٹ فاء عوب باوجود اس کے کہ کلام کے اسرار پر پوری مہارت رکھتے
سے اور اسلام سے شدید عدادت بھی، لیکن قرآن کی بلا بخت اور الفاظی خولصورتی
اور اسلوب وطرز کی عمد گی میں انگی رکھنے کی مجال نہ پاسکے، اور نہ کوئی عیب کنے
کی قدرت ہوئی بلکا مفوں نے اس بات کا اعتراف کیا کہ یہ کلام شاعووں کے شعراور
اور خطیبوں کے خطیوں جیسا ہرگز نہیں ہے ، البندا سکی فصاحت پر جران ہوئے
ہوئے کہجی اسس کو جادو کہا ، اور کہجی یہ کہا کہ یہ محمد رصلی الشرعلی ہے ہی کا تراسیدہ
بوٹے کہجی اس کو جادو کہا ، اور کہجی یہ کہا کہ یہ محمد رصلی الشرعلی ہے ہی کا تراسیدہ
اور بہوں کی بے سند بایش ہیں جو نقل ہوتی جلی آتی ہیں، کہجی ایت سے مورم چاؤی شابد
اور بہوں کی جو سند بایش ہیں جو نقل ہوتی جلی آتی ہیں، کہجی ایت سے مورم چاؤی شابد
اس طریق ہے ہیں کہ اس فر آن کومت سنوں ، اور جب بڑھا جائے تو نوب شور مچاؤی شابد
اس طریق ہے ہیں کہ اس فر آن کومت سنوں ، اور خب بڑھا جائے تو نوب شور مجاؤی شابد
اس طریق ہے ہیں کہ اس فر آن کومت سنوں ، اور خب بڑھا جائے تو نوب شور مجاؤی شابد
اس طریق ہے ہیں کہ اس فر آن کومت سنوں ، اور خب بڑھا جائی ہیں کہ بوتی ہے ہوجے ران
اور لا جواب ہواکر نا ہے ،

کے ذرقوں اور سنگانی بھر یوں سے کہ نہ خا ، اور جوابی حمیت اور عصبیت بی مشہور سنے ، جوابک دوسرے کے مقابلہ میں تفاخر کی جنگ کے دلدادہ اور حسب و نسب کی مرافعت کے عادی سنے ، اسموں نے بڑی اسان بات بعنی سب چھوٹی قرآن کی سور ہ کے برا برسورت تیار کرنے کی بجائے شدید زین صعوبتیں برداشت کرنے کو ترجیح دی ، جلاوطن ہوئے ،گرد نیں کٹا ٹیں اور قیمتی جا نیں ، فران کیں ، بال بچوں کی گرفتاری اور مال وا ملاک کی بربادی سہی ، مگر قرآن کے مقابلہ میں ایک سورت بہش مذکر سے ، حالا کے ان کا مخالف جیلنے دہنے والا عرص می دراز کی آن کے بھر سے بعوں میں اور محفلوں میں اس فت کے والا عرص میں اس فت کے الفاظ سے آن کو جیلنے کر تاری ا

ادراگرتم کوامس کناب کے باتے میں ذرا بھی شک شعبہ ہے جوہم نے اپنے بندے پر از ل کی ہے توامس جیسی بندے پر از ل کی ہے توامس جیسی ایک سورت بنالاؤ ،اوراگر ہے ہوتو استے ہوتو استے متھا اے جائتی ہیں اسب کواپنی مدد کے لیے بلا لو، بھر بھی اگرتم السانہ کرسکو ، اور بھین ہے کہ ہرگز نہر سکو گے تو پھرامس اسک سے نہر کرسکو گے تو پھرامس اسک سے نہر کرسکو گے تو پھرامس اسک سے نہر کرسکو گے تو پھرامس اسک سے

دوسری حگہ بوری دعواہے کے ساتھ کیا:

قُلُ لَئِنِ الْجَمَّعَيْتِ الْإِنْسُ وَالْجِنَّ عَلَى اَنْ يَّاتُوْ إِبِمِثْلِ هُ ذَا الْقُتُ انِ لَايَا تَوُنَ بِمِنْ لِهِ وَدَوْكَانَ بَعْضُهُ مُ لِبَعْضِ ظَهِبُ وَاه

زجمہ: را آی فرا دیکیے کہ اگر تمام انسان اور جنآت مل کر اس قر آن کے جبیا کلام بنانا یا ہی تو بھی امس جیسا نہیں بناسکیں گئے ، نواہ ان میں سے ایک دوسے

کی گنتیٰ ہی مدد کیوں مذکرے '<u>'</u> اور اگر ان کا یہ گسان تھا کہ ھے سئر کیاک صلی اللہ علیہ وسلم مے کسی دوسرے کی مددسے بیر کتاب نیآر کی ہے توان کے لئے تھی الیا ہی مو قع تھا ،کہ دوسے کی مددسے ایسی کناب تیا رکر دینے ،کیونکم محرصلی الله علب وسلم سجی توزباندانی اور مدد طلب كرف مين منكرين سي كي طح بن ،

جب انھوںنے ایسا مذکیا ،اور قرآن مجیت رکامقا بلہ کرسنے پر جنگ و جدل لوترجیح دی، اور زبانی مقابله کے بجائے مار دھاٹ کو گواراکیا، تو ثابت ہوگا کہ <u>تُسراًن كريم ك</u>ى بلاغنِت اُن كوتسليم تقى ،اورو ه اسكى معارضى عاجست عاجست ، زیادہ سے زیادہ یہ ہواکہ وہ دو فرقوں کر تقتیم ہوگئے، کچھ لوگوں نے اکس کتا ب كى اور بنى م كى تصديق كى ، اور كمجه لوكس اس كى حيين بلا عن پرجيرت زوه

روایات میں آیاہے کہ ولیر بن مغیرہ نے مضور صلی اللہ علیہ سلم سے

إِنَّ اللَّهُ يَا مُنْ بِالْعَكْدِلِ وَالْإِحْسَانِ وَإِيْتَاءَ ذِي الْقُتْ لِي بنهى عَنِ الْفَحْثُ آءِ وَالْمُنْكِرِط

شب استرتعالی انصاف ، نکو کاری، اور قرین رسسته دارون کو دا دو د منش کا حکم دیا ہے اور فعسش اور بیہورہ بانوں سے روکمانے " تو کہنے دگا کہ خداکی فتم ااسس کلام بین عبیب فتم کی مظامس اور رونی ہے، اس میں بلاکی روانی اور شیر بنی ہے ،

اسی طرح دوسری روایت میں آیا ہے کہ اُس نے جب آن کریم سنا تو بڑی رقت طاری ہوئی ،ابوجہل نے جب شنا تو تنبیہ کرنے اس کے پاس آیا،اور بر ابوجہل کا بھتیجا تھا ، وں برنے جواب دیا کہ خدا کی قسم! تم میں کوئی شعر کے حسق قبیج کو مجھ سے زیادہ جانبے والا تنہیں ، خدا کی قسم! جو محمد کہتا ہے اسس کو کوئی تھی ہیں ہو اور مشابہت شعر کے ساتھ نہیں تلقیے ،

کہاکہ ہم کہیں گے کہ وہ جا دوگر ہیں، جائے۔ بر بر کا کہ ان ہا توں میں سے تم ہو بھی کہو گے میرے نزدیک باطل اور غلط ہے ، ، البنزجا دوگر ہو ناؤ را درست ہوگا، اسلے کہ سیا ہادو ہے جو باب بیٹے میں ، بھائی بھائی میں ، اور خاوند بیوی میں جرائی ڈالو بیا السیاجادو ہے جو باب بیٹے میں ، بھائی بھائی میں ، اور خاوند بیوی میں جرائی ڈالو بیا کہ اس کے پورے الفاظ یہ ہیں: - واللہ ان لقو لمه الذی یقول حلاوة وان علیه لطلاق وان المتی الفاظ ما عدد قاسفلہ وان لمیعلوا ما بعالی وان المیصل ما تحته ولید کے یہ الفاظ حاکم اور بہتی کی روایت سے علام سیوطی رہنے نقل کئے ہیں ۔ (الحف القی الکیری میں الح و اللہ تقان میں بھی کی روایت سے علام سیوطی رہنے نقل کئے ہیں ۔ (الحف القی الکیری میں الح و اللہ تقان میں بین من طریق عکرمة عن ابن اللہ تقان میں اللہ وہ والی اکیت سنگر کہے تھے ۱ سک اخرج الحاکم والبیہتی من طریق عکرمة عن ابن عبار میں اللہ فاللہ کی رص میں اللہ عبار میں میں تنو میں میں تنو کیا گوانی بند نیز، وہ نشر میں میں تنو عبار کرنا فی الخصائص الکبری رص ۱۵ بی ۱۲ تقی سکہ شجع " یعنی قائی بند نیز، وہ نشر میں میں تنور عبار کرنا فی النے میں الکہ کی رص میں اللہ عبار کرنا فی النے میں الکرن کرنا فی النے میں الکرن کور میں میں بین کرنا فی النے میں الکرن کی رص ۱۵ بی ۱۲ تقی سکہ شجع " یعنی قائی بند نیز، وہ نشر میں میں تنور عبار کوری کرنا فی النے میں اللہ کی روایت سے کہ ۱۲ تقی سکہ شجع " یعنی قائی بند نیز، وہ نشر میں میں تنور کرنا فی النے میں کرنا فی النے میں اللہ کوری میں اللہ کوری اللہ کوری میں اللہ کوری میں اللہ کوری میں اللہ کوری میں اللہ کوری کرنا فی اللہ کوری کرنا فی اللہ کوری کی دوری کرنا فی اللہ کوری کرنا فی اللہ کی دوری کرنا فی اللہ کوری کرنا فی اللہ کوری کرنا فی اللہ کوری کرنا کی اللہ کوری کرنا فی اللہ کوری کرنا کی کرنا فی اللہ کوری کرنا کی کرنا فی اللہ کرنا کی کرنا کے کرنا کی کرنا فی کرنا فی اللہ کوری کرنا کی کرنا کی کرنا کی کرنا کی کرنا کوری کرنا کی کرنا کرنا کی کرنا کی کرنا کی

كى طرح قافيوں كاالتزام كياكيا بومثلاً "بيلے بات كوتولو كير بولوك ١٢

اور آدمی کوامس کے قبیلے اور خاندان سے الگ کر دیتا ہے ،

اور آدمی کوامس کے قبیلے اور خاندان سے الگ کر دیتا ہے ،

اور آدمی کوام کو گھے کے اللہ کو اللہ کے اللہ کو سے اللہ کو سے اللہ کو سے رو کئے لگے ، اس سلسلہ میں آبیت کر بہہ ولبد کی شان میں نازل ہوئی :-

« ذَرُ نِيْ وَمن خلقت وحيدًا الخ

ایک اورروایت پس اون آیاہے کر تضور صلی اللہ علیہ وسلم برابر پڑھ مھنے جاتے تھے ، اور عنبہ ہم ہے تن کو کشی بنا ہوا اپنے دونوں ہا تھ ہے اخت بیار ابنی کر کے بسجھے ڈالے ہوئے ان پر سہارا لبتا جا تا تھا، یہاں تک کہ آٹ نے آ بیت سجدہ تلاوت فرائی ، اور سجدہ کیا ، عتبہ اکس حالت بین آٹھا کہ قطعی ہوکش مہنی کہ کھنا ہواہ دے ، اور سید صاکھ جلا گیا، اور کھر لوگوں سے دو ہو اس کے باس پہنچے ، تب عننبہ نے لوگوں سے دو ہو اس کے باس پہنچے ، تب عننبہ نے معذرت کی اور کہا کہ فعد اکی قسم المحکم الیا کلام سنایا ہے کہ میرے کا فوں معذرت کی اور کہا کہ فعد اکی قسم المحکم الیا کلام سنایا ہے کہ میرے کا فوں نے تام عمر الیا کلام سنایا ہے کہ میرے کا فوں نے تام عمر الیا کلام سنایا ہے کہ میرے کا فوں نے تام عمر الیا کلام سنین والبہتی من طریق عکرمة او سعیدعن بن عبان والحق الله المجاب دوئی جانب دوئی جانب دوئی جانب میر سمجھ جا جا تا تھا۔ اور اسے شعر واد بکاستوں سمجھا جا تا تھا۔ اور اسے شعر واد بکاستوں سمجھا جا تا تھا۔ اور اسے شعر واد بکاستوں سمجھا جا تا تھا۔ اور اسے شعر واد بکاستوں سمجھا جا تا تھا۔ اور ا

سله روى مذا اللفظ إن إنى شيب في سنده والبيه في والونعيم عن جابر را لحص الص على بطي ال

ابو عبید نے بیان کیاہے کہ کسی بدوی نے کسی شخص کو یہ بڑھے ہوئے مسنا فُاکٹ کُٹ عُ بِمَا تُوَّ مُکُر " تو فور ً اسبحدہ میں گر گیا ، اور کہا کہ میں نے اکس کلام کی فصاحت پرسبحدہ کیاہے ،

اسی طرح ایک مشرک نے کسی مسلمان کویہ آیت پڑھتے سٹناکہ خسکہ کست اشتیباً سُدُ امِنَهُ خَلَصْوُ انجِیتًا و کہن سگاکہ میں گواہی دینا ہوں کہ کوئی مخلوق

اسس قسم كاكلام كمنے بر قادر منبيس سے،

اصلمی رہ نے بیان کیاکہ ایک پارخ بھرسالہ بچی کو میں نے فیصیح کلام اور بلیغ عبارت اور کیے ہے۔ اور بلیغ عبارت اداکرتے ہوئے شنا، وہ کہر رہی تھی استغفر الله من ذنوبی کلها ' بیں نے اکس سے کہا تو کو نے گنا ہوں کی معافی چا ہتی ہے، حالا نکہ تو اکھی معصوم اورغیر کلف ہے، لاکی نے جواب میں یہ دوشعر پڑھے ،۔

وَادَتُكَيْنَا إِلَى أُمِّ مُولِلَى أَنُّ الْمُنْعِيهِ فَإِذَا خَفْتَ عَلَيْهِ فَا لُقِيهِ فِي الْيَهِمَّ وَلَا تَخَافِيُ وَلَاتَعُزَ فِي إِنَّا رَادَّهُ وَلَا الْكِلِ وَجَاعِلُوهُ

مِنَ الْسُرْسَلِيْنَ ،

کہ ایک آیت بیں دوامرادردو بنی اور دوخیر یں اور دو بشار تیں جمع فرادی ہیں ،

ایک اور روایت بیں ہے کہ ابو ذریع کہتے ہیں کہ خدا کی قسم بیں نے اپنے بھائی آئیس نے بڑا ت عرکوئی مہنے بیں دیجھا کہ حبس نے زماذ جا ہلیت بیں بارہ شعراء کومقا بلہ مبیں کا اور ہم نے موسلی کی ماں کے دل میں بیربات ڈالی کہتم اس بچے کو دودھ پلاؤ، بھر جب تمھیل اسکی جان کا نون ہوتو اُسے دریا میں ڈال دینا، اور تم ڈروہ نیں ، نہ کچھ افسور کرو، ہم اُسے متعملے یاس عزور اوٹائی گے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دقعم سی کے اس عردر اوٹائی گے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دقعم سی کے اس عردر اوٹائی گے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دقعم سی کے اور اُسے بنیم بنایش کے " دقعم سی کے ایک کا میں کا دور اوٹائی کے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دقعم سی کے ایک کا میں کی کا دور اوٹائی کے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دوقعم سی کے اور اُسے بنیم بنایش کے " دوقعم سی کا دور اُسے بنیم بنایش کے " دوقعم سی کے اُسے دور اوٹائی کے ، اور اُسے بنیم بنایش کے " دوقعم کے اور اُسے بنیم بنایش کے کا دور اُسے بنیم بنایش کے " دوقعم کی کا دور اُسے بنیم بنایش کے دور بنایش کے کا دور اُسے بنیم بنایش کے کا دور اُسے بنیم بنایش کے کا دور اُسے بنیم بنایش کے دور اُسے بنیم بنایش کے دور اور اُسے بنیم بنایش کے دور اور اُسے بنایش کے دور اور اُسے بنایش کی کا دور اُسے دور اور اُسے بنیم بنایش کے دور اور اُسے بنایش کے دور ایا بین دور اور اُسے بنایش کی کی دور اور اُسے بنایش کی کا دور اُسے بنایش کو دور اُسے کی دور اُسے کی دور اور اُسے بنایش کی دور اُسے کی دور

ام خلقوا من شك ام هدر الخالقون، ام خلقواالسمون والادف، بل لا يوقنون، ام عنده هرخزائن رب اله ام هدالمسيطرون "

ميرادل اسلام قبول كرنے كي اي اور نكا،

سناگباہے کہ ابن منفقع نے قرآن کریم کا معارض کرنے کا ارادہ کیا تھا، بلکہ اس کا جواب مکھنا نثروع کیا تھا کہ ایک ہے کو بیرآ بیت پڑھتے سناکہ :۔ وس کا جواب مکھنا نثروع کیا تھا کہ ایک ہے کو بیرآ بیت پڑھتے سناکہ :۔ وقیب کے کا ارتیاں کیا ارتیاں اس کم میاء کے

فور اجاتے ہی ابنا لکھا ہوا مطادیا ، اور کہنے لگاکہ میں گواہی دینا ہوں کہ اسس کلام کا معارض نا ممکن ہے ، اور هرگزیر انسانی کلام نہیں ہے ،

یجیلی بن حکم غزالی کی نسبت جواندنس کے فقعاء بیں سے ہے ، لکھا ہے کہ انفوں

نے بھی اسس نسم کا الا دہ کیا تھا، بہنا کہنہ خود فرماتے ہیں کہ میں نے سورہ اخلاص اس

اله عبدالله بن المقفع، عربى كاشهورالشاء برداز، حيى نثر كوعربى زبان مين سند ماناگيا به ، كلياد ومنه مكوعربى دمين است تقا، بجرسهان بوئي نفا، بهت سه لاگاتش برست تقا، بجرسهان بوئي نفا، بهت سه لوگو سكواس كه ايمان برآخر من شك رما، بيدائش سناسه وفات سناسكه والادب العربى و ماريخر، وقعت معارضته ذكر ما الباقلانی فی اعجاز القرآن دع، هج ا ماش الاتقان

نظریسے دیجھی کہ اسس طرز برجواب مکھوں، کیا یک اسس کلام کی اس قدر ہیب طاری ہوئی کہ میرادل نو ف ورفقت سے بھر گیا، اور مجھ کو تو ہراور ندامت برآ مادہ کیا،

اعجاز قرآنی کے بالے میں عشن زلد کی لئے!!

عنزلہ میں سے نظام کی رائے بہ ہے کہ قرآن کریم کا اعجاز سلب قدرت کی بناء بر ہے ، لینی صفورصلی اللہ علیہ وسلم کی بعثت سے قبل اہل عرب کو اس قسم کے کلام ر قدرت ما صل تھی، لیکن آی کی بعثت کے بعد الشرفے ان کو اس کے معارضہ سے مباب کی بناء پر عاجز کر دیا جو لعثت کے بعد پیدا ہوئے ، لہا نزا ان کی قوست امعار صنه کوسلب کر لبنایہ ہی خرتی عادت ہونے کی وحبسے معجزہ ہے ، بہرکیف وہ بھی قرآن کواس سلب قدرت کی وجہ سے معجر تسلیم کرتے ہی ، اوریراعتراف کرتے ہیں کہ آ ہے کی بعثت کے بعد لوگ معارصنہ سے عاجزہوئے لیکن ك دمنزله ، مسلمانون كايك فرقه جودوسرى صدى بجرى مين بيروان جيط ها ، يرفر قد ابل سنت سے بهت سے ابعد الطبیعی ر METAPHYS ic AL) مسائل میں اختلات رکھتا تھا واصل بن عطاء بپيداڻشن منٽ ۾ وفات ساٿا ہھي ڏنطام (وفات سنٽٽ ۾) ابوعلي جبائي وفات سنٽ ھي وعيرہ انس وقة كمشهورليد ربين، فلسفر بونان كوزوال كوساخف عفرية فرقر مجي تعمم بوكيا، كله ابراهيم بن ستيار النظام رم ستاعية تفريبًا) معتزله كيمشهور فائرون مين سے ہے، اگرجياس کے نظریات عام معتزلہ سے تھی کچھ محنی نف میں ،اسس پر فلسفٹر لیونان کا غلبہ تفا، حبکی بناء بربہت سے مسائل میں اس نے تمام مسلمانوں کے خلاف ان کی آراء کوا خنیار کیا، وجود کا شات سے متعلق اس کے ع کے نظریرار تقاعر سے ملتے جلتے ہیں ، اجماع اور قیاس کو نظريات وارون ر ججت نہیں مانتا تھا ، اعجاز فراً ن کے باہے میں تھی اس کانظریہ بیوری اُسّین سلمہ کے خلاف وہ تقابو مصنف رم نے نفل فرمایا ہے ، رفض کی طرف بھی ما ٹل نظا ، جس کی بناء پر بہت سے صحابہ کی شان مين اس كى كننا خيال منفول بين والملل والتحل للشهرستاني صري "ا عهج ١)

اجشت سے فبل محمی وہ اسی فلم کے کلام پر قدرت رکھنے بھے یا تہیں ،اسس میں مخافت کرتے ہیں ،

لیکن نظام کا بردعولی جند وجوہ سے باطل ہے :

اگر السیا ہوناتو وہ قرآن کریم کا معارضہ اس

کلام سے کر سکت تھے جوز المرج المدین میں اُن کے شعراء

معتزلہ کا نظر بہ غلط ہے اسس کے دلائل ؟

اور فضماء کے ذخیرہ میں موجود تھا ، وہ آسانی کے ساتھ قرآن کا مثل بن سکتا تھا ،

﴿ فصحاعے و ب عام طور برقر آنی الفاظ کے حسن ، اس کی بلاعنت اورسلاست پرجیرت زدہ ہوئے سختے ، ان کی جیرانی کی وجر بیرند تھی کہ ہم اس کامقا بلرکرنے پر قادر

كبون مذرب، حالانكريها بين استجيب كلام بير فدرت لمنفي،

یری اگر مقابلہ کی طاقت سلب کرکے قرآن میں اعجاز بیداکر نا مقصود ہوتانو زیاد اسب یہ نظاکہ فرآن کی بلاعنت و فصاحت کا بالکل بھی لجاظ مذکیا جاتا ،

کیونکر قرآن اسس صورت میں بھی نواہ بلاعن کے کسی درجب میں بھی ہنا ،

لکراگر رکاکن کے درجہ بیں داخل کر دیاجا تا نب بھی اسس کا معارصنر دشوار ہوتا کی الہ صدر نزور نزارہ تع مانگراہ بندارہ نوار مار میں میں

بکہ ایسی صورت میں زیادہ تعجب انگیز اور خلافِ عادت ہوتا ، (اللہ اللہ کی آیت ذیل اسٹ نظر بیر کی نزدید کر تیہے :-

قُلُ كُلُوا بُعِمَعَتِ الْإِنْسُ وَالْجِقُ عَلَى اَنْ يَالُوْ الْجِمْعُ الْمِنْكُ وَالْجِقُ عَلَى اَنْ يَالْوُ الْجِمْعُ الْمِنْكِ الْمُعَلِّمُ الْمُؤْلِي لَا يَا تُوْنَ بِعِثْلِمِ وَ لَوْ كَانَ بَعْضُ لَهُ مُم

رِلْبَعْضِ ظَرِهِ يُرًّا ،

ترجمہ :۔ اور آب فرما دیجے کہ اگر تمام النان اور جنات جمع ہوکر اسس فر آن کے مثل لانا جا بین تو نہیں لا بیں گے ، اگر جہ ان میں سے ایک دورے کی مرد کو کیوں نہ آجائے ا

ر کا جواب از کریم کہا جائے کونصحائے عرب جب کسی اگریم کہا جائے کونصحائے عرب جب کسی

قادر منق ، بلكه جيو في محيو في مركبات بريمي قدرت ركھتے تنفي تو يفيناً وه اسس

بين كلام برقادر سقفى،

تواس کا جواب یہ ہے کہ یہ بات غلطہ ہے،اس نے کہ کھی کہ جی مرکب کا حکم اجزاء میں بہت ہوتا ، آب دیکھتے ہیں کہ انفرادی طور پر ایک ایک بال بیں یہ صوبیت مہت کہ اس بیں ہاتھی یاکشتی کو باندھا جاسکے ، لیکن بہت سے بادن کو ملاکر جب صفبوط رکسی بٹی جائے قواس بین ہاتھی یاکشتی کا باندھا جا نا ممکن ہوجا نا ہے ،اور اگراکس نظر بہ کو درست مان لیاجائے تو یہ ماننا پڑے گا کہ ہرع بی سنحض امرء القیس جیسے فصحائے عوب کی مانند قصیدہ ہے کہ نے وادر سے ،

قرآن كريم كي تبييري صوصيّت ابيث نگونياں ا

قرآن کریم آنے دالے واقعات کی ان پیشنگو ٹیوں پرمشتل ہے جو بالآخرسو ضیعہ درست ثابت ہو ٹیس مثلاً ،۔ درست ثابت ہو ٹیس، مثلاً ،۔

اَ لَتَكُونُ الْمَسَعِبِ لَا الْحَرَامَ إِنَّ شَاءَ اللهُ المِنِيْنَ مُعَلِقِيْنَ رَوُسَكُمُ وَمُعَوِّرِيْنَ لَا تَخَافُونَ الْمَ

توجه من اگران نے جا ہا تو تم سجد حمام میں عزور داخل ہوگے، اس طرح کرتم میں سے لعف نے اپنے سرمنڈ وائے ہوئے ہوں گے، بعف نے بال جھوٹے کرائے ہوئے ہوں گے، اور متھیں کوئی نوف نہ ہوگا ''

چنا كِنْ مَعَابُرُ كُرُ مِنْ فَتِح مُرِّكُمُ وَقَع بِهِ عَيْكُ اسَّ طُرِح مِنْ وَاقَلَ بُوتِ ، ﴿ وَعَدَا لِللهُ الْكَرِينَ الْمَنُوا مِنْكُمُ وَعَبِلُواالصَّلِحٰتِ — كَسَنَتَخُلِفَ اللَّذِينَ مِنْ لَيَسُنَتَخُلِفَ اللَّذِينَ مِنْ وَنَ كَسُنَتَخُلِفَ اللَّذِينَ مِنْ مَنْ مَنْ اللَّهِ مُحَالِقَ اللَّذِينَ مِنْ مَنْ مَنْ اللَّهِ مُحَالِقَ اللَّذِينَ اللَّهِ مَا اللَّهِ مَا اللَّهِ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهِ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مُو اللَّهُ مَا اللَّهُ مُو اللَّهُ مُعْمُولُ اللَّهُ مُلْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُؤْمِنَ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُو اللَّهُ مُو اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللللْمُولُ اللللْمُ اللَّهُ اللللْمُ اللللْمُ اللْمُولِمُ الللْمُولِي ال

له کیونکہ وہ وہی مفردات استعمال کرتا ہے جوام عدانقیس نے کئے سنتے کات سکہ سورکہ فتح سک سورہ اور ر

ترجمه والترتعالي في ميس ايمان لان والون اورعمل صالح كرف والون وعده كياك كروه النيس زمين مين خلافت عطاكر الساكا حبس طرح ان سع يسل لوگو س کوخلافت عطاکی ، اور ان کے اس دین کوم صنبوطی عطاکرے کا سجے اس نے ان کے ليے بسند كيا ہے ، اور ان كے نوف كو امن سے برل دے كا ، وہ میری عبادت کریں ادرمیرے ساتھ کسی کو شریب نہ تھمرا میں " اس میں سی تعالیٰ ٹ انکے موسین سے وعدہ فرمایا ہے کہ آن میں خلیفہ بنائے جا ئیں گئے، اور ان کے پیسند بدہ دین کومضبوطی اور طاقت دی جائے گی ، اوران کے خوف کوامن سے نبریل کیاجائے گا،اس وعدہ کو تفور ہے عرصہ ہی میں بورا فرا دیا ، کر مصور صلی انٹر علیہ وسلم کی حیاتِ مبارکہ ہی میں مگر پڑسلمانوں كانستط بوليًا ١٠ سى طرح فيجبر اور بحرين اور ملك يمن اوراكثر عربي ممالك مسلمانون كے زير نگين آ گئے، ملك حبش مجى يا دس المجاشى كے مسلمان ہوجانے كى وجرسے دار الاسلام بن گیا، ہجرکے کچھ لوگوں نے اور علاقہ سن آس کے تجھے عبیا بیوں نے اطا قبول کرے جزیر دینامنظور کیا ، یہ تستط عہد صدیقی رمزیس اور برے گیا ، کیو کےمسلان فارسس کے بعض شہروں اور بھر کی و دمشن اور بعض دوسرے شبہروں بر

کھریہ غلب برفارہ نی میں اور زیادہ بڑھ گیا ، یہاں کی کہ تمام ملک آماور پورے مقرادراکٹر فارس کے علاقوں پر سلمانوں کا قبصنہ ہو گیا ، بھریہ تقط عہد برختما نی میں اور زیادہ ہوتا چلا گیا ، یہاں تک کہ مغربی جانب میں اندلس اور قیروان کی حصور وں تک اور مشرق بیں چین کی محصور تک اسلامی سلطنت بھیل گئی ، عزض کُل بنیس لے مدّن میں مسلمان پورے طور پر ان تمام ممالک ہیں۔ تالیمن ہو گئے ،

اسی طرح الله کادین متبن ان سب ملکوں میں تمام مذاہب برغالب آگیا ، اور مسلان بے خوف وخطراپنے معبود کی عبادت آزادی کے ساتھ کرنے لگے ، MML

امیرالمومنین محزت علی تحرم اللہ وجہے کے دور نطافت بس اگر حب مسلما نو ل بنہیں آیا ، ایکن آب کے عبد مبارک بن بھی ملّن

آیت شریفه میں فرمایا گیا ہے:-سَتُدَعَوْنَ إِلَى قُورِم أُولِي بَايْسِ سَنَدِيدٍ ط إد عنقريب تهيس أي ابسي قوم كي طرت بلاياجا يُكاج

مبيلمه كاوافعير

اسس بیں جو خردی گئی ہے وہ بعینہ اسسی طرح واقع ہوئی،اس لیے کرسخت فوّت والی قوم کامصداق راج قول کے مطابق بنو حنیفہ سیلمۃ الکذاب کا قبیلہ ہے، اور

بلانے والے صدیق اکبرے ہیں،

م جو تقی بیت نگو کی ارت دباری ہے کہ :-ای جو تقی بیت نگو کی اور از اور ا هُوَالَّذِي آرُسُلَ رَسُولَهُ بِالْهُدُ ي وَدِيْنِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَوُعَلَى الدِّ يُنِ عُلِّم

دبن كاغلبه ظهور مترج له : و خدا ده ہے جس نے ا ہے رسول کو ہرایت اور دین حق دے کر بھیجا تاکہ

اسس ددین حق کوتھام د بیوں برفالب کردے "

تیسری پیشینگوئی کی طرح اس کا تھی مٹ ہدہ ہوجیکا ہے ، بردو اسكى بدرى تنكيل وعدة اللي كے مطابق خدائے جام توعنفریب ہو۔

تَحْتَ الشُّحَرِجُ فَعَلِمَ مَا فِي قُلُوبِهِمْ فَأَنْزَلَ السَّكِتُ نَهُ عَلَيْهُمُ وَأَثَا بَهُمُ فَتَدُّا فَيَ لِيًّا

ك مسيلمز كذاب ،عرب كالحجوظ بني حبن في التحضرت على الله تھا، بنوصنیفنکا بورا قبیله اس کے ساتھ ہوگیا تھا، صرت الو بجر صدین رصی اللّٰرعنہ کے عہد میں اسکی سركوبی كى گئ كے سے بعن مصرت عبيلى عليال الم كى دوبار ه تستريف آورى كے بعد، ١٢ نقى

وَمَعَانِهُ كُنْ اللهُ مَعَانِهُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَاللهُ عَنَالُهُ عَنَالُهُ عَنَالُهُ عَنَالُهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَالُهُ عَنَالُهُ مَعَانِهُ مَعَانِهُ كَرُهُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ اللهُ عُنَاكُمُ اللهُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ اللهُ عَنَاكُمُ اللهُ عَلَى حَلَّا شَكُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى حَلِّ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى حَلِّ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى حَلِّ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى حَلِّ اللهُ الل

ترجیدہ: را بلا سنبہ ملاؤں سے راضی ہوگیا، اس وقت جب دہ درخت کے بنجے آپ سے بیعت کررہ ہے تھے، توا سٹرنے ان کے دلوں کی بات جان لی ، کیھران ہر کون ناز ل فرمایا ، اور بدلے میں اکھیں ایک عنظریب ہونے والی فتح عطاکی ، اور بہت ا مال غنیمت ہے وہ لینے والے تھے ، اور اسٹرزبردست اور حکمت والا ہے ، اسٹر نے بہت سارے مالہائے غنیمت کا وعدہ کیا ہے ، جنھیں تم لوگے ، کیھر یہ مال غنیمت پہلے ہی تھیں دیریا ، اور لوگوں کے ما تھوں کو تم سے روک دیا اور تاکہ یہ سلانوں کے لئے ایک نشانی بن جلے اور اسٹر تخصیں سیرھا دارت دکھائے یہ

"فتے فریب "سے مراد نیبری فتے ہے، اور "بہت سے مل غنیمت" سے پہلے مقام پر نیبر یا ہم کری غنیمتیں ہیں ، اور دوسری حگر اکسس سے مراد وہ غنیمتیں ہیں ہو ادم وعب دہ سے قیامت کک مسلمانوں کو طلنے والی ہیں، اور اخری کامصاری ہوازی یا فارسی یاروم کی غنیمتیں ہیں، اور واقعب اسی طرح ہوا جس طرح کہ خبر دی گئے تھی،

قران کی جیمی بیشینگوئی ایت و اُخری تُجبُّونکا نفی مِن اللهِ مورخصات الله مرادیده اور فقی مِن اللهِ مرادیده اور فقی مِن اللهِ تفسیر ہے اس اُخری کی اور فقی قریب مراد فتی مراد فتی می اور مسل کے قول کے موافق فارسس وردم کی فتی ہے ، عرض کوئی مراد ہو، کہ بھی فتح ہوا ، اور فارسس وردم بھی،

الذبكا وَاللَّهُ وَالْفَائِحُ وَرَأَيْتُ النَّاسَ الدِّسِ بِيشِيكُولَى إِللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ الْخُواجًا ط

رو جب الله كى مدد اور نسنخ آجائے گى، أور آب ، لوگوں كو د كيم ليس كه

الله ك دين من فوج در فزح داخل مورب مين الحنة

عَيْك اسى طِي واقع بواجس طِيع جُردى كُنْ اور كفار مغلوب بو كُنْ ، نوس بين الطّار مُفْتَ بُنِ نوس بين الطّار مُفْتَ بُنِ أَنْهَا مَكُمْ وُتُودُونُ أَنَّ عَنَى رُذَاتِ السَّنَّوكَ

تَكُونُ نَكُرُ وَيُرِبُ اللهُ أَنْ يَجِقُ الْحَقَّ بِكَلِمَا وَ وَيَقَطَعُ الْحَقَّ بِكَلِمَا تِهِ وَيَقَطَعُ دَابِرَالُكَادِنِ يُنَ ط

د اور داس وقت کو یاد کرو) جب الله تم سے یہ وعدہ کررہا تھاکہ دوگر وہوں میں سے ایک متھارا ہوگا اور تم یہ چاہتے تھے کہ تھیں وہ قافلہ ملے ہوئے کھٹک ہو، ادراللہ چا ہتا ہے کہ اپنے کلمات می کو ثابت کردہے،اور کا فروں کی جرط کا طب دے ہے

یب ن دوجماعتوں سے مراد ایک تو وہ تجارتی فا فلہ ہے ہوت م سے و اپس آر ہاتھا دوسسراوہ جو مکر محرمہ سے آر ہا تھا ،اور شبے کھٹکے "سے مرادوہ قا فلہ ہے ہوت ام سے آیا تھا بینا کہنے۔ یہ واقعہ بھی بعینہ اس طرح پیش آیا

وسوين بينيكوكي أيت إناكفت لك المستعفر عِين ،

نے کفایت کر لیہے،،

حب بیرآیت سند لفیه نازل ہوئی تو صنور صلی اللہ وسلم نے صحابہ کو اسس بات کی بشارت دی کہ اللہ اُن کے شرو ایز اسے کفا بین کرے گا، یہ تنسخ کرنے والی جاعت اہل مکہ کی تھی ، جو لوگوں کو حضور صلی اللہ علیہ وسلم سے دور رکھنے کی گوشش کرتی اور آپ کواذیت بہنچاتی، یہ لوگ قسم تسم کی بلاڈس اور تکلیفوں کے ساتھ آری گئے گئے۔

كَيَّارِبُونِ بِينِيكُونَى النَّا وَاللهِ يَعْضِمُكُ مِنَ النَّاسِ ، الراسلة الله يَعْضِمُكُ مِنَ النَّاسِ ،

پیشینگوئی کے مطابق حضور صلی التیر علیہ وسلم کی حفاظت منجانب التد مہونی ہے، حالانکہ آپ کے دشمن اور بڑا چاہنے والے بے سشمار تنقے ، کیکن حفاظیت الہٰی کے سبب ہمیشہ اپنے ارادوں میں ناکام و نامرادرہے ،

باربوين بيث ينكو كي أيت شريفه والنعز، غُلِبَتِ الشَّرُومُ فِي

سَيُعُلَبُونَ فِي بِضِع سِبِنِنَ بِللهِ الْاَمُنُ مِنَ فَكُلِ عَلْبِهِمُ مُنَ الْاَمُنُ مِنَ فَكُلُ وَمِنَ اللهُ مُنْ مِنَ فَكُلُ وَمِنَ اللهِ يَعْلَمُ وَمِنَ فَكُلُ وَمِنَ اللهِ يَعْلَمُ مِنَ فَكُلُ وَمِنَ اللهِ يَعْلَمُ وَعَدَا للهِ يَعْلَمُ وَعَدَا للهِ يَعْلَمُ وَمِنَ اللهِ يَعْلَمُ وَعَدَا للهِ لَا يَخْلِفُ مَنْ لَيْنَاءُ وَهُو الْعَنِ إِلاَّ يَحِلِينُ مَنَ لَكُنْ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ مَنْ الْعَلِمُ وَعَدَا للهِ لَا يَخْلِفُ اللهُ وَعَدَا اللهِ وَعَدَا اللهِ وَعَدَا اللهِ وَعَدَا اللهِ اللهِ اللهُ وَعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَاللّهُ مُنْ الْعَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ وَعَلَى اللهُ وَاللّهُ اللهُ ا

غُفِلُونَ ط (السروم) مترجسته؛ د الف ، لام ، ميم، روم والے ، قرب نزين زمين ربعني ارض عرب مترب نون مين ربعني ارض عرب متلوب مونے كے بعد عنظر يب (المِنَ ميں مغلوب مونے كے بعد عنظر يب (المِنَ

فارس پرے غالب آجا یئی کے چندر بعنی نین سے میکر دسس سے سالوں میں السُّرك ما تق ميں سے كام يہلے اور مجھلے ، الافس دن مسلمان السُّركى مددكى وج سے نورش ہونے ، اللہ حبی جا ہناہے مردکر اے ، اورو ہ زبر دست اورمہر بان ہے، یہ انٹر کا وعدہ ہے ، انٹر لینے وعدہ کے خلاف مہدں کریا لیکن اکثر لوگ مہیں جانے ، د نیوی زندگی کے ظاہر کوجا نے ہیں ، اور برلوگ

ابل فارسس آنش برست عظم ، اور رومی لوگ عسیانی عظم ، حس و قست <u>ا مِلِ فارسس</u> کی کامیابی کی خبر مکہ بہو بیخی ، مشیر کین بہن نوسش ہوئے ، اور یہ کہا کہ تم لوگ اور عبیا فی این کتاب مین اور مم لوگ اور آنش بیست امتی اور ناخوانده ہں اور دونوں کے پاکس کوئی کتاب نہیں ہے، اس موقع برہمارے بھا آئی تتهادے بھا یوں بر غالب آئے اس طرح ہم تم پر غالب آئیں گے، یہ جیز همارے لئے فال نیک ہے ،

اس مو قع بربداً بات نازل مو مین ،اورصد لق اکبررضی التدعن فر فرمایا الشرمتهاری آنکھیں مھنٹری ذکرے ، خداکی قسم جیزسال کے اندر رومی ا مِلِ فارس بِرِ غالب آجا بيس كے ، أبي ابن خلف كمن سكاكم توجوط اسے ، للا ذا ہارے اور اپنے در سیان ایک مدّن مفررکر لے ، سان بک که دونوں م سے دس اونٹوں کی سفرط کی گئ ،اور تین سال کی مدّت با سمی مقرر ہوگئی،الو کم رصنی انٹرعن سرنے اس کی اطسلاع تصنورصلی انٹرعلیہ وسلم کو کی ، تصنور صلی لتُدعليه وسلم نے فرما يا كه د بضع "كا اطلاق نيش سے لے كر نو تك آتا ہے ، تم ونٹوں کی تعبداد میں اصا فرکرے مدّت بڑھالو، جنا تحبیہ سواونٹوں کی ثر لكائي كئي اور نوسال كى مدت بالهمي مقرر بوكئي،

المحدسے والیس آتے ہوئے آئی کا شفال ہوگیا، اورر و می لوگ شکست کے تھیک سات برسس بعد اہلِ فارسس پرغالب آگئے ،اس سے ابو بجرصداق

له لداه التون من اب سيد وتياري متن و جمع الله الحديث ال ١١ الحق

رصی انترعن نے سرط جیتے کی وسے آئی کے وارثوں سے سرط مقررہ کے مطابق سنو اونٹ وصول کئے ، مصنور صلی انترعلیہ وسلم نے ابو بحرص رف ریق کو ان او نوں کے صدقہ کرنے کا حکم دیا ،

معنّف ميزانُ الحقّ كا اسراض

سمیزان الحق کامفنت تبسرے باب کی چوکھی فصل میں کہتا ہے کہ اگر ہم فسر سے دعوے کوستیا مان لیں کہ ہو آبت رومیوں کے اہل فارس پر فالب آنے سے پہلے نازل ہوئی تھی تب بھی ہم کہہ سکتے ہیں کہ یہ بات ھے کے میں کہ ساتھ میں کے علیہ دسلم ، نے اپنے قیا سادر کمان سے کہی ہوگی ، تاکہ اپنے ساتھیوں کے علیہ دسلم ، نے اپنے قیا سادر کمان سے کہی ہوگی ، تاکہ اپنے ساتھیوں کے لئے تسکین قلب کاسامان مہیاکریں ،اس قسم کی باین مرزمانے بیس عقلاء اور صائب الرائے لوگوں کی جانب سے کہی گئے ہیں ،معلوم ہواکہ وحی کی بناء بر السا مہیں کہاگیا۔

ایہ بات کہ یہ مرف مفسرین کا دعوای ہے اس لیے بیاد اس کا جواب ہے اس لیے بیاد اس کا جواب ہے اس لیے بیاد اس کا جواب اس کے بیاد اس کا جواب اس کے بیاد اس کا دوار میں کیا گار میں کا جواب اس کے بیاد اس کے بیاد کا در اس کی خواب کے بیاد کا در اس کے بیاد کی بیاد ک

یں اس بات کی تعربی ہے کہ یہ واقعہ مستقبل قریب میں بعنی دسکسال کے الدر اندر واقع ہونے والا ہے ، جیباکہ لفظ میں سینین ، اور دبضع ہ کاتفاضا ہے ، اسی طرح دکھن الله لا یُخیف الله وکھن کا الله کا کہ الفاظ بھی ، کیونکے یہ دونوں جملے اس بات پر دلالت کر رہے ہیں کہ مسلمانوں کو آئندہ زمانے میں مسترت اور خوشی حاصل ہونے والی ہے ، بھر اس واقع کے بیش آنے کے بعد بھی یوں کہنا کہ وعدہ نہیں کیا گیا تھا ، یا اس میں وعدہ خلا فی ہوئی کے بعد بھی یوں کہنا کہ وعدہ نہیں کیا گیا تھا ، یا اس میں وعدہ خلا فی ہوئی کے بعد بھی یوں کہنا کہ وعدہ نہیں کیا گیا تھا ، یا اس میں وعدہ خلا فی ہوئی کے بعد بھی یوں کہنا کہ وعدہ نہیں کیا گیا تھا ، یا اس میں وعدہ خلا فی ہوئی

اعد کے یہ وافعہ مدیث وتفییر کی کہ بوں میں تھوڑے تھوڑے اختلان کے ساتھ مردی ہے (دیجھے جمع لفا افہارالی جددوم

رہی یہ بات کہ محرصلی اللہ علیہ وسلم نے یہ بات محصٰ اپنے قیاس یا فراست کی بناء پر کہدی تھی، سویہ داو وحرسے الملط ہے :۔

بناء پر کہدی تھی، سویہ داو وحرسے الملط ہے :۔

ہیں، اس کا اقسرار بادری صاحب کو بھی ہے ، انہوں نے اپنی اس کتاب بیں بھی اس کا قرار ہے ، اب جو شخص نبوت کا مدعی اور عقلمند ہوں اس کی شان سے یہ بات بالکل بعید ہے کہ وہ یقین کے ساتھ یہ دعوا ی ہو، اسکی شان سے یہ بات بالکل بعید ہے کہ وہ یقین کے ساتھ یہ دعوا ی کوے کہ فلاں بات اسف در قلیل عرصہ میں اس طرح پر بہیش آئے گی، یہاں کرے کہ فلاں بات اسف در قلیل عرصہ میں اس طرح پر بہیش آئے گی، یہاں کرانے معتقدین کو اجازت دے کہ اس معاملہ میں تم شرط دیکا سکے ہو، بالخصوص کرانے معتقدین کو اجازت دے کہ اس معاملہ میں تم شرط دیکا سکے ہو، بالخصوص ایسے دشمنوں اور معاندوں کے ساتھ جو اس کو رسوا کرنے کے در بیے رہے۔

میں اور اسس کی ادنی لغزش کی تاک میں رہتے ہیں، بالحضوص البیے معافیے میں جواگر واقع ہو بھی جائے تو اسس کوکوئی خاص قابل لحاظ فائرہ تھی سپنجتا ہو

اور اسس کاوا قع مذہونا اس کے لئے ذلّت ورسوائی کا اور اسس کے حجواثا اُ بن

ہونے کا باعث ہو سکے ، اور اس طرح مخالفین کواس کی تکذیب کے لیے مزید حجبت

اوربسانه مل جانے کاخطرہ ہو،

اظهارالئ جلددوم " كباده يه كنة بن كه مم ايك جماعت من ايك دوسرك كي مردكري سكم ، عنظريد یرسب مندی کھا بٹن کے ، اور سیم سیم کر مجا کین گے '' حضرت فاروق اعظم ره فرماتے ہیں کہ حب بہ آمیت نازل ہوئی تو میں مرسمجھ سکا ہے، یہاں تک کہ بدر کی لڑائی سمیش آئی ،اور میں نے مضور المالة عليه وسلم كوزره يهية ہوئے يہى آبت برطفة سنا، تب ميں سمجھ كه بدركي فنتح كي بيك ينكو ألي كي كني تنفي . بود بوس بين الله ما يون كريمية : - قاتلوه مُد يُعَدِينَ بُهُمُّمُ بود بوس بين يكوني الله ما يديكُرُ وَبَعْن هُمُوكَيْنُ مُنْفُلِكُمْ عَلَيْهِمُ وَ يَشْفِ صُلَّهُ وُزَّقُوْمٍ مُّؤْمِنِينَ ، دد ان سے جب ادکرو، اللہ النوس تھارے ما تھوں غذاب دے گا ، اور رسوا كرے كا اور ان كے خلا ف تمارى مددكرے كا ١ اورمسلمان قوم كے سينوں كوتسلى بختے گا 🖔 اوربيرواقعات دى مو ئى نجركے مطابق بالكل صحيح وا قع موتے ،

سِ فَنَا وَ اللَّهِ الْمُنْ اللَّهِ اللَّهُ اللَّاللّل وَإِنْ يُقَا تِلُواكُمُ يُوكُوكُمُ الْاُدَبُارَ تُحَمَّ

رگذشتهٔ صفی کاحاشیرصفی بنابر) له علامه ابن کثیره نے البدایہ والنہایہ میں نفل کیاہے کمسلم کذاب نے یہ شناکد ایک مرتبہ اس کا حضرت صلی استرعلیہ سلم نے ایک کنویں میں انبالعاب مبارک دالا مفاتوا س کا بانی توب حارى ہوگيا تھا ،اس نے ایک بہتے ہوئے گنویں میں اس وض سے تھو كاكہ میں بھی یہ بات لوگو ں سے كم سكونكا، نيكن وه كنوان خشك بوكيا، بهارے زملنے بين مرزاغلام احمد فادياني كى مثال سلمنے ہے ك کراس نے جتنی پیشینگو عیاں کی تضین خوا کے فضل سے سب ہی جھوٹی انابت ہو گئی ۱۷ له سمجيز كيد ، آيت كى زندكى بين أس وقت نازل مورسى بے حب مسلمان برطرف سے كفار كي سكنوں میں کسے ہوئے تنے ، اور اُف کرنیکی اجازت مذکفی ، اور پورے عزم واد عاء کے ساتھ کہا ہم جار ہے کہ

وہ یہ لوگ دلعنی بیردی کھے کلیف بہبیانے کے سواتم کو اور کوئی نقصان ہرگر نہیں بہنجا سکیں گے ، اور اگر تم سے لڑے تو تمقیں بیٹھے دکھا جائیں گے ، پھر ان کی مد د منہیں کی جائے

کی مرد ہیں بین غیبی چیزوں کی خبردی گئی،اوّل نویہ کہ سلمان بہودے ضرر اسے محفوظ وماموں رہیں گئے، دوسرے یہ کہ اگر بہودی مسلمانوں سے لط یں گئے ہوئے است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی ان کو قو آئے گئے است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی ان کو قو آئے گئے است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی ان کو قو آئے گئے است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی ان کو قو آئے گئے است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی است کھا نے کے بعد بھر کہ بھی است کو قو آئے گئے ان کی میں موگی ، بھی است کے طرح تینوں بائیں واقع ہوئیں،

سولهوس بيت بنگوئي تَقْفُوْ اللهِ بِحَبْلِ مِن اللهِ وَحَبْلِ مِن اللهِ وَحَبْلِ مِن

ان پرمسکنن مسلط کردی گئے ہے "

جنا نجے۔ خبر کے مطابق یہی واقع ہوا، کہ آج تک بہود کوکسی ملک کی سلطنت نصیب بہیں ہوئی ، اور حب ملک ملک سلطنت نصیب بہیں ہوئی ، اور حب ملک میں بھی بہود موجود ہیں دوسری قوموں رکذ شنہ سے بیوستہ ، سبسنہ کی کھا بیس کے ، عور فرط شے اکیا کوئی انسان الیسے و ثوق کے ساتھ رکذ شنہ سے بیوستہ ، سبسنہ کی کھا بیس کے ، عور فرط شے اکیا کوئی انسان الیسے و ثوق کے ساتھ

السی حالت بیں بربات کہدسکتاہے ؟ ١٦ ت

که تکلیف سے مراد آ تخفرت صلی الترعلیهوسلم یا حفرت عبیلی علیه السلام کی شان میں گساخی ہے ا یا کم ورمسلمانوں کو ڈران و جسکانا ۱۲ ازمصنعت رحمۃ الترعلیہ

یک اللہ کی طرف سے جو سبب ہے اس سے مرادیہ ہے کہ تیں تو ہر بہودی المئن فنل ہے، گر ان میں سے کمزوروں اور ان کے عایدوں کو تنتل کے حکم سے اللہ نے مستثنی کر دیا ہے، اور لوگوں کی طرف کے سبتے مراد صلح وجزیہ وغیرہ ہے ، تفصیل کیلئے دیجھے بیان القرآن جلداول ،

سَّ نُلُقِي فِيُ ثَلُوْد دہ ہم کا فروں کے دلوں میں رعب طوال و س گے'' یہ بیشے بنگوئی یوم احد ہیں د دطرح سے صادق آئی ، اوّل تو برکہ حبب لرط انی کانقشتہ كانون يرغالب آكيع مسلمانون كوشكست بوگي ، توالتدتعالي بلط گهااور کفارم نے فاتح ہوجانے کے با وجود کافروں کے دلوں میں اتنار عب اور نو میں براکر دیا کہ بلاد حصیر کمانوں کو جھوٹر کر خود فرار ہو گئے ۔ محريه كمكة واليس ہوتے ہوئے را سسنة میں تھہرے تواپنی انسو حرکت اور بلاوجر بھاگ آنے ہر نادم ہوتے ہوئے کہنے لگے کہ تم نے سخت خلطی كى كەالىيى حالت بىن لوط آئے جب كەلتى مسلمانوں كى نۇرت تور كى كى اوران میں تجاگنے والوں کے علاوہ اور کوئی مذر ہاتھا، اب تھی مناسب ہے کہوالیہ له آجك يوديون في جوامسرائيل يرقيض جاليات اس سے غيرسلموں كو اعتراض كا ايك بہاد ہا تھا گیاہے، لیکن اسس بات برعور بہیں کیا جانا کہ بہ حکومت در مقبقت کس کی ہے وہ کون ہے جن فے است مائے کوایا در ہوائے سلس سے ارادے ریا ہے ؟ اگر کوئی شخص واقتات سے بالکل ہی آ بھی بندکر کے نہیں بیٹھا تووہ دیکھ سکتاہے کہ یہ عکومت سےود لوں کی شہیں امریکاور - طانب ہرکی ہے ، انھوں نے ہی اپنے متقاصد کے لیے اسے قائم کرا یاہے ، وہی ئے پلارہے ہں اور اسرائیل کے جغرافیائی محل وقوع کود تھیئے تو فورًا بہتہ بیل جائے گاکہ اگر اسى روزامر كي اوربر طائي في اس بيسه ما تف أيهالميا تواسى دن اسس حكومت كانام ونشان الط جائے گا، فل ہرہے کہ اگر کو ہے شخص کسی کھلونے میں جائی مجرکر اسے چلا دے تو یہ نہیں کہا باسكنا كه كلونے ميں عان بير كئي ہے ، اور يہ دور نے بھائتے كے تا بل ہو كياہے ، اسليل امثال بالكل أسى عابى مجر المعلون كي ما ندب ، أسع يبود يون كي عكومت كمنا يا سجها فعانا ائن بياناه ، بينا بين موجده مكومت كے باوجود دنيا بيركى كاه من يبوديوں كى دلت بسكو في

وسين ا

لوط، كرمسلانون كوبرط بنسسيا وسے ختم كر ديں، تاكة أشد، و ان كوينين كاموقع يز مل سکے ، مگراند نے ان کو کچھ السامرعوب کردیا تھاکہ ہمت ہی مذہو تی اور مکدوالیس جلے گئے ،

إِيِّت كريمير: - إِنَّا نَحُنُّ نَزَّلْنَا الذِّ كُ وَإِنَّا لَهُ لَحَا فِظُونَ ط

د مم نے ہی فرآن آ زاہے اور سم ہی اسکی حفاظت کرنیو ہے ہیں

مطاب تفاكه مم فسرأن كريم كي اليبي حفاظت كريس م كه السس مي تحراف ياكمي بشبی نه ہوسکے گی، چنا بخدالیه اسی ہوا ہے اور دست منان اسلام ملحدین متعطلیم اور قرامظه كوهرگز اس كى مجال مذہو سكى كە قران كريم ميں ذره برابر مخربيف كرسكين نانو ك معطلة وه فرفة جوخراكي ذات كوتمام صفات عدخالي ما نتاتها يديهي دراصل قرامطه كي ايك

شاخ تھی جس کا تعارف ا گلے ماکشیہ میں ہے ١٢ ت

الله قرامطر، محدین کاایک کروه ب جے باطنیہ تھی کہنے ہیں، تیسری صدی کے نصف سے لیک یا نخیس صدی کر یہ عالم اسلام کے لئے ایک زبر دست مصیبت نے رہے ، ان کا مرکروہ میمون تها،جس نے قرمط کواینے ساتھ ملاکراس فرقے کی بنیاد ڈالی ، اسی بناء پر اُسے قرامطہ کہتے ہیں یہ لوگ عجیب قتم کے نظریات رکھتے تھے ،ان کاکہنا تھا کہ دنیاکی سرشے کے پیچھے دراصل آیک آور معنوی جیز کام کرتی ہے ، کہتے تھے کہ خدا دو جس ، ایک عقل اور ایک نفس ، رم باری تعالیٰ سو وہ نرمعدوم نرموجود ، نرمعلوم ہے نرمجہول ، قبامت ، معجزات ، وجی ، نزول ملائکہ ، سرچزکا انكاركرتے تھے ،اور كئے تھے كددر حقيقت قرآن كى آيوں كے دہ معنى نہيں جو ظاہر يس معلوم بوت میں ، بکدان کے پوسٹیدہ معنی میں ، لہذا قرآن بیں جننے فرائض میں اُن سے مراد فرف بالمنیر کے امراء کی اطاعت ہے، اور بطنے محرمات ہیں ان سے مراد حصرت الوبكر رض وعررم اور باطنيركے علاده كسى شخص سے دوستی رکھنے کی حمت ہے ، حن بن صباح بھی اسی فرقہ کامشہور دیدار ہے جس نے مشہور مصنوعی اجنت قامم كى كفى ان لوكور نے مسلمانوں برقنل وغارت كرى كاايك طونمان مجايا عظا جس كى مقاومة مین بهت سے مسلم بادشاہوں نے اپنی زندگیاں صرف کردیں ر بقیہ برصفحہ آئندہ)

افإب راكحتي حليردوم باب بيحم اس کے کسی حروف کو بدل سکے ،اور نہ آج کک اس کے کسی اعراب کومتغیر کر سکے ، صالانکہ باره سواسسی سال کاطویل عرصه گذرجیکا ہے، بخلات توربیت و انجیل دیفیرہ اوردوسری كنابوں كے كدور كھي كى محرف ہو يكى ہيں ، اللّه كى يربشى قابل شكر نعمت ہے ، انسوس بن الرق الراف الراف الراف الراف الراف المافية ال لاَمِنْ خَلْفِهِ، تَنْزِيْلُ مِّنْ حَكِيْمِ حَبِيثُلُّ مِ نوجم : و باطل مذاس كي آ كي سه أسكتاب نديجهي سه ، يرايك حكيم وجميد كي طرف س أ تارى مولى كناب سے " یہ بیتینگوئی مجی گذشنہ بیٹینگوئیوں کی طرح پوری اُتری، "باطل "سے مراد بوس بيشيكوكي الفيران المائية المائية المائية المائية تحرلفی تبدیل ہی ہے ، الْفُولَانَ لَرَادُكَ إِلَّى مُعَادِ، ترجمہ : ۔ دو بلائشبہ جس ذات نے قرآن رکے احکام) آپ بر فرض کئے جی ، دہ آپ كودوباره لوائے گا کو دوبار ہ لڑائے گا '' منقول ہے کہ جب حضور صلی النّہ علیہ وسلم غار سے 'سکل کردِشمِن کے تعاقب سے محفوظ رہنے کے لئے ایک عظر معروف راسنہ برتشر لین لے گئے ،اور پھر خطرہ سے محفوظ بوجانے کے بعد عام راستے برسفر کرتے ہوئے مجعنت ای مفام برجو مکہ بدسینه کی درمیانی منزل سے فیام فرمایا اور مرجانے والی سطرک نظر آئی تو طنعی طور ملی الشرعلیہ وسلم کو وطن کی یا دائی ،اورا پنے اور والد بزرگوارے مقام وطن ركدشندم بيوسنن وأوك تفصيلي حالات ك لط ملاحظة بو الملل والنحل للشهرستاني، ص لے ،اور کا مل ابن اشروص عااج ۱۰ يہاں مفتق رو کے کہنے کا مطلب يہ ہے کہ لوگ قرآن ميں معنوی مخریفین تذکرنے رہے، مگر لفظی مخرلف کی مجال نم ہوسکی، اور ان کی معنوی مخریفین بھی ایک مخقرزانکے بعد فناہوگئیں ۱۲ تعی العنی ہجرت کے وقت غار اور سے سکل کر ۱۲ ت ته مجفرة جل صف بویلی ماک مربر جانی ہے اس بر برف مع علے تم بدرست برا بہلا شریبی ہے اج بہال الل کی یاد نے پر بینان کیا توفور اصفرت بحر کمل علیہ السلام نازل ہوئے ،اورع صٰ کیا کہ کیا ہے۔ اس کو طن اور بینان کی یاد نے پر بینان کی یاد اس کے بیاد اس کی اس کا اطبینان اس کو طن اور بین کا اطبینان اس کی میں ہوئے کہ ہم آج کو آج کے وطن عزیز کر تھ میں فاتح اند داخل کر میں گا تھے۔ ایسا ہی ہوا ،

اَ قُلُ إِنَّ كَانَتُ لَكُرُّ النَّاسِ فَلَمُونَةً عِنْكَ اللهِ خَالِصَةً مِّنْ دُونِ النَّاسِ فَلَمُنَوَّ الْمُونَ إِنْ كُنْتُمُ صَادِفِيْنَ ، وَكِنْ تَنْتَمَنُونَ مُ آبَدًا إِبْمَا

قَدَّ مَثَ أَيْدِي لِهِمْ وَاللَّهُ عَلِيْكُمْ بِالظَّلِمِينَ ط

ترجمہ: "آپ فراد بیج کہ (اے میہودیو) اگرانڈ کے پاکس عرف تھا رہے گئے خالص طور پر دار آخرت ہے دوسرے لوگوں کے لئے نہیں تو تم موت کی تمنا کرو، اگر تم سیح ہو، اور یہ لوگ اپنے کر تو نوں کی دھب سے ہرگز موت کی تمنا

نذكرين مح ، اورانته ظالمون كو خوب جا ننا ہے ' ؛

آیے کومغلوب اور عابوز کر دیں گئے ،سمجھدار انسان ،گو دہ نا نجر بر کارہی م کی دلیری نہیں کر سکتا ، جبر جائیگہ وہ ذات گرا می جوعقلاء دنیا کی س ہے اس سے ابیبی بداحت بیاطی کی سرگز توقع نہیں کی جاسکتی ، تعلوم ہواکہ آج کو ایسے عظیم الشان چیلیخ بر آس یقین اور ونو ق نے آ مادہ کیا جرآج کو دحی کے ذرائعیہ رحاصل ہوا تھا ،اس میں بھی کو بی شک نہیں کہ وہ لوگ کے شدید نزین دشمن اور آب کی مکزیب کے س دن ان تدا بریس غلطان و پیجان رستے۔ لمان ذليل مون ،اوراس حيليني سي جس جيز كان سے مطالبه كيا گيا وه ان بات تھی،اس میں کو بی تھی دقت یا دشواری نہیں تھی، اب اگر مصنورصلی الشرعلب وسلم ان کے نز دیک اسنے دعوے میں سیخے ہوئے توآ ہے کو حجوثا نا بن کرنے کے لئے وہ اتنی معمو کی سی بات زبان سے ضرورکا سکتے تنقے ، بلکہ بار ہارعلی الاعلان زبان سے موت کی تنت کرنے بیں ان کا کیا خریح سارى دنيا بين منهوركر سكية تفي كم محدصلى الله عليه وسلم محور بن، اوریہ بات کہدکرا بنوں نے اللہ برتہمت رکھی ہے اپنی طرف سے المفوں ا جوظ كرخداكي جانب اس قول كومنسوب مزید بیرکہ اس اعلان کے بعد مجھی حضور صلی اللہ فداکی تسم اگر کوئی بہودی اس قسم کی تمنازبان سے کرے گا فور امرجائے گا د فرماتے کہ اگر بہور موت کی تمنا کرنے تو فورٌ نکہ ہم لوگ ہزاروں مرتبہ موت کی تمنا کرتے ہیں ،اور کہجی تہیں مر تے موت سے اعرا ص کرنے اور بھا گئے سے با دہود بک سے زیادہ حریص تھے ثابت ہوگاکہ برحضورصا شرلینر میں وکر عنبی امور کی خبر گیری گئی ہے ، اوّل یہ کور وہ ہرگزتمتنہ

ہ کریں گئے ہم الفاظ اس امرید دلالت کررہے ہیں کہ آئندہ زمانہ میں ہہودی زبان سے موت کی ننت ہرگز نذکر سکے گا،معلوم ہواکہ برفیصلہ تمام بہودیوں کے لئے عام ہے دوسے مرید کہ یہ حکم جس طرح ہریہودی کے لئے عام ہے اسی طرح ہر

زمانہ کے لئے عام ہے ،

إِ مُسوسِ بِينِينَو كَي أَرْتُ وَهِ الْهِ الْمُعَانِينَ مُنَا نَزَّلُنَا عَلَى عَبْدِنَا وَإِنْ كُنْ تُعَرِينِ مِنْ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ عَلَى عَالَى عَبْدِنَا فران كا اعجب إلى فَأَتُوا بِسُورَةٍ مِنْ اللهِ وَلا عُواللهِ عَلَى عَالَى عَبْدِنَا

مِنُ دُوْنِ اللهِ إِنَ كُنُنْدُ صَلِي فِئْنَ وَ فَإِنَ لَكُرْ تَفَعُلُوْ الْحَلَوُ الْمَعْلُوْ اللهِ اللهُ النَّاسُ وَالْحِجَارَةُ ٱعِدَّ نُنِ لِلْكَافِرِ إِنْ طَالْقَادُ اللَّهِ مَا النَّاسُ وَالْحِجَارَةُ ٱعِدَّ نُنِلْكَافِرِ إِنْ طَالْقَادُ اللَّهِ مَا النَّاسُ وَالْحِجَارَةُ ٱعِدَّ نُنِلْكَافِرِ إِنْ طَ

(بقتره)

توجہ نے واوراگر تھیں اس کلام کے بارے بیں شک ہو ہو ہم نے اپنے بندے پزازل کیا ہے قوا سی میں ایک سورت بنالاؤ ،ادراس عرص کے لیے اللہ کے سوا اپنے تھام حاثیتیوں کو بلا لواگر تم سیتے ہو ، بھراگر تم بیرکام دکر سکے ،اورلیتین ہے کہ ہرگزنہ کرسکو کے لؤ بھراکس آگ سے ڈر وحب کا ایندھن انسان اور بھر ہیں ، وہ کافروں کے لئے نیار کی گئے ہے ''

اسسایت بیں بنایاگیاہے کہ کفار کبھی ہمی قرآن کی سی ایک سورت مذہنا سکیں گے بینا بجنرالیاسی ہوا ، بدآیت چار لحاظہت قرآن کے اعجائے بیر دلالت کر

رسی سے:

ایک تو حضورصلی اللہ علیہ وسلم کو لیقدی اور قطعی طور برسعہ دوم ہے کہ اہل عرب ایک تو حضور صلی اللہ وسلم کے برترین دستمن نفے ، دوسرے آئے کے دین کو غلط اور باطل نا بن کرنے کے سبب سے زیادہ حریص شخصے ، ان کا محص اسس بناپر اینے عزیز وطن کو چھوٹرنا ، قبیلہ اور کنبہ سے جدا ہونا ، اپنی قیمتی جانوں کوبراد کرنا ہمارے دعوے کے شام مربس ، پھر حبب اسس کے ساتھ حضور صلی ایشد

ادیم کا در تربیخ کوجی پی از رکابات کتم برگزدآن کا داوند کر کرنظا ب کیفیق کو کادر آن کوجیطلان کی خواہش زیادہ ہی ہوگی، پھراگروہ لوگ قرآن مبیبا فرآن یا اسس مبیبی ایک سورت بنانے برقادر ہوئے تو عزور البید کرتے ، گر ہونکہ الیا نہ کرسکے توفران کا اعجب زیابت ہوگیا،

و دورے یہ کہ حضورصلی اللہ وسلم اگر جہ بنوت کے معالمے بیں ان کے نز دیک متہم اور مشتبہ ستھ ، لیکن ان لوگوں بر آب کی فرزانگی اور انجام بین خوب روسٹن بنخی ، پھراگر آب (معاذا نٹر) جھوٹے ہوتے نو است زبر دست اور شدید مبالغہ کے ساتھ ان کو چیلنج مذکرتے ، بلکہ اسس حالت بی حضور صلی انٹہ علیہ وسلم کو لازمی طور سے اس متو قع ذلت کا اندلیشہ صور ہوتا جس کا نقصان اور اثر آب کے مجموعی کاموں بر صرور بڑسکا ہے لہ لنا اگر آب وحی کے ذریعہ ان لوگوں کے معارضہ سے ناکامی اور عاجب زی کا علم منہوا ہوتا تو سرگز آب ان کو چیلنج کر کے مشتعل نہ کرتے ،

ا تنگیس اور سیان کو اپنے مسلک اور مشن کی مقانیت اور سیجائی کا معارضہ بھیں نہ ہوتا تو آئی اس بات کا یفنین نہیں کر سیحے ستھے کہ وہ توگ قرآن کا معارضہ نہیں کر سیجیں گئے ، کیو بحرصوا اا دمی اپنی بات اور دعوٰی برخو دلفین نہیں کرتا ، الم بن کرائی کا اپنی بات بر لفین کر ابٹی بات اور دعوٰی ہے کہ آئی کو اپنی نہوت اور اپنے کہ آئی کو اپنی نہوت اور اپنے مسلک کا لفین تھا ،

ان کا بھوتھے یہ کہ اسس بینینگو ہے کے مطابق قرآن کے معارضہ سے ان کا عابسنر ہونا بھینی اور قطعی ہے ،کیو کو عہد بر نبوی سے لے کر ہمائے ز مانہ ملک کو تی تھی و قت الیسا نہیں گزراکہ دین اور اسلام کے دشمن لے سشمار نہ ہوئے ہوں ، جون ، جفوں نے آپ کی عبیب جو ئی میں کو تی کسر اُتھا ندر کھی ہو، کھرا سف رد شدید حرص کے باوجود کھی معارضہ نہ ہوسکا ،

يربيار وجوه البيي بين جواعجاز قرآن يرولالت كرتے ہيں ان بينينگو الي

د اوراگرتو اینے دل میں کہے کہ جو بات خدا وندنے تہیں کہی ہے اُ سے ہم کیونکر پہائین اُ تو پہچان بہہے کہ حب وہ بی خلا وند کے نام سے کچھے کہے ، اور اس کے کہے کے مطابق کچھے واقع یا بورا نہ ہو تق وہ بات خلاوند کی کہی ہو تی تہیں، بلکہ اسس بنی نے وہ بات خودگتاخ بن کر کہی ہے تو اُس سے خوف نہ کرنا ''

قران كريم كى جو تقى خصوصيت الماضى كى خبرين

پوکھی خصوصیت وہ وافعات اور خبریں ہیں جو آئینے گذستہ قوموں اور ہلاک کی عبانے والی امتوں کے بارے بیں بیان کیں، حالا نکہ یہ امر قطعی ہے کہ آئی اور ناخوا ندہ نخے، کسی سے مذکبھی ٹر تھا تھا ، ندا ہل علم کے سے اسح درسس و تدریس کا اتفاق ہوا ، اور نہ فضلاء کی مجلسوں بیں آئی ہیں کا موقع ملا ، بلکہ ایسے لوگوں بیں بردرسش پائی ہو ثبت برست تھے ، اور کتاب کو جانتے ہی منظم ، نظم عقلی علوم بھی کسی سے مذیر ہے تھے ، نذکھی اپنی قوم سے اتناع صہ خائب رہے جس میں کسی سے مذیر ہے سے اتناع صہ خائب رہے جس میں کسی سنتھ کے لئے عسلوم حاصل کرنے کا امکان ہو خائب رہے ہی اور کتاب کو امکان ہو

رہے وہ مقامات جہاں پر قرآن محکم نے گذشنہ وا فعات کے بیان کرنے میں دوسری کتابوں کی منا لفت کی ہے جیسے کرمسے علیہ السّلام کے سولی دیئے جانے کاواقعہ، سویہ مخالفت ارادی طور بر بہو ئی ہے ،اس لئے کہ لبض که آیت ۲۲۰۲۱ ملہ بڑا طلم کرتے ہیں وہ لوگ جو کہتے ہیں کہ انحفزت ملی انتّدعلیہ وسلم جب شام تشرلف ہے گئے تھے تو بجیراء راہت آئے ان واقعات کی تعلیم حاصل کی، اوّل تواس مختفرسی شام تشرلف ہے گئے تھے تو بجیراء راہت آئے ان واقعات کی تعلیم حاصل کی، اوّل تواس مختفرسی

کتابیں تواپنی اصلی شکل میں موجود ہی مذہ تقیں، جیسے کہ توریت آور آبخیل، یا بھروہ الہامی مذہریں، اور ان میں واقعات فلط طریقے سے منفول تھے، ہمارے اسس دعوے کا شام مران کریم کی حسب ذیل آبیت ہے:-

(بقتیره الشبه مفی گذاشته) ملاقات بین اتنے تفصیلی واقعات کا علم کیسے ممکن تھا ؟ ادراگر آ تھیں بند کرکے یہ فرض کر دیا جائے کہ بحیراء کے اسس مختصر سی ملاقات بین اپنا پورا علم صفور کوسکھلا دیا تھا تو بھرا کو متام تفصیلات کے ساتھ یاد رکھنا اور موقع بموقع آسے طام کر ناکہ مرمواختلات مدہو کیا آسے عفل تسدید کرسکتی ہے ؟

بعض بو کو ں نے قرآن دشمنی میں عقل و خرد کے ہر تفاضے کو بالائے طاق رکھ کریے کہد یاہے ک أتخفزت صلى الشرعليدو مسلم في يرعلم نجى استعاد (TUTA R) سے حاصل كيا تھا ،ليكن سوال يہم لدا گربیر بات تسدیم کر لی جائے تب تو وہ استاد طاہر ہے کہ علم میں (معاد اللہ) آنخضرت صلی اللہ علق الم سے بڑھا ہونا چا ہے، اس مے کرخود الجیل میں ہے دست گر و لینے التاد سے بڑا بہیں رمتی ۱۰: ۲۷) مچروه استاد اس و قت کهال مخما حب آنخصرت صلی الترعلیه و الم دنیای ے انسانوں اورجناً ت کوچیلیج کرلیے متھے ،کہمنت ہوتو اس جیسا کلام بناکر لاؤ ،اگر آنحفرت م اليرسلم كابردعواى دكه فزآن وحيسي ازل موناب بمعاذا بتردرست نهين تفاقواس استاد آگے بڑھ کرکیوں ذکھریا کہ انہوں نے مجھے سے علم حاصل کیا ہے ، ہوا تخترت سے بھی زیا دہ بڑا عالم ہو اسکی تذبورے جزیر م و بی شہرت ہونی جا ہے ، اس سے بیشمارٹ اگرد ہونے جاہیں ان شاگردوں میں سے بھی کسی نے بررا زکیوں فاکش بہیں کردیا ، کہا آنخصرت صلی الشر علیہ سلم نے ان لوگوں کو کو فی دولت یا اقترار کا لالے دیا تھا جگر آگ کے تیرہ سال توسخت تربن فقرو فاقر افلاس اورمع كمشى مشكلات بين كرك ،كيا السبى حالمت مين كوني سنخص دولت واقتذارك لا كعمر سكآب ۽ پيمركمياوہ لوگ آڳ برا بهان لاحكے سخفے ؟ اگرا يمان ہے آئے تھے توا نہوںنے كونسى بينرات بي السي د مجھي تھي حب نے انہيں ابان كائے بير مجبور كيا جيروه سوالات بي جن برا كراكيكم عقل الله عقل انسان تھی عور کرے گاتو مسے خفیقت کک بہو پخے میں دیر مہیں لگے گی ،۱۲ نفی

رِنَّ هَلْ ذَا الْقُرْنَانَ يَقُتَّ عَلَى بَنِيْ اِسْرَائِيْلُ آكُثْرُالَاَ يُ هُدُرِنِيْهِ يَخْتَلِفُونَ ،

ترجه: « بلاستنسبه يرقر آن بني اسرائيل براكثروه واقعات بيان فرما آهد جن مين ده آليس مين اختلاف ركھتے بني ،

فرآن کریم میں منافقین کی مخفی اور بیر شیدہ باقوں کی قلعی کھولی گئی ہے ، یہ لوگ اپنی خفیہ مجاسوں میں اسلام اور سلمانوں کے خلاف جومتفقہ سازشیں اور مکاری دسیلہ سازی کرتے

ر توں کے بھیب این تومتفقر سازشیں اور مکاری دسیار سازی کرتے تنفیحی تعالی سٹ اُڈان تمام مشور وں اور سازشوں کی اطب لاع ایک ایک کرکے تھنوصلی متر علیہ وسلم کو بذریعہ و حی کرنے رسم سے تنقی ،اور آب ان کی سازشوں کو طستہ سے

المد عليه وسلم توبدرتيه و عاري رسي عطيم اوراب ان في سارسون و مساب الله الد عليه وسلم كل اس برده درى مين سياني ك

سواکی دنیاتے سے ،اسی طرح قرآن میں میجود کے احرال کا بخشاف اور اُن کے آندرونی اور قلمہ اراد در راور نیتن سراس اول میں طرائل ملک

اور قبلی ارا دو س اور نیتنوں کا سے انڈا بھوٹا کیا ہے ،

قرآن حکیم میں ان علوم کلٹ اور جزئیر کو جمع کر دیاگیاہے ، اجواہل عرب کے بیب ان معروف ومرق ج مذیحے، بالتخصوص کی تن سان میں قبال میں قبالہ دائیں نہ ماں مذہبات

محضورصلی الله علیه وسلم توان علوم سے قطعی ناآثنا سمجے، بعنی علوم شرعیر کے د لائل عقلیہ برتنبیہ، سوالخ اور مواعظ، احوالِ آخرت، اخلاق حسنہ، اس سلسلے

میں تحقیقی بات برہے کہ علوم یا تو دینی ہوئے ہیں ، یا اس کے علادہ دوسے رعلوم ا

ور ظا ہرہے مرتب ہ اور درجہ کے لحاظ سے علوم دینی اعلیٰ اورار فع ہیں، جن کا تصداق علوم عقائر ہیں ، یا علوم اعمال ،اور عقائر و دین کا حاصل انٹداور اس کے فرشتوں

اور کتابوں اور رسولوں اور توم آخرت کی بہجان اور سننا فنن ہے ،اللہ کی معرفت

مراد اس کی ذات اورصفات ٔ جلال و جسال نمی معرفت ہے ، اسی طرح اس کے احکام اور اور اسسماء کی معرفت ، اور قرآن ان س بحے دلائل اور تفصیلات اور تفریعات پر

له اس كى مثالين ديجهني مرون توسورة توبهاورسوره انفال كامطالعه فرماية ١٦ تفي

كَاتِينَ إِنَّ اللَّهُ يَأُمُّرٌ بِالْعَكِلْ وَالْدِحْسَانِ وَإِنْتَاءِ ذِى الْقُرْبِي فَ

يَنْهِلَى عَنِ الْفَحْشَاءِ وَالْمُنْكِيرِ وَالْبَغِي،

اس میں اڈ فکٹ بالگرنتی بھی اکھیٹی سے سرادیہ ہے کہ ان کی حافقت وجہا لت کو اچھی خصلت بعنی صبر کے سے اند دفع کیجئے ،اور بدی کے عوص تصلائی کیجئے ،

اور فرا ذاالكرن في الخ كا عاصل يرب كرسب تم ان كى بدى كاجواب حن سلوك

سے دو کے اور شری حکیوں کے مقابلہ میں احجا بدلہ دو کے تو وہ بینے افعال تبیجہ

سے بازا جا یک گے ، آن کی عداوت ودستمنی محبت سے ،اور ان کا بغض دوستی

سے بدل جائے گا، اس قسم کے اقوال قرآن میں بجرت میں ،

ثابت ہوگیاکہ قرآن کریم تمام علوم نقلیہ کا جا مع ہے ، خواہ وہ اصول ہوں یا فروع ، نیز اسس میں محنقت د لائل عقلیہ بریمجی جا بجا تبنیہات پائی جاتی ہیں،اور گرا ہوں کارو برا ہین قاطعت سے کہا گیا ہے ، جوآسان اور سہل ہوئے تجے علاوہ

القالعنیان کتابوں می صنعیں سماوی کہاجاتا ہے جسے باعبل ۱۱ت

ك علامه سيوطي عن الانفأن مين قرآن كريم كي تمام افسام كي عقلي ولائل اور اس كي مستنبط مون والعالم

د جمع فر مایات ۱۱ از

مختصر تھی ہیں ،

مَثلًا: آوُكُ لَيْسَ اللَّذِي تَحَلَقَ السَّمَا وَ وَالْاَرَضِ بِقَادِرِ عَلَىٰ السَّمَا وِ وَالْاَرَضِ بِقَادِرِ عَلَىٰ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُ السَّمَا وَ وَالْاَرْضِ بِقَادِرِ عَلَىٰ السَّمَا وَ وَالْاَرْضِ بِقَادِرٍ عَلَىٰ السَّمَا وَ وَالْاَرْضِ بِقَادِرٍ عَلَىٰ السَّمَا وَ وَالْاَرْضِ بِقَادِرٍ عَلَىٰ السَّمَا وَ اللَّا مَثْنَا اللَّهُ مُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُ اللْمُ اللَّهُ مُ الللْمُ اللَّهُ مُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُ اللِّهُ مِنْ اللَّهُ مُنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مُ اللَّهُ مُ الللّهُ مُنْ اللَّهُ مُ اللَّهُ مِن اللَّهُ مُ اللَّهُ مِن اللَّهُ مِنْ اللْمُ الللْمُ اللَّهُ مِنْ الللْمُ اللْمُ اللْمُ ال

میاده ذات حبس نے آسمان وزین بیدا کئے،اسس بات پر قادر مہیں کہان میسوں کودوبارہ بیداکردھے ،

إِمثلاً: قُلُ يُحْمِينُهَا اللَّذِي أَنشَاهَا أَوَّلَ مَرَّةٍ ،

را آپ فراد یجی که ان دہد این را گرین اکو دہی ردد بارہ زند ہ کرے گاحین نے اسلامی بیار کیا تھا "

کسی شاعرفے قرآن کے حق میں بالکل درست کہا ہے کہ مہ حکم میں العقم فی العقم فی العقم الدی الدی المحال تفاصر عندہ اختہام السی جال

م آن کریم اتنی بڑی ضخیم کتاب ہونے اور مختلف النوع علوم کامجوع سے ہوئے سے باد ہو دیر کمال اورخصوصتیت

رکھنا ہے کہ اس کے مصابین اور سطالب اور بیا نات میں نہ کوئی اختلاف و تصادیے ،

نہ تبایین و تفاوت ، اگریہ انسانی کلام ہونا تو لازمی طور براس کے بیان میں تناقض اور آیات میں تعارض ہوتا، اتنی بڑی اور طویل کتاب اس قسم کی کمزوری سے خالی نہیں ہوسکتی لیکن جونے قرآن میں اسس تفاوت واختلاف کا کوئی تھی شائبہ نہیں ہوجا تا نہیں یا جاتا ،اس لئے ہم کو قرآن کے منجانب الشد ہونے کا برام ولفین ہوجاتا ہے یہی بات نود قرآن کی آمیت ذیل میں کہی گئے ہے ،

کے آخرت میں مردوں کے دوبارہ زندہ ہو نے پراہل عرب تعجب کیا کرتے تھے اس کا جوابے یا جار بہا ہا تھی۔ کے تام ہی علوم قرآن میں موجود ہیں، لیکن لوگوں کی عقیس اُن کر رسائی حاصل کرنے سے عاجزرہ جاتی اَذَلَا يَتَكَدَ بَرُوْنَ الْفَرُ إِن وَ لَوْ كَانَ مِنْ عِنْد غَيْدِ اللهِ لَوَ جَدُوْ الْفِيْدِ اِخْتِلَا فَا كَتِبْرًا،

دو تو کیایہ لوگ قرآن میں غور نہیں کرتے ہاور اگریران کے سواکسی اور کی طرف مے ہوتا نوید لوگ اسس میں بہت اختلات پاتے "

سے ہونا ویہوں اس میں بہت اطلاق باتے ۔ اوپر قرآن کریم کی ہوسات خصوصیات بیان کی گئی ہیں اہنی کے بارے میں ارک

تعالیٰ کاارٹ دہے:۔

اَنُذَكَ اللَّهُ اللَّهُ مَى يَعْكُمُ السِّكَمُ فِي السَّكُمُ وَالدَّرَضِ ، "اس قِرْ آن كواكس ذات في أثار بي جواً سمانوں اور زبن ميں جھيے ہوئے

مجيدكوجانتى ي

کیونگراس قسم کی بلا عنت اور استوب عجیب اور غیبی امور کی اطلاع ، مختلف النوع علوم بر حادی ہونا، اور باوجود اتنی بڑی کنا ب ہونے کے اختلان میں نافض سے پاک ہونا، ایسی خصوصیت والا کلام اسی ذات سے صادر ہوسکتا ہے ، حس کا علم استقدر همہ گر اور محیط ہو کہ آسمان وزبین کا کوئی ذرہ اس کے علم سے غائب اور با سرنہ ہو،

المطوين خصوصيّت، بقاء دوام

قران کی ان کھو بی خصوصیت اس کا دائمی معجزہ ہونا ،ادر قیامت بہ اس کا انفی رہنا ،ادر تلاوت کیا جان ا در اللہ تعالیٰ کا اسکی حفاظت کا ضامن بونا ہے، دوسر انہیں ہونا ،ادر تلاوت کیا جانا ا در اللہ تعالیٰ کا اسکی حفاظت کا ضامن بونا ہے، دوسر انہیں انہیں اس کے معجر ات وقتی اور منگامی سے اپنے اپنے او قات میں ظاہر ہوگر ختم ہوگئے ،آج ان کا کو ذیح نشان ان کا تاریخی صفحات کے سواا ورکہ بی دستیاب بہ میں ہوسکہ ، اس کے برعکس قرآنی معجز ، نزول کے وقت سے موجودہ دور مک جس کی مدت بارہ سواسی سال ہوتے ہیں ، اپنی اصلی حالت پر قائم ہے ۔ اور تمام لوگ کی مدت بارہ سواسی سال ہوتے ہیں ، اپنی اصلی حالت پر قائم ہے ۔ اور تمام لوگ

له بکداب تو پورے بور سوس اللہ ہو چکے ہیں ۱۲ نقی

آج پہراس کے معارضہ سے عاجزو قاھررہے، حالا بھراسس طویل عرصب میں ہر ملک میں اہل زبان اور قصحا و بلغاء بجزت ہوتے رہے جن میں اکثر بددین معالمه اور مخالف سفے ، مر بیر سدا بہار معجز ہ جوں کا توں موجو دہے ، اور انشاء الله نغالی تا قيام قيامت موجود رس*ے گا*، اس کے علاوہ جو نکہ فران کریم کی ہر چھوٹی سے چھوٹی سور ہ مستقل طور پر مجزہ ہے بلکہ چھو تی سورۃ کے بفت در قرآن کا ہر سجزوم مجزہ ہے ، اس لیے تنہے قرآن کرم دو سرادے زیادہ معجزات پرمشتمل ہے، ا قرآن کریم کی نوین خصوصیت یہ ہے کہ قرآن کریم کا طبیصے والا نہ او د تنگ دل ہوتا۔ ہے ، اور مذاکس کا سننے والا اس کے مسننے **ہرمرنٹبرنیالیف** اسے اکنا ناہے، بکہ حبقدر باربار اور مکرر بیٹے ھا جائے قرآن کریم سے انس اور محبت بڑھتی جاتی ہے ۔ وخيرجليس لا يُهكلُّ حديثه وترداده يزداد فسه نجسلا اس کے برعکس دوسرے کلام خواہ کتنے ہی اعلیٰ در حب کے بلیغ کیوں نہوں ان کا ایک سے زیادہ بار نکرار کا نوں کو ناگوارا ورطبیعت کو گراں معسلوم ہو ناہیے ، ایمن اسس کا ادراک صرف ذوق سلیم رکھنے والے لوگ ہی کر سکتے ہیں ، فرآن کرم کی دسوین خصوصیت بر ہے کہ وہ دعوے اور دلیل کو إ جامع ہے ، جِنامجِير اس كا بير صف والا اگر معانى كوسمجھتا ہو تو بیک وقت ایک هی کلام بیں دعوای اور دلیل دو نوں کامقام اور نشان اس کےمفہوم اور شطوق سے یا جاتا ہے ، لعنی اسکی بلاغن سے اس کے اعجاز پر اور معانی سے اللہ کے امرو سنی اور و عدے و جیدید استدلال کرا ا جاتا ہے، له وه بهترین مصاحب اور سمنتبن سے جس کی دلنتین بانوں سے کبھی دل منہیں أكا آ ، بلكه أسے حتنی

اربرها جلئے اتنابی اسس میں تحسن وجمال بڑھتا ہے ١٢ ت

متعلین اورطالبین سے سے اسس کا آسنی اورسہولت کے ساتھ یاد ہوجانا ،آبت ذیل میں باری تعالی نے اس بیمز کی طرف اسٹ رہ فراتے ہوئے کہاہے کہ:۔

گیار ہویں خصو عبیت حفظ فنران

وَلَفَكُ لَكُ بَيْنَ مَا الْقُولُ إِنَ لِلذِ كُلِي مُل

بینائجیب، بہت ہی قلیل مدّت میں کمرغمراور جھوٹے بھوٹے بچوں کا اس کو یادکرلینا ہر شخص دیکھ سکتا ہے ، اس امت میں اس دور میں بھی حب کہ اسلام بہب ہی انحطاط کی حالت سے گزر رہا ہے ،اکٹر علاقوں میں ایک لاکھ سے زیادہ حفاظ ایسے یائے جانے ہیں کہ پورے قرآن کریم کا اول سے آخر یک محض ان کی یاد داشت سے لکھا لکھا جانا اور قلم بند کیا جانا ممکن ہے ،اور کیا مجال ہے کہ اس میں ایک اعراب یا نقطم کا تھی فرق ہوجائے ، جبر جاسٹے کہ الفاظ اور کلمات میں کمی مبشی یا تفاوت ،

اس کے برعکس سارے پورپ کے ممالک بیں مجموعی طور پر انجیل کے حافظ اتنی تعدد بیں بیں ہمیں بہت ملے بیں بیں ہمیں بات بی لیے بیں بیں ہمیں بہت میں بات بی لیے بیں جب کہ اس کے ساتھ بہتھی سمینی نظر رکھا جائے کہ عیسائی دنیا فارغ البال اور خوشحال ہے ، اور ان کی نوبھات علوم وفنون اور صنعتوں کی جانب بین صدیوں سے بیش از بیش ہیں، بہا متن محر بربرین سبحا نہ تعالی کا کھ لا ہوا انعام ہے ،

ا ہار ہو ین خصوصیّت وہ خشیت اور ہمیبت ہے جو اسکی تلاوت کے دقت سننے والوں کے دلوں میں ببیرا ہوتی ہے' اور پڑھنے والوں کے دل سمارد بنی ہے ، حالانکہ پیشتیت

بار مهو بن حصوصیت خوندین میشری

اور ہیبت ان دوگوں پر بھی طاری ہوتی ہے جو قطعًا اسس کے معانی بہیں سمجھتے ، اور مداس کے مطابی بہیں سمجھتے ، اور مداس کے مطالب بک اُن کے ذہن رسائی بائے ہیں ، چنا بچنر دیکھا گیا ہے کہ بعض وگ بہلی بار قرارِن کریم کو مشنکر شدترتِ تاثر کی بناء بیر قبولِ اسلام پر مجبور ہو گئے ، اور لعض لوگ اگر جب راس وفت مشرف باسلام نہ ہوئے ، مگر کچیر عرصر لعب د

س کی کشش نے اسلام کاطونی اطاعت اُن گی کرد نوں میں ڈال ہی دیا ، مشناگیاہے کہ کسی عبیاتی کا ایک قرآن تو ان کے پاس سے گذر ہوا ، عبیاتی کلام یاک کوشنکریے خود ہو گیا ، اورزارو قطارر و نے نگا ،اسسے رونے کا سبب پوچیا با توكهاكه كلام خدا وندى كوسسنكر مجعر به زبر دست ميبن ا ور نحتيب طارى بو يئ حب

<u> معنرت جعفرطب آرر منی اللہ عن سرنے جننا ہے حبیث میں سنی احد اس کے دربارلوں</u> <u>لے خرآن کریم کی</u> تلاوت فرمائی تو یہ عالم بنفاکہ پور ^{در} بارتا نز میں ڈو با ہوا بنفا اور حور مقاه باد نشاه اور نتمام اہل در بار مرابر اس وفت تک روتے رہے جب بھے بھتر جعفرون لاوت كرتے رہے ،

یری بہیں، بکدائے سنر علماء کو لم و راست اس معاملہ کی تحقیق اور سٹ اھے دہ کے لئے خدمت بنوی میں بھیجا بھنو صلی الله علیه وسلم نے ان کے سامنے سور ؟ ایسین کی نلاوت فرمائی، وہ سب علماء برابر تے رہے، اور بے افنیار سلمان ہو گئے، اپنی بزرگوں کی شان میں ہے آیات نازل ہو ٹینے

وَإِذَا سَيِعُولُمَا أُنْزِلَ إِلَى السُّهُولِ تَرَحِكَ أَعُيْنَهُمُ تَفِيثِيثُ مِنَ اللَّهُ مُعِ مِمَّا عَرَفُوا مِنَ الْحَنِّ كَفَوْ لُونُ كَبَّتَ المَتَّ فَاكْنَتُنَا مَعَ الشِّهِ لِهِ يُنَ ط

رجہ: اورجب یہ لوگ رسو ل برنازل ہونے و الے کلام کوشنے ہیں تو تم دیکھو گے کہ ان كى انكيسى سناسى كى دجرے أنسوؤ سے لبريزين ، وه كيتے بين كه لے ہمائے پر وردگار! ہم ایان ہے آئے ، اس لیے ، پیس بھی دمچڑ کی تصدیق کرنیوالوں بس لکھ لیجے۔

ا نیز کاشی ان قران سنے کے بعد کہاکہ یہ کلام اور موسلی م بدنازل ہونے والا کلام ایک ہی و یوٹ سے عظے میں ، رواہ احمد عن ام سلمدرم فی صریت طویل رجمع الفوائد ص ٢٠، ج٠٠

كه مصرت عليت بن عباس كى تفسير كے مطابق . (د يجھے تفسير كبير ص ٣٣٩، ج٣

T 04

اسی طرح اسسے قبل ہم جبر بن مطعم رصنی اللہ عن ، عنبہ ابن مقفع ، سجئی بن ، غزالی کے داقعات اور ان کی سنسہا دئیں فرآن کریم کی حقانیت کے سلسلے بین

قاضی نورانٹرشو ستری نے اپنی تفسیر بین مکھا ہے کہ علامہ علی القو کشیجی ہے وقت مادرالنبرسے روم کی جانب روانہ ہونے کئے ، تو ان کی ضرمت میں ایک بہودی للم كى تحفيٰن كے ليے آيا ،اور علامه موصوف سے برابر ايب مسنے يک مناظره ر تا رہا ، اور ٰان کے دلائل میں سے کسی دلیل کو تسبیم نہیں کیا ، اتفا ق سے ایک روزوه بہودی علامہ موصوف کی ضرمت ہیں علی الصّباح حاصر ہوا ، اس وقت علامہ موصوف آینے مکان کی حجبت برقران کریم کی تلاوت میں مصروف تھے ،اگرچہ علاّمہ کی آواز نہا بیت ہی مجو نڈی اور کر بہر تھی ، گر ہو نہی وہ یہودی عالم دروا رہے بیں داخل ہوا ،اور قر آنی کلمات اس کے کانوں میں بڑے ،اس کاقلب کے اختیار بہج کیا اور قرآن نے اسس کے دل میں اپنی جگہ ببیا کرلی، علام موصوت کے باس بہر پختے ہی اُس نے بہلی درخواست میں کی کم محجہ کو مشرف باسلام کر کیجے، علامہ نے ان کومسلما لیا ، میراس کاسبب دریا فٹ کیا ، کھنے نگاکہ میں نے بوری زندگی میں آہے زیادہ مکروہ اور بھونٹ می اواز کسی کی نہیں شنی ، اس کے بادجو د آب کے در وانے بر یہو کینے ہی الفا نط قرآن جوں ہی میرے کانوں میں بڑے میرے فلب کو اپنی شدت حزكر ديا، مجه كواس كے دحى ہونے كايفين ہو كيا،

ان واقعات سے ثابت ہوا کہ قرآن کریم معجزہ ہے، اور کلام خلاوندی ہے اور کیوں نہو ، حب کہ کسی کلام کی خونصورتی اور الحصائی بنن وجوہ سے ہواکرتی ہے ، لعنی اس کے الفاظ فصبے ہوں ، اسکی نزنیب و تالیف بیدندیدہ ہو، اس کے مضامین ياكيزه بور، يرينون بيزين فرآن كريم من بلاست،موجودين،

🔘 وصفحه ملاکے حاشیے برصفحه آثنده)

201

اسس فضل کو نین فوائد کے بیان برختم کرتے ہیں ،اقال برکہ محضور اکرم صلی اللہ للم كوبلا غنت والامعجزه عطا كئے جانے كى وحب ببر ہے كہ عام طورسے اُنہسباء ماسلام کواس جنس سے مجزے عطا کے جاتے ہیں بواسس زمانہ میں نرفی پر ہو، لیو بخہ وہ لوگ اس کے سبب سے اعلیٰ درجے تک بہنے جانے ہیں، اُن کو بیراحسانس ہوجا تاہے کہ اس فن میں وہ آخری حد کونسی ہے ، جہاں بیک انسانی رسائی ممکن ے ، بھرجب اوگ کسی کواس صرسے سکلا ہوا التے میں نوسمجھ لیتے ہیں کہ بیانسانی

فعل نہیں ہے ، بلکمنجاب اللہ ہے ،

جبیاکہ موسی علیہ السلام کے زمانے بین مسی ورجاد و کا زور نظا، اور لوگ اس بیں کمال بیبیاکرتے تنفے، ماہر جاددگروں نے اس حقیقت کو پالیا تھا، جاد و کی آخری صر و تخديل اب ، بعني أي باصل جير كانظراً نا ، حس كاما صل فظر بندئ ب نھوں نے موسیٰ کی لاتھی کو ارد ما بنا ہوا دیکھا جو اُن کے مصنوعی جا دو کے سان كونكل رما مقا، أن كويفين آگياكه يه حدِستحرس خارج اورمنجانب ليترمعجزه سيد،

نیتجریے کہ وہ لوگ ایمان لے آئے ،

رصفحہ گذشتہ کے حاشی اُن فاضی نور انٹرشوستری ، شیعہ کے مشہور عالم، لاہو میں شاہ اکبر نے قاضی ^{نیا}ا تظا، بيرجبان ترخ فقل كلاديا بيلانش الم 10 هلاء و فان منطقام ، شيعه مصرات الحفيس شهير ثالث كيت بس ١٠ كله "علاء الدين على بن محد فوشجي "كرمان مين علم حاصل كيا ، مجير قسطنطنير آكيع، خاص طور سع ربا ضي علوم مين شہور ہیں ، طوسی کی تحرید الکلام برا آبکی شرح معرد ف ہے ، وفات الم عالم ، ١٢ تفی

اس کے برعکس فرعوں ہج بحراسس فن کاماہر اور کامل ندنظا، اس لئے اسس نے اس معجزہ کو بھی رہسسے ، فیال کیا، صرف اس قدر فرق محسوسس کیا کہ جا دو گروں کے جا دوست موسلی علیہ السالم کا بادور ااور عظیم ہے،

اس طری تطفرت ملیلی علمی استلام کے دورمیں فن طب کمال کے نقطہ پر بہنی استلام کے دورمیں فن طب کمال کے نقطہ پر بہنی اپنیا نقاءاس علم میں اہلِ زمانہ کمال بہدارت ،اور اسس کی آفری سریک، بہر برخ جانے سے ، مجبر حب انتفوں نے عبیلی علیہ الت لام سے مردوں کو زندہ کر دینے اورکو المہوں کو تندرست کر دینے والے محبر العقول کا رنامے مشاہرہ کئے، تو اپنے کمال فن سے انتوں نے اندازہ کردیا کہ است کی رسائی نہیں ہوسکتی ،اہل ذا یہ منجانب الشر

اسی طرح محضور صلی التہ علیہ دسلم کے عہد مبارک میں زبان دانی اور فضاحت
و بلا غنت کاعود ج تھا ، چنا بحنیہ لوگ اس میں کمال پیداکر کے ایک دوسرے کو مقالم
کا چیلیج دیتے تھے ، بلکہ یہ چیزان کے لیع سرائے فخو مبا ہات شمار کی جانی تحقیل بنائج
اسی سلطے میں وہ سائیق مشتہ و قصید ہے خانۂ کعبہ میں محض اسی لئے لٹکائے گئے تھے ،
کہ ان کاکوئی معارض ہم نہیں کرسکتا ،اور اگر کسی میں طاقت سے تو ان کا جواب لکھ کر
یہاں آو بنداں کرد ہے ، بھر حب محضور صلی الشہ علیہ وسلم نے السیا بلیغ کلا م
بہاں آو بنداں کرد ہے ، بھر حب محضور صلی الشہ علیہ وسلم نے السیا بلیغ کلا م
بیت کیا ، جس نے تھا م بلغاء کو اکس کے معارض سے عاجز کر دیا ، تو ہو نکہ وہ لوگ
بایا ، تو بھین کر بیا کہ یہ انسانی کلام نہیں ہے بلکہ معجز ، ہے ،

که اہنی قصیدوں کو المعکلِقاکے استنجعک سکہاجانہے، زوز فی نے اپنی نزرے میں یردوایت نقل کی ہے کہ ان قصیدوں کو خان کعبر میں اس غرض سے شکایا گیا تھاکہ کسی میں ہمت ہوتوائی کے مقابلے کے قصیدے کہ کرلا مے ۱۲ نقی

قران كريم ايمه عم كيون نازل نہيں ہوا ؟ دو سرفائده

فرآن كريم كانزول تقوارى تفوارى مفدار مين المطيع المحطي بوكر تنبيت برم بوا، سام قرآن ایک دم نازل تنهین بوا ، اس کی چند وجوه مین :-ورصلی الله علب وسلم ج بحد رسط سکھے ذیحے ،اس لئے اگر ک را فرآن ایک دم ^بازل بهونا تواند *بیشه مطاکه آنی* اس کوضبط اور محفوظ مذکر سکیم كے، مجول جلنے كے قوى امكانات عقفى، -اگرقرآن کریم بورا ایک دم نازل ہوتا تو ممکن تھا کہ آ ہے کھے ہوئے براعتما دکرنے اور یادکرنے میں بورا اہتمام مذہرتا ، اب حبب کہ اللہ تعالیٰ نے تھولڑا ازل کیا توسبہولت اسس کو محفوظ کر لیا ، اور منسام آمرتن کے لیے حفظ کی سنت

جارى موڭئى،

بورا فرآن ایک دم نازل مونے کی صورت میں اگرسائے احکام ، بارنازل ہونے تو مخلوق کے لئے دشواری اور گرانی ببیا ہو جاتی

تقورًا تحقورًا نازل ہونے کی وحبہ سے احکام تحجی تحقورٌ سے تخور سے نازل ہوئے بیخ ان کا محمل اُمنت کے لئے اُ سان ہوگیا ،ایک صحابی سے منقول ہے کہ التی تعالیا

پربڑاا حسان وکرم ہے ، در نریم ہوگ مشترک <u>تن</u>ے ، اگر <u>حصنور صلّی انترعلیو س</u>

ا را قرآن ایک دم کے آتے تو ہمارکے لیے برٹا د شوار ہوجا تا اوراس

قبول كرف كى ممت نه موتى ، بلكه ابت داء مين حضورصلى الله عليه وسلم في مم كومرف

شیرینی کا ذائفہ چکھ لیا، تو اس کے بعد آہستہ ہسنے تما ماحکام ایک ایک قبول کرتے ہے گئے ، بیران بک کہ دین کامل اور محل ہوگیا ، -جب آج وقیا توقیاً بھر ٹیل علیات الم سے ملاقت کرتے توان کے باربار کئے سے آھے کے دل کو تقویت حاصل ہوتی، حس کی وجہ سے اپنے فرلجنہ ؟ تبلیر الته مستعدر ہے ، اور جومشقین نبوت گازمہ ہی کی ادائیگی میں آیٹ مضبوطی کے س ان برصركرف اور قوم كى ايرا رسانى ير نابت قدم رسية مين بختر سے -حب باوجود محقورًا تخفورًا ازل مونے کے اس میں اعجب آز کی سنسرائط س کامعخزہ ٹا بت ہوگیا ،کیذ کراگر لوگ اس کے معارضہ پر قادر ہونے شدہ <u>مصتے کے برابر</u>کوئی کلام توبری آسانی کے ساتھ تھوٹری مقت رار میں نازل قراً ن كريم ان كے اعتراصات اور موجودہ زمانے ميں سيس آنے والے واقعات کے مطابع نازل ہونارہتا تھا ،اطسس یقے بران کی بصیرت میں ترقی ادر ا صنا فہ ہوجا آسھاکیونکہ ،اس صورت میں قرآنی فصاحت کے سے اتھ غیبی امورکی ا وربيشينگو أي تهي شامل بو تي جاتي تفي ، - قرآن کریم حب تھوڑی تھوڑی مقدار میں نازل ہوتا، اور آدھر تھنوا کم کے اس کے معارضہ کا چیلنج سٹروع ہی ہے دیا تھا ، تو گویا آ ہے ر مجزو کے بارے میں ستقل چیلنج کیا ،حبب وہ لوگ ایک ایک مجزو ضے سے عاجز آ کیے عتو سارے فران کے معارضہ سے ان کا عاجز ہونا بررج او لا معلوم ہوگیا، اسسطرح لوگوں کانفس معارض۔ سے عاجز ہو جانا قطعی نابت التنداور المسسرك نبيوں كے درميان سفا رت كامتصب المعظما مدرعہدہ ہے ،اب اگر قرآن کریم ایک دم نازل ہوتا تو سجب میرا ملكت لم سے اس منصب اور عہد كے سترن سے محروم ہوجانے كااحمال

مہارا عی طبد دوم عقا، قرآن کے تقور ای تقور می مقدار بیں ازل ہونے کی وس کے لئے پہر شرف باقی رہا ،

۔ قرآن کےمضامین میں تکرارکبوں ہے ہ

تنبيرافا ئره

قرآن كريم مين سئله توحيد، احوال قيامت، اورا نبياء عليهم إ ، پر بار با رائسکیٹ آیاہے ، اہل عرب عام طور پر م بت پرست سنے ،ان بمن م چیزوں کے منکر سنے ،امل عجم میں سے بعض اقوام بعیہ ۔ وستانی و چین کے ہوگ ا در آتش برست اہلِ و ب نہی کی طرح میت برست رمشیرک تنفے ،آور ان باتق رکے انکار میں اہل عرئب ہی کی طرح تنفے ،اورلجین قومیں جسے عبیبانی ان اسنسیاء کے اعتقاد میں افراط و تفرلیلہ بیں مبتسلا تھے ، اسس کیتے ان معنا بین کی تخفیق و اکیر کے لیے مسائل نوحیہ ومعاد دعیرہ کو باربار بجرمت بان کیاگیا، بیغمبرد س کے واقعات بار باربیان کئے جانے کے اور بھی اسباب ہیں ا مثلاً ، پونکه فرآن کریم کا اعجاز بلاغت کے لحاظ سے تھی تنفا ،اور اکس بہلو سے تھی معارصت مطلوب تھا، اس لئے فقص کو مختلف ہیرالیں اور عبارتوں میں بیان کیاگیاہے ، انحضارا ور تطویل کے اعتبار سے ہرعبارت دوسری سے مختلف ہونے کے با وجود بلاعن کے اعلی معیار بربہو کی ہوئی ہے ، تاکہ علوم ہرجائے کہ يرانساني كلام بنهي ہے ،كيو بحر الساكر البغاء كے نزديك انساني طاقت، اور قدرسند سے خارج ہے ، دوسرے بیکہ ان کو یہ کہنے کی گنجائشش تھی کہ وفصیح الفاظ اس فقتے کے مناسب تنھے ،ان کو آٹ استحال کر چکے ہیں،اور اب دوسرے الفاظ اسٹ يان الناه المنها الما الما المرابيع كاطراقيردوسرك بليغ طريق كم مخالف موامات ا لبعن اگرطوبل عبارت پر قادر ہوتے ہیں تو دوسرے صرف مختصر عبارت برقدرت

ر کھنے ہیں ،اس لئے کسی ایک توع بر قادر منہ ہونے سے یہ لازم مہیں آ نا کہوہ دوسری نوع پر بھی قادر مذہ الم بین ہے ،

یا پر کہہ سکتے بھے کہ واقعات اور قصص کے بیان کرنے میں بلاغت کا دائرہ انگ ہے اور آپ کو اگر ایک آ دھ مرتبہ قصص کے بیان کرنے پر قدرت ہوگئ تو انویر محض بجن واتفاق ہے ،لیکن حب قصص کا بیان اختصار و تطویل کی رعابیت کے سیات اس سلسلے میں باطل ہو گئے ،
کے سیاتھ بار بار ہوانو گذرشہ تا بینوں شبہات اس سلسلے میں باطل ہو گئے ،
تعدیدے یہ کہ حضر صل اللہ علمہ وسلے قیم کی ایز ارسیان کی وجہ سے ننگ ال

تیسرے بیکہ حضور صلی اللہ علیہ وسلم قوم کی ایزار سانی کی وجہ سے ننگ ل ہوتے تنفے، چنا بچنر حق تعالی شائذ نے آیت ورد کفٹ کہ ننگ کیراً ننگ کے گیوئیٹ ٹی

صَـُکُدُكُ بِمَا يَقَوُّ لُوْنَى " بِي اس كَى شبهادت دى ہے، اس لِحُ اللّٰر تعالىٰ من آن دو قال میں مدر اندائ علیہ کے راہ کے واقعات مدر سرکو کر واقع

مختلف اوقات میں انبیاء علیہم السلام کے واقعات میں سے کوئی واقعہ بیان فرماتے جانے ہی جو مصور صلی الشرعلیہ وسلم کے اس وقت کے حسب حال ہوتا ہے

تاكة حضور صلى الله عليه وسلم كود لجمعى اور تستى حاصل مو، جنائحيه اسى عز ص كى جانب تاكة حضور صلى الله عليه وسلم كود لجمعى اور تستى حاصل مو، جنائحيه اسى عز ص كى جانب

آبت ذیل میں ایشارہ فرایا گیا ہے:

وَ كُولَةً النَّهُ مِنْ عَلَيْكُ مِنْ أَنْهَاءِ السُّرَسُلِ مَا نُنِتَتَ بِهِ فُولَاكَ وَكُولَةً السُّرَسُلِ مَا نُنِتَتَ بِهِ فُولَاكَ وَكُلَّ وَمُوعِظَةً وَيَذِيكُ مَا يُنْفُولُونِينَ هُ وَجَاءَكَ فِي اللَّهُ وَمِنِينَ هُ وَجَاءَكَ فِي اللَّهُ وَمِنِينَ هُ وَجَاءَكَ فِي اللَّهُ وَمِنِينَ مَا وَيَعْمَدُ وَمُوعِظَةً وَيَذِيكُ مِن اللَّهُ وَمِنْ اللَّهُ وَمُنْ اللَّهُ وَمِنْ اللَّهُ وَمِنْ اللَّهُ وَمِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ وَمِنْ اللَّهُ وَمُونِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَمُونِ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ ال

نرجہ: دبیغمروں کی خبروں میں سے ہم آج کورہ واقعہ سناتے ہیں جر آب کے دل کی تصرف کی تعلیم اور ان تصول کے ضمن میں آج کے ہیں سن باتن اور

ملانوں کے لئے نصیحت ویند کی اجس بہنی ہیں ا

بوستے یہ کمسلانوں کو کفائے ما تھوں ایڈاء اور تکلیف بیہ چی ہی دہتی تھی ، اس سے باری تعالی ایسے ہرمو قع برکو بڑ ہذکو بڑ دفت کے مناسب حال ذکر کر دینے بیں، کیونکہ بیہلوں کے داقعات بیجیلوں کے لئے موجبِ عبرت ہوتے ہیں،

ا اور ہم جانتے ہیں کہ ان دکفار) کی باتوں سے آج کا دل تنگ ہوتا ہے "

رالیق طد دوم باب بنجم با بخویں میرکر کہجی ایک ہی واقع ہے متعد دحقائق بیرمشتمل ہوتا ہے ، ضمنًا ایک ایک مقام پر اسکے ذکرکرنے سے اگر ایک حقیقت مقصود ابیان ہے اور دوسری صنمناً تو دوسری جگداس کے بیان سے دوسے رحفائق ملحوظ ہوت ہیں ، اور بیب لی حقیقت صنمنی بن جاتی ہے :



دوسری فصل

بریم فران برعبیهانی علما کے اعتراضا

بههلااعتراض قرآن کی بلاغن پر

عبیائی علماء قرآن کریم برمیب اعتراض برکرتے ہیں کہ یہ بات تسئیم نہیں کی جاسکتی کہ قرآن کریم بلا عنت کے اس انہائی معیار پر بہنچا ہواہے جوان نی دسترس سے باہرہ ، اور اگر اس کو مان بھی لیا جائے نب بھی بیا عجاز کی نا قص دلیل ہے ، کوکھ اس کی بہجان اور سننا خوت عرف وہی شخص کرسکتا ہے حسب کو عربی زبان اور لعنت عرب کی یوری مہارت ہو ،

د لائل سے اسس کو ٹابت کیاجا جیکاہے ،

رہی یہ بات کہ اس کی مشناخت صرف و ہی کرسکتا ہے جب کوع بی زبان کی

کا مل مہارت ہو ، سوبہ درست ہے ، لیکن اسٹے ان کا مدعا ہرگز ٹا بن نہ ہوگا کیو کھ یہ معجزہ بلغاء اور فصحاء کو عاجز اور فاصر کرنے کے لیے تھا، اور ان کا عاجب نہ ہو نا

یہ جرہ بھا داور معلی ہو اور فا طرر معارض کے مطابا ور ان فاعام نے ہو کا نابت ہوچکا ، ند صرف یہ کہ وہ معارض ہے مہیں کرسکے ، بلکہ اپنی عاجزی کا اعتران

تھی کیا ، امل زبان کے اس کی سٹناخت اپنے سیلیقے سے کی ہے ، اور علماء نے علوم

بلا غنت اور اسالیب کلام کی مهارت سے اس کو بیجانا،

ہے جن سے معلوم ہوتا ہے کہ فرآن اسٹر کا کلام ہے ،

ادھرم ملان ہے دعوای کب کرتے ہیں کہ قرآن کے کلام اللہ ہونے کا سبب صرف اس کا بلغ ہوناہی ہے ، بلکہ ان کا دعوای توبہ ہے کہ بلا عنت سمجی قرآن کے کلام الہٰی ہونے کے با سنجار اسباب بیں سے ایک سبب ہے ، اور قرآن کرماس لعاظم سے مبخلہ بہت سے معجزات کے حضور صلی اللہ علیہ وسلم کا ایک معجزہ ہے اور اس کا معجزہ ہونا آج سمجی لاکھوں ایل زبان اور ماہرین بلاغت کے نز دبیب اور اس کا معجزہ ہونا آج سمجی لاکھوں ایل زبان اور ماہرین بلاغت کے نز دبیب عیاں ہے ، اور مخالفین کا عاجر و قاصر ہونا ظہور معجزہ کے وقت سے موبود ہ ذمانہ کی ابت ہو جہ ہر شخص کھی آئے تھوں دیکھ سکتا ہے ، جب کہ ایک ھزار دوسوا سی سال کی طویل مرت ہو جگی ہے ،

روسرہ میں سب می سویل مرت ہو ہیں ہے ، بیز ففعل اوّل کی دو سری خصوصیت میں یہ بات معلوم ہو جکی ہے کہ نظام کا کاقول باط سل اور مردو د ہے ، معتبزلہ کے بیشوا الوموسلی مزددار کا یہ قول بھی نظام

کے قول کی طرح مردود کے کہ اوگوں کو اُس قسم کے نفیسے و بلیغ قرآن بنانے کی قدرت

ہے ' اس مے علاوہ بہشخص ایک دلوانہ اور پا گل متفا، حب کے دماغ برکٹرت

ریا صنت کی وجرسے خشکی غالب آگئ تھی ،اس کے نتیجے میں الحسن کی بہت سی بزیانی اور دلوا نکی کی باتیں اسنے کی ہیں ، مثلاً ایک جگہ بوں کہتا ہے کہ "خراجوٹ لنے اور طلسلم کرنے پر فادر ہے ،اور اگر وہ ایساکرے تب تھی وہ خدا ہو گا مگر جھوا رظالم '؛ دوسری جگه کہتاہے کہ جوشی بادست وسے تعلق رکھے گا وہ کافرہے ،نہ بخد کسی کا وارث بن سختاہے اور سناس کاکوئی وارث ہو گا، رهی به بان که وه تمام کنا بین جودوسری زبانون بین معیاری بلاغت رکھنی ہں ان کو بھی کلام آلمی ماننا پڑے گا ، سویہ بات نا قابل تسسیم ہے ، اس لئے کہان کہ ہوں کا بلاعنت کے اس اعلیٰ مرتب پر بہنچ جا نا ان وجوّہ کئے مطابق^یا ہت بہس ہواجن کا بیان فصل اوّل کے امر اوّل و دوم میں گذر جیکا ہے ، اور نه ان کے صنعین کی جانب سے اعجاز کا دعوائی کیا گیا ہے ، ندائسس زبان کے فصحاء ہی ان بز ہوئے ، بھر بھی اگر کوئی شخص ان کتا بوں کی نسبت اس قسم کا دعوی کرے تو اسکے ذیتے اس کا ثبوت دینا ہو گا، بھر اگروہ ٹابت ین کرسکے تو الحسن مے باطل دعوے سے احتراز صروری ہے، اس کے علاوہ رف لعص عیسا بیوں کا ان کتا بوں کے متعلق بیرہ شبہادت دینا کہ ان زبانو ں میں یہ كتابيں بلاغت كے اسى معيار بربہو كنى ہو نى ميں مبى معيار برعربى زبان مسير له عینی بن صبیح ابوموسکی مزدار (م سیسی منهایت غالی قسم کے معتزله میں سے ہیں، بے انتہاء ریاف کی بناء پر اس کے دماع برخشکی غالب آگئ کھی، قرآن کے مخلوق ہولے پر اکس کاعدّ قاد اس قدرشد پرتھا ة إِن كوقديم اننے والوں كو كافركتا سخفا ، بيهاں تك كه علامه شفهرستاني نے نقل كيا ہے كه ايك مرتب كو فد مي والم ابراہیم سندھی مے استے بوجھا کہ روئے زمین پر لیسے والوں کے ارے بیں تھا راکبا خیال ہے ج کہنے لگا کہ ب كافريس ابرا ہيم نے كماكہ بندة ضرا إجنت كے بارے ميں قرآن يه كہتا ہے كة تمام آسمانوں اور زمين كى کی وسعت رکھتی ہے ، پھرکیا اسس میں حرف تم اور متھارے ساتھی رہیں گے ؟ اس پروہ کھسیانا ہو كيا ، (الملل والنخل للشهرستاني، ص١٩ ج١) مل ملاحظم سو الملل والنحل للشيرستاني ص ٩٣ ج أول ، قابره مم واي ،

قرآن کریم ہے، قابل سلیم مہن ہوسکتا، اس سے کہ بوئک ید لوگ نو داہل زبان نہیں لئے یہ تو دوسری زمان کی تذکیرو تا بیٹ میں ،مفرد تشنیہ جمع میں امتے یاز سے ہیں ، ندمرفوع ومنصوب ومجرور میں تمیز کرسکتے ہیں ،حیہ جا ٹیکہ زیادہ بلیغ اور کم بلیغ میں تمیز کر نا ،اور بیرامت یاز مذکر ناعر بی زبان کے سے تھ ہی بخصوص ہیں ملکہ اپنی زبان سے علاوہ کسی زبان میں تھی ،عبرانی ہو یا بونانی، سریانی ہو یا

لاطینی ان کو بیمهارت حاصل نهیں موسکتی، اوراكسس امتياز مذكرنے كامنشاء ان كى زبان كى تنگ دامنى ، بالخصوص الكربزوں كاتو يبى حال ہے ،كيونكہ بيرىجى اپنى تنگ دامنى بيں عيسا بيموں كے شر کہلے میں البتہ عام عیسا بڑوں سے پہلوگ ایکہ خصوصبت میں ممتاز ہیں،اور وہ یہ کہ یہ لوگ تھسی دوسری زبان کے بیندگنتی کے الفاظ سے واقف ہوجانے کے بعد اپنے بارے میں میر گمان کر لینے میں کہ ہم اس زبان کے ماہر ہو گئے ہیں ، اورکسی علم کے چندمسائل کے جان لینے کے بعد اپنے کو اسس علم کے علماء میں شمار کرنے لگتے ہیں ،ان کی اس عادت بدیر لیونانی اور فرانسیسی حصرات مجمی اعتزا من وطعن کرتے ہیں کا ہمارے پہلے دعوے کا بٹ مدیر ہے کہ شام کے یڑے با دری سے مارونی نے اسقف اعظم اربانوس مہتم کی اجازت سے بہرت سے یا در ایو کرا بہوں که انگریزی زبان میں مختلف اصناف (GEENDERS) کے لئے بالعوم ایک سی قسم کے صیغ ہیں،اس کے برخلات عربی میں ہراکی کے لئے الگ ہے عدد (NUM BER) کے لحاظے انگریزی میں کلے کی دوقت میں مفرد SINGULAR اور جمع PLURAL کے برخلاف عربی میں ان دونوں کے علاوہ تثنیہ DUAL کے لئے بھی الگ صیغہ ہے ، یہ تو بنیادی اموریس عوبی کی وسعت سے اس کے علاوہ عربی کے نفات ۷۵ C ABUDA NY

انگریزی کی نسبت بہت زیادہ ہے ۱۲ تفی

که اربادس سنتم (URBAN VIII) ستولهٔ سے الاله کا یوب را ہے، یہ وہی ہیں ہے جس خ مشہورسا تیسدان کلیلیو کی مخالفت کی تھی د برطا نیکا، ۱۲ تغنی

علماء اور عبرانی یونانی عربی زبان کے برط هانے والے اساتذہ کو اس غرص سے جمع کیا کہ یہ لوگ اُس مور بی نرحمب۔ کی اصلاح کریں جوبے شمار اغلاطہ بھر پھوا اور بہت سے مضامین سے خالی ہے ،ان دگوں نے سھاتائ میں اکسیل میں بڑی محنت اور جانفشانی کے بعداس میں اصلاح کی ، نبکن ج نکہ باوجود اصلاح تام کے ان کے ترجوں میں بہت سی خامیاں عسا میوں کی روایتی خصلت کے مطابق باقی رہ گئیں س لئے ترج کے مقدمہ میں اکفوں نے معذرت بیش کی ہے ، بیں اس مقدمہ سے بعینہ ان کی عبارت اور الفاظ میں ان کی معذرت نقل کر تا ہو ں، وہ یہ ہے : دتم اسس نقل میں بہت سی چیزیں الیبی پاؤ کے جو عام قوا نین لعنت کے خلاف ہونگی مثلاً مونت کے عوم میں مذکر اورجع کی جاکم فرد اور تثنیر کی بجائے جمع اور زیر کی حكم ييش ادراسم مين نفسب اور فعل مين جزم ، مركات كي حكر موت كي زيادتي وغيره وغیرہ ان تمام باقوں کا سبب عیسا بڑوں کی زبان کی سادگی ہے اور اس طرح ایھوں نے زبان کی ایک محفوص قتم بالی ہے ، یہ بات صرف عربی زبان کے ساتھ ہی مخصوص نہیں ہے بلکہ لاطین اور بونانی عبرانی زبانوں میں تھے اسبیاء اور رسولوں نے اور ان کے اکا براور بروں نے لغات اور الفاظ میں آسس فتم کا تفافل بدناسي ، وج أسكى يرب كروح القدنس كا يهمنشاء كيمينين بوا، كه كلام اللي كوان صدوداوريا بنديون كوسائة جكرويا جائے بو تخوى قواعد نے نگائی ہیں، اسی لئے اسلنے ہارے سامنے ضرابی امرار کو بغیر فصاحت و بلاعنت کے پیش کیا ''

دورے دعوے پر بیرشہادت موبود ہے کہ مشہور سیاح الوطالب فان نے فارسی زبان میں ایک کتاب مسیر الطالبی تصنیف کی ہے، اسس میں اس نے زبینا سفرنا مر لکھاہے ، اور مختلف مالک کی سیاحت میں جو حالات اُس نے دیجھے ان کو قلمبند کیاہے، انگلہ بتان والوں کی نوبیاں اور عیب بھی اسی سلسلہ میں شمارکرائے ہیں ،امس کی کتاب سے آتھویں عیب کا ترجمہ کرے نقل کرنا ہوں ،کیونکہ اسی موقع پراسی کی مزورت ہے ، وہ کہتا ہے کہ ،

"اسلسلہ میں ان سے سرزد ہو تی ہے، کیونکہ یہ لوگ خودکو ہرزبان کا اہر مجھ لینے ہیں اور کسی مل مان سے سرزد ہو تی ہے، کیونکہ یہ لوگ خودکو ہرزبان کا اہر مجھ لینے ہیں اور کسی مل علم سے جب کچھ الفاظ اس زبان اور اس علم میں کتا ہیں تصنیف کرنے گئے ہیں اور کہوان خوان خوان کو جنے اس جبر کا علم ابتدا کی اور کہوان خوان کو جانے کرد بنے ہیں ، مجھے اس جبر کا علم ابتدا کی فوانسید لئی لوگوں کے بیانات سے ہوا، کیونکہ ان ملکوں کی زبانوں کا سب بھن اہل انگلستان کے بیہاں عام طور بر را بی ہے ہو ، اور کھیر محصکو ان کے بیان برائیس کرنے کا موقع اس وقت ملاحب میں نے فارسی زبان میں ان لوگوں کو اسس طرح خیا نت کرنے ہوئے گئی گ

کے بعد کہتا ہے کہ:

"لندن بن اس قدم كى بهت سى كتابين جمع بوگئى بين كداب كچيرز مانے كے بعدامل حق كى كتا بون كا بہجا ننا مشكل موجائے كا "

رہی ان لوگوں کی بہ بات کہ باطل مضامین اور قبیح مقاصد کو بھی فقیسے و بلیغ عبارت اورالفاظ میں اداکیا جاسے ، اس سے الیا کلام سجی کلام الهی ہونا چاہئے ، سویراعتراض فراک کریم پر ہرگز وار د نہیں موسکتا، اس لیے کہ فران سحیے ہر وع سے اخر تک صب ذیل ستائیس مضامین کے بیان سے بھراہوا ہے ، اس کی کوئی طویل اکیت ایسی نہائیں گے جوائن مصامین میں سے کسی مصنمون سے خالی ہو،

فرآن كريم كے مضامين :-

ا نصرا کی صفات کا ملہ و کمالیہ ،اس کا واحد ہونا ، فتریم وار کی ہونا ، ابدی اور قادر ہونا ، عالم وسیسع و بقیر ہونا ، متنکلم محکیم و خبیر ہونا ، خالق السماؤت و الاحن ہونا ، رحیم کے اس بات کی مثالیس دیجھنی ہوں تو آجک کے مشتسر قین کی کتب کا مطالعہ فرا پیجے ، ان میں اس قیم کی بے شمار مثالیس ملیں گا ۲ تغ

باب سيحم

ويين بونا، صبوروعاد ل بونا، فدوسس و محي ومميت بونا دغيره وغيره. الترتعالي كاتمام عيوب متلاصرون، عجز، ظلم اور مبل سے باك بيونا، P توجیدخالص کی دعوری، اور سنرک سے مطلّعًا مانعت، اسی طرح تثلہ ہے (P) منع كرناكه بيرتهي لقيتى طورير منزك سى كاايك شعبر سے جياكة آپ كو بو نفے باسے انساء علىمالت لام كاذكراور إن كے واقعات اور قصص ، @ ا نبياء عليهم السلام كالهيشه بنت برسنى اوركفروسترك سے احراز 0 بيغمرون برايمان لانے والے محزات كى مدح اور تعر لف كرنا، 9 انبياء عليهم السلام كے مذمان والے اور حج شلانے والوں كى مزمن 3 تمام بیغیروں پرایان لانے کی عمومًا تاکید کرنا اورخصوصیت کے ⦸ علیلی علیرال لام پرایان لانے کی تاکیر، یہ وعدہ کہ ایمان والے ایجام کارمنکروں اور کافروں پیاغالب آ بیس کے ، (1) قيامت كى حقيقت كابيان ، اوراس دن مين اعمال كى جزاكى تفصيلات ، 0 عبنت أور دور خ كا ذكر اورانكي نعتول اور عذابول كي تفضيل، 1 دنیا کی مذمنت اور اسکی بے ثبانی اور فانی ہونے کا بیان ، 1 آخرت كى مرح اورفضيلت اور استحىدالمي اوريا يرارمونيكا بيان ، 1 حلال جيزوں كى حلّت اور حوام جيزوں كى حرمت كابيان ، 1 (6) (1) التذنعالي كيمحبتت اور التثروالوں كم (1) شوق دلانا ،

- رنے سے انسان کی رسسانی ً ان دسائل اور ذرا لئع كابيان جن كواخت (1)
 - بركارون اور فاسقون كي صحبت اور سمنشيني سيروكنا اورد همكاناء 19
 - بد نی عبادتو ن اور مالی عبادات میں نبت کوخالص رکھنے کی تاکبد کرنا ، \odot

Ó ريا كارى اوركشبرت طلبي پيروعيد،

تہذیب اخلاق کی تاکید، کہیں اجالی طوریر کہیں نفصیل کے ساتھ، **(F)**

(P)

بُرْت اخلاق اور کمینی خصلتوں برد معمکانا ، آجالی طور بر ، اخلاقِ حسنه کی مدح اور تعرافیت جیسے بر دباری، تواضع ، کرم ہشتو P

فرے اخلاق کی مذمن جیسے فقتہ ، کبتر، بخل ، بزدلی اورطسلم و غیرہ ، P

تغولی ادر پر مهنر گاری کی نصبیجن ، (

ا مترکے ذکر اور اسکی عبادت کی تر غیاف، E

بلاسنب ببرتمام بانين عقلي اورنقلي طور برعمب مه اور محمو د مهن ،ان مضايين كاذكرقرآن ميں بحرث اور بار باكيداور تقرير كے لئے كياكيا ہے ،اگر ب مفنامین بھی قبیح ہوسکتے میں تو بھرمع اوم نہیں کہ اچھی بات نچھر کو نسی ہو سى بين أب كوسركز نهين مندرجه ذيل بالين أب كوسركز نهين ملين كي،

ہا عمل کے محتش مضامین ،-ملاں ہنمبرنے اپنی مبٹی سے ز اکیا تھا ،

له مثلاً د يجصة على الترتيب فالخد، انعام، أع ، آل عمران عا، صفَّت عدى نساء ع٢٠ ، فضص لفزه ع ١٦ وع ا دنساءع ، انعام ع ٢٠ المومنون ع ١ ، نباع ١ ، الواقع ، عنكبوت ع ، انعام ع م المائدة ع نساءع ۵، ع ، وتوبرع ۵، آل عمران ۳، الصقّ ع ۲، النساءع ۲۰، مجادله ع ۱۲ لجرات ع ۲۰ نحل ع١١٠ آل عمران ع ١١، النورع ٢ ، ١٢ تقى كه جيباكربيدائش ١٩: ٣٣ تا ٢٦ ميس مفرت لوط على السلام كى السه بين ہے، عبارت كيلي و يجھيے كتاب بدا صفر ١٣١ ج ١ (حاكثين

﴿ یا فلاں بنی نے کسی دوسرے کی بیوی سے زناکیا ،اور اسس کے خا وند کو صیلہ اور مرسے قتل کر دیا ،

السنى كائے كى بوجا كى تھى،

یاده آخر میں مرتد ہوگیا تھا اور ہذ صرف بیت پرسنتی اختیار کی بلکہ ثبت خانے ساتھ کے م

یااش نے اللہ پر تہمن اور بہنان رکھا ، اور تبلیغ احکام میں دروغگوئی سے کام لیا ملورا پنی فریب کاری سے ایک دوسرے بنی کو عضن خیب لا وندی میں متالا کرتھی ا ،

ی بیرکہ داؤد علیہ اسلام ،سلیمان علیہ است لام اور علی علیہ است لام دنعو ذیات سے سرامزادوں کی اولاد ہیں ، بعنی فارض بن میہودا کی ہے یا بیرکہ اللہ کے ایک بڑے رسول ہو خدا کے بیٹے اور انبیاء کے باب ہیں ، ان کے بڑے لڑے نے اپنے باب کی بیوی سے زناکیا ،

اوران کے دوسرے بیٹے نے اپنے بیٹے کی بیوی سے زناکیا، مزید یہ کہ جب

ک جبیاکہ ۲- سموٹیل ۱۱: ۲ تا ۱۱ میں مصرت داؤد علیہ اللم کے بارے میں ہے ،
عل حبیباکہ خروج ۳۳: تا ۲ میں حضرت بارون علیبالام کے بارے میں ہے ،
عل حبیباکہ ۱- سلاطین ۱۱: ۲ تا ۱۳ میں مصرت سلیمان علیبال الم کے بارے میں ہے ،
علی جبیباکہ ۱- سلاطین ۱۱: ۲ تا ۱۳ میں مصرت سلیمان علیبال الم کے بارے میں ہے ،

الله صبياكه السلاطين ١١ : ١١ تا ٢٩ مين مع الورى عبارت كيليخ و يحصة كما ب بلاص ٢٥٣ لي ١١ ت عدد الله عبود عبارت كيليخ و يحصة كما بالا مين مع دنامتي ١١ مين مع اور بيراتش باب مين م كريمودا في ابني بهو

ترسے زناکیا تھا احب سے فارض بیدا ہوا القی

کے اس کے بڑے رسول سے مراد مصرت لیعقوب علیا اسلام بیں ،ان کے بڑے صاحر انے کا نام روبن کے اللہ اس کے بڑے صاحر انے کا نام روبن کے الفاظ یہ بیں : دوروبن نے جاکر اپنے باب کی سے الفاظ یہ بیں : دوروبن نے جاکر اپنے باب کی سرم جاہما ہ سے مباشرت کی ،اوراسرا بیل کو بیمعلوم ہوگیا 'و رپیدائش ہے ،۱۲)

ك دوسر عبي سے مراد يہوداه بين ،جن كے بات بين بيلائش ١٨ : ١٨ مين نقر يج ب ،

اس عظیم النان بنی نے اپنے دونوں محبوب بیٹوں کو اسس حرکت کوشنا توان کوکوئی سزا نہیں دی، سوائے اس کے کہ مرتے وقت اکھوں نے بڑے کواس شینع حرکت پر بردعاء دی ، اور دوسرے لراکے کے حق میں تونارا صنی كالمجى اطب رسنس كيا، بكه مرتے وقت السے بركتوں كى دعاء دى ا یا برکدایک دوسرا برا رسول جوندا کا جوان بیاسے ، اور حب نے خود دوسرے شخض کی بروی سے زنا کیا تھا حب اسکے محبوب سٹے نے محبوب بٹی لینی اپنی بہن سے زناکیا اوررسول نے شنا ، تو تھی اس کو کوئی سزا تہب ر دی، شایداس سے اس کی ہمت نہیں ہوئی کہ وہ نود بھی زنا میں مبتلانها، السيىمالت سي اس حركت يردوسرك كوكيا سزادينا ؟ بالحضوصِ ابینی او لاد کوم، برتمام باتیں پہود و نضاریٰ کوتسلیم ہیں ، اور ان وافعات کی تفریح عہد عنیق کی ان کتابوں میں سے جودو نوں فریق کے نزدیک کم ہیں، یا یہ کہ سچیلی علبہ است لام حبیبی شخصیت ہو عیسلی علیہ الشلام کی شہرادت کے مطابق اسرائیلی بیمبروں میں جلیل الفت رر نبی میں داکر حب ہو شحض آسمان کی بادست ہی میں چھوطاہے وہ انسے بڑا مجھے) ایھوں له أعروبن ... تویانی کی طرح بے ثبات ہے ١٥ سیلئے مجھے فصنیلت نہیں مے گی ، کیونک تواسے باب ع بستر مريح الان أسے بن كيا، دوبن ميرے بجيونے بيرط هيا " ربيدائس ٢٠٠) عه "بيهوداه سے سلانت نہيں جھوٹے گئ ... اورقوبي اسكى مطبع ہوں گی الح "ربيباك وج ملے مطرت داؤدعلیال امراد میں ، باعبل میں آپ ہی کے بارے میں بیمن کھڑت اور شرمناک واج ذكركياكياب ،كانبون نے اپنے سالار اور ریاكی بوی سے زناكرے اور یاكومروادیا ٢١ سموئیل ١١:١٥ ا اور بلتے امنون نے اپنی بہن مرسے بڑی جالبازی کے ساتھ زناکیا ، ۲۱ سمو میل ۱۱: ۱۲) ساتھ ہی ہے مجى مذكور ہے كہ محزت داؤد عليال ام كو اسكى اطلاع ہو تى ، گرآپ نے اپنے بيٹے كوكوئى سزانہيں وی، صرف عفته و شه د ۱۲ (۲۱ : ۱۳) (حاست می صفحه آثره یر)

نے لیے دوررے معبود اوررسول بنانے دلے بعنی عیسیٰی علیات الم کوم ہول العلق کی بناء پر تبیس سال کہ پورے طور برنہیں بہجانی ، جب بھی یہ معبود لینے بندے کا مربد بنہیں ہوگیا ، اور حب بک ان کی جانب سے بیتسمہ کی رسم کی تحمیل بندے کا مربد بنہیں ہوگیا ، اور حب بک ان کی جانب سے بیتسمہ کی رسم کی تحمیل بنہیں ہو تی ، اور حب بک اس دوسرے معبود کے پاس تیسی امعبود کبوتر کی شکل بنی نہیں آگیا ، اس تبییرے معبود کو دوسرے معبود کے باس بوتر کی شکل بیں نہیں آگیا ، اس تبییرے معبود کو دوسرے معبود کے باس بوتر کی شکل بیں نہیں آگیا ، اس تبییرے معبود کو دوسرے معبود کے باس بوتر کی شکل بیں نہیں آگیا ، اس تبییرے معبود کو دوسرے معبود کے باس بوتر کی شکل بیں نہیں آگیا ، اس تبییرے معبود کی دوسرام بود ہی میرا

یا ایک دورے رسول جوا علیٰ ذرجے کے جوریھی ہیں،اور جن کے پاکسس جوری کا تحقیلا تھی تھا،اور جن کا نام نامی ،، بہو دااست کر تو تی ہے، یہ صاحب کرامات

رصفحہ گذشتہ کا حاشیر کا می صفرت عینی علیہ السلام کے اس ارشاد کی طرف اشارہ ہے: ود جوعور نوں سے بیرا ہوئے ہیں ان میں بوحنا بیسے دینے والے سے بڑا کوئی نہیں ہوا ، لیکن جو آسمانی باد شاہی میں جھوٹا ہے وہ اس سے بڑا ہے '' دمثی اا: ۱۲)

بياں "جوا سمان كى بادشائى ميں جيوالے اسے مراد حصرت عيلى عليه السلام بيں ١٢

اله وسفح مراكا جاشير العزت بجيلي عليه السلام كاس ادمث دكي طرن اشاره ب

و میں نے دوج کو کورو ترکی طرح آسمان سے آثرتے دیکھا ہے اور وہ اس بر بھم رکیا، اور میں تو آسے بہجا ننا نہ تھا ، گر صب نے مجھے بانی سے بتیسمہ و سے کو بھیجا اسی نے مجھ سے کہا

جن يرتور وح كو أرت اور كظرت ديجه وي روح القرس بيتمدد ين واللب ، خالج

میں نے دیکھا اور گواہی دی ہے کہ یرضرا کا بٹیا ہے " (لیوخا ۱ :۳۲ تا ۳۲)

سي تبير المعبود ليني روح القراس ١١٣

سی بلکمتی ۱۱: ۲سے تو بیمعلوم ہوتا ہے کہ اس وقت بھی نہیں بیجا نا، بینا کیے قید مہونے کے بعد ابیخ شاکردہ کو بھیجکر صرت عبیلی علیاب لام نے مجھوا یا کہ " آ بیوالا تو ہی ہے یا ہم ، دوسرے کی راہ دیکھیں ؟ ۱۲ تقی ، ادر معجزوں والے بھی ہیں، اور حوارین اہیں ان کا مضمار تھے ہے، اور جوعیسا یُوں کے نظر یہ کے مطابق تھے نوں اور دور سے بیٹم پروں سے افضل ہیں، ان صاب نے اپنادین و نیا کے عوض میں لعنی صرف تربیم میں فروخت کرتے ویا ، ایعی اپنے معبود کو میں دور میم میں فروخت کرتے ویا ، ایعی اپنے معبود کو میں معبود کو میں کرفتار کر اوینے پر راضی ہوگیا ، چا بحہ بہر بہود لوں نے اس کے معبود کو پڑا کر کرفتار کر اوینے پر راضی ہوگیا ، چا بحہ بہر بڑی ہوگی ، کیونک وہ بیشیہ کے معبود کو پڑا کر اس کے معبود کو پڑا کر اوین نے اس کے معبود کو پڑا کر اور تنگ نے ست بھی تھا ، اگر جہد کا ظریب تھی تھا ، اگر جہد میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات میں بیٹوں کے خیال کے مطابق با بیں اوصاف وہ رسول اور صاحب معجزات سے زیادہ محبوب اور فیمنی منے بیٹوں کے خیال کے مطابق با

مر دار کا بن تنا، اور حب کا نبی مون البحیلی کی شهادت سے ٹابت کیے اس نے بھی لینے معبود کے قبل کا فتویٰ دیا تھا ،اوراکس کی يكذب وتكفي راورا بانت كي تقلقه، عزض سولی دیئے جانے والے معبود میں تین بنٹوں کی جانب سے تین عجب اموا فغ اولاً اسرائیلی نبیوش کے سرگروہ نے اپنے مجود کو لورے شنیس ال تك كا ملطور برمنهين بهيجانا ، حبب يك وه ان كا مريد منهس بهوكما ، اور تبسيرامعبو د اس بر كبونز كى شكل ميں ارل بنهن ہوگيا، دوسرے اس معبود كے دوسرے بنى كالمخفور ي سى ت کے لالے میں جس کی مقدر ار صرف نیس در سم تھی، اپنے معبود کو دستمنوں کے گا گرفآر کرا دینے ، اور اہینے معبو د کی محتن پر اتنی قلیل منفعن کو ترجیح دینے بریتیار موگیا رے اسی معبود کے تیسرے نبی نے انسس کے قبل کا فتولی دیا اور انسس کی تکذیرہے

ر بقبه صفحه گذشته کرتی میں ، چنا بخه لو قا ۳۰،۲۳ میں ہے «اور شیطان یہوداہ میں سمایا ، اور لوحنا ۲۷: ۱۳ میں ہے : '' اور اس نوالہ کے بعد شبیطان اس میں سماگیا '' اور ۲: ۷۰ میں ہے ، ''تم میں سے ایک شخص

شیطان ہے اس نے پیشمعون اسکریوتی کے بیٹے بیروداکی نسبت کہا، اوراعلل ا: ۱۸ بیں ہے اور اعس نے

بد کاری کی کمائی سے ایک کھیت حاصل کیا ،

اس کے علاوہ اگر اپنے آقاکو بچرط والنے سے بہی " نبک مفصد" پیش نظری ا ، ہو طی کوشنسے صا بیان فرملتے ہیں تو تیں روپے کے مول تول کے کیا معنی تھے به کیایا نیک مقصد ابغیر بیسے لئے پورا نہیں موسكاتها ويحراكريه واقعى نيك مقصد مضاتو تجربعبر مين اسطى يربات كين كاكيا مقصد بوسكاب كر يس نے كناه كيا كم ي فصور كوقتل كيلي بحطواديا " (متى ٢٠: ٣) اور لمجر اپنے آب كو كيانسي كيون دى ؟ جياكرمتى ٢٠: ٥ يس تقريح ب ١٢ تقى رصفيرنوا كاماشيك كالفار CAIA PBAS) مصرت عيسى عليال الم كوران مين سرداركاين نظاء يوسنانے نفل كيا ہے كه "؛ اسسال سردار كامن سوكر نوت كى كرتسوع اس قوم كے واسطے مريكا " (يوف ١١ : ١١ ك) اس ميں اس كے بنى ہونے كى تصريح بائى جاتى ہے، سلہ اناجیل میں بہ واقعہ ذکر کیا گیا ہے کہ بیہودی صفرت علیلی عاکو پیط کرکاشفا کے پاس سے عجمال اس نے حضرت عیلی عکودا جب لفتل ترار دیدیا، اور صاحرین نے آپ کے روئے مبارک پر تھو کا، اور

غنرهاشركه برصفخدانده)

تکھنیسے کی

بہرطال ہم خدا سے افسی مے بڑے عقائدہے بناہ مانگئے ہیں، جوانب یا ع علب ہم السلام کی شان میں روار کھے گئے ہیں، والتُدنم بالتُدہم افسی کے جھوٹے اعتقادا انبیاء کے بارے میں نہیں رکھتے ، انبیاء علیہم اسلام کی باک ہستیاں ان شرمناک الزامات سے ماک ہیں،

رومن كيبخولك عير معفول نظريات اليركائفا كعال كرجوكي نقل كياب

اس کی تصریح عہد مِعربید میں موجود ہے ،اسی طرح اس نوع کے دوسے ہمضا بین جن میں ہماری اورساری دنیا کی عقلیں جیران ہیں قرآن کریم میں کہیں ان کا نام ونشان مہیں ملتا ،ان تمام سٹر مناک باتوں کا معتقد عیسا بیوں کا سبتے بڑا اور کثیرالتعداد فرقبہ کمیتھو لک ہے ،حس کی تعداد بعض بادر یوں کے دعو ہے کے مطابق اس زمانہ میں مجمی دوسو ملین کے برابر ہے ، شلاً ؛۔

ہر تیم علیہا الت لام کی والدہ کوتھی ابنی خاد ند کی صحبت کے مریم کا حمل رہا ، یہ حقیقت اسے مریم کا حمل رہا ، یہ حقیقت اسمی مقور اعرصہ ہوا عیسا میٹوں پرمنکشف ہوتی ہے ،

 ہر تیم علیہا الت لام کا حقیقیا منزائی ہاں ہونا ،

رگذشہ سے پیوسہ حالت کے دیل کیا (دیمجھے مٹی ۲۷: ۲۵ ومرقس ۱۳: ۲۳ ولو قا۲: ۲۱)

بعض عیائی حفرات اس واقعہ کی تا دیل دہی کرتے ہیں جو ہم نے یہوداہ اسکر یو تی کے بارے میں بیان
کی، نیکن مٹی ۲۹: ۲۵ ویل تھر ی کے جی کہ جب صفرت عیسی عرف اینے آپ کو خدا کا بیٹیا قرار دیا، تو کا تُفا کے نزدیک می پر سے اور صف ایک احتماع مصلحت کی وجہ نے کہا کہ بیاس نے کفر بہا ہے "، اگر عیسی عرکہ کا فوکوں قرار دیا ؟ ۱۱ تقی صفحہ ما کا حاصف ہا کا حاصف ہا کا حاصف ہا کا حاصل ہو تا دیا تھی کہ وطر تین لاکھ ستاوں ہزار ہو جی ہے ، د برطان کا اند میں اس تصور کو فروع حاصل ہو تا رہا بہانگ

كر حقارت مرجم م كوم ستعقلا " فراكى مان "كها جان دگا ، اس تخيل كه ارتهاء كى بورى ماريخ كے ليے ملاحظة م

1.7

اگریہ فرض کر الیاجائے کہ تام اطراب عالم کے بادری خواہ سے ال میں ہوں یا جنوب میں، مشرق میں ہوں یا مغرب میں، سب ایک وقت میں عنتاء ربانی کی رکھ ور وں وظیا رکھا میں من اسلام دے رہے ہیں، تو کمیتھولک عفیدے کے مطابق لازم آ تاہے کہ کر ور وں وظیا ایک آن میں مختلف مقابات ہراس سیح میں صلول کرجاتی ہیں جو خدائی اور انسانی دونوں مفتوں میں کا مل مجھی ہے اور کنواری مریم سے ہیں میں سیا ہواہے، مفتوں میں کا مل مجھی ہے اور کنواری مریم سے ہیں میں سیا ہواہے، مفتوں میں کا مل مجھی ہے اور کنواری مریم سے ہیں جا تاہم ہو ہوئی ایک لاکھ محرفے کے معالم میں کو جب کوئی پادری تو رہا ہے، اگر میں۔ اس کے ایک لاکھ محرفے کے معالم میں میں میں جو نا ، بیر سیام کی ایک اللہ میں ان کا موں میں قوتین حسید بی بیکا راور معقل ہو جاتی ہے،

ے ثبت اور مورتیں بنانا اور ان کے سامنے سیرہ کر بالازم اور صرور سے ہ

اسقف عظم ربیب ، برا بمان لائے بغیر سنجان ممکن نہیں ہے ،اگر حبیر وہ واقع میں

كيساهى بركاروبدذانيجهمهو

روم کا بادری ہی اسففن عظم بن سکناہے ،اس کے سوا اور کسی کے لیے برمنصد ہیں ہے ، وہی عبادت گاہ (گرجا) کا سسردار اور غلطی سے باک ہے ، ردم کاکر جا تام گر ہوں کی اصل اور ہوط نے ، اور سب کامعلم سے مغفرت نامون کی فرونحت: بوب اور اس کے متعلقین کے پاکس زیر دست خزانہ ہے ، جوال کو پاک بھنے والوں کی جانب سے ندرانوں کی شکل میں ملتاہے ،ان عطیوں اور ندرِانوں کے عوص مسیس لوب كى جانب سے ان كومغفرت اور بخت شي عطاكى جاتى ہے، بالحضوص السوقت کہ وہ اس کی گرا س قتمیت اور ابورے بورے دام وصول کرنیں ، حب کا ان میں کافی ، عظم کو حرام جیزوں کے حلال کرنے اور حلال کو حرام بنا دینے کے محمل ا ماصل ہوتا ،معلم میخائبل مشاقہ جوعلاء پروٹسٹنط میں سے ہے ، اپنی کتاب و ا ہج بنز لا تجيلين على أباطبل التقليدين "مطبوعربروت المهماع بين كهاب : كذشة سے بيوستى كدوه كليساكى جيان بن اوران كے ياس اسمان كى باد شابى كى كنجان بن وقتى ١٠ د ١١٠ بتام فضأئل ہر اوپ بر بھی صادق آتے ہیں، کمیتھو مک فرقہ نے پاوپ کوج وسیع انفہارات دسیے ہی اور ان كاحب طرح غلط استعمال كمياكيا اور اس يرحب قدر احتجاج بهوا، اسكى تقصيلي ناريخ كيلي ويحقق برانکا، صلاف جامقاله (PAPACY) مختلف بایاؤس کی برکاری کامال معلوم کرنے کے اع و سخصة قدار يخ كليسائروم ص ١١١، اور Cioe KE كي أريخ كليسا، ص٢٥١ ، له ان باتوں کی تفصیل کیلئے طاحظہ ہو برطانکا مقالہ PAPACY اور ROMAN CATHALIC تله یادری خورسشیرعالم کھتے ہیں: "مخفرت اموں کی تجارت عام تھی جس کے باعث المان بشب صا كوكناه كابدل روسيير ديخرمزا سعبرى قرارديا جا مانخفا " تواتيخ كليسات روم، ص١٨١ الم مورسلامين كه يوب كو بحيثيت واضح قانون (icgis LATOV) اور بحيثيت فاصني تمام اختيارات من " (POPE) JIENA THE WILL

داب تم ان کود کیھوگے کہ دہ چیا کی شا دی بھتیجے سے ادر ماسوں کا بکاح بھا بخی سے
ادر کسی شخص کی شاوی اپنی صاحب اولاد بھا و رج سے کمبیت مقدر سے کی تعلیم اور ان
کے باک اور مقدر سی جامعین کے حکم کے خلاف جائز کرتے ہیں، یہ محرات ان کے نزدیک
اس اوقت حلال اور جائز بن جانے ہیں جب اس کام کے لئے ان کور شوت کے طور پر
کافی رقم مل جائے ،اسی طرح بہت سی یا بندیاں اور بندشیں ہیں جو انھوں نے اہل کلیا
پر ملکادی ہیں، اور بہت سی آن چیزوں کوحرام کر دیا ہے جن کا صاحب ستر بعیت نے حکم
کیا تھا ،،

س کے بعد کہا ہے:

ر بہت سی کھانے کی بچیزی ہیں جن کو حوام کر دیا ہے، کچھر حرام کردہ کو دو بارہ مطال بنادیا ،اور ہالے نے کی بچیزی ہیں بولے دور مصل کا بنادیا ،اور ہمالے زمانے میں بولے دور مصل کے دن جس کی تحریم بولے زور مشورے مدت کا کھا انا جا گزدکر دیا ۔

اورکہ بی تیرہ خطوط "کے دو سرے خط کے صفحہ ۸۸ میں تکھا ہے کہ :مدفر انسیسی کارڈ نیل زباڈ بلا کہنا ہے کہ بوب اعظم کو اسفتر راضیارات ماصل
میں کہ وہ حرام جیزکو جائز فرار دیدے ،اوروہ خدائے تعالی سے بھی بڑاہے '؛
توبہ توبہ ! انٹر تعالی ان کے بہتانوں اور الزاموں سے باک ہے ،

مردول کی منفرت بیسول سے

ا صدیقین کی ارواح ، مطر ، بعنی جہنم میں غذاب اور کلیف بیس مبتلا اور الد کارڈینل (CARDINAL) کلیساکا ایک عہدہ ہے جو بوب کے مانحت سبت اعلی درجہ ، ایک بیب کے مخت بہت سے کارڈینل ہوتے ہیں جن سے کلیساکی ہیبت صاکد (۱۹۵۵ کا انتخاب کرتے ہیں ، اور کلیسا کے نظم ونسن کی نگر افی کرتے ہیں ہجن اوقات یر نفظ دوسرے باور ایس بر بھی بول دیاجا ہے و بر ایس ایسکا میں میں مقالد (۱۹۵۵ کا ۱۹۵۸ کا ۱۵۵ کا سال کو باک کرتی ہے ۱۲ ت

اس کی آگ بیں نوط بوط رہتی ہیں، بیان تک کہ بوب اعظم ان کو بخشش عطا ے ، یا بادری لوگ اپنی قدّاستان کی طاقت سے اسکی بوری قیمت وصول کرنے کے بعد ان کور مانی عطاکریں، اس فرنے رکے لوگ بوب کے انتہیں اور خلفاء سے سول نجات کے لئے سسندیں حاصل کرنے ہیں، نگران عقلمندوں پرتعج تب ہوتا ہے کہجب بہاس معبود کے خلفا عسے حصول نجات کی سندیں خریدرہے ں کا حکم آسمانوں اور زمین میں اور نا فذہبے، توجو لوگ اسس عذاب سے سخان یا یے بدس کیوں طلب منہس کرنے ، اور سی نی ایوب کی فدرت روز القدس کے فیمن سے برابر براهمتی رسنی سے ، اس سے پوب لیود ہم شن کے لیے درستا دیزی طکط ایجاد کئے ، ہو اسکی طرف سے یااس کے وكس كى جانب سے اپنى گذرشىند اور ائىرە خىطا ۋى اور گنا ہوں كى مغفرت كے خريرا ركو سے جلتے ہی ،جس میں حسب ذیل مضمون لکھا ہو السے ،

رد ہمارارب مسیح لیوع بچھ پر رحم کرے گا،اور بچھ کوا پنی رحمن کاملہ سے معاف كرے كا، امالعد محمركوس مطان الرسل بطرس د بولس اوراس علاق كے برے برے اور کی جانب سے جوافتیارات دیئے گئے میں ان کی بناء پر میں سہے سلے تیری خطاوی کو بخشنا ہوں انوا ہ کسی جگدان کوکیاگیا ہو ، کھردوسرے تیرے قصورون كواوركونا بيول كواگرج وه مشمارس نياده بهون، بكه آمنده كي لغزشو كو جنيس لوي نے ملال كيا ہے ،اورحب كك كنجياں رومى كليساكے الحظ بين بس یں ان تمام عذابوں کو بخٹ تا ہوں ،جن کا توصطیر میں سنتی ہوتے والاہے ،اور میں مفدسس کلیبلکے اسراساس کے اتحادا ورخلوص کی طرف سے تیری رہنمائی کرونگا،

ک قداسات (SUFFRAGES) قداس کی جمع ہے ، ان

دعاد واور سموں کو کہاجا تا ہے جونھ انی مذہب میں انسانوں کو گنا ہوں سے پاک کرنے کے لئے کی جاتی ہے سله سی بی،ایس کلیرک آین تاریخ کلیسا میں کیٹ KiOD کے حوالے سے اس رسم کی تفصیل بتلتے ہوئے مکھتا ہے ،"اگرلوگ اس غرض کے لئے پیسے دینے کو تیار مہوتے تو جیسے ہی یا در کی کے صندوی پیس کوّن

نے کی اوالا آئے تومردہ کی وہ روح جصے مجات دلانے کے لئے ہمے دائے گئے ہیں فور اسیدھی جزت میں تیم پڑنے

اور بہتیسمہ کے بعد تومعصوم ہوجائے گا، یہاں یک کہ جب تومرے گا تو تجھ پر عذابوں کے دروازے بندکرد بیتے جا پٹی گے ،اور فردوس کے دروازے تیر الع كھول دينے جائيں كے واور اگر عقد كو في الحال موت مذاتي توبيخ شن آخرى دم يك ابنے بورے الله كے ساتھ يترے ليے باتى اور قائم رہے كى ، باب اور بیتے اور روح القداس کے نام سے ، آین ، براکھا گیا ہے بھائی لوحا کے باتھ جووكيل دوم كأقاتم مقامش

کتے میں کرجہنم زمین سے بیچوں بیچ ایک محب خلا۔

ب صلیب کانشان لہنے و نوں پر بنا آہے ، اور دوسرے لوگ اپنے چروں ا فللبا پوپ کے جوتے مرتبے میں صلیب سے اور دوسرے بیادر اوں کے چیروں سے

بعض مقدر سس مستيان البيي بين حن كي صورتين نوكيَّ جسي بن، اورهبم، انساني جس لرح، وہ اللہ کے بہاں بندوں کی شفاعت کریں گے ، معلم میخا ٹیل مرکورابنی مذکورہ کے صفحہ ۱۱ بن کمیخولک فرقہ پرطعن کرتے ہوئے کہتاہے کہ:۔

ليووسم (× Lio ×) ايك بوب سے بھے سلاھ ليئر ميں نامزد كيا گيا اور الم ائتر بين اس كامال ہوا ، را انکا ، ۱۷ صفح مذا کاحات بیا معفرت ناموں کی اسی سی سی نخریرین تاریخ بین متی ہیں کا بدی کو بید دیکرگذاہ معاف کرانیکی یہ رسمسالیا سال سے بغیرکسی روک ٹوک کے جاری رہی ہے ۱۰سکی بتاریخ کیلے ملاصل فرملیئے: انسائیکلوبیڈ مارٹانکا کی صفح مقالہ EHCE مراسی م كيلية كيس كيس كمناو ن كامول كالاست ديدياكيا تها ؟ اربح بن اسك عبب عبيب واقعات ملت بي كلرك في تاريخ كليسا مي كد ك حوالي سي نقل كياس كم الم الكافية من الك إلى درى جان المدال ر TETZEL) نے عام اعلان کر دیا تفاکر اگرکسی عیسائی نے اپنی ماں کے ساتھ یدکاری کی بہواوروہ کی فیم پہنے مغفرت کے صندوق میں ڈال دے تو ہو ہے کو دنیا اور آخرت دو نو رہیں اختیار ہے کہ وہ اسکے گناہ مع^ا

ے ، اور آگر لوب نے گناہ معاف کرد یا توخدا کو ایساہی کرنا بڑے گالو شارط مسٹری آف دی جرنے صبیح

"ان دوگوں نے بعض مقدرس ستیوں کا نششہ اورصورت ایسی فرض کی ہے کہ اس قیم کی صورت اسٹر نے کسی محلوق کی نہیں بنائی، شکا مرکتے جیسا اور حبم انسان کا سا ،الس کا علم السموں کا مام اکھوں نے قدل کے قدم شم کی عباد نیں کرتے ہیں، اس کے اسکے شخصیں عباد نیں کرتے ہیں، اس کے اسکے شخصیں عباد نیں کرتے ہیں، اس کے سامیل کے درخواست کرتے ہیں، کیا عبامیل کے لائق ہے کہ وہ کہتے کے د ماع میں عقل ہونے کا اعتقاد رکھیں ، اور اسے بزرگ سمجھیں ،کہاں یہ فاسد اعتقاد ات اور کہاں ان کے کنیسوں کی عصمت ، اسس کا یہ ناکہ کہا عبیائی کے لائن ہے " یہ یفنینا کہتے اور صحیح ہے ، کیوں کہ عبسائیل اسس کا یہ فرنس کے با مکل مشابہ ہے ، سٹ بد لوریٹ کے قدلیس کے با مکل مشابہ ہے ، سٹ بد لوریٹ کے فدلیس کے با مکل مشابہ ہے ، سٹ بد لوریٹ کے عبیا بیوں کو المہان اور سٹ دید محبّت رکھتا اسی لیچ ہو ،کیوں کہ وہ الس محرّم قدلیس کے عبدائی میں کے مہشکل ہے ،

ک صلیب کی کلوی اوراز لی باب اوربیط بنرروح العت رس کی تصویر وں کو حقیقی ملک تاریخ کا میں کا تصویر وں کو حقیقی ملک تاریخ کا میں تو کی میں استاین ماریخ

کا کہ دور ان سے کرد ارکے بالے میں مختلف کہا نیاں شہر دہیں ، جن میں سے مشہور ترین دواہت اللے کا کا کہ کہ دارہ ان کا ایک کردارہ نے ہیں، بس کے اعزاز میں لاطینی کلیسا ۲۵؍ بحد لائی اور یونانی کلیسا ۶۵؍ بارچ کو خاص میں اداکر ناہے ، اس کے کرد ارکے بالے میں مختلف کہا نیاں شہر دہیں ، جن میں سے مشہور ترین دواہت است است جن نظا ، جو اپنے سے دراہ مل ایک بنت پر ست جن نظا ، جو اپنے سے زیادہ طاقتور آتا کی تلاکش میں بھر تا تھا ، کچھ دلوں بیٹ مکنعان کے پاس رہا ، مگر چوبی وہ جنات سے در تا تھا اور بیصلیت ، اسلیت دونوں میں بھا تی رہ ہو سکا ، بیشاہ کمنعان کے پاس سے چلا آیا ، اور سے در تا تھا اور بیصلیت ، اسلیت دونوں میں بھا تی رہ ہو سکا ، بیشاہ کمنعان کے پاس سے چلا آیا ، اور کی میں بھرا کی سے بیان دونرے کے بجائے خدمت خلق کے مسافر وہاں سے گذر تا ہو ایک ایست دریا کے کمنا ہے رہنے دکا عبی بہنچا دیتا ، ایک روز ایک چھوٹے سے بیان ہو وہ اس سے دوسرے کیا رہ جائے نہ بیصدیہ معول کم سے کند ھے پر سے بیے نے اس سے دوسرے کیا درے جانے کند ھے پر سے بیے نے اس سے دوسرے کیا درے جانے کند ھے پر

عبادت والاستجده كياجانا ہے،اور قدلب وگو سكى تصوير و س كوس ہے ، میں حیرن ہوں کہ ہیلی تسم کی تصویر وں کے سجدع عباد ت کا مس کیامعنی ہیں ؟ اسکیے کے صلیب کی انکرط ی کتعظیہ می انواس مستنے کہ اس صبیبی ککر طمی سے ہو گئے تھی ،اور ان کے خبال کے مطابق کمیسے اس پراٹ کائے گئے تھے یا بھراس لئے کہ وہ اکماسی ان کے کفارہ بننے کا ذریعیہ ہو تی ، با اس لئے کہ آب کا حون اس لکڑی بربہا تھا اب اگر میلی وجہ ہے تو عبیا ٹیوں کے نظریہ کے مطابق گرھوں کی ساری یادہ معبود ہونے کے لائق اور افضل ہے ، کیو بکہ مطبیح السلام اور خج برسوار مواکرتے تنفے ، ان دونوں کو بھی آب کے جسد مبارک سے حاصل تفا ملکہ انہوں نے تو آپ کوراحت بہنجائی ،اور سبب المقدرس مک ضرمت انجام دی مخی اور گرها ان کے ساتھ جنس فربب اور حیوانین میں سٹریک بھی اس لئے کہ گدھا بھی جسم نامی حساسس متحرک بالارادہ ہے ، بخلاف اس لکوی کے ارجس میں کسی قسم کی حس اور حرکت کی قدرت موجود نہیں ہے ، ادراگرددسری وجرے نویبودااسٹریوتی تعظیم کازیادہ سنتی ہے ،کیونکم ہے قربان ہونے کادہ سمب سے پہلاواسطہ اور ذراحیہ ہے ، کینو بھ اگروہ مس سنز) لا دکرچلا آد ھے داستے پرہیو پہنخ کر اسے اسفدرز بروس س ہواکہ وہ لط کھڑا نے نگا، جوں توں کر کے اس نے بیچے کو کناسے پر مپنچایا، اوراس سے کہا كه '? اكر مين سارى دنيا كو ديشت يرلاد ليناتب تجيم عجه أننا بوج محسوس مذهو نا، جتنا تحهه أنظا كرمحسوس مواہے " اس بہجے نے جواب دیاکہ تعجب کی کوئی بات نہیں تم نے صرف دنیا کو بہیں ملکد دنیا کے بید كرنے والے كو بھى ديشن پر آتھا يا تھا " كہتے ہيں كہ اس وا فقد كے بعد حب منصرة ميں ڈاپشسہ (DEEISUS) في عيسا يُول يرظلم دهائ قراسي عيى مارديا ، دير تمام تفعيل برطانيكاج ه صعید: CHRISTOPHER میں وجودہے عیسایٹوں نے اس بیتے کی کہانی پرایان لاكراس قدلسين كالي عجيب مبيبت كاثبت بنا يحصورا ،اور مرسال اسكى يادين خاص رسمين منانے لکے ،اگر کو تی اس انسانیت سوز حرکت پر احتجاج کرے تو وہ ، ملحد ، ﴿ برعنی ، اور آگ میں جلانے

یہودکے ہاتھ گرفتا رندکرا یا تو بہود یوں کے لئے مسیح عمر میرا کرسولی دینا ممکن مہوتا ، <u>ے روہ مسے علیالسلام کے سابھ انسانیت کے وصف میں برابر سے ،اور انسانی صورت</u> و شکل بریھی ہے ہو انٹہ کی صورت ہے ، نیز وہ روح الفذیس سے " بھرا ہوا ، صاحب کرمات ومعجزات مجى عظا، كتنى حيرت كى بات سے كه البيازبر دست واسطه بوبيلا واسطه سے وه توان کے نزدیک ملحون ہے ،اور ایک جھوط اداسطرمبارک اورمعظم سے ، اوراگصلیب کومنفرس ماننے کی شیری زجہے تو وہ بٹے ہوئے کا نے جو ر بہذناج بنے ہوئے تنفے وہ تھجی اس اعلیٰ منصب پر فائز ہوئے ہیں ، لعنی ان ریھی بے علیالسلام کاخون گرا ہے ، بچر کیا وجہ سے کہ ان کی نعظم اور عبادت نہیں کی جاتی ؟ بلکدان کو آگ میں جلایا جا تاہے ،اور اسس مکر ی کا تعظیم کی جاتی ہے ،سوائے اس كے كدير كها جائے كدير بھى ابك بھيد ہے تنليث كے سمجھ ميں ندائے والے بھي کی طرح ، اور حس طرح مسیح میں حلول کرجا ناانسانی عفلوں کے ادراک سے خالیج ہے ا اس سے زیادہ فحش بات باب کی تھویر کی تعظیم کر ناہے ، کیونک آپ کو باک کے مقدمہ کی تبسیری اور چو تھی خصوصہ بنے بیان میں معلوم ہوجیکا ہے کہ نہ عرف _ الله تعالیٰ مشابهت سے بری اور پاک ہے کلہ نہ اسکوکسی نے دیجھا ہے اور مدد نیا میں ا کسی کو اس کے دیکھنے کی قدرت ہے ، نو پھرکو نسے بدب نے اس کو دیکھاہے ؟ جو ا اس كتصوير بنانے كا مكان بوسكے ، اور بربات كسے معلوم بو فى كه برتصوير خراكى ال سورت کے مطابق ہے ، اورکسی شدیطان کی صورت یاکسی کافر کی صورت کے مطابق نہتی ہے اله اشاره ہے بیدائش، ۲۷ کی طرف ، حبی میں کہاگیاہے کہ د خوانے انسان کو اپنی صورت پرسپدا کیا ، و سے انجیل متی میں ہے : اور کا شوں کا تاج بناکراس کے سر پر رکھا ، اور ایک سرکنڈااس کے واسنے مانظ يس ديا ي ومتى ٢٤ : ٢٩) سله یه خداکی تصویر بنانا کسی گیانے توانے کی بات بہیں ہے، آج کے مہذب دور میں امریج کے تہذیب ترین" رسالے لاڑف نے حال ہی میں " بائبل نمبر" شائع کباہے ، حس میں تعدای کئی تھویریں و کھائی گئی ہی اوروه تهم تصويرين ابيخ مصور ون كي كه شيا ذهندين كاجنيا جاكما بثوت بين رو يجهع لا تُف شماره

914

ہمریہ لوگ ہرانسان کی عبادت کیوں ہنیں کرتے ، خواہ وہ سلمان ہو یا کا فراس لئے کہ نوریت کی نفر رخ کے مطابق انسان خدا کی شکل لئے ہوئے ہے ، نعوب ہے کہ بوب صاب اس وہمی ہی گھروت کو توسیعہ ہرنے ہیں ، حب ہیں نہ حس ہے نہ حرکت ، اوراللہ کی بنائی ہو ئی صورت بعنی انسان کی تو ہین اور تحفیر کرتے ہیں ، کہ اس کے آگے لینے یا وُں کھیلا دینے ہیں کہ وہ ان کے ہوتوں کو بوسسے دے میرے نز دیک ان اہل کتاب اور مہدوستان کے مشرکین کے درمیان کو وہ کھی فری نہیں ہے ، اور اس عبادت میں ان کے عوام شکرین کے عوام شکرین اہل علم کھی اپنی ثبت برسنی کے خواص کی طرح ہیں ، ہندوستان کے مشرکین اہل علم کھی اپنی ثبت برسنی کے سے اسی قسم کے عذر سین کرتے ہیں ،

سے بوب کتابوں کی تفسیروتشریج میں سنسے بڑی اعقار ٹی ہے ، بیر عقیدہ آخر زمانے میں گھڑا گیاہے، ورندا گر بہا مجھی بیر عقیدہ رائج ہوتا تو آگئیں اور کر بزوسٹم جیے مفسر بن اپنی تفسیر بن مذلکھ سکتے ، کیونکہ نہ تو وہ پوپ نفے ،اور نہ انہوں نے اپنے زمانے کے پاپاؤس سے تفسیر ککھنے کی اجازت ماصل کی تھی ،اور ان کی تفسیر بن اس زمانے کے کلیسا وُں میں بہبت مقبول ہو گیں ، غالباً بعدرے پاپا وُں نے ان تفسیروں کے مطالعے کے بعد ہی بیر منصب حاصل کیا ہے ،

اسقفوں اور شمانسوں کو نکاح کی اجازت نہیں دی گئی، اسی ائے دہ لوگ وہ

له دیکھٹے پیدائش ا: ١٠ ،

 211

کام کرنے ہی جومف دی شدہ لوگ مہیں کرسکتے، ان کے بعض معلمیں نے یا وال اس اجنب د کامقابلہ کیاہے ، میں اُن کے بعض افوال کناب تلاث عشرہ رسالہ کے وسرے رسلے ص ۱۳۴ و ۱۳۵ اسے نقل کرا ا ہوں ، قدلیس بربز دوس غزل لغز لا ن نے نغمہ مرا اکے ذیل میں کہتاہے ،

م ان لوگوںنے کلیسا سے نکاح کی شرلف رسم کوا رہا ،اور وہ ہمیسنزی جو كرورت اورميل سے باك تھى اس كو برطرت كر ديا ، اس كے بجائے خواكم مو كوليطكوں، ماؤں بہنوں كے سائفے زناكارى سے ملوث كر ڈالا، اور ہرفتسم كى كَنْدِكْيُون سِيرِيمِ دِيا ، اور فاروش بلا بعوس بويرت كال كے علاقے كا سنسايم میں بشب رہاہے ، کہنا ہے کہ کیاا جھا ہوتا کہ کلیساوالے پاک وا منی کی نذر نانے ، بالمخصوص اندلس کے اہل کلیسا اس قتم کی یا بندی عائد مذکرتے ، اس سے کرعمیت كى او لا داس علافے بىں را بىول اور يا در يوں كى او لا د سے شمار ميں كچھے سى زباده ہے،اور پندرھوس صدى كاسفف مانسالطرز برك كمتا ہے كرس نے بہن تفوظ وامب اوربادرى بلئ من بوعور تون كوساته كثرت سے وامكارى کے عادی نہوں ،اور راہب عور توں کی خانفا ہیں رنڈیوں سے جیکلوں کی طرح

حرامکاری کے السے بنی موٹی میں " تجلا بادر بوں اور را مبوے بارے بیں یاک دامنی کا تصور البیبی حالت میں کبونکر ممکن ے حیب کہ وہ لوگ بکیزنت مشراب نوسشسی کرتے ہیں ، اور نوسجوا ن تھبی ہوں ، اور جیب کہ

ب علياك لام كابيثاً روبن اس لعنت سه ينح سكا، كيونكه استح ابينے والد كى بازى

سسرا بلیا بہوداہ ہحس نے ایضبطے کی بیوی سے زنا کیا،اور باهسے زناکیا اور مذان کا دوس

نہ ہی داؤ دعلی السلام حنصوں نے باوہو دہرت سی مت کو حربیولوں کے اور باکی بہوی

ST BERNARD

BISHOP PELAGE BOLAGIUS 些

> تله JONH SATT 3 BOURG

سے زنا کیا،اور مذہبی لوط علب السلام اس شینع فعل سے محفوظ رہ سکے جنھوں نے ت کے نشتے میں اپنی دوحقینی بیٹیوں کے ساتھ زناکیا، وغیرہ وغیرہ مجرجب عیسائیوں کے عقبیہ ہے کے مطابق نبیوں اور ان کے مبتلوں کا حرام کاری اور زنا کاری میں یہ ریکارڈ ہے ، تو یا در بوں کی پاک دامنی کی کیا تو قع کی جاسکتی ہے ہسچی بات تو برسے کہ فار وس باہریں اور خان دونوں اس بیان ہیں ستھے ہیں کہ اس علاقے میں رعبیت کی او لا دیرا ہبوں اور یا دربوں کے اولا دسے کچھ ہی زیادہ سے ، اور برکہ راہب عور توں کی خانفا ہیں رنڈ بوں کے جبکلوں كى طرح زناكارى كى كند كى سے بھرى ہوتى مى ، اب مجھے یہ کہنے کی اجازت دیکھے کہ قرآن کریم میں اگراس فسیم کے مضابین عسیاتی لوگ مومود پلتے توسٹ پر وہ اس کو انٹر کا کلام تسلیم کر لیننے اور فبول کڑ سینے ، اس لیٹے کہ ان كے مجوب اور دل سيندمضاين توسي بن ، ذكروه جو فزاكن في بيان كئے بن ، مرحب وہ دیکھتے ہیں کہ قرآن کریم ان کے من بہند اور مرغوب مطنا مین سے قطعی خالی ہے تو اليه قرآن كوكس طرح قبول كرسكة بن ورب وه لعض مضامين بوقرآن في جنت وونه کے سلسلے میں بیان کے میں جن کو عبیائی لوگ تبسے تسسرار دینے ہیں اس کا ذکر مع ہواب کے انشاء اللہ تعالیٰ تمیسرے اعتراض کے ذیل میں کروں گا،

0

له برسب قصة بائبل میں مرکور ہیں ، موالوں کے لئے دیکھے اسی طدکے صفی ان کے حواشی ۱۲

قرآن کرمم نے بائیل کی مخالفت کی ہے دوسترالاغے نواض دوسترالاغے نواض

بہ ہے کہ بینکہ قرآن کریم نے لعص مقامات بیعب رجدید وعہدِ قدیم کی کتابوں کی منعالفت کی ہے اس سے وہ ضرا کا کلام نہیں ہوستما ،

يب لايواب ؟

پوتی ان کتابوں کا سلط سندمتصل اپنے مصنفون کک انابت نہیں ہوسکا اور اندین ہوسکا اور اندین ہوسکا کہ برکنا ہیں الہ میں ہیں، ادھر بیکھی تا بن ہے کہ ان کتابوں میں خود بیات ہوسکا کہ برکنا ہیں الہ میں معنوی اختلاف یا یاجا ناہے ، اور لقینی طور پر لیے شہمار ملط یوں ہے بھری بڑی ہیں ، جسیا کہ آپ کو پہلے با ب سے معلوم ہوجیکا ہے، اسی طرح ان کتابوں ہیں کتر لفٹ بھی نابت ہو جی ہے ، جسا کہ دوسر سے باب سے معلوم ہوجیکا ہے ، اسی طرح ہے ، قدیم قرآن کر ہم کا بہدت سے مقامات ہیں فالطباں ہیں ، یا بھر سخ لفٹ کی گئی ہے جب طرح دوسری اعتباط طرور کر لفات موجود ہیں ، جن کا بیان پہلے دو بالوں میں ہوجیکا ہے کہ ان مقامات میں فالطباں ہیں ، یا بھر سخ لفٹ کی گئی ہے جب طرح دوسری اعتبال طاور سخر لفات موجود ہیں ، جن کا بیان پہلے دو بالوں میں ہوجیکا ہے کہ قسمان کر کم کا بیان بیلے دو بالوں میں ہوجیکا ہے کہ قسمان کر کم کا بیان بیلے دو بالوں میں ہوجیکا ہے کہ قسمان کر کم کی بینی لفات ارادی اور قصدی ہے ، اسسی یہ جنان مقصود ہے کہ قرآن کے خلاف کی بینی غلط ہے ، یا بحر بھن سند رہ ہے ، یہ بات ہمیں کہ یہ مخالفت سہوا ہو گئی جو کہھ ہے ، یا غلط ہے ، یا بحر بھن سند رہ ہے ، یہ بات ہمیں کہ یہ مخالفت سہوا ہو گئی جو کہھ ہے ، یا غلط ہے ، یا بحر بھن سند رہ ہے ، یہ بات ہمیں کہ یہ مخالفت سہوا ہو گئی جو کہھ ہے ، یا غلط ہے ، یا بحر بھن سندرہ ہے ، یہ بات ہمیں کہ یہ مخالفت سہوا ہو گئی جو کہھ ہے ، یا غلط ہے ، یا بحر بھن سندرہ ہو کہ ہو ہو کہا ہوں ہو کہا ہوں ہو کہا ہوں ہو کہا ہو کہا ہوں ہو ہو کہا ہو کہ ہو ہو کہا ہوں ہو کہا ہو کہ

دو مرا برای قرآن کریم اور با مبل کے درمیان جو مخالفین بیان کرنے ہیں وہ نین عیمائی بادری قرآن کریم اور با مبل کے درمیان جو مخالفین بیان کرنے ہیں وہ نین قسم کی ہیں: آو ل منسوخ احکام کے لحاظ سے ، دوسے روہ یہ اعتراض کرنے ہیں کہ بعص وافعات الیسے ہیں جن کاذکر قرآن میں موجود ہے اور دونوں عہر راموں ہیں

له که قرآن نے سالفتر کتب کے احکام کومنسوخ کردیا،

نہیں پایا آ، نتیب اس کے تعلق بیان کردہ حالات ان کتابوں کے بیان کے ہوئے احدال کے مخالف میں ، احدال کے مخالف میں ،

ان تینوں لحاظ سے عیسائیوں کا قرآن برطعن کر نامحض بے جااور بےمعنی ہے اول اعتبار سے اس لئے کہ آب نیسرے باب میں بڑھ ہے ہیں کہ نسیخ فرآن کے ساتھ مخصوص بہیں ہے، بلککڑت سے بھی شرلیجتوں میں یا یاجا نابط ہے ،ادراس میں کو تی عالی عقلی نہیں ہے، بونا بجہ علیہ اللام کی شرلیجت نے سوائے نواحکام کے تما م احکام کو منسوخ کر دیا ، یہاں تک کہ توریت کے مشہور دمنس احکام بھی منسوخ کر دیئے احکام کو منسوخ کر دیئے ،ادر عسبائی نظر ہے کے مطابق اس میں تکمیل واقع ہو ئی ،اور تکمیل بھی ان کے خیال کے مطابق نسیخ ہی کی ایک قسم ہے ، اہلنا یہ احکام بھی اس لحاظ سے فسوخ ہی کے مطابق نسیخ ہی کی ایک قسم ہے ، اہلنا یہ احکام بھی اس لحاظ سے فسوخ ہی کہ لا ئیں گے ،اس کے بعد کسی عقالمند سیجی کے لئے اس لحاظ سے فسران پر طعن کرنے کی مجال باقی نہیں رہی ،

دوسرے لی ظریے بھی اعتراض بہیں کیا جاسکنا ،اس لیے کرعہد رامر جدید میں بہت سے قصتے وہ ذکر کئے گئے ہیں جن کا ذکر عہد زامر قدیم کی کسی کتاب بی ہیں ہے ، میں ان میں سے صرف تیراہ فضوں کو بیان کرنے پراکتفاکر تا ہوں ،



عہد برکے وہ واقعات جن کاذکرعہد ندیم میں ہنہ ہے،

مودا کے خطاکی آیت تنبرہ میں <u>.</u> رم نیکن مقرب فرشتهٔ میکانیک نے موسی علی لامش کی بابت ابلیں سے بحث و بحرار كرتے وقت لعن طعن كے سائخاس برنالش كرنے كى جرائت مذكى ، بلكہ برکماکرضا وند کھے ملامت کرنے " س بیں مبکا بیل علبہاللام کے سنبطان کے ساتھ حیں جھرانے کا ذکر ہے اسم كاكوني بيترنشان عهد رِنديم كى كسى كتاب بين نهين مليا، دوسمراث بد: اسی خط کی آبت تمراا میں ہے: ان کے بارے بیں حوک نے بھی جو آدم عسے ساتو س لینت بیں نفا یہ پیشینگوئی کی تھی کہ دیجھو! خداونداینے لاکھوں مقدسوں کے سانھ آبا، الكرسب وميوں كاالفان كرے اورسب بے دبنوں كوان كى بےدينى کے ان کاموں کے سنسے ہوا تفوں نے بدینی سے کتے ہیں ان سبہ سخن^ہ، باتوں کے بب ت بجید بن گندگار وں نے اسکی مخالفت میں کہی ہن قصور وار عظیرائے " <u> بھزت حنوک علیہ السّلام کی اس پیٹینگوئ کا بھی عب</u>دنامۂ فدیم کی کسی کمآر تذکرہ منیں ہے،

رہ ہیں ہے، 'نبیسرامٹ ہد: عبرا بنوں کے نام خط کے بائل آبت ۲۱ بیں ہے : «اوروه نظاره ايسا دراؤ نامخفاكرسي المركباكه بين نها بطرته مون اوركانينا يون ي

ان جلوں میں جس وافعے کی طرف اسٹ رہ ہے وہ کمانے سرقی سے جا لیا ہیں ہیاں کیا گیا ہے ، گرامس میں حضرت موسیء کا یہ جملہ کہیں فرکور نہیں ، اور مذعب می قدیم کی کسی اور کما ب میں اس کا نذکرہ ہے ،

يوكفات مد:

نیم تغیب کے نام دوسرے خط کے بات آیت نمر ۸ میں ہے : تجس طرح تنبس آدر ممبر کسی نے موسیء کی مختلف کی مقی داسی طرح یہ لوگ جھی ہی

کی خالفت کرتے ہیں، و

مخالفت کے حب وافعے کی طرت اس عبارت میں اسٹ رہ کیاگیاہے وہ کتاب خروج کے باب میں ذکر کیاگیاہے ، لیکن ان دونوں ناموں کا کہیں کوئی نشان ہمہیں ہے ، ہذا س باب میں اور مذکسی اور باب میں ، اور مذعہد عثیق کی کسی اور کتاب میں ، یا بچواں سف مرر :

مر بھیوں کے نام بہلے خط کے باب ۱۵ آیت ۶ میں ہے ، "ہم بیر پانچنوسے زیادہ بھا ٹیوں کو ایک ساتھ دکھا ٹی دیا ، جن میں سے اکٹر

اب يك موجو ديس اور لعصن سو كيم اي

بالمجسوآدمیوں کو نظر آنے کا بہ وافغہ نہ نوجار وں الجیلوں میں سے کسی میں وجودہے ' اور مذکتاب اعمال میں ،حالانکہ لوفا اس قہم کی بابنی بیان کرنے کابے حد شالق ہے ،

<u> جيڻاث بر:</u>

کناب اعمال باب آیت نمبره ۳بس ہے:

" اور خداوندنسوع کی بانیں بادر کھنا جاہئے ،کداس نے خود کہا: دینا لینے سے مبارک بسر؟

عندت مسيح عليال الم محدار الأدكاجارون المخيلون بي كهين كوفي فتان نهين،

یل برنصرت موسی کے کو وطور بر باکرانسے ممال مروقے کے واقعہ کی طرز اشاری اللہ تو یہ بن کی عبارت اظہارا تھے کے متن

سانوان شامد :

یں ہنیں ہے ، آنطوال شامد :

كناب اعمال باب آيت خمير٢٣ بيس إ :

"اورجی و قربیا جا لین برس کا بوانواس کے جی بیں آباکہ میں اپنے بھا بیوں
بنی اسرائیل کا حال د کھوں، جنائی ہوان میں سے ایک کوظلم آٹھاتے و بچھ کراکس
کی حایت کی ، اور مھری کو مار کرمظ لوم کا بدلہا، اُس نے تو خیال کیاکہ میرے
کھائی سمجھ لیں گئے کہ خلامیرے با تھوں انھیں بھٹے کا داد سے گا، گروہ مذسمجھ بھر دوسرے دن وہ ان میں سے دو لرظتے ہوں کے پاس آ نکلا، اور یہ کہ کر
انھیں صلح کرنے کی ترغیب دی کہ نے جوانو اِنم تو بھائی بھائی ہو، کیوں ایک
د و سرے برظ کم کرنے ہو ہ لیکن جوا ہے بیٹو کسی برظلم کرر با تھا اُس نے بر
کھرکر اُسے ہٹادیا کہ بچھے کس نے ہم برجا کم اور قاضی مفرر کیا ہ کیانو مجھے بھی

ن در دسفی گذشته کے حاشیے کے کاصفی بزابر) کے ایجیل میں حزت عدینی علیہ السلام کے بارے بن یہ ذکور ہے کروہ ایک مرتبہ انتقال کے بعد دوبارہ زندہ ہوکراہنے حواریوں کود کھائی دیے تھے ، مگر پارخ سوکا کہیں تذکرہ نہیں ، گیارہ کا ہے ، چنا کیئے مفسر آرا کے ناکس نے اس کا ای زاف کیا ہے ، اور بھریہ تاویل کی ہے کہ چو کی محزت عیلی ع تجفوب اور بطرس کوبار بارد کھائی دیے ہیں ، اس سے بولسنے ہرمرتبہ کو الگ شارکر لیا د تف برج ہدنا مہ جدید صکالے کی لیکن برالین ناویل ہے جھے کسی کی عقل قبول

بنبس كرسكتي ١٢ تفي

کے نفرا فی صورات اسکی تادیل کرکے کہتے ہیں کہ یہ مٹی ۱۰:۸ کی طرف اسٹارہ ہے حبی میں ہے کرانج تم نے مفت پایا، مغت دینا یہ مگریہ نرئ تادیل ہے ، الیسے لئے کہ دونوں جملوں میں جرا فرق ہے ، جنا کچنہ آر اے ناکس اپنی تفسیر یں اس کا عزوات کرتے ہولکھتا ہے ؛ بہارٹ دستجوکے با دبود جادی

بخیلوں بیں سے کہیں نہیں مل سکائ کے دیجھنے مئی ۱: ۱۳ تا ۱۹ ، کلے بعضی مصرت موسلی علیاب لام م 49 قال کر ناچاہتاہے جسطرے کل اُس مصری کو قبل کیا تھا ؟ رایات ۲۳ تا ۲۸)
یہ واقعہ کتاب خروج میں بھی ذکر کیا گیاہے ، کیکن بعض بایش کتاب اعال میں زیادہ ہیں، جن کا ذکر کتاب خروج میں نہیں ہے ، خروج کی عبارت یہ ہے ؛

واقعہ کتاب خروج میں نہیں ہے ، خروج کی عبارت یہ ہے ؛

والتے میں جب موسی بڑا ہموا تو باہرا ہے بھا میوں کے پاسس گیا ، اور ان کی مشققوں

ولت بین جب موسی بڑا ہموا تو باہرا ہے بھا بیوں کے پاسس گیا، اور ان کی مشقوں براس کی نظر رہیں، اور اُس نے دیجھا کہ ایک مصری اس کے ایک بجرانی بھائی کو مار رہا ہے ، بھرائس نے اِدھرادھر نگاہ نگاہ کی، اور حب دیجھا کہ وہ ہاں کو بی دوسراادمی نہیں ہے تو اس مصری کوجان سے مار کر اُسے رہ بیں جھیا دیا ، بھر دوسرے دن باہر گیا، اور دیجھا کہ وہ عبرانی آلیس میں مار بیط کر رہے ہیں ، نب اسلے اُسے حب کا قصور تھا کہ اوہ عبرانی آلیس میں مار بیط کر رہے ہیں ، نب اسلے اُسے حب کا قصور تھا کہا کہ تو اپنے ساتھی کو کیوں ما زنا ہے جہ اُس نے کہا بھے کس نے ہم پر حاکم یامصنف مقرر کیا ج کیا جس طرح تونے اُس مصری کو مار ڈالا مجھے بھی مار ڈالنا جا بہنا ہے ؟ (آیات ا ۱۳ ا ۱۳))

توارث مد:

اور بہوداہ کےخطکی آیت ہیں ہے :

رداورجن فرستنوں نے اپنی حکومت کو قائم ندرکھا ، بکد اپنے خاص مقام کو چھوڑد با ا ان کو اسلنے دائمی فید بین تاریجی کے اندر سوزِ عظیم کی عدالت مک رکھا ہے "

اور بہی بات بطر س کے دور سے خط بات آبت ہم میں ہے : ودکیون کو شخص انے گناہ کرنے والے فرنستوں کو مذجھوڑا ، بلکہ جہنم میں بھیجکر تاریم غادس

میں ڈال دیا، تاکہ عدالت کے دن مکراست میں رہیں "

فرشتوں کے بات میں یہ بات جے بہوداہ اور بطرس کی طرف منسوب کیاگیا ہے، عہد نامۂ قدیم کی کسی کناب میں موجود نہیں ہے، بکونکہ بطاہر ایر جھوط ہے، کیونکہ بظاہران فید میں دالے ہوئے فرشنوں سے مراد مشیاطین ہیں، حالانکوشیاطین بھی ابدی اور دائمی فید میں نہیں ہیں، جیسا کہ کتاب ایوب کے باب انجیل مرقس باب آیت

ری ایطر سطی می بیلے خط باہ آیت نمبر ۸ اور دوسری آیات سے معلوم ہوتا۔ كيار ہواں سف حد:

ع بن ترجے کے مطابق زبور تربیم ۱۰ اور دوسرے ترجو س کے مطابی زبور تمبره ۱۰ کی آیت تنبر ۱۸ میں حصرت یوست علب السلام کی فید کے بارے میں مذکورہے:

ودا بنوں نے اس کے یاوی کو بیٹر او سے دکھ دیا ، وہ اوسے کی زنجروں میں جکوار ما"

صرت پوسف علیمات مام کے تید ہونے کا واقعیہ کتاب بیراکش کے باب ma میں اِکر کیا گیلہے ، مگرامسس میں یہ بات ذکر نہیں کی گئی، دیسے بھی فیدی کے لئے ان باتوں كالمميشر بو نا صرورى نهي ،اگريداكر بو تي بن ،

بار ہواں شاھد:

كاب ہوسيع بالك أيت ميس بي :

و بال ده فرشت سے كشى لوا ، اور غالب أيا ، اس فے روكر مناجات كى "

حضرت تعقوب علیات لام کی کشتی کا یہ قصتہ کتاب بیدائش کے باب ۳۲ میں مذکورہے یکن اسس میں کہیں آپ کا روکر مناجات کر نا مذکور مہیں ؟

تير ہواں شاھد:

ا بخیل میں جنت دروزخ ، فیامت ، اور و ہاں براعمال کی جزا و سزا کا بیان مختصرًا موجود ہے ، دیکن اُن حبیب روں کاکوئی نشان موسکی علی پانجوں کتا ہوں میں بہر سے ان کتابوں میں فرماں برداروں کے لئے دنیوی فوا ٹرکے و عدد ی اور نافرمانوں کے لئے د نیوی نقصانات کی دھکیوں کے سواکوئی دوسرامضمون نہیں، دوسرے ،مقامات کا

الله تم بوشیاد اور بریدار رسو، منهارا مخالف ابلیس گریضے والے شیر ببری طرح و هوند تا پھرتا ہے ككسى ويهاط كهائ "اس ميں المبين كا أزاد بونا مذكورى ، دوسرى آيتوں سے بھى اسى طرح اسكى آزادی معلوم ہوتی ہے ۱۲

٢٥ إورى عبارت كيليء ويجهة ص ٨٦٨ جلد مذا ١٢٠ ت

سله و محصة متى ١١: ٢٦ و٢٤: ١٦ ولونا ١١: ٣ ويطرس ٢: ٧ ومكا شفر١١: ١٠ وعيره ،

تھی کہی حال کتے ،

ہمارے اسبیان سے ابت ہوگیا کہ اگر کوئی واقعہ کسی کتاب میں ذکر کیا گیا ہوا در
اس سے بہلی کنابوں میں مذکور مذہوں تواس سے بہلازم نہیں آنا کہ دوری کتاب جھوٹی ہے درینہ
انجیل کا جھوٹا ہونا لازم اسٹے گا، کمیونی وہ ان احوال پرشتہ ل ہے ہو ہذ توریت میں مذکور
ہمان اور مذعب برعیت کی کسی کتاب بیں ،اہان اصروری نہیں کہ بہلی کتاب سالے حالات
کو حادی اور محیط ہو ، دیکھئے ؛ آدم وشدیت اور آنوٹس علی تما م اولاد کے نام اور الن کے
احوال نوریت بیں موجود نہیں ہیں ،اور ڈی آئی اور رجر ڈمینٹ کی تفسیر بیں کتاب اللیدن م
کوبائل کی ایت ملک کی سڑے کے ذیل میں یوں کہا گیا ہے کہ ؛

داس رسول یونس کا ذکر سوائے اس آیت کے اور آئی شعبور بینجام کے جو بینو کی
والوں کے نام خفا اور کہیں نہیں یا یا جانا ، اور آئی گناب میں یہ مذکور سے کہ صفرت

یونس نے برتجام کے بارے میں کوئی بیشینگ ٹی کی تفی سرس کی بناء پر بادشاہ
پر نجام کے نشام کے سلاطین کے خلاف جنگ کی جڑت کی ،اس کی وج بہ نہیں ہے
کر ابنیاء کی بہت سی کتابیں ہمائے پاس موجود نہیں ، اس کی وج بہ نہیں ہے
کر ابنیاء کی بہت سی کتابیں ہمائے پاس موجود نہیں ، بلکہ اس کا سدب برہے کر ابنیاء
نے بہت سے کہ ابنیاء

که مشکا کناب خروج میں ہے داگر تو بسے بیجا سی بات مانے اور بو میں کہنا ہوں وہ سب کرمے تو میں بیرے دستمنوں کا وشکن اور تیرے مخالفوں کا مخالفت ہون کا از طروج ۲۲:۲۳) اور کذاب احبار میں ہے:
اور اگرتم میرے سب حکوں بیعمل ذکر و بلکر میرے عہد کو نوٹ وقو میں بھی متھالے ساتھا سطح بینی اُڈُں گا
کہ دم شت تپ دنی اور بخار کوتم بیمقر کر دونکا ۱۷ (اجار ۲۷:۵۱ د۲۱) تقریبًا تمام تورات میں بہی عال ہے
فرما نبرداری کے فوائر کے لئے مزید دیکھے نو وج ۱۹:۵ وا حبار ۲۷:۳، است شناء مین اور نافر مانیوں کے نفصانات کیلئے ملا حفر ہو: است شناء مین اور میں وہ اور نافر مانیوں کے نفصانات کیلئے ملا حفر ہو: است شناء مین اور میں وہ میں یہ بیان کیا گیا ہے کہ شاہ بر لبحام کو شام کے لعص علاقوں پر جو غلبہ حاصل ہوا ہے وہ
میں مواجد دنہیں ہے بیان کیا گیا ہے کہ شاہ بر لبحام کو شام کے لعص علاقوں پر جو غلبہ حاصل ہوا ہے وہ
میں مواجد دنہیں ہے ، وہ کی آئی اور میرط خو مین ساس کی وجہ بیان کر رہے ۱۲ تقی

بہ قول صاف طور بر ہمارے دعوے بردلالت كرر ماہے ،اسىطرے الجيل لير ضاكے باب ٢٠ كى آ آيت نمبر ٣٠ بين ہے كه ؛

دد اورنیوع نے اور بہت سے معجزے ٹاگردوں کے سامنے دکھائے ،جواکس کتاب میں لکھے نہیں گئے "

اور لوحنا باب ٢٦ بين ٢٥ بين سے:

داور کھی بہت سے کام ہی جولیو ع نے کئے ، اگروہ تیرا جدا لکھے جانے تو میں سمجھنا ہوں کہ جو کتا بیں انتھی جانے تو میں سمجھنا ہوں کہ جو کتا بیں انتھی جا بیں ان کے لئے دنیا میں گنجا کنٹن نہوتی ؛

یہ قول اگرچیرٹ و اندمبالغے سے فالی نہیں، مگر اسس سے یہ بات بقینی طور برمع اوم ہوگئی ہے۔ کہ علیہ السلام کے نمام حالات صبط سخریر میں نہیں آسکے، اہل ذا قرآن برجو سخص دوررے لحاظ سے طعن کرتا ہے اس کا حال ایسا ہی ہوگا جیسا پہلے ا و تبار سے سخص دوررے لحاظ سے طعن کرتا ہے اس کا حال ایسا ہی ہوگا جیسا پہلے ا و تبار سے

طعن كرنے والے كا ،

تسیرے تعاظ سے بھی قرآن پراعتراض بہیں کیا جاسے ہیں،اسی لیے کہ اسی کے اختلافات خود عہد نامہ قدیم کی کنابوں ہیں پائے جانے ہیں،اسی طرح الجیلوں ہیں بعض کا بعض سے اختلاف ہے یا الجیل اور عہد معنین کے در میان بے شمار اختلافات ہیں، جیساکہ پہلے باب کی تسیری فصل میں معلوم ہوچکا ہے، یا جیسے دہ اختلاف ہو توریت کے تین نسخوں بعنی عرانی، او نانی ادر سامری میں موجود ہے، بعض اختلاف کا علم آپ کو دو مرے باب سے ہوچکا ہے، مگر یا در ایوں کی عادت ہے کہ وہ اکثرا دفا کا علم آپ کو دو مرے باب سے ہوچکا ہے، مگر یا در ایوں کی عادت ہے کہ وہ اکثرا دفا کا اوافق سے افوں کو اکشیر کے ذریعے مغللط میں ڈالے ہیں،اس لیے بعض مزید افتان کا ذکر کر نامنا سب ہے، ہو نکہ اسس میں غطیم الشان فائڈ سے کی تو قع ہے اس لیے محقور میں تطویل کی پر داہ نہیں کی جائے گی،

بہلاا حثلاث: ''دم کی بیدائش سے طو فان نوح بم عبرانی نسنے کے اعتبار سے ستھیل مال

له بینی براعتران کر قرآن بین بهت سے طاقعات با بیل کے خلاف بین ۱۲ تقی

سله موجوده ترجم آئنره نمام اختلافات میں عبرائی سننے کے مطابق میں ،جہاں کہیں اس کے خلاف ہوگا و ہاں جا

کی مرت ہے ،اور این ان نسخ کے اعتبار سے ۱۲۴۲۲ سال اور سامری نسخ کے لحاظ سے ۱۳۰۷ سال اور سامری نسخ کے لحاظ سے ۱۳۰۷ سال اور سامری نسخ کے لحاظ و و و سے راانختلاف :

طوفانِ نوخ سے ابراہیم علالیہ مم کی بیدائش بک بورانی نسخے کے اعتبار سے ۱۹۲ سال اور یونانی نسخے کے اعتبار سے ۱۹۲ سال اور یونانی نسخ کے عتبار

سے کل مم و سال ہوتے ہیں ،

یونانی نسخ بین ارفخت راورسالح کے درمیان عرف ایک بطن بعنی قبینان کا قصل ہے ،گرعبرا نی اورسالح کے درمیان عرف ایک بطن بعنی قبینان کا قصل ہے ،گرعبرا نی اورسامری نسخ رسموں سی طرح کنا بھی تواریخ اول بہتر باریخ کو سفتے براعتاد کی سن میں بیرورمیانی و اسطر بہتر بیا یا جا نا ، نیکن بو قاالمجیلی نے یونانی نسخ براعتاد کیا ہے ،اورم شیسے کے نسب بیں قبینان کا اضافہ کیا ،اکسس دے عیسا بیوں پرلازم

کیا ہے ،اور مسیح کے نسب میں فینان کا صافہ لیا، احساس سے عیسا ہوں پرطاز م ہے کہ وہ یونانی نسنخ کے صبحے ہونے کا عنقاد رکھیں،اور دوسے رنسنوں کے غلط ہو

كا مماكدان كى الجيل كالمجومًا بونا لازم مراسع كا،

بيوتنقااختلاف:

ہیکل، بعنی مسجد کی عمارت کا مقام عبر انی نسخ کے مطابات کوہ عیبال ہے ،اور سے امری نسخ کے مطابات کو و عیبال ہے ،اور سے مباب سے معام کے موافق کو ہ جرزیم ہے ،ان اختلافات کا حال ہونکہ دوسے رہاب میں آب معلوم کر چکے ہیں ،اس لئے اس کی توضیح ہیں زیادہ طوالت کی حاصت نہیں ہے ،

بائبل کے سخوں کے مزید ختلافا

بالجوال ختلان :

م علیہ السلام کی پیدائش سے مسیح کی ولادت بک عبر انی کسنے کے لحاظ اللہ تفصیل کیلئے دیکھیے صحالہ جلد ہذا، دہاں ہمنے یہ بھی بیان کبلہ کریونانی نسخ کے لحاظ سے کل مرت

دوہزار دوسوباسطے کے بجائے دوہزار تین سو باسط بنتی ہے ١٢ تقی مله د محصے صفحر ١١٩ جلد مزات مله اور

سے سلح بیدا ہوا ئے (ا۔ تواریخ، ۱:۸۱) تفصیل ص ۱۹۴ تا ۱۹۴ جلد مزایر ہے

ورا استرائے بیسیفس کی اریخ اور اونانی نسخ کی غلطیوں کو درست کرنے کے بعد اریخ سٹوع کی اس کی اریخ اور اونانی نسخ کی غلطیوں کو درست کرنے کے بعد اریخ سٹوع کی اس کی اریخ کے مطابق ابتدائے عالم سے میں کے دلات یک پانچزار چار سوگیارہ سال کی قرت ہے ، اور طوفان نسے ولادت سے کہ بین ہزارا یک سوچین آل " چاردلس روج کے اپنی کتاب میں جس کے اندر انگریزی ترجموں کا مواز نہ کیا ہے ، ابتدا آفر بنیش سے ولادت میں ہے ، کی مدت کے بیان میں مور خین کے پیچین قول بیان کئے ہیں ، اسی طرح ۱۸۴۷ کی مدت میں بھی ، بھراس نے اقرار کیا کہ ان میں سے دوقول بھی ایک دور سے کے مطابق مہیں ہیں ، اور صبح کی علام کا ترجمہ نقل کرتا ہوں ، اور صرف میں جو کی ولادت کے بیان پر اکتفاء کروں گا ، کیون کم اس کے کلام کا ترجمہ نقل کرتا ہوں ، اور صرف میں جو کی ولادت کے بیان پر اکتفاء کروں گا ، کیون کم اس کے کلام کا ترجمہ نقل کرتا ہوں ، اور صرف میں جو کی ولادت کے بیان پر اکتفاء کروں گا ، کیون کم اس

| آدم میں ولادت مین کا زمانہ | مورخین کے نام | نمبرشار | آدمًا سے ولادتِ مسع مک ازمانہ | مورخین کے نام | زبرشار |
|-------------------------------|----------------------|---------|----------------------------------|-----------------------|--------|
| p. 71 | ارا زمس ربن مولط | 9 | m1 47 | ماريا نوس سكوتوس | (|
| r0 | جيد بوس كيبا لوس | ١٠. | 4141 | لارنث يوس كودو مانوس | ۲ |
| ۳. ۳ | اربح بشپ امشىر | 11 | ۳۱۰۳ | توماليدبيك | ٣ |
| 4914 | ولونى سيوس نينا ديوس | 14 | 4.69 | ميحائيل مستلى نوس | r |
| 4964 | بشبب | ۱۳ | 8.48 | جى بىيىسە ئەركى كيولس | ۵ |
| 4961 | کرن زیم | 16 | 4.04 | جيكب سيانوس | ۲, |
| 496. | آیلی اس ریوس نیرس | 10 | 4.01 | بنري كوس بي ندانوس | ٤ |
| 4944 | بو إنس كلادريوس | 14 | 4.41 | دليم لينك | ^ |
| | | | | | |

| ا دئم سے ولادت مسح بحب کا زماند | ، مورجین کے نام | نمرشار | آدم سے ولادت میسے بک کازمانہ | مور خین کے نام | نبرشار |
|------------------------------------|--|--------|---------------------------------|--|--------|
| 4944 4744 | منتضوس برول دیوس اندریاس بل دی کیوس | 10 | 444 444 | كرسېتيا نوس يؤنكر يونثانوس فلې ملا تخون | 14 |
| ۳۲4۰ ۲۰۰۴ | بهود بدر کامشهور قول عبسایو رکامشرو قول | 44 | 7947 7901 | بویک بین لی نوسس الفون سوس سال مرون | 19 |
| | | | 494 | اسكى مىير | 41 |

اُن میں سے کوئی سے کوئی سے دوتو ل بھی ایک دوسرے کے مطابق تہیں ہیں اب ہوشخص کسی وفت اس میں غور کرے گا دہ شمھے گا کہ بیجیب بڑا طیڑھا معالمہ ہے ، مگر ظاہر یہ ہے کہ مقدس مور خین نے کسی و قت بھی برارا دہ نہیں کیا کہ نار بیج کو نظم کے ساتھ مکھیں اور نہ ایس وقت کسی شخص کے لئے بھی اس دور کی جیجے مدت جا نے کے امکا نات موجود ہیں ، مور خ بیار نس رو جی کے اس بیان سے یہ نا بت ہوتا ہے کہ موجودہ زمانے میں اس کا بنت چلانا کہ اس دور کی صبیحے مدت کیا ہے ہ محال ہے ، اور عہد مقت کے مور خین نے اس سلطے میں جو کچھ لکھا ہے ، وہ سب اندازے اور تخیینے کے سوا کچھ مہیں ہے ، کچھر بیود بوں کے بیہاں عام طور برجو مدت مرقوح بے ہے وہ عیسا یکوں کی مروح ب

اب دانش مند ناظرین فیصله کریں کراگر قران کریم ان کی کسی مقدس نادیخ کی خالفت کرہے جن کاحال آب دیجھ ہے ہیں، توان ناریخوں کی بناء بر ہمیں قرآن کے بیان میں کوئی فلک نہ ہوگا، فعدا کی قتم ہم ہرگرز انسانہیں کرسکتے، ملکہ یہ کہتے ہی کہ عیسا ٹیوں کے مقدرس بزرگوں نے اس باب میں غلطی کی ہے، اور محض فیاکسس اور تخیفے سے جوچا ہا لکھوڈالا بالحقوص حب کہ تاریخ عالم کی دو مری کتابوں پر نگاہ ڈالتے ہیں توہم کو بقین ہوجا آہے کہ ان مقدرس وگوں کی سخر پراس معاملے میں قیاکسس اور تخیفے سے زیادہ نہیں ہے، یہی و حب مقدرس وگوں کی سخر پراس معاملے میں قیاکسس اور تخیفے سے زیادہ نہیں ہے، یہی و حب مقدرس وگوں کی سخر پراس معاملے میں قیاکسس اور تخیفے سے زیادہ نہیں ہے، یہی و حب

ہے کہ ہم اس قسم کے کمزوراقوال وروایات براعتماد منہیں کرتے ، علامہ تقی الدین مقریزی اپنی کتاب کی جلداقدل میں فقیہ ابن مزم کے حوالے سے کمنے ہیں کہ نہ۔

" ہم لوگ بعنی مسلمان کسی معین اور خاص عدد پر لفین بہیں کرتے ، اور جن لوگوں نے سات ہزارسال یا کم و بہیش مرت کا دعوای کیا ہے ، انفوں نے اسبی بات کہی ہے حس کی نبعت مطور صلی استرعلیہ وسلم ایک لفظ بھی بقینی اور صبیحے منقول بہیں بیاری منقول ہے ، بلکہ ہم اس پر لفین ہے ، بلکہ ہم اس پر لفین کرتے ہیں کہ دنبا کی مرت کا صحیح علم اللہ کے سواکسی کو سھی بہیں ہے ، باری تعالی کا ارت دہے ، "ما اشہدت تھے خلق السملوت و الا دص و لا خلق السملوت و الا دص و لا خلق النسملوت و الا دص و لا خلق النسملوت و الا دص و لا خلق مقابلے ہیں سیاہ بال سے زیادہ بہیں ہو " بوشخص اس نسبت برعوز کرے ، اور سیسر مسلمانوں کی تعداد کا المدازہ کرے ، اور بھر دنبا کے ان بے شار ممالک کا بو مسلمانوں کی تعداد کا المدازہ کرے ، اور بھر سکا ہے کہ و اقعی دنیا کی صبیح عمراور مسلمانوں کے قبضے میں ہیں ، وہ نوب سمجھ سکتا ہے کہ و اقعی دنیا کی صبیح عمراور مسلمانوں کے قبضے میں ہیں ، وہ نوب سمجھ سکتا ہے کہ و اقعی دنیا کی صبیح عمراور مسلمانوں کے اللہ کا دیا ہے سوا تھی کو نہیں ہے "

ہمارامجی بعینہ بہی خیال ہے،

بجھیا احبلاف ؛ س کیار بہواں حکم جود سٹ مشہور حکموں کے علاوہ ہے ، سامری نسخ میں پایا جا تا ہے گر عبرانی نسخ میں ندار دہے ،

<u>سِباتوان اختلاف:</u>

كتأب خروج كے بالك آيت به عبراني نسخ بين اسطح ہے كه :-

که دیجھے الخطط المقریز بر، ص حبداقل طبع لبنان، تله بعنی برد بی نه نهای آسان و دیکھے الفط المقریز بر، ص حبداقل طبع لبنان، تله دیکھے صفحہ ۹، مبلد مزا،

رد اور بنی اسرائیل کومصر میں بود وبالٹ کرتے ہوئے چارسونٹیس برس ہوئے تھے " اور سامری اور یونانی نسنے میں لوں ہے کہ ؛۔۔ در بنی اسے اٹیل اور ان کے ماب داداکومھ اور کنعان میں لود دیالٹ کے تاہد

"بنی اسسرائیل اور ان کے باب داداکومصر اورکنعان میں بود و باکش کرتے ہوئے وارکنعان میں بود و باکش کرتے ہوئے وارکنوں کی اور ان کے باتھ ہوئے وارکنوں کی ان میں بال ہوئے تھے ''

اورصحیتے وہی ہے جوان دونوں سؤں میں ہے،اور عبر انی نسخے کی بیان کردہ مرت یقینًا

المستعملين اختلاف :

کتاب بیدائش عبرانی نسخ کے بالک کی آیت ۸ بین اسطرح ہے: وادر قائن نے اپنے بھائی ہا بل کو کچھ کہا، ادر جب وہ دونوں کھیت میں تھے تو یوں

موا الخ "

یونانی اورسامری نسخ میں بوں ہے کہ: رئی اور سے کہ:

رد قائن نے اپنے تھائی ہا ہیل سے کہا ، آؤ ہم کھیٹ میں جلیں ، اور حب دونوں کھیٹ کور وار سور مئر قد دل میں الی "

كوروام بوسة تولوبوا الخ "

محفقتن کے زردیک بونانی اور سامری تسیمزی درست اور صححے ،

توال اختلاف:

كتاب بيدائش عبراني نسخ كياب آيت، ابيس به كه:

" اورجالين دن يكرزين برطوفان ر إ "

یو نانی نسخ میں یوں ہے کہ :۔

« اور طوفان زمين برجالسيكس دن رات رم "

صحیہ ضخر لونانی ہی ہے ،

وسوال اختلاف:

کہ اظہارالی کے تمام عربی نسنوں میں میں میں مدد اسی طرح مذکورہے ، مگرظا ہر ہے کہ بی غلط ہے ، کنا ب کے انگریزی مرجم نے میہاں میارسو نبسی "کے بجائے " چارسو ببیں" کا ذکر کیا ہے ، اور یہی درست ہے ١٦ تقی

مخاب بیدائش بوانی سنے کے باب ۲۹ آبیت ۸ میں یوں ہے کہ:

"جب يمك كمسب ريور جمع مذ بهوهايش؛

اورسامری اورلیزنانی نسخوں میں اور کئی کاف نیز بہیوبی کینٹ کے عربی ترجے میں اس

"يهان بك كرجرواب اكتف بوجائين اورصيح وبي بي جوان كنابون بين يذكروعراني سي "

گبار مہواں اختلاف: تخا<u>ب بیدائش عبرانی کے باب ۳۵ ایت ۲۳ میں طفے کہ:۔</u> «<u>آور دبن نے جاکر اپنے باپ کی حرم بلہاہ</u> سے مبائزت کی اور اسسرا میل کو بیعلوم

اور یونانی نسنے میں یو ںہے کہ :۔

يوسى سويا اپنے باب كى باندى بلهاه كے ساتھ، ليس اسرائيل نے شنا، اور "روبن سويا اپنے باب كى باندى بلهاه كے ساتھ، ليس اسرائيل نے شنا، اور

وهايين باپ ي محكاه بين برا تفا ا

اور صحیح مسخریونانی ہے ،

<u>بار ہواں اختلاف:</u> نخاب بیدائش یونانی نسخ میں برجبلہ موجود ہے کہ دباب ہم آبیت ۵)

"حبب تم نے میرا بیاد میرا لیا "

بیجد عبرانی نسخوں میں موجود ہنیں ہے ،اورصحیح دہی ہےجو یونانی نسخ میں ہے،

نبر ہواں اختلاف: نگاب سدائت بورانی نسخ کے

تحاب بیدائت عرانی نسخ کے باب آبین ۲۵ بیں لوں ہے کہ: "سوتم عزدرہی میری اگر یوں کو بیب ان سے لے جا انا '

اور یونانی اور سامری نسخوں میں ہے:

دو بھرتم میری ہڑیاں اپنے ساتھ یہاں سے سے جانا 'ا

اله اس کی تقصل کے لئے د بیھے ص م ۹۲ ، جدر مذا ،

بجور ہو ان اختلاف:

تخاب خروج بونانی منتخ کے بات آیت ۲۲ میں برعبار ن ہے کہ:۔

"اورایک دوسرال کاجنا ،اوراس کوعاز ارکے نام سے بیکہ کر بچارا کہ میرے باب کے

جودنے میری مرد کی ،اور مجے کو فرعوں کی تلوارسے بچایا "

يرعبارت عبراني سنظ ميں منہيں ہے ،اور او ناني نسخ کي عبارت صحيح ہے ،عربي مرجمين

نے تھی اس کو ابنے ترجوں میں داخل کیا ہے،

بندر بوال اختلاف:

مناب فروج عرانی نسخ کے بال آیت ۲۰ بیں یوں ہے کہ:

اُس عور کی کے اس سے ہاروں اور موسلی ببدا ہوئے " اور سامری اورلیونانی منسخوں بیں اس طرح ہے:۔

" ادراً سعورت سے ماردن اور موسلی اوران کی مین مریم بیدا ہوئے "

امری و یونانی نسختی سی صیحتی کے

سولبوان اختلاف :

کاب گنتی ترجمب بینانی کے باب اُخرایت ۹ بیں یہ عبارت ہے کہ ،۔ "اور حب تیسری بھونک ماریں گے تومغر بی خیمے روانگی کے لئے اُٹھا لئے جائیں گے اور جب بوتھی بھونک ماریں گے توشمالی خیمے روانگی کے لئے اٹھا لئے جائیں گے اور جب بوتھی بھونک ماریں گے توشمالی خیمے روانگی کے لئے اٹھا لئے جائیں

برعبارت عبرانی نسخ میں موجود نہیں ہے، اور یونانی نسخ کی عبارت صحیح ہے، سیستر ہواں اخت لاف،

كتاب كنتى سامرى نسخے كے باب أيت ١٠ د ١١ كے درميان برعبارت بے:

که عبرانی کشنخ بین آیت ۱۴۲ سعبارت پرختم ہوگئ ہے ، و اوراس کو ایک بلیا ہوا اور موسلی نے اس کا ام بجرسوم برکہ کررکھا کہ بین اجبی ملک بین مسافر ہوں "۱۲ ملله لیعنی عمران کی بیوی بوکبرسے ، مام بجرسوم برکہ کررکھا کہ بین اجبی ملک بین مسافر ہوں "۱۲ ملله لیعنی عمران کی بیوی بوکبرسے ، ملا مین اجزاء تواریخ ۱۲۰۶ بین الیسا ہی ہے ۔ "اور عرام کی اولاد ہارون اور موسلی اور مربم" ۱۲ نقی

د خداوند ہادے خدانے (موسی علیے خطاب کرتے ہوئے کہا) کہ تم اس ہب اڑ ہر بہت
دم بھے ہو ، سواب ہجرو ، اور کورج کرو ، اور امور یوں کے کو ہتانی ملک اور اسکی
اس یاس کے میران اور (طور کے قطعے) اور نشیب کی زمین ، اور جنو بی اطراف میں
اور سمندر کے ساحل بک ہوکہ نعائیوں کا کمک ہے ، بلکہ کو ہو نب نان اور دریا ہے
فرات میک ہوایک بڑا دریا ہے ، بھلے جاؤ ، دیجھومیں نے ایک ملک رتم کو دیدیا
فرات میک ہوایک بڑا دریا ہے ، بھلے جاؤ ، دیجھومیں نے ایک ملک رتم کو دیدیا
سے سے بین جاؤ اور اسس ملک کو لینے قبضے میں کراو ، حبس کی با میت خداوند نے تہا کہ بیاب دادا ابر ہام اور اصحان اور نیفوب سے قسم کھا کرید کہا تھا کہ وہ اسے ان
کو اور ان کے بعد ان کی نسل کو دے گا ''

یہ عبارت عبر انی نسخ بیں موجود تہیں ہے، مفتر مارسلی اپنی نفیر کی جلدا

بر ۱۲۱ میں کہناہے کہ:

ر، گنتی ،سامری نسخ کے باب آیت ۱۰ و ۱۱ کے درمیان جوعبارت موجود ہے وہ سفرات شخصے باب آیت ۸۰ میں بائی جانی جے ، اس کا انکشاف پر وکوسیں

کے زمانے میں ہوا "

الطار بوأن المثلاث:

کتاب استنتاء عرانی سنخ کے باب آیت ۱ میں برعبارت موجود ہے:
" میر بنی اسرائیل بروت بنی بعقان سے دوانہ ہو کر موسیرہ میں آئے، وہیں
ار دن نے رحلت کی ،اور دفن کھی ہوا، اور اس کا بیٹا الیعزر کہانت کے منصب
پرمقسررہ وکر اس کی عگہ خدمت کرنے دگا ، دہاں سے دہ جرجودہ کواورچرجودہ

که بیعبارت م نے استثناء ۱: ۱، ۱، ۱، ۱ م سنقل کی ہے، گراس میں قوسین کی عبارت کی جگر بیرعبارت ہے رسورب میں م سے برکہا تھا " کا استثناء :"اور بہاڑی فطعہ " سله استثناء ؛ تمھالے سامنے کر دیا ہے " ۱۰ نقی سم مے برکہا تھا " استثناء کے یہ الفاظ کہ : « خطا وند ہارے خدا نے حورب میں ہم سے برکہا تھا "اس بات کی دلیل ہیں ، ان آیتوں میں جو حکم بیان کیا گیا ہے وہ حورب میں بہت بہلے نازل ہو چکا تھا ، المبذا برحکم گنتی میں موجود ہونا جاہئے ، اس لئے سامری نسخہ بہاں صحیح معلوم ہوتا ہے ۱۱

سے برطبات کو چلے ، اس مک میں بانی کی ماں ہیں ،اس موقع پر خداوندنے لاوی کے تبیلہ کو اس عزمن سے الگ کیا کہ وہ ضرا وند کے عہد کے صندوق کو اعظاما کرے ، اورخدا وندکے محنور کھڑا ہوکر اس کی خدمت کو انجام دے ،ادراس کے ،لم سے برکت دیاکرے صیاا ج مک ہوتا ہے ؛ (آیات ۲۱۸) یہ عبارت گنتی کے بات کے مخالف ہے ، گنتی میں راسنے کی منزلوں کی تفہی لف بیان کی گئی ہے ، اور سامری نسخ نے کناب استثناء میں مجی گنتی ہی کی موافقت کی ہے ، گننی کی عبارت مندر حب ذیل ہے: و اور حشمونی سے جا کر موسیروت میں ڈیرے کھوے کئے ، اور موسیروت سے روا نہ ہوكر بنى يعقان ميں ڈيرے ڈالے ، اور بنى يعقان سے جل كر تور بحد جار مين خدن موعے ، اور حور ہجر جارے روانہ ہو کر بوطباتہ میں ضبے کھوے کے ع،اور بوطبا ترسے على كر عبرونه مين ويب ولك ، اور عبرونه سي جل كرعصبون جابر مين ويراكبا، اور عصیون جابرسے رواہ ہوکر دشیت حین میں ہونفاد سے نیام کمیا، اور قاد سس سے جل کرکوہ ہو دکے اِس ہو مکک ادوم کی سے سرے خیمہ زن ہوئے ، بہ ہاروں کا ہن ضرا وند کے حکم کے سطابق کو ہ ہور برجرط ھی اور اسلے بنی ہرال کے مکر مصر سے سے سکلنے کو جالیسو یں برس کے پانپخویں مہلنے کی بہلی آریخ کود ہیں دفا بائی، اور حب بارون نے کوہ ہو دیر وفات پائی نؤوہ ایک سو تیٹس برکسس کا تھا، اور واد کے کنعانی بادت ہ کو جو ملک کنعان سے جنوب میں رہتا تھا ، بنی اسلمیل كى الدكى خبر ملى ، اوراسرائيل كور بورسي كورح كركے ضلمونة بي عصرے ، اور صلموں سے کو بح کرکے نونوں میں ڈیرے ڈالے " رایات، ساتا ہی آدم كلارك نے اپنی تفییر کی جلد اوّل ص٥٠٥ و ٥٨٠ بس كتاب الا وسویں باب کی شرح میں کھنی کا ملے کی ایب بہت طویل تقر برنقل کی ہے ،حبر کاخلاص یہ ہے کہ نسخہ سامری کے منن کی عبارت صحیح ہے ،اور توبرانی کی غلط ، اور چار آینیں ۵، ١٠ کے درمیان والی یعنی ١٠ سے ٩ بمک الحب محص اجنبی ہیں، اگر ان کو سا قط کر دیا

جائے نب بھی مہترین ربط قائم رہناہے ،المنا برآیات کا تب کی غلطی سے اس جگر مکھی گئی، ہو تحاب الاستثناء کے دوسرے باب کی تنیں، اس تقریر کو نقل کرنے کے بعداك في س يراين بيندير كى كانطب ركيااوركهاكه: ر اس تفریرے الای بی جلد بازی نہیں کر ا چاہیے " هم کہنے ہیں کہ ان جارا بنوں کے الحافی ہونے برخود وہ آخ کر اہے جو اٹھویں آبٹ کے آخر میں یا یا جا تا تھے أنبسوال اختلاف ب استشناء عبرانی باب ۲۳ آیت ۵ میں ہے: ° یہ لوگ اس کے ساتھ بڑی طرح سے پیش آئے • ان کا تعبیب الیبا عبیب نہیں ہو ماس کے فرز درور) کا ہو ایرسب کج رواور طرح کی نسل ہیں " اوربدنانیوس مری تسخوں میں برآیت اس طرح ہے: ددیدلگ اس کے ساخف بڑی طیع سے بیش آئے ،براس کے فرز ندنہیں، یہ آن نری واسکاط کی تفسیریس لکھا ہے کہ: « یرعبارت اصل کے زیادہ قریب ہے' ر ہارسلی جلداق ل صفحہ ہ ۲۱ بیس کہناہے کہ: وراسساً بین کوس امری اور لیونانی نسخوں کے مطابع بڑھا جائے ، ع مبن استشاء ۱۰۰۰ کے بخت ایک حاث له كنيهولك بائبل (دیا کیلہے حب میں مکھا ہے کہ : "اُیات، ، ی کے ایسے میں اسامعلوم موزما ہے کہ کو ٹی کنشر محی حاشیہ تھا الموسفروں کے کسی ریکارڈ سے لے لیاگیا تھا ادر اسکی جگہ شاید استناء، ۹: ۹، کی تشر ریحکرنے كے سے اُسے برط حاديا گيا " عله اس بين برجملہ ہے كہ " جبيا آج كك ہونا ہے " برجل سجى اس آبت کے الحاقی ہونے پر ولالت کرانا ہے ١٦ تنفی سله بنا بخرموجوده رجے بونانی وسربانی کسنے ہی کے مطابق ہیں ، ١١ ت

ا در ہبوبی کبنط اور کئی کاط ادر عربی کے متن میں اسس مفام بریخر لفین کی تھی ہے ،اور یہ عبارت عوبي زحمب مطبوع مريم الماء ورميم الماء بن اسطح ب:

اخطوااليه وهوبرئ من ابناء ١١٠٥ كاس كى طرف قدم بطرها و، وه بدى كے فرز ندوں

القبائح ايها الجيل الاعرج المثلوّى، صبرى ساعظرى اوركجرونسل"

بسوال اختلاف:

كابيياكش مرآنى كے باب آیت ویں بوں ہے: "اورابر ہام نے اپنی بوی سارہ کے بی میں کہا کہ وہ میری بہن ہے ، اور جرار کے بادشاه إلى ملك في ساره كوبلا نيا ،

ہری اسکاط کی تفسیریں لکھاہے:

وريه ايت يوناني سنع من اسطح مي و اوركمااين بيوى ساره كي نسبت كرير میری بہن سے ، کیو کھ اس کو بیوی کہے سے اندلیشہ ہواکہ الیسا کہنے سے شہر واے اس کو فتل کر ڈالیں گے، بیس فلسطین کے یادث ہنے کھے لوگوں کو بهيج كرساره كوبلوا ليا"

بلنرایہ عبارت کہ " ان کو بیوی کھنے سے اس امرکا ڈر ہوا کہ اس کی دحبہ سے شہردالے آس وقتل كرديك " بجراني نسخ ميسموجود نهين ہے ،

اكبسوال اختلاف:

كناب بيدائش بان اورأيت ٣٦ كه سامري تسخ بين برعبارت يه: " خدا وندك فرشة في بعقوب سے كہاك الے بيقوب إلىفقوب في كہا حاصر مول، فرشقے نے کہا، اپن نگاہ اس اور بحروں اور د شوں کو دیکھ ، جو بحراب اور بعروں كورمارك ينين) اوروه ابلق ربية والى اورجتلى بن اوراور جوكيرلابن نے

که اظہارا لی کے بو بی نسیخ میں ایساہی ہے ، گرکٹاب کے انگریزی منزجم نے اس کا زجہہ مارہے ہیں۔ كے بجائے "كى طرف جا لہے ہىں، سے كيا ہے ١٢ كله بيماں اظهار الى ميں اصل لفظ محتى الله بيمان ترجراحترفےسیاق وسیاق کے مطابق و بھے والی اسے کیا ہے، لیکن چ دکر سامری سنخرہما اے یاس منہیں

ہے ،اس سے اس بر نفین نہیں کیاجا سکتا ١٢ نفی

ترے سا مذکیادہ تونے دیکھ لیا ، میں بیت آبل کا خدا ہوں، جہاں تونے پتھرکو مسے کیا تھا ،اور میرے لئے نذر بانی تھی ''

مگرعرانی نسخ یں برعبارت نہیں ہے،

باعبسوال اختلاف :

کتاب خروج نسخ سامری باب آیت ۳ کے پہلے جلے کے بعد بیر عبارت موجود ہے: «موسلی عن فرعون سے کہا کہ خدا کہتا ہے کہ اسرائیل میر ابہاو تھا ہے ، بھر بیں نے

مجھ سے کہا کہ میرے بیٹے کو آزاد کر دے تاکہ وہ میری پرسننش کرے ،اور تونے

اس کو آزاد کرتے ہے نکاریا ، آگاہ ہواب بین تیرے جوان بیٹے کو قتل کر دوں گا؟

یہ عبارت عبرانی نسیخ میں موجود نہیں ہے،

ميئيسوال اختلاف:

كاب كنتي عراني كے باب ٢٧ كي بيت عي اسطح ہے:

"اس کے چرسوں سے یانی بہے گا ،اورسبراب کھبنوں میں اس کا نہج بڑے گا ،اس کا بادث ہ اجاج سے بڑھ کر ہوگا ،اور اسکی سلطنت کوعودج حاصل ہوگا ''

اور یونانی نسخ میں بوں ہے کہ:

" ادراً س سے ایک انسان ظاہر ہوگا جوبہت سی قوموں برحکومت کرے گا،اوراس کی سلطنت آجاج کی سلطنت سے مجھی بڑی ہوگی،اوراسکی بادشاہت بلند ہوگی '' بیج بیسواں اخت لاف :

كتاب احبار جراني كے باق أيت ٢١ يس بيجلم موجود ہے:

"موسىع كے حكم كے مطابق ا

اس کے بجائے بونانی اور سامری سخوں میں بیجب ایسے: "جیساکہ حکم دیا رب نے موسٰی عکو '؛

له برع بی سے نرجم ہے ، سامری سخر دستیاب نہیں ہے ١٢ نقی

بيحسوإن اختلاف:

كتاب كنتي عراني كے باب ٢٦ أبت ١٠ بين اسطح ہےكه:

اسىموقع برزين في مُنه كور كر قورح سميت، ن كويجي نكل يا تقا ،اور وه سبعبت كانشان تهري ؛

امرى نسخ بىن يون بىكد :

اور آن کوز مین نگل گئی، اورجب که وه لوگ مرکئے، اور آگ نے قورح کومع ڈھلی سوائن خاص کے جلادیا، تو بربش عبرت کی چربوئی '

ہنری واسکاط کی تفییریں تکھاہے کہ یہ عبارت سیاق کے مناسب اور نہور نمبر ۱۰ کی آیت ۱ کے مطابق ہے ،

چهبیسوال انختلاف بر

عیا یُوں کے شہور محفق لیکارک نے سامری اور عبر انی نسخوں کے در سیان بائے جانے والے اختلافات کا استخراج کرکے انھیں چھاقسموں پرتقیم کیاہے :

ا ده اختلافات جن میں سامری نسخر عبر انی سے زیادہ ضجے ہے ، ایسے انقلافات کیارہ ہیں،

وه اختلافات جن میں قریب راور سیاق سامری نسخ کی صحب کا مقتضی ہے، وہ

كل سات انقتلافات بين ،

وہ اختلافات جن میں سامری نسخ میں کچھ زیادتی پائی جاتی ہے ، ایسے اختلافات کی تعداد تیرہ ہے ،

ج وہ اختلافات جن میں سری نسخے میں تحریف کی گئی ہے، اور سخریف کرنے وا

محقق اور برا موت يار نها ، اليسے اخذا فات ١٠ مين ،

@ وہ اختلا فات جن میں صنموں کے لعاظ سے سامری نسخہ زیادہ پاکیزہ ہے ایسے ختلافا

وه اختلافات جن میں سلمری شخر افضہ کے الیصافتلافات کی تعداد داوہ کہ وسی و داوہ کا داوہ

اختلافات مذكوره كي تفصيل

قسماوّل كل كيارة اختلا فات

| لات | كتاب خروج مين ١١خت | كتاب بيدائش مين ١٩ اختلان |
|-----|----------------------|---|
| | آیت م باب ، و ۲ ، سم | آبین ملی باب ۱ و ۳ : ۷ و ۱۹ : ۱۹ ، و ۲ : ۲۰ و ۱۹ : ۲۳ و ۱۰ و |
| | | 11:47 6 77:000 |

دوسسرى قسم كل سآت اختلافات

| كتاب استشناء مين ايك | كناب بيدائش ميں بچھ |
|----------------------|--------------------------------|
| 6 44 : 0 | ۹۷: ۱۳ و ۲۹: ۵ م و د : آیات ۲۷ |
| | らんに こんしいからかい こんしょ こんり |

تبسري قسم كل نيرة اختلا فات

| كتابيض وج مين سائ | كناب بيدائش مين تبين |
|-------------------------|-----------------------------|
| ۱۱: ۲۰ م ده: ۹ ده: ۱۲ و | ۵۱: ۲۹ و ۲۲ : ۲۰ و ۲۱: ۱۲ ۵ |
| 677:9544:1-977:0 | |
| | |

له واضح بهد كماس نقت بين بيهلانمبرآيت كليد اورد وسراباب كا، ليني ١٠ : عكامطلب يرب كرساتوب

| ۲۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰۰ | الهاو في بشرير | |
|--|------------------------------------|--|
| كتاب استثناء مين ايك | كتاب احبارمين دكو | |
| 0:11 | 14:701:11 | |
| فتلافات المساس | پوستھی قسم سنزہ اغ | |
| كتاب خروج ميں تيس | كآب پيدائش ميں تيرة | |
| ۵:۱ و ۲: ۱۲ و ۵: ۵۱ ، | ۲:۲ و ۱۰: ۲ و ۵: ۹ و ۱۰:۱۹ و ۲: ۲ | |
| حتاب گنتی میں ایک ا | ۱۱ و۳: ۱۸ و ۱۲: ۱۹ و ۱۲: ۲۰ و ۲۸ و | |
| ۲۲: ۳۲ | ٠ ١ : ٥٠ | |
| وسل اختلافات | بالجؤير قسم كل | |
| | | |
| كاب خوج ميں دو | كابهيدائشمين بلة | |
| ٠٠٠: ١٢ و ١٢ : ١٠٠ | ۸:۵ د ۱۳:۱۱ د ۱۹ و ۲۳: ۲۳ وم : | |
| | ۳۹ د ۲۵ : ۲۳ ، | |
| كتاب استشناء مين ايك | كتاب گنتى ميں ايك | |
| ۲۰: ۱۷ | ٠(٣:١٣ | |
| جيمتى فتم كل دو اختلافات | | |
| | | |
| كتاب پيدائش مين دو | | |
| ۲۵:۱۲ و ۱۲:۱۲ | | |

عبیبایٹوں کا مشہور محقق ہور آبایی تفسیر مطبوعہ مراید ایم جلاثانی میں کہنا ہے۔
مشہور محق لیکارک نے جرانی اور سامری نسخوں کا بڑی جانفشانی اور تحقیق کے ساتھ
مقابلہ اور مواز مذکبا، اور ان مقامات کا استخراخ کیا، ان مقامات میں سامری نسخہ
مقابلہ جرانی نسخ کے صحت کے زیادہ قریب ہے ''
کو نی شخص بھی گمان نہیں کرسکتا کہ محفق لیکارک کے بیان کر وہ اختلافات
کو نی شخص بھی گمان نہیں کرسکتا کہ محفق لیکارک کے بیان کر وہ اختلافات



قران کریم برتنبرااعتراض قران کریم برتنبرااعتراض گراهی کی نسبت الله کی جانب

قرآن کریم میں کہاگیا ہے کہ ہایت اور گراہی اللہ کی جانب ہے ہے ، حبت میں بہر یں اور کر اہم اللہ کی جانب ہے ہے ، حبت میں بہر یں اور کا فروں کے ساتھ جہا دکر نا واحب ہے یہ بہنوں کام بیسے اور بر اور محلات بیں برائس امر کی دلیل ہے کہ فران جوالیہ بیسے مصنا بین برشتمل ہے وہ اللہ کا کلام بہیں ہوسکتا،

یا عراض میبا نیوں کابڑا محرکہ الارااورزبردست اعراض ہے ، یہاں کی شابد ہی کوئی کناب بوسلمانوں اوراسلام کی تردید بیں ان کی جانب سے بحلی ہو دہ اس اعراض کے ذکر و بیان سے خالی ہونی ہو، عیسائی صرات اس اعراض کے بیان کرنے ہیں کرنے ہیں کرنے ہیں کرنے ہیں اس اعراض کے بیان اس تقریر بی کرتے ہیں ان تقریر دی کا بڑھنے والاعیسائیوں کے انہائی تعصب کود کھ کرجے ان رہ جاتہے ،

جواب

بہلی بات کے جواب بیں برکہاجاسکا ہے کہ اس قسم کامضمون عیسائیوں کی مقدرسس کنابوں بیں بہرہنے مقامات پرموجود ہے، لہدندا اُن کو یہ ماننا بڑے گا کہ اُن کی مقدس کتا بیں بھی لیقینی طور پر منجانزات نہیں ہیں، ہم کچھا یات ناظرین کے بیصلے کے لئے تقل کرتے ہیں ،

ساء تقریر بربائبل ورعلماء و اور خداوند نے موسی کہاکہ جب تو معر نصار بیس کے اقوال یں بہو بچے تودیجہ وہ سب کرامات جو بیں نے

نترے ہاتھ میں رکھی ہیں فسرون کے آگے دکھانا، نیکن میں اسکے دل کو سخت کردوں کے آگے دکھانا، نیکن میں اسکے دل کو سخت کردوں کے آگے ، اور وہ ان لوگوں کو جانے نہیں دے گا'؛

اور خروج ہی کے باب آبیت سومیں اللہ تعالیٰ کا ارمث د اس طرح بیان کیا گیا ہے۔ اور میں فرعوں کے دل کوسخت کر ورگا ، اور اپنے نشان اور عجائب مکسِ مقر میں کرزت سے

د کھاؤں گا "

س خروج ہی کے باٹ آبت ایس ہے : "اور فدا وندنے موسلی سے کہا کہ فرعون کے پاکس جا ،کیونکو بیں ہی نے اس کے ول اور اُس کے نوکروں کے دل کوسخت کر دیا ہے ، تاکہ میں اپنے یہ نشان ان کے بیچ دکھاؤں ''

> ﴿ اور اسی باب کی آبیت ۲۰ میں ہے : " برخداد ندنے فرعو ن کے دل کو سخت کر

ر پرخدادندنے فریوں کے دل کوسخت کر دیا ، اور اُس نے بنی اسسرائیل کوجانے مذ دیا "

اورآیت ۲۷ میں ہے ،

ر سیکن خداوند نے فرعوں کے دل کو سخت کر دیا ، اور اُس نے اُن کو جانے ہی مذ دیا "

و اور خروج ہی کے باب آیت ایس ہے:

« اور خدا دندنے زعون کے دل کوسخت کر دیا ، کر اسس نے اپنے ملک سے بنی اسسا ٹیل

كوجانے مذومان

اور کماب استناء باب ۲۹ آیت م بین ہے: و دیکن خداد نرنے نم کو آج یک مدتو ایسا دل دیا جو سمجھے اور مدد دیکھنے کی آنھیں اور شننے کے کان دیتے کئ م كتاب يسعياه كعباب آيت ١٠ بس ب

ا نوان لوگوں کے دلوں کوچر بادے ، اور ان کے کانوں کو بھائی کر ، اور اُن کی آنکھیں بند کرنے ، تام ہوکہ وہ آنکھوں سے ریجھیں، اور اپنے کانوں سے شنیں، اور اپنے ، ور اپنے کانوں سے شنیں، اور اپنے ، ور اپنے دلوں سے سمجھ لیں، اور باز آئیں اور شفایا ٹیں ؟

اور دومیوں کے نام خط باب ۱۱ بین ۸ بیں ہے ؛
 "جنا مجنہ کھا ہے کہ خدانے اُن کو آج کے دن بک شسست طبیعت دی ۱ ورالیبی اُن کو آج کے دن بک شسست طبیعت دی ۱ ورالیبی اور الیسے کان جویہ سنیں ؛

) اورابخیل بیرخنا باب ۱۲ بین ہے : «اس سبب سے ڈابمان مزلاسکے،کہ لیسعیا ہنے پھر کہا ،اکس نے انکی آنکھوں کو اندھی اور دل کوسخت کر دیا ،الیبا مزہو کہ وہ اُنکھوں سے دیکھیں اور دل سے

ستجيبي اور رجوع كريں "

تورات ، ایجیل اور بسعیاه کی کناب سے معلوم ہواکہ انٹینے بنی اسسرائیل کو اندھاکر دباتھا ، ان کے دلوں کوسحت اور کانوں کو بہرا بنا دیا تھا ، تاکہ نہ وہ تو بہرسکین منطوا آن کو شفاوے ، اسی و حب ہے نہ وہ حق کو دیکھتے ہیں ، نہ اُس میں غور کرنے ہیں ، نہ اُس میں غور کرنے ہیں ، نہ اس کو سنتے ہیں ، کا ان محمد کے مند کا مندہ محمد کے مند کا مندہ کے مند کا مندہ کے مند کا مندہ کے مند کا مندہ کے معنی بھی تو صرف اسی قدر رہیں ،

ا کتاب پیعیاہ ترجب عربی مطبوع سائلہ وسلماء وسلماء وسلماء کے باب سام ایت کا بات کا میں یوں کہا گیا ہے ؟ باب ۱۲ کیت ۱ میں یوں کہا گیا ہے :

"اے فدا وند تونے ہم کواپنی را ہموں سے کیو گواہ کیا ؟ اور ہماسے د لوں کوسخت کیا کہ سیجھ سے د ڈریں ؟ اپنے بندوں کی خاطرا پنی میراث کے قبائل کی خاطرا ہزا ؟

(۱) کتاب حزقی اہن زمج عبر مزکورہ کے باب ۱۳ آیت ۹ بیں ہے ؛

دو اور اگر نبی فریب کھا کر کچھ کہے تو میں خداو ندنے اس نبی کو فریب دباہ اور میں اپنیا ہا تھ اس پرچلاؤں گا ، اور اُسے اپنے اسرائیلی لوگوں میں سے نابود کردوں گا "

یہ موجودہ اردد نزاجم بھی اسٹی کے مطابق ہیں، اسی سے ہم نے بیعبار میں اسی سے نفل کردی ہیں ۱۲ تفی

لیسعیاہ ع کے کلام میں تصریح ہے کہ اے رب انونے ہمیں گراہ گیا ، اور سوز فی ایل کے کلام میں پینمبر کو فریب دینے کا تذکرہ ہے :

(١٣) اور کاب لاطین اول باب ۲۲ آبت ۱۹ یس ہے:

را تب اس فی اور سال از اس از اس کا دو بر اس کے دا ہے ادر باش کو اور در اپنے تخت

را تب اس فی با ادر سال اس با نی مشکر اس کے دا ہے ادر باش کو اے اور فدا و ند نے

کہا کون اخی اب کو بہ کائے گا ، تاکہ وہ برطھا تی گئے ، اور را مات جلعا دمیں کھیت کے بی باکون اخی اور کہ با اور کسی نے کچے ، لیکن ایک روح نکل کر خدا و ند کے سامنے کو طی

تب کسی نے کچے کہا اور کسی نے کچے ، لیکن ایک روح نکل کر خدا و ند کے سامنے کو طی

بو تی ، اور کہا میں اُسے بہ کاؤں کی خدا و ند خالی روح بن جاؤں گی ، اُس نے کہا تو بی اور ایس ہوگئی ، روانہ ہو جا ، اور ایسا ہی کہ ، اُس نے کہا تو بی اُس نے کہا تو بی بات بیوں کے منہ میں جھو بولنے والی وج ڈالی ہے اور خدا وزیر جے میں برگا گا گی ۔

میر دوایت صراحة ہیں بیت کو لئے اسی طرح مجلس مشاورت منعقد ہوتی ہے حب طسم میں کہ اور فروں کو کہ اور فروں کو کہ اور فروں کے منہ میں میں کہ کائم کے ناتے پارلیم نیٹ کا اجلائے س ہواکر تا ہے ، کہ اس میں میں میں اور مشور سے کے بعب اس مشاورت میں میما میں ہوا کہ تا ہے ، بھر بیر روح و لوگوں کو کھراہ کرتی ہے ، اور اور کو بعب اس میا کی دوح کو بھو جما ہے ، بھر بیر روح و لوگوں کو گراہ کرتی ہے ، اب آپ اس مجلس مشاورت میں تمام اُس مانی کٹ کرشرکت کرتے ہیں ، اور مشور سے کے بعب اس میا کہ تا ہو کہ ایک کہ دوح کو بھو جما ہے ، بھر بیر روح و لوگوں کو گراہ کرتی ہے ، اب آپ

ہی عور فرائیے کہ جب خود اللہ میاں اور آسمانی کشکر ہی انسان کو گراہ کرنے کا ارادہ کر لیں نویہ بے چارہ نا نواں انسان کیسے نجات پاسکتا ہے ؟

اوریہاں ایک اور عجب بات قابل فورہے، وہ یہ کہ جب اللہ تعالی نے نوژشور کے بعد گراہی کی رُوح کو اخی اب کے گراہ کرنے کے لئے بھیج دیا تو حصرت میکاہ علالیت لام نے اس محبس کے سرب نہ راز کو کیسے افشا کر دیا ؟ اور آخی اب کو اس کی اطب لاع کیونکر دی ہ

اله بعنی میکاه علیرال الم نے ،

M19 تقسلینکیوں کے نام دوسرے خط بائل آیت اایس ہے : ر اسی سبب سے ربینی ان کے حق کو قبول مذکرنے کے سبب سے) خدا ان کے پاکسس گراه کرنے دالی تاثیر بھیج گا، تاکدوہ تھوط کوسیے جائیں ، اورجتے لوگ حق کا یفین بہس کرنے بکہ اراسنی کولیند کرتے ہیں وہ سب سزا پایش " اس عبارت بس نصاری کامفدس بولس بیا بگ دیل که رواس کمانشد نعالی ملاک ہونے والوں کے پاس گراہ کرنے والی ایر تجیجنا ہے حسبے وہ جھوط کی نصدين كرنے بن ، اور مزا يا تے بن ، ه اور حب میسے علیر الت لام ان مشہروں کو قیامت کے عذاب سے ڈر اکر ع ہوئے حبھو لنے توبرمہیں کی تھی تو فر مایا: " اے باب ا سان اور زین کے ضراوند! میں نزی حسد کرتا ہوں کہ تونے بہ باتیں دانا ؤں اور عقلمندوں سے جھیا ئیں، اور بچوں برطا مرکیں، الله اب كيونكر اليهابي تخفي بيسندآيان ومثى بالع " كتاب يسعباه ترجم عربي مطبوعم الكلاع وسلماع وسمم ماء كم بالم ایت ، بیں ہے: دویس سی روستنی کا موجد اور تاریجی کاخالت بول ایس سدامتی کا بانی اور بلاكو سداكرے والا ہوں ، يس بى خدادند برسب كھ كرے والا موں " نوحر برمیاہ کے باب ساتیت سم میں ہے: اکمیا عجلائی اور برائی حق تعالیٰ ہی کے حکم سے نہیں ہے ہ فارسی زجم مطبوع ممسماء بین معی ہے "أيا خيروك رازد مان خرا صادر نمي شور وي س استفهام انكارى كامطلب يبي توب كم خيروست

ك أست نمره ٢، ٢٩، مله موجوده اردوتراجم بونکواس کے مطابق ہیں،اس الع عبارت وہیں سے نقل کردی گئے ہے،ات (۱) ندکورہ تراجم کی کتاب میکاہ باب آیت ۱۲ بیں ہے: «کیونکہ فعدا وند کی طرف ہے بلانا زل ہو تی جویروٹ کم کے بچھا کک تک بہو کمنی ، اور فارسی ترجے کی عبارت ہے:

"اماً ہر بری برردازہ اور شکیم از خداد ندنار ل شدر؛ لہذا معلوم ہواکم اللہ تعالیٰ جس طرح نیر کے خالق بیں ،اسی طرح سنسے کے خالق تھی دہی

ن رومبوں کے نام خط کے باب آیت ۲۹ میں ہے : «کیونکہ جن کو اس نے پہلے سے جاناان کو پہلے سے مقرر بھی کیا ،کراس کے بیٹے کے ہمشکل ہوں ،تاکہ وہ بہت سے بھائیوں میں ہیہلوٹھا تھم اُسے ''

ص اوراسی خط کے باقب آیت ۱۱ میں ہے: د اور ابھی بک مذتو لڑکے بیدا ہوئے منے، اور مذا مفوں نے نیکی یابری کی تھیٰ کہ اس سے کہاگیا کہ بڑا چھوٹے کی خدمت کرے گا، "اکہ خدا کا ارادہ جو برگزیدگی بر موقون ہے اعمال برمینی مذبھرے، بلکہ بلانے والے یر، چا بجنے رکھا ہے کہ

یں نے بیقوب سے نومجت کی مگر عیبوسے نفرت،

پس ہم کیاکہیں ہ کیا خدا کے ہاں ہے انصافی ہے ، ہرگز نہیں اکیؤکر وہ موسی سے کہنا ہے کہ جس پررحم کروں گا، اورجس پر نزیس موسی سے کہنا ہے کہ جس پررحم کرنا منظورہے اس پررحم کروں گا، اورجس پر نزیس کھانا منظورہے اس پر نزیس کھاؤں گا، لیس برنزارادہ کرنے والے پر منحصرہے ندور دھوی کرنے والے پر، بکارحم کرنے والے ضدا پر، کیؤکر کتاب مقدرسس

که اس عبان میں بولس یرکہنا چاہ رہائے کہ صفرت میں کا صبح وارث (ہمشکل) ہونے کے ملے عزوری ہے کہ انسان اس قسم کی تعلیف کھیں مواشن کرے جبیبی حزت میں ہے اس انتحالی اس قسم کی تعلیف کی مفرت میں حراث میں ہونا ہے ، بعض اوزفات انسان کو حضرت میں کے کا مشابہ قرار دبینے کے لیے اس بیر معیبتیں بھی نازل کرتا ہے ، د تفییر عبدنا مرجو بیر، از ناکس ، ص ۱۰۰ ج ۲) مصنف کے اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کداس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کداس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کداس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کہ اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کہ اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کہ اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کہ اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کو اس عبارت کو بیش کرنے کا منشاء بہت کہ اس عبارت سے خوا کا خوانی بنز ہونا کہی معلوم ہوتا ہے ، ۱۲ تغی

میں فرعون سے کہا گیاہے کہ میں نے اسی لئے کچھے کھڑا کیاہے کہ نیری وسمبہ سے این قدرت طا مرکر ون اورمیرانام نتام روئے زمین بیمت مورم و اسوه سبس پر میا شاہے رحم کر اا ہے ،اور جے جا شاہے سخت کر دیا ہے ، اس تو چھے سے کمے کا محروہ کموں عیب مگا تاہے وکون اس کے ارادے كامقا بلركرتاب واسان كعلانؤكون ب بوضراك ساسة جواب دننا ہے ؟ كيا بنى بو فى يوز بنانے والے سے كرسكى ہے كه نونے مجھے كيوں ايسابنايا؟ كياكمهاركومتى براخت بارسنس كرايم بى لوندے بس سے ايم بر تن عرت كے لئے بنائے اور دومرا بے عرق فی کے لئے ہ (آیات ١١ ما) بولس کی ذکورہ بالاعبارت تف رہر کے مسئلے کو ثابت کرنے کے لئے کا فی ہے ،اوراس سے بربھی معلوم ہوجا آہے کہ ہداست اور گمل ہی دونوں اللہ کی طرف بوتى بن اوراس معلط مين تحضرت اشعياه عليبالتلام كا ده ارسف وبهت خور ع جوكناب يسعياه باب ٢٥ آيت ويس مركوري: ردافسوس اس برجو استخفالق سے جھڑ اے إ مظمرا نوز مین کے تھیکروں میں سے ، کیا مٹی کمبارے کے کہ تو کیا بنا آہے وکیا ہری دسنتكارى كے اس كے نوع تفرين في غالبًا انہی آبات کے بیش نظر فرقہ بروٹسٹنٹ کا پیشوالو تقرعقبیر ہ تھر کی طرف که بہاں تک مصنف اے اکبیل حالوں سے بہنا بت کر دیا ہے کہ باشیل کے نزدیک ضر افتر کا بھی خالق ہے ا اور وہ لوگوں کو گراہ بھی کرا ہے ، با سبل اس فلم کی عبار نوں سے لیر بزہے ، جواس دعوے کا بنوت مہیا کرنی ہی مر برد کھے برمیاہ اور ، ، مل ، رومیوں ا : ۲۸ ،۲ شمین سس ۱ : ۱۸ ، اور ۲ . کر شھیوں ۱۳ ، ۵ ، س و عقید و بظر کامطلب برسے کرانسان دراکے آگے مجور محض ہے ، وہ اپنے اختیار سے کو فی کام نہیں کر سكنا ، ننكى بويا بدى ، تما مكام اس سے خراكرا ماہے ، اسے خود بنكى يا بدى بيں سے كسى ايك كولبيند كركے اس رعمل کرنے کا ختیار شہیں ہے ؟ ١٢ تقی

عقیدہ جرکے بائے میں لو تھرکی رائے ہے، اگراس پر خدا کا ت مطرح ہوئی

قوده اسی طرح پیلے گا، جس طرح خدا چلا عے گا، اور اگر اس بر شبطان کا نسته طرب وجائے نو وہ شیطان کی طرح پیلے گا، وہ اپنی طرف سے کسی سوار کو بین ند کرنے کا اختیار نہیں رکھتا، بلکہ دونوں سوار کو کششش کرتے ہیں کہ اس بر قبعتہ اور نستہ طاحال کر لیں "

کیتھو لک ہیرلڈ ہی میں اس کا دوسراقول اس طرح منفول ہے: «جب کسی مقدر س کتاب میں بہ حکم پایاجائے کہ فلاں کام کرو توسیجھ لو کہ بہ کنا' اس اجھے کام کے مذکر نے کا حکم دے رہی ہے، کیوبح تم اس کے کرنے پر فادر منہیں ہؤ ا اظا ہرائس کے کلام سے معلوم ہوتا ہے کہ وہ جبر کامفقرہے،

بإدرى فأكسس أنكلس كى رائے

بادری موصوف اپنی کتاب موسوم مراة الصدقی مطبوعر الممائر کےصفحہ ۳۳ برفضیر پروٹسٹنظ برطعن کرتے ہوئے کہتا ہے : برفضیر پروٹسٹنظ برطعن کرتے ہوئے کہتا ہے : دان کے بڑانے واعظوں نے یہ بیہو دہ افوال اُن کوس کھا ہیں :

D ضرا گناه کا موسط ہے ،

که سببت نظامس ایکوالنس این مشهور کماب ر کمت مین که سببت نظامس ایکوالنس این مشهور کماب ر کمت سے ہمکنار کرتی ہے، اس طرح خدا کی بعثت کمت ہمکنا کرتی ہے، اس طرح خدا کی بعثت کرتا ہ یں بنلا

انسان کوگتاه سے بیخے کا کوئی اختیار بہیں ،

ص دسوں احکام برعمل کرنانا ممکن ہے،

🕜 کبارُ خو اه کتنے ہی بڑے کیوں نہوں ،انٹر کی ٹکاہ میں انسان کو نہیں گھٹاتے،

@ فغط ابمان نجات کے لئے کافی ہے ، کیونکہ مم کو ایمان ہی برسسزا وجزا دی جا

سکی ہے ، برتعلیم ہرت ہی مفید اور سکون سے لبریزے ،

 اوردین کی اصلاح کا علمہ دار لعینی لو خصر کہنا ہے کہ صرف ایجان لاؤا ور لفین رکھو كرتم كو نجات حاصل موكى ، روزے كى شفت اور تفوے كے بوج اور اعترات كىمشقت واوراعال حكسة كى مشفت كى ضرورت منهين ، تم كو بلاستسراعلى ديج كى نجات ملے كى ، حس قىم كى نودميشى كو ملى، نوب دليرى سے گنا ہ كرو، ہاں البنة ایمان لاؤ اورلفتن رکھو، ایمان تم کو نحات دے گا ، اگر حسرتم ایک دن میں برارمرنبه زنا يا فلل كے كناه ميں ملوث بوتے رہو، نم فقط ايان قائم ركھو،

میں کہنا ہوں کہ منہارا ا بیان نم کو نجات وے گا "

معلوم ہواکہ فسرقہ پر وٹسٹنٹ کے علماء نے قران حکیم کے حق میں ہوسیلی بات مبرمردوداور خوران کی مفدرسس کتابوں اور مفترا کے فول نے خلات ہے خدا کے مشر پیدا کرنے سے خدا کانشر بدہو نالازم مہیں آنا ، بالکل اسی طرح جس طرح باہ وسببیرزنگوں کے بیداکر نے سے تعدا کا سبآہ باسببیر ہونا لازم تہیں آنا، اورسٹر کے بیداکرنے سے وہی حکمت ہے ،جوشیطان کے بیداکرنے بیں ہے ، جو ہر برائی کی اصل آور شام مفاسد کی جڑ ہے ، باوجودیکہ علم الہٰی از لی میں میر پانت تھی

لہ شبطان سے فلاں فلاں کام صادر ہوں گے ،اسی طرح جو حکمت انسانی طبا تع مین ہو

اور حرص کے پیدا کرنے کی ہے ، حالا نکہ وہ تمام مفاسد جوافراد انسانی میں ان دونوں

نے والے ہیں علم المی از لی میں تھے اسی طرح اللہ کو قدرت کھی ركذشنزے بيرسنز كرنا ہے ، اوراس كناه كاد جرسے اس برعذاب سلط كرائے ، ، ربيك رائٹنگ آف

سبنط تفامس ایحوائنس صریع بن و اوّل ، نیویارک هی ایک تقامس ایکوائینس خود کنیقو کک ہے ، اس لیع

من ہے نو میرا عیز ا عن ۵

كم ننيطان كوبيدانه كرتا، بااگربيداكيا تفاتواسه كمراه كرنے كى فدرت سردينا، اور منزسهاس کوروک دینا ،اس کے باوجود منرصرف بیداکیا ،بلکسی حکمت کی بناء براسس کو مجراتی سے نہیں روکا ۱۰ سیطرح اس کو فدرت تھی کہ جُرا ٹی کو پیدا نہ کرتا لیکن اس کے بیدا کونے

کی لنزنیس کے بواب یں ہے ہوائی دوسری نفتوں برث تال ہے ،عقلی کے دوسری نفتوں برث تال ہے ،عقلی کے دوسری نفتوں برث تال ہے ،عقلی ا دوسری بات کے بواب میں کہاجا سکنا ہے کہاس امرمیں

طور برکوئی قباحت نہیں ہے ،نیزمسلمان برنہیں کہتے کرجنت کی لڈننی جسمانی لذتوں مک محدود ہن ، جس طرح فرقبہ بر والسٹنٹ کے علماء غلطی سے یاعوام كوغلطى ميں ڈالنے كے لئے كہتے ہیں، بلكہ ہم قرآنى لفوص اور تصریحان كی بناء ہم ہم اعتماد ر کھنے میں کرجنت روحانی اورحب سمانی سردو فسم کی لذنوں پرشتمل ہے،ان میں سے بہنی لذت دوسری سے بڑھی ہوئی ہے ، مؤمنین کو دونوں قسم کی لذتیں نصيب سونكى ، سورة نوبر مين تعالى كاارت دس :

ان یا فات کاوعد مکیا ہے جن کے سیجے منبریس بہنی میں، وہ ان میں ہمیت رہں گے ، اور غیر ذانی باغات میں یاکٹرہ ر ہائش گاہوں کا دعرہ کیا ہے ، اورانسر کیرضااور فوت نوی ان سب سے برط

وَعَدَ اللَّهُ الْمُوعِينِ أَنَ وَالْمُؤْمِنَاتِ وَالسَّرْ فَاللَّهُ اللَّهُ السَّرْ فِي اورعور أول ع جَنْتِ تَجْرِئُ مِنْ تَحْنِهَا الْانْهُرُ خلدين فيها ومساحن طينة في حَبَّاتِ عَدُنِ وَرِضُواَتُ مِّنَ الله آكَ بُرْ. ذَلِكُ هُوَ الْفُوْزُ العظيمة

کرہے، یہیعظم کامیابی ہے: اكس ميں مضوان صن الله كا مطلب بير ہے كم الشركي نوشنودي ك ک اور برحکمت یا انکل طاہرہے کہ برائی کو ظاہر کے لغیرندا نسانوں کی آ ڈماکش ہوسکی ہے، اور نہ

اجهائی کی فدر معلوم ہوسکی ہے ،اگر ار کی مذہوتی نور دنشنی میں کو بی لطف منہونا ، اگر گرمی اور صس مر ہونی تو بارمش ہے معنی تھی، اور اگر بیاری مربوتی توصحت میں کو کی کبیت منظا ، ١١ لفی

ردہ جنت کی منسام نعمتوں سے سرنبے اور درجے میں بڑی ہے ، باغا يناب كرجنت بين المتركاسب سے بطاعطيه روحاني لذنين بين وير مانى لذنبى تجيى طبيل كى ،اسى وحب سے آگے فرمایا كم دَذْ لك مُقَوَ الْفَوْزُالْعَظِمُ انسان کی خلفت د دو جوہروں سے ہوئی ہے ، ایک لطبعت علوی ، اور د دم عادت وشفاوت كاحصول ان دونوں ہى كےساتفوالية كياكيا عانی منا فع اور فوایر کے ساتھ ساتھ روحانی سعاد نوں کا حصول تھی مبرر^وح ان سعاد توں کے کے لائن اور منا سب میں ،اسی طرح حبم ان سعاد توں کے حاصل کرنے میں کامیاب ہوگا بواس کی شان کے لاقق ہیں، یقین فوزعظیم کامصداق صرف بہی ہوستا ہے، اور الرُعلماء بروششنط به کهس کرجنت میں ان دونوں سمول كى لذنوب كاا جتماع تعجى رب ہے، نوہم اُس کے جواب میں صرف اس فدر کہیں گے نے جا ہا نوای کو برلز نن نصب سہیں ہوں گی ، ا ظرین کوبات اول سے معلوم ہوجیکا ہے کہ ہمار عیسی م برنازل کی گئی اب اگرانفاق سے مبیخ اكود وسرے اعراض . س فول کی بقینیا کوئی ناویل کی جائے گی ، اور عبر روحانی ہونگی، جسمانی منہیں ہونگی، علماء بروٹسٹنط اپنے اس نظریئے کو نابت کرنے کے لئے باعبل سرلال كرتے ہيں، مصنف اس كار وفراكے ہيں،

کے نظریئے کے مطابی جنتیوں کا فرشتوں کے مشابہ ہونا خود انٹی کا اوں کے فیصلے کے مطابی کھانے اور پینے کے سافی نہیں ہوسکتا ، کیا اُن صرات کو معلوم نہیں کہ دہ فریشتے ہوا براہیم کی خدمت بیں حاصر ہوئے کئے ، اور اَ بب نے اُن کے اُکے مہمنا ہوا بچروا ، کھی اور دو دھ بیش کیا تھا وہ فریشتے ان سب بجروں کونوش جان کر گئے جنا بجبہ اس کی تصریح کنا ب بیدائش کے بایل بیں موجود ہے لیے جان کر گئے جنا بجبہ اس کی تصریح کا بیا سائے یا اور الفوں نے اُن کے اس کے کھانا ، روٹی اور ریز دے کا سان نیار کیا تھا، دونوں فرشتوں نے خوب کھایا ، معیا کہ کتاب بیدائش کے باجل بیں صاحت طور پر کھا ہے ،

زیادہ تنجب تواکس بہتے کہ جب عیسائی چیزات حشر حبمانی کے قائل ہیں، توہم جہمانی کے قائل ہیں، توہم جہمانی لئے حضرات حشر کین عرب کی طرح سرے جہمانی لدتوں کے مستبعد ہونے کے کہا معنی ؟ ہاں اگر وہ مشرکین عرب کی طرح سرے سے حشر ہی کے منگر اور سے حشر ہی کے منگر اور حشر ہی کے منگر اور حشر وحانی کے قائل ہونے ، تو بھی بنطام ران کے استنبعاد کے لئے کوئی گئجا گئی

ہر سکتی تھی ،

نیز عیسابگوں کے نظریئے کے مطابان استرکا حسمانی ہونااور کھا ، اپنیا اور جملہ حسمانی لواز ات اس لحاظ سے ہیں کہ وہ انسان بھی ہے ، ادھر عیسی علیہ السلام، کی طرح ریاضت گذاراور نفیس کھالوں اور سٹراب نوسشی سے احر از و اجتناب کرنے والے نہیں نفظ ، حبس کی بناء بران کے منگریں آن کو لبیار خوری اور بیار نوشتی کاطعت و بنے ہیں ، (جبیاکہ انجیل متی کے باب میں تھر بریح موجود ہے ہمارے نزد کی گوان کی ذات گرامی پر بہا عرق رحن بالکل نامعفول ہے ، "اہم برہم کہہ سکتے ہیں کہ بلاسٹ بعینی علیہ السلام حبوائی لحاظ سے خالص انسان ہی انسان سخے ، بھر حب کہ فرشتوں نے بہ جیزیں کھائیں، یادر ہے کہ فرآن کر اس نے صاف کہا ہے کہ فرشتوں نے بہ جیزیں کھائیں، یادر ہے کہ فرآن کر یہ نے بھی یہ واقعہ ذکر کیا ہے ، مگر اس نے صاف کہا ہے کہ فرشتوں نے بہ جیزیں کھائیں، یادر ہے کہ فرآن کر یہ نے رسور ۂ ذاریات ، مصن جی بہاں الزامی طور پر انصار کی تقول کے مطابق جواب نے کہ جین اس

اینی کتاب د

طیح اس دنیا بیں رہنے ہوئے عمد ہ کھانے اور مشروبات ان کے حق میں فعانی لذنوں سے مانع نہیں بن سے بلدا ب برقرحانی احکام ہی کا غلیرر م اس طرح حبمانی لذنش جننیوں کے لیے روحانی لذتوں سے مانع منہیں ہوسکیں گی ، جب کہ وہ جنت

ک حفیقت بہے کہ علماء ہر وٹسٹنٹ کا بہ نظر برکرجتن میں جہانی لذتیں بہیں ہونگی، خو د ہا مبل کے منهارانوال كے مخالف ہے جہیں ہم مختر ادرج ذیل كرتے ہيں،

كتاب بيدائش ميں ہے ور اور خدا و ند خدانے أوم عرك حكم دياك تو باع كے سرور خت كا كيل ب ر وک ٹوک کھا سخاہے " (۱۲:۳) اس سے صاف معلوم ہوتا ہے کہ جنت میں کھانے کے درخت يهت سے بخے اس بركها جا تاہے كه حصرت آدم ع كى حبت زبين بريضى ا در آخرت كى حبنت آسمان بر اس الع الب كو دو سرى بر فيا س نهيس كباجا سكماً ، ميكن اوّل تو حزت أدم ع كى حبّت كا زبين برمونا میں نسلم منہیں، بائیل کی کوئی عبارت بھی اسس بر دلالت منہیں کرنی ،اور اگر بفر ص محال مان لیا جائے کہ وہ زمین بریمنفی، نب بھی اسکی کبیا دلیل ہے کہ آخرے والی جنت تھزت اُ دم عرکی حبنت ہے مختلف ہو گی ، بکدا بخیلوں سے تو برمعلوم ہوتا ہے کہ آخرت کی جنت بس مجی حسمانی لذنبی ہونگی الجیا اناجیل سی ہے کہ حصرت مبیع علیم السّلام نے عشاء ربّانی کے واقع بین حوار بوں سے ارت وفروایا: " بین نم سے کہنا ہوں کرا نگور کا پیشیرہ مجھر کبھی مذہبی کی گا،اس دن بمک کہنتھا ہے۔ساتھ لینے باپ کی بادشایی میں نه پئوں " (مننی ۲۹:۲۷ ، مرفنس ۱۶: ۷۵ ، لو فا ۲۲ ، ۱۸ اسی طرح البخیل می ایک اور حکه يوم أخرت كابيان كرتے ہوئے كما كياہے كه : " اور يورب مجھم الله دكس سے لوگ آكر خداكى بادشابى كى صنيافت ميں شركب بوني " ركونا ١٣ : ٧٩) أكر جنّت بين جسماني لنرتين منهيں ہوں كى نوانكر كا مثیرہ چینے اور خداکی بادشا ہی کی ضیافت بیں شر بک ہونے کے کیا معنی ہ یہی دجہ ہے کہ اکنز مرانے عسياتي علماء نے اس بات کا اعر اٹ کبا ہے کہ حزت میں عبسمانی اور روحانی د و نوں فنسم کی لنزتیں ہوں کی ، بینا بچنر سبینط آگشتا بن کمناہے کہ مجھے ہیں رائے بھلی علیم ہوتی ہے کرجتن جیمانی بھی ہے اورر وحانی بھی '؟ ا در سبنط تقامس ایجوانش با) میں بوری نقصیل کے ساتھ ان لوگوں

تبیری بات کابواب ان انترجیطی اب میں اربائے ،کیونکہ جہا دکا اعتراض عیسا یٹوں کے خیال کے مطابق محضور صلی اللہ عکر سے خلاف کئے جانے والے اعتراضوں میں سے بڑا اعتراض اور جبب شمار کیاجا آ ہے ،اسلئے ہم اس کو اسی موقع پر مطاعن کی بحث میں ذکر کریں گئے ،

قرأن كربم برجو حقااعتراض

قرآن کریم میں وہ معنا بین نہیں یائے جاتے جور و کے مفتصنیات اوراس کے بیسند بڑ ہوسکتے ہیں ،

جواب

دو بحزیں ہور وح کے مقاصد اور مقتقنیات ہیں ، اور ہواس کی بیند اور چاہرت کی جیزیں ہیں وہ موف دو ہیں ، کا مل اعتقادات اور نیک اعمال ، اور قرآن کر ہم ان دونوں قتہ کے مقابا بین کو متی طور بر بیان کرنا ہے ، حبیاکہ بہلے اعترا من کے جواب سے واضح ہو جائے ، اب ان جروں کے فرآن ہیں فرکور نہ ہونے سے ہو علا ای مطابق دوج کے مقاصد میں سے ہیں قرآن کریم کانا فق ہو نااسی طرح لا زم نہیں آتا میں طرح توریت اور انجیل اور قرآن ہیں ان چیزوں کے مزال کے مطابق دوج کے مقاصد میں سے ہیں قرآن کریم کانا فق ہو نااسی طرح لا زم نہیں آتا مجوم شرکین مہند کے علم اولیت اور کی برخوں کے مزکور نہ ہونے واض میں ہوئے کے مزکور نہ ہونے کو تی افقص لازم نہیں آتا ، جومشر کین مہند کے علم اولیت اص شاب کے خیال میں روح کی پیشد یہ ہوں ، چا کھی ہے ہوگا کہ جانوں کا براعت اص شاب خلاف ہے ، مار عور کرک ہے اس کا امکان ہی نہیں کہ اللہ فلاف ہے ، مار عرف ہیں ، حرکت ہے اس کا امکان ہی نہیں کہ اللہ کرک تا ہوں کا برائی اور دیا ہوگا ہوں کا برائی دیا تھا کی در کو بی انہ کار کرتے ہیں ، دملاحظ ہو کہ لیسک را شمکس آف سینٹ تھا کس ایجا ہیں ، ص ۲۲ ہو تا ۲۲ ہو ، ج ادّ ل ، انہ میں ان ۲۲ ہو ، ج ادّ ل) ، دملاحظ ہو ایسک را شمکس آف سینٹ تھا کس ایجا ہیں ، ص ۲۲ ہوں تا ۲۲ ہو ، ج ادّ ل) ، دملاحظ ہو ایسک را شمکس آف سینٹ تھا کس ایجا ہیں ، ص ۲۲ ہو ، ج ادّ ل) ، دملاحظ ہو ایسک را شمکس آف سینٹ تھا کس ایکو ایک سینٹ سینٹ تھا کس ایکو ایک سینٹ کے حبیانی ہوئے سے انکار کرتے ہیں ، دملاحظ ہو

کیطرفسے ایسے شنع فعل کی اجازت دی جائے ، توجوکتاب اس قسم معمون پرستندل ہوگی دہ فعدا نئی کتاب نہیں ہوسکتی ،

> تران کریم ریانخوان اعتراض قران کریم ریانخوان اعتراض

> > اختلافات مضامين

فرآن میں جا بجامعنوی انتقلات پائے جانے ہیں، مثلاً آیت: لاَ اکْرَا کَ وَفِي الْبِرِّدِ يَنِي

اور:

اور:

مد بلاسشبراً بهدیجے کہ تم انتزاوراس کے رسول کی اطاعت کر وہ بھراگر وہ اعراض کریں تورسول کے اعمال رسول کے ساتھ بین اور متھا ہے اعمال متھا رے ساتھ، اور گرتم اسکی اطاعت کرو کے تو ہرایت با ڈ

قُلُ اَطِئْتُوا اللهُ وَاطِيعُوا السَّوُلُ ا فَإِنَّ نَوْكُوا فَإِنَّمَا عَلَيْهِ مَا حُمِّلُ وَعَلَيْكُمُ مَا حُمِّلُتُمْ وَإِنْ تَطِيعُونُهُ تَهُنَّ كُرُوا وَمَا عَلَى الرَّسُولِ كَلَا الْبَلَاعُ الْمُبِينُ ه

گاوررسول برسوائے واضح تبلیغ کے اور کوئی ذمسہ داری نہیں '' بہتمام آبنیں آن آبات کے مخالف ہیں جن میں جہاد کا حکم یا یا جا تا ہے ، اسی طرح اکثر آبتوں میں کہا گیا ہے کہ مشیح انسان اور صرف رسول ہیں ، اس کے بر عکس دوسرے موقع پر اسس کے خلاف بر کہاگیا ہے کہ وہ نوع انسانی میں سے تنہیں ہیں بلکہ ان کا مقام بلند ترہے ، بہلامضمون سور ہ نساء کی آبیت ذیل میں ہے :

إنتَّمَا الْمَسِيْعِ عِيْسَى بُنَ مَرْكِيمَ "باشبعيلى بن مريم التُرك رسول

اور الله کاده کلمه بین، جوانشد نے مریم پر از ل کیا، اور انتگر کی روح بین " رُسُولُ اللهِ وَكَلِمَتُهُ أَلْقَاهَا إلى مَرْكِمَ وَرُوْحَ مِنْكُهُ }

اوردوسرامصنون سورة تخريم كى آيت ذيل مين موجود ي :

"ادر مریم بنت عمران حس نے اپنی شرمگاه کولبد کاری سے محفوظ رکھا، تو ہم نے اس

وَمُرْبَعُ ابْنَةَ عِمُرَانَ النَّبِيِّ اَحُسَنَتُ فَرُجُهَافَنَفَنَا فِينُهِ مِنْ دُوجِنَا ؟ مِنْ دُوجِنَا ؟

مين اپني رُوح مچونک دي ي

برطے زبر دست اختلافات ہیں ، اسی لئے میزان النی میں مصنعت نے اس کناب کے ہا۔ فصل میں انہی دو کے بیان پر اکتفاء کیا ہے ،

جواب : بہلے اختلات کی نبیت ٹویہ کہاجائے گاکہ اکس کو اختلاف کہنا ہی جو اب انقلام میں میں میں میں میں انتقال کا ہے ، حب جہداد کا

حکم نازل ہو انوبہلاحکم منسوخ ہوگیا اورنگسنخ کواختلافِ کمعنوی کہنا بالٹل لغو ہے، ورٹرلازم کے گاکہ تورتبن اور البیل کے تمام احکام منسوخہ میں اختلاف معنوی تسلیم کیا جائے ، اسی طرح مطلقاً توریب اور البیل کے احکام میں بھی تضاد ما ناجائے ، حبیاکہ آپ کو تیسرے بارہے وضاحت کے ساتھ معلوم ہو چکا ہے ، اس کے علاوہ ارسٹ دِ خلاوندی

و لاَ إِكْرَاهُ فِي الدِّينِينِ ،، منسوخ نهين عليه ،

آب نے بہلے باب کی نمیسری فصل میں ربچھ دیا ہے،

الداوراس حکم اجہاد کے حکم کے ساتھ کوئی تعارض بھی نہیں ہے، تفصیل اپنے مقام پر آئے گی،

الله ملاخطہ ہو، ص ٢٩٣ جلد اوّل ،

تبيرىفسل

احادبث كي صحت كاثبوت

اس فصل بیں ہم ان احادیث کی صحت کا بیان کر بن گے جو کتبِ صحاح میں منقول ہیں ، اور بید فصل نین فائدوں پرمشتنل ہے :

ا تنام ابل کمناب نواه بهودی بهوں یا عیسائی، پہلے بهوں یا پیچھلے ، زبانی روایات کوالیسا ہی معنبر مانے بیں حبیبالکھی ہوئی روایتوں کو، بلکہ

زبانی روایات بھی قابلِ اعتماد ہوسکتی ہیں ، بیہ لا فائدہ

یہودی حفزات نوائیں روایات کونکھی ہوئی روایتوں سے زیادہ مرترافیہ درجہ دیتے ہیں، عیسایٹوں کے مشہور فرقے کنتھو لک کے نزدیک دو نوں برابر درجے کی ہیں، اور ایمان کی اصل ہیں، البنذ عیسایٹوں کا دوررا فرف ہیں ،اور ایمان کی اصل ہیں، البنذ عیسایٹوں کا دوررا فرف ہر وٹسٹنٹ ان روایات کا ایسا ہی منکر ہے، حبیبا کر بہود بوں کا فرق صدوقی ، مگر فرفتہ پروٹسٹنٹ والے اپنے اس انکار میں مجور ہیں، اس سے کہ اگر وہ ان روایات کا انکار مذکریں توان کے لئے اپنے اصل فرم ب اور نوایجا دعقید ول کونا ان روایات کا انکار مذکریں توان کے لئے اپنے اصل فرم ب اور نوایجا دعقید ول کونا ان

کر نامشکل ہوجائے گا،اس کے باوجرد وہ تھی بہت سے موقعوں برزبانی روایات کے مخاج نظرائے ہیں ،اور اسی اعتبار کی سند اُن کی مقدر سرکتابوں ہیں ملتی ہے پانچنے راگر خدانے چا ہا تو ناظرین پر بیرسب چیزیں عنقریب واضح ہوجائیں گی، چنانچنے راگر خدانے چا ہا تو ناظرین پر بیرسب چیزیں عنقر بیب واضح ہوجائیں گی، من بیا ور نا مود کی حقیق اُن کی مناب عزراء کے دیبا ہے کی شرح سیں مناب عزراء کے دیبا ہے کی شرح سیں

یو ں کہناہے :

" ببود بون كا قانون دو نسم كانفا ، أيك مكها بواحب كوده توريت كين تقي ، ا ور رابغیر مکھا ہوا ،حس کوز مانی روایات کہاجا تاہے ، ببراق کو ہزرگوں کے ذہیعے بہو کی تقیں، ان کا بریمی دعوای ہے کہ اسٹر نے موسی علیبرالسلام کو کورہ طور یر دو بوں قسم کے قوا بنن دیئے تھے ، سن میں سے ایک بذرلیے رکڑ برہم نک بہونخا، اور دوسرا بزرگوں کے واسطےسے جوان کونسلا بعدنسل با ان کرتے م اسلے ایک اس میں ان کاعقیدہ ہے کہ دونوں مرتبے میں مساوی اور منی ا اً تدمونے اور واج النسیم ہونے میں قطعی برابر ہیں، ملکہ برلوگ دوسری قسم كوتر جع دين بن اورير كين بن كه مكها بوااكثر اقص اور يجيده بواكر ا ہے، اور اسے بغیرزبانی روایات کے بورے طور بر اہمان کی بنیا و قرار نہیں دیاجا سکنا ، اور زبانی رواینس نهابیت واضح اور ممل طور پر فانون کی تشریح كرتى بن، اسى سع يرلوك ملهم بوئے قوابن كى ان تفسرون كا قطعي أكار كرتے بي جذباني روابات كے مخالف يائي جائيں، اوريہ بات بيود يوں ميں مشہورہے کہ وہ عہد جو بنی اسسرائیل سے لباگیا تفاوہ اسس لکھے ہوئے والوں کو کے لئے ہرگزیہ تھا، بلکہ ان زبانی روایا ت ہی کے لیے بیا گیا تھا ہ

مل بردونوں بہودلوں کی نرمہی کنا ہیں ہیں جن کا مفصل تعارف آدم کلاک اور ہور ن کے الفاظ میں آب کے سامنے آر م ہے، ۱ات کل بنی اسرایٹل سے برعبد لیا گیا تفاکہ وہ خدا کے دیئے ہوئے احکام کی یا بندی کریں گے، ددیکھئے استثناء ۱:۲۹) ، تقی

گویا اتفوں نے اس بیلے سے لکھے ہوئے قانون کو نظراندازکر دیا، اور ز با نی دوائیوں کواپنے دین کی بنسیا دفرار دیا ، بالکل اسی طرح ر ومانیہ کے کتیجو لک فضر کے لوگوں نے اپنے مذہب کے لیے اسی طریقے کواخت بیار کیا ، اورانڈرکے کلام کی تفبیران روایتی ہی کے مطابق کرنے ہے ،اگرجہ برروایتی تفسيربهت سے مقالات كے مخالف ہى كبوں ماہو، ان كى يركيفيت ہما رے خدا کے زمانے میں اس درحب رہے بہو یخ چکی تھی کہ خدانے ان لوگوں ہداس معادید میں گرفت کی کہتم لوگ اللہ کے کلام کو ان کی سنت کی وحبہ سے بالل کرنے ہو؟ اور خدائی عب رکے بالے بین بھی ایھوں نے حدسے بچاوز كيا ،سيان كك كدان روايات كو يكه بوسة سي بر تزينا ديا ،ان كى كتابون مين یہ بھی لکھا ہے کہ مشاعج کے الفاظ تورین کے الفاظ سے زیادہ مجوب میں اور توریت کے بعض کلمات الیصے عمدہ اور بعبض بالکل سکتے اور نالیسند مدہ ہیں، اور مشائخ کے سارے کلمات عمدہ اور بسندبیرہ ہی ہیں، بلکہ مثا مُخ کے الفاظ بینمبروں کے کلمان سے بہت ہی بہتر میں ،مشامُخ کے کلمان سے ان کی مراد میں زبانی روایات ہیں، جواتی کو مشاع کے واسطے سے میہ بھی تھیں، نیزیہود بوں کی کتابوں میں تکھا ہے کہ تکھا ہوا قانون یانی كى طرح ہوتا ہے ، اور مشنا اور تالمودكى بيان كرده روايات جودونوں مذم یوں می منضبط میں سیاہ مروح والی سراب کے مانند ہیں ، نیز ان کی كتابوں ميں كمھاہے كەلكھاہوا قانون نمك كے مانندہے ، اور مشنا اور تالمودسباه مرح اور مسطح تخم كي طرح بين،اس قسم كے اور تھى اقوال بين جن سے معلوم ہوتا ہے کہ وہ لوگ ملحے ہوئے قانون کے مقلبے میں زبانی روایا ہے کی برتری اور فوقیت کے قائل ہیں ،اورات کے کلام کامفہوم اُن ربانی روایا كى روستىنى بيستحقة بن،اس لي كم بوت فالون كى حيثيت ان كى كاه مين مروہ جمےسے زمادہ بہیں ہے، اورز بانی روایات اُن کے خیال میں اُس رُوح

کے مانندہں جو حیات اور زندگی کی بنسیاد ہے،

ان ذبانی روایات کے بنیادی ہونے کی دلیل وہ لوگ یہ بیش کرتے ہیں کہ حب خدائے تعالیٰ نے موسی علیہ السلام کوتور بیت دی تھی، تو تور بیت اللہ کو معانی اور تفسیر کھی ہما ہی گئی اور یہ بھی حکم دیا تھا کہ توربین کو لکھا جائے، اور تفسیر کو یا در کھا جائے اور السس کو عرف زبانی طریقے پر دو سروں تک بہنچا یا جائے، اور وہ اسی طرح نسلاً بعد نسل منقول ہونی رہی اسی سے بہلی قسم کے بیخ یہ لوگ " قانون مکنوب " کے الفاظ اور دو سری قسم کے لئے سے الفاظ اور دو سری قسم کے لئے سے ربانی قانون " کا لفظ استعمال کرنے ہیں " اور دہ فا وی جوان روایات کے مطابق ہوں ان کا فاظ استعمال کرنے ہیں " اور دہ فا وی جوان روایات کے مطابق ہوں ان کا فاظ استعمال کرنے ہیں " اور دہ فا وی جوان روایات کے مطابق ہوں ان کا فاظ استعمال کرنے ہیں " اور دہ فا وی جوان روایات کے مطابق ہوں ان کا فام " قوا نین موسی " ، دو آن کو کو ہ سینا پر ملے تھے اور کھنے ہیں "

ا مفوں نے تھی سیکھا، ہی موسی اُسٹی اُسٹی کو سے ہوئے ،اور بارون نے ہوا سبق سنایا، بجروہ بھی اُٹھ کھڑے ہوئے، نوالبیسندرا دراہترنے مسبق سنایا، وہ بھی اُکھ کھڑے ہوئے ، بھران سنز مشاکخ نے لوگوں کے ساحة مسيكها بوا قانون شنَايا ، غرض ان سب حاحز بن نے چار مرتب اس قانون کوشتا ، اور خوب یاد کر لیا ، مجران لوگوں نے موسی کی مجلس سے والیسی پرتمام بنی اسسرائیل کو خردی ، اور لکھے ہوئے فا نون کو تخریرے ذریع ، اور اس کے معانی کو نقل وروابت کے ذریعے دوسری نسل یک بیونیا یا اوروہ احکام جوتوریت میں کھے ہوئے تھے اُن کی تعداد ١١٣ عقى، اس لية اس وانون كو اسى لحاظ سے تقييم كر سا، اوربر معى كنة بن كموسى على السّلام في تمام بني اسرائيل كوخريج مقرکے چھیالیسویں سال کے گیار ہویں میلنے کی بہلی اریخ کو جمع کیا تھا' ادرائن کو اپنی وفات کی مجی اطسلاع دے دی ،ادر حکم دیاکر اگر کو جی شخص اس قانون المي كاكوئى قول جوميرے ذرىعيہ سے اس كے إس بيوني ہے ، مھول گیا ہے تو وہ میرے پاس آ کر مجھے سے دریا فت کرلے ، پاکسی كواكران اقوال ميس ع كسى قول براعزا ف بو تومير ياس اكرا بناشك دوركرك اسكے بعد اپني آخرى زندگى بك تعليم بى ميں مشغول رہے ربعنی گیار ہو یں مسینے کی بہلی تا ریخ سے بار ہویں میلینے کی جیٹی تاریخ بگ اور لکھا ہوا اور بے مکھا ہواد ونوں قسم کے قوانین سکھاد نے ،اور لینے ما تقے سے مکھے ہوئے و فالون مکتوب " کے نیرہ نسنے بنی اسرائیل کوعطا کئے ، بعنی ہر فرنے کو ایک ایک سخہ دیر اگا ، تاکہ وہ اُن کے ماس نسلاً بعدنسيل محفوظ رسے ، اور إيك نسخه لادى كى او لادكو بھى عطاكيا، تاكه وه عبادت خانے میں محفوظ ہے ، اور زبانی قانون د بعنی زبانی روایات ، پوشع ۴ کوشنایا ، کیمرآ،

اسى مهينے كى ساقويں تاريخ كوه نبو پرچڙه كيّے ، اسى مقام پر آپ كى وفات ہوگئ ایوشع نے موسلی کی وفات کے بعدیہ روایات مشاکخ کے وا كردين اورا تفول نے بینمبرول کے سپردكیں، پھر ہر بنی دوسرے آنے والے نبی کے والے کرتار ما، یہاں تک کہ ارمیا تی نے بارو خ تک اور باروخ نے عزراء، بمک اورعزراء کے علم ءکے اُس مجمع یک بہنچادیا ،جن میں سے آخر سمعون صادق عقے ، کھراس نے انینی کونوس بک ،اور اتھوں نے ہونی بن یخیان مک اور اُس نے بوسی بن بوسیر مک بھراس نے نتھان ارملی اور کیوشع بن برخیا یک ، پھران دولوںنے بہوداہ بن کیلی اور سمعون بن شطاة تك ادرانهوں نے شما ما اور آبی طلیون تک ، مجسب دو نوں نے ہل تک اور اس نے اپنے بیٹے شمعون کک ،اور گمان یہ ہے کہ پیمعون وہی شمعون ہی حجوں نے ہما سے بخات دہندہ خواکومریم سے اسے ہاتھوں میں لیا تھا، حب کہ وہ اپنے ایّم نفاسس سے پاک ہوکر عبادت گاہ میں آئ تقیں، بھراس نے لیے بعثے کملائیل یک بہونجایا،اس كملائيل سے ہى بولس نے سيكھا ، كھراس نے اپنے بيٹے سمعون كوسكھا! اوراس نے اسے بیٹے کملائیل کو ، بھراس نے اسے بیٹے رتی بہودا ی دوسش کو، بھر بہودانے ان تمام روایات کوکتابی شکل میں جمع کرکے اس كانام مشتا مركها ك

اس کانام میشنا مرکها ؛ مجراً دم کلارک کہنا ہے :

را بہودی اس کتاب کی بے صرتعظیہ کرتے ہیں ، ان کا بہعفیدہ ہے کہ اس کتاب ہیں ہو کچھ ہے سب منجا نب استرہے ، جو اس نے موسی ہیں کو و طور کے متقام پر لکھے ہوئے قانون کی طرح دھی کیا متفاء اس لئے اس کی طرح یہ کھی واحبالتسلیم ہے جب سب مکتاب تصنیف ہوئی ہے برابر سیودیوں میں در سس و تدر سیس کے طور پر را بی جب ، بڑے برابر سیودیوں میں در سس و تدر سیس کے طور پر را بی جب ، بڑے برابر سی دو مشرصیں مکھی ہیں ، بہلی مشرح تمبیل

صدی بین اور شام بین کھی گئی ، اور دوسری سرح جھٹی صدی کے سردی میں با بل کے اندر کھی گئی ، ان دونوں شرح ن کا نام کمراہے ، کیونی کمراکے معنی لفت بین مال " کے بین ، ان کے خیال میں ان دونوں شرحوں سے مثن کی پوری پوری تو ضبح ہوگئی ہے ، شرح اور متن دونوں کے مجوعے مثن کی پوری پوری تو فیسے انگ اکسا متیال کے لئے یوں کہاجا آہے کر آلمود اور شالمود با بل" ، موجود ہ ز ملنے کا بہودی مزم بب کل طور بران دونوں «تالمودوں » بین جو انب باء کی کتابوں سے فارج بین درج ہے اور چونک «تالمودوں » بین جو انب باء کی کتابوں سے فارج بین درج ہے اور چونک «تالمودوں » بین جو انب باء کی کتابوں سے فارج بین درج ہے دور چونک «تالمودوں » بین جو انب باء کی کتابوں سے فارج بین درج ہے دور چونک «تالمودوں » بین جو انب باء کی کتابوں سے فارج بین درج ہے دور چونک «تالموداور شام دور جوزی درج ہے دور چونک «تالموداور شام دور جوزی درج ہے دور چونک «تالمود ورشام دور جوزی درج ہے درج ہے دور چونک «تالمود ورشام دور جوزی درج ہے دور چونک «تالمود ورشام دور جوزی درج ہے درج ہے دور جوزی درج ہے در ہے ہی درج ہے درج ہے درج ہے در در ہے ہی درج ہے د

اور بوران آینی تفییر مطبوع معدام مجار عصر اول کے باب میں کہنا ہے ، ور مِشْناده كتاب سے جو سيو ديوں كى مختلف روايتوں براور مقدس كتابوں کے متون کی سندروں برمشتمل ہے ، اُن کاخیال اُس کے بالے میں یہ ہے كه الله تعالى في موسلى كوكو و طور برجس و فن توربيت عطا فرمائي تحفي اسی دفت یہ روابات تھی دے دی تھیں ، بھرموسی سے مارو ج کواور يوشع اليعزركواوران سے دو سرے بیغیروں كواوران سے دوسر منّا شخ کو، اس طح ایک پشت سے دوسری پشت کو چلتے ہوئے تقمعون مک بہو تخیں ، بہ وہی شمعون تھے مجھوں نے بہار سے نجات د بنده فراكواب إلى تقول من ليا عقا، ان سكملائيل كو بهراكس يہوداه حن دوست كويہ نجيس، اس نے برسی محنت سے جاليس ال میں ان کودوسری صدی میں گمآبی صورت میں جمع کیا، بر کناب نسلاً بعد نسل سیود اوں میں اس وقت سے متعل علی آتی ہے ، اور اکثر اکس كتاب كى عزّت لكھے ہوئے قانون كى نسبت ز يادہ ہوتى ہيں، يحركتاب كه:

مِشْناکی دوسٹر جس ہیں ،جن ہیں سے ہرائیک کا نام کراہے ، ایک «کمرا اورسٹ جو تعبض محققین کی رائے کے مطابق تبیسری صدی این شلیم میں مکھی گئی، اور فادرمو^ن كى رائے كے مطابق بالخوس صدى س، دوسىدى كمرا مابل، جو يھي صدى بين بابل کے اندر اکھی گئی، دیر کرا، قطعی بیہودہ فصوں اور کہا نبول بیمشتمل ہے، لیکن میں بہودلوں کے نزدیک نریادہ معترب اورائسس کابڑھنا بڑھا اان میں مرقع ہے ، یہ لوگ ہرمشکل اور پیچیے دہ معلطے میں اس لفین کے ساتھ اس کی طرف سے رجوع کرتے ہی کدف ان کی رسنما فی کرے گی، کمرا کا نام رکھنے كى وجيسيكداس لفظ كمعنى كمال كے ميں ان كاخيال بيے كه بيرشرح توربيت كاكمال ہے ،اوركسى شرح كاكسس سے بہنز إونا امكن ہے ،اور ساس كے بعد اور کسی شرح کی صرورت باقی رہنی ہے ،اور حبب متن کے سابھر کمراادر أسليم كوشامل كرلما جلي تومجوع كو المود ادر شليم "كها جا ماسيه اورحب ر كمرا بابل ، كومنن كے ساتھ ملالياجائے تو مجوع كو " المود ما بل ، كہاجا آ ہے" اقل يركه يهودي زباني ردايات كانوربيت كي طرح اعتبار كرية من ، ملكه بسااد قات ان کی اس سے زیادہ تعظے کرتے ہیں ،وہ اُن کو بمنزلۂ رُوح اور نور بین کوبمنز لؤجیہ

تجھتے ہیں، بھر حبب توریت عی بوزلین بہتے قد دوسسر ی تمابوں کا اندازہ آب

دوسری بات برمعلوم ہوئی کہان روایات کاجامع بہوداہ حق دوسش ہے جبلے ان کودوسری صدی کے آخر کیں جمع کیا ہیروابات ایک ھزار سات سوسال تک محفز ربانی باداشت کی خیست رکھتی تقیں ، بھراس دوران میں بیبود بربطے بڑے مصابح اورسٹ رائر تھجی واقع ہوئے ، شلا تجنت نصراور انٹیوکس اور طبیطوس دیفہ ہے حا^{وث}ے منة تالموديا بن ادر الموديروشلم" بسس برايك بحرد ودوسة بن بيل عقة كو" هلك كما جاتاب اورددسرے عقة كو بجده ، ملك بين عير سوتيره احكام بين اور بجده بين روايات اور قفتے، زاريخ صحف سماوى الرسيدنواب على صاحب، ص ٢٨، كراجي مستهواري ، ت

أطبارالحق جلددوم جن بين تواتر كي صورت ليقيناً منقطع هو گئي تقيي ،اور كما بين تجيي صالح اور برباد هو جي تقي ے ربابے معلوم ہو جکا کئے ، ان حالات کے با وجود بہود کے نزدیک اس کا عتبار توریت سے مجمی زیادہ ہے ، تتيسري باست بيمعلوم هونئ كهبير دوايتين اكثر طبقات مين عرف ايم را دی سے منقول ہوئی رہیں جیسے کملا ئیل اول و د دم اور سمعون دوم دسوم، حالانک کے زدیب ببرلوگ انبیاء بین تھی شامل نہیں ہیں ،اور عیسایٹوں کے نز دیکہ ین کافراد رمنکرین سیح میں سے ہیں ،اس سے با وجود برروایات میہود کے زدیر ا بیان کی بنیا دادرا صل عقا تر ہی ،اس سے برعکس ہمانے نزدیک وہ ضیحے صدیث تھی ج أحاد كى روايت سے منقول ہو ،عقائر كى سب ياد ہر گز فزار رہيں دى جاسكتى ، بو کھی بات برمعلوم ہوئی کہ جب "کمرابابل "جھٹی صدی س تکھی گئے ہے ، تو اس کے بہودہ قصے کہا نیاں ہورن کے قرل کے موا فن دوہزارسال بک محص ربانی محققین فقسر ر واسٹنٹ کے اعتراض کے مطابق بہود کی اور ان سے سے تمام مسبحی منفتہ من کا اندازہ کرنا کیے مشکل نہیں ، یوسی بیس حس کی البریخ علماء سٹنٹ دونوں کے بیب اں معتبرہے اپنی تاریخ مطبوعہ معماء كى كتاب كے باق میں لیفوب حاری کے حال میں بوں كہتا ہے كہ: و كليمنيشي في ايك قابل داشت ففته ابني سانويس كذاب مين اس بعقوب كحال كے بيان ميں نقل كياہے ، ظاہريہ ہے كہ كليمنيس في يہ فقتران زباني روايات سے نقل کیا ہے ، جو السس کواپنے باپ دا دوں سے پہو کنی تقیں " رس کے بحد مسیری کاب کے تعسرے باب میں ص۱۲۳ برار بنیوس کا

> " ا فسس كاكر جاحس كولومس نے تعمير كيا تقااور حس بين يوسنا حوارى نے ل د سیجھے ص ۸۹ء و ۹۰ء جلددوم کے بعنی نین سے کم اس کے را وی ہوں ،

سلطنت طرجانوسس بک فیام کیا ،حارلوں کی احادیث کا بخست، گواہ ہے ؟ راسی صفحہ بر کلیمنٹس کا یہ قول نقل کیا ہے : ٥ يومنًا حواري كي نسبت الساففة بوستجا ورواقعي سي جس مين اصلاحجوط نہیں ہے اور جسینوں میں محفوظ چلاآ تاہے " مر کتاب تالث کے باب ۲۷ ص ۱۲۱ میں کہنا ہے: رد میسے کے شاگردوں کی تعداد حواریین کی طرح بارہ ہے ۱۰ در ۰۰ رسول ہیں ۵ اور دوسرے بہت سے لوگ ہیں ہو حالات مذکورہ سے اواقت مذ عقے، ولين ان حالات سے جن کو انجیل والوں نے اکھا ہے) لیکن ان میں سے فقط بوخیّا اور متی نے اکفیں کھاہے اورز بانی روایات سے بھی معلوم ہوا کہ ان دونوں کا لکھنا تھی عزورت کی وحب سے تھا '' بھرکتاب الشکے باب ۲۸ صفحہ ۱۳۱ میں کہناہے: ر ارینیوس نے اپنی متیسری کتاب میں ایک قصر لکھاہے جواس لائق ہے کہ لکھا جائے اس کو یہ واقعہ یولیکاری سے بطور زبانی روایت کے بہونخا " محركتاب رابع كے باہ ص ١٢٧ ميں كہنا ہے: رد میں نے اور سشلیم کے بادر لوں کے حالات تربتیب وارکسی کتاب میں نہیر دیکھے میر زبانی روایت سے نابت ہے کہ وہ تھوٹری مدّت یک رہے " محرکتاب الث کے باب ۲۳ صفحر ۱۳۸ بین کہتاہے: ر زبانی روابیت کے ذریعے ہم کومعلوم ہواہے کہ وہ لوگ حبب اگنا سنسس کوقتل كرنے كے ليعروم لے كئے ، تاكہ اس كو عرف عسيائى ہونے كے برم مس درندوں

كے آگے ڈال دیا جلے ، اور اسس كاكذر ایث پر فوجی حفاظت مس ہوا ، توراست میں حس قدر مختلف گر جاملے و ماں کے لو گوں نے اس کی نصیحتوں اورافذال سے فذت حاصل کی ، اس نے ان لوگوں کو ان بر عات سے بھی با خبر كياجواكسور مانے ميں پھيلى ہوئى تقيس، اوران كوز بانى روابات كے ساتھ چے رہے کی سخت فاکید کی، اور مزید یاد داشت کے لئے اس نے بہر سمجا کہ ان روایات کو لکھ دیا جائے ، اور ان پر اپنی گواہی بھی شبت کردی ، بھر کناب نالٹ کے باب ۳۹، ص۲۲ ابر کہنا ہے کہ :

مینی پیاکس نے اپنی کتاب کے دیبا ہے میں کہا ہے کہ میں متھالے فا مڑے کے لئے وہ ہمام جیزیں کھے دیتا ہوں ہو تجھ کر مشا کے کے در یعے بہو کئی ہیں، اورلوری سخفین کے بعد میں نے ان کو محفوظ کر لیا تھا تاکہ اس برمبری مزبد سنہ ہادت سے ان کی تحقیق اور سپائی اور زیادہ ثابت ہوجائے ، کیونکہ بیں ہمیشہ سے ان لوگوں کی روایات سننالیب ند نہیں کرتا ہو بھڑت لغوگو ئی کرتے ہیں، اور دوسری نفیعنوں کی بھی نغلیم کرتے ہیں، بلکہ میں نے مرف ایسے لوگوں منفق ل میں بوسوائے ان سپے نفیعنوں کے بو ہماری سپے فدا وندسے منفق ل میں اور کچھ منہیں جا نے ، اور مشائح کے متبعین میں سے جن جن سے منفق ل میں اور کچھ منہیں جا نے ، اور مشائح کے متبعین میں سے جن جن سے میں طاہو، ان سے میں نے برسوال کیا کہ اندرا و اس یا بیطر سی یا فیلیس یا فیلیس یا تو مایا لیعقوب یا متی یا جمارے ضرائے کسی شاکر دنے یا ارستیوں یا حضرت نے وہا رہے خدا کے مربد سے کھا کہا کہا کہ کیون کہ مجھ کو جو فائد ہ زبانی روایات یو منا ہوں سے خوا وہ کتا ہوں سے قطعی نہیں ہوا''

بھرکتاب را بع کے باب ص ۱۵۱ بیس کہا ہے:

رہ ہجیسی بوسس کنیسا کے مورخین بین مشہورہے، بیں نے اس کی الیفات سے بہت سی چیزیں نفل کی ہیں، جن کواکس نے حوار بین سے بدر ابہر ربانی روایا کے نفل کیا ہے، اس معنقف نے حوار بین کے مسائل کو جواس کو زبانی روایات کے طور میر بہتے ہے اسان عبارت میں یا برخ کتابوں میں کھا ہے !!

کے طور پر پہنچے آسان عبارت بیں یا پرنج کتابوں میں کھاہے !' بھرکتا ب رابع کے ہامیک ص ۱۵۸ پر پولیکارپ کے حال بیں اربنیوس کاقول نفل کیا ہے :

المركب في الميكارب في الميشد المنى جزول كي تعليم دى جوامس في حاريين سے اور

کنیسہ کی لغن سے بذرایعہ روایت عاصل کی تقیں ، اور جو سیتی باتیں تقیں ؟ مجرکتاب خامس کے بات میں ارمنیوس کے واسطے سے روم کے اسففوں کی فہرست نقل کرتا ہوا ص ۲۰۱ پر کہناہے :

"رب تنبروس ك جواس سليل كابار بهوال استفف سي جويم بك صيحه اور سیتے واسطے سے اور حمار ہوں سے نرریعے زبانی روایات سلے بہونجا ہے' بھرکتاب خامس کے باب ص ۲۰۶ میں کلیمنٹس کا قول نقل کرتا ہے: د بیںنے برکنا بیں بڑائے اور برتری حاصل کرنے کے لیے تنہیں مکھی ہیں، ملکہ اب بڑھا ہے کے خیال سے ، اور اس لئے اکرمیری بھول کا تریا ف ہوسکے ، بطور تفسیرے میں نے ان کو جمع کیا ہے ، کو یا بران الہامی مسائل کی شوح ہیں سى كى برولت بس بلندى اور بزرگى كوبېونى اورسىجون ، بركتون دالون مين شامل ہوا،ان میں سے بونی کورس بھی ہے جو بونان میں تھا ،اور دورسرا جو میکنیاکرینی بیرمفنم تقا، بانی دوسرے دیک سب مشرق کے بسنے والے تھے، ان میں ایک شامی اور دوسرا عرانی ، فلسطین کا باشنده تھا،الدوہ شیخ جن کی خدمت میں میں سے ان میں بہونجا ہوں، وہ مصر میں گوشئة تنهائی وكمنامى مين ريخ عظم ، بوسارے مشامح سے الفسل تھے ، ان كے بعد بھر میں نے کسی سیسے کے تلاش کرنے کی حرورت نہیں سمجھی ، کیونک ان سے بہتر كو في مثبخ دنيا بن موجو دنه نظا، يرتمام مننا شخ وه سيجي روا بات محفوظ اوله زبانى يادر كفته تنفي ومفدكس بولس وليفوب ويوحنا إولس سه بشت دربشت اورنسل بعدنسل نفل مونى على الله تقين "

ہر کنا ب خامس کے بات ص ۲۱۹ بر آرینبوں کا فول نقام کرتا ہے: " بیں نے خدا کے فضل سے بیردوایتیں بڑے اہنما م اور کوسٹسٹ کے ساتھ سٹنی ہیں اور ان کو اپنے سینے کی تختی پر بجائے کا غذ کے مکھا ہے، اورع ومئر دراز سے میرام عمول ہے کہ بیں ابھا نداری سے ان روایات کا سخوار اور

اعاده كر"ارسنا مول ي

مجرتناب فامس کے باب ۲۲۷ میں کہنا ہے ،

ر بدلی کرائیس اسقف نے ایک روایت جو اسس کو زبانی روایات کے طور پر بیر بنی تھی، اپنے اس خط بیں انکھی ہے جو اس نے کمنیسہ روم آور د کرط کو بھیجا مند ا

بھرکتاب خامس کے باب ۲۵ ص ۲۲ برکہناہے:

رد نارکٹوس اور تغیر فلومس وکا سیومس جو فلسطین کے اسفف ہیں ،اور کنیسے صور کے اسفف نیز اسفف تو لما فی کلارومس اور دومرے لوگ جو ان اسففوں کے ہمراہ آئے تھے ،ان سب نے بہت سی چیزیں اس روابین کے سلسلے ہیں ا

جوان کوعبرفضع کے بائے میں حوار بین سے بہونجی تھی، اور برربعدز بانی روایات

نسلاً بعدنسر منفول ہو نی جلی آئی تھیں بیشیں کیں ،اورسٹے کناب کے آخر بسلاً بعدنسر منفول ہو نی جلی آئی تھیں بیشی کی اور سے کا خر بیل کا کہ اس کی نقلیس کرا کر تمام کینسوں کو بھیج دی جائیں ، اکر جولوگ سیرصی

راه سے جلر بھٹک جاتے ہیں اُن کے لئے بھا گئے کی کوئی گنجائن مدرہے "

مجركتاب وس كے بات ، ص ٢٧٦ بيس كليمنش اسكندريا نوس كے حال كے بيان بين

رجواريوں كے تبع ابعين سيستے ، كہناہے:

" دہ اپنی اس کتاب میں حب کو میر فصح کے بیان میں البیت کیا ہے کہناہے کہ مجھ

ہں آنے والی تسلوں کے ف مرے کے لیے لکھدوں "

مچرکتاب سادس کے بالی ص۲۲۳ بس کہناہے "

در البغر بیکا نوس ابنے اس رسالے بیں جواس زمانے بیں بھی موجود ہے ، اور حس کواس نے ارستدلیس کے بارے مس کواس نے ارستدلیس کے بارے بیں جیروایت اسے اس کے باہ وادوں کے واسطے سے میہو پنی مقی اس

كے مطابق وہ مثى اور لوقا كے متعارض بيانات بين تطبيق ديا ہے "

ان سترہ اقوال سے یہ بات معلوم ہوگئی کہ عیسا بیٹوں کے متقد مین زبانی روا بتوں بر سرا اجهاری اعتماد کرتے تھے ، جان ملٹر کتھولک اپنی کمناب میں جو ڈر بی میں سسم کا یہ

میں طبع ہوئی ہے جمیس رون کے نام اپنے ر بویں خط بیں کہنا ہے :

ر بیں اس سے بہلے بھی لکھ جیکا ہوں کرفرقہ کیتھولک کے ایمان کی بنیاد حرف

وہ کلام اسٹر بہیں ہے جو لکھا ہوا ہے ، بلکہ عام ہے، خواہ لکھا ہوا ہو یہ کھا

ہوا، یعنی کرتب مفرسہ اور زبانی روایات اس نشر رکے کے مطابی جو کئیسہ

كنيمولك نے كى ہے"

کھراسی خطین کہتا ہے : در آر منیوس نے اپنی کتاب کی جلد نمبر اباب منبرہ میں کہا ہے کہ طالبین تق کے لئے اس سے زیادہ آسان اور سہل اور کو فی صورت نہیں ہے کہ وہ ہر کنیسے بیں آن زبانی روایات کی حب بنو اور تلاش رکھیں جو حواریین سے منقول ہیں اور ان کوسارے عالم میں بھیلا ٹیں ''

میراسی خطیس کہنا ہے کہ:

اکر مینوس نے بی کناب کی جلد ملے باب نمبر میں کہا ہے کہ قوموں کی زبانیں اگر حب مختلف ہیں ، دیکن زبانی روایتوں کی حقیقت ہر مقام بر سکیاں ہوگئ برمنی کے کینسے تعلیم وعقائد میں فرانس اور اسپین اور مشرق ومقر اور لیبیا

کے کنیسوں کے خلاف نہیں ہیں ،

مجراسی خطیس کہنا ہے کہ ؛

ار بیوس نے جلد تمبر س کے باب تمبر ہیں کہا ہے کہ چ بکے سارے کلسیوں کے

مسلسلوں کا حال طوالت سے خالی بہیں ہے ، اس لئے رومی کلیا کی روایت

اورعقیدے کو بنیا دفرار دیا جائے گا، جو سے نہ یا دہ قدیم اور بڑا مشہرے ،

یو بی انی لیارس اور پولس ہیں ، بانی نمام کینسے اسکی موافقت کرتے ہیں ،

کیو بی وہ ذبانی روایا نے موارین سے نسل بعد نسیل منقول ہوتی آئی

ہیں دہ سب امس میں محفوظ ہیں " محصر اسی رسالے میں کہتا ہے:

"ار منیوس نے کتاب دا بعے کے باب م میں کہاہے کہ ہم اگر فرض کر بیں کہ وارسی فے ہمارے سے کہ ہم اگر فرض کر بیں کہ وات فی ہمارے سے کہ ہم ان زبانی روایتوں کے ذریعے نابت ہونے والے احکام کو مان زبانی روایتوں کے ذریعے نابت ہونے والے احکام کو مانیں ، جو حاریین سے منقول ہوتی جلی آتی بیں جن کو حوار بین نے ایسے لوگوں کے حوالے کیا تقامین وں نے ان کو کشیسہ بھر بہنجا دیا ،اور یہ و ہی روایتیں بیں جن کے مطابق وہ وحشی لوگ عمل کرتے ہیں ، جو مسینے پر بغیر حودت اور بین جن کے استعمال ایمان وے تھے ہے۔

روت خابی کے استعمال ایمان کا ہے تھے: بھراسی خط میں کہناہے کہ:

روس المسفور المار المار

کرت مقدر سه کا تعلق کن لوگوں سے ہے ؟ ادر کس شخص نے کس شخص کوکس قت پہنچا بین ؟ حبی بر ولت ہم میسائی قرار یا ہے ، اس لئے کہ حب مقام میں بھی دبن مسیحی کے احکام اور عقا بڑ موجود ہوں گے ، د بان انجیل اور اس کے معانی اور دین مسیحی کی ان تمام روایوں کی صوافت موجود ہوگی جو عرف زبانی میں کئ

جعراسي خطين كبناب :

''آریجن نے کہاہے کہ یہ بات ہمارے لئے مناسب بہیں ہے کہ ہم ان لوگوں کا اعتبار کریں ہو کتنب مقد سے نقل کرتے ہوئے کہتے ہیں کہ کلام مختارے آگے ہے، تم اس کو دیکھو اوراسی برغور کرو ، کیونکہ یہ بات ہما سے لئے لا لئ بہیں ہے کہ ہم کینسے کی روایت کو ترک کردیں ، یا ہم اس چیز کے سواکسی اور شے کے مقت ہوں ، جو ہم بک اللہ کے کئیسوں سے مسلسل روایت کے ذریعے بہو تی ہے '' موں ، جو ہم بک اللہ کے کئیسوں سے مسلسل روایت کے ذریعے بہو تی ہے ''

را باسلیوس نے کہا ہے کہ بہت سے مسائل کنیسہ میں محفوظ ہیں ، جن کو دعظ و نفیدست کے طور بر بہت کا جا آہے ، کچھ تو ان بیں سے کتب مقدسسر سے لئے گئے ہیں ، اور کچھ زبانی روا بتوں سے ، ادر دین میں دد نوں فزت کے لحاظ سے برابر ہیں ، حب شخص کو نتر بجت عیسوی سے تھوڑی سی بھی وا تفیت ہوگی

وہ اس پراعتراص مہیں کرے گا گ

بھر اسی خطیس کہتا ہے کہ ؟

"ایپ فافیس نے جوکتاب برعتی لوگوں کے مقابلے میں تالیف کی ہے اس میں کہا
ہے کہ زبانی روایتوں کو استعمال کرنا صروری ہے ،کیو نکے کمتب مقد سے میں تمام
ہے ریں موجود بہیں ہیں'؛

بھراسی خطوس کہنا ہے کہ: میراسی خطوس کہنا ہے کہ:

المريزات م في مفسلنكيون كے نام دوسرے خط كے باب أين ١٢ كي مشرح

اله اس آیت کے الفاظ آکے ص ۹۲۱ پرد مجھے

میں تقریح کی ہے کہ اس سے صاف ان بت ہواکہ حواریین نے ہم کمت کام با نیس سے رہے درلیے رہے ہم کہ بہت سی چیزیں ابغیر کے ریر کے بھی بینجائی بین بلکہ بہت سی چیزیں ابغیر کے ریر کے بھی بینجائی ہواری رائے ہے کہ کلیسا کی روایت ہیں ، اعتبار میں دونوں برابر ہیں، اسی لئے ہماری رائے ہے کہ کلیسا کی روایت ہیں ابیسان کی بنیاد ہے ، ادر حب بھی کم کوکوئی بات زبانی روایت سے انا بت طے گی اس سے زیادہ ادر کوئی خبر ہم تلامش مہیں کریں گئے "

يراسى خطيس كہتا ہے:-

میں میں ہے۔ ہیں ہے۔ میں میں میں کو ان برعت سے بیسم را صطباع نے ماصل ہوا ہو مکھتا ہے کہ اگر حیب راس بارے میں کو ان تخریری سند تو موجد منہیں ہے ، لیکن برجیسے زقابل لحاظ ہے کہ یہ رسم زبانی روایت کے ذریعے حاری ہو ان کے میں کہ تا ہے کہ یہ رسم زبانی روایت کے ذریعے ماری ہو ان کے دوری کی نسبت مام کلیسا تسلیم کرتے ہیں کہ ان کو حوار بین نے مخویر کیا ہے ، طلا نکرد و کھی ہو ان تنہیں ہیں ؟ مجبر اسسی خط میں کہتا ہے کہ : -

ورا سی معایان مہا ہے کہ اے کہ مبتد عین کوکتب مقدر کی تفییرعام

كنيسو سكى روايت كے مطابي كر اجائے ك

ان بارہ افوال سے یہ بات یا یہ بھوٹ کوئی کے کر بانی روانینی فرنسٹیر کینھولک کے بیب ال ایمان کی بنیا دی چیز ہیں ،اور متقد مین کے نزدیک معنسبر کمنھولک ہمیرلڈ کی حلد منبرس، ص۳۲ ہیں ہے کہ د۔

در بی دوسی قدرسی نے بہت سے شواھ داس بات کے بیش کے بین کہ کلام مفرس کا منن صربین اور زبانی روایت کی مدد کے بغیر سمجھا جانا ممکن منہیں ہے ، کمین کو کا من مشائخ نے ہر زبانے بین اسکی بیروی کی ہے ، اور ترفی نہا ہے کہ مسیح عرفے جن جن باتذ ں کی تعلیم حاربوں کو دی تھی اُن کو سمجھنے کے لئے ان کلیسا وی کی جانب رجوع کر اخروری ہے جن کو حوادین نے قائم کیا، اوران کو اپنی تخریرات اور زبانی روایات کی تعلیم دی یک

ان مذکوره روابات سے معلوم ہواکہ بیودبوں کے نزدیک روابات داحادیث کی عظمت قوریت کی عظمت قرریت کی عظمت نے بادہ ہے ،اسی طرح عیسائیوں کے بتمام متقد مین مثلاً کمینٹس ،ار بیوس ،کلاروسس ،سکنرر بانوس ،الیفر کانوس ،ٹرٹو لین ،آریجی اسلیوں اینی فاینس ،کریزاسٹم ،آگٹا بی ،ون سنٹ استف دغیرہ تمام زبانی روا بیوں کی ظمت کے تألل ہیں ،اور ان کومعتباور مستندمانتے ہیں ،اور اگنامشس نے اپنی آخری عمر میں زبانی روابیوں کومظبوطی کے ساتھ تھا مے رہنے کی وصیت کی تھی ،اسی طرح میں زبانی روابیوں کومٹل میں ماریخ بیں مکھتا ہے ،

وده الحك ان سبحي روا بيون كے حافظ عظ جو بطرس ، يعقوب ، لوحنا ، بولس عن ده الحرك ان سبحي روا بيون كے حافظ عظ جو بطرس ، يعقوب ، لوحنا ، بولس

ایی فاینسنے کہا:

رد جونفع مجمكودوستوں كى زبانى روايتوں سے بہو بنا وه كتا بوس سے سہيں

بينج سكان

ار پنوسش نے کہا: کہ

"فداکے فضل سے بیں نے احادیث کوکا مل خور وا مہمام کے سا خوٹ اور بجائے کاغذ کے مینے بیں اکھ لیاہے ، اور عوصہ درازسے میری عادت اور معمول ہے کہ بیں ایما نداری سے ان روایتوں کا تکوار اور اعادہ کر تارہا ہوں''، اور یہ مجی کماکہ :

مد طالبین حق کے معظے است زیادہ سہل صورت بہیں کہ وہ کلیساؤں میں ان زبانی روایتوں کو تلاش کریں جو حاربین سے منقول چلی آئی ہیں، اور ان کو سارے عالم میں بھیلا بیس "

ادريه تهيي مكهاكه:-

" اگریم بیدمان مجھی لیں کہ حواری ہارے دے کہ آبیں بہیں جھوڈ گئے ، مجھر بھی ہم کہیں سے کہ ہم بر لازم ہے کہ ان احکام کو مانیں جوالیسی زبانی ر وایتوں سے ابت ہوں جو جوار بین سے منفؤ ل بوتی آئی ہیں !

اور آریجن آور طرقو لین دونو ں الیسے شخص کو ملامت کرنے ہیں جواحادیث کا منکر ہو' باسب بیوس نے کہاہے کہ جومسائل کتب مقدرسے مسننبط ہوں وہ اور جواحادیث سے ماخوذ ہوں وہ دونوں اعتبار میں برابر ہیں ،اور کلیسا کی روابیت بنیادِ ابیا ن ہے ، اور جیب کوئی بات زبانی روابیت سے آبیت ہوجائے ، بھر مزیرکسی جزری تلاش کے ہوں در داری روابیت سے آبابت ہوجائے ، بھر مزیرکسی جزری تلاش

ی سرورت ہمیں ہے ، آگٹٹائن نے صاف کہدیاہے کہ بہت سی چیبروں کے منعلق عام کلیسائس لیم کرتے ہیں کہ حوار بین نے ان کو مقرر کیا ہے حالا بحدوہ انھی ہوئی نہیں ہیں ، اس لیع انصاف کی بات یہ ہے کہ سب کور د کرد بیا تعصیب اور جمالت سے خالی نہ ہوگا،

ادر نود البخیل بھی اسکی بھزیب کرتی ہے ،۔ ربانی روایات کے حق میں البخیل میشہا دہیں کے باب آبیت ہے ہوں البخیل مرفس ربانی روایات کے حق میں البخیل میشہا دہیں کے باب آبیت ہے

بیں بوں ہے کہ :-داور بے تمثیل ان سے کچھ نہ کہنا مظا، لیکن فلوت میں بینے خاص شاگردوں سے سب باتوں کے معنی بدان کر انتفائ

اور یہ بات بعید ہے کہ بہتمام تفییر یں یا اُن میں سے بعض منفق ل ند ہوں، اور بر کبی اُن بی سے بعض منفق ل ند ہوں، اور بر کبی اُن بار بار ہے کہ حواری تو تفییر کے متاج ہوں اور ہمار سے ہمعمر لوگ ان سے لے نیاز اور مستنفی ہوں ،اور انجیل بوخنا کے بالت آبت ۲۵ میں ہے کہ :

اور تھی بہت سے کام ہیں جو لیسوع نے کئے ، اگر دہ جراجر اُ لکھے جاتے تو بین سمجھنا ہوں کہ جو کنا ہیں مکھی جا بنیں ان کے لئے دنیا ہیں گنجائش نہ ہوتی ؟؟ بنیل کی اگر حیب ہیں بات مبالعنہ اور غلوسے خالی نہیں ہے نبکن اس میں کوئی شک ملہ بعنی صرت میسے علیہ استدام ابنی ہر بات کو تمثیلات میں کہا کرنے تھے ، اور تنہمائی میں ان

تمثيلات كى تشر وى كرنے تھے ١٢ تلقى

مہیں کا بہ کہنا کہ د اور بہت ہے کام ہیں " یمیسے کے تمام افعال کوشا مل اور عام ہے ، خواہ دہ معجزات ہوں یادد سری چیزیں ، اور بات بعید ہے کہ ان میں سے کوئی جیبیز خواہ دہ معجزات ہوں یادد سری چیزیں ، اور بات بعید ہے کہ ان میں سے کوئی جیبیز زبانی روابیت سے منفول مزہو ،

ا ور شھسلبنکیوں کے جمام دوسے رخط کے باب آیت ۱ میں ہے: '' اے بھا بڑر اِنابت قدم رہو اور جن روایوں کی تم نے ہماری زبانی یا خط کے

دريج تعليم الى ب أن يرقام رسوك

اس کے پرالفاظ کہ "نحواہ زبانی ہوں باخط کے داسطے سے" صاف اس پردلالت کردہ ہیںکہ بعض جزیں تو ہم بک بزریعیہ ہتے رہیہ ہیں، ادر بعض ر وبروبات جیت کے ذریعی جن ، ادر بعض ر وبروبات جیت کے ذریعے سے ، ادر بعض ر محتبر ہوں معتبر ہوں اسلم اسلم نے تقریح کی ہے ، ادر میں مقام کی شرح میں کریز اسلم نے تقریح کی ہے ،

کر نتھیوں کے نام پہلے خط کے باب آبت ہم بیں دعر بی ترجمبر مطبوعہ مشکم کائے۔ کے مطابق اس طرح ہے :

« ادر باقی بالذن (کی) میں آگر رتم کونضیحت کروں گا) ^{عو}

اور طاہرے کہ یہ باتیں جن کی ضبعت کرنے کا وعدہ بولس نے کیا ہے مکھی ہوئی ہیں ہں اور یہ بات بعیب رہے کہ ان میں سے کوئی بھی منقول نہ ہو،

* اور شمینفیس کے نام دوسرے خط کے باب اول آمیت ۱۳ میں ہے:

و جوصیحے بایش توزیجھ سے شنیں اسے ایمان اور محبت کے ساتھ ہو منیے لیوع بیں ہے ان کا خاکہ مارد کھ'

ادراس عبارت میں یہ الفاظ کر "جو صبح باش تونے مجھے سے شنیں، صاف د لالت کرنے

مله بروششنط بائبل میں برایت منبرہ اسے ،ادر کیتھولک باعبل میں ایت نمبرا ،

سے یہ اظہارالی میں نقل کی ہوئی عوبی عبارت کا ترجمہہ ہے ، بائبل کے جلنے ترجمے ہارے پاس میں،ان سب میں عبارت یہ ہے «اور باقی با توں کو بیں آگر درست کردوں گا ؟ ، ہو تقی ہیں کہ بعض باتیں زبانی بھی نقل کی گئی ہیں ،ادراسی خطے باب آبت میں ہے : «ادرجو باتیں تونے بہت سے گاہوں کے سامنے بچھ سے شنی ہیں ، اُن کو

ایسے دیا نت داراً دمیوں کے ہیرد کر جوادروں کو بھی سکھانے کے قابل

ہوں ''

مرس المحقیۃ السی عبارت میں نصارلی کامفرس پیشوا تیمنھیس کو وضاحت کے ساتھ یہ تعلیم دے رہا ہے کہ تم نے ہو زبانی باتیں مجھ سے مینی ہیں وہ منرون یہ کہ یا در کھو ملکے میں در کھتے ہوں، یا در کھو ملکہ ایسے لوگوں کو بینچا و مجود وسروں تک بینچانے کی صلاحیت رکھتے ہوں،

اورلوحناکے دوسرے خطے آخر میں ہے:

ر مجھے بہت سی باتیں تم کو لکھنا ہے ، مگر کا غذا درسیا ہی سے لکھنا بہیں جا ہنا بلکہ متھائے ہوں ا چا ہنا بلکہ متھائے پاس آنے اور روبر دبات جین کرنے کی امید رکھنا ہوں ا تاکہ متھاری خوشنی کا مل ہو'؛

اورنسیرے خطے اخریں ہے:

و مجھے لکھنا تو کچھے کو بہت کچھے تھا ، سگرسیا ہی ادر قلم سے کچھے کو لکھنا نہیں چا ہنا بلکہ کچھ سے جلد ملنے کی امبدر کھتا ہوں ، اسس دفت ہم روبروبات چرین کریں گئے ''

یہ دونوں آیات اس بات کو بتانی بیں کہ بوطلفے بہت سی باتیں وعدے کے مطابق زبانی بین ،اب بہر بیج ربعب رہے کہ وہ تمام باتیں باان میں سے بعض برربع روایت منفول نر ہوں ،

مطلقاً العادبيث تحدمعنز بونے كا انكاركر الى فرق برو للندف بين سے بوست خص مطلقاً العادبيث تحدمعنز بونے كا انكاركر الى وہ جابل ہے ، يا بھر انتهائي متھب اور مها دھرم ہے ، اور اسكى بات كتب مفدس اور جمبور علماء منقد بين كے خلات ہے ، اور لجھن متقد بين كے فيصلے كے مطابات اس كاشمار برعتيوں بيں ہے ، اسس كے ساتھ ساتھ دہ لينے فرتے كى بہت سى طبع زاد بيروں بيں روايات كا إعتباركرتے بر

ہے ، شلاکہ کہ بٹیا جوہرکے اعتبارسے باہدے برابر ہے ، اور یہ کہ روح القار بإب اور بيئے سے نكلا سے ،اور بركمبيع دوطبيعتوں والا اور ايك اقتوم سے، وه دو ارا ددں والا ہے ، خراتی اور السانی ، اور بیر کہ وہ مرنے کے بعد حبتم میں دا خل ہوا، د غیره وغیره ، حالانکه بیرخرا فات لِعِینهرعه به مبریر میں کہیں نہیں یا بی جاتبیں ،اور برلوك ان چزو ل كے معتقد محض روابات اور تقليد كى شاء يرسوئے من عنبر ہوئے بر ایزاس کا ادر کتا ۔ اعمال الحجار بین کے آنہیں ابواب کاا نکارکرنا پڑے گا ، کیو بحہ پرسہ زبانی روا بات کے ذریعے لکھے گئے ہیں ، ندا تھیں مشاھے رکے ذریعے لکھا گیا ہے اور نہ وحی کے ذریعے ، جبیا کہ باب اول میں معلوم ہو جیکا ہے ، اسی طرح کتاب ا مثال کے یا چرکے بابوں کا بھی رہ ۱ سے ۲۹ تک) انگار کرنا پڑے گا ،کیونکہ رسید سر: نیاہ کے عہد میں ان زبانی ر وا بنو ںسے جمع کے گئے میں ہوا^ن کے بیب ان را بجُ تغیس، اور ان روا بات کی تردین اور حصرت مسلیمان علیم السلام کی و فات کے درمیان دوسوسترسال کاعرصسہ ہے ، ہٹا کیرگناب امثال کے باب ۲۵ آبت ابس ردیہ تھی مصبیمان کی امثال ہیں جن کی سف ہیں ہودا ہ حز فیا ہے لوگوں آدم کلارک مفترا پنی تفییر طبوعه سامائه بین اس آبین کی شرح کرتے ہوئے ودمعلوم ہوتا ہے کداس کتاب کے اس کیے واقعات مس جو یا دشاہ حزقیاہ ك حكم سے ان زباني روايات سے جمع كي كئے بن جوعب رسليمان سے مشہو یلی آرسی تقیں ،ان واقعات کوان روایات سے ہی توگوں نے جمع کیا ، مجران

کواس کتاب کاضمیمہ بنا دبیا، ممکن ہے کہ حز قیاہ کے دوستوں سے اشعیاہ شنیاہ و بخیرہ مراد ہوں ، جو الس عہے رسیخیروں ہیں سے ہیں،اس صورت ہیں برضمیمر مھی سند کے لحاظ سے باتی کتاب کی طیح ہوجائے گا، وربذاكس كوكماب مقدس كالتميم كمو يكربنا سكة كف و اس میں مفسر مذکور کا بیر کہنا کہ بادشاہ کے حکم سے زبانی روابتیں جمع کی گئی ہیں، ہالے دعوے کی واضح دلیل ہے ، ر ہاس کا یہ کہنا کہ ممکن ہے یہ لقل کرنے والے بھی پیغیر ہوں ، سوبہ بات بالکل غلط ہے ،اس لیے کہ خالی اضال بغیر کسی دلیل کے مخالف برحجت بہیں ہوسکا، دلیل ان لوگوں کے پاس کو فی بھی تہیں ہے، محص ا حتمال اور ظنی بجیزے ، اور بیر کہنا کہ اگر ہیر وا بنیں پیغیبروں سے مرقبی مذہو تیں نواس كوكناب مقدمس كے ساتھ كيو كرشامل كرسكتے تھے باطل ہے، كيو كريوديوں لے زر دیک زبانی روایات کا در حب نزریت کے درجے سے زبادہ ہے ، جب توربیت باوجود یجه و و مشاعن کی روایات سے نقریبًا سنتر اس سوسال بعد عمع کی گئی ہے سیود اوں کے نزدیک معتبراورسسند بن گئی، نیز کرا بابل کے قصے کہا نیاں بھی معتر ہوگئے باو ہو دیکہ وہ دوسوسال بعد جمع کئے گئے ہیں ، تو پھران ہا کے بالوں نے کیا تفورکیا دج صرف دوسوسترسال بعد جمع کئے گئے کہ وہ معتبریز انے جا بٹن ؟

بعض مخقتين علماء يروثستنط كاعتزاف

بعض محقفین علماء پر و تستنط نے انصاف سے کام لینے ہوئے اعراف کیا ہے کہ زبانی روایات بھی سکی ہوئی کتاب کی طرح معتبر ہیں، کتاب کینیھو لک ہیرلڈ طلم معتبر ہیں، کتاب کینیھو لک ہیرلڈ طلم معتبر ہیں، کتاب کینیھو لک ہیرلڈ طلم معتبر ہیں۔ اس معتبر میں اس طرح ہے:

وہ ڈاکٹر بریط جوفت ہے ہر وٹسٹنٹ کے فضلاء ہیں سے ہے، اپنی کتا کے معتبر معتبر معتبر میں معتبر میں ہیلے میں سے ہے کہ دین عبیری ہیلے

اسقفوں اورحار بوں کے تابعین کوزبانی روایت کے ذریعے حوالے کرد با كيا عقا ، اووان كواس بات كاحكم دياكيا تفاكه وه اسكى شاظن كريس ، اور بچیلی نسل کے حوالے کر دیں ،اورکسی مقدرس کتاب سے خواہ وہ بچراس واری کی ہو، یاکسی دوسرے واری کی، یہ نابت نہیں ہوتا کرا تھو سنے ان تمام جروں کوجن کو بخات میں دخل ہے اجتماعی طور پر یا انفرادی طرفے بركها موا، اوراكس كو قانون بنايا مورجس سے يربات سمجى حائے كم دين مسوی میں کونی السی مزوری بیزجس کو غات میں دخل ہے ، سوا کے مکھی ہوئی چیز کے بہیں ہے، اور اسی کتاب کے صفحہ ۳۲ ، ۳۳ میں کہتا ہے کہ تم دیجھتے ہو کہ بولس وغیرہ وارای کوکہ انھوں نے جس طرح احادیث وبه يك بزرلع عرفر بربينها ياس اسطح زباني روايات كي ذريع بعي بہنچایا ہے، توان لوگوں کے لیے بڑی ملاکت ہے جودونوں کو محفوظ ندر صیل اورا حادبین عیسوبر ایمان کے باب میں مکھی ہوئی کے ماندمعنر میں اورانیب مون طیک کہنا ہے کہ حوار بین کی احادیث السی ہی معنبر ہیں جیسے ان مےخطوط ادر بخریریں ایر واسٹنٹ راولوں میں سے کوئی شخص اس کا انکار نہیں کرستا كه حواريين كى زبانى تقريرين أن كى مخريرات سے برهى بحد في بن ، جلنگ ورتھ کہنا ہے کہ بر جھر طاکہ کونسی الجیل فانونی ہے اور کونسی فانونی نہیں ہے زبانی روابت سے ختم ہوسکتا ہے جو ہر تھ گڑے کے لئے انصاف کا قاعدہ ،

بإدرى تفامس كالمسكنيه مولك كافيصله

واسفف انی سیک جو پروٹسٹنٹ کے علماء میں سے ہے، اکس بات

کی تبہادت دینا ہے کہ چھ سواحکام ایسے ہیں جن کو اللہ نے دین میں قرر کیاہے ، اور کلیدا ان کا حکم کر تاہے ، دیکن اُن کے بائے بیں یہ بات کہی جاسکی ہے کہ کذاب مقدر س نے ندان کو کسی مقام پر بیان کیاہے مذتعلیم دی ہے " اس فا ضل کے اعر اف کے مطابق چھ سواحکام زبانی روایت سے تا بن ہوئے بی اور فرقہ پر وٹسٹنٹ کے نز دیک واحب السلیم ہیں

دوسلافائده: الهم بانیس یادر سنی بیس

بہات صحیح تجربے سے نابت ہے کہ جو بیز عجیب اور مہتم بالشان ہوتی ہے دہ لروكوں كو ياد ہوتى ہے ، اور جومعمو لى اور سرشرى ہوتى ہے وہ عمومًا اہم منہونے کی دھے محفوظ منہیں رہنی، یہی دجرے کراگر آب ایسے لوگوں سے جوکسی مخفو کھانے یا مخصوص کھانوں کے عادی نہوں بیسوال کریں کہ آب نے گذشتہ کل یا رسوں کونسا کھا ناکھا یا تھا ؟ تو بربات ان کو اس کئے بار مہیں ہوگی کہ نہوان کو اس کاخاص ابنام ہوتا ہے، نہ ان کی سکاہ میں کھا ناکو ٹی عجیب اور اہم معاملہ ہے کردہ ہرکھانے کو یادر کھیں، نہی صورت تمام عمومی افعال واقوال کی ہے، لیکن اگرای ان سے اس د مدارستارے کے متعلیٰ دریافت کریں ج مفر وهما يعرطابن ماريح ستنكمايج بين تمودار مواسفا اور يورے ايك مهينے يك نصائے أساني برحيكنا رما، اور كافي لمباتفا ، توبيروا قعراك و يجھے والو کو محفوظ ہوگا، بر دوسری بات ہے کہ اس کے ہمو دار ہونے کا مہدینہ اورسال ان کو یا دیذر با ہو، حالا نکر اس وا نعیہ کو اکسیں سال سے زیادہ ہو چکے ہیں ہی کیفتیت بڑنے بڑے زلزلوں اور بڑی بڑی لڑا ٹیوں اور نا در و اقعات

بو بخدمسلانوں کو ہرز انے بین حفظ فر آن کا ابتمام ر باہے ،اس لئے اُن

میں فر آن کے حافظ السس زمانے بیں بھی اسسلامی ممالک بیں ایک لاکھ سے زیادہ موجود ہیں ،حالا نکراکٹر ملکوں سے اسلامی سلطنت مط گئی ،اور ان ممالک بیں دبنی امور میں سفسنی بھی بیداً ہوگئ ،اگر کسی عبسائی کو ہمائے اسس دعوے میں کوئی شک ہو نودہ کچر ہرکرلے ، اور صرف جامع از ہر بیں جاکر دبیھے لے ، جہاں اُس کو ہردفت ب بزارسے زائد حافظ فرآن ملیں گے ،جَہونے کا مل بخوبدے ساتھ فرآن کو در اس الرم مرکے درہات بیں تلامش کیاجائے نومسلمانوں کاکوئی بھی گاڈں سرآن کے حافظوں سے خالی نہیں ملے گا،مصریے بہت سے مجیر، مھواور کرھے م نجنے والے حافظ قرآن ملیں گے ، بھراگروہ منصف مزاج ہو کا نو عرورات ارکرے كاكه بركد هے اور شو م نكنے والے يفننا اس معاملے بيں ان يا باؤں ، لبشيون، یادر بوں سے فائق مں جواسس ز مانے میں مشرق سے مغرب مک مصلے بڑے میں حالانکدیرزمانه عبسانی دنیاکی علمی ترفی ادر عوج کا ہے ، جبرجا عیسکه وه گذست عبائی دور حس کی است راء سانوس صدی سے بندر ہویں صدی بک ہے ، حب بیں علماء پر وٹسٹنٹ کے اعتراب کے مطابق جہالت علماء کا شعار تھا، ہماراخیال کو ے کہ تمام اور بین مالک میں تمجوعی طور پر بھی توریت یا انجیل کے یادونوں کتا ہو سکے سن حافظ تمجی البیسے منہیں ملیں گئے جن کو کو بڑا بک کتاب یادو نوں کتابیں ان گرھے اور نجر مانکے والے حافظوں کے برابر باد ہوں،

فائرہ ما بیں آب کومع کوم ہوجیا ہے کہ ار بنونس نے کہاہے کہ : میں نے اللہ کے نفنل سے برحدیثیں بڑے فور و تدبرے شنی ہیں، اور بین نے ان کو اپنے سینے میں کھا ہے ، مذکہ کا غذیب، اور میرامعول عرصۂ درازسے بہت کرمیں ان کو دیا نت کے ساتھ وہرا آ رہا ہوں '؛

اور بەتھىكها تقاكە ؛

و توموں کی زبانیں اگر حب مختلف ہوں ، لیکن زبانی روایت کی حقیقت ایک ہی رہائی روایت کی حقیقت ایک ہی رہنی ہے ۔ رمنی ہے ، اس سے کہ جرمنی کلیسا تعلیم اورعقا تُدے معلطے میں فرانس ، اسبین *

مشرق ،مصر ، ببیا مے کلب او سے مخالف بہیں ہیں ' ولیم مبور ار ایخ کلبسا مطبوعر من ۱۸ ملئه کے باب سربین کہناہے کہ:

رد متقدمین عیسا یموں کے بہاں ایمانی عفیدول میں جوعقیدے ایسے ہیں کہ ان کااعقا نجات کے سے صروری ہے ، ان میں سے ایک بھی اُن کے باس مکھا ہوا سنہیں ہے ، مالانک وه بچوں کو اور ان استفاص کو جو ندم ب عبسوی میں واخل ہوستے ہیں زبانی طور برسکھائے ماتے ہیں، اور بیعفتیرے ہرقریب و دورمقا،ات بریکساں ہی چلے آنے تھے، پھر حب اُن کو کنابت کے ذریعے صبط کیا گیا اور منفایلہ کیا گیا تو تجيك اورمطابق ياباكيا ، اورسوائے معمولي لفظ ختلات كے نفس مطلب اوراصل

مقصدين كوئى فرق منين يا ياكيا"

معلوم ہواکہ جوبات اہم اورمہنم بالشان ہونی ہے وہ محفوظ رہتی ہے ،امس میر ز مائد دراز کزرنے کی وحب سے کوئی خلل دافع مہیں ہوتا ، یہ وصف اور خصوصیت قرآن كريم بين نمايان بن ، حالا محد باره سواستى سال كاطو بل عرصب گذرج كاب، مگروه وحس طرح رزانے ہیں بخر برکے ذریعے محفوظ رہا ، اسی طرح ہردور میں ہزاروں لا کھوں سینوں کے یع محفوظ جلاآ آب ، کھراس زمانے میں عیسا بیوں کے بہت سے فرنے الیے ہی کاآگر ہم ان مے خواص او ارجب براے عالموں کی جانب نگاہ ڈالیں ، اور عوام اور جبلاء کو نظراً ر بن تو بھی ہم دیکھنے ہیں کہ اُن کو کہجی اپنی کتا ہے۔ مفرس کی تلاد سنے کر نا نصیب

معلم میکائیل مشاقه جوعلماء بروتستنت بین سے اپنی كناب الدليل الى طاعة الالجيل مطبوعه الممارة كي صفح ١٦١٣

ر بیں نے ایک روز فرقہ کیتھو لک کے ایک کا ہن سے بو حیاک کناب مقدر کے مطالعه کی نسبت مجھ کوسیرے سے بتاؤ کرتم نے اپنی زندگی میں اس کوکتنی مرتنہ برهام ١٩ س فجواب دياكه يهل توميس كبهي كبهي بره لياكر المقاءا ورنساادفا

تمام کنابیں ، میکن اب ۱۷ سال سے رعیت کی خدمت میں منہ ک ہونے کی وجہ سے مجھے کتا ب مقد سے مطالعہ کی کھی فرصت بنہیں ملی ، تعجب کی با بیہ ہے کہ اکثر عوام کلیسا کے ان ناخداؤں کی جہالت سے واقف ہیں ، مجھے کججب یہ لوگ انفیاں ہلایت بخشے والی کتابوں کا مطالعہ کرنے سے روکتے ہیں توعوام مان جاتے ہیں '؛

تبيازفائده ، تدوين حديث كي مخضر اربخ

صبحے مدیب ممانوں کے بہاں بھی اس طریفے ادر <u>منٹ راکط کے مطابق ، جو</u> عنقر بب ہم تفصل سے بیان کریں گے معتبر ہے ، اور چو بحر حضور صلی انٹر علاجیہ کم کاارٹ دکڑا می :

اتقواالحدد بین عنی الآما معلی من مجھ سے مدیثیں مون وہ نقل کرو علم تعرفمن کذب علی جن کے بائے بین ہمیں علم نو ، اقی بائیں متعمدا فلی تبوّا مفعد به بیان کرنے سے بچواس لئے کہ جوشخص من الناد میں الناد میں بنانے کا وہ ابنا شکانا دوزخ میں بنانے کا

مدین متواتر ہے، حس کو ۲۲ صحابہ نے جن میں عشرہ مبشرہ بھی شامل ہیں روایت کیا ہے،
اس بناء پرفرن اول سے حضور صلی استرعک ہے کی احادیث کا استمام رہا ہے، اُن کا بیر
استمام عیسا یُوں کے استمام سے بہت زیادہ ہے ، حبیباکہ ان کو ہر زمانے میں حفظ فسران
کا استمام عیسا یُوں کے کذب مقدر کے حفظ کرنے کے استمام سے زیادہ رہا ہے ، مگر حجا
کرام رضی استرعنہ اجمعیں نے اپنے زمانے میں لجعن مجبور بوں کی بناء بران روایتوں کو کما بی
میں بعدین معنی متواتر ہے و لو اجد ھلا اللفظ الذی و دیرہ المصنف وللروایة
طرق ک تیرہ اخر جمع الفوائد، ص ۲۲، ج اول)،
دابن مسعود راد اجع جمع الفوائد، ص ۲۲، ج اول)،

شکل میں جمع مہیں کیا ،حس کی ایک بڑی مصلحت بریخی کہ انتخرت سلی الشولا سے امام ذہری کا کلام قرآن کریم کے ساتھ مخلوط اور مشتنب نہ ہوجائے ، البتہ البین میں سے امام ذہری کی مرب بن صبح وہ ، سعیت و می و مرجم الشریعی بزرگوں نے اس کی شروین اور جمع کی ابتراء کی ، مگر انہوں نے فقی الوا ب کی ترتیب کے مطابق ان کو ترتیب نہیں دیا ، لیکن پؤیکر یہ ترتیب میں مرد اور بہتر یہ نفی ، اس لئے طبع البیعن نے اسی ترتیب کوا خت یارکیا ، پنا اپنے الم مالک نے نہیں کی بردائش سے جمع میں نے مرب کی موال تصنیف کی ، اور مکہ میں الامحمد عب رالمالک بن عب رالعزیز بن جریج رونے ، شام میں عبدالرحل بن اور اعی رونے ، کوفر میں میں اور ان میں حد مدین میں کتا ہیں جمع کیں ، پیم بخاری میں سفیان قوری رونے ، لعرو میں جماد بن سلمرہ نے صدیب میں کتا ہیں جمع کیں ، پیم بخاری اور مسلم نے اپنی سجیعین تصنیف کیں ، اور ان میں حدث سے حدیثوں کے ذکر براکتفاء کیا ماور دوسری کمزور اور ضعیف روا بیوں کو ترک کردیا ،

لینی مرت بین داسطوں سے براہ راست حضور صلی الشرعلیہ دس مے سے بل جانی ہیں ،

المجر میں میں المجر میں اللہ میں ال

صریت متوانز دہ کہلاتی ہیں جس کوالیبی جماعت دوسری جماعت سے نقل کرتی ہے کہ جن سب کاکسی جھوٹی بات پر مشفق ہوجا ناعقل کے لادیک محال ہو،اس کی شال نماز کی رکعتوں والی روایت بازکواۃ کی مضراروں والی روایت دغیرہ،

درج کی ہوگئی، شلا سنگساری کاحکم زنا کے سلسلے میں ،

خبروا صردہ ہے کہ حب کو ایک راوی نے دوسرے ایک راوی سے یا ایک

جماعت سے یاایک جماعت نے ایک شخص سے روایت کیا ہو،

متواز صربین علم بقینی کومت از مہد ، اور اس کا انکار کفرہ ، صربیت مشہور علم طابیت کی موجب ہے ،اس کا انکار بدعت اور فسن ہے، خبر واحد دونوں قئم کے علم کی موجب نہیں مگر واجب العمل ہونے کی حد تک معتبر ہے ، نہ اس سے عقائر کا ثبات ممکن ہے اور نہ اصول دین کا ،اور اگر دلیل قطعی کے خلاف ہو خواہ وہ عقلی ہو یا نقلی تو اگر تا دیل ممکن ہے تو اس بین اویل کی جادے گی در نہ اسے جھوڑ دیا جائے کا ، اور اس کی جگر دلیل فطعی پر عمل عزوری ہوگا ،

حديث مجيح اور قرآن ميں فرق

بہ فرق بین طیع سے ہے : اقال میر کہ قرائن بولا کا بورا تو اتر کے طریقے برمنقول ہے اللہ علم طانینت ماصل ہوئے کا مطلب پر ہے کہ جات خرمشہور سے تا بت ہواس کے بارے میں گرم متواز کی طرح یعتین تو نہیں ہوتا مگر اس کے میرے ہونے کا غالب گمان اور اطبینان ہوجا تاہے ،

ک د وایت بالمعنی کامطلب یہ ہے کہ انخفرت صلی اللہ علیہ وسلم نے جو لفظ ارشاد فرمائے تھے اوی ایک بین انفاظ کو تو نفل بہیں کرنا مگر ان کا مفہوم پوری طرح اداکر دیتا ہے ، تفی کله بعنی کو تی شخص کسی مخفہوں صرف شہریا نہو احد کے انکار کرنے سے کا فر نہیں ہوتا ، لیکن بیرواضح اسے کہ جو شخص احا دیث کو اصولی طور پر ہی جمت تیلیم مذکرتا ہووہ تمام مسلمان مکانب فکر کے زدیک کا فرہے ، اسکی مثال تقریبالیں ہے جیسے کہ نصال می کی ہاں اگر کو بی شخص با مبل کی کسی آیت کو الحافی قرار دیرے تو وہ ان کے نزدیک عیسائیت سے خارج نہیں ہوتا ، چائے بہت سے نفرانی علماء نے باشیل کی بہت سی عبارتوں کو الحافی نسلیم کیا ہے ، لیکن ہوشخص با مبل کو اصولی طور پر انسلیم مذکرے آسے دہ عیسائیت سے خارج نہیں ہوتا ، انسلیم مذکرے آسے دہ عیسائیت سے خارج قرار دیتے ہیں ۱۲ تقی

قصانیف حضرت مولا نامفتی محمد تقی عثانی صاحب م^{ظله}م العالی

| تقليد کی شرعی حیثیت | | اسلام اورجه يدمعيشت وتجارت | |
|-----------------------------------|----------|-------------------------------|--|
| جهانِ دیده | | اندلس میں چندروز | |
| حضرت معاويةٌ وْتَارِيخَى حْقَالُق | | اسلام اورسياست حاضره | |
| جحيت حديث | E | اسلام اورجدت پیندی | |
| حضورة الله نے فر مایا | | اصلاح معاشره | |
| حكيم الامت مسيسى افكار | | اصلاحی خطباب (۱۶ جلد) | |
| درس ترندی کامل۳ جلد | | اصلاحي مواعظ ساجلد | |
| دنیامرے آگے | | اصلاحی مجالس۳ جلد | |
| دینی مدارس کا نصاب و نظام | | احكام اعتكاف | |
| <i>ذ</i> کروفکر | | ا کابرعلمائے دیو بند کیا تھے؟ | |
| ضبط ولادت | | آ سان نيکياں | |
| عیسائیت کیا ہے؟ | | بائبل ہے قرآن تک کامل ۱۳ جلد | |
| علوم القرآن | | بائبل کیاہے؟ | |
| عدالتي فيصليه جلد | | پرنور دعائیں | |
| فردکی اصلاح | | تراثے | |
| فقهى مقالات مه جلد | ૄ | سود پر تاریخی فیصله | |



ENGLISH BOOKS

lslam and Mdernism The Noble Quran 2 Volume Saying of Muhammad An Introduction to Islamic Finance Spiritual Discorses The Historic Judgment on Interest Islamic Months Contemporary Fatawa What is Christianity The Language of the Friday Khutbah Redinat Prayers Discoures on the Islamic way of life Qur,anic Science The Legal Ststes of Following a madhab The Authority of Sunnah Legal Rulling Slaughtered Animals Basy Good Deeds Perform Salah Correctly

تصانيف

مفتى اعظم پاكستان حضرت مولا نامفتى محمدر فيع عثمانى صاحب مدطلهم العالى

| اللّٰد كا : كر | ® | نوا درالفقه ٢ جلد | * | 😸 حیات مفتی اعظم |
|--------------------------------|----------|------------------------------------|----------|---|
| جباد کشمیراور بهاری ذ مه دار أ | ® | علمائے ویو بند کے نتین فرائض منصبی | ® | 😸 درس مسلم ۲ جلد |
| مخلوق خدا كوفائده يهنجإؤ | ® | حج کے بعدزندگی کیے گزاریں | ® | 🕸 دینی جماعتیں اور موجودہ سیاست |
| دوسراجهادا فغانستان | ® | مئله تقذير كاآبهان حل | ® | 🕸 علامات قيامت اورنز ول مسيح |
| دینی تعلیم اور عصبیت | | شرح عقو درسم المفتى | ® | 🕸 علم الصيغه |
| محبت رسول اوراس كاتفام | ® | مكانة الاجماع وقجية | ® | 🕸 عورت کی سربرای کی شرعی حیثیت |
| ملت اسلام اورمنت كفر | ® | المقالات الفقصية | | 🛞 فقداورتصوف ایک تعارف |
| مستحب كام اوران كى ائميه | ® | ضابطه المفطر ات في مجال الند اوي | ® | 😸 كتابت حديث عبدرسالت |
| 19 | | | | وعهد صحابه ميں |
| | | ﴿ رسائل ﴾ | ® | میوی مرشد حضرت عارثی اللہ میوی میری میری میری میری میری میری میری |
| | | د یی مد ارس اور نفاذ شریعت | | 🕸 یورپ کے تین معاشی نظام |
| 8 | | خدمت خلق | ® | 😸 احکام زکوة |
| | | حب جاه ایک باطنی بیاری | ® | ا پیترے ۔۔۔ پراسرار بندے |
| | | طلبائے وین ہے خطاب | ® | 🛞 گلگت کے پہاڑوں میں |
| | | | | یادگارآپ بیتی (سفرنامه) |
| | | | ® | 🛞 انبیاء کی سرزمین (سفرنامه) |